disha
Nurturing Ambitions

बाल विकास एवं शिक्षण शास्त्र

पेपर 1 & 2 for CTET & STET

VISIT…

EBD_7907

• **Corporate Office :** 45, 2nd Floor, Maharishi Dayanand Marg, Corner Market, Malviya Nagar, New Delhi-110017
Tel. : 011-49842349,49842350

Typeset by Disha DTP Team

DISHA PUBLICATION

ALL RIGHTS RESERVED

© Copyright Publisher

No part of this publication may be reproduced in any form without prior permission of the publisher. The author and the publisher do not take any legal responsibility for any errors or misrepresentations that might have crept in. We have tried and made our best efforts to provide accurate up-to-date information in this book.

For further information about the books from DISHA,
Log on to **www.dishapublication.com** or email to **info@dishapublication.com**

विषय सूची

अध्याय - 1	बाल विकास	1-58
अध्याय - 2	समाजीकरण प्रक्रिया	59-77
अध्याय - 3	बाल-केन्द्रित शिक्षा व प्रगतिशील शिक्षा	78-99
अध्याय - 4	बुद्धि निर्माण एवं बहुआयामी बुद्धि	100-120
अध्याय - 5	समावेशी शिक्षा	121-158
अध्याय - 6	शिक्षण अधिगम की मूल प्रक्रियाएँ	159-186
अध्याय - 7	अभिप्रेरणा व अधिगम	187-213
अध्याय - 8	आकलन एवं मूल्यांकन	214-230
अध्याय - 9	भारतीय शिक्षा के विकास के कुछ प्रमुख घटनाक्रम	231-240

CTET / STET

पाठ्यक्रम की संरचना और विषय-सूची
(पेपर-I और पेपर-II)

बाल विकास और अध्यापन

बाल विकास और अध्यापन — 30 प्रश्न

(क) बाल विकास (प्राथमिक विद्यालय का बालक) — **15 प्रश्न**

- विकास की अवधारणा तथा अधिगम के साथ उसका संबंध
- बालकों के विकास के सिद्धांत
- आनुवांशिकता और पर्यावरण का प्रभाव
- सामाजिकीकरण प्रक्रियाएँ : सामाजिक विश्व और बालक (शिक्षक, अभिभावक और मित्रगण)
- पियाजे, कोह्लबर्ग और वायगोट्स्की : निर्माण और विवेचित संदर्श
- बाल-केन्द्रित और प्रगामी शिक्षा की अवधारणाएं
- बौद्धिकता के निर्माण का विवेचित संदर्श
- बहु-आयामी बौद्धिकता
- भाज़ा और चिंतन
- समाज निर्माण के रूप में लिंग : लिंग भूमिकाएं, लिंग-पूर्वाग्रह और शैक्षणिक व्यवहार
- शिक्षार्थियों के मध्य वैयक्तिक विभेद, भाषा, जाति, लिंग, समुदाय, धर्म आदि की विविधता पर आधारित विभेदों को समझाना
- अधिगम के लिए मूल्यांकन और अधिगम का मूल्यांकन के बीच अंतर; विद्यालय आधारित मूल्यांकन, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन : संदर्श और व्यवहार
- शिक्षार्थियों की तैयारी के स्तर के मूल्यांकन के लिए (कक्षा में शिक्षण और विवेचित चिंतन के लिए तथा शिक्षार्थी की उपलब्धि के लिए उपयुक्त प्रश्न तैयार करना)

(ख) समावेशी शिक्षा की अवधारणा तथा विशेष आवश्यकता वाले बालकों को समझना — **5 प्रश्न**

- गैर-लाभप्राप्त और अवसर-वंचित शिक्षार्थियों सहित विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को समझना।
- अधिगम संबंधी समस्याएं, कठिनाई वाले बालकों की आवश्यकताओं को समझना।
- मेधावी, सृजनशील, विशिष्ट प्रतिभावान शिक्षणार्थियों की आवश्यकताओं को समझना।

(ग) अधिगम और अध्यापन — **10 प्रश्न**

- बालक किस प्रकार सोचते और सीखते हैं; बालक विद्यालय प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में कैसे और क्यों 'असफल' होते हैं।
- अधिगम और अध्यापन की बुनियादी प्रक्रियाएँ; बालकों की अधिगम कार्यनीतियां: सामाजिक क्रियाकलाप के रूप में अधिगम: अधिगम के सामाजिक संदर्भ।
- एक समस्या समाधानकर्ता और एक 'वैज्ञानिक अन्वेषक' के रूप में बालक।
- बालकों में अधिगम की वैकल्पिक संकल्पना; अधिगम प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण चरणों के रूप में बालक की 'त्रुटियों' को समझना।
- बोध और संवेदनाएँ
- प्रेरणा और अधिगम
- अधिगम में योगदान देने वाले कारक - निजी एवं पर्यावरणीय।

1 बाल विकास

एक अध्यापक के लिए वृद्धि एवं विकास का अध्ययन करना अत्यंत आवश्यक है। इसका मूल कारण यह है कि अध्यापक को भिन्न-भिन्न सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बालकों को शिक्षा देने का कार्य करना होता है, जो कि अलग-अलग आयुसमूहों से सम्बन्धित होते हैं। प्रत्येक आयु की अपनी विशेषताएँ होती हैं। अध्यापक के लिए आवश्यक है कि वह भिन्न आयुसमूहों की विशेषताओं, योग्यताओं, समस्याओं व क्षमताओं को ध्यान में रखकर अध्यापन कार्य करें। अध्यापक के ऊपर यह दायित्व होता है कि वह बालक में वांछनीय परिवर्तन लाये ताकि वह एक अच्छे नागरिक की जिम्मेदारी निभाकर राष्ट्रीय विकास में अपना योगदान कर सकें। इसके लिए बालक को ठीक प्रकार से शिक्षित किया जाना आवश्यक है। शिक्षा, वह चाहे औपचारिक हो या अनौपचारिक, वृद्धि और विकास के मार्ग में बालक का भली-भांति पथ प्रदर्शन कर सकती है। शिक्षा द्वारा सब कुछ किये जाने के लिए अध्यापकों को वृद्धि व विकास के सभी पहलुओं से परिचित होना अति आवश्यक है। वृद्धि व विकास के ज्ञान के द्वारा ही अध्यापक छात्रों को आवश्यक निर्देशन व उपयुक्त शिक्षा देकर उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास कर सकता है। अत: अध्यापक को वृद्धि व विकास का ज्ञान होना आवश्यक है। बालक के विकास की प्रक्रिया जन्म से पूर्व, जब वह माता के गर्भ में आता है, तभी से आरम्भ हो जाती है और जन्म के बाद विभिन्न अवस्थाओं से गुजरती हुई चलती रहती है।

'वृद्धि' व 'विकास' प्राय: ये दोनों शब्द एक-दूसरे के पर्यायवाची के रूप में काम में लाये जाते हैं क्योंकि ये दोनों प्रक्रिया एक-दूसरे से सम्बन्धित व निर्भर हैं। व्यक्ति के विकास में दोनों का अलग-अलग योगदान तय करना कठिन है, किन्तु मनोवैज्ञानिकों ने इन दोनों प्रक्रियाओं में कुछ अन्तर बताया है।

अभिवृद्धि : अभिवृद्धि को कोशीय वृद्धि के अर्थ में प्रयुक्त करते हुए मनोवैज्ञानिक फ्रैंक का कहना है- ''शरीर व व्यवहार में से पहले जिसमें जो परिवर्तन होते हैं, उन्हें अभिवृद्धि कहते हैं''।

सोरेन्सन के अनुसार, ''सामान्य रूप से 'अभिवृद्धि' शब्द का प्रयोग शरीर व उसके अंगों के भार और आकार में वृद्धि के लिए किया जाता है''।

विकास : विकास का अर्थ बालक के कद या भार में परिवर्तन होने से नहीं है, विकास में एक निश्चित क्रम होता है, जो बालक को शनै: शनै: परिपक्वता की ओर बढ़ाता है, इसमें प्रगति निहित होती है । अत: निश्चित परिवर्तनशील प्रगति को ही विकास माना जाता है।

श्रीमती हरलॉक के अनुसार, ''विकास की सीमा अभिवृद्धि तक ही सीमित नहीं है, अपितु प्रौढ़ावस्था के लक्ष्य की ओर परिवर्तनों का प्रगतिशील क्रम निहित रहता है। विकास के परिणामस्वरूप व्यक्ति में अनेक नवीन विशेषतायें एवं योग्यतायें प्रकट होती हैं''।

मुनरो का कथन है, ''परिवर्तन,शृंखला की वह अवस्था, जिसमें बालक भ्रूणावस्था से लेकर प्रौढ़ावस्था तक गुजरता है, विकास कहा जाता है''।

अतएव कहा जा सकता है कि विकास अवयवों की कार्यक्षमता की ओर संकेत करता है। विकास व्यक्ति की क्रियाओं में निरंतर होने वाले परिवर्तनों में दिखाई देता है। अत: 'विकास शरीर के गुणात्मक परिवर्तनों का नाम है' जिसके कारण व्यक्ति की कार्यक्षमता, कार्यकुशलता और व्यवहार में प्रगति या अवनति होती है।

अभिवृद्धि व विकास के मध्य व्याप्त अन्तर को हम निम्न प्रकार स्पष्ट कर सकते हैं-

	वृद्धि (Growth)	विकास (Development)
1.	'वृद्धि' शब्द परिमाणात्मक परिवर्तनों (Quantitative Changes) के लिए प्रयुक्त होता है। उदाहरण के लिए, बालक के बड़े होने के साथ-साथ आकार, लम्बाई, ऊँचाई व भार में होने वाला परिवर्तन वृद्धि कहलाता है।	'विकास' शब्द गुणात्मक परिवर्तनों के लिए प्रयुक्त होता है जिसके फलस्वरूप बालक की कार्यक्षमता, कार्यकुशलता व व्यवहार में प्रगति होती है।
2.	'वृद्धि' शब्द सीमित अभिप्राय लिये हुए है। सम्पूर्ण विकास की प्रक्रिया में वृद्धि एक चरण है।	'विकास' शब्द अपने-आप में एक विस्तृत अर्थ रखता है, वृद्धि मात्र इसका एक भाग है। यह व्यक्ति में होने वाले सभी परिवर्तनों को प्रकट करता है।
3.	वृद्धि की प्रक्रिया जीवनपर्यन्त नहीं चलती। बालक द्वारा परिपक्वता ग्रहण करने के साथ-साथ यह समाप्त हो जाती है।	विकास एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। वृद्धि की तरह बालक के परिपक्व होने पर यह समाप्त न होकर आजीवन चलती है।
4.	वृद्धि के फलस्वरूप होने वाले परिवर्तन सामान्यतः स्पष्ट दिखाई देते हैं। इन्हें भली-भांति मापा भी जा सकता है।	विकास के फलस्वरूप होने वाले परिवर्तनों को प्रत्यक्षतः मापना कठिन है। इन्हें केवल अप्रत्यक्ष तरीकों, जैसे व्यवहार के निरीक्षण आदि के द्वारा मापा जा सकता है।

उपर्युक्त तथ्यों से यह स्पष्ट होता है कि अभिवृद्धि एवं विकास सर्वथा एक-दूसरे से भिन्न हैं, किन्तु यदि व्यावहारिक दृष्टि से देखा जाये तो ज्ञात होता है कि विकास की अवधारणा में अभिवृद्धि की अवधारणा भी निहित है। मानव विकास के अध्ययन में हम वृद्धि को विकास से कदापि अलग नहीं कर सकते ।

विकास के कारणः बालक के शारीरिक व मानसिक क्रियाओं के दो मुख्य कारण होते हैं, जो इस प्रकार हैं-

1. **परिपक्वता :** परिपक्वता का अर्थ है- व्यक्ति के आन्तरिक अंगों का प्रौढ़ होना तथा उन गुणों का विकसित होना जो उसे वंशानुक्रम से प्राप्त होते हैं। बालक के विकास पर परिपक्वता की प्रक्रिया का प्रभाव जन्म से लेकर तब तक पड़ता है जब तक कि उसे मांसपेशीय एवं स्नायविक दृढ़ता और प्रौढ़ता पूर्ण रूप से प्राप्त नहीं हो जाती । परिपक्वता आन्तरिक विकास की प्रक्रिया है, इसी के कारण बालक के शारीरिक अवयवों में नई क्रिया को सीखने की क्षमता उत्पन्न होती है।
2. **अधिगम :** वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करते समय व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक क्रियाओं में जो परिवर्तन होता है, उसे अधिगम या सीखना कहते हैं।

   परिपक्वता तथा अधिगम की क्रियाओं का एक-दूसरे से घनिष्ठ सम्बन्ध है। दोनों का प्रभाव एक-दूसरे पर पड़ता है। विकास के अन्तर्गत दोनों महत्त्वपूर्ण स्थान रखते हैं। परिपक्वता वंशानुक्रम से तथा अधिगम वातावरण से सम्बन्धित है।

विकास के सिद्धान्त

गैरीसन तथा अन्य के अनुसारः

जब बालक विकास की एक अवस्था से दूसरी अवस्था में प्रवेश करता है, तब हम उसमें कुछ परिवर्तन दिखाई देते हैं। अध्ययनों के दौरान पाया गया है कि परिवर्तनों में पर्याप्त निश्चित सिद्धान्तों का अनुसरण करने की प्रवृत्ति होती है। इन्हें ही विकास के सिद्धान्त कहा जाता है। इन्हीं सिद्धान्तों के द्वारा विकास की प्रक्रिया नियंत्रित होती है, जो इस प्रकार हैं:

1. **विकास की दिशा का सिद्धान्तः** इस सिद्धान्त के अनुसार, शिशु के शरीर में विकास सिर से पैर की ओर होता है। मनोवैज्ञानिकों ने इस विकास को मस्तकेघोमुखी (Caphalo Caudal Direction) कहा है। इसमें पहले शिशु का सिर, फिर धड़ व इसके पश्चात् हाथ-पैरों का विकास होता है।
2. **निरंतर विकास का सिद्धान्तः** स्किनर के अनुसार, ''विकास प्रक्रियाओं की निरंतरता का सिद्धान्त केवल इस तथ्य पर बल देता है कि व्यक्ति में कोई परिवर्तन नहीं होता है''। विकास एक समान गति से नहीं होता, बल्कि अविराम गति से निरंतर चलता रहता है। विकास की गति कभी तेज, कभी धीमी रहती है।

3. **विकास क्रम का सिद्धान्तः** इस सिद्धान्त के अनुसार, विकास एक निश्चित व व्यवस्थित क्रम से होता है। बालक का गति सम्बन्धी व भाषा सम्बन्धी विकास एक क्रम में होता है। जैसे-तीसरे माह में गले से एक विशेष प्रकार की आवाज निकालना, छठे माह से खिलखिलाकर हँसना, सातवें माह में वह पा, बा, मां व दा आदि शब्दों को बोलने का प्रयत्न करता है।
4. **विकास की गति में वैयक्तिक भिन्नता का सिद्धान्तः** वैज्ञानिक अध्ययन यह सिद्ध करते हैं कि विभिन्न व्यक्तियों के विकास की गति में विभिन्नता होती है। एक ही आयु के दो बालकों में शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास में वैयक्तिक विभिन्नतायें स्पष्ट दिखाई देती हैं।
5. **परस्पर सम्बन्ध का सिद्धांतः** बालक के शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक पक्ष के विकास में परस्पर सम्बन्ध होता है। शारीरिक विकास के साथ ही साथ उसकी रुचि, ध्यान व व्यवहार में भी परिवर्तन होता जाता है। शारीरिक विकास बौद्धिक विकास को प्रभावित करता है।
6. **समान प्रतिमान का सिद्धान्तः** इस सिद्धान्त के अनुसार, मानव जाति के शिशुओं में विकास का प्रतिमान एक ही है, अर्थात उनके विकास में किसी प्रकार का अन्तर नहीं होता । हरलॉक ने इस सिद्धान्त का अर्थ स्पष्ट करते हुए कहा है-

   ''प्रत्येक जाति, चाहे वह पशु जाति हो या मानव जाति, अपनी जाति के अनुरूप विकास के प्रतिमान का अनुसरण करती है''।
7. **सामान्य से विशिष्ट प्रतिक्रियाओं का सिद्धान्तः** इस सिद्धान्त के अनुसार, विकास के समस्त पक्षों में बालक पहले सामान्य प्रतिक्रिया करता है, बाद में विशिष्ट प्रतिक्रिया करता है। उदाहरण के लिए, किसी वस्तु को प्राप्त करने के लिए सामान्य रूप से केवल हाथ ही नहीं, बल्कि अन्य अंगों को भी हिलाता है, किन्तु धीरे-धीरे उसे प्राप्त करने के लिए विशिष्ट रूप से हाथ बढ़ाता है।
8. **वंशानुक्रम व वातावरण के मध्य अन्तःक्रिया का सिद्धान्तः** बालक का विकास वंशानुक्रम व वातावरण की अंतःक्रिया (Interaction) के कारण होता है। इसके आगे शिशु विकास नहीं कर सकता ।

विकास के आधार

विकास के दो आधार हैं-

1. वंशानुक्रम
2. वातावरण

वंशानुक्रम : डगलस व हालैण्ड के अनुसार, ''एक व्यक्ति के वंशानुक्रम में वे सभी शारीरिक बनावटें, शारीरिक विशेषताएँ, क्रियाएँ या क्षमतायें सम्मिलित रहती हैं, जिनको वह अपने माता-पिता, अन्य पूर्वजों या प्रजाति से प्राप्त करता है।''

बालक को न केवल अपने माता-पिता से, बल्कि अन्य पूर्वजों से भी अनेक शारीरिक व मानसिक गुण प्राप्त होते हैं। इसी को वंश-परम्परा, आनुवंशिकता, पैतृकता व वंशानुक्रम आदि नाम दिये गये हैं। वंशानुक्रम का प्रभाव शरीर व मन दोनों पर दिखाई देता है। विभिन्न प्रयोगों ने सिद्ध किया है कि विकास की क्रिया में वंशानुक्रम महत्त्वपूर्ण आधार है।

वंशानुक्रम (Heredity) : ऐसा देखा गया है कि देह या शरीर में जो भी रचना सम्बन्धी दोष या विकार हो उनका हस्तांतरण मां-बाप द्वारा उनके बालकों में नहीं होता किसी भी अपंग मां-बाप की संतान का जन्म से अपंग होना आवश्यक नहीं। अंधे मां-बाप की संतान अच्छी दृष्टि वाली हो सकती है। कुरूप मां की बेटी सुन्दर हो सकती है। यह बात भी समझी

जा सकती है कि मां-बाप द्वारा अर्जित की गई कुशलताओं, ज्ञान, रुचि, अभिवृत्ति आदि का भी वंशक्रम प्रक्रिया द्वारा बालकों में हस्तान्तरण नहीं होता। अध्यापकों व माता-पिता को यह समझने की भूल नहीं करनी चाहिए कि एक संगीतकार का बेटा स्वत: संगीतकार या कुशल बढ़ई या स्वर्णकार का बेटा जन्म से ही इन कुशलताओं को लेकर पैदा होगा, हां, यह हो सकता है कि बालक द्वारा इन कुशलताओं के विकास से सम्बन्धित आवश्यक योग्यताओं व क्षमताओं को वंशक्रम धरोहर के रूप में ग्रहण कर लिया जाये तथा उन्हें बेहतर प्रशिक्षण व वातावरण द्वारा आवश्यक ऊँचाइयों पर पहुँचाने के प्रयत्न किये जायें।

वातावरण : वातावरण के लिये 'पर्यावरण' शब्द का प्रयोग भी किया जाता है, जो व्यक्ति के जीवन और व्यवहार को प्रभावित करते हैं। विभिन्न मनोवैज्ञानिकों ने वातावरण को इस प्रकार स्पष्ट किया है-

वुडवर्थ के अनुसार, ''वातावरण में वे सभी बाहरी तत्त्व आ जाते हैं, जिन्होंने व्यक्ति को जीवन आरम्भ करने के समय से प्रभावित किया है''।

एनास्टसी के अनुसार, ''वातावरण वह हर वस्तु है, जो व्यक्ति के जीन्स के अतिरिक्त प्रत्येक वस्तु को प्रभावित करती है।''

मनोवैज्ञानिकों ने वातावरण के महत्त्व के संदर्भ में भी अध्ययन व परीक्षण करके यह सिद्ध कर दिया कि बालक के विकास के प्रत्येक पहलू पर भौगोलिक, सामाजिक और सांस्कृतिक वातावरण का प्रभाव पड़ता है।

निष्कर्षत: हम कह सकते हैं कि वातावरण या पर्यावरण में वे सभी बाहरी तत्त्व या शक्तियाँ निहित हैं जो मां के द्वारा गर्भाधान के तुरन्त बाद से ही व्यक्ति-विशेष की वृद्धि और विकास को प्रभावित करते रहते हैं। जन्म से पहले माँ का गर्भाशय इन शक्तियों का कार्यक्षेत्र होता है, माँ जो कुछ भी खाती है, करती, सोचती और अनुभव करती है, उस सभी का प्रभाव गर्भ में पल रहे शिशु पर पड़ता है । जन्म के बाद तो चारों ओर से वातावरण सम्बन्धी शक्तियाँ उसको प्रभावित करने लगती हैं। उन शक्तियों को भौतिक और सामाजिक या सांस्कृतिक दो विभिन्न प्रकारों में विभक्त किया जा सकता है। भोजन, जल, जलवायु, घर, विद्यालय, ग्राम या शहर का वातावरण और भौतिक सुविधायें- ये सभी वातावरण सम्बन्धी भौतिक शक्तियां कहलाती हैं, जबकि माँ-बाप परिवार के सदस्य, पड़ोसी, मित्र और सहपाठी, अध्यापक वर्ग, समुदाय तथा समाज के अन्य सदस्य, संचार, यातायात और मनोरंजन के साधन, धार्मिक स्थान, क्लब, पुस्तकालय तथा वाचनालय इत्यादि सामाजिक व सांस्कृतिक शक्तियों में सम्मिलित करते हैं। ये सभी वातावरण सम्बन्धी शक्तियाँ व्यक्ति की वृद्धि व विकास के सभी पहलुओं जैसे शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, संवेगात्मक, नैतिक और सौन्दर्यात्मक आदि पर पूरा प्रभाव डालती हैं। माँ के गर्भ में अपनी जीवनलीला प्रारंभ करने से लेकर अपनी अंतिम सांस तक व्यक्ति इन शक्तियों से प्रभावित होता रहता है।

विकास की अवस्थाएँ

विकास की अवस्थाओं को लेकर विद्वानों में अनेक मतभेद रहे हैं। कुछ विद्वानों द्वारा प्रदत्त वर्गीकरण निम्न प्रकार है-

1. **सैले** ने विकास प्रक्रिया का वर्गीकरण इस प्रकार किया है-

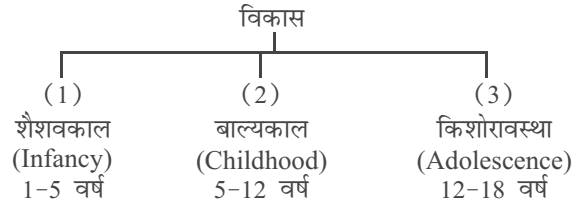

2. कॉलसेनिक (Kolsenic) ने विकास प्रक्रिया का वर्गीकरण इन चरणों में किया है-

	अवस्था	समय
1.	गर्भाधान से जन्म तक	पूर्व जन्मकाल (Pre-natal)
2.	शैशव	जन्म से 3 या 4 सप्ताह तक
3.	आरम्भिक शैशव	1 या 2 मास से 15 मास तक
4.	उत्तर शैशव	15 मास से 30 मास तक
5.	पूर्व बाल्यकाल	2½ वर्ष से 5 वर्ष तक
6.	मध्य बाल्यकाल	5 वर्ष से 9 वर्ष तक
7.	उत्तर बाल्यकाल	9 से 12 वर्ष
8.	किशोरावस्था	12 से 21 वर्ष

3. अध्ययन की दृष्टि से विकास प्रक्रिया को इस प्रकार भी विभाजित किया गया है-

(A) शैशव काल (Infancy) जन्म से 5 वर्ष तक।

(B) बाल्यावस्था (Childhood) 6 से 12 वर्ष तक

(C) किशोरावस्था (Adolescence) 12 से 19 वर्ष तक

4. सामान्यतया मनोवैज्ञानिक मानव विकास को निम्न चार अवस्थाओं में विभाजित करते हैं-

1. शैशवावस्था : जन्म से 6 वर्ष
2. बाल्यावस्था : 6 से 12 वर्ष तक
3. किशोरावस्था : 12 से 18 वर्ष
4. प्रौढ़ावस्था : 18 के बाद

वृद्धि या विकास के विभिन्न आयाम या पक्ष :

विकास की विभिन्न अवस्थाओं में व्यक्ति के विकास के निम्नलिखित पक्ष माने जाते हैं-

1. शारीरिक विकास
2. मानसिक विकास
3. सामाजिक विकास
4. संवेगात्मक विकास
5. नैतिक या चारित्रिक विकास

विकास के इन सभी आयामों का शिक्षा की दृष्टि से अत्यधिक महत्त्व है क्योंकि विकास की प्रक्रिया से इनका परस्पर घनिष्ठ सम्बन्ध है। अगर हम प्रत्येक अवस्था में विकास के इन पक्षों पर विचार करें तो ज्ञात होता है कि किसी भी अवस्था में किस पक्ष का विकास, कितनी मात्रा में, किस प्रकार व किस दिशा से होता है।

शारीरिक विकास : शारीरिक वृद्धि व विकास से अभिप्राय हमारे शारीरिक ढाँचे और आन्तरिक व बाहरी अवयवों में जन्म से मृत्यु तक निरंतर होने वाले परिवर्तनों से है।

सामान्य शारीरिक विकास में निम्न परिवर्तन आते हैं-

1. बाहरी ढाँचे में परिवर्तन : ऊँचाई, शारीरिक अनुपात, भार आदि में होने वाला परिवर्तन ।

2. आन्तरिक अंगों में होने वाला परिवर्तन : स्नायु संस्थान, श्वसन संस्थान, पाचन संस्थान, रक्त तथा उत्सर्जन संस्थान आदि की कार्य प्रणाली व क्षमता से सम्बन्धित सभी प्रकार के परिवर्तन।

मानसिक विकास : बालक की मानसिक योग्यताओं व क्षमताओं में होने वाले परिवर्तन अर्थात् वृद्धि को मानसिक विकास कहते हैं।

बालक की संवेदना, प्रत्यक्षीकरण, कल्पना, स्मरणशक्ति, वृद्धि, विचार, शक्ति निरीक्षण, परीक्षण, सामान्यीकरण शक्ति, बुद्धि व समस्या समाधान आदि प्रकार की मानसिक व बौद्धिक शक्तियाँ हमारी मानसिक वृद्धि व विकास की प्रक्रिया द्वारा ही नियंत्रित होती हैं।

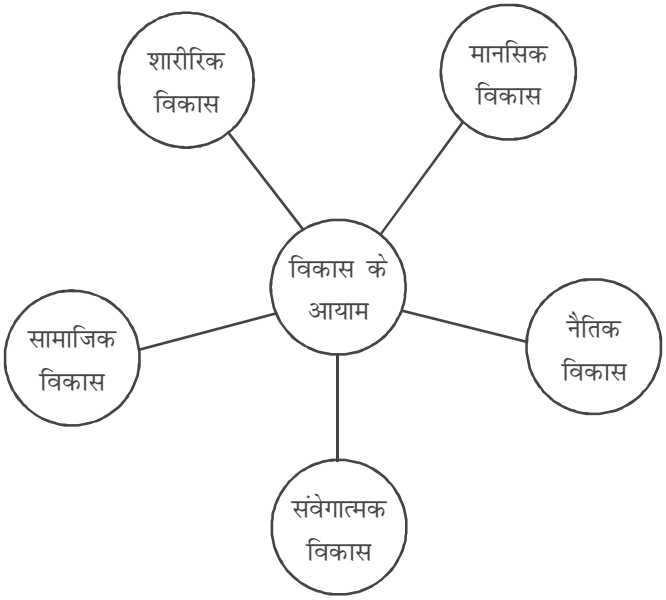

सामाजिक विकास : ''सामाजिक विकास से अभिप्राय सामाजिक सम्बन्धों में परिपक्वता प्राप्त करने से है''।

श्रीमती हरलॉक के अनुसार, सामाजिक विकास का लक्ष्य बच्चे में सामाजिक परिपक्वता लाना है । बालक परिवार से सामाजिकता सीखता है। सर्वप्रथम वह परिवार, पास-पड़ोस व तत्पश्चात् वह विद्यालय व बाहरी दुनिया के सम्पर्क में आता है। वह सहानुभूति, सहयोग, सद्भावना, परोपकार व त्याग आदि को सीखता है। एक शिशु के रूप में वह स्वार्थी होता है, दूसरों के हित की परवाह नहीं करता, परन्तु धीरे-धीरे जैसे ही सामाजिक विकास पूर्ण होता है, वह आदर्शों की दुनिया में विचरण करने वाला, समाज सुधारक के रूप में उभरता है।

संवेगात्मक विकास : 'संवेग' पद का अंग्रेजी रूपांतर Emotion है। यह लैटिन शब्द Emovere से बना है जिसका अर्थ उत्तेजित करना होता है। इस शाब्दिक अर्थ को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि व्यक्ति की उत्तेजित स्थिति का नाम संवेग है।

कैण्टोविस के अनुसार, ''संवेग से तात्पर्य एक ऐसी आत्मनिष्ठ (Subjective) भाव की अवस्था से होता है जिससे कुछ शारीरिक उत्तेजना पैदा होती है और फिर उसमें खास-खास व्यवहार होते हैं।'' संवेग एक ऐसी जटिल अवस्था है जिसमें कुछ आंगिक प्रतिक्रियाएँ, जैसे हृदय की गति में परिवर्तन, रक्तचाप में परिवर्तन, सांस की गति में परिवर्तन, विभिन्न अंतःस्रावी ग्रन्थियों के कार्यों में परिवर्तन आदि होते हैं। इसके अतिरिक्त शरीर के बाहरी अंगों, जैसे हाथ, पैर, आंख, चेहरा आदि में भी कुछ परिवर्तन हो जाते हैं जिसे देखकर यह समझा जा सकता है कि बालक संवेग की स्थिति में है। संवेग में आंगिक प्रतिक्रियाएँ, अभिव्यंजक व्यवहार के अलावा एक आत्मनिष्ठ भाव भी होता है । सामान्यतः किसी भी संवेग में सुखद या दुखद भाव पाये जाते हैं।

संवेगात्मक विकास से अभिप्राय इस बात से है कि बालकों में विभिन्न प्रकार के संवेग का विकास कैसे होता है, बालकों पर किस प्रकार संवेगों का प्रभाव पड़ता है। जहां बाल्यावस्था में बालकों में डर, क्रोध, जलन, हर्ष, दुःख, अनुराग प्रमुखता से पाये जाते हैं, वहीं किशोरावस्था में भी ये संवेग अधिक पाये जाते हैं, परन्तु अंतर मात्र इतना ही होता है कि बाल्यावस्था में ये नियंत्रित नहीं होते, जबकि किशोरावस्था में सांवेगिक नियंत्रण अधिक होता है।

सांवेगिक विकास का महत्त्व शिक्षकों के लिए अधिक है। इस जानकारी से शिक्षकों को स्कूल के सांवेगिक वातावरण को संतुलित बनाए रखने में काफी मदद मिलती है। वे बालकों में अनुराग, हर्ष आदि जैसे संवेग उत्पन्न कर उनकी शैक्षिक उपलब्धियों को बढ़ावा देने में समर्थ होते हैं ताकि छात्रों के व्यक्तित्व का समुचित विकास हो।

शारीरिक विकास :

1. **भ्रूणावस्था**
   - **डिम्बावस्था** (डिम्ब का उत्पादन)
   - **भ्रूणीय अवस्था** (डिम्ब का विकास प्राणी रूप में)
   - **भ्रूणावस्था** (गर्भाशय में दो महीने से लेकर जन्म लेने तक की अवस्था)

   भ्रूणावस्था में इसकी लम्बाई 20 इंच व भार 6 से 7 पौंड तक हो जाता है, त्वचा, अंग आदि बन जाते हैं। बच्चे की धड़कन आसानी से सुनी जा सकती है।

2. **शैशवावस्था :**

   (A) वजन :
   - जन्म के समय 6-8 पौंड
   - बालिकाओं का अपेक्षाकृत कम
   - पांचवें वर्ष के अन्त तक 38-40 पौंड

   (B) लम्बाई :
   - जन्म के समय लगभग 90 इंच।
   - बालिकाओं की अपेक्षाकृत कम, परन्तु 3-4 वर्ष उपरान्त बालिकायें लड़कों से अधिक लम्बाई लेती हैं।

   (C) हड्डियाँ :
   - जन्म के समय हड्डियाँ मुलायम तथा लचीली
   - कुल संख्या 270
   - बालकों में अपेक्षाकृत तीव्र विकास

   (D) सिर व मस्तिष्क :
   - बच्चे का सिर जन्म के समय, शरीर की सम्पूर्ण लम्बाई का ¼ भाग होता है।
   - मस्तिष्क का भार 350 ग्राम

   (E) अन्य परिवर्तन :
   - 5वें या छठे माह में नीचे के दांत निकलना शुरू
   - 4 वर्ष तक सभी अस्थायी दांत निकलना
   - शिशु की धड़कन, जो प्रारम्भ में 140 प्रति मिनट होती है, अब 100 रह जाती है।
   - यौनांगों का मंद विकास

3. **बाल्यावस्था :**

   (A) वजन : इस अवस्था में बालक व बालिकाओं के भार में व्यापक अन्तर होता है। 9-10 वर्ष के आयु तक बालक भार में अधिक रहते हैं, जबकि इसके पश्चात् बालिकायें शारीरिक भार में अधिक होती जाती हैं। बाल्यावस्था में लड़कियां औसतन 29.5 कि. ग्राम व लड़के 28.5 कि. ग्राम रहते हैं।

   (B) लम्बाई : प्रारम्भ के वर्षों में लड़के अधिक लम्बे होते हैं, परन्तु 10-11 वर्ष की अवस्था में लड़कियां लड़कों की तुलना में बराबर या थोड़ा अधिक लम्बी रहती हैं। लड़कियां 128 सेमी. के लगभग व लड़के 125 सेमी. के करीब होते हैं।

   (C) हड्डियाँ एवं दाँत :
   - हड्डियों में मजबूती व दृढ़ता आना
   - हड्डियों की संख्या 350 तक बढ़ना

- दाँतों में स्थायित्व आना
- दाँतों की संख्या 32 होना
- बालकों की तुलना में बालिकाओं के दाँतों का स्थायीकरण शीघ्र होना

(D) सिर व मस्तिष्क :

- सिर व मस्तिष्क में परिवर्तन होना।
- बालक के मस्तिष्क का भार शरीर के कुल भार का 90 प्रतिशत होना ।

(E) अन्य परिवर्तन :

- बालक की मांसपेशियों का मन्द विकास होना।
- हृदय की धड़कन में कमी होना ।
- एक मिनट में लगभग 85 बार धड़कना
- बालक व बालिकाओं की शारीरिक बनावट में अन्तर स्पष्ट होना।
- 11वें व 12वें वर्ष में यौनांगों का तीव्र विकास होना।

4. किशोरावस्था में शारीरिक विकास :

(A) वजन :

- किशोरावस्था में बालक व बालिकाओं के भार में तेजी से वृद्धि होती है।
- 18 वर्ष के अन्त तक लड़कों का भार लड़कियों की तुलना में अधिक होता है।

(B) लम्बाई :

- लड़कियाँ अपनी लम्बाई 16 वर्ष तक पूर्ण कर चुकी होती हैं।
- लड़के 18 वर्ष तक पूर्ण करते हैं।

(C) दाँत :

- दाँतों का पूर्ण स्थायीकरण।
- लड़के व लड़कियों में अक्ल दाँत निकलने लगते हैं।

(D) सिर व मस्तिष्क :

- सिर व मस्तिष्क का विकास निरंतर जारी रहता है।
- सिर का पूर्ण विकास 15 से 17 वर्ष के मध्य होता है।
- मस्तिष्क का भार लगभग 1200 से लेकर 1400 ग्राम के बीच होता है।

(E) अन्य परिवर्तन :

- हृदय की धड़कन में पूर्ण कमी आना । प्रारम्भ में प्रति एक मिनट में 72 बार धड़कना।
- लड़कों एवं लड़कियों में पुरुषत्व एवं स्त्रीत्व की पूर्ण विशेषताएँ क्रमशः प्रकट होने लगती हैं।
- एक मिनट में लगभग 85 बार धड़कना।
- बालक व बालिकाओं की शारीरिक बनावट में अन्तर स्पष्ट होना।

मानसिक विकास

बालक के मानसिक या बौद्धिक विकास के अन्तर्गत उसकी समस्त मानसिक योग्यताएँ और शक्तियाँ सम्मिलित होती हैं। इन योग्यताओं या शक्तियों का विकास बच्चे में धीरे-धीरे होता है-

(A) संवेदना व प्रत्यक्षीकरण : आँख, कान, नाक, जीभ और त्वचा आदि ज्ञानेन्द्रियों के द्वारा हमें जो अनुभूति होती है, उसे संवेदना कहते हैं। जब संवेदना से कोई निश्चित अर्थ निकालने की चेष्टा की जाती है तो वे प्रत्यक्षीकरण का रूप धारण कर लेती हैं।

(B) संप्रत्यय निर्माण : संप्रत्यय एक प्रकार से ऐसा सामान्यीकृत विचार है जो एक व्यक्ति द्वारा विभिन्न प्रत्यक्षीकरण या प्रत्यक्ष अनुभवों के माध्यम से आगमनात्मक तर्क प्रणाली का प्रयोग करते हुए विभिन्न व्यक्तियों या प्रक्रियाओं के बारे में बना लिये जाते हैं। संप्रत्यय निर्माण में द्विभेदीकरण और सामान्यीकरण से सम्बन्धित दोनों प्रकार की योग्यताओं का उपयोग होता है।

(C) स्मरणशक्ति का विकास : यह मानसिक विकास का महत्त्वपूर्ण पहलू है। परिपक्वता और अनुभवों के माध्यम से इसका धीरे-धीरे विकास होने लगता है।

(D) समस्या समाधान योग्यता का विकास : यह मानसिक विकास का महत्त्वपूर्ण पहलू है। व्यक्ति के समक्ष अनेक समस्याएँ आती हैं। चिन्तन व तर्क के माध्यम से समस्या समाधान की योग्यता विकसित होती है।

1. **शैशवावस्था में मानसिक विकास :** शैशवावस्था में बालक की मानसिक शक्तियाँ पूर्ण रूप से अविकसित होती हैं। आयु में वृद्धि व विकास के साथ-साथ मानसिक योग्यता में भी वृद्धि होती जाती है।

सोरेन्सन के अनुसार, जैसे-जैसे शिशु प्रतिदिन, प्रतिमास तथा प्रतिवर्ष बढ़ता है, वैसे-वैसे उसकी मानसिक शाक्तियाँ भी बढ़ती हैं।

(A) संवेदना व प्रत्यक्षीकरण योग्यता :

- संवेदना व प्रत्यक्षीकरण में अत्यधिक पिछड़ापन।
- ज्ञानेन्द्रियाँ विकसित न होना।
- 2-3 वर्ष में परिचित-अपरिचित में भेद करना।
- अवस्था के अन्त तक वातावरण से परिचित होना।
- वस्तुओं में निहित अर्थ को ग्रहण करने का प्रयास करना।

(B) संप्रत्यय निर्माण :

- शैशवावस्था के प्रारम्भ में यह योग्यता विकसित नहीं होती।
- धीरे-धीरे विभेद करने की योग्यता का विकसित होना।
- प्रत्यक्षीकरण सम्बन्धी अनुभवों के आधार पर सामान्य निष्कर्ष निकालने का प्रयत्न करना।

(C) स्मरणशक्ति :

- जन्म के समय विद्यमान स्मरणशक्ति की मात्रा का अनुमान नहीं ।
- प्रारम्भ में बालकों की स्मरणशक्ति एक तोते की तरह होती है।
- छः वर्षों में पूर्व में सुनी कहानी या पूर्व अनुभवों को सुनाने में समर्थ।

(D) समस्या समाधान :

- चिन्तन व तर्क करने की योग्यता 2½ से 3 वर्ष की अवस्था से विकसित होने लगती है ।
- विचार शक्ति अधिक सूक्ष्म नहीं होती।
- स्थूल चिन्तन करने में समर्थ।

2. **बाल्यावस्था में मानसिक विकास :** बाल्यावस्था में मानसिक विकास तेज गति से होता है। बालक में रुचि, चिन्तन, स्मरण, निर्णय व समस्या समाधान आदि गुणों का स्वतः ही विकास होता है।

क्रो एण्ड क्रो के अनुसार, ''जब बालक लगभग 6 वर्ष का हो जाता है, तब उसकी मानसिक शक्तियों और योग्यताओं का पूर्ण विकास हो जाता है।''

(A) संवेदना व प्रत्यक्षीकरण :

- ज्ञानेन्द्रियों का उपयोग प्रारम्भ व जिज्ञासा का बढ़ना ।
- प्रारम्भ में समय, स्थान, आकार, गति व दूरी से सम्बन्धित प्रत्यक्षीकरण विकसित ना होना।
- अन्त के वर्षों में प्रत्यक्षीकरण योग्यता विकसित होती है।

(B) संप्रत्यय निर्माण :

- स्थूल तथा प्रत्यक्ष अनुभवों के द्वारा भी संप्रत्ययों का निर्माण करना प्रारम्भ होता है।
- चित्र या फोटोग्राफ देखकर निश्चित धारणा का निर्माण करना ।
- नये-नये संप्रत्ययों का निर्माण, पुराने सम्प्रत्ययों को भी नवीन रूप देना।

(C) स्मरणशक्ति :

- रटने व ग्रहणशक्ति में तीव्र वृद्धि ।
- छोटी-छोटी पंक्तियों को दोहराना व कहानी सुनाना सीख जाता है।
- देखी हुई फिल्म या कहानी का 3/4 भाग तक सुनाने में सफल होना।

(D) समस्या समाधान :

- मूर्त चिन्तन करने योग्य ।
- दिन, तारीख, वर्ष व सिक्कों का ज्ञान व ऐसी समस्याओं का समाधान।
- दैनिक प्रयोग में समस्याओं का समाधान प्रारम्भ।

3. **किशोरावस्था में मानसिक विकास :** किशोरावस्था में मानसिक विकास इस प्रकार है–

(A) संवेदना व प्रत्यक्षीकरण :

- ज्ञानेन्द्रियों की कार्यकुशलता अपने शिखर पर।
- प्रत्यक्षीकरण सुव्यवस्थित व विवेकपूर्ण।
- प्रत्यक्षीकरण के अनुभव, निश्चित, अर्थपूर्ण व विस्तृत।
- संवेदना व प्रत्यक्षीकरणों को स्थूल वस्तुओं से सम्बन्धित करने की आवश्यकता नहीं।

(B) संप्रत्यय निर्माण :

- परिपक्वता ग्रहण करने के साथ ही साथ संप्रत्यय अधिक-से-अधिक स्पष्ट, विशिष्ट व निश्चित होते चले जाते हैं।
- संप्रत्यय विकसित होने की प्रक्रिया में स्थूल से सूक्ष्म, अस्पष्टता से स्पष्टता और अनिश्चित से निश्चित की ओर गमन ।
- स्थिति, दूर, गहराई आदि से सम्बन्धित प्रत्यय स्पष्ट व विकसित अवस्था में।

(C) स्मरणशक्ति :

- स्मरणशक्ति तर्क एवं सूझ-बूझ पर निर्भर ।
- तर्क पर आधारित प्रत्ययों की स्मृति अधिक समय तक बनी रहती है।

(D) समस्या समाधान :

- अमूर्त चिन्तन करने की क्षमता विकसित होना।
- तर्क करने की योग्यता का पूर्ण विकास।
- जटिल समस्याओं का समाधान, तर्क, चिन्तन व अनुभवों के आधार पर करने योग्य होना।

(E) अन्य मानसिक योग्यताएँ :

किशोरावस्था में मानसिक विकास पूर्ण होता है-

- बुद्धि का पूर्ण विकास ।
- स्मृति-विस्मृति, कल्पना, चिन्तन, तर्क, समस्या समाधान आदि का पूर्ण विकास।
- कल्पना-शक्ति का बाहुल्य
- विभिन्न रुचियों का तीव्रता से विकास।

सामाजिक विकास

बालक का व्यक्तित्व सामाजिक पर्यावरण में विकसित होता है। वंशानुक्रम द्वारा प्राप्त योग्यताएँ, समाज द्वारा ही सही दिशा में निर्देशित की जाती हैं।

एलेक्जेण्डर के अनुसार, व्यक्तित्व का निर्माण शून्य में नहीं होता, सामाजिक घटनाएँ तथा प्रक्रियाएँ बालक की मानसिक प्रक्रियाओं तथा व्यक्तित्व के प्रतिमानों को अनवरत रूप से प्रभावित करती रही हैं।

1. शैशवावस्था में सामाजिक विकास :

जन्म के समय से शिशु आत्मकेन्द्रित होता है। सामाजिक परिवेश में आने के साथ ही आत्म-केन्द्रित व्यवहार, समाप्त होता जाता है। **क्रो एवं क्रो** कहते हैं-

''जन्म के समय शिशु न तो सामाजिक प्राणी होता है न असामाजिक, पर वह इस स्थिति में अधिक समय तक नहीं रहता।''

श्रीमती हरलॉक ने शिशु के सामाजिक विकास को इस प्रकार प्रस्तुत किया है-

आयु माह	सामाजिक व्यवहार का रूप
प्रथम माह	ध्वनियों में अन्तर समझना
द्वितीय माह	मानव ध्वनि पहचानना, मुस्कुराना
तृतीय माह से चतुर्थ माह	माता के लिये प्रसन्नता व माता के अभाव में दु:ख
पंचम माह	पारिवारिक सदस्यों को पहचानना।
अष्ठम व नवम् माह	परिचितों से प्यार, अन्य लोगों से भय
दशम् एवं एकादश माह	अनुकरण द्वारा हाव-भाव सीखना, संवेगों का प्रदर्शन
दूसरे वर्ष की अवधि	बड़े लोगों को उनके कार्यों में सहायता, सहयोग, सहानुभूति का प्रकाशन

2. बाल्यावस्था में सामाजिक विकास :

शिशु का संसार उसका परिवार होता है, जबकि बालक का संसार परिवार के बाहर बालकों का समूह व विद्यालय होता है।

(A) सामाजिक भावना :

- इस अवस्था में सामाजिक जागरुकता, चेतना एवं समाज के प्रति रुझान।
- सामाजिक क्षेत्र व्यापक व विकसित होना।
- विद्यालयीय पर्यावरण से अनुकूलन करना।
- नये मित्र बनाना।

(B) आत्मनिर्भरता :

- स्वयं को स्वतंत्र मानकर आत्मनिर्भर बनने की कोशिश करना।
- बालकों के साथ रहना, निर्णय लेना सीखना।

(C) गिरोह प्रवृत्ति :

- यह अवस्था (Gang age) समूह आयु कहलाती है।
- खेल समूह, सेवा समूह, सांस्कृतिक समूहों का बनना।
- अपने समूह के नियमों व मान्यताओं को मानना।

(D) नागरिक गुणों का विकास :

- आदतों व नागरिक गुणों का विकास ।
- बालक धनी, सुखी, विद्वान व नेता बनना चाहता है।

(E) भावना ग्रन्थि का विकास :

- लड़कों में ऑडिपस और लड़कियों में 'एलक्ट्रा' भावना ग्रन्थि का विकास।
- 'ऑडिपस ग्रन्थि' के कारण पुत्र, माता से प्रेम करता है।
- एलक्ट्रा ग्रन्थि' के कारण पुत्री, पिता से प्रेम करती है।

3. किशोरावस्था में सामाजिक विकास :

किशोरावस्था मानवीय जीवन की अनोखी अवस्था है। किशोरावस्था में सामाजिक विकास इस प्रकार है-

(A) आत्मप्रेम :

- स्वयं से ही प्रेम करना।
- विषमलिंगी आकर्षण के कारण, आकर्षक बनना।

(B) सामाजिक चेतना का उदय :

- समूह भावना, आस्था व त्याग का व्यापक रूप सामाजिक चेतना के रूप में मिलना ।
- स्वयं का दायरा छोड़कर मानवीय दायरे में प्रवेश ।
- देश पर प्राण न्यौछावर करने की भावना का उदय ।

(C) सामाजिक पहचान :

- सामाजिक पहचान स्थापित करने हेतु किशोर का क्रियाशील होना।
- व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाने हेतु तत्पर रहना।

संवेगात्मक विकास

संवेगात्मक विकास मानव जीवन के विकास व उन्नति के लिये अपना विशेष महत्त्व रखते हैं। यह मानव जीवन को सम्पूर्ण रूप से प्रभावित करता है। संवेगात्मक विकास सही नहीं होने पर व्यक्ति का सम्पूर्ण व्यक्तित्व विघटित हो जाता है। जब व्यक्ति अपने संवेगों का सही प्रकाशन करना सीख लेता है, तो उसे संवेगात्मक विकास कहा जाता है।

1. शैशवावस्था में संवेगात्मक विकास : इस अवस्था के संवेगों का विकास अस्पष्ट होता है क्योंकि शिशु संवेग मन्द गति से आदत से जुड़ते हैं। शारीरिक आयु के साथ-साथ संवेगात्मक विकास में तीव्रता आती है।

संवेगात्मक विकास इस प्रकार है-

संवेगात्मक विकास, शैशवावस्था में इस प्रकार है-

आयु	**संवेग (प्रकार)**
जन्म के समय	उत्तेजना
1 माह	पीड़ा-आनन्द
3 माह	क्रोध
4 माह	परेशानी
5 माह	भय
10 माह	प्रेम
15 माह	ईर्ष्या
24 माह	खुशी-प्रसन्नता

2. **बाल्यावस्था में संवेगात्मक विकास :**
   - इस अवस्था में संवेगों में स्थायित्व आने लगता है।
   - समाज के नियमों व संवेगों में समायोजन करना सीख जाता है।
   - प्रत्येक क्रिया के प्रति प्रेम, ईर्ष्या, घृणा व प्रतिस्पर्धा की भावना प्रकट करना प्रारम्भ करता है।
3. **किशोरावस्था में संवेगात्मक विकास :** किशोरावस्था में संवेगात्मक विकास इस प्रकार है-
   - संवेग परिपक्व अवस्था में होता है।
   - चेतन व जागरूक होते हैं। वे समय-समय पर क्रोध, प्यार, ईर्ष्या, प्रतिस्पर्धा एवं संवेगों का खुलकर प्रयोग करते हैं।
   - संवेगों में अत्यधिक तीव्रता पायी जाती है।

चारित्रिक विकास (नैतिक विकास)

शैशवावस्था

- उचित-अनुचित का ज्ञान न होना ।
- सामान्य नियमों का ज्ञान होना ।
- अहम् के भाव की प्रबलता ।
- आज्ञापालन के भाव की प्रबलता ।
- नैतिकता का उदय ।
- कार्य के परिणाम के प्रति चेतनता ।

बाल्यावस्था में चारित्रिक विकास

मनोवैज्ञानिकों ने बाल्यावस्था को 'अधिक सीखने' की अवस्था बताया है। यह अवस्था चारित्रिक विकास को स्थायित्व देने वाली अवस्था होती है।

स्ट्रैन्ज रथ : ''छः, सात एवं आठ वर्ष के बच्चों में विवेक, न्याय, ईमानदारी और मूल्यों के प्रति निष्ठा की भावना का विकास होने लगता है।''

- 'हम' की भावना का विकास ।
- सही-गलत, न्याय-अन्याय में अन्तर करना सीखना
- आदर्श व्यक्तित्व का चुनाव।
- धार्मिक भावों का उदय ।

किशोरावस्था में चारित्रिक विकास

इस अवस्था तक चारित्रिक विकास की जड़ें मजबूत हो जाती हैं, वह आवश्यकतानुसार उनका चयन करता है-

- समायोजन का अभाव ।
- मानव धर्म का महत्त्व ।
- सभ्यता व संस्कृति का संरक्षण ।
- चारित्रिक गुणों का विकास ।

विकास की अवस्थाओं की मुख्य विशेषताएँ व शिक्षा का आयोजन

1.

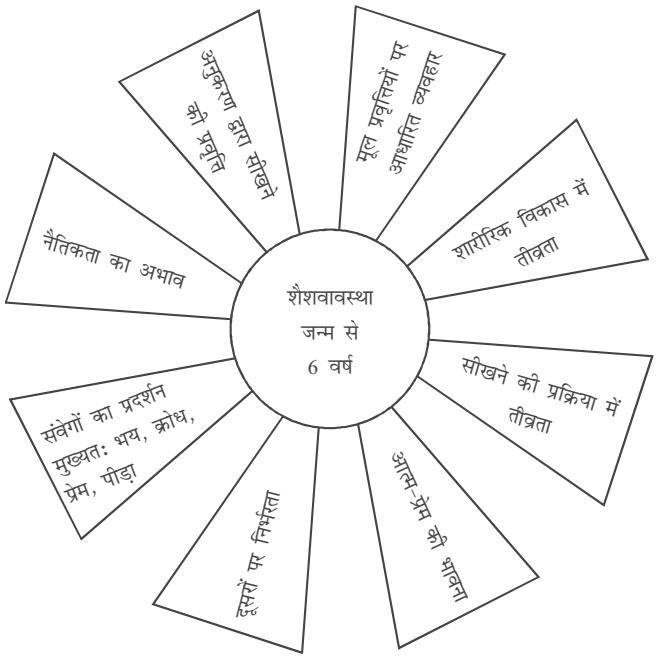

शैशवावस्था की विशेषताएँ

2.

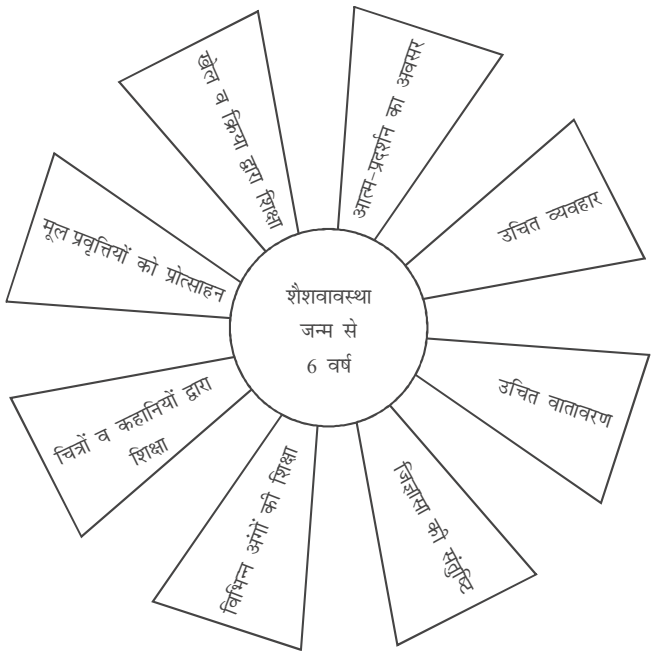

शैशवावस्था में शिक्षा का स्वरूप

3.

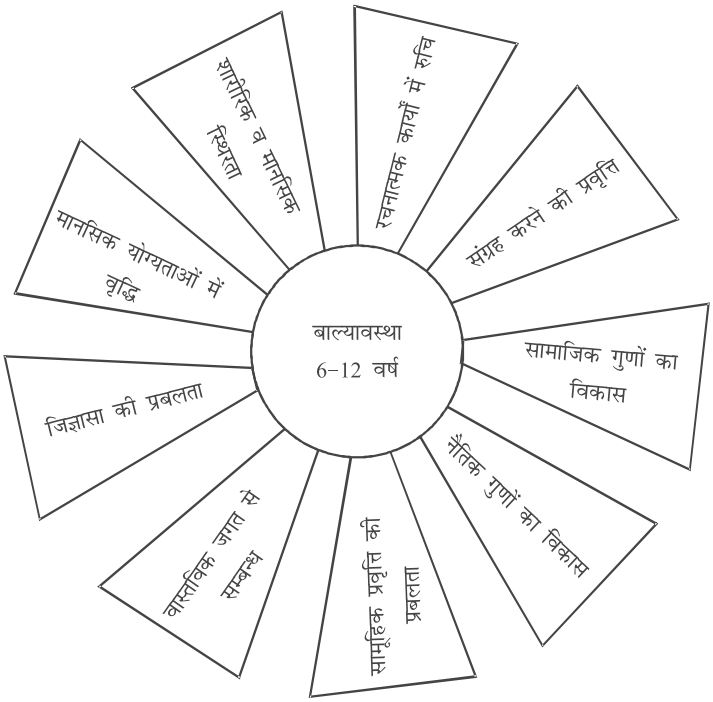

बाल्यावस्था (जीवन का अनोखा काल) की विशेषताएँ

4.

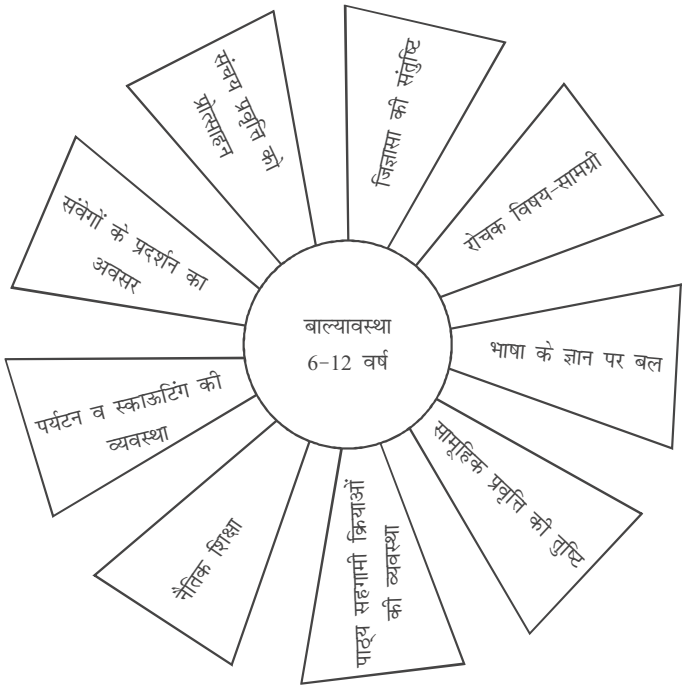

बाल्यावस्था में शिक्षा का स्वरूप

किशोरावस्था

मानव जीवन के विकास की प्रक्रिया में किशोरावस्था का स्थान महत्त्वपूर्ण है। इसे 'बाल्यावस्था तथा प्रौढ़ावस्था के मध्य का सन्धिकाल (Transitional Period) कहते हैं। यह अवस्था 12 से 18 वर्ष के मध्य होती है। मानव जीवन की इस अवस्था को कठिन अवस्था माना जाता है। व्यक्ति के जीवन में एक साथ इतने परिवर्तन आते हैं कि वह असहज हो उठता है व उसे समायोजन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

स्टेनले हाल के अनुसार,''किशोरावस्था बड़े संघर्ष, तनाव, तूफान तथा विरोध की अवस्था है।''

किशोरावस्था वह समय है जब किशोर अपने को वयस्क समझता है, व वयस्क उसे बालक समझते हैं, वह परिस्थितियों से समायोजन नहीं कर पाता । उसके संवेगों व आवेगों में परिवर्तनशीलता होती है। शारीरिक परिवर्तन इतनी तीव्रता से होता है जिसे वह समझ नहीं पाता, फलस्वरूप वह भयभीत, क्रोधी व चिड़चिड़ा-सा हो जाता है। वह स्वतंत्रता चाहता है, परन्तु परिवार के बड़ों की आज्ञा उसे माननी पड़ती है।

किशोर को अनेक जटिल समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कभी-कभी सही निर्देशन न मिलने से वह गलत रास्ते पर पड़ जाता है। अत: माता-पिता व अध्यापक को इस अवस्था की विशेषताओं, समस्याओं व शिक्षा के स्वरूप को समझना चाहिए ।

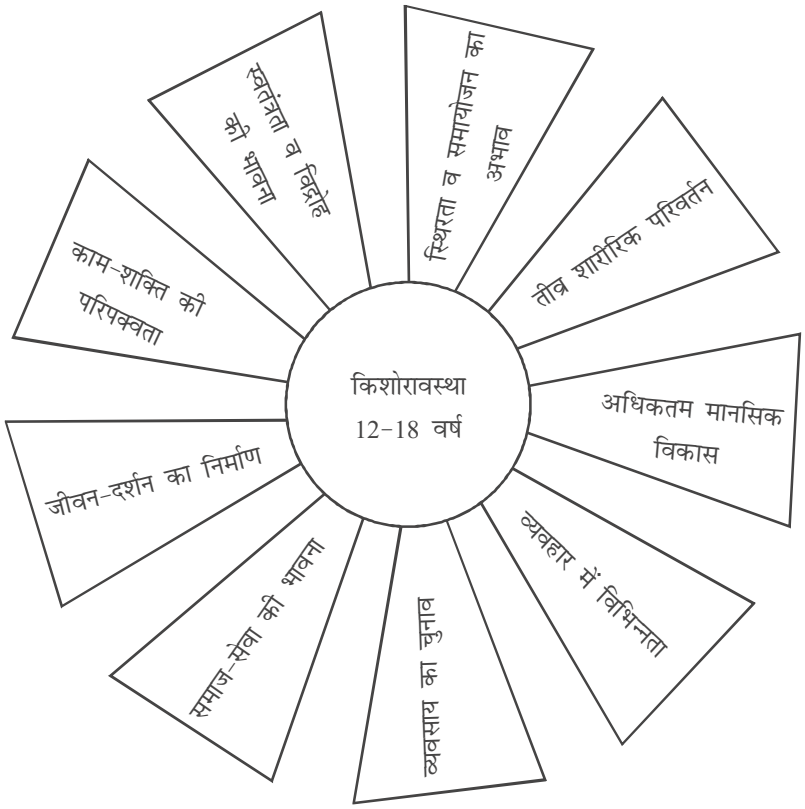

किशोरावस्था की विशेषताएँ

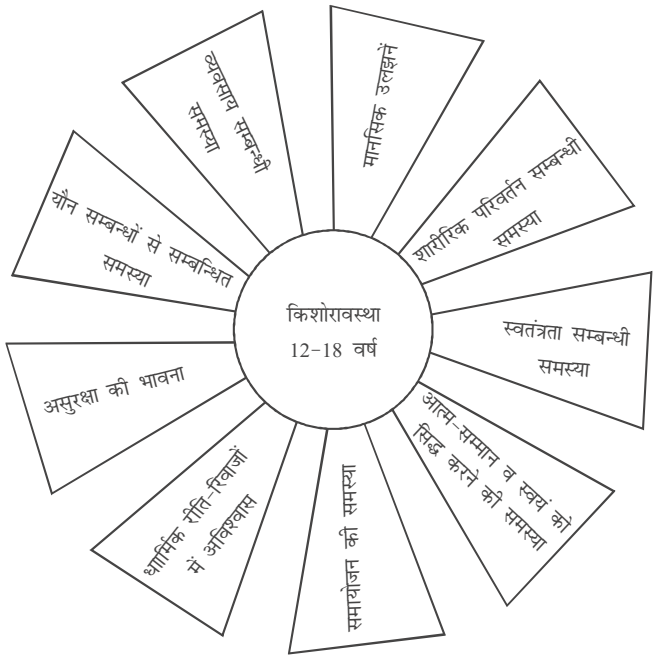

किशोरावस्था सम्बन्धी समस्याएँ

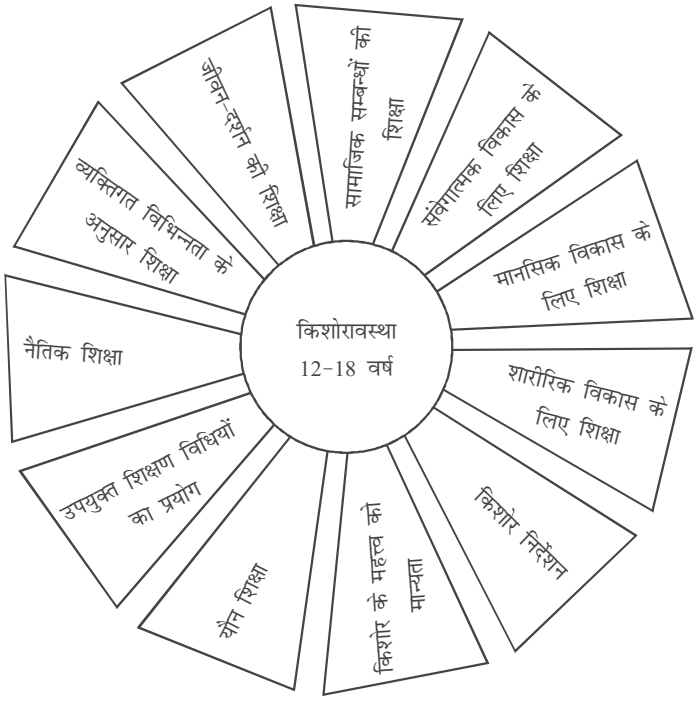

किशोरावस्था में शिक्षा का स्वरूप

- इस प्रकार हम देखते हैं कि विभिन्न अवस्थाओं की अलग-अलग विशेषताएँ व समस्याएँ होती हैं। हमारी शिक्षा का स्वरूप भी उन्हीं के अनुरूप होना चाहिए, तभी शिक्षण व शिक्षा सार्थक होती है।

जीन पियाजे, वाइगोटस्की व लारेंस कोह्लबर्ग

मानव वृद्धि व विकास के विभिन्न आयाम हैं। पियाजे, कोह्लबर्ग, वाइगोटस्की इन्हीं आयामों से जुड़े सिद्धान्त प्रस्तुत करते हैं। जीन पियाजे तथा वाइगोटस्की संज्ञानात्मक विकास के क्षेत्र में अपने सिद्धान्त प्रस्तुत करते हैं, जबकि लारेंस कोह्लबर्ग नैतिक विकास का सिद्धान्त प्रस्तुत करते हैं।

जीन पियाजे का सिद्धान्त

जीन पियाजे एक प्रमुख स्विस मनोवैज्ञानिक थे जिन्होंने अल्फ्रेड विने के साथ बुद्धि- परीक्षणों पर कार्य किया। उन्होंने बालकों के संज्ञानात्मक विकास पर कार्य किया । तत्पश्चात् संज्ञानात्मक विकास का सिद्धान्त प्रतिपादित किया।

पियाजे अपने संज्ञानात्मक विकास के सिद्धान्त में कहते हैं कि बालकों में वास्तविकता के स्वरूप के बारे में चिन्तन करने तथा उसे खोज करने की शक्ति न तो बालकों के परिपक्वता स्तर पर और न ही सिर्फ उसके अनुभवों पर निर्भर करती है, बल्कि इन दोनों की अन्त:क्रिया द्वारा निर्धारित होती है।

पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धान्त में महत्त्वपूर्ण संप्रत्यय इस प्रकार हैं-

1. **अनुकूलन (Adaptation) :** पियाजे के अनुसार, बालकों में वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने की जन्मजात प्रवृत्ति को अनुकूलन कहते हैं। अनुकूलन की दो उपक्रियाएँ हैं-

   (A) आत्म-सात्करण (Assimilation); (B) समायोजन (Accommodation)

   (A) आत्म-सात्करण : आत्म-सात्करण से अभिप्राय यह है कि जब बालक अपनी समस्या का समाधान करने के लिए या वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने हेतु पूर्व में सीखी गई क्रियाओं का सहारा लेता है।

   (B) समायोजन : समायोजन में पूर्व में सीखी क्रिया काम नहीं आती, बल्कि बालक अपनी योजना या व्यवहार में परिवर्तन लाकर नए वातावरण से सामंजस्य स्थापित करता है।
2. **साम्यधारण :** यह प्रत्यय अनुकूलन से मिलता है। साम्यधारण में बालक आत्म-सात्करण व समायोजन के बीच संतुलन स्थापित करता है। साम्यधारण प्रत्यय में बालक आत्म-सात्करण व समायोजन, दोनों का प्रयोग करता है।
3. **संरक्षण :** संरक्षण से अभिप्राय वातावरण में परिवर्तन तथा स्थिरता को पहचानने व समझने की क्षमता से है। किसी वस्तु के रूप-रंग में परिवर्तन को उस वस्तु के तत्त्व में परिवर्तन से अलग करने की क्षमता से है।
4. **संज्ञानात्मक संरचना :** किसी भी बालक का मानसिक संगठन या मानसिक क्षमताओं के सेट को संज्ञानात्मक संरचना कहते हैं।
5. **मानसिक संक्रिया :** बालक द्वारा किसी समस्या के समाधान पर चिन्तन करना मानसिक संक्रिया करना माना जाता है।
6. **स्कीम्स :** व्यवहारों के संगठित पैटर्न को, जिसे आसानी से दोहराया जा सके, जैसे-कार चलाने के लिए कार स्टार्ट करना, गेयर डालना, स्पीड देना सभी उपक्रियाओं को मिलाकर एक कार्य हुआ । यह संगठित पैटर्न ही स्कीम्स कहा जाता है।
7. **स्कीमा :** स्कीमा से तात्पर्य ऐसी मानसिक संरचना से है जिसका सामान्यीकरण (generalization) किया जा सके ।
8. **विकेन्द्रीकरण :** किसी भी वस्तु या चीज के बारे में वस्तुनिष्ठ या वास्तविक ढंग से सोचने की क्षमता विकेन्द्रण कहा जाता है। प्रारम्भ में बालक ऐसा नहीं सोचता, परन्तु 2 साल का होते-होते वह वस्तु के बारे में वास्तविक ढंग से सोचने लगता है।

पियाजे के संज्ञानात्मक विकास का सिद्धान्त

पियाजे ने संज्ञानात्मक विकास को चार मुख्य अवस्थाओं में बांटा है:

1.	इन्द्रियजनित गामक अवस्था (Sensory-motor stage)	0-2 साल
2.	पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (Pre-operational stage)	2-7 साल

3. मूर्त-संक्रियात्मक अवस्था (Concrete operational stage) 7-11 साल
4. अमूर्त-संक्रियात्मक अवस्था (Formal operational stage) 11-15 साल

1. **इन्द्रियजनित गामक अवस्था :** यह अवस्था जन्म से दो वर्ष की अवधि में पूरी होती है। इस अवस्था में वह अपनी मानसिक क्रियाओं को अपनी इन्द्रियजनित गामक क्रियाओं के रूप में प्रकट करता है। शारीरिक रूप से चीजों को इधर-उधर करना, किसी चीज को पकड़ना, अपने भावों को रोकर व्यक्त करना, जो चाहिए, उसे दिखाकर अपनी बात कहना इसके प्रमुख लक्षण हैं। जो भी कुछ कहना या समझना होता है, उसकी अभिव्यक्ति गामक क्रियाओं के रूप में करता है। वस्तु का अस्तित्व तब तक होता है, जब तक वह उसके सामने रहती है, परन्तु दो वर्ष की समाप्ति होने तक वह उन वस्तुओं के प्रति भी अनुक्रिया करना प्रारम्भ कर देता है, जो सीधे दृष्टिगोचर नहीं होती। 3-4 महीने तक वस्तु उनके सामने से हटाने पर उसका अस्तित्व समाप्त हो जाता है, परन्तु अब उसका चिन्तन अधिक वास्तविक हो जाता है। वस्तु सामने न होने पर भी उसका अस्तित्व बना रहता है, इसे ही 'वस्तु स्थायित्व' का गुण कहा जाता है।
2. **पूर्व संक्रियात्मक अवस्था :** संज्ञानात्मक विकास की यह अवस्था 2 से 7 साल की होती है। इसमें भाषा का विकास ठीक प्रकार से प्रारम्भ हो जाता है। अभिव्यक्ति का माध्यम भाषा बन जाती है, गामक क्रियाएँ नहीं। संप्रत्यय निर्माण करने लगता है। वस्तुओं को पहचानना व विभेद करने लगता है, परन्तु 5 वर्ष तक उनका यह संप्रत्यय निर्माण अधूरा व दोषपूर्ण ही होता है। इस अवस्था के प्रारम्भ में नहीं, परन्तु समाप्त होते-होते वह सजीव-निर्जीव में भेद करने लगता है, कल्पना की अधिकता पायी जाती है। इस अवस्था के दो मुख्य दोष हैं-
   (1) **जीववाद (Animism) :** जीववाद बालकों के चिन्तन में पाये जाने वाला एक दोष जिसमें वह निर्जीव को सजीव समझता है। जैसे-कार, पंखा, बादल सभी को वह सजीव समझता है।
   (2) **आत्मकेन्द्रिता:** बालक के विचार में व्यक्तिनिष्ठता पायी जाती है। वह सिर्फ अपने विचार को ही सत्य मानता है। जैसे-वह यह मानता है कि जैसे ही वह तेज दौड़ता है, तो सूर्य भी तेजी से चलना प्रारम्भ कर देता है।
   ये दोनों दोष 2-4 की अवधि में पाये जाते हैं। 4-7 वर्ष में बालकों का चिन्तन व तर्क पहले से अधिक परिपक्व हो जाता है, परन्तु इस चिन्तन में उत्क्रमणीय गुण (Reversability) नहीं होती ।
3. **मूर्त संक्रियात्मक अवस्था :** यह अवस्था 7 से 11 वर्ष तक होती है। इसमें बालक ठोस वस्तुओं के आधार पर आसानी से मानसिक क्रियाएँ करके समस्या का समाधान करता है। वस्तुओं को पहचानना, विभेद करना, वर्गीकरण द्वारा समझना सीख जाता है, परन्तु उनका समस्या समाधान अमूर्त आधार पर नहीं होता, स्थूल या मूर्त ही होता है, वस्तुओं को देखकर ही समस्या को समझ पाते हैं, सुनकर नहीं । यही इस अवस्था का दोष है कि मानसिक सक्रियाएँ मूर्त या ठोस पर आधारित होती हैं, दूसरा दोष यह है कि चिन्तन पूर्णत: क्रमबद्ध नहीं होता ।
4. **अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था:** यह अवस्था 11 से 15 वर्ष के बीच होती है। इसमें किशोरों का चिन्तन अधिक लचीला तथा प्रभावी हो जाता है। चिन्तन में क्रमबद्धता विद्यमान रहती है, किसी भी समस्या का समाधान काल्पनिक रूप में सोचकर व चिन्तन करके करते हैं। चिन्तन में वस्तुनिष्ठता व वास्तविकता पायी जाती है। अत: कहा जा सकता है कि बालकों में विकेन्द्रण पूर्णत: विकसित हो जाता है।

लेव वाइगोटस्की सिद्धान्त

वाइगोटस्की ने बालकों के संज्ञानात्मक विकास में सामाजिक कारकों एवं भाषा को महत्त्वपूर्ण बतलाया है, इसलिए वाइगोटस्की के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धान्त को सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धान्त भी कहा जाता है। वाइगोटस्की के अनुसार बालक जिस उम्र में भी किसी संज्ञानात्मक कौशल को सीखते हैं, उन पर इस बात का प्रभाव पड़ता है कि क्या संस्कृति से उन्हें सही सूचना तथा निर्देश प्राप्त हो रहे हैं या नहीं। वाइगोटस्की बताते हैं कि वास्तव में संज्ञानात्मक विकास एक अंत:वैयक्तिक-सामाजिक परिस्थिति (Interpersonal social context) में सम्पन्न होता है जिसमें बच्चों को अपने वास्तविक विकास के स्तर अर्थात जहां तक वे बिना किसी भी मदद के स्वयं कार्य कर लें, से अलग और उनके संभाव्य विकास के स्तर अर्थात जिसे वे सार्थक एवं महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों की सहायता से प्राप्त करने में सक्षम हैं, के तरफ ले जाने की कोशिश

की जाती है। इन दोनों स्तरों के बीच के अंतर को वाइगोटस्की ने समीपस्थ विकास का क्षेत्र कहा है। समीपस्थ विकास का क्षेत्र से तात्पर्य बच्चों के लिए ऐसे कठिन कार्यों के क्षेत्र से होता है जिसे वह अकेले नहीं कर सकता, लेकिन अन्य वयस्कों तथा कुशल सहयोगियों की मदद से उसे करना संभव है। वाइगोटस्की ने विचार किया कि वयस्कों के साथ की गई सामाजिक अन्त:क्रिया किस प्रकार बच्चों के संज्ञानात्मक विकास में मदद करती है।

इस सिद्धान्त के अनुसार बालकों में चिन्तन व भाषा, दोनों ही स्वतंत्र रूप से पहले विकसित होते हैं, बाद में वे आपस में मिल जाते हैं। उनका मत था कि सभी मानसिक कार्य के बाह्य या सामाजिक उद्‌भव होते हैं। अपने चिन्तन पर ध्यान केन्द्रित करने से पहले बच्चों का दूसरों के साथ बातचीत करने के लिए भाषा को सीखना अनिवार्य होता है।

लॉरेंस कोह्लबर्ग का सिद्धान्त

कोह्लबर्ग ने विभिन्न प्रयोगों के बाद यह बताया कि व्यक्ति में नैतिक विकास मुख्य तीन अवस्थाओं से होकर गुजरता है। प्रत्येक स्तर की दो-दो अवस्था होती है। यह भी बताया कि इन अवस्थाओं का क्रम निश्चित होता है, परन्तु सभी व्यक्तियों में समान उम्र में ये अवस्थायें नहीं होतीं, व्यक्ति किसी एक अवस्था को छोड़कर आगे नहीं बढ़ता । बहुत से लोग ऐसे होते हैं जो नैतिक निर्णय के उच्चतम स्तर पर कभी नहीं पहुंच पाते तथा कुछ लोग नैतिक निर्णय के अपरिपक्व स्तर पर हमेशा पुरस्कार व दण्ड से छुटकारा पाने तक ही सीमित रहते हैं। ये तीन स्तर इस प्रकार हैं-

1. **पूर्व रूढ़िगत नैतिकता स्तर (Level of pre-conventional level):**

   यह अवस्था 4 से 10 साल की आयु तक होती है। सही या गलत का निर्णय स्वयं के मानकों के आधार पर न लेकर दूसरे लोगों के मानकों के आधार पर लेते हैं । बच्चे किसी भी बात को अच्छा या बुरा उसके भौतिक परिणामों के आधार पर कहते हैं।

   इसमें दो अवस्था होती है। प्रथम अवस्था में बालक शक्तिशाली, प्रतिष्ठित व्यक्ति या माता-पिता के प्रति सम्मान दिखाता है ताकि उन्हें दण्ड ना मिले । दूसरी अवस्था के बालकों में पुरस्कार पाने की अभिप्रेरणा प्रबल होती है। यह दिखावे की योजना होती है जिसमें बालक सहभागिता आदि दिखाता है। सही अर्थ में न्याय, उदारता, सहानुभूति पर आधारित नहीं होता ।

2. **रूढ़िगत नैतिकता का स्तर (Level of conventional morality):**

   यह अवस्था 10 से 13 साल की होती है। इसमें बालक उन सभी क्रियाओं को सही समझता है जिससे दूसरों को मदद मिले या जो समाज के नियमों के अनुकूल हो।

3. **उत्तर रूढ़िगत नैतिकता का स्तर (Level of post-conventional morality) :**

   इस अवस्था में बच्चों में नैतिक आचरण सम्पूर्ण रूप से आन्तरिक नियंत्रण में होता है, नैतिकता का सबसे उच्च स्तर यही है।

   कोह्लबर्ग ने स्पष्ट किया कि जैसे-जैसे बच्चे व किशोर परिपक्व होते जाते हैं या उनकी आयु बढ़ती है, वे पूर्व कथित क्रम में नैतिकता के स्तर पर बढ़ते चले जाते हैं। वे किसी भी चरण या कदम को छोड़कर आगे नहीं बढ़ते।

अभ्यास-1 : विगत वर्षों के CTET एवं STET के प्रश्न

1. 'विकास कभी न समाप्त होने वाली प्रक्रिया है।' यह विचार किससे सम्बंधित है? *[CTET-2011-I]*
(a) एकीकरण का सिद्धान्त
(b) अंत:क्रिया का सिद्धान्त
(c) अंत:सम्बंध का सिद्धान्त
(d) निरन्तरता का सिद्धान्त

2. बच्चों के बौद्धिक विकास की चार विशिष्ट अवस्थाओं की पहचान की गई- *[CTET & UPTET-2011-I]*
(a) स्किनर द्वारा (b) पियाजे द्वारा
(c) कोह्लबर्ग द्वारा (d) एरिक्सन द्वारा

3. 'सीखने के अन्त:दृष्टि सिद्धान्त' को किसने बढ़ावा दिया? *[CTET-2011-I]*
(a) जीन पियाजे (b) वाइगोटस्की
(c) 'गेस्टाल्ट' सिद्धान्तवादी (d) पैवलॉव

4. वह कौन-सा स्थान है जहाँ बच्चे के 'संज्ञानात्मक' विकास को सबसे बेहतर तरीके से परिभाषित किया जा सकता है? *[CTET-2011-I]*
(a) सभागार (b) घर
(c) खेल का मैदान (d) विद्यालय एवं कक्षा पर्यावरण

5. वह अवस्था जब बच्चा तार्किक रूप से वस्तुओं व घटनाओं के विषय में चिन्तन प्रारम्भ करता है- *[CTET-2011-I]*
(a) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था
(b) मूर्त-संक्रियात्मक अवस्था
(c) संवेदी-प्रेरक अवस्था
(d) औपचारिक-संक्रियात्मक अवस्था

6. पियाजे के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सी अवस्था में बच्चा अमूर्त संकल्पनाओं के विषय में तार्किक चिन्तन करना आरम्भ करता है? *[CTET-2011-I]*
(a) संवेदी-प्रेरक अवस्था (जन्म-2 वर्ष)
(b) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (जन्म-2-7 वर्ष)
(c) मूर्त-संक्रियात्मक अवस्था (जन्म 7-11 वर्ष)
(d) औपचारिक-संक्रियात्मक अवस्था (11 वर्ष एवं ऊपर)

7. 'बच्चे दुनिया के बारे में अपनी समझ का सृजन करते हैं।' इसका श्रेय ..... को जाता है। *[CTET-2011-I]*
(a) कोह्लबर्ग (b) स्किनर
(c) पियाजे (d) पैवलॉव

8. मानव विकास कुछ विशेष सिद्धांतों पर आधारित है। निम्नलिखित में से कौन-सा मानव विकास का सिद्धांत नहीं है? *[CTET-2011-II]*
(a) प्रतिवर्ती
(b) निरंतरता
(c) अनुक्रमिकता
(d) सामान्य से विशिष्ट

9. अनुवांशिकता को.....सामाजिक संरचना माना जाता है। *[CTET-2011-II]*
(a) स्थिर (b) प्राथमिक
(c) गौण (d) गत्यात्मक

10. पियाजे के अनुसार, विकास की पहली अवस्था (जन्म से लगभग 2 वर्ष आयु तक) के दौरान बच्चा..... ....सबसे बेहतर सीखता है। *[CTET-2011-II]*
(a) भाषा के नए अर्जित ज्ञान के अनुप्रयोग द्वारा
(b) इंद्रियों के प्रयोग द्वारा
(c) निष्क्रिय (neutral) शब्दों को समझने के द्वारा
(d) अमूर्त तरीके से चिंतन द्वारा

11. अवधारणाओं का विकास मुख्य रूप से.....का हिस्सा है। *[CTET-2011-II]*
(a) सामाजिक विकास (b) संवेगात्मक विकास
(c) बौद्धिक विकास (d) शारीरिक विकास

12. 'बच्चे के उचित विकास को सुनिश्चित करने के लिए उसका स्वस्थ शारीरिक विकास एक महत्त्वपूर्ण पूर्व आवश्यकता है।' यह कथन- *[CTET-2011-II]*
(a) सही है, क्योंकि शारीरिक विकास, विकास के अन्य पक्षों के साथ अंत:सम्बन्धित है।
(b) गलत है, क्योंकि शारीरिक विकास, विकास के अन्य पक्षों को किसी भी प्रकार से भी प्रभावित नहीं करता।
(c) गलत हो सकता है, क्योंकि विकास नित्तांत व्यक्तिगत मामला है।
(d) सही है, क्योंकि विकास-क्रम में शारीरिक विकास सबसे पहले स्थान पर आता है।

13. 'खिलौनों की आयु' कहा जाता है- *[RTET-2011-I]*
(a) पूर्व-बाल्यावस्था को (b) उत्तर बाल्यावस्था को
(c) शैशवावस्था को (d) इनमें से सभी।

14. निम्न में से कौन-सी पूर्व बाल्यावस्था की विशेषता नहीं है? *[RTET-2011-I]*
(a) दल/समूह में रहने की अवस्था
(b) अनुकरण करने की अवस्था
(c) प्रश्न करने की अवस्था
(d) खेलने की अवस्था।

15. उत्तर बाल्यावस्था में।परिवर्तन समझने लगते हैं? *[RTET-2011-I]*
(a) द्रव्यमान (b) द्रव्यमान और संख्या
(c) संख्या (d) द्रव्यमान, संख्या और क्षेत्र।

15. विकास का अर्थ है- *[RTET-2011-I]*
(a) परिवर्तनों की उत्तरोत्तरश्रृंखला
(b) अभिप्रेरणा के फलस्वरूप होने वाले परिवर्तनों की उत्तरोत्तरश्रृंखला
(c) अभिप्रेरणा एवं अनुभव के फलस्वरूप होने वाले परिवर्तनों की उत्तरोत्तरश्रृंखला।
(d) परिपक्वता एवं अनुभव के फलस्वरूप होने वाले परिवर्तनों कीश्रृंखला।

17. विकास के सन्दर्भ में निम्न में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है? *[RTET-2011-I]*
(a) विकास की प्रत्येक अवस्था के अपने खतरे हैं
(b) विकास उकसाने/बढ़ावा देने से नहीं होता है
(c) विकास सांस्कृतिक परिवर्तनों से प्रभावित होता है
(d) विकास की प्रत्येक अवस्था की अपनी विशेषताएँ होती हैं।

18. निम्न में से कौन-सा विकासात्मक कार्य उत्तर बाल्यावस्था के उपयुक्त नहीं है? *[RTET-2011-I]*
(a) सामान्य खेलों के लिये आवश्यक शारीरिक कुशलताएँ सीखना
(b) पुरुषोचित या स्त्रियोचित सामाजिक भूमिकाओं को प्राप्त करना
(c) वैयक्तिक आत्मनिर्भरता प्राप्त करना
(d) अपने हम उम्र बालकों के साथ रहना सीखना।

19. कौन सिद्धान्त व्यक्त करता है कि मानव मस्तिष्क एक बर्फ की चट्टान के समान है जो कि अधिकांशत: छिपी रहती है एवं उसमें चेतन के तीन स्तर हैं? *[RTET-2011-I]*
(a) गुण सिद्धान्त
(b) प्रकार सिद्धान्त
(c) मनोविश्लेषणात्मक सिद्धान्त
(d) व्यवहारवाद सिद्धान्त

20. निम्न में से कौन-सा कथन विकास के बारे में सत्य नहीं है? *[RTET-2011-II]*
(a) विकास अन्त:क्रिया का फल है
(b) विकास एक व्यवस्थितश्रृंखला का अनुगामी है
(c) विकास एक व्यक्तिगत प्रकिया है
(d) विकास विशिष्ट से सामान्य की ओर होता है।

21. बालकों की सोच अमूर्तता की अपेक्षा मूर्त अनुभवों एवं प्रत्ययों से होती है। यह अवस्था है-*[RTET-2011-II]*
(a) 7 से 12 वर्ष तक (b) 12 से वयस्क तक
(c) 2 से 7 वर्ष तक (d) जन्म से 2 वर्ष तक

22. मानव विकास किन दोनों के योगदान का परिणाम है? *[RTET-2011-II]*
(a) अभिभावक एवं अध्यापक का
(b) सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारकों का
(c) वंशक्रम एवं वातावरण का
(d) इनमें से कोई नहीं।

23. निम्न में से कौन पियाजे के अनुसार बौद्धिक विकास का निर्धारक तत्त्व नहीं है? *[RTET-2011-II]*
(a) सामाजिक संचरण (b) अनुभव
(c) सन्तुलनीकरण (d) इनमें से कोई नहीं।

24. फ्रायड, पियाजे एवं अन्य मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्तित्व की विभिन्न अवस्थाओं के सन्दर्भ में व्याख्या की है। परन्तु पियाजे ने- *[RTET-2011-II]*
(a) कहा कि विकास की अवस्थाएँ वातावरण से निर्धारित होतीहैं
(b) कहा कि शैशवावस्था के अनुभव ही अधिक प्रभावित करते हैं, बाकी अवस्थाओं के सीमित प्रभाव होते हैं
(c) विभिन्न अवस्थाओं को समझाने के लिए संज्ञानात्मक बदलाव के बारे में कहा
(d) इनमें से कोई नहीं।

25. वह स्तर जिसमें बच्चा किसी वस्तु एवं घटना के बारे में तार्किक रूप से सोचना शुरू करता है, कहा जाता है- *[UPTET-2011-I]*
(a) संवेदन प्रणोद अवस्था
(b) औपचारिक क्रियात्मक अवस्था
(c) पूर्व-क्रियात्मक अवस्था
(d) मूर्त-क्रियात्मक अवस्था।

26. बचपन का सांप्रतिक दृष्टिकोण की मान्यता है- *[UPTET-2011-I]*
(a) बहुत तरीके से बच्चे प्राप्तवयस्कों के बराबर होते हैं
(b) बच्चों को युवा प्राप्तवयस्कों के रूप में सबसे अच्छा माना जाता है
(c) बचपन आधारिक रूप से 'प्रतीक्षा अवधि' है
(d) बचपन वृद्धि एवं परिवर्तन की एक अनूठी अवधि है।

27. मानवीय मूल्यों, जो प्रकृति में सार्वत्रिक है, के विकास का अर्थ है- *[UPTET-2011-II]*
(a) मतारोपण (b) अंगीकरण
(c) अनुकरण (d) अभिव्यक्ति।

28. निम्न में से किस स्तर में बच्चे अपने समकक्षी वर्ग के सक्रिय सदस्य बनते हैं? *[UPTET-2011-II]*
(a) किशोरावस्था (b) वयस्कावस्था
(c) प्राक् बाल्यावस्था (d) बाल्यावस्था।

29. बाल विकास की परिभाषा का अध्ययन-क्षेत्र है जो- *[UPTET-2011-II]*
(a) मानवीय सामर्थ्यों में परिवर्तन का परीक्षण करता है
(b) जीवन अवधि के दौरान व्यवहार की व्याख्या ढूँढ़ेगा
(c) बच्चों की वयस्क तथा वरिष्ठ नागरिकों के साथ तुलना करेगा
(d) किसी बच्चे का संज्ञानात्मक, सामाजिक तथा दूसरे सामर्थ्यों का क्रमिक विकास के लिए उतरदायी होगा।

30. पियाजे के अनुसार संज्ञानात्मक बाल विकास की कितनी अवस्थाएँ हैं? *[CGTET-2011-II]*
(a) 3 अवस्थाएँ (b) 4 अवस्थाएँ
(c) 5 अवस्थाएँ (d) 6 अवस्थाएँ

31. लारेंस कोह्लबर्ग विकास के क्षेत्र में शोध के लिए जाने जाते हैं: *[CGTET-2011-II]*
(a) संज्ञानात्मक (b) शारीरिक
(c) नैतिक (d) गामक

32. पियाजे के अनुसार बच्चा अमूर्त स्तर पर चिंतन, बौद्धिक क्रियाएँ और समस्या समाधान किस अवस्था में करने लगता है? *[CGTET-2011-II]*
(a) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (2-7 वर्ष)
(b) मूर्त-संक्रियात्मक अवस्था (7-11 वर्ष)
(c) औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था (11-16 वर्ष)
(d) संवेदी पेशीय अवस्था (0-2 वर्ष)

33. बिग व हंट अनुसार ..... की विशेषताओं को सर्वोत्तम रूप से व्यक्त करने वाला एक शब्द है "परिवर्तन"। परिवर्तन शारीरिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक होता है। *[CGTET-2011-II]*
(a) शैशवावस्था (b) बाल्यावस्था
(c) किशोरावस्था (d) प्रौढ़ावस्था

34. एक 13 वर्षीय बालक बात-बात में अपने बड़ों से झगड़ा करने लगता है और हमेशा स्वयं को सही साबित करने की कोशिश करता है। वह विकास की किस अवस्था में है? *[CGTET-2011-II]*
(a) प्रारम्भिक बाल्यावस्था (b) किशोरावस्था
(c) युवावस्था (d) बाल्यावस्था

35. शिक्षा मनुष्य में अंतर्निहित क्षमता का परिपूर्णता में विकास करते हैं। यह कथन किसका है? *[CGTET-2011-II]*
(a) स्वामी विवेकानन्द (b) स्कीनर
(c) पेस्टालॉजी (d) रविन्द्रनाथ टैगोर

36. बालक के शारीरिक व क्रियात्मक विकास की दिशा होती है: *[CGTET-2011-II]*
(a) सिर से पैर तथा शरीर के बाहर से मध्य की ओर
(b) सिर से पैर तथा शरीर के मध्य से बाहर की ओर
(c) पैर से सिर तथा शरीर के बाहर से मध्य की ओर
(d) पैर से सिर तथा शरीर के मध्य से बाहर की ओर।

37. मानव-व्यक्तित्व परिणाम है- *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) आनुवंशिकता और वातावरण की अंत:क्रिया का
(b) केवल वातावरण का
(c) केवल आनुवंशिकता का
(d) पालन-पोषण और शिक्षा का।

38. वाइगोटस्की बच्चों के सीखने में निम्नलिखित में से किस कारक की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हैं? *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) नैतिक (b) शारीरिक
(c) सामाजिक (d) आनुवंशिक

39. मानव विकास को क्षेत्रों में विभाजित किया जाता है, जो हैं- *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) संवेगात्मक, संज्ञानात्मक, आध्यात्मिक और सामाजिक- मनोवैज्ञानिक
(b) मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक, संवेगात्मक और शारीरिक
(c) शारीरिक, आध्यात्मिक, संज्ञानात्मक और सामाजिक
(d) शारीरिक, संज्ञानात्मक, संवेगात्मक और सामाजिक।

40. निम्नलिखित में से कौन-सा विकास का सिद्धांत है? *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) विकास हमेशा रेखीय होता है
(b) यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया नहीं है
(c) विकास की सभी प्रक्रियाएँ अंत:सम्बन्धित नहीं हैं
(d) सभी की विकास दर समान नहीं होती है।

41. जब बच्चे की दादी उसे उसकी माँ की गोद से लेती है, तो बच्चा रोने लगता है। बच्चा ..... के कारण रोता है। *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) संवेगात्मक दुश्चिंता (b) अजनबी दुश्चिंता
(c) वियोग दुश्चिंता (d) सामाजिक दुश्चिंता

42. कोह्लबर्ग के अनुसार, शिक्षक बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास कर सकता है- *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) व्यवहार के स्पष्ट नियम बनाकर
(b) नैतिक मुद्दों पर आधारित चर्चाओं में उन्हें शामिल करके
(c) 'कैसे व्यवहार किया जाना चाहिए' इस पर कठोर निर्देश देकर
(d) धार्मिक शिक्षा को महत्त्व देकर-

43. पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के चरणों के अनुसार, इंद्रिय-गामक (संवेदी-प्रेरक) अवस्था किसके साथ सम्बन्धित है? *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) तार्किक रूप से समस्या-समाधान की योग्यता
(b) विकल्पों के निर्वचन और विश्लेषण करने की योग्यता
(c) सामाजिक मुद्दों से सरोकार
(d) अनुकरण, स्मृति और मानसिक निरूपण।

44. विकास शुरू होता है- *[CTET-2012-II]*
(a) उत्तर-बाल्यावस्था से (b) प्रसव-पूर्व अवस्था से
(c) शैशवावस्था से (d) पूर्व-बाल्यावस्था से।

45. चिन्तन अनिवार्य रूप से है एक-*[CTET-2012-II]*
(a) संज्ञानात्मक गतिविधि (b) मनोगतिक प्रक्रिया
(c) मनोवैज्ञानिक परिघटना (d) भावात्मक व्यवहार।

46. पियाजे के अधिगम के संज्ञानात्मक सिद्धान्त के अनुसार, वह प्रक्रिया जिसके द्वारा संज्ञानात्मक संरचना को संशोधित किया जाता है, ... कहलाती है। *[CTET-2012-II]*
(a) प्रत्यक्षण (b) समायोजन
(c) समावेशन (d) स्कीमा

47. कोह्लबर्ग के अनुसार, सही और गलत के प्रश्न के बारे में निर्णय लेने में शामिल चिन्तन-प्रक्रिया को कहा जाता है- *[CTET-2012-II]*
(a) सहयोग की नैतिकता (b) नैतिक तर्कणा
(c) नैतिक यथार्थवाद (d) नैतिक दुविधा।

48. निम्नलिखित में से कौन-सा मुख्य रूप से आनुवंशिकता सम्बन्धी कारक है? *[CTET-2012-II]*
(a) आँखों का रंग
(b) सामाजिक गतिविधियों में भागीदारिता
(c) समकक्ष व्यक्तियों के समूह के प्रति अभिवृत्ति
(d) चिन्तन पैटर्न।

49. निम्नलिखित में से ..... के अतिरिक्त सभी वातावरणीय कारक विकास को आकार देते हैं। *[CTET-2012-II]*
(a) पौष्टिकता की गुणवत्ता
(b) संस्कृति
(c) शिक्षा की गुणात्मकता
(d) शारीरिक गठन

50. पियाजे के अनुसार, संज्ञानात्मक विकास के किस चरण पर बच्चा 'वस्तु स्थायित्व' को प्रदर्शित करता है? *[CTET-2012-II]*
(a) मूर्त-संक्रियात्मक चरण
(b) औपचारिक संक्रियात्मक चरण
(c) संवेदीप्रेरक चरण
(d) पूर्व-संक्रियात्मक चरण

51. बच्चे द्वारा 'संकल्पना-निर्माण' के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है? *[CTET-May-2012-II]*
(a) संकल्पनाएँ संवेगात्मक रूप से सुव्यवस्थित होती हैं
(b) संकल्पना-विकास की एक निश्चित संरचनात्मक व्यवस्था (Pattern) होती है
(c) संकल्पनाओं की प्रकृति पदानुक्रमिक नहीं होती
(d) संकल्पनाएँ वैयक्तिक नहीं होतीं।

52. किशोरों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सर्वाधिक उचित है? *[CTET-May-2012-II]*
(a) संवेगात्मक प्रोत्थान की घटना बढ़ जाती है
(b) पढ़ाई के प्रति लापरवाह रवैया
(c) चिंतन का मूर्त क्रियाओं में प्रदर्शित होना
(d) बुद्धि-लब्धांक में अकस्मात् वृद्धि।

53. 'मानिसक विकास की औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था' की मुख्य विशेषता है- *[CTET-May-2012-II]*
(a) अमूर्त चिंतन (b) मूर्त चिंतन
(c) सामाजिक चिंतन (d) अहम्-केंद्रित व्यवहार

54. बच्चों में नैतिक मूल्यों को विकसित करने का सर्वाधिक उचित तरीका है- *[CTET-May-2012-II]*
(a) प्रात:कालीन सभा में बच्चों को नैतिक उपदेश देना
(b) विद्यार्थियों के सामने एक परिस्थिति रखना और उस पर निर्णय लेने के लिए कहना
(c) शिक्षकों एवं बड़ों द्वारा नैतिक मूल्यों को प्रदर्शित करना
(d) विद्यार्थियो को नैतिकता और अनैतिकता के बीच अंतर करना सिखाना।

55. निम्नलिखित में से कौन-सा चिंतन की प्रक्रिया में सबसे कम महत्त्वपूर्ण है? *[CTET-May-2012-II]*
(a) तर्कणा (b) समस्या
(c) सामान्यीकरण (d) स्मृति

56. व्यक्तित्व-विकास में ..... एक महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता है। *[CTET-May-2012-II]*
(a) आनुवंशिकता
(b) वातावरण
(c) आनुवंशिकता और वातावरण का मिश्रण
(d) परीक्षाओं की संख्या

57. कोह्लबर्ग के अनुसार, 'सही और गलत के बारे में बच्चे ..... चिंतन' करते हैं। *[CTET-May-2012-II]*
(a) अलग आयु में अलग तरीके से
(b) अलग चरणों में समान रूप से
(c) संदर्भ के अनुसार
(d) अभिभावकों द्वारा प्रदत्त निर्देशों के अनुसार।

58. 'संवेगात्मक विरेचन' का अर्थ है- *[CTET-May-2012-II]*
(a) संवेगों को दबाना
(b) बहुत अधिक अवसादग्रस्त महसूस करना
(c) संवेगात्मक दमन से बाहर निकालना
(d) संवेगात्मक दमन को सहन करने की योग्यता को बढ़ाना।

59. किशोर.....का अनुभव कर सकते हैं। *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) आत्मसिद्धि के भाव
(b) जीवन के बारे में परितृप्ति के भाव
(c) दुश्चिंता और स्वयं से सरोकार
(d) बचपन में किए गए अपराधों के प्रति डर के भाव

60. वाइगोटस्की के सिद्धांत का निहितार्थ है *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) बच्चे उन बच्चों की संगति में श्रेष्ठतम रूप से सीख सकते हैं जिनका बुद्धि-लब्धांक उनके बुद्धि-लब्धांक से कम होता है
(b) सहयोगात्मक समस्या समाधान
(c) प्रत्येक विद्यार्थी को व्यक्तिगत रूप से दत्त कार्य देना
(d) प्रारंभिक व्याख्या के बाद कठिन सवालों को हल करने में बच्चे की सहायता न करना।

61. निम्नलिखित में से कौन-सा सूक्ष्म गतिक कौशल का उदाहरण है? *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) चढ़ना (b) फुदकना
(c) दौड़ना (d) लिखना

62. लॉरेंस कोह्लबर्ग के द्वारा प्रस्तावित चरणों में से प्राथमिक विद्यालयों के बच्चे अनुसरण करते हैं? *[CTET-Nov. 2012-II]*
A. आज्ञापलन और दण्ड-उन्मुखीकरण
B. वैयक्तिकता और विनिमय
C. अच्छे अंत:वैयक्तिक सम्बन्ध
D. सामाजिक अनुबंध और व्यक्तिगत अधिकार
(a) B और D (b) A और D
(c) A और C (d) B और A

63. एक बच्चा ईर्ष्या का प्रदर्शन करता है- *[HTET-2012-I]*
(a) 6 माह की आयु में
(b) 12 माह की आयु में
(c) 18 माह की आयु में
(d) 24 माह की आयु में।

64. 6-11 वर्ष आयुवर्ग के बालकों की विशिष्टताएँ निम्नलिखित हैं- *[HTET-2012-I]*
(a) बालक स्वाभाविक एवं सक्रिय अधिगमकर्ता होते हैं
(b) सीखने के लिए शिक्षकों पर निर्भर होते हैं
(c) बालक शिक्षकों से ज्ञान प्राप्त करते हैं
(d) बालक सीखने में रुचि नहीं रखते हैं।

65. 6 या 7 वर्ष का बालक दूसरों के विचारों को स्वीकार करने के योग्य नहीं होता- *[HTET-2012-I]*
(a) क्योंकि वह बहुत छोटा होता है
(b) क्योंकि वह अहम्-केन्द्रित होता है
(c) क्योंकि वह बुद्धिमान नहीं होता है
(d) क्योंकि वह कल्पनाशील होता है।

66. 6-11 वर्ष आयुवर्ग के बालकों को सीखने के लिए आवश्यक है- *[HTET-2012-I]*
(a) मूर्त क्रियाओं/अनुभवों की उपलब्धता
(b) शिक्षक द्वारा ज्ञान का स्थानान्तरण
(c) रटने के लिए अवसरों की व्यवस्था
(d) कक्षा में उच्च स्थान प्राप्त करने की प्रेरणा।

67. निम्न में से किसकी भूमिका पूर्व बाल्यावस्था में बालक के संवेगात्मक विकास हेतु सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है? *[HTET-2012-I]*
(a) अध्यापकों की
(b) संगी-साथियों की
(c) पड़ोसियों की
(d) माता-पिता की।

68. 6-11 वर्ष आयुवर्ग के लिए अधिगम- *[HTET-2012-I]*
(a) ज्ञान निर्माण की एक सक्रिय प्रक्रिया है
(b) निष्क्रियता से रटने की प्रक्रिया है
(c) कक्षा-कक्ष में ध्यानपूर्वक सुनने की प्रक्रिया है
(d) पाठ्यपुस्तक का अध्ययन करने की प्रक्रिया है।

69. वृद्धि के बारे में क्या सही नहीं है? *[HTET-2012-I]*
(a) अभिवृद्धि शारीरिक होती है
(b) अभिवृद्धि मात्रात्मक होती है
(c) अभिवृद्धि मापनीय होती है
(d) अभिवृद्धि जीवनपर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है।

70. यदि पूर्व प्राथमिक स्तर पर बच्चों को खोज करने की अनुमति दे दी जाए तो वे संतुष्ट हो जाते हैं। जब उन्हें हतोत्साहित किया जाता है तो वे व्यथित हो जाते हैं। वे ऐसा ..... की उनकी अभिप्रेरणा के कारण करते हैं। *[CTET-2013-I]*
(a) अपनी उपेक्षा को कम करने
(b) कक्षा के साथ संबद्ध होने
(c) कक्षा में अव्यवस्था फैलाने में
(d) अपनी शक्तियों का उपयोग करने।

71. बच्चे के विकास में आनुवंशिकता और वातावरण की भूमिका के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा सत्य है? *[CTET-2013-I]*

(a) समवयस्कों और पित्रैक (genes) का सापेक्ष योगदान योगात्मक नहीं होता।

(b) आनुवंशिकता और वातावरण एक साथ परिचालित नहीं होते।

(c) सहज रुझान वातावरण से संबंधित है, जबकि वास्तविक विकास के लिए आनुवंशिकता ज़रूरी है।

(d) आनुवंशिकता और वातावरण, दोनों एक बच्चे के विकास में 50%-50% योगदान देते हैं।

72. सीता ने हाथ से दाल और चावल खाना सीख लिया है। जब उसे दाल और चावल दिए जाते हैं तो वह दाल-चावल मिलाकर खाने लगती है। उसने चीज़ों को करने के लिए अपने स्कीमा में दाल और चावल खाने को ..... कर लिया है। *[CTET-2013-I]*

(a) समायोजित (b) अनुकूलित

(c) समुचितता (d) अंगीकार

73. निम्न में से किसका मिलान उचित है? *[CTET-2013-II]*

(a) शारीरिक विकास - वातावरण

(b) संज्ञानात्मक विकास - परिपक्वता

(c) सामाजिक विकास - वातावरण

(d) संवेगात्मक विकास - परिपक्वता

74. निम्न में से कौन-सा कथन बच्चे के विकास में परिवेश की भूमिका का समर्थन करता है? *[CTET-2013-II]*

(a) कुछ शिक्षार्थी सूचनाओं का जल्दी प्रक्रमण करते हैं, जबकि उसी कक्षा के अन्य विद्यार्थी ऐसा नहीं कर पाते।

(b) पिछली कुछ दशाब्दियों में बुद्धि-लब्धांक परीक्षा में शिक्षार्थियों के औसत प्रदर्शन में लगातार वृद्धि हुई है।

(c) एकसमान जुड़वाँ बच्चे जिनका लालन- पालन भिन्न घरों में हुआ है, उनकी बुद्धिलब्धि 0.75 के समान उच्च है।

(d) शारीरिक रूप से स्वस्थ बच्चे अकसर नैतिक रूप से अच्छे पाए जाते हैं।

75. इनमें से कौन-सा सिद्धान्तकार यह मत स्पष्ट करता है कि बच्चे अपनी वृद्धि व विकास हेतु कठोर अध्ययन करते हैं? *[CTET-Feb-2014-I]*

(a) बंडूरा (b) मैस्लो

(c) स्किनर (d) पियाजे

76. पूर्व-विद्यालय में पहली बार आया बच्चा मुक्त रूप से चिल्लाता है। दो वर्ष पश्चात् वही बच्चा जब प्रारम्भिक विद्यालय में पहली बार जाता है, तो अपना तनाव चिल्लाकर व्यक्त नहीं करता, अपितु उसके कन्धे व गर्दन की पेशियां तन जाती हैं। उसके इस व्यावहारिक परिवर्तन का क्या सैद्धान्तिक आधार हो सकता है? *[CTET-Feb-2014-I]*

(a) विकास क्रमिक प्रकार से होता है

(b) विकास निरन्तरीय होता रहता है

(c) अलग-अलग लोगों में विकास भी भिन्न रूप से होता है

(d) विभेद व एकीकरण विकास के लक्षण हैं।

77. पियाजे के विकासात्मक सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य- में निम्नलिखित में से कौन-सा आरेख विकास को समुचित रूप से स्पष्ट करता है? *[CTET-Feb-2014-II]*

(a) 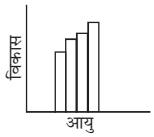

(b) 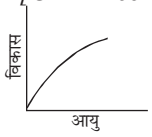

(c) 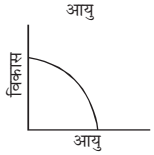

(d) 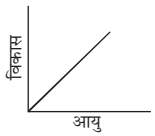

78. एक अध्यापक/अध्यापिका ने पाया कि एक विद्यार्थी वर्ग बनाने में कठिनाई अनुभव कर रहा है। उसने अनुमान लगाया कि वह हीरे (diamond) का चित्र बनाने में भी कठिनाई अनुभव करेगा। उसने निम्नलिखित में से किस सिद्धान्त पर आधारित होकर यह अनुमान लगाया? *[CTET-Feb-2014-II]*

(a) विकास एक व्यवस्थित क्रम में होने की प्रवृत्ति से सम्बद्ध है

(b) विकास की प्रक्रिया एक उत्परिवर्तनीय प्रक्रिया है

(c) विकास निरन्तरीय होता रहता है

(d) अलग-अलग लोगों के लिए विकास की प्रक्रिया भी अलग-अलग होती है।

79. निम्नलिखित में से कौन-सा निहितार्थ पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धान्त से नहीं निकाला जा सकता? *[CTET-Feb-2014-II]*

(a) बच्चों की अधिगमनात्मक तत्परता के प्रति संवेदनशीलता

(b) वैयक्तिक भेदों की स्वीकृति

(c) खोजपूर्ण अधिगम

(d) शाब्दिक शिक्षण की आवश्यकता।

80. निम्नलिखित में से कौन मानव विकास का सही क्रम है? *[HTET-2014-I]*
(a) शैशवावस्था, किशोरावस्था, बाल्यावस्था, प्रौढ़ावस्था
(b) शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था, प्रौढ़ावस्था
(c) बाल्यावस्था, किशोरावस्था, प्रौढ़ावस्था, शैशवावस्था
(d) बाल्यावस्था, शैशवावस्था, किशोरावस्था, प्रौढ़ावस्था।

81. 'जोन ऑफ प्रॉक्सिमल डेवलपमेण्ट (ZPD)' का प्रत्यय दिया गया- *[HTET-2014-I]*
(a) बण्डुरा द्वारा (b) पियाजे द्वारा
(c) स्किनर द्वारा (d) वाइगोटस्की द्वारा।

82. बालक का चिन्तन किसके द्वारा प्रदर्शित नहीं होता है? *[HTET-2014-I]*
(a) आत्म-केन्द्रिता (b) सजीवतावाद
(c) यथार्थवाद (d) वैयक्तिकवाद

83. बाल अन्तर्बोध (एपरसेप्शन) परीक्षण का निर्माण किसने किया? *[HTET-2014-I]*
(a) मर्रे (b) बेलक
(c) रॉबर्ट (d) रोजनविंग

84. शारीरिक वृद्धि और विकास को कहते हैं- *[UPTET-2014-I]*
(a) तत्परता (b) अभिवृद्धि
(c) गतिशीलता (d) आनुवंशिकता।

85. बाल विकास में- *[UPTET-2014-I]*
(a) प्रक्रिया पर बल है
(b) वातावरण और अनुभव की भूमिका पर बल है
(c) गर्भावस्था से किशोरावस्था तक का अध्ययन
(d) उपरोक्त सभी।

86. बाल विकास का अध्ययन-क्षेत्र है- *[UPTET-2014-I]*
(a) बाल विकास की विभिन्न अवस्थाओं का अध्ययन
(b) वातावरण का बाल विकास पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन
(c) वैयक्तिक विभिन्नताओं का अध्ययन
(d) उपरोक्त सभी।

87. भाषा विकास का सिद्धान्त नहीं है-*[UPTET-2014-I]*
(a) अनुबन्धन का सिद्धान्त
(b) अनुकरण का सिद्धान्त
(c) अतिरिक्त शक्ति का सिद्धान्त
(d) परिपक्वता का सिद्धान्त।

88. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है? *[UPTET-2014-II]*
(a) "वंशानुक्रम माता-पिता से सन्तान में गुणों का संचरण है"
(b) "विकास प्राणी और उसके पर्यावरण की अन्तर्क्रिया का परिणाम है"
(c) "वंशानुक्रम व्यक्ति की जन्मजात विशेषताओं का शोधन है"
(d) "माता-पिता की शारीरिक और मानसिक विशेषताओं का सन्तानों में संचरित होना वंशानुक्रम है।"

89. बाल्यावस्था की प्रमुख मनोवैज्ञानिक विशेषता क्या है? *[UPTET-2014-II]*
(a) पर-निर्भरता
(b) सामूहिकता की भावना
(c) धार्मिकता
(d) अनुकरणात्मक प्रवृत्ति का अभाव।

90. संज्ञानात्मक विकास निम्न में से किसके द्वारा समर्थित होता है? *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) जितना संभव हो, उतनी आवृत्ति से संगत और सुनियोजित परीक्षाओं का आयोजन करना
(b) उन गतिविधियों को प्रस्तुत करना जो पारंपरिक पद्धतियों को सुदृढ़ बनाती हैं
(c) एक समृद्ध और विविधतापूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना
(d) सहयोगात्मक की अपेक्षा वैयक्तिक गतिविधियों पर अधिक ध्यान केंद्रित करना।

91. मानव विकास .....है। *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) मात्रात्मक
(b) गुणात्मक
(c) कुछ सीमा तक अमापनीय
(d) मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों।

92. वाइगोटस्की के सिद्धांत में, विकास के निम्नलिखित में से कौन-से पहलू की उपेक्षा होती है? *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) सामाजिक (b) सांस्कृतिक
(c) जैविक (d) भाषायी।

93. एक वर्ष तक के शिशु जब आंख, कान व हाथों से 'सोचते' हैं, तो निम्नलिखित में से कौन-सा स्तर शामिल होता है? *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) मूर्त-संक्रियात्मक स्तर (b) पूर्व-संक्रियात्मक स्तर
(c) इंद्रियजनित गामक स्तर (d) अमूर्त-संक्रियात्मक स्तर

94. रिया कक्षा पिकनिक तय करने हेतु ऋषभ से सहमत नहीं है। वह सोचती है कि बहुमत के अनुकूल बनाने के लिए नियमों का संशोधन किया जा सकता है। यह सहपाठी विरोध, पियाजे के अनुसार, निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है? *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) विषमांग नैतिकता (b) संज्ञानात्मक अपरिपक्वता
(c) प्रतिक्रिया (d) सहयोग की नैतिकता।

95. जब बच्चे एक अवधारणा को सीखते हैं और उसका प्रयोग करते हैं, तो अभ्यास उनके द्वारा की जाने वाली त्रुटियों को कम करने में मदद करता है। यह विचार ... . के द्वारा दिया गया। *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) ई.एल. थॉर्नडाइक (b) जीन पियाज़े
(c) जे.बी. वॉटसन (d) लेव वाइगोटस्की।

96. छिपी हुई वस्तुएं ढूँढ़ निकालना इस बात का संकेत है कि शिशु निम्नलिखत में से किस संज्ञानात्मक कार्य में दक्षता प्राप्त करने लगा है? *[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) साभिप्राय व्यवहार (b) वस्तु स्थायित्व
(c) समस्या-समाधान (d) प्रयोग करना

97. वाइगोटस्की के सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत के अनुसार- *[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) संस्कृति और भाषा विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं
(b) बच्चे अलग क्षेत्र में चिंतन करते हैं और वे पूर्ण परिप्रेक्ष्य नहीं लेते
(c) यदि निम्न आयु पर अमूर्त सामग्री को प्रस्तुत किया जाए तो बच्चे अमूर्त तरीके से चिंतन करते हैं
(d) स्व-निर्देशित वाक् सहयोग का निम्नतम स्तर है।

98. संवेग के मनोविज्ञान में निम्नलिखित में से किस तथ्य पर सबसे कम ध्यान दिया गया है *[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) संवेग विषयनिष्ठ (व्यक्तिपरक) भावना है और वह अलग-अलग व्यक्तियों में अलग-अलग होती है
(b) संवेग न केवल वैयक्तिक शिक्षार्थियों में, बल्कि पूरी कक्षा में भी उत्पन्न होते हैं
(c) संवेग उत्तेजना और संज्ञानात्मक व्याख्या के जटिल पैटर्न होते हैं
(d) संवेगात्मक प्रक्रिया में शारीरिक के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रियाएँ शामिल होती हैं।

99. निम्नलिखित में से कौन-सा बच्चों के संवेगात्मक विकास के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है?*[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) कक्षा-कक्ष का प्रजातांत्रिक परिवेश
(b) अध्यापकों की कोई भी सहभागिता नहीं क्योंकि यह माता-पिता का कार्य है
(c) कक्षा-कक्ष का नियंत्रित परिवेश
(d) कक्षा-कक्ष का अधिकारवादी परिवेश।

100. निम्नलिखित में से कौन प्रारम्भिक बाल्यावस्था अवधि के दौरान उन भूमिकाओं एवं व्यवहारों के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं जो एक समूह में स्वीकार्य हैं? *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) भाई-बहन एवं अध्यापक
(b) अध्यापक एवं साथी
(c) साथी एवं माता-पिता
(d) माता-पिता एवं भाई-बहन।

101. निम्नलिखित में से कौन-सा आयुसमूह परवर्ती बाल्यावस्था श्रेणी के अन्तर्गत आता है? *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) 11 से 18 वर्ष (b) 18 से 24 वर्ष
(c) जन्म से 6 वर्ष (d) 6 से 11 वर्ष।

102. पियाज़े के सिद्धान्त के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सा व्यक्ति के संज्ञानात्मक विकास को प्रभावित नहीं करेगा ? *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) भाषा (b) सामाजिक अनुभव
(c) परिपक्वन (d) क्रियाकलाप।

103. कोह्लबर्ग के सिद्धान्त की एक प्रमुख आलोचना है? *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) कोह्लबर्ग ने नैतिक विकास की स्पष्ट अवस्थाओं का उल्लेख नहीं किया।
(b) कोह्लबर्ग ने बिना किसी अनुभूतिमूलक आधार का सिद्धान्त प्रस्तुत किया
(c) कोह्लबर्ग ने प्रस्ताव किया कि नैतिक तार्किकता विकासात्मक है
(d) कोह्लबर्ग ने पुरुषों एवं महिलाओं की तार्किकता में सांस्कृतिक विभिन्नताओं को नहीं दिया।

104. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा वाइगोटस्की प्रस्तावित विकास तथा अधिगम के बीच सर्वश्रेष्ठ रूप में सार प्रस्तुत करता है ? *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) अधिगम एवं विकास समानान्तर प्रक्रियाएँ हैं
(b) विकास अधिगम से स्वाधीन है
(c) विकास-प्रक्रिया अधिगम-प्रक्रिया से पीछे रहा है
(d) विकास अधिगम का समानार्थक है।

105. 'प्रकृति-पालन-पोषण' वाद-विवाद के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा आपको उपयुक्त प्रतीत होता है ? *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) बच्चे आनुवंशिक रूप से उस तरफ प्रवृत्त होते हैं जिस तरफ होना चाहिए, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि वे किस प्रकार के परिवेश में पल-बढ़ रहे हैं
(b) एक बच्चा एक खाली स्लेट के समान होता है जिसका चरित्र परिवेश के द्वारा किसी भी आकार में ढाला जा सकता है
(c) एक बच्चे के व्यवहार का निर्धारण करने में परिवेशीय प्रभावों का बहुत कम महत्त्व होता है: वह प्राथमिक रूप में आनुवंशिक रूप से निर्धारित होता है
(d) वंशानुक्रम तथा परिवेश अभिन्न रूप से एक-दूसरे से गुँथे हुए हैं और दोनों विकास को प्रभावित करते हैं।

106. वाइगोटस्की तथा पियाज़े के परिप्रेक्ष्यों में एक प्रमुख विभिन्नता है- *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) ज्ञान के सक्रिय निर्माताओं के रूप में बच्चों की संकल्पना।
(b) व्यवहारवादी सिद्धान्तों की उनकी आलोचना
(c) बच्चों को एक पालन-पोषण का परिवेश उपलब्ध कराने की भूमिका
(d) भाषा एवं चिन्तन के बारे में उनके दृष्टिकोण।

107. इनमें से कौन-सा बाल विकास का एक सिद्धान्त है ? *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) विकास प्रत्येक बच्चे की गति का सही ढंग से अनुमान लगा सकता है
(b) विकास परिपक्वन तथा अनुभव के बीच अन्योन्यक्रिया की वजह से घटित होता है
(c) अनुभव विकास का एकमात्र निर्धारक है
(d) विकास प्रबलन तथा दण्ड के द्वारा सुनिश्चित किया जाता है।

108. वाइगोटस्की के अनुसार, समीपस्थ विकास का क्षेत्र है- *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) बच्ची अपने-आप क्या कर सकती है जिसका आकलन नहीं किया जा सकता है
(b) अध्यापिका के द्वारा दिए गए सहयोग की सीमा निर्धारित करना
(c) बच्चे के द्वारा स्वतंत्र रूप से किए जा सकने वाले तथा सहायता के साथ करने वाले कार्य के बीच अन्तर
(d) बच्चे को अपना सामर्थ्य प्राप्त करने के लिए उपलब्ध कराए गए सहयोग की मात्रा एवं प्रकृति।

109. पियाज़े अनुमोदन करते हैं कि पूर्व-संक्रियात्मक बच्चे याद रखने में असमर्थ होते हैं। निम्नलिखित कारकों में से किसको उन्होंने इस असमर्थता के लिए ज़िम्मेदार ठहराया है? *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) उच्च-स्तर की अमूर्त तार्किकता की कमी
(b) परिकल्पित-निगमनात्मक तार्किकता की अयोग्यता
(c) व्यक्तिगत कल्पित कथा
(d) विचार की अनुत्क्रमणीयता (बदल न सके)।

110. पियाज़े के सिद्धान्त के अनुसार, बच्चे निम्न में से किसके द्वारा सीखते हैं? *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) उपयुक्त पुरस्कार दिए जाने पर अपने व्यवहार में परिवर्तन करना
(b) सही प्रकार से ध्यान लगाकर जानकारी को याद करना
(c) समाज के अधिक योग्य सदस्यों कें द्वारा उपलब्ध कराए गए सहारे के आधार पर
(d) अनुकूलन की प्रक्रियाएँ

111. कोहलबर्ग के सिद्धान्त के पूर्व-परम्परागत स्तर के अनुसार, कोई नैतिक निर्णय लेते समय एक व्यक्ति निम्नलिखित में से किस तरफ प्रवृत्त होगा? *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) व्यक्तिगत आवश्यकताएँ तथा इच्छाएँ
(b) व्यक्तिगत मूल्य
(c) पारिवारिक अपेक्षाएँ
(d) अंतर्निहित संभावित दंड

112. शिक्षार्थियों (अधिगमकर्त्ता) की वैयक्तिक विभिन्नताओं के संदर्भ में शिक्षिका को चाहिए: *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) निगमनात्मक पद्धति के आधार पर समस्याओं का समाधान करना।
(b) कलनविधि (एल्गोरिथ्म) का अधिकतर प्रयोग करना।
(c) याद करने के लिए शिक्षार्थियों को तथ्य उपलब्ध कराना।
(d) विविध प्रकार की अधिगम परिस्थितियों को उपलब्ध कराना।

113. निम्नलिखित में से कौन-सा बाल विकास का एक सिद्धान्त नहीं है? *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) विकास के सभी क्षेत्र महत्वपूर्ण हैं।
(b) सभी विकास परिपक्वन तथा अनुभव की अंत:क्रिया का परिणाम होते हैं।
(c) सभी विकास तथा अधिगम एक समान गति से आगे बढ़ते हैं
(d) सभी विकास एक क्रम का पालन करते हैं।

114. बच्चों के बारे में निम्नलिखित कथनों में से किस कथन से वाइगोत्स्की सहमत होते?*[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) बच्चे तब सीखते हैं जब उनके लिए आकर्षक पुरस्कार निर्धारित किए जाएँ।
(b) बच्चों के चिंतन को तब समझा जा सकता है जब प्रयोगशाला में पशुओं पर प्रयोग किए जाएँ।
(c) बच्चे जन्म से शैतान होते हैं और उन्हें दंड देकर नियंत्रित किया जाना चाहिए।
(d) बच्चे समवयस्कों और वयस्कों के साथ सामाजिक अंत:क्रियाओं के माधयम से सीखते हैं।

115. बच्चे: *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) चिंतन में वयस्कों की भाँति ही होते है और ज्यों-ज्यों वे बड़े होते हैं उनके चिंतन में गुणात्मक वृद्धि होती है।
(b) रीते बरतन के समान होते हैं जिसमें बड़ों के द्वारा दिया गया ज्ञान भरा जाता है।
(c) निष्क्रिय जीव होते हैं जो प्रदत्त सूचना को ज्यों-की-त्यों प्रतिलिपि के रूप में प्रस्तुत कर देते हैं।
(d) जिज्ञासु प्राणी होते हैं जो अपने चारों ओर के जगत को खोजने के लिए अपने ही तर्कों और क्षमताओं का उपयोग करते हैं।

116. सुरेश सामान्य रूप से एक शांत कमरे में अकेले पढ़ना चाहता है, जबकि मदन एक समूह में अपने मित्रें के साथ पढ़ना चाहता है। यह उनके _____में विभिन्नता के कारण है। *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) अभिक्षमता (b) अधिगम शैली
(c) परावर्तकता-स्तर (d) मूल्यों

117. 'प्रकृति-पोषण' विवाद में प्रकृति से क्या अभिप्राय है? *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) जैविकीय विशिष्टताएँ या वंशानुक्रम सूचनाएँ
(b) एक व्यक्ति की मूल वृत्ति
(c) भौतिक और सामाजिक संसार की जटिल शक्तियाँ
(d) हमारे आस-पास का वातावरण

118. शैशवकाल की अवधि है: *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) जन्म से 2 वर्ष तक
(b) जन्म से 3 वर्ष तक
(c) 2 से 3 वर्ष तक
(d) जन्म से 1 वर्ष तक

119. पियाजे के अनुसार 2 से 7 वर्ष के बीच का बच्चा संज्ञानात्मक विकास की _____ अवस्था में है। *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) औपचारिक संक्रियात्मक
(b) मूर्त संक्रियात्मक
(c) संवेदी-गतिक
(d) पूर्व संक्रियात्मक

120. विकास _____ से _____की ओर बढ़ता है। *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) जटिल → कठिन (b) विशिष्ट → सामान्य
(c) साधाारण → आसान (d) सामान्य → विशिष्ट

121. जब वयस्क सहयोग से सामंजस्य कर लेते हैं, तो वे बच्चे के वर्तमान स्तर के प्रदर्शन को संभावित क्षमता के स्तर के प्रदर्शन की तरफ प्रगति क्रम को सुगम बनाते हैं, इसे कहा जाता है: *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) सहयोग देना (b) सहभागी अधिगम
(c) सहयोगात्मक अधिगम (d) समीपस्थ विकास

122. नवीन जानकारी को शामिल करने के लिए वर्तमान स्कीम (अवधारणा) में बदलाव की प्रक्रिया _____ कहलाती है। *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) आत्मसात्करण (b) समायोजन
(c) अहंकेंद्रिता (d) अनुकूलन

123. मध्य बाल्यावस्था में भाषा _____ के बजाय _____ अधिक है। *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) समाजीकृत, अहंकेंद्रित
(b) जीववादी, समाजीकृत
(c) परिपक्व, अपरिपक्व
(d) अहंकेंद्रित, समाजीकृत

124. 'मानसिक संरचनाएँ जो चिन्तन के निर्माण प्रखंड हैं' – इसके लिए पियाजे ने किस शब्द/पद का प्रयोग किया है। *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) विकास के क्षेत्र
(b) जीन
(c) परिपक्वन प्रखंड
(d) स्कीमा (अवधारणाएँ)

125. वायगोत्सकी के अनुसार बच्चे स्वयं से क्यों बोलते हैं? *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) बच्चे अपने कार्य को दिशा देने के लिए बोलते हैं।
(b) बच्चे अपने प्रति वयस्कों का ध्यान आकर्षित करने के लिए बोलते हैं।
(c) बच्चे स्वभाव से बहुत बातूनी होते हैं।
(d) बच्चे अहंकेंद्रित होते हैं।

126. क्या बच्चे इसलिए भाषा अर्जित करते हैं, क्योंकि उनमें आनुवंशिक रूप से ऐसा करने की पूर्वप्रवृत्ति होती है या उनके माता-पिता प्रारंभिक अवस्था से ही उन्हें गहन रूप से सिखाते हैं? यह प्रश्न आवश्यक रूप से दर्शाता है : *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) बहु-कारक योग्यता के रूप में विकास पर चर्चा।
(b) क्या विकास एक सतत प्रक्रिया है या एक असतत प्रक्रिया?
(c) भाषा के विकास पर संज्ञान का प्रभाव।
(d) प्रकृति और पोषण पर बहस।

127. अमूर्त वैज्ञानिक चिन्तन के लिए क्षमता का विकास निम्नलिखित अवस्थाओं में से किसकी एक विशेषता है? *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था
(b) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था
(c) औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था
(d) संवेदी-गतिक अवस्था

128. एक बच्चा तर्क प्रस्तुत करता है – 'आप यह मेरे लिए करें और मैं वह आपके लिए करूँगा।' यह बच्चा कोहलबर्ग की नैतिक तर्कणा की किस अवस्था के अंतर्गत आएगा? *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) दण्ड और आज्ञापालन अभिमुखीकरण
(b) 'अच्छा लड़का-अच्छी लड़की' अभिमुखीकरण
(c) सामाजिक-अनुबंध अभिमुखीकरण
(d) सहायक उद्देश्य अभिमुखीकरण

129. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन विकास और अधिगम के बीच संबंध को सर्वश्रेष्ठ रूप में जोड़ता है?
[CTET-Sept.-2015-II]
(a) अधिगम और विकास एक जटिल तरीके से अंत:संबंधित हैं।
(b) विकास अधिगम से स्वतंत्र है।
(c) अधिगम विकास के पीछे रहता है।
(d) अधिगम और विकास समानार्थक/पारिभाषिक शब्द हैं।

130. इनमें से कौन-सा विकास का एक सिद्धांत नहीं है?
[CTET-Sept.-2015-II]
(a) विकास वंशानुक्रम और पर्यावरण दोनों से प्रभावित होता है।
(b) विकास संशोधनयोग्य होता है।
(c) विकास केवल संस्कृति से शासित और निर्धारित होता है।
(d) विकास जीवनपर्यंत होता है।

131. भाषा विकास के लिए प्रारंभिक बचपन ____ काल है।
[CTET-Feb.-2016-I]
(a) निरपेक्ष (b) कम महत्त्वपूर्ण
(c) अमहत्त्वपूर्ण (d) अतिसंवेदनशील

132. __ के विचार से बच्चे सक्रिय ज्ञान-निर्माता तथा नन्हें वैज्ञानिक हैं, जो संसार के बारे में अपने सिद्धान्तों की रचना करते हैं। *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) पियाजे (b) स्किनर
(c) पैवलॉव (d) युंग

133. विकास की गति एक व्यक्ति से दूसरे में भिन्न होती है, किन्तु यह एक____ नमूने का अनुगमन करती है।
[CTET-Feb.-2016-I]
(a) क्रमबद्ध और व्यवस्थित
(b) एड़ी-से-चोटी
(c) अव्यवस्थित
(d) अप्रत्याशित

134. विकास के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा एक उचित है? *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) विकास पृथक् होता है।
(b) विकास जन्म के साथ प्रारंभ होता है और समाप्त होता है।
(c) 'सामाजिक.सांस्कृतिक संदर्भ' विकास में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता है।
(d) विकास एकल आयामी है।

135. व्यक्तियों में एक-दूसरे से भिन्नता क्यों होती है?
[CTET-Feb.-2016-I]
(a) प्रत्येक व्यक्ति को उसके माता-पिता से जीनों का भिन्न समुच्चय प्राप्त होने के कारण
(b) वातावरण के प्रभाव के कारण
(c) जन्मजात विशेषताओं के कारण
(d) वंशानुक्रम और वातावरण के बीच अन्योन्यक्रिया के कारण

136. निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही मिलान वाला जोड़ा है? *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) पूर्वसंक्रियात्मक बच्चा - निगमनात्मक विचार
(b) मूर्त संक्रियात्मक बच्चा - संधारण एवं वर्गीकरण करने योग्य
(c) औपचारिक संक्रियात्मक बच्चा - अनुकरण प्रारंभ, कल्पनापरक खेल
(d) शैशवावस्था-तर्क का अनुप्रयोग और अनुमान लगाने में सक्षम

137. एक बच्ची कहती है, ''धूप में कपड़े जल्दी सूख जाते हैं।'' वह _____ की समझ को प्रदर्शित कर रही है।
[CTET-Feb.-2016-I]
(a) विपर्यय चिंतन
(b) प्रतीकात्मक विचार
(c) अहंकेंद्रित चिंतन
(d) कार्य-कारण

138. पियाजे के अनुसार, बच्चों का चिंतन वयस्कों से ____में भिन्न होता है बजाय __ के। *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) आकार; किस्म (b) मात्रा; प्रकार
(c) आकार; मूर्तपरकता (d) प्रकार; मात्रा

139. निम्नलिखित में से कौन-सा एक आधारभूत सहायता का उदाहरण है? *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) मूर्त और अमूर्त दोनों प्रकार के उपहार देना
(b) अनुबोधन और संकेत देना तथा नाजुक स्थितियों पर प्रश्न पूछना
(c) शिक्षार्थियों को प्रेरित करने वाले भाषण देना
(d) प्रश्न पूछने को बढ़ावा दिए बिना स्पष्टीकरण देना

140. वाइगोत्स्की के अनुसार, बच्चे सीखते हैं
[CTET-Feb.-2016-I]
(a) वयक्कों और समवयस्कों के साथ परस्पर क्रिया से
(b) जब पुनर्बलन प्रदान किया जाता है
(c) परिपक्व होने से
(d) अनुकरण से

141. कोलबर्ग ने प्रस्तुत किए हैं *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) नैतिक विकास के चरण
(b) संज्ञानात्मक विकास के चरण
(c) शारीरिक विकास के चरण
(d) संवेगात्मक विकास के चरण

142. पियाजे तथा वाइगोत्स्की के अनुसार, एक रचनात्मक कक्षा-कक्ष में अधिगम *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) उद्दीपन तथा अनुक्रिया के जोड़ से होता है
(b) शिक्षक द्वारा पुनर्बलन किया जाना है
(c) शिक्षार्थियों द्वारा स्वयं सृजित किया जाता है, जो एक सक्रिय भूमिका निभाते हैं
(d) शिक्षक द्वारा लिखवाया जाता है तथा शिक्षार्थी निष्क्रिय प्राप्तकर्ता होते है

143. विकास के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन सही हैं? *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) विकास जन्म से किशोरावस्था तक बहुत तीव्र गति से होता है और उसके बाद रुक जाता है।
(b) विकास जन्म से किशोरावस्था तक आगे की ओर बढ़ता है और फिर पीछे की ओर।
(c) विकासात्मक परिवर्तन एक सीधी रेखा से आगे जाते हैं।
(d) विकास भिन्न व्यक्तियों में भिन्न गति से होता है।

144. मध्य-बचपन-अवधि है *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) 6 वर्ष से 11 वर्ष
(b) 10 वर्ष के बाद
(c) जन्म से 2 वर्ष
(d) 2 वर्ष से 6 वर्ष

145. ''किसी व्यक्ति को आकार देने में वातावरण के घटकों की कोई भूमिका नहीं होती, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति की वृद्धि उसकी आनुवंशिक संरचना से निर्धारित होती है।'' यह कथन *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) ठीक नहीं है, क्योंकि वातावरण के घटक किसी व्यक्ति की वृद्धि ओर विकास में कम योगदान करते है
(b) ठीक नहीं है, क्योंकि बहुत-से शोध यह सिद्ध करते हैं कि विकास में वातावरण का बड़ा प्रभाव पड़ सकता है
(c) ठीक है, क्योंकि किसी व्यक्ति की आनुवंशिक संरचना बहुत प्रबल होती है
(d) ठीक है, क्योंकि बहुत-से शोध यह सिद्ध करते हैं कि आनुवंशिक पदार्थ की व्यक्ति के विकास की भविष्यवाणी करता है

146. पियाजे के अनुसार, विकास को प्रभावित करने में निम्नलिखित कारकों में से किसकी भूमिका महत्त्वपूर्ण होती है? *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) अनुकरण
(b) पुनर्बलन
(c) भाषा
(d) भौतिक विश्व के साथ अनुभव

147. पूर्व-संक्रियात्मक काल में आने वाली संज्ञानात्मक योग्तया है *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) दूसरे के दृष्टिकोण को समझने की योग्यता
(b) अभिकल्पनात्मक निष्कर्ष चिंतन
(c) अमूर्त चिंतन की योग्यता
(d) लक्ष्य-उद्धिष्ट व्यवहार की योग्यता

148. निम्नलिखित में किस एक जोड़े का मिलान ठीक हुआ है? *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) नियम और आदेश अभिविन्यास-मानवाधिकारों के मूल्य के आधार पर नैतिक सिद्धांत स्वयं चुने जाते है
(b) सामाजिक संविदा अभिविन्यास-किसी कार्य के भौतिक परिणाम निर्धारित करते है कि वह अच्छा है या बुरा
(c) दंड देना और आज्ञापालन अभिविन्यास-नियम तय नहीं है, किंतु समाज के हित में बदले जा सकते है
(d) अच्छा लड़का व अच्छी लड़की अभिविन्यास-अच्छा बनकर कोई स्वीकृति प्राप्त करता है

149. वाइगोत्सकी की संस्तुति के अनुसार, बच्चों की 'व्यक्तिगत वाक्' की संकल्पना *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) स्पष्ट करती है कि बच्चे अपने ही कार्यों के निर्देशन के लिए भाषा का उपयोग करते है
(b) प्रदर्शित करती है कि बच्चे बुद्धू होते है इसलिए उन्हें प्रौढ़ों के निर्देशन की आवश्यकता होती है
(c) स्पष्ट करती है कि बच्चे अहं-केंद्रित होते हैं
(d) प्रदर्शित करती है कि बच्चे अपन-आप से प्यार करते हैं

150. वाइगोत्स्की के अनुसार, सीखने को पृथक नहीं किया जा सकता *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) व्यवहार में मापने योग्य परिवर्तन से
(b) अवबोधान और अवधानात्मक प्रक्रियाओं से
(c) उसके सामाजिक संदर्भ से
(d) पुनर्बलन से

151. शिक्षार्थियों में बहुत विभिन्नताएँ होती है। इनमें से किसके/किनके लिए शिक्षक को संवेदनशील होने की आवश्यकता है? *[CTET-Feb.-2016-II]*

I. संज्ञानात्मक क्षमताओं और सीखने के स्तरों पर आधारित भिन्नताएँ

II. भाषा, जाति, लिंग, धर्म, समुदाय की विविधता पर आधाारित भिन्नताएँ

नीचे दिए गए कूट के आधार पर सही उत्तर चुनिए।

(a) I और II दोनों (b) न तो I और न ही II

(c) केवल I (d) केवल II

152. लेव वाइगोत्स्की के समाज संरचना सिद्धांत में दृढ़ विश्वास रखने वाले शिक्षक के नाते आप अपने बच्चों के आकलन के लिए निम्नलिखित में से किस विधि को वरीयता देंगे? *[CTET-Sept.-2016-I]*

(a) सहयोगी प्रोजेक्ट

(b) मानकीकृत परीक्षण

(c) तथ्यों पर आधारित प्रत्यास्मरण के प्रश्न

(d) वस्तुपरक बहुविकल्पी प्रकार के प्रश्न

153. निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता प्रतिभावान शिक्षार्थी की है? *[CTET-Sept.-2016-I]*

(a) वह आक्रामक और कुंठित हो जाता है।

(b) यदि कक्षा की गतिविधियाँ अधिक चुनौतीपूर्ण नहीं होती हैं, तो वह कम प्रेरित अनुभव करता है और ऊब जाता है।

(c) वह बहुत ही तुनकमिज़ाज होता है।

(d) वह रस्मी व्यवहार करता है जैसे- हाथ थपथपाना, डोलना आदि।

154. विद्यार्थियों में संप्रत्ययात्मक विकास को प्रोत्साहन देने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी विधि सबसे प्रभावी है? *[CTET-Sept.-2016-I]*

(a) पुराने प्रत्ययों से किसी संदर्भ के बिना नए प्रत्ययों को अपने आप समझा जाना चाहिए।

(b) याद करने के लिए कहकर विद्यार्थियों के गलत विचारों को सही विचारों में बदलना।

(c) विद्यार्थियों को बहुत-से उदाहरण देना और उन्हें तर्कशक्ति का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना।

(d) जब तक विद्यार्थियों में वांछित संप्रत्ययात्मक परिवर्तन न हो जाए, तब तक दंड का उपयोग करना।

155. विकास का शिर:पदाभिमुख दिशा सिद्धान्त व्याख्या करता है कि विकास इस प्रकार आगे बढ़ता है: *[CTET-Sept.-2016-I]*

(a) सामान्य से विशिष्ट कार्यों की ओर

(b) भिन्न से एकीकृत कार्यों की ओर

(c) सिर से पैर की ओर

(d) ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों की ओर

156. भाषा विकास के लिए सबसे संवेदनशील समय निम्नलिखित में से कौन-सा है।*[CTET-Sept.-2016-I]*

(a) जन्मपूर्व का समय (b) मध्य बचपन का समय

(c) वयस्कावस्था (d) प्रारंभिक बचपन का समय

157. एक 6 वर्ष की लड़की खेलकूद में असाधारण योग्यता का प्रदर्शन करती है। उसके माता-पिता दोनों ही खिलाड़ी हैं, उसे नित्य प्रशिक्षण प्राप्त करने भेजते हैं और सत्पाहांत में उसे प्रशिक्षण देते हैं। बहुत संभव है कि उसकी क्षमताएँ निम्नलिखित दोनों के बीच परस्पर प्रतिक्रिया का परिणाम होंगी: *[CTET-Sept.-2016-I]*

(a) आनुवंशिकता और पर्यावरण

(b) वृद्धि और विकास

(c) स्वास्थ्य और प्रशिक्षण

(d) अनुशासन और पौष्टिकता

158. लेव वाइगोत्सकी के अनुसार संज्ञानात्मक विकास का मूल कारण है: *[CTET-Sept.-2016-I]*

(a) संतुलन

(b) सामाजिक अन्योन्यक्रिया

(c) मानसिक प्रारूपों (स्कीमाज़) का समायोजन

(d) उद्दीपक-अनुक्रिया युग्मन

159. किसी बच्चे का दिया गया विशिष्टि उत्तर कोलबर्ग के नैतिक तर्क के सोपानों की विषयवस्तु के किस सोपान के अंतर्गत आएगा?

"यदि आप ईमानदार हैं, तो आपके माता-पिता आप पर गर्व करेंगे। इसलिए आपको ईमानदार रहना चाहिए।" *[CTET-Sept.-2016-I]*

(a) दंड-आज्ञाकारिता अनुकूलन

(b) सामाजिक संकुचन अनुकूलन

(c) अच्छी लड़की-अच्छा लड़का अनुकूलन

(d) कानून और व्यवस्था अनुकूलन

160. जीन पियाजे के अनुसार अधिगम के लिए निम्नलिखित में से क्या आवश्यक है? *[CTET-Sept.-2016-I]*

(a) शिक्षार्थी के द्वारा पर्यावरण की सक्रिय खोजबीन

(b) वयस्कों के व्यवहार का अवलोकन

(c) ईश्वरीय न्याय पर विश्वास

(d) शिक्षकों और माता-पिता द्वारा पुनर्बलन

161. जीन पियाजे के अनुसार प्रारूप (स्कीमा) निर्माण वर्तमान योजनाओं के अनुरूप बनाने हेतु नवीन जानकारी में संशोधन और नवीन जानकारी के आधार पर पुरानी योजनाओं में संशोधन के परिणाम के रूप में घटित होता है। इन दो प्रक्रियाओं को जाना जाता है: *[CTET-Sept.-2016-I]*

(a) समायोजन और अनुकूलन के रूप में
(b) समावेशन और अनुकूलन के रूप में
(c) साम्यीकरण और संशोधन के रूप में
(d) समावेशन और समायोजन के रूप में

162. कोई 5 साल की लड़की एक टी-शर्ट को तह करते हुए अपने आप से बात करती है। लड़की द्वारा प्रदर्शित व्यवहार के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है? *[CTET-Sept.-2016-I]*

(a) जीन पियाजे और लेव वाइगोत्सकी इसकी व्याख्या बच्चे के विचारों की अंहकेंद्रित प्रकृति के रूप में करेंगे।
(b) जीन पियाजे इसे अहंकेंद्रित भाषा कहेगा और लेव वाइगोत्सकी इसकी व्याख्या बच्चे के द्वारा निजी भाषा से अपनी क्रियाओं को नियमित करने के प्रयासों के रूप में करेगा।
(c) जीन पियाजे इसकी व्याख्या सामाजिक अन्योन्यक्रिया के रूप में करेगा और लेव वाइगोत्सकी इसे खोजबीन मानेगा।
(d) जीन पियाजे और लेव वाइगोत्सकी इसकी व्याख्या बच्चे के द्वारा अपनी माँ के अनुकरण के रूप में करेंगे।

163. कक्षा तक पहुँचने वाली बच्चों की भोली अवधारणाओं को जानना: *[CTET-Sept.-2016-II]*

(a) शिक्षक की योजना और शिक्षण में रुकावट बनता है
(b) शिक्षक के हौसले को पस्त कर देता है क्योंकि इससे उसका कार्यभार बढ़ता है
(c) शिक्षक के किसी उद्देश्य की पूर्ति नहीं करता
(d) शिक्षक के लिए अपने शिक्षण को अधिक सार्थक बनाने की योजना बनाने में सहायक होता है

164. विकास के सिद्धांतों के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है? *[CTET-Sept.-2016-II]*

(a) विकास एक परिमाणात्मक प्रक्रिया है जिसका ठीक-ठाक मापन हो सकता है।
(b) विकास परिपक्वन और अधिगम पर आधारित होता है।
(c) विकास वंशानुगतता और वातावरण के बीच सतत अन्योन्यक्रिया से होता है।
(d) प्रत्येक बच्चा विकास के चरणों से गुजरता है फिर भी बच्चों में वैयक्तिक भिन्नताएँ बहुत होती हैं।

165. ..... तथा ..... की विशिष्ट अन्योन्यक्रिया का परिणाम विकास के विविध मार्गों और निष्कर्षों के रूप में हो सकता है। *[CTET-Sept.-2016-II]*

(a) खोज; पोषण
(b) चुनौतियाँ; सीमाएँ
(c) वंशानुक्रम; पर्यावरण
(d) स्थिरता; परिवर्तन

166. जीन पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत के बारे में निम्नलिखित कथनों में से सही कथन कौन-सा है? *[CTET-Sept.-2016-II]*

(a) बच्चों के सांस्कृतिक आधार के अनुसार इन चरणों का क्रम बदला जा सकता है।
(b) पियाजे का तर्क है कि संज्ञानात्मक विकास, चरणों में आगे बढ़ने की अपेक्षा निरंतर होता है।
(c) पियाजे ने संज्ञानात्मक विकास के पाँच स्पष्ट चरण प्रस्तावित किए हैं।
(d) किसी चरण को छोड़ा नहीं जा सकता क्योंकि ये चरण स्थिर हैं।

167. जीन पियाजे के द्वारा प्रस्तुत 'संरक्षण' के प्रत्यय से तात्पर्य है कि: *[CTET-Sept.-2016-II]*

(a) दूसरों के परिदृश्य को ध्यान में रखना एक महत्त्वपूर्ण संज्ञानात्मक क्षमता है
(b) वन्यजीवन और वनों का संरक्षण बहुत महत्त्वपूर्ण है
(c) कुछ भौतिक गुणधर्म वही रहते हैं चाहे बाहरी आकृतियाँ बदल जाएँ
(d) परिकल्पना पर विधिवत् परीक्षण से सही निष्कर्ष पर पहुँचा जा सकता है

168. लेव वाइगोत्स्की के अनुसार:*[CTET-Sept.-2016-II]*

(a) बच्चे भाषा अर्जन की एक युक्ति से कोई भाषा सीखते हैं
(b) वयस्कों और साथियों से अन्योन्यक्रिया करने का भाषा के विकास में कोई प्रभाव नहीं पड़ता
(c) भाषिक विकास मानव चिंतन के स्वभाव को बदल देता है
(d) भाषिक विकास में संस्कृति की भूमिका बहुत कम होती है

169. लॉरेंस कोलबर्ग के नैतिक तर्क के सिद्धांत की अनेक बातों के लिए आलोचना की जाती है। इस आलोचना के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है? *[CTET-Sept.-2016-II]*

(a) कोलबर्ग ने अपने अध्ययन को मूलत: पुरुषों के नमूनों पर आधृत रखा है।

(b) कोलबर्ग ने नैतिक तर्क के प्रत्येक सोपान के लिए विशेष उत्तर नहीं दिया है।

(c) अपनी सैद्धांतिक रूपरेखा पर पहुँचने के लिए कोलबर्ग ने पियाजे के सिद्धांतों को दोहराया है।

(d कोलबर्ग का सिद्धांत बच्चों के प्रत्युत्तरों पर ध्यान-केंद्रित नहीं करता।

170. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन भाषा और विचार के बारे में पियाजे और वाइगोत्सकी के दृष्टिकोण का सही वर्णन करता है? *[CTET-Sept.-2016-II]*

(a) दोनों भाषा को बच्चे के विचारों से जन्म लेती हुई मानते हैं।

(b) वाइगोत्स्की के अनुसार पहले विचार जन्म लेता है और पियाजे के अनुसार भाषा का विचार पर भारी प्रभाव पड़ता है।

(c) पियाजे के अनुसार पहले विचार जन्म लेता है और वाइगोत्स्की के अनुसार भाषा का विचार पर भारी प्रभाव पड़ता है।

(d) दोनों मानते हैं कि बच्चे की भाषा से विचार जन्म लेते हैं।

171. विद्यालय-यात्रा पर जाने के लिए पोती को अपने पिता से बहस करते हुए देखकर दादी कहती है, "तुम अच्छी लड़की की तरह आज्ञाकारी क्यों नहीं हो? तुम लड़को की तरह व्यवहार करोगी तो तुम से कौन शादी करेगा?" यह कथन निम्नलिखित में से किसको प्रतिबिम्बित करता है? *[CTET-Sept.-2016-II]*

(a) बच्चों के पालन-पोषण में परिवार की कठिनाइयाँ

(b) लिंग समरूपता

(c) लड़कियों और लड़कों के स्वभाव के बारे में रूढ़िबद्ध धारणा

(d लड़की के लिंग की गलत पहचान

172. निम्नलिखित विकास के सिद्धांतों का मिलान कीजिए:

सिद्धांत		वर्णन	
(a)	समीप-दूराभिमुख दिशा	(i)	विभिन्न बच्चे भिन्न-भिन्न दर से बढ़ते हैं
(b)	शिर:पदाभिमुख दिशा	(ii)	सिर से पैर का क्रम
(c)	अंतर्वैयक्तिक भिन्नताएँ	(iii)	किसी अकेले बच्चे में विकास की दर विकास के एक क्षेत्र की अपेक्षा दूसरी से भिन्न हो सकती है
(d)	अंतरावैयक्तिक भिन्नताएँ	(iv)	शरीर के केन्द्र से बाहर की ओर
		(v)	सरल से जटिल की ओर वृद्धि

[CTET-Sept.-2016-II]

(a) a b c d
iv ii i iii

(b) a b c d
v ii i iii

(c) a b c d
ii iv i iii

(d) a b c d
ii iv iii i

173. संज्ञान और संवेग के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन सही है? *[CTET-Sept.-2016-II]*

(a) संवेग संज्ञान को प्रभावित करते है किंतु संज्ञान संवेगों को प्रभावित नहीं करता।

(b) संज्ञान और संवेग परस्पर जुड़े है और एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं।

(c) संज्ञान और संवेग एक-दूसरे से स्वतंत्र प्रक्रियाएं हैं।

(d) संज्ञान संवेगों को प्रभावित करता है किंतु संवेग संज्ञान को प्रभावित नहीं करता।

174. मानसिक वृद्धि एवं विकास निम्न में से किस कारक द्वारा नियन्त्रित है? *[HTET-2017]*

(a) आनुवंशिकता

(b) आनुवंशिकता एवं पर्यावरण कारक

(c) केवल पर्यावरण कारक

(d) इनमें से कोई नहीं

175. निम्नलिखित में से कौन-सा उत्तर बाल्यावस्था का लक्षण है? *[HTET-2017]*

(a) हठी

(b) समय की संकल्पना

(c) सामाजिक संकल्पना

(d) वीर पूजा

176. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है? *[HTET-2017]*
(a) वृद्धि एवं विकास दो अलग आयाम हैं
(b) वृद्धि जीवनपर्यन्त चलती है
(c) वृद्धि विकास की प्रक्रिया का ही एक भाग है
(d) विकास सतत प्रक्रिया है।

177. बालकों में व्यक्तिगत भिन्नता के लिए निम्न में से कौन-सा कारक जिम्मेदार है? *[HTET-2017]*
(a) माता-पिता की मनोवृत्ति
(b) बुद्धि
(c) नस्ल
(d) स्थान

178. निम्नलिखित में से कौन-सा **सही** है?*[HTET-2017]*
(a) परिपक्वता में अभ्यास का महत्व होता है।
(b) परिपक्वता एक शारीरिक क्रिया है
(c) परिपक्वता मृत्युपर्यन्त चलती है
(d) परिपक्वता में केवल मात्रात्मक बदलाव सम्मिलित होते है

179. जीन पियाजे ने संज्ञानात्मक विकास की कितनी अवस्थाओं की व्याख्या की है? *[HTET-2017]*
(a) आठ अवस्थाएँ (b) पाँच अवस्थाएँ
(c) छः अवस्थाएँ (d) चार अवस्थाएँ

180. निम्नलिखित में से कौन-सी कार्य सूचक क्रिया भावात्मक पक्ष की **नहीं** है? *[HTET-2017]*
(a) स्वीकारना (b) आज्ञा पालन
(c) फर्क करना (d) प्रभावित करना

181. निम्नलिखित में से कौन-से पर्यावरणीय कारक व्यक्तित्व को प्रभावित करते है? *[HTET-2017]*
(a) सामाजिक कारक (b) सांस्कृतिक कारक
(c) आर्थिक कारक (d) सभी विकल्प सही है

182. निम्नलिखित में से कौन-सा आयाम मानसिक विकास के तहत आता है। *[HTET-2017]*
(a) भाषा (b) आकार
(c) अनुराग (d) ईमानदारी

183. निम्न में से किसे व्यक्तित्व की नैतिकता वाली भुजा कहेंगे? *[HTET-2017]*
(a) उपाह (इड) (b) आत्मा (इगो)
(c) पराह (सुपर-इगो) (d) इड तथा सुपर-इगो

184- सामान्य संयुक्त कोशिका में गुणसूत्रों के जोड़े होते है। *[UPTET-2017]*
(a) 22 (b) 23
(c) 24 (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

185. गोलमैन निम्न में से किससे सम्बन्धित है? *[UPTET-2017]*
(a) सामाजिक बुद्धि (b) संवेगात्मक बुद्धि
(c) आध्यात्मिक बुद्धि (d) सामान्य बुद्धि

186. निम्न में से कौन-सा विकास का सिद्धान्त नहीं है? *[UPTET-2017]*
(a) अनुकूलित प्रत्यावर्तन सिद्धान्त
(b) निरन्तर विकास का सिद्धान्त
(c) परस्पर सम्बन्ध का सिद्धान्त
(d) समान प्रतिमान का सिद्धान्त

187. ''विकास के परिणामस्वरूप नवीन विशेषताएँ और नवीन योग्यताएँ प्रकट होती है'' यह कथन किसने दिया है। *[UPTET-2017]*
(a) गेसेल (b) हरलॉक
(c) मेरेडिथ (d) डगलस और होलैण्ड

188. ग्रन्थियों के आधार पर व्यक्तित्व के विभिन्न प्रकारों की चर्चा किसने की है? *[UPTET-2017]*
(a) क्रेशमर (b) युंग
(c) कैनन (d) स्प्रैन्जर

189. अर्न्तमुखी व्यक्तित्व एवं बहिर्मुखी व्यक्तित्व का वर्गीकरण किसने किया है। *[UPTET-2017]*
(a) फ्रायड (b) युंग
(c) मन (d) आलपोर्ट

190. बच्चों के सामाजिक विकास को प्रभावित करने वाले कारक है। *[UPTET-2017]*
(a) आर्थिक तत्त्व
(b) सामाजिक परिवेशजन्य तत्त्व
(c) शारीरिक तत्त्व
(d) वंशानुगत तत्त्व

191. निम्न में से कौन-सा शारीरिक विकास का एक प्रमुख नियम है। *[UPTET-2017]*
(a) मानसिक विकास से भिन्नता का नियम
(b) अनियमित विकास का नियम
(c) द्रुतगामी विकास का नियम
(d) कल्पना और संवेगात्मक विकास से सम्बन्ध का नियम

192. 'विद्रोह की भावना' की प्रवृत्ति निम्न में से किस अवस्था से सम्बन्धित है? *[UPTET-2017]*
(a) बाल्यावस्था (b) शैशवावस्था
(c) पूर्व किशोरावस्था (d) मध्य किशोरावस्था

193. शिक्षण की अन्तःक्रियात्मक अवस्था में मुख्य संक्रिया होती है *[UPTET.-2018]*
(a) निदान की
(b) प्रत्यक्षीकरण की
(c) क्रिया और प्रतिक्रिया की
(d) उपर्युक्त सभी

194. निम्न में से कौन-सी बाल्यावस्था की एक विशेषता नहीं है? *[UPTET.-2018]*
(a) सामूहिक की प्रबलता
(b) जिज्ञासा की कमी
(c) अभिवृद्धि में स्थिरता
(d) समूह एवं खेलों में सहभागिता

195. निम्न में से कौन-सा वृद्धि और विकास का प्रथम चरण है? *[UPTET.-2018]*
(a) शारीरिक विकास (b) सामाजिक विकास
(c) नैतिक विकास (d) मानसिक विकास

196. बच्चे _____ को छोड़कर अन्य सभी के द्वारा लिंग भूमिकाएँ ग्रहण करते हैं। *[CTET-Dec.-2018-I]*
(a) समाजीकरण (b) संस्कृति
(c) ट्यूशन (d) मीडिया

197. बच्चों में प्रतिभाशालिता _____ के कारण हो सकती है। *[CTET-Dec.-2018-I]*
(a) एक संसाधन-समृद्ध वातावरण
(b) सफल माता-पिता
(c) एक अनुशासित दिनचर्या
(d) आनुवंशिकता और वातावरण के बीच एक अंत:क्रिया

198. निम्नलिखित में से कौन-सा एक संवेग है? *[CTET-Dec.-2018-I]*
(a) डर (b) ध्यान
(c) उत्तेजना (d) स्मृति

199. एक तीन साल का बच्चा बताता है कि दूध बूथ पर एक मशीन द्वारा दूध का उत्पादन होता है। *[CTET-Dec.-2018-I]*
निम्नलिखित में से कौन-सा बच्चे की समझ का सबसे अच्छा स्पष्टीकरण प्रदान करता है?
(a) बच्चे का जवाब दूध बूथ से दूध खरीदने के अपने अनुभव पर आधारित है।
(b) बच्चे ने गायों को कभी नहीं देखा है।
(c) बच्चे का परिवार बच्चे को प्रेरक वातावरण प्रदान नहीं करता।
(d) बच्चे को दुनिया का बहुत सीमित अनावरण/ज्ञान है।

200. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन पियाजे के सिद्धांत के अनुसार कहा नहीं जा सकता? *[CTET-Dec.-2018-I]*
(a) बच्चे अपनी दुनिया के बारे में ज्ञान का निर्माण और उपयोग करते हैं।
(b) निरंतर अभ्यास के अधिगम होता है।
(c) बच्चे अपने पर्यावरण पर क्रिया करते हैं।
(d) विकास गुणात्मक चरणों में होता है।

201. ____ के अलावा, निम्नलिखित कारणों से खेल युवा बच्चों के विकास में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है: *[CTET-Dec.-2018-I]*
(a) यह उनकी इंद्रियों को उत्तेजित करता है
(b) यह समय बिताने का एक सुखद तरीका है
(c) वे नए कौशल हासिल करते हैं और सीखते हैं कि उन्हें कब उपयोग किया जाए
(d) वे अपने शरीर पर निपुणता प्राप्त करते हैं

202. कोह्लबर्ग के सिद्धांत के योगदान के रूप में निम्नलिखित में से किसे माना जा सकता है? *[CTET-Dec.-2018-I]*
(a) इस सिद्धांत में विस्तृत परीक्षण प्रक्रियाएँ हैं।
(b) यह नैतिक तर्क और कार्रवाई के बीच एक स्पष्ट संबंध स्थापित करता है।
(c) उनका विश्वास है कि बच्चे नैतिक दार्शनिक हैं।
(d) उनके सिद्धांत ने संज्ञानात्मक परिपक्वता और नैतिक परिपक्वता के बीच एक सहयोग का समर्थन किया है।

203. निकटवर्ती विकास का क्षेत्र संदर्भित करता है- *[CTET-Dec.-2018-I]*
(a) उस विकासात्मक चरण को, जब बच्चा सीखने की पूरी ज़िम्मेदारी लेता है
(b) एक संदर्भ को, जिसमें बच्चे सहयोग के सही स्तर के साथ कोई कार्य लगभग स्वयं कर सकते हैं
(c) उस सीखने के बिंदु को, जब सहयोग वापस लिया जा सकता है
(d) उस चरण को, जब अधिकतम विकास संभव है

204. स्वजागरुकता एवं संज्ञानात्मक क्षमताओं का नियंत्रण, जैसे - योजना बनाना, समीक्षा करना और संशोधन करना इत्यादि ..... में अंतर्निहित हैं। *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) संज्ञानबोध (b) संज्ञान
(c) समायोजन (d) केंद्रीकरण

205. जब बच्चे प्राप्त की गई सूचनाओं की व्याख्या करने के लिए अपने अनुभवों के आधार पर सोचते हैं, तो उसे ..... कहा जाता है। *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) सृजनात्मक सोच (b) अमूर्त सोच
(c) मूर्त सोच (d) प्रतिक्रियावादी सोच

206. जिस दिए गए कार्य को करते समय बच्चे स्वयं आनंद लेते हुए अनुभव प्राप्त करते हैं, उसे ..... कहा जाता है। *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) उपभोक्ता प्रकार का कार्य
(b) निर्माणात्मक प्रकार का कार्य
(c) समस्यात्मक प्रकार का कार्य
(d) ड्रिल और अभ्यास कार्य

207. शरीर के केंद्रीय भाग से परिधियों या अग्रांगों की ओर का विकास दर्शाता है- *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) विकेंद्रीकृत विकास के सिद्धांतों को
(b) मध्य-बाह्य विकास के सिद्धांतों को
(c) सोपानीय विकास के सिद्धांतों को
(d) विकिरणीय विकास के सिद्धांतों को

208. किसी वस्तु के स्थायित्व की अवधारणा पियाजे के विकास के ..... चरण में प्राप्त हो जाती है। *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) पूर्व-परिचालन (b) मूर्त परिचालन
(c) औपचारिक परिचालन (d) संवेदी-गामक

209. ..... महीनों की आयु के बीच अधिकांश बच्चे शब्दों को मिलाकर छोटे-छोटे वाक्यों में बोलना शुरू कर देते हैं। *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) 18 से 24 (b) 24 से 30
(c) 30 से 36 (d) 12 से 18

210. निम्नांकित में से कौन-सा कथन वाइगोत्स्की के समाज-सांस्कृतिक सिद्धांत के संदर्भ में सही नहीं है? *[HTET-2019]*
(a) बच्चे जो कार्य स्वयं, बिना सहायता के, पूरा कर सकते हैं, उन्हें करते हुए वे बहुत कम सीखते हैं।
(b) निकटस्थ विकास का क्षेत्र, इस सिद्धांत का एक भाग है।
(c) यह बालक के संज्ञानात्मक विकास में भाषा के महत्त्व की उपेक्षा करता है।
(d) यह संज्ञानात्मक विकास में समाज एवं संस्कृति की भूमिका पर बल देता है।

211. निम्नांकित में से कौन-सा किशोरावस्था के अपरिपक्व चिंतन का उदाहरण नहीं है, जैसा कि एलकिन्ड द्वारा बताया गया है? *[HTET-2019]*
(a) आदर्शवाद (b) वाद-विवाद की प्रवृत्ति
(c) सुनिश्चितता/आग्रहिता (d) विशिष्टता की प्रवृत्ति

212. निम्नांकित में से कौन-सा कथन पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत के संदर्भ में सही नहीं है? *[HTET-2019]*
(a) यह इस मान्यता पर आधारित है कि विकास एक असतत प्रक्रिया है।
(b) यह इस मान्यता पर आधारित है कि बच्चे सम्मिलन एवं आत्मसातीकरण द्वारा सीखते हैं।
(c) यह इस मान्यता पर आधारित है कि विकास एक सतत प्रक्रिया है।
(d) यह इस मान्यता पर आधारित है कि संज्ञानात्मक विकास चार चरणों में होता है।

213. किशोर बालकों के दिवास्वप्न के संदर्भ में निम्नांकित में से कौन-सा कथन सही नहीं है? *[HTET-2019]*
(a) यह सक्रिय खेल का एक प्रकार है।
(b) दिवास्वप्न के दौरान किशोर जो भूमिका स्वीकार करते हैं वह नायक का होता है।
(c) इसमें मानसिक के बजाय शारीरिक क्रिया ज्यादा होती है।
(d) इसमें शारीरिक के बजाय मानसिक क्रिया ज्यादा होती है।

214. एक किशोर यह महसूस करता है कि अब तक उसके जैसा गहरा प्यार किसी ने नहीं किया है। यह घोतक है: *[HTET-2019]*
(a) काल्पनिक दर्शक का
(b) व्यक्तिगत मिथक का
(c) आत्म-परिचय/पहचान का
(d) पहचान संकट का

215. 'युवा किशोरों की यह मान्यता कि वे पूर्णतया किसी अन्य व्यक्ति से भिन्न हैं', को जाना जाता है: *[HTET-2019]*
(a) व्यक्तिगत मिथक (b) काल्पनिक दर्शक
(c) आत्म ज्ञान (d) आत्मोद्घाटन

216. फ्रायड के मनोलैंगिक विकास के सिद्धांत की 'लैंगिक अवस्था' का आयु-विस्तार, एरिक्सन के मनोसामाजिक विकास की निम्नांकित में से किस अवस्था के समतुल्य है? *[HTET-2019]*
(a) विश्वास बनाम अविश्वास
(b) स्वायत्तता बनाम शर्म एवं संदेह
(c) पहल बनाम अपराध बोध
(d) पहचान बनाम भूमिका भ्रम (Role Confusion)

217. "विकास के इस चरण में बच्चे अपनी आँख, कान, हाथ एवं अन्य संवेदी अंगों के द्वारा चिंतन करते हैं।" यह कथन निम्नांकित में से किस संज्ञानात्मक विकास की अवस्था की सर्वोत्तम व्याख्या है? *[HTET-2019]*
(a) संवेदी गामक अवस्था
(b) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था
(c) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था
(d) औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था

218. ब्लूम के वर्गीकरण के अनुसार, निम्नांकित में से कौन-सा संज्ञानात्मक क्षेत्र का एक उपक्षेत्र नहीं है? *[HTET-2019]*
(a) अनुप्रयोग (b) विश्लेषण
(c) संश्लेषण (d) अनुक्रिया

219. निम्नलिखित में से कौन विकास के व्यापक आयामों की सही पहचान करता है? *[CTET-July -2019-I]*
(a) सामाजिक, शारीरिक, व्यक्तित्व, स्व
(b) शारीरिक, संज्ञानात्मक, सामाजिक और संवेगात्मक
(c) संवेगात्मक, बौद्धिक, आध्यात्मिक एवं स्व
(d) शारीरिक, व्यक्तित्व, आध्यात्मिक एवं संवेगात्मक

220. जीन पियाजे के सिद्धांत का प्रमुख प्रस्ताव है कि- *[CTET-July-2019-I]*
(a) बच्चों की सोच गुणात्मक रूप में वयस्कों से भिन्न होती है।
(b) बच्चों की सोच वयस्कों से निम्न होती है।
(c) बच्चों की सोच वयस्कों से बेहतर होती है।
(d) बच्चों की सोच मात्रात्मक रूप में वयस्कों से भिन्न होती है।

221. निम्नलिखित में से कौन-सा पूर्व क्रियात्मक अवस्था काल के बच्चे को विशेषित करता है? *[CTET-July -2019-I]*
(a) विचारों की अनुत्क्रमणीयता
(b) वर्तुल प्रतिक्रिया
(c) लक्ष्य-निर्देशित व्यवहार
(d) विलंबित अनुकरण

222. चालक विकास की दर में व्यक्तिगत विविधताएँ होती हैं, फिर भी चालक विकास का क्रम _____ से _____ तक है। *[CTET-July -2019-I]*
(a) परिष्कृत (सूक्ष्म) चालक विकास; अपरिष्कृत (स्थूल) चालक विकास
(b) शीर्षगामी; अधोगामी
(c) अधोगामी; शीर्षगामी
(d) अपरिष्कृत (स्थूल) चालक विकास; परिष्कृत (सूक्ष्म) चालक विकास

223. वह अवधि जो वयस्कता के संक्रमण की पहल करती है, उसे क्या कहते हैं? *[CTET-July -2019-I]*
(a) बाल्यावस्था की समाप्ति
(b) किशोरावस्था
(c) मध्य बाल्यावस्था
(d) पूर्व-क्रियात्मक अवधि

224. मौखिक संवाद जो बच्चे अपने आप से करते हैं, उन्हें लेव वायगोत्सकी क्या कहते हैं*[CTET-July -2019-I]*
(a) समस्यात्मक वार्ता (b) अहंकेंद्रित वार्ता
(c) व्यक्तिगत वार्ता (d) भ्रांत वार्ता

225. निम्नलिखित में से कौन-सा विकास का सिद्धांत नहीं है? *[CTET-July-2019-II]*
(a) विकास तुलनात्मक रूप से क्रमिक होता है।
(b) विकास समय के साथ धीरे-धीरे घटित होता है।
(c) विकास की सटीक गति एवं प्रकृति जन्म के समय ही निर्धारित हो जाती है।
(d) व्यक्ति अलग-अलग गति से विकास करते हैं।

226. संरचनात्मक ढांचे ने बच्चे को किस रूप में देखा जाता है? *[CTET-July-2019-II]*
(a) 'कोरी पटिया' या 'खाली स्लेट' जिसके जीवन को अनुभव के द्वारा पूर्ण रूप से आकार दिया जाता है।
(b) एक 'निष्क्रिय प्राणी' जिसे अनुबंधन के द्वारा किसी भी रूप में आकार दिया जा सकता है तथा ढाला जा सकता है।
(c) एक 'समस्या-समाधान करने वाला' तथा 'वैज्ञानिक अन्वेषक' के रूप में।
(d) 'लघु वयस्क' के रूप में जो सभी पक्षों जैसे आकार, संज्ञान तथा संवेग में वयस्क की तुलना में कम है।

227. पियाजे के अनुसार, विशिष्ट मनोवैज्ञानिक संरचनाएँ (अनुभव से सही अर्थ निकालने के व्यवस्थित तरीके) को क्या कहा जाता है? *[CTET-July-2019-II]*
(a) स्कीमा (b) प्रतिमान
(c) मानसिक मैप (d) मानसिक उपकरण

228. "एक उचित प्रश्न/सुझाव के द्वारा बच्ची की समझ को उस बिंदु से बहुत आगे ले जाया जा सकता है जिस पर वह अकेले पहुँच सकती है।"
निम्नलिखित में से कौन-सी संरचना उपरोक्त कथन को प्रकाशित करती है? *[CTET-July-2019-II]*
(a) साम्यधारणा
(b) संरक्षण
(c) बुद्धि
(d) समीपस्थ/निकटस्थ विकास का क्षेत्र

229. लेव वाइगोत्स्की के अनुसार, आधारभूत मानसिक क्षमताओं को मुख्य रूप से किसके द्वारा उच्चतर संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं में बदला जाता है? *[CTET-July-2019-II]*
(a) सामाजिक पारस्परिक क्रिया
(b) उद्दीपन-अनुक्रिया संबंध
(c) अनुकूलन एवं संगठन
(d) पुरस्कार एवं दंड

230. निम्नलिखित में से कौन-सा मूर्त क्रियात्मक अवस्था के प्रमुख कौशलों में से एक है?*[CTET-July-2019-II]*
(a) सुरक्षित रखने की योग्यता
(b) परिकल्पिक निगमनात्मक तर्क
(c) द्वितीयक वर्तुल प्रतिक्रियाएँ
(d) सजीवात्मक चिंतन

231. जीन पियाजे एवं लेव वयगोट्स्की जैसे संरचनावादी अधिगम को किस रूप में देखते हैं? *[CTET-July-2019-II]*
(a) प्रतिक्रियाओं का अनुबंधन
(b) निष्क्रिय आवृत्तीय प्रक्रिया
(c) सक्रिय विनियोजन से अर्थ-निर्माण की प्रक्रिया
(d) कौशलों का अर्जुन

उत्तरमाला

1	(d)	**21**	(a)	**41**	(a)	**61**	(d)	**81**	(d)	**101**	(d)	**121**	(d)	**141**	(a)	**161**	(d)	**181**	(d)	**201**	(b)	**221**	(a)
2	(b)	**22**	(c)	**42**	(b)	**62**	(d)	**82**	(d)	**102**	(b)	**122**	(d)	**142**	(c)	**162**	(b)	**182**	(a)	**202**	(d)	**222**	(d)
3	(c)	**23**	(a)	**43**	(d)	**63**	(a)	**83**	(b)	**103**	(b)	**123**	(c)	**143**	(d)	**163**	(d)	**183**	(c)	**203**	(b)	**223**	(b)
4	(d)	**24**	(c)	**44**	(b)	**64**	(a)	**84**	(b)	**104**	(c)	**124**	(d)	**144**	(a)	**164**	(a)	**184**	(b)	**204**	(a)	**224**	(c)
5	(a)	**25**	(d)	**45**	(a)	**65**	(b)	**85**	(d)	**105**	(a)	**125**	(a)	**145**	(b)	**165**	(c)	**185**	(b)	**205**	(c)	**225**	(c)
6	(d)	**26**	(d)	**46**	(c)	**66**	(a)	**86**	(d)	**106**	(b)	**126**	(d)	**146**	(b)	**166**	(d)	**186**	(a)	**206**	(a)	**226**	(c)
7	(c)	**27**	(b)	**47**	(b)	**67**	(d)	**87**	(c)	**107**	(a)	**127**	(c)	**147**	(b)	**167**	(c)	**187**	(b)	**207**	(b)	**227**	(a)
8	(a)	**28**	(a)	**48**	(a)	**68**	(a)	**88**	(c)	**108**	(d)	**128**	(b)	**148**	(d)	**168**	(c)	**188**	(a)	**208**	(d)	**228**	(d)
9	(a)	**29**	(d)	**49**	(d)	**69**	(d)	**89**	(b)	**109**	(a)	**129**	(a)	**149**	(a)	**169**	(a)	**189**	(b)	**209**	(a)	**229**	(a)
10	(b)	**30**	(b)	**50**	(d)	**70**	(a)	**90**	(c)	**110**	(c)	**130**	(c)	**150**	(c)	**170**	(c)	**190**	(b)	**210**	(c)	**230**	(a)
11	(c)	**31**	(c)	**51**	(b)	**71**	(a)	**91**	(d)	**111**	(b)	**131**	(d)	**151**	(a)	**171**	(c)	**191**	(c)	**211**	(c)	**231**	(c)
12	(a)	**32**	(c)	**52**	(a)	**72**	(b)	**92**	(c)	**112**	(d)	**132**	(a)	**152**	(a)	**172**	(a)	**192**	(c)	**212**	(c)		
13	(a)	**33**	(c)	**53**	(a)	**73**	(c)	**93**	(c)	**113**	(c)	**133**	(a)	**153**	(b)	**173**	(b)	**193**	(c)	**213**	(c)		
14	(d)	**34**	(b)	**54**	(b)	**74**	(b)	**94**	(d)	**114**	(d)	**134**	(c)	**154**	(c)	**174**	(b)	**194**	(b)	**214**	(b)		
15	(d)	**35**	(a)	**55**	(d)	**75**	(b)	**95**	(a)	**115**	(d)	**135**	(d)	**155**	(c)	**175**	(a)	**195**	(a)	**215**	(a)		
16	(c)	**36**	(b)	**56**	(c)	**76**	(c)	**96**	(b)	**116**	(b)	**136**	(b)	**156**	(d)	**176**	(b)	**196**	(c)	**216**	(d)		
17	(b)	**37**	(a)	**57**	(a)	**77**	(a)	**97**	(a)	**117**	(a)	**137**	(d)	**157**	(a)	**177**	(a)	**197**	(d)	**217**	(a)		
18	(b)	**38**	(c)	**58**	(a)	**78**	(a)	**98**	(b)	**118**	(a)	**138**	(d)	**158**	(b)	**178**	(a)	**198**	(a)	**218**	(d)		
19	(c)	**39**	(b)	**59**	(c)	**79**	(d)	**99**	(a)	**119**	(a)	**139**	(b)	**159**	(c)	**179**	(d)	**199**	(a)	**219**	(b)		
20	(d)	**40**	(d)	**60**	(b)	**80**	(b)	**100**	(d)	**120**	(d)	**140**	(b)	**160**	(a)	**180**	(a)	**200**	(b)	**220**	(a)		

व्याख्या सहित उत्तर

38. (c) वाइगोटस्की के अनुसार, किसी भी बालक के सर्वांगीण विकास में उसके सामाजिक अवस्था का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने बताया कि समाज से अन्त:क्रिया के फलस्वरूप ही बच्चों में विभिन्न प्रकार का विकास होता है।

39. (b) मानव विकास को निम्नलिखित क्षेत्रों में विभाजित किया गया है-

1. शारीरिक विकास - शरीर के बाह्य एवं आंतरिक परिवर्तनों के विकास से है। इसके अंतर्गत शरीर की लम्बाई, चौड़ाई एवं आंतरिक अंगों, जैसे–हृदय, मस्तिष्क इत्यादि की वृद्धि शामिल हैं।
2. संवेगात्मक विकास - संवेग मूल प्रवृत्तियों से सम्बन्धित होते हैं। संवेग की स्थिति में विचार प्रक्रिया में शिथिलता आती है। भय, क्रोध, घृणा, वात्सल्य तथा आश्चर्य कुछ प्रमुख संवेग हैं।
3. सामाजिक विकास - सामाजिक विकास के अंतर्गत व्यक्ति समाज के आदर्शों, मूल्यों एवं सामाजिक गुणों के विकास में आस्था रखना सीखता है।

40. (d) विकास की प्रक्रिया में बालक का शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक एवं सामाजिक विकास होता है। विकास एक क्रमिक तथा सतत् प्रक्रिया के अंतर्गत होती है। विकास विभिन्न कारकों, जैसे वंशानुक्रम, वातावरण इत्यादि के ऊपर निर्भर करता है। अत: सभी में विकास की दर एक समान नहीं होती है।

44. (b) विकास प्रसव-पूर्व अवस्था से शुरू हो जाता है, लेकिन मनोवैज्ञानिक रॉस के अनुसार बालक के विकास की चार अवस्थाएँ होती हैं। शैशवावस्था (1-5 वर्ष), बाल्यावस्था (5 से 12 वर्ष), किशोरावस्था (12 से 18 वर्ष) तथा प्रौढ़ावस्था (18 वर्ष से ऊपर)

50. (d) जीन पियाजे ने अपने संज्ञानात्मक विकास को चार चरणों में बाँटा है। पूर्व-संक्रियात्मक (2-7 वर्ष) चरण में बच्चे में प्रतीकात्मक विचार विकसित होते हैं, वस्तु स्थायित्व उत्पन्न होता है।

61. (d) चढ़ना, फूदकना व दौड़ना गतिक कौशल में आता है, जबकि लिखना सूक्ष्म गतिक में क्योंकि यहाँ सिर्फ हाथ में हल्की-सी गति होती है।

73. (c) सामाजिक विकास वातावरण से सम्बन्धित होता है।

112. (d) व्यक्तिगत मतवैषम्य व्यक्ति विशेष के अन्तर को प्रदर्शित करता है। अत: सीखने वालों के व्यक्तिगत मतभेदों के संदर्भ में एक शिक्षक को अधिगम परिस्थिति उपलब्ध करानी चाहिए।

113. (c) विकास जीवन पर्यंत जारी रहता है। लेकिन विकास के प्रत्येक क्षेत्र के विकास की गति समान नहीं होती। उदाहरण के लिए एक व्यक्ति का शारीरिक विकास पहले होता है लेकिन उसका बोधात्मक विकास बाद में होता है।

114. (d) वाइगोत्स्की की मानवीय समझ की सामाजिक सांस्कृतिक पद्धति सीखने को समाज या संस्कृति में मानव बुद्धिमत्ता में उद्‌भव के रूप में वर्णन करती है। वाइगोत्स्की का सिद्धान्त यह कहता है कि ज्ञान के विकास में सामाजिक सक्रियता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

115. (d) उत्सुकता एक ऐसा गुण है जो जिज्ञासु सोच जैसे कि अन्वेषण, जाँच, सीखना मानवीय एवं पशु प्रजातियों के द्वारा प्रमाणीकरण इत्यादि को प्रदर्शित करता है। मानवीय विकास के सभी क्षेत्रों से उत्सुकता जुड़ी रहती है। इनमें सीखने की प्रक्रिया एवं ज्ञान तथा दक्षता प्राप्त करने की इच्छा सम्मिलित रहती है।

116. (b) 'अधिगम शैली से तात्पर्य है कि प्रत्येक छात्र अलग प्रकार से सीखता है। तकनीकी रूप से किसी व्यक्ति के सीखने का तरीका प्राथमिकता वाले रास्ते को प्रदर्शित करता है जिसमें छात्र सूचना को अवशोषित करता, प्रक्रिया में लाता, पूरी तरह से समझ लेता एवं बनाता रहता है।

117. (a) प्रकृति विरूद्ध पोषण वाद-विवाद, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक, दार्शनिक वाद-विवाद है। मानवीय संस्कृति, व्यवहार एवं व्यक्तित्व प्राथमिक रूप से प्रकृति द्वारा पोषित होते हैं या पोषण के द्वारा इस वाद-विवाद में प्रकृति को वंशानुगत या हार्मोन आधारित व्यवहार के रूप में जाना जाता है। जबकि पोषण अधिकांशतया पर्यावरण एवं अनुभव के रूप में जाना जाता है।

118. (a) एक शिशु मानव का एक बहुत छोटा बालक होता है। 1 माह से लेकर 12 माह के बच्चे तक के लिए शब्द 'शिशु' का प्रयोग किया जाता है। फिर भी यह परिभाषा जन्म एवं 1 वर्ष की उम्र या जन्म एवं 2 वर्ष की उम्र के अनुसार परिवर्तित होती रहती है।

119. (a) मनोवैज्ञानिक जीन पियाजे के अनुसार बच्चे बोधात्मक विकास की चार चरम स्थितियों में उन्नति करते हैं। प्रत्येक स्थिति इस तथ्य पर आधारित होती है कि बच्चे दुनिया को कैसे समझते हैं। बच्चों की पद्धति द्वारा पियाजे ने बौद्धिक विकास की एक पद्धति का विकास किया, जिसकी चार अलग-अलग स्थितियाँ हैं:

- जन्म से लेकर 2 वर्ष तक, संवेदिक पेशीय अवस्था
- 2 वर्ष की उम्र से 7 वर्ष की उम्र तक, पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था
- 7 वर्ष की उम्र से 11 वर्ष की उम्र तक, मूर्त-संक्रियात्मक अवस्था
- अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था, जो कि यौवनारंभ में प्रारंभ होती है एवं वयस्कता में संचालित होती है।

120. (d) इस सिद्धांत के अनुसार बालक पहले सामान्य बातों को और बाद में उन सभी सामान्य बातों को मिलाकर एक विशिष्ट सिद्धांत बनाना सीखता है। जैसे बच्चा पहले व्यक्ति का नाम, स्थान और वस्तु का नाम जानता है और बाद में जानता है कि किसी व्यक्ति वस्तु या स्थान के नाम को संज्ञा कहते है इस प्रकार बालक का विकास सामान्य से विशिष्ट की ओर होता है।

122. (d) पियाजे के अनुसार पौधों और पशुओं की तरह मनुष्य भी अपने भौतिक और सामाजिक वातावरण के साथ, जिसमें वे रहते है, अपने को अनुकूलित करते है। पियाजे ने अनुकूलन को दो मूल प्रक्रियाओं - समावेशन और समायोजन के रूप में लिया है।

124. (d) कोई अवधारणा समझ एवं ज्ञान से संबंधित मानसिक एवं शारीरिक क्रियाकलापों को प्रदर्शित करती है। पियाजे के नियम के अनुसार अवधारणा के अंतर्गत ज्ञान की श्रेणी एवं उस ज्ञान को प्राप्त करने की प्रक्रिया सम्मिलित है। जैसे-जैसे अनुभव होते जाते हैं। विद्यमान अवधारणा में संशोधन करने, संयुक्त करने या परिवर्तन करने के लिए इस सूचना का प्रयोग किया जाता है।

125. (a) आत्म संभाषण एक ऐसा संभाषण है जो वार्तालाप, आत्म दिग्दर्शन एवं व्यवहार की निरंतरता के लिए आवश्यक होता है। दो वर्ष से लेकर सात वर्ष तक के बच्चे आत्म संभाषण में संलग्न देखे जा सकते हैं। आत्म संभाषण का अधययन सर्वप्रथम लेव वायगोत्सकी के द्वारा किया गया । अनुसंधानकर्ताओं ने बच्चों के आत्म संभाषण के प्रयोग एवं उनके कार्य प्रदर्शन एवं उपलब्धियों के मध्य एक सकारात्मक अन्तर्संबंध पाया है।

127. (c) संज्ञानात्मक विकास की चार अवस्थाएँ होती हैं। इसकी अंतिम अवस्था औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था कहलाती है। यह अवस्था 12 वर्ष की आयु के होने पर उपस्थित रहती है तथा प्रौढ़ावस्था प्राप्त करने तक जारी रहती है। इस अवस्था में कोई व्यक्ति किसी स्थिति का आलोचनात्मक विश्लेषण करना सीखता है। इस अवस्था में विचारों को अमूर्त रूप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास होता है।

128. (b) कोहलबर्ग की द्वितीय स्तर की औपचारिक नैतिकता के अंतर्गत व्यक्ति एक समाज की औपचारिकताओं/नियमों के अंतर्गत जीवन निर्वाह करता है। लॉरेन्स कोहलबर्ग के अनुसार ''अच्छा व्यवहार वह व्यवहार है जो दूसरों को प्रसन्न करता है, दूसरों की मदद करता है एवं उनके द्वारा स्वीकृत होता है। यह बहुमत एवं प्राकृतिक व्यवहार के परंपरागत प्रतीक में काफी अनुरूप होता है। अकसर व्यवहार की जाँच विचारधारा से की जाती है। प्रथम बार ''उसका अर्थ अच्छा'' ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। एक व्यक्ति 'अच्छा' होने से स्वीकृति प्राप्त करता है।

129. (a) अधिगम और विकास एक जटिल तरीके से अंतर्संबंधित हैं।

130. (c) विकास जीवविज्ञान एवं अनुभवों के बीच एक नियत एवं गतिशील अंत:क्रिया है। यह संस्कृति के द्वारा प्रभावित होता है। यह सिर्फ संस्कृति द्वारा शसित एवं निर्धारित नहीं होता है।

131. (d) भाषा विकास के लिए प्रारंम्भिक बचपन अतिसंवेदनशील काल है क्योंकि बच्चा अपने परिवार से ही सीखना प्रारंभ कर देता है। बच्चे पर उसके पर्यावरण मे होने वाली प्रत्येक गतिविधि का गहरा प्रभाव पड़ता है।

132. (a) पियाजे के विचार में बच्चे सक्रिय ज्ञान-निर्माता तथा नन्हे वैज्ञानिक हैं, जो संसार के बारे में अपने सिद्धान्तों की रचना करते हैं। जबकि स्किनर, पैवलॉव तथा युंग के विचार इससे भिन्न हैं।

134. (c) विकास के लिए उचित कथन है- सामाजिक-संस्कृतिक संदर्भ, विकास में एक महत्वपूर्ण-भूमिका का निर्वाह करता है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है अत: उसके विकास में समाज तथा संस्कृति का अभिन्न प्रभाव पड़ता है।

135. (d) वंशानुक्रम और वातावरण के बीच अन्योन्यक्रिया के कारण व्यक्तियों में एक-दूसरे से भिन्नता होती है। बच्चे की वृद्धि और विकास वंशानुक्रम व वातावरण दोनों का संयुक्त परिणाम होता हैं।

136. (b) मूर्त संक्रियात्मक बच्चा संधारण एवं वर्गीकरण करने योग्य होता है। जब बच्चा किसी भी विचार या वस्तु को समझकर पहचान कर उसे वर्गीकृत करने मे सक्षम होता है वह मूर्त संक्रियात्मक अवस्था है।

137. (d) एक बच्ची कहती है ,''धूप मे कपड़े जल्दी सूख जाते हैं।'' वह कार्य-कारण की समझ को प्रदर्शित कर रही है। वह बच्ची कार्य करने की प्रक्रिया, विधि एवं स्थिति को भली भाँति समझती है।

138. (d) पियाजे के अनुसार, बच्चों का चिंतन व्यस्कों से प्रकार मे भिन्न होता है बजाय मात्रा के। पियाजे ने चिंतन में मानसिक शक्तियों को महत्ता दी है। उन्होनें विकास के तीन आयाम बताए हैं। बच्चा अपने वातावरण में अपनी मानासिक शक्तियों का विकास करता है जो व्यस्कों से भिन्न होती है।

139. (b) अनुबोधन और संकेत देना तथा नाजुक स्थितियों पर प्रश्न पूछना आधारभूत सहायता का उदाहरण है। यदि किसी बच्चे को किसी परिस्थिति विभिन्न प्रकार के संकेत दिये जा रहे हो या आवश्यकतानुसार अनुबोधन दिए गए हो तो असकी आधारभूत सहायता की जा रही है।

140. (b) वाइगोत्स्की के अनुसार बच्चे व्यस्कों और समव्यस्कों के साथ परस्पर क्रिया से सीखते हैं। वाइगोत्स्की को मानना है बच्चे पारस्परिक क्रिया में होने वाले विभिन्न अनुभवों से सीखता है।

141. (a) कोलबर्ग के नैतिक विकास सिद्धान्त को अवस्था सिद्धान्त भी कहा गया है। उन्होनें अपने सम्पूर्ण नैतिक विकास को छः अवस्थाओं में विभाजित किया है और इन्हें सार्वभौमिक माना है।

143. (d) वैज्ञानिक अध्ययन यह सिद्ध करते हैं कि विभिन्न व्यक्तियों के विकास की गति में विभिन्नता होती हैं, एक ही आयु के दो बालकों में शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास में वैयक्तिक विभिन्तायें स्पष्ट दिखाई देती है।

144. (a) मध्य बचपन अवधि सामान्यतः 6-8 वर्ष तक होती है।

146. (b) ऐसी कोई क्रिया जो अनुक्रिया की संख्या में वृद्धि करती है पुनर्बलन कहलाती है। पुनर्बलन नकारात्मक या सकारात्मक हो सकता है।

147. (b) पियाजे के अनुसार बच्चे के खोजपूर्ण व्यवहार से लेकर अमूर्त, तर्कसंगत विचार निर्माण तक की यात्रा में सभी बच्चे चार अवस्थाओं से गुजरते हैं।-

(क) संवेदी पेशीय अवस्था

(ख) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था

(ग) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था

(घ) अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था

पूर्व संक्रियात्मक अवस्था अवधि के अंत तक बच्चे मानसिक संक्रियाएं करना प्रारंभ करते हैं। मानसिक से संक्रिया से अभिप्राय है कि सोच के साथ क्रियाएँ करना एवं मन-मस्तिष्क में समस्या को हल करने का प्रयास करना।

149. (a) वाइगोत्सकी के अनुसार भाषा संज्ञानात्मक विकास का महत्वपूर्ण औजार है। उनके अनुसार आरंभिक बाल्यकाल में ही बच्चा अपने कार्यों को नियोजन की तरह उपयोग करने लग जाता है।

150. (c) वाइगोत्सकी अपने सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धान्त के लिए जाने जाते है। इस सिद्धान्त के अनुसार सामाजिक अन्तः क्रिया ही बालक की सोच व व्यहार में निरंन्तर बदलाव लाता है। उनके अनुसार किसी बालक का अधि गम उसके अन्य व्यक्तियों के साथ अन्तर्सम्बन्धों पर निर्भर करता है।

152. (a) लेव सिमनोविच वाइगोत्सकी का सामाजिक दृष्टिकोण संज्ञानात्मक विकास का एक प्रगतिशील विश्लेषण प्रस्तुत करता है। वाइगोत्सकी के सिद्धान्तानुसार अधिगम व विकास सांस्कृतिक व सामाजिक वातावरण की मध्यस्थता के साथ चलते हैं। इनका सिद्धान्त सामाजिक निर्मितवाद हैं। वाइगोत्सकी के इन शब्दों से यह और भी अधिक स्पष्ट होता है- "हमारे स्वयं का विकास दूसरों के द्वारा होता है। अतः एक शिक्षक होने के नाते बच्चों के आकलन के लिए सहयोगी विधि को वरीयता देंगे।"

154. (c) संप्रत्यय का अर्थ होता है- देखना, अवबोधन करना, समझना, अंतर्निहित करना अथवा जानना।

155. (c) शिरः पदाभिमुख दिशा सिद्धान्त से अभिप्राय है कि विकास सिर से पैर की ओर होता है। इस सिद्धान्त के अनुसार बच्चे का पहले सिर पर नियन्त्रण होता है; तत्पश्चात् हाथों और पैरों पर।

156. (d) भाषा अभिव्यक्ति का ऐसा समर्थ साधन है जिसके द्वारा मनुष्य अपने विचारों को दूसरों पर प्रकट कर सकता है और दूसरों के विचार जान सकता है। प्रारम्भिक बचपन का समय में मस्तिष्क की सतर्कता, ज्ञानेन्द्रियों की तेजी, सीखने और समझने की अधिकता अपने चरमोत्कर्ष पर होती हैं।

157. (a) एक व्यक्ति की आनुवांशिकता में वह सब शारीरिक बनावटें, शारीरिक विशेषताएं, क्रियाएं सम्मिलित रहती हैं, जिनको वह अपनेन माता-पिता, अपने पूर्वजों या प्रजाति से प्राप्त करता है।

पर्यावरण में वे समस्त बाह्य तत्व आ जाते है जिन्होंने जीवन प्रारंभ करने के समय से व्यक्ति को प्रभावित किया है। बालक के संपूर्ण व्यवहार की सृष्टि, वंशानुक्रम और वातावरण की अंतः क्रिया द्वारा होती है।

158. (b) लिव वाइगोत्सकी के अनुसार, संज्ञानात्मक विकास एकाकी नहीं हो सकता, यह भाषा विकास, सामाजिक विकास, यहां तक कि शारीरिक विकास के साथ-साथ सामाजिक, सांस्कृतिक संदर्भ में होता है।

159. (c) कोलबर्ग के अनुसार नैतिक विकास कुछ अवस्थाओं में होता है। ये अवस्थाएं सार्वभौमिक होती है। कोलबर्ग अवस्था मॉडल नैतिक विकास के तीन स्तरों का वर्णन करता है और प्रत्येक की दो-दो अवस्थाओं पर प्रकाश डालता है।

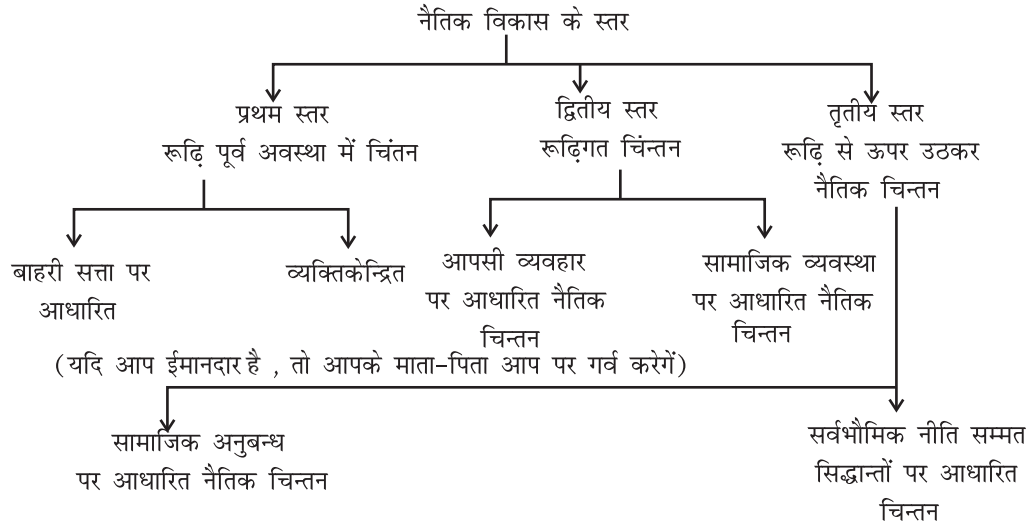

160. (a) जीन पियाजे द्वारा प्रतिपादित संज्ञानात्मक विकास सिद्धान्त मानव बुद्धि की प्रकृति एवं उसके विकास से सम्बन्धित एक विशद सिद्धान्त है। पियाजे के अनुसार बच्चा अपने वातावरण के साथ अन्त:क्रिया के परिणामस्वरूप ही सीखता है।

161. (d) पियाजे ने अनुकूलन की सम्पूर्ण प्रक्रिया को दो उप-प्रक्रियाओं में बाँटा है- समावेशन और समायोजन। समायोजन एक ऐसी प्रक्रिया हैं जिसमें बालक किसी समस्या का समाधान करने के लिए पहले सीखी हुयी मानसिक प्रक्रियाओं का सहारा लेता हैं। जब पूर्व में सीखी मानसिक प्रक्रियाओं से काम नहीं होता तब नयी प्रक्रियाओं का निर्माण ही समावेशन हैं।

162. (b) पियाजे के अनुसार, बच्चों के विचार और वार्तालाप सामान्यत: अहंकेन्द्रित होते हैं। किसी स्थिति को अन्य व्यक्ति के दृष्टिकोण से देखने के लिए बच्चे की असमर्थता ही अहंकेन्द्रित भाषा कहलाती हैं। वाइगोत्सकी निजी भाषण को परिभाषित करने वाले पहले मनोवैज्ञानिक थे। उन्होंने निजी भाषण को सामाजिक और आंतरिक भाषण के बीच संक्रमण बिन्दु में माना है। निजी-भाषण में दूसरे से वार्तालाप के बजाय स्वयं को संबोधित किया जाता है।

164. (a) विकास केवल परिमाणात्मक प्रक्रिया नहीं है, अपितु यह एक गुणात्मक प्रक्रिया हैं, जिसका ठीक-ठीक मापन नहीं किया जा सकता। वैयक्तिक विभिन्ता इसका प्रमुख कारण है।

165. (c) वंशानुक्रम तथा वातावरण एक दूसरे के पूरक हैं ये दोनों मिलकर व्यक्ति के विकास के मार्ग को प्रशस्त करते हैं।

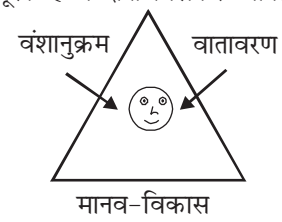

166. (d) पियाजे द्वारा प्रतिपादित संज्ञानात्मक विकास सिद्धान्त मानव बुद्धि की प्रकृति व उसके विकास से सम्बन्धित एक विशद सिद्धान्त हैं। पियाजे के संज्ञानात्मक सिद्धान्त को विकासात्मक सिद्धान्त भी कहा जाता है। उसके अनुसार, बालक के भीतरी संज्ञान का विकास अनेक अवस्थाओं से होकर गुजरता है इसलिए इसे अवस्था सिद्धान्त भी कहा जाता हैं।

167. (c) संरक्षण से अभिप्राय वातावरण में परिवर्तन तथा स्थिरता को पहचानने व समझने की क्षमता से है। किसी वस्तु के रूप-रंग में परिवर्तन को उस वस्तु के तत्व में परिवर्तन से अलग करने की क्षमता से है।

169. (a) गिलीगन के अनुसार कोलबर्ग ने अपने नैतिक तर्क के अध्ययन को मूलतः पुरुषों के नमूनों पर आधृत रखा है। कोलबर्ग ने महिलाओं की चिन्ताओं का वर्णन नहीं किया है।

170. (c) वाइगोत्सकी के अनुसार बच्चे भाषा का प्रयोग न केवल सामाजिक संप्रेक्षण अपितु स्व-निर्देशित तरीके से कार्य करने के लिए, अपने व्यवहार हेतु योजना बनाने, निर्देश देने व मूल्यांकित करने में भी करते हैं। पियाजे ने भाषा को आत्म-केन्द्रित तथा अपरिपक्व माना है, परन्तु वाइगोत्सकी के अनुसार आर्रभिक बाल्यावस्था में यह बालक के विचारों का एक महत्त्वपूर्ण साधन है।

171. (c) 'लिंग' सामाजिक-सांस्कृतिक शब्द हैं, सामाजिक परिभाषा में सम्बन्धित करते हुए समाज में 'पुरुषों' और 'महिलाओं' के कार्यों और व्यवहारों को परिभाषित करता है।

172. (a)

- समीप-दूराभिमुख दिशा सिद्धान्त के अनुसार विकास मध्य से बाहर की ओर एवं केन्द्र से सिरों की ओर होता है।
- शिरःपदाभिमुख दिशा सिद्धान्त के अनुसार बालक का विकास सिर से पैर की ओर होता है।
- अंतरावैयक्तिक भिन्नता सिद्धान्त के अनुसार प्रत्येक बालक का विकास का स्वयं का स्वरूप होता है। इस स्वरूप में वैयक्तिक विभिन्नता पाई जाती है।
- अंतरावैयक्तिक भिन्नता सिद्धान्त के अनुसार प्रत्येक बालक में विकास की दर विकास के एक क्षेत्र की अपेक्षा दूसरी में भिन्न हो सकती है।

174. (b) मानव व्यक्तित्व आनुवंशिकता और वातावरण की अंतः क्रिया का परिणाम होता है।

- आनुवांशिक गुणों का एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानांतरण होने की प्रक्रिया को आनुवंशिकता कहा जाता है
- पर्यावरण में वे समस्त बाह्य तत्व आते है जो बालक को जन्म से लेकर मृत्यु तक प्रभावित करते है।

179. (d) जीन पियाजे ने बालक के संज्ञानात्मक विकास के संदर्भ में शिक्षा मनोविज्ञान में क्रान्तिकारी संकल्पना को उद्घाटित किया है। पियाजे ने संज्ञानात्मक विकास को चार अवस्थाओं में विभाजित किया है-

(1) संवेदिक पेशीय अवस्था : जन्म के 2 वर्ष
(2) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था : 2 से 7 वर्ष
(3) मूर्त-संक्रियात्मक अवस्था : 7 से 11 वर्ष
(4) अमूर्त-संक्रियात्मक अवस्था : 11 से 18 वर्ष

183. (c) सिगमण्ड फ्रायड का मानना है कि व्यक्तित्व मुख्य तीन पद्धतियों इदम् अहम् एवं पराहम द्वारा मिलकर बना होता है। पराहम (सुपर-इगो) व्यक्ति की समाजीकरण की प्रक्रिया का मुख्य स्रोत है। यह आदर्शवादी या नैतिकता के सिद्धान्त पर आधारित है।

184. (b) गुणसूत्र या क्रोमोजोम सभी प्राणियों की कोशिकाओं में पाये जाने वाले तंतु रूपी पिंड होते हैं, जो कि सभी आनुवांशिक गुणों को निर्धारित व संचारित करते हैं। मानव कोशिका में गुणसूत्रों की संख्या 46 होती है जो 23 के जोड़े में होते है।

185. (b) संवेगात्मक बुद्धि का तात्पर्य मुख्य रुप से व्यक्ति के सांवेगिक पक्ष से संबन्धित क्षमताओं एवं शीलगुणों के समुच्चय से है। संवेगात्मक बुद्धि के सिद्धान्त का प्रतिपादन डेनियल गोलमैन ने किया। गोलमैन ने संवेगात्मक बुद्धिगत्ता को 5 योग्यताओं का समूह माना है-

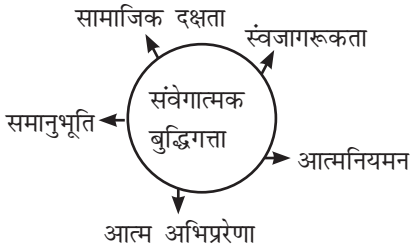

186. (a) अनुकूलित प्रत्यावर्तन का सिद्धान्त अधिगम का सिद्धान्त है।

188. (a) जर्मन मनौवैज्ञानिक क्रेशमर ने शारीरिक रचना के प्रकारों के आधाार पर व्यक्त्वि का वर्गीकरण किया । उन्होंने व्यक्तियों को चार भागों में वर्गीकृत किया।

189. (b) कार्ल गुस्टाक युंग स्विटजरलैण्ड के मनोवैज्ञानिक तथा मन: चिकित्सक थे। उन्होनें वैश्लेषिक मनोविज्ञान की नींव डाली।

192. (c) पूर्व किशोरावस्था में बालक में अपने माता-पिता और परिवार से संघर्ष अथवा मतभेद करने की प्रवृत्ति आ जाता है।

193. (c) कक्षा के आकार की अनुभूति, छात्रों का निदान तथा क्रिया-प्रतिक्रिया ये तीनों ही शिक्षण की अंत:क्रियात्मक अवस्थाएं हैं परंतु क्रिया-प्रतिक्रिया प्रमुख अवस्था है।

194. (b) बाल्यावस्था की निम्न विशेषताएं होती हैं-
(i) सामूहिक प्रवृत्ति की प्रबलता
(ii) संग्रह प्रवृत्ति
(iii) रचनात्मक कार्यों में रुचि
(iv) आत्मनिर्भता की भावना
(v) शारीरिक तथा मानसिक विकास में स्थिरता तथा जिज्ञासा की प्रबलता

195. (a) वृद्धि तथा विकास के निम्न चरण क्रमश: होते हैं-
- शारीरिक विकास
- मानसिक विकास
- संवेगात्मक विकास
- नैतिक विकास
- सामाजिक विकास

196. (c) बच्चे 'ट्यूशन' के अलावा समाजीकरण, संस्कृति तथा मीडिया सभी के द्वारा लिंग भूमिकाएं ग्रहण करते हैं। 'ट्यूशन' एक पुल्लिंग शब्द है। बच्चे के अंतर्गत लड़के और लड़की दोनों आते हैं।

197. (d) बच्चों में प्रतिभाशिलता आनुवंशिकता और वातारण के बीच एक अंत: क्रिया हो सकती है। प्रत्येक बच्चे की मानसिक तथा शारीरिक योग्यताएं अलग-अलग होती हैं। प्रतिभाशाली व्यक्तियों पर अध्ययन लेविस तरमन ने 1925 ई० से प्रारम्भ किया था। सामाजिक सांस्कृति परिस्थितियों का बालक के विकास पर सक्रिय एवं महत्त्वपूर्ण प्रभाव होता हैं। आनुवंशिकता माता-पिता से बच्चों में विशिष्ट गुणों का संक्रमण है।

198. (a) दिये गये विकल्प में 'डर' एक संवेग है। संवेग एक भावनात्मक स्थिति है, जब मनुष्य का शरीर उद्दीप्त होता है। इसी अवस्था को संवेग कहा गया है। उदाहरण के तौर पर डर, क्रोध, चिन्ता, हर्ष, प्रसन्नता आदि। डर एक नकरात्मक भावना है। यह एक अच्छी भावना नहीं है।

199. (a) एक तीन साल का बच्चा बताता है कि दूध बूथ पर एक मशीन द्वारा दूध का उत्पादन होता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि बच्चे का जवाब दूध बूथ से दूध खरीदने के अपने अनुभव पर आधारित है। यह बच्चा किसी के साथ लगभग प्रत्येक दिन दूध लेने के लिए साथ जाता है और देखता है कि दूध, बूथ से मिल रहा है। तीन वर्ष का बालक अपने वातावरण में ही सीखता है।

200. (b) निरंतर अभ्यास से अधिगम होता है, यह पियाजे के सिद्धांत का अनुसारण नहीं करता है। स्विट्जरलैंड निवासी जीन पियाजे एक मनोवैज्ञानिक थे जिन्होंने कहा कि सीखना कोई यांत्रिक क्रिया नहीं है बल्कि एक बौद्धिक प्रक्रिया है। सीखना एक सम्प्रत्यय निर्माण बालक की आयु के अनुसार होता रहता है।

201. (b) खेल युवा बच्चों के विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है क्योंकि इससे उनमें अच्छी आदतें और अुनशासन विकसित होता है। खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत ही बेहतरीन तरीका है। बच्चों के स्वास्थ्य के लिए यह आवश्यक है। खेल युवा बच्चों के इंद्रियों को उत्तेजित करता है, वे नये कौशल हासिल करते हैं और सीखते है कि उन्हें कब उपयोग किया जाये एवं वे अपने शरीर पर निपुणता प्राप्त करते हैं लेकिन यह समय बिताने का एक सुखद तरीका नहीं है।

202. (d) कौह्लबर्ग का कथन है कि जब बालक का जन्म होता है, तो वह न तो नैतिक होता है और न ही अनैतिक होता है। वह अच्छा या बुरा आचरण समाज से ही सीखता है। इसलिए कहा जाता है कि विकास की प्रक्रिया में वातावरण की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। कोह्लबर्ग के सिद्धांत ने संज्ञानात्मक के बीच एक सहयोग का समर्थन किया है।

203. (b) निकटवर्ती विकास के क्षेत्र में एक व्यक्ति जो केवल अधिक अनुभवी व्यक्ति की सहायता से पूरा कर शिक्षार्थी का प्रतिनिधित्व करता है, एक संदर्भ की जिसमें बच्चे सहयोग के सही स्तर के साथ कोई कार्य लगभग स्वयं कर सकते हैं। बालक के वास्तविक विकास स्तर और संभावित विकास स्तर के बीच के अन्तर या क्षेत्र को संदर्भित करता है।

204. (a) 'संज्ञान' का अर्थ है 'जानना' या 'समझना', यह ऐसी बौद्धिक प्रक्रिया है जिसमें विचारों के द्वारा ज्ञान प्राप्त किया जाता हैं, बोध का अर्थ होता है 'ज्ञान' या 'जानकारी'। व्यक्ति संज्ञानबोध के द्वारा नई-नई योजनाएं बनाता है, उसे क्रियान्वित करता है, उसमें संशोधन करता है और स्वजागरूक होकर एक आदर्श नागरिक बनता है।

206. (a) जिस दिये गये कार्य को करते समय बच्चे स्वयं आनंद लेते हुए अनुभव प्राप्त करते है, उसे उपभोक्ता प्रकार का कार्य कहा जाता है। उपभोक्ता, उस व्यक्ति को कहते है, जो विभिन्न वस्तुओं का उपयोग करता है। स्किनर के शब्दों में समस्या समाधान किसी लक्ष्य को प्राप्ति में बाधा डालती प्रतीत होती कठिनाइयों पर विजय पाने की प्रक्रिया है। यह बाधाओं के बावजूद सामन्जस्य करने की विधि है।" बच्चों को जब कोई कार्य दिया जाता है और उस कार्य को करने में वे सक्षम होते है, तो ये उस कार्य को बड़े आनंद के साथ करते हैं यह कार्य इन्हें समस्या नहीं लगती है।

207. (b) मध्य-बाह्य विकास का सिद्धांत कहता है कि जैसे वृद्धि और विकास सिर की ओर से पैरों की ओर होता है उसी प्रकार वृद्धि एवं विकास मध्य भाग से प्रारंभ होकर अन्य वाह्य भागों की ओर बढ़ता है। अर्थात् पहले शरीर के मध्य भाग विकसित होते है उसके बाद घुटने, हाथ, पैर तथा उंगलियां विकसित होती है।

208. (d) किसी वस्तु के स्थायित्व की अवधारणा पियाजे के विकास के 'संवेदी-गामक' चरण में प्राप्त हो जाती है। 'संवेदी-गामक' का सामान्य अर्थ है "शारीरिक क्षमताओं की गामक तथा क्रियात्मक शक्तियों, क्षमताओं तथा योग्यताओं का विकास"। पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत के अनुसार संवेदी-गामक अवस्था जन्म से दो वर्ष तक चलती है। इस अवस्था में बालक वस्तुओं को फेंकना, किसी चीज को पकड़ना, वस्तुओं को मुंह में डालना आदि क्रियाएं करता है।

209. (a) 18 से 24 महीनों की आयु के बीच अधिकांश बच्चे शब्दों को मिलाकर छोटे-छोटे वाक्यों में बोलना शुरू कर देते है। कार्ल सी गैरिसन के अुनसार "स्कूल जाने से पूर्व बालकों में भाषा ज्ञान का विकास उनके बौद्धिक विकास की सबसे अच्छी कसौटी है।" आठ से बारह माह की आयु में बच्चा बोलता है तथा 18 से 24 माह की आयु तक शिशु प्रायः शब्दों युग्मों को बोलना प्रारम्भ कर देता है।

210. (c) वाइगोत्स्की के सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत के अनुसार स्वयं के द्वारा समस्या समाधान की क्षमता से होने वाले वास्तविक विकास के स्तर तथा किसी वयस्क व्यक्ति के निर्देशन में होने वाले विकास के बीच का अंतर ही संभावित विकास के क्षेत्र को निर्धारित करता है।

211. (c) आदर्शवाद, वाद-विवाद की प्रवृत्ति तथा विशिष्टता की प्रवृत्ति किशोरावस्था के अपरिपक्व चिंतन से जुड़ी हुई है। सुनिश्चितता अथवा आग्रहिता की प्रवृत्ति अपरिपक्वता की श्रेणी में नहीं आती है।

212. (c) पियाजे के अनुसार, बच्चे खोजपूर्ण व्यवहार से लेकर अमूर्त तर्कसंगत विचार निर्माण तक की यात्रा में निम्न चार अवस्थाओं से होकर गुजरते हैं:-
- सांवेदिक पेशीय अवस्था
- पूर्व संक्रियात्मक अवस्था
- मूर्त संक्रियात्मक अवस्था
- अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था

213. (c) किशोर बालकों के दिवास्वप्न में शारीरिक क्रिया के स्थान पर मानसिक क्रिया ज्यादा होती है। बच्चों के लिए यह एक प्रकार का खेल है। इसमें बच्चे को एक नायक की भूमिका दी जाती है।

214. (b) व्यक्तिगत मिथक में बालक स्वयं को एक अद्वितीय व्यक्तित्व के रूप में प्रस्तुत करता है। अपने आस-पास के परिवेश में स्वयं को सर्वोत्तम इकाई के रूप में आंकलित करना व्यक्तिगत मिथक के रूप में दृष्टिगोचर होता है।

216. (d) एरिक्सन के मनोसामाजिक विकास की पहचान बनाम भूमिका भ्रम फ्रॉयड के मनोलैंगिक विकास के सिद्धांत की लैंगिक अवस्था का आयु विस्तार के समतुल्य है। पहचान बनाम भूमिका भ्रम की अवस्था में बालक सफलता को व्यक्तिगत पहचान की भावना स्थापित करता है।

217. (a) संवेदी गामक अवस्था में बालक व्यवहार, भाषा आदि का अनुकरण करने लगता है। दूरी, ऊँचाई, गहराई, समय एवं दिशा आदि का ज्ञान होने लगता है। इस अवस्था का विस्तार 2 वर्ष की आयु तक माना गया है।

218. (d)

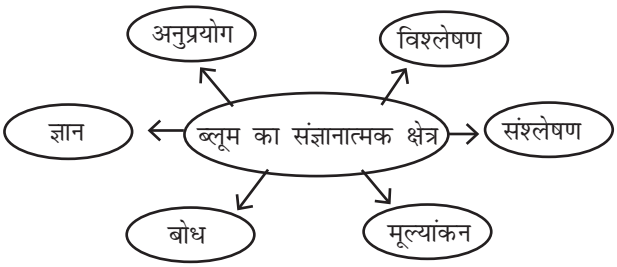

इस प्रकार अनुक्रिया संज्ञानात्मक क्षेत्र का उपक्षेत्र नहीं है।

219. (b) मानव में आयु के साथ होने वाले परिमाणात्मक परिवर्तनों के साथ ही गुणात्मक परिवर्तन भी होते रहते हैं। मानव विकास के आयाम को पांच भागों में बाँटा गया है-

(1) शारीरिक विकास (2) मानसिक विकास

(3) नैतिक विकास (4) संवेगात्मक विकास

(5) सामाजिक विकास

220. (a) पियाजे के अनुसार बालकों में वास्तविकता के स्वरूप के बारे में चिंतन करने तथा उसे खोज करने की शक्ति न तो बालकों के परिपक्वता स्तर पर और न ही सिर्फ उनके अनुभवों पर निर्भर करती है, बल्कि इन दोनों की अंत:क्रिया द्वारा निर्धारित होती है। जीन पियाजे के अनुसार- बच्चों की सोच गुणात्मक रूप में वयस्कों से भिन्न होती है। बच्चे की ज्ञानात्मक विकास की अवस्थाओं में एक क्रम होता है।

221. (a) पियाजे के अनुसार संज्ञात्मक विकास की चार अवस्थाएं होती हैं-

(I) इन्द्रियगामक अवस्था (II) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था

(III) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (IV) अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था

बच्चे पूर्व-संक्रियात्मक तथ्यों को याद रखने में असमर्थ होते हैं, क्योंकि बच्चे विचारों की अनुत्क्रमणीयता में सक्षम नहीं होते हैं अर्थात् अतीत की ओर गमन नहीं कर पाते हैं।

222. (d) व्यक्तिगत भिन्नता का आशय ऐसे व्यवहार से हैं जिसमें दो बालक विभिन्न समानताएं रखते हुए भी आपस में भिन्न व्यवहार करते हैं। प्रत्येक बालक में जैविक, मानसिक, सांस्कृतिक एवं संवेगात्मक अंतर पाया जाता है। चालक विकास की दर में व्यक्तिगत विविधताएं होती हैं, फिर भी चालक विकास का क्रम अपरिष्कृत (स्थूल) चालक विकास, परिष्कृत (सूक्ष्म) चालक विकास।

223. (b) वह अवधि जो वयस्कता के संक्रमण की पहल करती है, उसे किशोरावस्था कहते हैं। 12 से 18 वर्ष तक की आयु वाले बच्चे किशोर कहलाते हैं। इस अवस्था में बालकों तथा बालिकाओं में क्रांतिकारी मानसिक, शारीरिक, सामाजिक एवं संवेगात्मक परिवर्तन होते हैं। इस काल में किशोर के शरीर में अनेक महत्त्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं, जैसे- भार तथा लंबाई में तीव्र वृद्धि, मांसपेशियों तथा शारीरिक ढांचे में दृढ़ता इत्यादि।

224. (c) लेव वायगोत्स्की के अनुसार मौखिक संवाद जो बच्चे अपने आप से करते हैं, व्यक्तिगत वार्ता कहलाता है। वायगोत्स्की के अनुसार बच्चे भाषा का प्रयोग न केवल सामाजिक संप्रेषण अपितु स्व-निर्देशित तरीके से कार्य करने के लिए अपने व्यवहार हेतु योजना बनाने, निर्देश देने व मूल्यांकित करने में भी करते हैं।

225. (c) विकास तुलनात्मक रूप से क्रमिक गति से आगे बढ़ता है। समय के साथ यह धीरे-धीरे आगे बढ़ता है। विकास की गति जन्म के साथ ही निर्धारित नहीं होती है। यह परिवेश पर आधारित होती है।

226. (c) संरचनात्मक ढाँचे में बच्चे को एक समस्या-समाधान कर्ता एवं वैज्ञानिक अंवेषक के रूप में देखा जाता है। एक बच्चे में स्वाभाविक रूप से अन्वेषण की प्रवृति होती है, वह प्रत्येक वस्तु को उलट-पलट कर देखना चाहता है।

227. (a) स्कीमा एक ऐसी योजना है जो व्यक्ति के स्मृति में एकत्रित हुई मौलिक इकाइयाँ हैं और ये सूचना प्रकमण के लिए आशुलिपि की तरह कार्य करती हैं।

228. (d) समीपस्थ या निकटस्थ विकास योग संरचना के माध्यम से बच्चे को उचित प्रश्न या सुझाव के द्वारा अकेले ही समझ बिंदु से आगे पहुँचाया जाता है। यह एक ऐसी संरचना है जिसमें बच्चे के द्वारा स्वतंत्र रूप से किए जाने वाले तथा शिक्षक की सहायता के साथ करने वाले कार्य के बीच अंतर को प्रकट करती है।

229. (a) लेव वायगोटस्की के अनुसार, आधारभूत मानसिक क्षमताओं को मुख्य रूप से सामाजिक-पारस्परिक क्रिया द्वारा उच्चतर संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं में बदला जाता है। सामाजिक ढाँचे का निर्माण सामाजिक अंत:क्रिया (Social Interaction) से होता है। सामाजिक अंत:क्रिया तीन स्तरों पर घटित होती है-
- व्यक्ति - व्यक्ति के बीच
- व्यक्ति - समूह के बीच
- समूह - समूह के बीच

230. (a) मूर्त क्रियात्मक अवस्था सात वर्ष की आयु से ग्यारह वर्ष की आयु तक चलती है। इस आयु में बच्चा विभिन्न मानसिक प्रतिभाओं का प्रदर्शन करता है। इस अवस्था में बालक तार्किक चिंतन करने लगता है। बाल बौद्धिक संक्रिया (गुणा, जोड़, घटाना, भाग) के अतिरिक्त साधारण वर्गीकरण की क्रिया भी करने लगता है।

231. (c) संरचनावादी अधिगम में सक्रिय विनियोजन से अर्थनिर्माण की प्रक्रिया घटित होती है। इसमें विद्यार्थियों के स्तर पर एकाग्र खोज, मस्तिष्क चित्र निर्माण, अन्वेषण संवर्धन, गुणवत्ता विकास गुणवत्ता विकास निर्देशित व स्वतंत्र अभ्यास, विवेचना, मूल्यांकन, संक्षिप्तीकरण तथा समापन के लिए लचीली व्यवस्था पायी जाती है।

अभ्यास-2

1. ''शिक्षा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का स्वाभाविक समरस व प्रगतिशील विकास है'' यह कथन है-
   (a) प्लेटो (b) रूसो
   (c) अरस्तू (d) पेस्टालॉजी
2. मानव अभिवृद्धि से तात्पर्य है-
   (a) मानव शरीर का आकार, भार व कार्य-शक्तियों में वृद्धि।
   (b) मानव का ज्ञान बढ़ना।
   (c) व्यक्तित्व का विकास होना
   (d) आध्यात्मिक विकास होना।
3. मानव की अभिवृद्धि एक निश्चित आयु तक होती है। यह मानी जाती है-
   (a) 10 वर्ष तक (b) 18 वर्ष तक
   (c) 40 वर्ष तक (d) 60 वर्ष तक।
4. ''अभिवृद्धि से तात्पर्य कोशिकाओं से होने वाली वृद्धि से है'' यह कथन है-
   (a) हरलॉक (b) फ्रैंक
   (c) फ्रायड (d) स्किनर।
5. मानव विकास के प्रभावित करने वाले मुख्य कारक हैं-
   (a) वंशानुक्रम (b) पर्यावरण
   (c) वंशानुक्रम व पर्यावरण (d) इनमें से कोई नहीं।
6. शिक्षा की दृष्टि से मानव विकास का निम्न पक्ष सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है-
   (a) शारीरिक (b) मानसिक
   (c) सामाजिक (d) संवेगात्मक।
7. रॉस ने मानव विकास को बांटा है-
   (a) 2 भागों में (b) 4 भागों में
   (c) 6 भागों में (d) 10 भागों में।
8. रॉस के अनुसार शैशवावस्था मानी जाती है-
   (a) 1 से 3 वर्ष (b) 1 से 5 वर्ष
   (c) 1 से 4 वर्ष (d) 1 से 6 वर्ष।
9. अधिकांश विद्वानों के अनुसार बाल्यावस्था की अवधि है-
   (a) 5 से 10 (b) 6 से 12
   (c) 4 से 10 (d) 2 से 8
10. शिक्षा की दृष्टि से मानव विकास की कौन-सी अवस्थाएँ महत्त्वपूर्ण हैं-
    (a) शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था
    (b) बाल्यावस्था, किशोरावस्था, वयस्कावस्था
    (c) सिर्फ किशोरावस्था
    (d) इनमें से कोई नहीं।
11. ''प्रत्येक जाति चाहे वह पशु जाति हो या मानव जाति, अपनी जाति के अनुरूप विकास के प्रतिमान का अनुसरण करेगा।'' यह कथन किस सिद्धान्त की ओर संकेत करता है-?
    (a) विकास क्रम का सिद्धान्त
    (b) विकास दिशा का सिद्धान्त
    (c) निरंतर विकास का सिद्धान्त
    (d) समान प्रतिमान का सिद्धान्त।
12. जन्म से मृत्यु तक चलने वाली प्रक्रिया है-
    (a) वृद्धि (b) विकास
    (c) परिपक्वता (d) बुद्धि विकास।
13. बीसवीं शताब्दी को 'बालक की शताब्दी' किसने कहा है?
    (a) वाटसन ने (b) एलिसावेथ ने
    (c) क्रो एण्ड क्रो ने (d) एना फ्रायड ने
14. यह अवस्था 'मानव जीवन की नींव' कही जाती है-
    (a) शैशवावस्था (b) बाल्यावस्था
    (c) किशोरावस्था (d) भ्रूणावस्था
15. शैशवावस्था की मुख्य विशेषताएँ हैं-
    (a) शारीरिक विकास में तीव्रता
    (b) दूसरों पर निर्भरता
    (c) अनुकरण द्वारा सीखने की प्रवृत्ति
    (d) उपरोक्त सभी।
16. शैशवावस्था को 'सीखने का आदर्श काल' कहा है-
    (a) फ्रैंक ने। (b) वैलेन्टाइन ने।
    (c) फ्रायड ने। (d) हरलॉक ने।
17. शिशु में जन्म के समय पाया जाने वाला संवेग है-
    (a) भय (b) क्रोध
    (c) प्रेम (d) उत्तेजना।
18. इस अवस्था के प्रथम 6 वर्षों में बालक बाद के 12 वर्षों से अधिक सीख लेता है-
    (a) शैशवावस्था (b) बाल्यावस्था
    (c) किशोरावस्था (d) इनमें से कोई नहीं।
19. शैशवावस्था में शिशु को निम्न प्रकार शिक्षा दी जानी चाहिए-
    (a) आत्म-प्रदर्शन के अवसर दें
    (b) चित्रों व कहानियों द्वारा शिक्षा
    (c) विभिन्न अंगों की शिक्षा
    (d) उपरोक्त सभी।
20. कॉल व ब्रूस ने बाल्यावस्था को माना है-
    (a) समस्यात्मक काल
    (b) अनोखा काल
    (c) मिथ्या परिपक्वता काल
    (d) जिज्ञासा काल।

21. बाल्यावस्था को 'मिथ्या परिपक्वता' काल कहा है-
(a) रॉस ने (b) कॉल व ब्रूस ने
(c) एना फ्रायड ने (d) क्रो एण्ड क्रो ने।

22. बाल्यावस्था में पायी जाने वाली प्रवृत्तियाँ हैं-
(a) निरुद्देश्य भ्रमण की प्रवृत्ति
(b) जिज्ञासा की प्रबलता
(c) रचनात्मक कार्यों में आनंद लेना
(d) उपरोक्त सभी।

23. इस अवस्था को समूह अवस्था (gang age) या चुस्ती की अवस्था भी कहते हैं-
(a) शैशवावस्था (b) बाल्यावस्था
(c) प्रौढ़ावस्था (d) किशोरावस्था।

24. किशोरावस्था पर सबसे अधिक कार्य करने वाले मनोवैज्ञानिक हैं-
(a) एना फ्रायड (b) स्टेनले हॉल
(c) हालिंग वर्थ (d) किंग

25. स्टेनले हॉल ने इस अवस्था को बड़े संघर्ष, तनाव व तूफान की अवस्था कहा है-
(a) गर्भावस्था (b) शैशवावस्था
(c) बाल्यावस्था (d) किशोरावस्था।

26. किशोरावस्था कठिन काल कहा जाता है क्योंकि-
(a) शारीरिक विकास में तीव्रता के कारण
(b) मूल्यों, आदर्शों व संवेगों में संघर्ष के कारण
(c) आवेगों व संवेगों में परिवर्तन के कारण
(d) उपरोक्त सभी।

27. किशोरावस्था की मुख्य विशेषता है-
(a) काम-शक्ति की परिपक्वता
(b) स्वतंत्रता व विद्रोह की भावना
(c) जीवन-दर्शन का निर्माण
(d) उपरोक्त सभी।

28. किशोरावस्था के विकास के सिद्धान्त हैं-
(a) त्वरित विकास का सिद्धान्त
(b) क्रमशः विकास का सिद्धान्त
(c) उपरोक्त दोनों
(d) इनमें से कोई नहीं।

29. बुद्धि का अधिकतम विकास हुआ माना जाता है-
(a) बाल्यावस्था में (b) किशोरावस्था में
(c) शैशवावस्था में (d) जन्म से ही।

30. पितृ विरोधी व मातृ विरोधी ग्रन्थियाँ विकसित होती हैं-
(a) शैशवावस्था में (b) बाल्यावस्था में
(c) किशोरावस्था में (d) कभी नहीं।

31. शैशवावस्था में यौन इच्छाओं का अध्ययन करते हुए पितृ विरोधी व मातृ विरोधी ग्रन्थि के रहस्य का उदघाटन किया है-
(a) स्किनर ने (b) गैस्टालर ने
(c) युग ने (d) फ्रायड ने।

32. पितृ विरोधी ग्रन्थि में बालक-
(a) माता से प्रेम करता है, पिता से घृणा
(b) पिता से प्रेम करता है, माता से घृणा
(c) माता-पिता, दोनों से प्रेम करता है
(d) माता-पिता, दोनों से घृणा करता है

33. 'पितृ विरोधी ग्रन्थि' को जाना जाता है-
(a) लिबिडो (b) नारसिज्म
(c) इरोज (d) आडिपस कॉम्पलेक्स

34. वंशानुक्रम व वातावरण का सम्बंध है-
(a) वंशानुक्रम व वातावरण एक-दूसरे के विरोधी हैं
(b) वंशानुक्रम महत्त्वपूर्ण है, वातावरण नहीं
(c) जीवन वंशानुक्रम व वातावरण का योग
(d) समस्त दोषों का कारण वातावरण है।

35. वंशानुक्रम से अभिप्राय है-
(a) शक्तियाँ, दोष व गुण जो गर्भाधान के समय जीवकोष को मिलते हैं
(b) वे क्षमतायें जो बालक अपने पूर्वजों से प्राप्त करता है
(c) इसमें शारीरिक व मानसिक शक्तियां आती हैं
(d) उपरोक्त सभी।

36. वंश-परम्परा के मुख्य वाहक होते हैं-
(a) गुण (b) निषेचन
(c) पित्रैक (d) भ्रूण।

37. रुचियों, मूल प्रवृत्तियों एवं स्वाभाविक आवेगों का स्वस्थ विकास हो सकता है, यदि-
(a) वंशानुक्रम स्वस्थ्य हो
(b) बालक का स्वास्थ्य अच्छा हो
(c) माता-पिता शिक्षित हो
(d) वातावरण जिसमें रहता है, स्वस्थ होना चाहिए।

38. बालकों में वंशानुक्रम के कारण पाया जाता है-
(a) शारीरिक विभिन्नता
(b) शैक्षिक विभिन्नता
(c) आचरण की विभिन्नता
(d) सम्पन्नता की विभिन्नता।

39. ''बालक निर्जीव को सजीव समझने लगता है'' पियाजे के अनुसार यह दोष किस अवस्था का है?
(a) संवेदी पेशीय अवस्था
(b) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था
(c) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था
(d) औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था।

40. मूर्त संक्रिया की अवस्था, पियाजे ने मानी है-
(a) जन्म से 2 वर्ष (b) 2 से 7 वर्ष
(c) 7 से 12 वर्ष (d) 12 से 18 वर्ष

41. बाल्यावस्था को इनमें से किस नाम से नहीं जाना जाता-
(a) टोली आयु (gang age)
(b) जीवन का अनोखा काल
(c) बक्की अवस्था (Chater age)
(d) उपरोक्त सभी।

42. विकासात्मक कार्य का प्रत्यय दिया है-
(a) चार्ल्स डार्विन ने (b) डाल्टन ने
(c) फ्रायड ने (d) हेविंगहर्स्ट ने।

43. निम्न में से कौन-सा संवेग बालक में जन्मजात होता है?
(a) भय (b) क्रोध
(c) प्रेम (d) उपरोक्त सभी।

44. बालक द्वारा प्रदर्शित संवेग अत्यधिक अनियन्त्रित, अधिक तीव्र व अयुक्तिसंगत है, यह बालक सम्बन्धित है-
(a) 1 से 6 वर्ष (b) 6 से 12 वर्ष
(c) 12 से 18 वर्ष (d) 18 से 30 वर्ष।

45. किशोरों के समुचित विकास के लिए आवश्यक है-
(a) सदाचार का शिक्षण (b) आदर्श शिक्षण
(c) नैतिक शिक्षण (d) उपरोक्त सभी।

46. किशोरावस्था का आरम्भ होता है-
(a) 8 वर्ष की आयु से (b) 11 वर्ष की आयु से
(c) 12 वर्ष की आयु से (d) 16 वर्ष की आयु से।

47. मानसिक विकास के पहलू नहीं है-
(a) संप्रत्यय निर्माण (b) संवेदना व प्रत्यक्षीकरण
(c) स्मरणशक्ति (d) नागरिक गुणों का विकास।

48. किशोरावस्था में सांवेगिक विकास की विशेषता नहीं है।
(a) संवेगों का परिपक्व होना
(b) संवेगों का तीव्र होना
(c) संवेगों का खुलकर प्रदर्शन
(d) संवेगों का अस्पष्ट होना।

49. किशोरावस्था की चारित्रिक विशेषताएँ हैं-
(a) समायोजन का अभाव
(b) मानव धर्म का महत्व
(c) संस्कृति व सभ्यता का संरक्षण
(d) उपरोक्त सभी।

50. कोह्लबर्ग ने प्रतिपादित किया है-
(a) अधिगम सिद्धान्त
(b) नैतिक विकास का सिद्धान्त
(c) संज्ञानात्मक विकास का सिद्धान्त
(d) इनमें से कोई नहीं।

51. पियाजे के अनुसार बालक में चिन्तन करने की शक्ति परिणाम होती है-
(a) परिपक्वता का
(b) अनुभवों का
(c) इन दोनों की अन्त:क्रिया का
(d) इनमें से कोई नहीं।

52. पियाजे ने संज्ञानात्मक विकास को बांटा है-
(a) 4 भागों में (b) 3 भागों में
(c) 2 भागों में (d) 6 भागों में

53. पियाजे के अनुसार बालक इस अवस्था में सजीव व निर्जीव में भेद करने लगता है, यह अवस्था है-
(a) इन्द्रियजनित गामक अवस्था
(b) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था
(c) मूर्त-संक्रियात्मक अवस्था
(d) अमूर्त-संक्रियात्मक अवस्था

54. अमूर्त-संक्रियात्मक अवस्था में बालक-
(a) प्रभावशाली चिन्तन करने लगता है
(b) समस्या समाधान योग्य हो जाता है
(c) चिन्तन क्रमबद्ध होता है
(d) उपरोक्त सभी।

55. मूर्त-संक्रियात्मक अवस्था में बालक नहीं करता-
(a) ठोस वस्तुओं के आधार पर मानसिक क्रियाएँ
(b) विभेद व वर्गीकरण करना
(c) क्रमबद्ध चिन्तन
(d) देखकर मूर्तरूप में चिन्तन करना।

56. वाइगोटस्की के सिद्धान्त के अनुसार-
(a) संज्ञानात्मक विकास हेतु सामाजिक कारक व भाषा आवश्यक है
(b) संज्ञानात्मक विकास अन्तर्वैयक्तिक सामाजिक परिस्थिति में सम्पन्न होती है
(c) सामाजिक-सांस्कृतिक विकास भी कहते हैं
(d) उपरोक्त सभी।

57. लारेंस कोह्लबर्ग के सिद्धान्त में बताये तीन स्तरों में से एक नहीं है-
(a) पूर्व-रूढ़िगत नैतिकता स्तर
(b) रूढ़िगत नैतिकता स्तर
(c) उत्तर रूढ़िगत नैतिकता स्तर
(d) सर्वोच्च नैतिकता स्तर।

58. रूढ़िगत नैतिकता स्तर है-
(a) 1 से 4 वर्ष (b) 4 से 7 वर्ष
(c) 10 से 13 वर्ष (d) 13 से 17 वर्ष

59. शैशवावस्था में संचयीकाल किसे कहते हैं?
(a) जन्म से 3 वर्ष (b) 1 से 3 वर्ष
(c) 2 से 5 वर्ष (d) 3 से 6 वर्ष

60. किशोरों की रुचि में स्थायित्व किस काल में आता है?
(a) 12-14 (b) 13-15
(c) 14-16 (d) 16-18

61. किशोरावस्था में निर्देशन की आवश्यकता किस क्षेत्र में होती है?
(a) व्यक्तिगत (b) शौक्षिक
(c) व्यावसायिक (d) ये सभी।

62. किशोरावस्था की सबसे नाजुक व संवेदनशील समस्या क्या होती है?
(a) संवेग सम्बंधी (b) समायोजन सम्बंधी
(c) व्यवसाय सम्बंधी (d) यौन सम्बंधी

63. शिक्षा की दृष्टि से मानव विकास का कौन-सा पक्ष सबसे अधिक महत्व का है?
(a) शारीरिक (b) मानसिक
(c) सामाजिक (d) संवेगात्मक

64. वंशानुक्रम के मूल वाहक क्या होते हैं?
(a) शुक्राणु (b) डिम्बाणु
(c) गुणसूत्र (d) पित्रैक

65. बालकों में समस्या समाधान योग्यता किस काल में विकसित होती है?
(a) 4 से 6 (b) 6 से 8
(c) 8 से 10 (d) 9 से 12

66. परिपक्व बाल्यावस्था किसे कहते हैं?
(a) 6 से 9 वर्ष (b) 7 से 10 वर्ष
(c) 8 से 11 वर्ष (d) 9 से 12 वर्ष

67. बाल्यावस्था में कौन-सी मूल प्रवृत्ति सबसे अधिक क्रियाशील रहती है?
(a) काम (b) जिज्ञासा
(c) रचनात्मकता (d) सामूहिकता

68. शैशवावस्था की विशेषता नहीं है-
(a) शारीरिक विकास में तीव्रता
(b) दूसरों पर निर्भरता
(c) मानसिक विकास में तीव्रता
(d) नैतिकता का होना।

69. शारीरिक विकास का क्षेत्र है-
(a) स्नायुमण्डल (b) मांसपेशियाँ
(c) इन्ड्रोसीन गलैण्ड्स (d) उपरोक्त सभी।

70. अच्छे चरित्र में होती है-
(a) सहयोग (b) धोखा
(c) झूठ (d) बेईमानी

71. ''बालक जीव व अजीव में भेद करना सीख जाता है'' पियाजे के अनुसार-
(a) इन्द्रिय गामक अवस्था
(b) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था में
(c) ठोस संक्रियात्मक अवस्था में
(d) औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था में।

72. विकास के सन्दर्भ में निम्न में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है?
(a) विकास की प्रत्येक अवस्था में अपने खतरे हैं
(b) विकास उकसाने/बढ़ावा देने से नहीं होता है।
(c) विकास सांस्कृतिक परिवर्तनों से प्रभावित होता है।
(d) विकास की प्रत्येक अवस्था की अपनी विशेषताएँ होती हैं

73. निम्न में से कौन-सा विकासात्मक कार्य उत्तर बाल्यावस्था के लिए उपयुक्त नहीं?
(a) सामान्य खेलों के लिए आवश्यक शारीरिक कुशलताएँ सीखना
(b) पुरुषोचित या स्त्रियोचित सामाजिक भूमिकाओं को प्राप्त करना
(c) वैयक्तिक आत्मनिर्भरता प्राप्त करना
(d) अपने हमउम्र बालकों के साथ रहना सीखना

74. निम्नलिखित मे से किस अवस्था में बच्चे अपने समवयस्क समूह के सक्रिय सदस्य हो जाते हैं?
(a) किशोशवस्था (b) प्रौढ़ावस्था
(c) पूर्व बाल्यावस्था (d) बाल्यावस्था

75. विकास का अर्थ है
(a) परिवर्तनों की उत्तरोत्तरश्रृंखला
(b) अभिप्रेरणा के फलस्वरूप होने वाले परिवर्तनों की उत्तरोत्तरश्रृंखला
(c) अभिप्रेरणा एवं अनुभव के फलस्वरूप होने वाले परिवर्तनों की उत्तरोत्तरश्रृंखला
(d) परिपक्वता एवं अनुभव के फलस्वरूप होने वाले परिवर्तनों कीश्रृंखला

76. उत्तर बाल्यावस्था में बालक भौतिक वस्तुओं के किस आवश्यक तत्व में परिवर्तन समझने लगते हैं।
(a) द्रव्यमान (b) द्रव्यमान और संख्या
(c) संख्या (d) द्रव्यमान, संख्या और क्षेत्र

77. बाल मनोविज्ञान की व्यावहारिक उपादेयता है
(a) समुचित निर्देशन के लिए व्यावहारिक उपाय बता सकता है।
(b) बालक की अभिवृत्तियों का लाभ उठा सकते हैं
(c) व्यक्तिगत कठिनाइयों का निवारण हो सकता है।
(d) बालकों के व्यक्तित्व का विकास होगा

78. किशोरावस्था को जीवन का सबसे कठिन काल कहा जाता है क्योंकि
(a) इसमें शारीरिक परिवर्तन होते हैं
(b) बालक अपने पर नियन्त्रण नहीं रख पाता है।
(c) बालक वीर पूजा करता है
(d) बालक भावप्रधान होता है।

79. निम्न में से किसने शैशवावस्था को 'सीखने का आदर्श काल' माना है?
(a) वाटसन (b) वैलेण्टाइन
(c) स्ट्रैंग (d) गुड एण्ड एफ

80. 'खिलौनों की आयु' कहा जाता है
(a) पूर्व बाल्यावस्था में (b) उत्तर बाल्यावस्था में
(c) शैशवावस्था को (d) ये सभी

81. बाल विकास का क्या अर्थ है?
(a) बालक की लम्बाई, मोटाई तथा चौड़ाई में विकास
(b) बालक का बौद्धिक व मानसिक विकास
(c) बालक का सर्वांगीण विकास
(d) बालक का विकास होना

82. 'मैं कौन हूँ', 'क्या हूँ', 'मैं भी कुछ हूँ,' आदि ऐसी प्रबल भावनाएँ, विकास की किस अवस्था की ओर इंगित होती हैं?
(a) किशोरावस्था (b) प्रौढ़ावस्था
(c) पूर्व बाल्यावस्था (d) बाल्यावस्था

83. इरफान खिलौनों को तोड़ता है और उसके पुर्जों को देखने के लिए अलग-अलग कर देता है। आप क्या करेंगे?
(a) उस पर हमेशा नजर रखेंगे
(b) उसके जिज्ञासु स्वभाव को प्रोत्साहित करेंगे और उसकी ऊर्जा को सही दिशा में संचारित करेंगे
(c) उसे समझाएँगे कि खिलौने को तोड़ना नहीं चाहित
(d) इरफान को खिलौनों से कभी भी नहीं खेलने देंगे

84. कोई बच्चा किस अवस्था में पर्यावरण से प्रभावित होने लगता है।
(a) बाल्यावस्था (b) किशोरावस्था
(c) शैशवावस्था (d) प्रौढ़ावस्था

85. ''विकास कभी न रुकने वाली एक प्रक्रिया है।'' तथ्य सम्बन्धित है
(a) निरन्तरता के सिद्धान्त से
(b) वैयक्तिक अन्तर के सिद्धान्त
(c) निरन्तरता का सिद्धान्त
(d) परस्पर सम्बन्ध का सिद्धान्त

86. बाल विकास के सिद्धान्तों का महत्त्व
(a) बालकों के उचित पालन-पोषण के लिए
(b) बालकों के सर्वांगीण विकास के लिए
(c) बालकों के व्यवहार को नियन्त्रित करने के लिए
(d) अच्छे नागरिकों के निर्माण के लिए

87. निम्न में से बाल विकास का एक सिद्धान्त नहीं है
(a) सतत् विकास का सिद्धान्त
(b) विकास की दिशा का सिद्धान्त
(c) अवनीति का सिद्धान्त
(d) भिन्नता का सिद्धान्त

88. आज बालापराध की घटनाएँ बढ़ती जा रही हैं, जिनके कारणवश शिक्षण प्रणाली में जटिलताएँ आ रही हैं। आपके अनुसार इसको प्रमुख कारण क्या है?
(a) दूषित वंशानुक्रम (b) दूषित वातावरण
(c) टूटा परिवार (d) ये सभी

89. बाल विकास का निर्धारण किया जाता है।
(a) बालक की आनुवंशिक संरचना द्वारा
(b) बालक की आनुवंशिक तथा वातावरण दोनों की जटिल संरचना के द्वारा
(c) बालक सम्बन्धी वातावरणीय दबावों द्वारा जिन पर शिक्षक का कोई नियन्त्रण नहीं होता है
(d) विभिन्न बालकों में विभिन्न प्रकार के निर्धारक कार्य करते हैं

90. निम्न में से वंशानुक्रम का सिद्धान्त
(a) समानता का सिद्धान्त (b) विभिन्नता का सिद्धान्त
(c) मैण्डल का सिद्धान्त (d) ये सभी

91. निम्न में किसके अनुसार, ''विकास परिवर्तन शृंखला की वह अवस्था है जिसमें बच्चा भ्रूणाव्यस्था से लेकर प्रौढ़ावस्था तक गुजरता है, विकास कहलाता है।''
(a) जेम्स ड्रेवर (b) हरलॉक
(c) मुनरो (d) इनमें से कोई नहीं

92. स्कूल के वातावरण में निम्नलिखित में से किसका बुद्धि पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ता है?
(a) पाठ्यक्रम (b) पाठ्यक्रमेत्तर
(c) अनुशासन (d) ये सभी

93. ''हम शिक्षा के द्वारा बालक का कुछ विकास कर सकते हैं, बहुत अधिक नहीं।'' थॉम्पसन का यह कथन सम्बन्धित है
(a) वंशानुक्रम से (b) वातावरण से
(c) जलवायु से (d) वंशानुक्रम एवं वातावरण से

94. आपकी कक्षा का एक छात्र, कक्षा में रोज अनुशासनहीनता करता है। आप इस समस्या के समाधान हेतु निम्न में से क्या उपाय अपनाएँगे?
(a) छात्र को रोज पीटेंगे जब तक कि वह कक्षा में अनुशासनहीनता करना नहीं छोड़ता है
(b) स्कूल से उसका नाम काटने के लिए प्रधानाचार्य से कहेंगे
(c) उसके वंशानुक्रम तथा वातावरण का पता लगाकर उसका सही दिशा में मार्गदर्शन करेंगे
(d) उसको इलाज के लिए किसी अच्छे मनाचिकित्सक के पास लेकर जाएँगे

95. यह सिद्धान्त कि "संवेग तथा उससे जुड़ी हुई स्वत: चालित स्नायुमण्डल की साहानुभूतिक क्रिया प्राणी को आपातकालिताओं के लिए तैयार करती है" किसके नाम के साथ जुड़ा हुआ है?
(a) कैनन (b) पियाजे
(c) स्किनर (d) लेजारस

96. मैसलो के अनुसार, निम्नलिखित प्रेरणाओं में सबसे अधिक शक्तिशाली प्रेरणाएँ कौन-सी है?
(a) दैहिक आवश्यकताएँ (b) व्यक्तिगत सामाजिक
(c) अर्जित प्रेरणाएँ (d) सामान्य सामाजिक

97. संवेगात्मक विकास में किस अवस्था में तीव्र परिवर्तन होता है?
(a) शैशवावस्था (b) युवावस्था
(c) बाल्यावस्था (d) किशोरावस्था

98. मानसिक रूप से स्वस्थ अध्यापक की विशेषता क्या है?
(a) वह संवेदनात्मक रूप से सन्तुलित है
(b) उसे अपने विषय का गहन ज्ञान है
(c) वह अत्यधिक संवेदनशील है
(d) उसे सख्त अनुशासन पसन्द है

99. संवेगात्मक विकास में किस अवस्था में सबसे कम परिवर्तन होता है?
(a) शैशवावस्था (b) युवावस्था
(c) किशोरावस्था (d) प्रौढ़ावस्था

100. बालकों में कितने प्रकार के संवेग पाए जाते हैं?
(a) दस (b) ग्यारह
(c) चौदह (d) बीस

101. "किसी बालक में सबसे पहले भय तथा प्रेम के संवेग विकसित होते हैं।" निम्न में से यह कथन किसका है?
(a) जीन पियाजे का (b) वॉटसन का
(c) स्किनर का (d) कोहलर का

102. किसी बालक के संवेगात्मक अनुभवों के विश्लेषण हेतु उपयुक्त तरीका है
(a) उसकी मुख मुद्रा
(b) अन्तर्निरीक्षण
(c) उद्दीपकों की प्रतिक्रिया
(d) इनमें से कोई नहीं

103. संवेग का एक प्रमुख तत्व नहीं है
(a) ज्ञान (b) अनुप्रयोग
(c) समस्या (d) विश्लेषण

104. बच्चे में भय का संवेग कौन-से विकार पैदा कर देता है जिससे उसकी सीखने की प्रक्रिया बाधित हो जाती है?
(a) भय से बच्चे में अन्तर्मुखी व्यक्तित्व का विकास होता है
(b) भय से उसमें नकारात्मक भाव बनते हैं
(c) भयग्रस्त बच्चा अपने अन्तर्निहित भावों को व्यक्त नहीं कर पाता जिसके परिणामस्वरूप कुण्ठाग्रस्त हो जाता है
(d) भय से अपमान व्याप्त होती है

105. बालक के विकास में संवेगों का महत्व है
(a) सफलता की भवना पैदा करने में
(b) रुचि की भावना पैदा करने में
(c) बालक की शैक्षिक योग्यता का विकास करने में
(d) उपरोक्त सभी में

106. निम्न में से क्या संवेग नहीं है?
(a) भय (b) क्रोध
(c) पलायन (d) करुणा

107. संवेगों का शिक्षा में उपयोग के सन्दर्भ में निम्नलिखित में कौन-सा महत्त्वपूर्ण नहीं है?
(a) बालकों में अध्ययन के प्रति रुचि पैदा करना
(b) बालकों में समाज के अनुकूल व्यवहार करने की क्षमता पैदा करना
(c) बालकों को असभ्य बनाना
(d) बालकों को शिष्ट बनाना

108. संवेग किसी बालक में पैदा कर सकता है
(a) सफलता की भावना (b) प्रेरणा की भावना
(c) रुचि की भावना (d) ये सभी

109. 'संवेगात्मक विरेचन' का अर्थ है
(a) संवेगों को दबाना
(b) बहुत अधिक अवसादग्रस्त महसूस करना
(c) संवेगात्मक दमन से बाहर निकालना
(d) संवेगात्मक दमन को सहन करने की योग्यता को बढ़ाना

110. संज्ञान के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन-सा अवयव सम्मिलित है?
I. भाषा II. चिंतन
III. स्मरण शक्ति IV. तर्क
(a) I एवं II (b) I एवं III
(c) I, II एवं III (d) ये सभी

111. संज्ञान में अनुप्रयोग का महत्त्व है
(a) बच्चों के पूर्व ज्ञान की जाँच करने में
(b) बच्चों का मूल्यांकन करने में
(c) बच्चों में भय की दशा उपस्थित करने में
(d) बच्चों के क्रोध की भावना जाग्रत करने में

112. संज्ञानात्मक विकास का अर्थ है
(a) अभियोग्यता का विकास
(b) बच्चे का विकास
(c) शारीरिक कौशल का विकास
(d) व्यक्तिगत विकास

113. संज्ञानात्मक मानचित्र का प्रत्यय दिया
(a) बण्डूरा ने (b) पियाजे ने
(c) लैविन ने (d) स्किनर ने

114. कोह्लबर्ग के अपने नैतिक विकास सिद्धांत के तीसरे स्तर में किस आयु वर्ग के बच्चों को रखा है?
(a) 5 वर्ष से कम (b) 6 से 10 वर्ष
(c) 10 से 13 वर्ष (d) 13 वर्ष से ऊपर

115. ब्रूनर द्वारा प्रतिपादित संज्ञानात्मक विकास में प्रतीकात्मक ढंग से चिंतन करने की अवस्था को जीन पियाजे की किस अवस्था के अनुरूप माना जा सकता है?
(a) संवेदी प्रेरक अवस्था
(b) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था
(c) मूर्त सक्रियात्मक अवस्था
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

116. पियाजे के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सी अवस्था है जिसमें बच्चा अमूर्त संकल्पनाओं के विषय में तार्किक चिंतन करना आरंभ करता है?
(a) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (07-11) वर्ष
(b) औपचारिक-संक्रियात्मक अवस्था (11 वर्ष एवं ऊपर)
(c) संवेदी-प्रेरक अवस्था (जन्म-02 वर्ष)
(d) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था (02-07) वर्ष

117. ब्रूनर के संज्ञानात्मक सिद्धांत के अनुसार बालक अनुभूतियों को कितने तरीकों से बताता है?
(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

118. बच्चों में 'आधारहीन आत्म चेतनावस्था' का संबंध उसके विकास की किस अवस्था से संबंधित है?
(a) पूर्व बाल्यावस्था (b) बाल्यावस्था
(c) किशोरावस्था (d) इनमें से कोई नहीं

119. निम्न में से किसने 'नैतिक विकास की छः अवस्था' के सिद्धांत का प्रतिपादन किया?
(a) जीन पियाजे (b) लॉरेन्स कोह्लबर्ग
(c) फ्रॉयड (d) सीयर्स

120. पियाजे के अनुसार कोई बच्चा किस अवस्था में अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानने एवं उनमें विभेद करने लगता है?
(a) इन्द्रियजनित गामक अवथा
(b) पूर्व संक्रियात्मक अवस्था
(c) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था
(d) अमूर्त संक्रियात्मक अवस्था

121. बच्चों के विकास से संबंधित 'निर्माण एवं खोज' का सिद्धांत निम्न में से किसने दिया था?
(a) स्किनर (b) रॉबर्ट
(c) जीन पियाजे (d) वाइगोटस्की

122. पियाजे ने किसी बच्चे के विचारों में नये विचारों के समावेश हो जाने को क्या कहा है?
(a) व्यवस्थापन (b) खोज
(c) सात्मीकरण (d) निर्माण

123. पियाजे के अनुसार मानसिक विकास की अवस्था है
(a) इन्द्रियजनित गामक अवस्था
(b) पूर्व संक्रियात्मक अध्ययन
(c) मूर्त संक्रियात्मक अवस्था
(d) ये सभी

124. कोह्लबर्ग ने अपने नैतिक विकास को कितने स्तरों में बाँटा है?
(a) एक (b) दो
(c) तीन (d) चार

125. वाइगोटस्की का सिद्धांत आधारित है
(a) निकट विकास क्षेत्र पर
(b) घूर्णन पर
(c) वृद्धि अवस्था पर
(d) बालकों के मानसिक विकास पर

126. शिशु का अधिकांश व्यवहार आधारित होता है
(a) मूल प्रवृत्ति पर (b) नैतिकता पर
(c) वास्तविकता पर (d) ध्यान

127. निम्नलिखित में से कौन-सा वृद्धि और विकास के सिद्धांतों से संबंधित नही है ?
(a) निरंतरता का सिद्धांत (b) वर्गीकरण का सिद्धांत
(c) समन्वय का सिद्धांत (d) वैयक्तिकता का सिद्धांत

128. बाल मनोविज्ञान का क्षेत्र है
(a) केवल शैशवास्था की विशेषताओं का अध्ययन
(b) केवल गर्भावस्था की विशेषताओं का अध्ययन
(c) केवल बाल्यावस्था की विशेषताओं का अध्ययन
(d) गर्भावस्था से किशोरावस्था की विशेषताओं का अध्ययन

129. कोह्ल्बर्ग के अनुसार किस अवस्था में नैतिकता बाह्य कारकों द्वारा निर्धारित होती है ?
(a) पूर्व पारम्परिक अवस्था
(b) पारम्परिक अवस्था
(c) पश्चात् पारम्परिक अवस्था
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

130. व्यवहारवादी ..... ने कहा है, ''मुझे नवजात शिशु दे दो उसे डॉक्टर, वकील, चोर या जो चाहूँ बना सकता हूँ।''
(a) फ्रीमैन (b) न्यूमैन
(c) वाटसन (d) होलजिंगर

131. पियाजे के अनुसार मूर्त संक्रियाओं का स्टार किस अवधि में घटित होता है?
(a) जन्म से 2 वर्ष (b) 2 से 7 वर्ष
(c) 7 से 11 वर्ष (d) 11 से 15 वर्ष

132. भाषा शिक्षण की प्रथम कक्षा किसे माना जाता है?
(a) पूर्व प्राथमिक कक्षा को
(b) प्ले स्कूल को
(c) घर को
(d) उक्त सभी को

133. निम्नलिखित में से मनोविश्लेषणात्मक सम्प्रदाय के प्रतिपादक है?
(a) सिगमंड फ्रायड (b) मेक्डूगल
(c) वर्दाईमर (d) कुर्ट लेविन

134. निम्नलिखित में से शिक्षा मनोविज्ञान के अध्ययन क्षेत्र है-
(a) बालक के वंशानुक्रम एवं वातावरण का अध्ययन
(b) बालक की विकास अवस्थाओं का अध्ययन
(c) अधिगम क्रियाओं का अध्ययन
(d) उपरोक्त सभी

135. ''बालक के विकास का अध्ययन हमें यह जानने योग्य बनाता है कि क्या पढ़ायें और कैसे पढ़ायें।'' यह कथन किस मनोवैज्ञानिक का है?
(a) क्रो एंड क्रो का (b) ब्राउन का
(c) किल्फोर्ड का (d) स्किनर का

136. मनोविज्ञान के सम्बन्ध में क्रो एंड क्रो की परिभाषा है-
(a) ''मुझे बच्चा दो और बताओ कि उसे क्या बनाऊं इंजीनियर, डॉक्टर या अन्य।''
(b) ''किसी व्यक्ति के जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक के अधिगम अनुभवों का वर्णन तथा धारणा ही मनोविज्ञान है।''
(c) ''मनोविज्ञान आचरण तथा व्यवहार का यथार्थ विज्ञान है।''
(d) ''मनोविज्ञान शिक्षा का आधारभूत विज्ञान है।''

137. स्किनर किस देश के वैज्ञानिक थे?
(a) जापान के (b) अमेरिका के
(c) इंग्लैंड के (d) इटली के

138. निम्नलिखित में से ''संज्ञानवादी पद्धति'' के जनक है-
(a) वाटसन (b) जिन प्याजे व ब्रूनर
(c) कोहलर व कोफ्का (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

139. निम्नलिखित में से सिग्मंड फ्रायड की अवधारणा है-
(a) इड (b) ईगो
(c) सुपर ईगो (d) उपरोक्त सभी

140. बालकों में खेलों से विकसित होने वाली शक्तियां हैं-
(a) शारीरिक (b) मोनसिक
(c) सामाजिक (d) उपरोक्त सभी

141. 1952 में किस शिक्षा शास्त्री ने अपने शोध द्वारा यह कहा कि शैशवावस्था से बाल्यावस्था एवं बाल्यावस्था से किशोरावस्था तक सिखने की गति तेज हो जाती है?
(a) मार्गन ने (b) पील ने
(c) कालविन ने (d) गिल्फोर्ड ने

142. विभिन्न व्यक्तियों में अभिक्षमताएँ होती हैं-
(a) असमान (b) एक ही प्रकार की
(c) समान (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

143. निम्नलिखित में से समतात्विक सिद्धांत के प्रवर्तक कौन है?
(a) स्पीयरमैन (b) कोहलर
(c) थोर्नडाइक (d) कोफ्का

144. निम्नलिखित में से द्वितात्विक सिद्धांत के प्रवर्तक कौन है?
(a) थोर्नडाईक (b) कोहलर
(c) कोफ्का (d) स्पीयरमैन

145. वह प्रथम अमेरिकी मनोवैज्ञानिक जिसने पशुओं पर सर्वप्रथम प्रयोग किये?
(a) बागले (b) कोह्लर
(c) थोर्नडाइक (d) कोफ्का

146. निम्नलिखित में से कौनसे मनोवैज्ञानिक का मनोविज्ञान या ''बंध मनोविज्ञान'' या ''संयोजनवाद'' कहलाता है?
(a) बागले का (b) कोह्लर का
(c) कोफ्का का (d) थोर्नडाइक का

147. काम प्रवृति पर सबसे अधिक बल किस मनोवैज्ञानिक ने दिया?
(a) बी. एफ. स्किनर न (b) हेगर्टी ने
(c) सिगमंड फ्रायड ने (d) थर्स्टन ने

148. निम्नलिखित में से काम किस प्रकार का प्रेरक है?
(a) अर्जित प्रेरक (b) इच्छित प्रेरक
(c) प्राकृतिक प्रेरक (d) उपरोक्त सभी प्रकार का

149. निम्नलिखित में से आदत होती है-
(a) संवेदनात्मक क्रिया
(b) मूल संवेगात्मक क्रिया
(c) पूर्व अनुभवों की पुनरावृति
(d) उपरोक्त सभी

150. वर्दाइमन, कोह्लर तथा कोफ्का किस देश के मनोवैज्ञानिक थे?
(a) ब्रिटेन के (b) रूस के
(c) जर्मनी के (d) अमेरिका के

151. भूख, प्यास तथा निद्रा किस प्रकार के प्रेरक है?
(a) जन्मजात प्रेरक (b) प्राथमिक प्रेरक
(c) अर्जित प्रेरक (d) a व b दोनों

152. निम्नलिखित में से अर्जित प्रेरक नहीं है-
(a) सामूहिकता की भावना (b) रुचि
(c) आदत (d) भूख

153. निम्नलिखित में से प्रेरकों का प्रकार कौन सा नहीं है?
(a) प्राथमिक प्रेरक (b) अर्जित प्रेरक
(c) जन्मजात प्रेरक (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

EBD_7907

उत्तरमाला

1	(d)	**16**	(b)	**31**	(d)	**46**	(b)	**61**	(d)	**76**	(d)	**91**	(c)	**106**	(c)	**121**	(c)	**136**	(b)	**151**	(d)
2	(a)	**17**	(d)	**32**	(a)	**47**	(d)	**62**	(d)	**77**	(a)	**92**	(a)	**107**	(c)	**122**	(c)	**137**	(b)	**152**	(d)
3	(b)	**18**	(a)	**33**	(d)	**48**	(d)	**63**	(b)	**78**	(a)	**93**	(d)	**108**	(d)	**123**	(d)	**138**	(b)	**153**	(d)
4	(b)	**19**	(d)	**34**	(c)	**49**	(d)	**64**	(d)	**79**	(b)	**94**	(c)	**109**	(d)	**124**	(c)	**139**	(d)		
5	(c)	**20**	(b)	**35**	(d)	**50**	(b)	**65**	(d)	**80**	(a)	**95**	(a)	**110**	(d)	**125**	(a)	**140**	(d)		
6	(b)	**21**	(a)	**36**	(c)	**51**	(c)	**66**	(d)	**81**	(c)	**96**	(a)	**111**	(a)	**126**	(a)	**141**	(d)		
7	(b)	**22**	(d)	**37**	(a)	**52**	(a)	**67**	(d)	**82**	(a)	**97**	(d)	**112**	(a)	**127**	(b)	**142**	(a)		
8	(a)	**23**	(b)	**38**	(a)	**53**	(b)	**68**	(d)	**83**	(b)	**98**	(a)	**113**	(a)	**128**	(d)	**143**	(c)		
9	(b)	**24**	(b)	**39**	(b)	**54**	(d)	**69**	(d)	**84**	(a)	**99**	(a)	**114**	(d)	**129**	(a)	**144**	(d)		
10	(a)	**25**	(d)	**40**	(c)	**55**	(c)	**70**	(a)	**85**	(a)	**100**	(c)	**115**	(c)	**130**	(c)	**145**	(c)		
11	(d)	**26**	(d)	**41**	(d)	**56**	(d)	**71**	(b)	**86**	(a)	**101**	(b)	**116**	(b)	**131**	(c)	**146**	(d)		
12	(b)	**27**	(d)	**42**	(d)	**57**	(d)	**72**	(b)	**87**	(c)	**102**	(c)	**117**	(c)	**132**	(c)	**147**	(c)		
13	(c)	**28**	(c)	**43**	(a)	**58**	(c)	**73**	(b)	**88**	(d)	**103**	(c)	**118**	(c)	**133**	(a)	**148**	(c)		
14	(a)	**29**	(b)	**44**	(a)	**59**	(a)	**74**	(d)	**89**	(b)	**104**	(c)	**119**	(b)	**134**	(d)	**149**	(c)		
15	(d)	**30**	(a)	**45**	(d)	**60**	(d)	**75**	(c)	**90**	(c)	**105**	(d)	**120**	(b)	**135**	(c)	**150**	(c)		

2 समाजीकरण प्रक्रिया

समाजीकरण प्रक्रिया (Socialization Process)

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। बालक जन्म लेने के पश्चात् धीरे-धीरे समाज के सम्पर्क में आता है, उसमें सामाजिक चेतना व सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित होनी प्रारम्भ हो जाती है। वह समाज द्वारा स्वीकृत परम्पराओं, मान्यताओं, आकांक्षाओं, मूल्यों, आदर्शों और संस्कृति का अनुपालन करने लगता है व उन्हीं के अनुसार व्यवहार भी करने लगता है, यही समाजीकरण कहलाता है। इस प्रकार समाजीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति समाज में रहकर उसके मूल्यों, आदर्शों, विश्वासों एवं जीवन-शैली को सीखकर उसे अपने व्यक्तिगत जीवन का हिस्सा बना लेता है । **ड्रेवर** ने इसे परिभाषित करते हुए इस प्रकार लिखा है-

''समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने सामाजिक पर्यावरण के साथ अनुकूलन करता है और इस प्रकार उस समाज का मान्य सहयोगी व कुशल सदस्य बनता है''।

ग्रीन के अनुसार, ''समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा बालक सांस्कृतिक विशेषतायें आत्म-गौरव और व्यक्तित्व को प्राप्त करता है।''

हैविगहर्स्ट एवं न्यूगार्टन के अनुसार, ''समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से बालक अपने समाज के स्वीकृत ढंगों को सीखता है तथा इन ढंगों को अपने व्यक्तित्व का अंग बना लेता है।''

निष्कर्षत: से कहा जा सकता है कि समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति एवं व्यक्ति तथा व्यक्ति व समाज के मध्य अन्त:क्रिया होती है व व्यक्ति समाज की भाषा, रहन-सहन, खान-पान और आचरण की विधियाँ, रीति-रिवाज सीखता है एवं समाज में समायोजन करता है।

समाजीकरण के अभिकरण (Agencies of Socialization)

समाजीकरण अनवरत चलने वाली प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया में समाज की अनेक संस्थाएँ कार्य करती हैं जो इस प्रकार हैं-

1. **परिवार :** बालक के समाजीकरण का सबसे प्रमुख और सबसे महत्त्वपूर्ण कारक परिवार है। **किम्बल यंग** के अनुसार, ''समाज में समाजीकरण के विभिन्न साधनों में परिवार सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है।'' बालक का जन्म व पालन-पोषण परिवार में होता है। परिवार से ही वह खाना-पीना, उठना-बैठना, चलना-फिरना, वस्त्र पहनना, पूजा-पाठ करना आदि कार्यों को सीखता है। परिवार ही उसे सामाजिक नियमों का प्रारम्भिक व व्यवहारिक ज्ञान देता है। माता-पिता, भाई-बहन, दादा-दादी, चाचा-चाची आदि परिवार के सदस्य ही बालक को उचित-अनुचित व वांछनीय-अवांछनीय का ज्ञान कराते हैं।
2. **विद्यालय :** परिवार के बाद विद्यालय दूसरा महत्त्वपूर्ण अभिकरण है। परिवार में सीखे गये व्यवहार का परिमार्जन विद्यालय में अध्यापकों द्वारा किया जाता है। विद्यालयों में मनाये जाने वाले उत्सवों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद, विभिन्न प्रतियोगिताओं, पत्र-पठन, पर्यटन आदि के द्वारा अध्यापक बालक के समाजीकरण में सहयोग प्रदान कर सकता है। विद्यालय का वातावरण, प्रेम, सहयोग, सद्भावना, परम्पराओं से पूर्ण अनुशासित होना चाहिए।
3. **पड़ोस या संगी-साथी (Neighbourhood or Peer group) :** बालक अपने साथी बालकों से बहुत कुछ सीखता है। वह अपने साथी बालकों के साथ खेलता है, लड़ता-झगड़ता है तथा सहयोग करता है। ये उसके समाजीकरण में सहयोग देते हैं। संगी-साथी अच्छे व सुसंस्कृत होने चाहिए ताकि बालकों का समाजीकरण उचित रूप में तीव्र गति से हो सके।

4. **जाति :** प्रत्येक जाति में प्रचलित अपनी रीतियां, परम्पराएं, मूल्य तथा आदर्श होते हैं, बालक इन्हीं को अपनाता है व उसका समाजीकरण होता है।

निष्कर्षत: कहा जा सकता है कि माता-पिता, अध्यापक, संगी-साथी, जाति, समुदाय, अनेक संस्थायें, खेलकूद व स्काउट-गाइड व अनेक अन्य अभिकरणों द्वारा बालक का समाजीकरण होता है। बालक अनुसरण करके, निर्देश प्राप्त करके, सहानुभूति द्वारा, सहयोग द्वारा, पुरस्कार व दण्ड आदि के द्वारा सीखता है व उसका समाजीकरण संभव हो पाता है।

भाषा एवं विचार

भाषा, विचार अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। भाषा द्वारा ही व्यक्ति अपने भावों, विचारों तथा इच्छाओं को दूसरों तक प्रेषित करता है तथा दूसरों की भावनाओं व इच्छाओं को समझ पाता है।

मानव जीवन में भाषा विकास बौद्धिक विकास की उत्तम कसौटी मानी जाती है। बालक को सर्वप्रथम भाषा का ज्ञान परिवार से होता है। इसके पश्चात् वह विद्यालय व समाज के सम्पर्क में आकर समृद्ध होता है।

- **शैशवावस्था में भाषा विकास :** जन्म के समय शिशु रुदन करता है, उसे इस समय ना तो स्वरों का ज्ञान होता है, ना व्यंजनों का । वह मात्र ध्वनियां निकालता है। 10 माह की आयु में वह पहला शब्द बोलता है जिसे बार-बार दोहराता है, 12 माह होने पर भी वह स्पष्ट नहीं बोल पाता । **मेकार्थी** कहते हैं कि 18 मास के बालक की भाषा 26 प्रतिशत समझ में आती है। भाषा विकास के क्रम का परिणाम अनुमानत: इस प्रकार है-

आयु	शब्द
जन्म से 8 मास	0
10 मास से 1 वर्ष	1 से 3
1 वर्ष से 1 वर्ष 6 माह	19 से 23
1 वर्ष 9 मास से 2 वर्ष	118 से 213
4 वर्ष	1550
5 वर्ष	2075
6 वर्ष	2562

प्रारम्भ में शिशु रोता है, फिर अस्पष्ट ध्वनियां निकालता है। स्वर यंत्र परिपक्व होने पर पहले से अधिक ध्वनि निकालता है। सात-आठ माह का होने पर दा, ना, व माँ दुहराता है, छोटे पूर्ण वाक्य बोलने लगता है।

- **बाल्यावस्था में भाषा विकास :** आयु के साथ-साथ बालकों के सीखने की गति में भी वृद्धि होती है। **''स्ट्रौक व लुफ्ट तथा सत्स के** अध्ययनानुसार, जब बालक स्कूल जाने लगते हैं, तब उनकी शब्दावली 20,000 से 24,000 शब्दों तक की होती है, जो किसी मानद शब्दकोष के कुल शब्दों का लगभग 5 प्रतिशत से 6 प्रतिशत है।

सीशोर ने बाल्यावस्था में भाषा विकास का अध्ययन करके निम्न परिणाम दिये हैं-

आयु (वर्ष)	शब्द
4	5,600
5	9,600
6	14,700
7	21,200
8	26,309
10	34,300

किशोरावस्था में भाषा विकास : किशोरावस्था में किशोर का शब्दकोश विस्तृत होता है। इस आयु में उच्चारण के प्रति भी वे सचेत हो जाते हैं, व्याकरण दोष घटता है व प्रवाह आ जाता है । कल्पना-शक्ति व चिन्तन-शक्ति का प्रभाव भाषा विकास पर स्पष्ट दिखता है । भावुकता का मिश्रण होने से भाव-सौन्दर्य प्रस्फुटित होता है।

भाषा विकास के चरण-

(A) पूर्व भाषा विकास :

1. रुदन
2. विस्फोटक ध्वनियां, जो बलबलाना (Bubbling) में बदली हैं
3. हाव-भाव
4. सांवेगिक अभिव्यक्ति।

(B) उत्तर भाषा विकास :

1. दूसरों की भाषा को समझना
2. शब्दावली का निर्माण करना
3. शब्दों का वाक्यों में संगठन
4. उच्चारण
5. भाषा विकास का स्वामित्व

कारक

1. **स्वास्थ्य :** यदि बालक प्रथम के वर्षों में बीमारी से ग्रसित है तो भाषा विकास अवरुद्ध होता है।
2. **बुद्धि :** बुद्धि स्तर ऊंचा हो तो भाषा विकास तेजी से होता है, कम बुद्धि होने पर कम शब्दावली, गलत उच्चारण पाया जाता है।
3. **यौन भिन्नता :** लड़कियों में लड़कों की अपेक्षा भाषा विकास श्रेष्ठ होता है, वे लम्बे वाक्य त्रुटिरहित बोलती हैं।
4. **सामाजिक-आर्थिक स्तर :** उच्च सामाजिक-आर्थिक स्तर वाले परिवार के बालक निम्न सामाजिक-आर्थिक स्तर वाले परिवार के बालकों से अधिक लम्बे वाक्यों का प्रयोग करते हैं, उनकी शब्दावली भी अच्छी होती है।
5. **परिवार का आकार :** एक बच्चा होने पर माता-पिता के विशेष प्रशिक्षण देने के कारण भाषा विकास तेजी से होता है। 2-3 बच्चों पर ध्यान न दे पाने के कारण विकास मंदित होता है।
6. **जन्मक्रम :** जन्मक्रम का भी प्रभाव पड़ता है, माता-पिता पहले बच्चे पर दूसरे, तीसरे जन्मक्रम वाले बच्चों की अपेक्षा अधिक समय व ध्यान देते हैं। अतः उसका भाषा विकास तेजी से होता है।
7. **माता-पिता द्वारा प्रेरणा :** जिन बालकों को माता-पिता द्वारा शब्दों को बोलने, लिखने व पढ़ने के लिए अधिक प्रेरणा मिलती है, उनमें भाषा विकास तेजी से होता है।

भाषा विकास में बाधाएँ

1. अत्यधिक रोना
2. समझने में कठिनाई
3. विलंबी वाक् (Delayed Speech)
4. वाक् विकार
   - तुतलाना
   - हकलाना
   - अस्पष्ट उच्चारण

भाषा सीखने के साधन

- अनुकरण
- कहानी सुनना
- खेल
- वार्तालाप व बातचीत
- प्रश्नोत्तर

EBD_7907

समाज निर्माण में लैंगिक मुद्दे

ईश्वर द्वारा बनायी गई इस सृष्टि में बालक व बालिका, दोनों को समान बनाया गया। दोनों को एक गाड़ी के दो पहियों के समान माना गया, परन्तु मानव ने अपने स्वार्थवश इन दोनों में भेद किया। एक को बलिष्ठ माना दूसरे को कमजोर, एक को बुद्धिमान व शिक्षायोग्य तथा दूसरे को मूर्ख व शिक्षा से वंचित रखा। पुराने समय में नारी की स्थिति दयनीय थी, शिक्षा के अभाव व रूढ़िवादिता के कारण, पर्दा प्रथा, सती प्रथा, बाल विवाह जैसी बुराइयाँ समाज में व्याप्त थीं, परन्तु समय के बदलने के साथ-साथ कुरीतियाँ व बुराइयाँ दूर हुई व बालिकाओं की स्थिति बेहतर हुई, परन्तु आज भी कुछ स्थानों पर यह भेदभाव व्याप्त है।

बालक व बालिकाओं, दोनों को स्कूल भेजने के स्थान पर, बालिकाओं को परम्परागत कार्यों हेतु घर पर ही रोक लिया जाता है। ऐसा नहीं है कि बालिकाओं में तर्क, स्मरण, विचार, कल्पना-शक्तियों का अभाव है, या उनका बौद्धिक स्तर लड़कों से कम हो, परन्तु दूषित सोच को परिवर्तित करना कठिन है।

बालिकाओं का विद्यालय जाना व शिक्षित होना प्रत्येक घर व समाज के लिए महत्त्वपूर्ण है, इस दिशा में समाज में सभी का प्रयास आवश्यक है। प्रत्येक अभिभावकों व समाज के जिम्मेदार व्यक्तियों का दायित्व है कि बालिका शिक्षा हेतु प्रयास करें। बालिकाओं को ज्यादा-से-ज्यादा संख्या में विद्यालय भेजा जाये। समझा जाये कि बालिका शिक्षा ही समाज को उन्नति के पथ पर ले जा सकती है। आवश्यकता यह है कि कक्षा में या परिवार में बालिकाओं को यह अहसास दिलाया जाये कि वे प्रत्येक कार्य को करने में सक्षम हैं। अध्यापक कक्षा में बालक बालिकाओं में भेदभाव ना करें। अभिभावक बालिकाओं को शिक्षा का महत्त्व समझें व गंभीरता से लेते हुए उन्हें विद्यालय भेजें। विद्यालय अनुपस्थित छात्राओं पर ध्यान दें व उनके विषय में जानकारी एकत्रित करें, छात्राओं के लिए विशेष छात्रवृत्तियाँ, पाठ्य-सामग्री तथा यूनिफॉर्म इत्यादि उपलब्ध कराएँ। अभावग्रस्त व सुविधाविहीन जातियों पर विशेष ध्यान दिया जाए।

छात्राओं की शिक्षा की ओर अभिभावकों, अध्यापकों व सरकार द्वारा विशेष प्रयास व चिन्तन किया जाना आवश्यक है।

अभ्यास-1 : विगत वर्षों के CTET एवं STET के प्रश्न

1. निम्न में से कौन-सा बच्चे की सामाजिक मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं के साथ सम्बद्ध नहीं है? *[CTET-2011-I]*
(a) शरीर से अपशिष्ट पदार्थों का नियमित रूप से बाहर निकलना
(b) सानिध्य (संगति) की आवश्यकता
(c) सामाजिक अनुमोदन अथवा सराहना की आवश्यकता
(d) संवेगात्मक सुरक्षा की आवश्यकता।

2. निम्नलिखित में से किस अवस्था में बच्चे अपने समवयस्क समूह के सक्रिय सदस्य हो जाते हैं? *[CTET-2011-I]*
(a) पूर्व-बाल्यावस्था (b) बाल्यावस्था
(c) किशोरावस्था (d) प्रौढ़ावस्था।

3. सबसे अधिक गहन और जटिल समाजीकरण होता है- *[CTET-2011-II]*
(a) प्रौढ़ावस्था के दौरान
(b) व्यक्ति के पूरे जीवन में
(c) किशोरावस्था के दौरान
(d) पूर्व-बाल्यावस्था के दौरान।

4. किसी उद्दीपन के निरन्तर दिये जाने से व्यवहार में होने वाला अस्थायी परिवर्तन कहलाता है- *[RTET-2011-II]*
(a) अभ्यस्तता (b) अधिगम
(c) अस्थायी अधिगम (d) अभिप्रेरणा।

5. जिस प्रक्रिया में व्यक्ति दूसरों के व्यवहार को देख कर सीखता है न कि प्रत्यक्ष अनुभव कर, को कहा जाता है- *[RTET-2011-II]*
(a) सामाजिक अधिगम (b) अनुबन्धन
(c) प्रायोगिक अधिगम (d) आकस्मिक अधिगम।

6. जिन इच्छाओं की पूर्ति नहीं होती, उनका भण्डारगृह निम्न में से कौन-सा है? *[RTET-2011-II]*
(a) इदम् (b) अहम्
(c) परम अहम् (d) इदम् एवं अहम्।

7. बच्चों के संज्ञानात्मक विकास को सबसे अच्छे तरीके से कहाँ परिभाषित किया जा सकता है? *[UPTET-2011-I]*
(a) खेल के मैदान में (b) विद्यालय एवं कक्षा में
(c) आडिटोरियम में (d) गृह में।

8. परिवार एक साधन है- *[UPTET-2011-I]*
(a) अनौपचारिक शिक्षा का
(b) औपचारिक शिक्षा का
(c) गैर-औपचारिक शिक्षा का
(d) दूरस्थ शिक्षा का।

9. एक शिक्षक विद्यार्थियों में सामाजिक मूल्यों को विकसित कर सकता है- *[UPTET-2011-I]*
(a) महान व्यक्तियों के बारे में बोलकर
(b) अनुशासन की अनुभूति को विकसित कर
(c) आदर्श रूप से बर्ताव कर
(d) उन्हें अच्छी कहानियाँ सुनाकर।

10. बच्चों में संवेगात्मक समायोजन प्रभावी होता है- *[UPTET-2011-I]*
(a) व्यक्तित्व निर्माण में (b) कक्षा-शिक्षण में
(c) अनुशासन में (d) इनमें से सभी।

11. असंगठित घर से आनेवाला बच्चा सबसे अधिक कठिनाई का अनुभव करेगा- *[UPTET-2011-I]*
(a) सुनिर्मित पाठों में
(b) स्वतंत्र अध्ययन में
(c) नियोजित निर्देश में
(d) अभ्यास पुस्तिकाओं में।

12. चरित्र का विकास होता है- *[UPTET-2011-II]*
(a) इच्छा-शक्ति द्वारा (b) बर्ताव एवं व्यवहार द्वारा
(c) नैतिकता द्वारा (d) इनमें से सभी।

13. बालिका शिक्षा को महत्त्व देना उचित है, कारण- *[UPTET-2011-II]*
(a) बालिकाएँ बालकों से अधिक बुद्धिमती हैं
(b) बालिकाएँ बालकों से अल्पसंख्यक हैं
(c) अतीत में बालिकाओं को बुरी तरह से विभेदित किया जाता था
(d) किसी सामाजिक परिवर्तन के नेतृत्व में केवल बालिकाएँ समर्थ हैं।

14. एक बच्ची को उसके पिता चहलकदमी करा रहे थे। बच्ची जानती थी कि चिड़िया जैसी चीजें होती हैं, परन्तु उसने कभी पतंग को नहीं देखा था। पतंग को देखकर उसने कहा "चिड़िया को तो देखो" उसके पिता ने कहा "यह एक पतंग है"। यह उदाहरण दिखाता है- *[CGTET-2011-II]*
(a) सम्मिलन (b) समायोजन
(c) संरक्षण (d) वस्तु का प्रदर्शन

15. सामाजिक अधिगम आरम्भ होता है- *[CGTET-2011-II]*
(a) अलगाव से (b) भीड़ से
(c) संपर्क से (d) दृश्य-श्रव्य सामग्री से

16. राज्य स्तर की एक एकल-गायन प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों को तैयार करते समय एक विद्यालय लड़कियों को वरीयता देता है। यह दर्शाता है- *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) प्रयोजनात्मक उपागम (b) प्रगतिशील चिंतन
(c) लैंगिक पूर्वाग्रह (d) वैश्विक प्रवृत्तियाँ।

17. शिक्षा के संदर्भ में समाजीकरण से तात्पर्य है- *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) समाज में बड़ों का सम्मान करना
(b) सामाजिक वातावरण में अनुकूलन और समायोजन
(c) सामाजिक मानदंडों का सदैव अनुपालन करना
(d) अपने सामाजिक मानदंड बनाना।

18. छोटे शिक्षार्थियों को कक्षा-कक्ष में समवयस्कों के साथ अंत:क्रिया करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए जिससे- *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) पाठ्यक्रम को बहुत जल्दी पूरा किया जा सके
(b) वे पढ़ने के दौरान सामाजिक कौशल सीख सकें
(c) शिक्षक कक्षा-कक्ष को बेहतर तरीके से नियंत्रित कर सकें
(d) वे एक-दूसरे से प्रश्नों के उत्तर सीख सकें।

19. सहयोगी अधिगम में अधिक उम्र के प्रवीण विद्यार्थी, छोटे और कम निपुण विद्यार्थियों की मदद करते हैं। इससे- *[CTET-2012-II]*
(a) गहन प्रतियोगिता होती है
(b) उच्च नैतिक विकास होता है
(c) समूहों में द्वन्द्व होता है
(d) उच्च उपलब्धि ओर आत्म-सम्मान विकसित होता है।

20. व्यवहार का 'करना' ..... में आता है। *[CTET-2012-II]*
(a) सीखने के गतिक (कोनेटिव) क्षेत्र
(b) सीखने के मनोवैज्ञानिक क्षेत्र
(c) सीखने के संज्ञानात्मक क्षेत्र
(d) सीखने के भावात्मक क्षेत्र।

21. एक शिक्षिका अपने शिक्षार्थियों को अनेक तरह की सामूहिक गतिविधियों में व्यस्त रखती है, जैसे- समूह-चर्चा, समूह-परियोजनाएँ, भूमिका निर्वाह आदि। यह सीखने के किस आयाम को उजागर करता है? *[CTET-2012-II]*
(a) सामाजिक गतिविधि के रूप में अधिगम
(b) मनोरंजन द्वारा अधिगम
(c) भाषा-निर्देशित अधिगम
(d) प्रतियोगिता-आधारित अधिगम।

22. एक विद्यार्थी अपने समकक्ष व्यक्तियों के समूह के प्रति आक्रामक व्यवहार करता है और विद्यालय के मानदण्डों को नहीं मानता। इस विद्यार्थी को ..... में सहायता की आवश्यकता है। *[CTET-2012-II]*
(a) भावात्मक क्षेत्र
(b) उच्चस्तरीय चिन्तन कौशल
(c) संज्ञानात्मक क्षेत्र
(d) मनोगत्यात्मक क्षेत्र।

23. शिक्षकों को यह सलाह दी जाती है कि वे अपने शिक्षार्थियों को सामूहिक गतिविधियों में शामिल करें क्योंकि सीखने को सुगम बनाने के अतिरिक्त, ये .... में भी सहायता करती है। *[CTET-2012-II]*
(a) दुश्चिंता (b) समाजीकरण
(c) मूल्य द्वन्द्व (d) आक्रामकता

24. एक अच्छी पाठ्य-पुस्तक ..... से बचाती है। *[CTET-2012-II]*
(a) लैंगिक समानता (b) सामाजिक उत्तरदायित्व
(c) लैंगिक पूर्वाग्रह (d) लैंगिक संवेदनशीलता।

25. ''समाजीकरण'' का अर्थ है-*[CTET May-2012-II]*
(a) सामाजिक मानदंडों का कठोर रूप से पालन करना
(b) समाज में समायोजित होना
(c) सामाजिक मानदंडों के विरुद्ध विद्रोह करना
(d) सामाजिक विविधता को समझना।

26. ''विचार न केवल भाषा को निर्धारित करते हैं, बल्कि उसे आगे भी बढ़ाते हैं।'' यह विचार ..... द्वारा रखा गया। *[CTET May-2012-II]*
(a) जीन पियाज़े (b) कोह्लबर्ग
(c) वाइगोटस्की (d) पैवलॉव

27. भाषा में अर्थ की सबसे छोटी इकाई.....है। *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) संकेतप्रयोग विज्ञान (प्रैगमैटिक्स)
(b) वाक्य
(c) रूपिम
(d) स्वनिम।

28. विद्यालय में लिंग-भेदभाव से बचने का सर्वोत्तम तरीका हो सकता है। *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) विद्यालय में लिंग-भेदभाव को दूर करने के लिए नियम बनाना और कड़ाई से उसका पालन करवाना
(b) संगीत प्रतियोगिता के लिए लड़कियों की अपेक्षा अधिक लड़कों का चयन करना
(c) शिक्षकों द्वारा उनके लिंग पक्षपातपूर्ण व्यवहारों का अधिसंज्ञान
(d) पुरुष एवं महिला शिक्षकों को समान संख्या में भर्ती करना।

29. मोनिका, जो गणित की शिक्षिका है, राधिका से एक प्रश्न पूछती है। राधिका से कोई उत्तर न मिलने पर वह तुरंत मोहन से दूसरा प्रश्न पूछती है। जब उसे महसूस होता है कि मोहन उत्तर बताने में संघर्ष कर रहा है, तो वह अपने प्रश्न के शब्दों को बदलती है। मोनिका की यह प्रवृत्ति यह प्रदर्शित करती है कि वह- *[CTET-Nov. 2012-I]*

(a) मोहन का पक्ष लेकर लिंग भूमिकाओं में रूढ़िबद्धता को बढ़ावा दे रही है
(b) राधिका को किसी उलझनपूर्ण स्थिति में नहीं डालना चाह रही है
(c) इस तथ्य से पूर्णत: परिचित है कि राधिका सवालों के जवाब देने के योग्य नहीं है
(d) अपने सवाल के प्रति थोड़ा घबरा गई है।

30. नर्सरी कक्षा में शुरुआत करने के लिए कौन-सी विषय-वस्तु (theme) सबसे अच्छी है? *[CTET-Nov. 2012-I]*

(a) मेरा प्रिय मित्र (b) मेरा पड़ोस
(c) मेरा विद्यालय (d) मेरा परिवार।

31. एक विद्यार्थी कहता है, *''उसका दादा आया है''*। एक शिक्षक होने के नाते आपकी प्रतिक्रिया होनी चाहिए- *[CTET-Nov. 2012-I]*

(a) आप अपनी भाषा पर ध्यान दीजिए
(b) अच्छा, उसके दादाजी आए हैं
(c) बच्चे, आप सही वाक्य नहीं बोल रहे
(d) 'दादा आया है' की जगह पर 'दादाजी आए हैं' कहना चाहिए।

32. बुद्धि-लब्धांक के आधार पर विभिन्न समूहों में विद्यार्थियों का वर्गीकरण उनकी स्व-गरिमा को ___ है और उनके शैक्षणिक निष्पादन को ___है। *[CTET-Nov. 2012-I]*

(a) घटाता; प्रभावित नहीं करता
(b) बढ़ाता; घटाता
(c) बढ़ाता; बढ़ाता
(d) घटाता; घटाता।

33. शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के क्रियान्वयन के बाद कक्षा-कक्ष- *[CTET-Nov. 2012-I]*

(a) जेंडर के अनुसार अधिक समजातीय हैं
(b) आयु के अनुसार अधिक समजातीय हैं
(c) आयु के अनुसार अधिक विषमजातीय हैं
(d) अप्रभावित हैं, क्योंकि शिक्षा का अधिकार विद्यालय में कक्षा की औसत आयु को प्रभावित नहीं करता।

34. शारीरिक-गतिक बुद्धि रखने वाले बच्चे की अंतिम अवस्था निम्नलिखित में से कौन-सी हो सकती है? *[CTET-Nov. 2012-I]*

(a) कवि (b) वाचक
(c) राजनैतिक नेता (d) शल्य चिकित्सक।

35. विज्ञान के प्रयोगों में, सामान्यत: लड़के उपकरणों का नियंत्रण अपने हाथों में लेते हैं और लड़कियों से आँकड़ों को रिकॉर्ड करने अथवा बर्तनों को धोने के लिए कहते हैं। यह प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि- *[CTET-Nov. 2012-I]*

(a) लड़के उपकरणों को ज्यादा कुशलता से सँभाल सकते हैं, क्योंकि वे इस प्रकार के कार्यों को करने में प्राकृतिक रूप से सक्षम होते हैं
(b) लड़कियाँ नाजुक होने के कारण ऐसे काम करना पसंद करती हैं जिनमें ऊर्जा की खपत कम होती है
(c) लड़कियाँ बेहतरीन अवलोकनकर्ता होती हैं और बिना किसी गलती के आँकड़ों का रिकॉर्ड रखती हैं
(d) पुरुष और स्त्री की रूढ़िबद्ध भूमिकाएँ विद्यालय में भी होती हैं।

36. कक्षा का सिद्धांत कक्ष में शिक्षक और विद्यार्थी किस प्रकार जेंडर को _____ करते हैं, यह सीखने के वातावरण _____ । *[CTET-Nov. 2012-I]*

(a) परिभाषित; को कम प्रभावी बनाता है
(b) व्याख्यायित; पर कोई प्रभाव नहीं डालता
(c) निर्मित; पर प्रभाव डालता है
(d) रूपांतरित; को क्षुब्ध करता है।

37. अधिकांश बालक अपनी मातृभाषा सीख लेते हैं- *[HTET 2012-I]*

(a) एक वर्ष की आयु में
(b) चार वर्ष की आयु में
(c) छ: वर्ष की आयु में
(d) दो वर्ष की आयु में।

38. बच्चे का सामाजिक विकास वास्तव में प्रारम्भ होता है- *[HTET 2012-I]*

(a) विद्यालय पूर्व-अवस्था में
(b) शैशवावस्था में
(c) पूर्व-बाल्यावस्था में
(d) उत्तर-बाल्यावस्था में।

39. विद्यालय में लिंग-भेदभाव से बचने का सर्वोत्तम तरीका हो सकता है- *[CTET-Nov. 2012-I]*

(a) विद्यालय में लिंग-भेदभाव को दूर करने के लिए नियम बनाना और कड़ाई से उसका पालन करवाना

(b) संगीत प्रतियोगिता के लिए लड़कियों की अपेक्षा अधिक लड़कों का चयन करना
(c) शिक्षकों द्वारा उनके लिंग पक्षपातपूर्ण व्यवहारों का अधिसंज्ञान
(d) पुरुष एवं महिला शिक्षकों को समान संख्या में भर्ती करना।

40. कक्षा में जेंडर रूढ़िबद्धता से बचने के लिए एक शिक्षक को- *[CTET 2013-I]*
(a) लड़के-लड़कियों को एक साथ अ-पारंपरिक भूमिकाओं में रखना चाहिए
(b) 'अच्छी लड़की', 'अच्छा लड़का' कहकर शिक्षार्थियों के अच्छे कार्य की सराहना करनी चाहिए
(c) कुश्ती में भाग लेने के लिए लड़कियों को निरुत्साहित करना
(d) लड़कों को जोखिम उठाने और निर्भीक बनने के लिए प्रोत्साहित करना।

41. विद्यालयों को किसके लिए वैयक्तिक भिन्नताओं को पूरा करना चाहिए? *[CTET-2013-I]*
(a) वैयक्तिक शिक्षार्थियों के मध्य खाई को कम करने के लिए
(b) शिक्षार्थियों के निष्पादन और योग्यताओं को समान करने के लिए
(c) यह समझने के लिए कि क्यों शिक्षार्थी सीखने के योग्य या अयोग्य हैं
(d) वैयक्तिक शिक्षार्थी को विशिष्ट होने की अनुभूति कराने के लिए।

42. शिक्षार्थियों में वैयक्तिक भिन्नताओं को संबोधित करने के लिए एक विद्यालय किस प्रकार का सहयोग उपलब्ध करवा सकता है? *[CTET-2013-I]*
(a) बाल-केंद्रित पाठ्यचर्या का पालन करना और शिक्षार्थियों को सीखने के अनेक अवसर उपलब्ध कराना
(b) शिक्षार्थियों में वैयक्तिक भिन्नताओं को समाप्त करने के लिए हर संभव उपाय करना
(c) धीमी गति से सीखने वाले शिक्षार्थियों को विशेष विद्यालयों में भेजना
(d) सभी शिक्षार्थियों के लिए समान स्तर की पाठ्यचर्या का अनुगमन करना।

43. समाजीकरण है- *[CTET-2013-I]*
(a) शिक्षक एवं पढ़ाए गए के बीच संबंध
(b) समाज के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया
(c) समाज के मानदंडों के साथ अनुकूलन
(d) सामाजिक मानदंडों में परिवर्तन।

44. सामाजिक भूमिकाओं के कारण, न कि जीव वैज्ञानिक संपत्ति के कारण सौंपी गई विशिष्टताएँ ..... कहलाती हैं। *[CTET-2013-II]*
(a) जेंडर भूमिका अभिवृत्ति
(b) जेंडर भूमिका दबाव
(c) जेंडर भूमिका रूढ़िबद्धता
(d) जेंडर भूमिका नैदानिकी।

45. हालांकि यह स्पष्ट रूप से उनकी सुरक्षा आवश्यकताओं के उल्लंघन में था, कैप्टन विक्रम बत्रा अपने देश को बचाने के दौरान कारगिल युद्ध में मारे गए। संभवत: उन्हें ..... था/थी। *[CTET-2013-II]*
(a) नवीन अनुभव की प्राप्ति की इच्छा
(b) आत्म-सिद्धि की प्राप्ति
(c) अपने अपनत्व संबंधी आवश्यकताओं की उपेक्षा
(d) अपने परिवार के नाम की ख्याति-प्राप्ति।

46. प्रतिक्रिया का विलोप होना निम्नलिखित में से किसके बाद अधिक कठिन है? *[CTET-2013-II]*
(a) आंशिक पुनर्बलन
(b) निरंतर पुनर्बलन
(c) दंड
(d) मौखिक भर्त्सना।

47. ..... के अतिरिक्त निम्नलिखित सभी तथ्य संकेत करते हैं कि बच्चा कक्षा में संवेगात्मक और सामाजिक रूप से समायोजित है। *[CTET-2013-II]*
(a) हमउम्र साथियों के साथ मधुर संबंधों का विकास
(b) चुनौतीपूर्ण कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना और उन्हें दृढ़तापूर्वक करते रहना
(c) क्रोध तथा हर्ष, दोनों को प्रभावी रूप से प्रबंधित करना
(d) हमउम्र साथियों के साथ प्रतियोगिता पर दृढ़तापूर्वक ध्यान केंद्रित करना।

48. समाजीकरण में सम्मिलित हैं - सांस्कृतिक संचरण और .....। *[CTET-2013-II]*
(a) विद्रोहियों को निरुत्साहित करना
(b) वैयक्तिक व्यक्तित्व विकास
(c) बच्चों को लेबलों में समायोजित करना
(d) संवेगात्मक समर्थन उपलब्ध कराना।

49. भाषा-अवबोधन से सम्बद्ध विकार है- *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) चलाघात (b) पठन-वैकल्य
(c) वाक्-सम्बद्ध रोग (d) भाषाघात

50. कक्षा में विद्यार्थियों के वैयक्तिक विभेद- *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) लाभकारी नहीं हैं, क्योंकि अध्यापकों को वैविध्यपूर्ण कक्षा को नियंत्रित करने की आवश्यकता है
(b) हानिकारक हैं, क्योंकि इनसे विद्यार्थियों में परस्पर द्वन्द्व उत्पन्न होते हैं
(c) अनुपयुक्त हैं, क्योंकि ये सर्वाधिक मन्द विद्यार्थी के स्तर तक पाठ्यचर्या के स्थानान्तरण की गति को कम करते हैं
(d) लाभकारी हैं, क्योंकि ये विद्यार्थियों की संज्ञानात्मक संरचनाओं को खोजने में अध्यापकों को प्रवृत्त करते हैं।

51. मानवीय विकास में आनुवंशिकता एवं परिवेश की भूमिका के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन समुचित है? *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) परिवेश की भूमिका लगभग स्थिर-सी रहती है, जबकि आनुवंशिकता का प्रभाव परिवर्तित हो सकता है
(b) 'व्यवहारवाद' के सिद्धान्त प्राय: मानवीय विकास में 'प्रकृति' की भूमिका पर आधारित हैं
(c) विकास के विभिन्न क्षेत्रों में आनुवंशिकता एवं परिवेश का सापेक्षिक प्रभाव परिवर्तनशील है
(d) भारत सरकार की विभेदात्मक क्षतिपूरकता सम्बन्धी नीति मानवीय विकास में 'प्रकृति' की भूमिका पर आधारित हैं।

52. समाजीकरण के सन्दर्भ में विद्यालयों के पास प्राय: एक प्रच्छन्न पाठ्यचर्या विद्यमान रहती है, जिसमें निहित है- *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) बलात्मक अधिगम, चिंतन व समकक्षीय साथी एवं अध्यापक की अनुकृति द्वारा विशेष रूप से अपनाया जाने वाला व्यवहार
(b) अन्त:क्रिया व सामग्री द्वारा विद्यालयों में प्रस्तुत किए जाने वाले सामाजिक भूमिकाओं से सम्बद्ध अनौपचारिक संकेत
(c) परिवारों के माध्यम से विद्यार्थियों का समझौतापूर्ण व प्रतिरोधात्मक समाजीकरण
(d) मूल्यों व अभिवृत्तियों का शिक्षण एवं आकलन।

53. ..... कक्षा में वास्तविक सांसारिक समस्याओं से सम्बद्ध जटिल परियोजनाओं पर कार्य करते हुए अध्यापक व छात्र एक-दूसरे के अनुभवों से परस्पर ग्रहण करते रहते हैं। *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) पारम्परिक (b) रचनात्मक
(c) अध्यापक-केन्द्रित (d) सामाजिक-रचनात्मक।

54. भाषा-विकास के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा क्षेत्र पियाजे के द्वारा कमतर आँका गया? *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) आनुवंशिकता
(b) सामाजिक अन्त:क्रिया
(c) अहं-केन्द्रित भाषा
(d) विद्यार्थी द्वारा सक्रियात्मक रचना।

55. भारत सरकार ने प्राथमिक विद्यालयों के लिए मध्याह्न भोजन योजना प्रारम्भ की है। निम्नलिखित में से कौन-सा अभिप्रेरणात्मक सिद्धान्त इस योजना का समर्थन करता है? *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) व्यवहारवादी (b) समाज-सांस्कृतिक
(c) संज्ञानात्मक (d) मानवीय।

56. व्यक्तित्व का 'समाजशास्त्रीय प्रकार का सिद्धांत' दिया गया- *[HTET-2014-I]*
(a) हिप्पोक्रेट्स के द्वारा (b) क्रेचमर के द्वारा
(c) शेल्डन के द्वारा (d) स्प्रेंजर के द्वारा।

57. 'सर्वाधिक उपयुक्त जीवित (Survival of the fittest) रहता है' का सिद्धान्त है- *[UPTET-2014-I]*
(a) लेमार्क का (b) हैरिसन का
(c) डार्विन का (d) मैक्डूगल का।

58. साहचर्य के नियम हैं- *[UPTET-2014-II]*
(a) समानता का नियम (b) वैषम्य का नियम
(c) समीपता का नियम (d) ये सभी।

59. किशोरावस्था में संवेगों की तीव्रता किस प्रकार प्रकट होती है? *[UPTET-2014-II]*
(a) प्रतिकूल पारिवारिक सम्बन्ध
(b) व्यवसाय की समस्या
(c) नई परिस्थिति के साथ समायोजन
(d) उपरोक्त सभी।

60. निम्न में से कौन-सा सामाजीकरण की निष्क्रिय एजेंसी है? *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) स्वास्थ्य क्लब
(b) परिवार
(c) ईको क्लब
(d) सार्वजनिक पुस्तकालय

61. कक्षा-कक्ष में जेंडर (लिंग) विभेद *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) शिक्षार्थियों के निष्पादन को प्रभावित नहीं करता है
(b) शिक्षार्थियों के ह्रासोन्मुख प्रयासों अथवा निष्पादन का कारण बन सकता है
(c) पुरुष शिक्षार्थियों के वृद्धि-उन्मुख प्रयासों अथवा निष्पादन का कारण बन सकता है
(d) महिला शिक्षकों की अपेक्षा पुरुष शिक्षकों के द्वारा अधिक किया जाता है

62. छात्राएँ– *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) गणित के सवाल अच्छे से सीखती हैं, लेकिन उन्हें तब कठिनाई आती है जब उनसे उनके तर्क के बारे में पूछा जाता है
(b) अपनी उम्र के लड़कों की तरह गणित में अच्छी हैं
(c) अपनी उम्र के लड़कों की तुलना में स्थानिक अवधारणाओं में कम कुशलतापूर्ण निष्पादन करती हैं
(d) भाषिक और संगीत सम्बन्धी अधिक क्षमताएँ रखती हैं।

63. एल्बर्ट बैन्ड्यूरा के सामाजिक अधिगम सिद्धांत के अनुसार निम्न में से कौन-सा सही है? *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) खेल अनिवार्य है और उसे विद्यालय में प्राथमिकता दी जानी चाहिए
(b) बच्चों के सीखने के लिए प्रतिरूपण (मॉडलिंग) एक मुख्य तरीका है
(c) अनसुलझा संकट बच्चे को नुकसान पहुँचा सकता है
(d) संज्ञानात्मक विकास सामाजिक विकास से स्वतंत्र है।

64. मनोसामाजिक सिद्धांत निम्नलिखित में से किस पर बल देता है? *[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) उद्दीपन व प्रतिक्रिया
(b) लिंगीय व प्रसुप्ति स्तर
(c) उद्यम के मुकाबले में हीनता स्तर
(d) क्रियाप्रसूत (सक्रिय) अनुबंधन।

65. यह तथ्य कि बच्चों को सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक ज्ञान की आवश्यकता होती है, निम्नलिखित में से किस व्यक्ति से संबंधित है? *[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) चार्ल्स डार्विन (b) बी.एफ. स्किनर
(c) यूरी ब्रोनफैनब्रैनर (d) लैव वाइगोटस्की।

66. निम्नलिखित में से कौन-सा समाज में लिंग समानता का मानदंड हो सकता है? *[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) विद्यालय में पुरुष और महिला शिक्षकों की संख्या की तुलना
(b) कक्षा 12 में लड़कों और लड़कियों द्वारा समान संख्या में प्राप्त विशिष्ट योग्यता
(c) कक्षा 12 तक पहुँचने वाले लड़कों और लड़कियों की संख्या की तुलना
(d) क्या छात्राओं को विद्यालय से बाहर आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दी जाती है।

67. आर्जव तर्क देता है कि भाषा विकास व्यक्ति की नैसर्गिक प्रवृत्ति से प्रभावित होता है, जबकि सोनाली महसूस करती है कि यह परिवेश से प्रभावित होता है। आर्जव और सोनाली के बीच यह चर्चा किस विषय में है ? *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) चुनौतीपूर्ण तथा संवेदनशील भावना
(b) स्थिरता तथा अस्थिरता पर बहस
(c) सतत तथा असतत अधिगम
(d) प्रकृति तथा पालन-पोषण वाद-विवाद।

68. निम्नलिखित में से कौन-सा बच्चों के समाजीकरण के प्रगतिशील मॉडल के संदर्भ में सही नहीं है? *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) समूह कार्य में सक्रिय सहभागिता तथा सामाजिक कौशलों को सीखना
(b) बच्चे विद्यालय में बताई गई बातों को स्वीकार करते हैं, चाहे उनकी सामाजिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो
(c) कक्षा में प्रजातंत्र के लिए होना चाहिए
(d) समाजीकरण सामाजिक नियमों का अधिग्रहण है।

69. इस पर अत्यधिक वाद-विवाद होता है कि क्या लड़कों एवं लड़कियों में योग्यताओं का विशिष्ट समूह उनके आनुवंशिक घटकों के कारण होता है? इस संदर्भ में निम्नलिखित में से आप सबसे अधिक किससे सहमत हैं? *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) लड़के सेवाभाव वाले नहीं हो सकते हैं क्योंकि वे जन्म से इस प्रकार के होते हैं
(b) लड़कियों को सेवाभाव के लिए सामाजिक रूप से तैयार किया जाता है, जबकि लड़कों को रोने जैसा संवेग प्रदर्शित करने के लिए हतोत्साहित किया जाता है
(c) यौवनारम्भ के बाद लड़के और लड़कियाँ एक साथ नहीं खेल सकते हैं क्योंकि उनकी अभिरुचियाँ पूर्णतया विपरीत होती हैं
(d) सभी लड़कियों में कला-विषयों के लिए अन्तर्निहत प्रतिभा होती है, जबकि लड़के आक्रामक खेलों में बेहतर प्रदर्शन के लिए आनुवंशिक रूप से तैयार होते हैं।

70. समाजीकरण एक प्रक्रिया है– *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) मित्रों के साथ सामाजिक बनने की
(b) मूल्यों, विश्वासों तथा अपेक्षाओं को अर्जित करने की
(c) घुलने-मिलने तथा समायोजन की
(d) एक समाज की संस्कृति की आलोचना करना सीखने की।

71. भारत में भाषिक विभिन्नता बहुत है। इस संदर्भ में विशेषकर कक्षा I और II के प्राथमिक स्तर पर बहुभाषिक कक्षाओं के बारे में सर्वथा उपयुक्त कथन है: *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) विद्यालय में उन्हीं बच्चों को प्रवेश दिया जाए जिनकी मातृभाषा वही हो जो शिक्षा के लिए अपनाई जा रही हो।

(b) शिक्षक को सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए और सभी भाषाओं में अभिव्यक्ति के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए।
(c) जो बच्चे कक्षा में मातृभाषा का उपयोग करते हैं अध्यापक को उनकी उपेक्षा करनी चाहिए।
(d) शिक्षार्थियों को अपनी मातृभाषा या स्थानीय भाषा का प्रयोग करने पर दंडित किया जाए।

72. ''जन-संचार माध्यम समाजीकरण का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनता जा रहा है।'' *[CTET-Sept.-2015-I]* नीचे दिए गए कथनों में से कौन-सा सबसे उपयुक्त कथन है?
(a) समाजीकरण केवल माता-पिता और परिवार के द्वारा किया जाता है।
(b) जन-संचार माध्यमों की पहुँच बढ़ रही है और जन-संचार माध्यम अभिवृत्तियों, मूल्यों और विश्वासों को प्रभावित करता है।
(c) बच्चे संचार माध्यमों के साथ प्रत्यक्ष रूप से अंत:क्रिया नहीं कर सकते हैं।
(d) संचार माध्यम पदार्थों के विज्ञापन और विक्रय के लिए एक अच्छा माध्यम है।

73. निम्नलिखित में से कौन-सा समाजीकरण का एक प्रमुख कारक है? *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) कम्प्यूटर (b) आनुवंशिकता
(c) राजनीतिक दल (d) परिवार

74. जब एक शिक्षक यह समझता है कि स्वाभाविक रूप से लड़के गणित में लड़कियों से अच्छे हैं, यह दर्शाता है कि अध्यापक है: *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) लिंग (जेंडर) पक्षपाती
(b) शिक्षाप्रद
(c) सही दृष्टिकोण वाला
(d) नीतिपरक

75. लिंग (जेंडर) पक्षपात ..... की ओर संकेत करता है। *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) सांस्कृतिक अभिवृतियों के कारण अपेक्षाओं पर आधारित लड़कों और लड़कियों से भिन्न व्यवहार कराना।
(b) आनुवंशिक विभिन्नताएँ जो लड़कों और लड़कियों में मौजूद हैं
(c) स्त्रियोचित और पुरुषोचित विशेषताओं में सापेक्षिक रूप से स्वंय का बोध
(d) अपने शरीर-विज्ञान के कारण लड़कों और लड़कियों के बीच विभिन्नताओं की स्वीकृति

76. समान आयु के बच्चों में भी आकृति, योग्यता, स्वभाव, रुचि, प्रवृत्ति और अन्य बातों में बहुत अंतर होता है। इस संदर्भ मे विद्यालय की क्या भूमिका है? *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) सुनिश्चित करना कि प्रत्येक बच्चे को अपनी क्षमताओं के अनुसार विकास के अवसर मिलें।
(b) बच्चों के आकलन के लिए नियामक मानक स्थापित करना।
(c) सुनिश्चित करना कि शिक्षक मानकीकृत निर्देश और पाठ्यपुस्तकों का उपयोग करें।
(d) सुनिश्चित करना कि सभी बच्चों का विकास एक ही प्रकार से हो।

77. समाजीकरण की प्रक्रिया में शामिल नहीं है:
(a) कौशलों का अर्जन। *[CTET-Sept.-2015-II]*
(b) मूल्यों और विश्वासों का अर्जन।
(c) आनुवंशिक संचरण।
(d) एक संस्कृति की रीतियों और मानदंडों का सीखना।

78. भारत में बहुत से बच्चे, विशेषकर लड़कियाँ विद्यालय में आने से पहले और विद्यालय से वापस जाने के बाद घर का काम करते हैं। आपके विचार से इस संदर्भ में एक शिक्षिका को गृहकार्य के बारे में क्या करना चाहिए? *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) उसे उन बच्चों को कठोर दंड देना चाहिए जो अपना गृहकार्य पूरा नहीं करते हैं।
(b) शिक्षिका को ऐसा गृहकार्य देना चाहिए जो विद्यालय में कराए गए अधिगम को बच्चों के घरेलू जीवन को जोड़ता है।
(c) शिक्षिका को सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे अपना गृहकार्य करने के लिए सुबह जल्दी उठें और देर तक रूकें।
(d) बच्चों के माता-पिता से उनके गृहकार्य को पूरा कराने के लिए ट्यूशन लगवाने के लिए कहिए।

79. एक सहशिक्षा कक्षा में लड़कों से शिक्षक यह कहता है, ''लड़के बनो और लड़कियों जैसा व्यवहार मत करो।'' यह टिप्पणी *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) लड़कियों पर लड़कों की जीववैज्ञानिक महत्ता को उजागर करता है।
(b) जातीय भेद-भाव का परिचायक है।
(c) लड़के-लड़कियों के साथ व्यवहार का एक अच्छा उदाहरण है
(d) लड़के-लड़कियों में भेद-भाव की रूढ़िबद्ध धारणा प्रकट करता है

80. बच्चे के समाजीकरण में परिवार _____ भूमिका निभाता है। *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) गौण (b) कम महत्त्वपूर्ण
(c) रोमांचकारी (d) मुख्य

81. ..... एक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से मानव शिशु समाज के सक्रिय सदस्य के रूप में निष्पादन करने के लिए आवश्यक कौशलों का अर्जन करना प्रारंभ करता है। *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) परिपक्वता (b) विकास
(c) समाजीकरण (d) सीखना

82. कक्षा VIII की एक पाठय-पुस्तक में इस प्रकार के चित्र है। शिक्षिका एक घरेलू काम करने वाली के रूप में महिला, जबकि डॉक्टर एवं पाइलट के रूप में पुरुष। इस प्रकार के चित्रण से बढ़ सकती/सकता है *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) लिंग स्थिरता (b) लिंग सशक्तीकरण
(c) लिंग रूढ़िबद्धता (d) लिंग भूमिका-निर्वाह खेल

83. एक शिक्षक समाज के 'वंचित वर्ग' के बच्चों की आवश्यकताओं को प्रभावपूर्ण तरीके से पूरा कर सकता है *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) अन्य बच्चों को वंचित पृष्ठभूमि वाले बच्चों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करने के लिए कहकर
(b) कक्षा-कक्ष के प्रत्येक बच्चें की आवश्यकतानुसार अपना शिक्षण-कौशल अपनाकर
(c) उनकी पृष्ठभूमि की उपेक्षा करके तथा उन्हें विद्यालय में कार्य करने के लिए कहकर
(d) उन्हें कक्षा-कक्ष में अलग स्थान पर बैठाकर, ताकि वे अन्य बच्चों से मेल-जोल न करें

84. निम्नलिखित में कौन-से समाजीकरण के गौण वाहक हो सकते हैं? *[CTET-Sept.-2016-II]*
(a) परिवार और पास-पड़ोस
(b) विद्यालय और पास-पड़ोस
(c) विद्यालय और निकटतम परिवार के सदस्य
(d) परिवार और रिश्तेदार

85. 'लिंग' है: *[CTET-Sept.-2016-II]*
(a) जैविक सत्ता (b) शारीरिक संरचना
(c) सहज गुण (d) सामाजिक संरचना

86. विद्यालय और समाजीकरण के बारे में निम्नलिखित में से क्या सत्य है? *[CTET-Sept.-2016-II]*
(a) विद्यालय समाजीकरण का पहला मुख्य कारक हैं।
(b) विद्यालय समाजीकरण का एक महत्त्वपूर्ण कारक है।
(c) समाजीकरण में विद्यालय की कोई भूमिका नहीं होती।
(d) समाजीकरण में विद्यालय की बहुत थोड़ी भूमिका होती है।

87. 'समानान्तर खेल' क्या है? *[HTET.-2017]*
(a) समूह में खेलना (b) छोटे समूह में सहभागीत्व
(c) रोल प्ले (d) अलग-अलग खेलना

88. निम्नलिखित में से कौन बालक में नैतिक मूल्यों के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है? *[HTET.-2017]*
(a) प्रार्थना सभा (b) सही समाजीकरण
(c) बुद्धि (d) सभी विकल्प सही हैं

89. निम्नलिखित में कौन-सा लक्षण अन्तर्मुखी व्यक्तित्व का नहीं हैं? *[HTET.-2017]*
(a) आत्मकेन्द्रित (b) रूढ़िवादी
(c) सामाजिकता (d) दब्बु

90. वह अवस्था जब बालक अपने अभिभावकों के साथ कम आनन्दित होता है, सम्बन्धित है उसके: *[HTET.-2017]*
(a) शारीरिक विकास से
(b) मानसिक विकास से
(c) भाषा विकास से
(d) सामाजिक विकास से

91. सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों को कक्षा के महौल की आवश्यकता होती है, जो- *[CTET-Dec.-2018-I]*
(a) उनके सांस्कृतिक और भाषाई ज्ञान को महत्व देता है तथा उनका उपयोग करता है
(b) उनकी भाषा के उपयोग को हतोत्साहित करता है ताकि वे मुख्यधारा की भाषा सीख सकें
(c) बच्चों को उनकी क्षमताओं के आधार पर वर्गीकृत करता है।
(d) उन्हें अच्छा व्यवहार सिखाता है

92. निम्नलिखित में से कौन-सी कक्षा समृद्ध शिक्षा को प्रोत्साहित करती है? *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) वह कक्षा जिसमें खुली गतिविधि कोनें हों और विभिन्न प्रकार के बाल साहित्य खुली ताक (शेल्फ) में रखी हों, जो दिन के किसी भी समय प्राप्त किया जा सके
(b) अलमारी में अच्छी तरह संगठित सामग्री वाली कक्षा, जहाँ सामग्री को सप्ताह में एक बार मुक्त खेल के लिए बाहर लाया जाता हो
(c) पाठ्यपुस्तक सामग्री द्वारा संचालित संरचित और योजनाबद्ध अधिगम वाली कक्षा
(d) वह कक्षा जिसमें प्रदर्शित विभिन्न प्रकार की सामग्री बच्चों की पहुँच से परे हो ताकि सामग्री लंबे समय तक चलती रहे

93. आनुवंशिकता और पर्यावरण की भूमिका के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है? *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) सीखने और प्रदर्शन करने की एक बच्चे की क्षमता जीनों द्वारा पूरी तरह से निर्धारित की जाती है।
(b) अच्छी देखभाल और पौष्टिक आहार बच्चे के किसी भी जन्मजात विकार को दूर कर सकता है।
(c) पर्यावरण केवल बच्चे के भाषा-विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
(d) विकास के कुछ पहलू आनुवंशिकता और कुछ अन्य पर्यावरण से अधिक प्रभावित होते हैं।

94. एक उभयलिंगी व्यक्तित्व- *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) में आमतौर पर माने गए मर्दाना और स्त्री गुणों का समायोजन होता है
(b) में दृढ़ और अहंकारी होने की आदत है
(c) समाज में प्रचलित रूढ़िवादी लिंग भूमिकाओं का पालन करता है
(d) स्त्री लक्षणों वाले पुरुषों को संदर्भित करता है

95. जब सोचने की प्रक्रिया किसी भाषा द्वारा प्रभावित होती है, तो ऐसी स्थिति को कहते हैं- *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) भाषा निर्धारित
(b) संज्ञानात्मक पक्ष
(c) सामाजिक-भाषायी उद्धृत
(d) संस्कृति प्रभावित

96. "पुरुष और महिला की भूमिकाओं का निर्धारण समाज करता है।" यह कथन बताता है कि- *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) लैंगिकता एक आनुवंशिक प्रतिभा है
(b) लैंगिकता एक अंतर्ज्ञानी अवतरण है
(c) लैंगिकता एक सामाजिक अवतरण है
(d) लैंगिकता एक अंतर्निहित अवतरण है

97. स्कूल बच्चों के समाजीकरण की एक ऐसी संस्था है जहाँ- *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) प्रमुख स्थान स्कूल की दिनचर्या का होता है
(b) प्रमुख स्थान स्कूल की गतिविधियों का होता है
(c) प्रमुख स्थान स्कूल के शिक्षकों का होता है
(d) प्रमुख स्थान स्कूली बच्चों का होता है

98. जब आप एक शिक्षक समूह से जुड़ जाते हैं और अपने समूह के अन्य लोगों की ही तरह पोशाक धारण करने लगते हैं, तो आप प्रदर्शन कर रहे होते हैं- *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) समूह आज्ञाकारिता का
(b) समूह निर्देश-अनुपालन का
(c) समूह की अनुरूपता का
(d) समूह की पहचान का

99. ब्रॉनफेनब्रेनर के 'पारिस्थितिकीय तंत्र' के सिद्धांत के अनुसार निम्नांकित में से कौन-सा बालक के 'बृहत् क्षेत्र' में समाहित नहीं है? *[HTET-2019]*
(a) विद्यालय (b) मूल्य
(c) कानून (d) रीति रिवाज

100. जेंडर- *[CTET-July-2019-I]*
(a) एक आर्थिक अवधारणा है।
(b) एक जैविक निर्धारक है।
(c) एक मनोवैज्ञानिक सत्ता है।
(d) एक सामाजिक संरचना है।

101. निम्नलिखित में कौन प्राथमिक समाजीकरण माध्यम है? *[CTET-July-2019-I]*
(a) मीडिया (b) परिवार
(c) विद्यालय (d) सरकार

102. एक प्रारंभिक कक्षाकक्ष में एक बच्ची अपने साथ जो अनुभव लाती है *[CTET-July-2019-I]*
(a) उन्हें शामिल कर उनका संचय करना चाहिए।
(b) उन्हें अस्वीकार करना चाहिए।
(c) उसकी उपेक्षा करनी चाहिए।
(d) उन पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

103. एक बच्चा तर्क प्रस्तुत करता है कि हिंज को दवाई की चोरी नहीं करनी चाहिए (वह दवाई जो उसकी पत्नी की जान बचाने के लिए जरूरी है), क्योंकि यदि वह ऐसा करता है तो उसे पकड़ा जाएगा और जेल भेज दिया जाएगा। कोलबर्ग के अनुसार वह बच्चा नैतिक समझ की किस अवस्था के अंतर्गत आता है? *[CTET-July-2019-I]*
(a) सार्वभौम नैतिक सिद्धांत अभिविन्यास
(b) यंत्रीय उद्देश्य अभिविन्यास
(c) सामाजिक-क्रम नियंत्रक अभिविन्यास
(d) दण्ड एवं आज्ञापालन अभिविन्यास

104. खिलौने, पहनावे की वस्तुएँ, घरेलू सामग्रियाँ, व्यवसायों एवं रंगों को विशिष्ट लिंग के साथ संबंधित करना क्या प्रदर्शित करता है?
(a) जेंडर प्रासंगिकता (b) विकसित जेंडर पहचान
(c) जेंडर रूढ़िवादिता (d) जेंडर सिद्धांत

105. नीचे लिखी हुई स्थिति किस सिद्धांत को दर्शाती है? *[CTET-July-2019-I]*

"जों विद्यार्थी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं, वे महसूस करते हैं कि वे "पर्याप्त रूप से अच्छे" नहीं हैं और हतोत्साहित महसूस करते हैं। तब उनमें बिना प्रयास के कार्य को आसानी से छोड़ देने की संभावना है।"

(a) आनुवंशिकता एवं पर्यावरण संबंधित नहीं हैं।
(b) संज्ञान एवं संवेग अलग नहीं हैं।
(c) संज्ञान एवं संवेग संबंधित नहीं हैं।
(d) आनुवंशिकता एवं पर्यावरण अलग नहीं हैं।

106. अनेक शोध अध्ययनों से पता चलता है कि शिक्षक लड़कियों की अपेक्षा लड़कों से अधिक पारस्परिक क्रिया करते हैं। इसका सही विवेचन क्या है?
[CTET-July-2019-II]
(a) लड़कियों की तुलना में लड़कों को अधिक अवधान की आवश्यकता होती है।
(b) यह शिक्षण में लिंग पक्षपात का एक उदाहरण है।
(c) कक्षा में लड़कियों की तुलना में लड़कों को अधिक आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है।
(d) लड़कियों की तुलना में लड़कों में शैक्षिक क्षमताएं काफी अधिक होती हैं।

107. निम्नलिखित में से कौन-सा एक संरचनात्मक परिवेश के साथ-अनुकूल नहीं हो सकता है
[CTET-July-2019-II]
(a) विद्यार्थी सहयोगात्मक तरीके से कार्य करते हैं तथा आपस में कार्य-केंद्रित वार्ता में लगे रहने के लिए सहयोग दिया जाता है।
(b) शिक्षक प्रमुख प्रकरणों के संबंध में विद्यार्थियों के विचारों एवं अनुभवों को प्राप्त करते हैं तथा उनके वर्तमान ज्ञान की पुनर्संरचना या विस्तृत करने के लिए शिक्षण-अधिगम की योजना बनाते हैं।
(c) अध्यापक विशिष्ट सत्रावसान मूल्यांकन रणनीतियों को लागू करते हैं तथा प्रक्रियाओं के बजाय प्रदर्शन पर फीडबैक देते हैं।
(d) विद्यार्थियों को जटिल, सार्थक एवं समस्या-आधारित गतिविधियों में लगे रहने के लिए लगातार अवसर प्रदान किए जाते हैं।

108. समाचार-पत्रों से कहानियों एवं कतरनों का चयन करना एवं प्रस्तुत करना जो पुरुष एवं महिलाओं दोनों को गैर-परम्परागत भूमिकाओं में चित्रित करते हैं, निम्नलिखित में से किसके लिए एक प्रभावी रणनीति है? *[CTET-July-2019-II]*
(a) लैंगिक/जेंडर स्थिरता को बढ़ाने के लिए।
(b) रूढ़िवादी लैंगिक/जेंडर भूमिकाओं को प्रोत्साहन देने के लिए।
(c) लैंगिक/जेंडर रूढ़ियों का सामना करने के लिए।
(d) लैंगिक/जेंडर पक्षपात को बढ़ाने के लिए।

109. निम्नलिखित वर्णन को पढ़िए तथा कोहलबर्ग के नैतिक तर्क की अवस्था को पहचानिए।
[CTET-July-2019-II]

वर्णन:
अंत:करण के स्व-चयनित नैतिक सिद्धांतों के द्वारा सही कार्य परिभाषित किया जाता है जो कानून एवं सामाजिक समझौते पर ध्यान दिए बिना सम्पूर्ण मानवता के लिए वैध होता है।
(a) सामाजिक-अनुबंधन अभिविन्यास
(b) सामाजिक-क्रम व्यवस्था अभिविन्यास
(c) सार्वभौम नैतिक सिद्धांत अभिविन्यास
(d) यंत्रीय उद्देश्य अभिविन्यास

110. निम्नलिखित में से कौन बच्चे के समाजीकरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं?
[CTET-July-2019-II]
(i) मीडिया
(ii) विद्यालय
(iii) परिवार
(iv) पास-पड़ोस
(a) (ii), (iii) (b) (i), (iii), (iv)
(c) (i), (ii), (iii), (iv) (d) (iii), (i)

उत्तरमाला

1	(a)	**11**	(c)	**21**	(a)	**31**	(d)	**41**	(c)	**51**	(c)	**61**	(b)	**71**	(b)	**81**	(c)	**91**	(a)	**101**	(b)
2	(c)	**12**	(d)	**22**	(a)	**32**	(d)	**42**	(a)	**52**	(b)	**62**	(b)	**72**	(b)	**82**	(d)	**92**	(a)	**102**	(a)
3	(c)	**13**	(c)	**23**	(a)	**33**	(b)	**43**	(c)	**53**	(d)	**63**	(b)	**73**	(d)	**83**	(b)	**93**	(d)	**103**	(d)
4	(a)	**14**	(a)	**24**	(c)	**34**	(d)	**44**	(c)	**54**	(b)	**64**	(c)	**74**	(a)	**84**	(b)	**94**	(a)	**104**	(c)
5	(a)	**15**	(c)	**25**	(b)	**35**	(d)	**45**	(b)	**55**	(d)	**65**	(d)	**75**	(a)	**85**	(d)	**95**	(a)	**105**	(b)
6	(a)	**16**	(c)	**26**	(a)	**36**	(d)	**46**	(a)	**56**	(d)	**66**	(c)	**76**	(a)	**86**	(b)	**96**	(c)	**106**	(b)
7	(a)	**17**	(b)	**27**	(c)	**37**	(d)	**47**	(d)	**57**	(c)	**67**	(d)	**77**	(c)	**87**	(a)	**97**	(d)	**107**	(c)
8	(a)	**18**	(b)	**28**	(c)	**38**	(c)	**48**	(b)	**58**	(d)	**68**	(b)	**78**	(b)	**88**	(b)	**98**	(c)	**108**	(c)
9	(c)	**19**	(d)	**29**	(a)	**39**	(c)	**49**	(d)	**59**	(d)	**69**	(a)	**79**	(d)	**89**	(c)	**99**	(a)	**109**	(c)
10	(d)	**20**	(c)	**30**	(d)	**40**	(a)	**50**	(d)	**60**	(d)	**70**	(c)	**80**	(d)	**90**	(d)	**100**	(d)	**110**	(c)

व्याख्या सहित उत्तर

16. (c) प्राथमिक कक्षाओं में प्रवेश के समय लड़कियाँ, लड़कों से पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करती हैं, लेकिन कुछ समय बाद उनका प्रदर्शन नीचे की ओर चला जाता है। कई शिक्षाशास्त्रियों का यह भी मत है कि प्राथमिक शिक्षा में लड़कों पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है। अत:, एकल-गायन प्रतियोगिता के लिए लड़कियों को वरीयता देना, लैंगिक पूर्वाग्रह को दर्शाता है।
17. (b) समाजीकरण में शिक्षा का बहुत बड़ा योगदान है। उचित शिक्षा व्यक्ति में सामाजिक गुणों का विकास करती है, जिससे शिक्षित व्यक्ति अपने आस-पास के सामाजिक वातावरण में अनुकूलन एवं समायोजन स्थापित कर एक अच्छे समाज का निर्माण करता है।
30. (d) नर्सरी शिक्षण शुरू करने हेतु सबसे अच्छी विषय-वस्तु 'मेरा परिवार' होगी क्योंकि छात्र उसी के सम्पर्क में रहता है, ये रुचिकर, सरल व ज्ञात विषय-वस्तु है।
40. (a) एक शिक्षक को लैंगिक रूढ़िबद्धता से बचने के लिए लड़के एवं लड़कियों में कोई भेदभाव नहीं करना चाहिए एवं शैक्षिक गतिविधियों में लिंग के आधार पर कार्यों का विभाजन नहीं करना चाहिए।
41. (c) विद्यालयीय शिक्षा का उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए यह समझना आवश्यक है कि शिक्षार्थी सीखने योग्य हैं या नहीं। इसका कारण यह है कि सभी शिक्षार्थियों में वैयक्तिक विभिन्नताएँ पायी जाती हैं।
42. (a) शिक्षार्थियों में वैयक्तिक अधिगम विभिन्नताएँ होने पर उनके सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षकों को पाठ्य-पुस्तक के अतिरिक्त प्रभावी शिक्षण के लिए अन्य संसाधनों एवं क्रियाकलापों का प्रयोग करना चाहिए जिनमें बाल-केन्द्रित पाठ्यचर्या का पालन करना एवं शिक्षार्थियों को सीखने के अनेक अवसर उपलब्ध कराना शामिल हैं।
43. (c) समाजीकरण वह प्रक्रिया है जो व्यक्ति को सामाजिक परम्पराओं, प्रथाओं, रूढ़ियों, मूल्यों, आदर्शों आदि का पालन करना और विभिन्न सामाजिक परिस्थितियों में अनुकूलन करना सिखाता है।
44. (c) सामाजिक भूमिकाओं के कारण सौंपी गयी विशिष्टताएँ जेंडर भूमिका रूढ़िबद्धता कहलाती है। जैसे- महिलाओं के खिलाफ होने वाला भेदभाव सामाजिक भूमिकाओं के रूढ़िबद्धता के कारण होती है।
45. (b) कैप्टन विक्रम बत्रा द्वारा देश के लिए किया गया त्याग उनके आत्म-गौरव एवं आत्म-सिद्धि की प्राप्ति को दर्शाता है।
48. (b) समाजीकरण में सांस्कृतिक संचरण एवं वैयक्तिक व्यक्तित्व विकास सम्मिलित हैं।
71. (b) एक बहुभाषी कक्षा एक ऐसी कक्षा है जहाँ पर सीखने वाले विभिन्न प्रकार की भाषाएं बोलते हैं। बहुभाषी कक्षा में शिक्षक को सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए एवं सभी छात्रों को इस बात के लिए उत्साहित करना चाहिए कि बच्चे उनके साथ वार्तालाप करें।
72. (b) जन-संचार समाजीकरण का एक कारक है। टेलीविजन शो, फिल्में, संगीत, पत्रिकाएं, वेब साइट्स एवं मास मीडिया के दूसरे पहलू हमारे राजनीतिक विचारों, संस्कृति में हमारी रुचि, हमारे दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं।
73. (d) परिवार समाजीकरण का प्रथम सोपान है। परिवार छोटे बच्चों एवं बड़े बच्चों हेतु समाजीकरण का सबसे महत्वपूर्ण कारक है। अभिभावकों के विचार एवं व्यवहार उनके पुत्रों एवं पुत्रियों के व्यवहार को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं।
74. (a) लैंगिक भेदभाव एक पूर्वाग्रह या भेदभाव है जो कि किसी व्यक्ति के लिंग पर आधारित होते हैं।
75. (a) हम लिंगीय पक्षपात को इस रूप में देखते हैं कि अध्यापक एक लिंग का दूसरे लिंग से विभेदीकरण कैसे करते हैं। ऐसा निर्देशों द्वारा घटित होता है। लड़कों के बारे में यह कहा जाता है कि वे लड़कियों की अपेक्षा गणित में अच्छे होते हैं। इसी प्रकार लड़कियों के बारे में कहा जाता है कि वे पढ़ने में अच्छी होती हैं। शिक्षक लिंगीय भेदभाव के आधाार पर शैक्षिक विभेद भी करते हैं। वे लड़कियों की अपेक्षा लड़कों से तीव्र व्यवहार की उम्मीद करते हैं। वे लड़कियों से यह उम्मीद करते हैं कि वे गृहकार्य को ज्यादा तन्मयता के साथ करें। शिक्षक लड़कियों की अपेक्षा लड़कों की एक अलग प्रकार से प्रशंसा या आलोचना करते हैं। शिक्षक अकसर लड़कों की प्रशंसा या आलोचना लड़को से अलग प्रकार से करते हैं। वे लड़कों से कहते हैं कि तुमने यह कार्य अच्छी प्रकार से किया। लड़कियों से वे कहते हैं कि तुम इसको बेहतर ढ़ंग से कर सकती थी।
76. (a) कोई भी दो विद्यार्थी एक जैसे नहीं होते। वे किसी न किसी तरीके से एक-दूसरे से अलग होते हैं। इसलिए हर बच्चे को उसकी क्षमता के अनुसार विकास करने के अवसर उपलब्ध होने चाहिए।

77. (c) संस्कृति को प्राप्त करने की सामान्य प्रक्रिया को समाजीकरण कहते हैं। व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया में समाजीकरण आवश्यक है। मनुष्य के व्यक्तित्व का अधिकांश निर्माण गुणसूत्रों के परिणाम स्वरूप होता है। समाजीकरण की प्रक्रिया विशेष विश्वासों एवं अभिरुचियों को सामूहिक रूप से उपलब्ध करा रहे अनुभवों के साथ-साथ व्यक्तित्व को विशेष दिशा प्रदान करती है।

78. (b) भारत में बहुत से बच्चे, विशेषकर लड़कियाँ विद्यालय में आने से पहले और विद्यालय से वापस जाने के बाद घर का काम करती हैं। अत: शिक्षिका को बच्चों को ऐसा गृहकार्य देना चाहिए जो बच्चे की स्कूली शिक्षा को उसकी घरेलू ज़िंदगी के साथ जोड़े।

79. (d) एक सहशिक्षा कक्षा में लड़को से शिक्षक यह कहता है ,'' लड़के बनो और लड़कियों जैसा व्यवहार मत करो।'' यह टिप्पणी लड़के-लड़कियों में भेद भाव की रूढ़िबद्ध धारणा प्रकट करना है। वर्तमान समय में लड़के और लड़कियों को समान समझा जाता है, समान शिक्षा दी जाती है। दोनों ही समाज का अभिन्न अंग है, दोनों ही बराबर है। ऊपर दी गई टिप्पणी लड़के-लड़कियों में भेद उत्पत्र करने वाली भावना को प्रकट करती है जो सर्वथा गलत है।

80. (d) बच्चे के समाजीकरण में परिवार मुख्य भूमिका निभाता है। बच्चा जन्म के बाद से ही सीखना प्रारंभ कर देता है। अपने माता-पिता एवं परिवार के अन्य सदस्यों के साथ हुए अनुभवों का प्रभाव बच्चे के सामाजिक विकास पर पड़ता हैं।

82 (d) लैंगिक भूमिका समाज में स्वीकार वह व्यवहार है जो पुरुष और स्त्री के लिंग पर आधारित होते हैं।

84. (b) सामाजिक बनने की प्रक्रिया ही समाजीकरण कहलाती है। समाजीकरण का अर्थ उस प्रक्रिया से है जिसके द्वारा व्यक्ति अन्य व्यक्तियों से अंत: क्रिया करता हुआ सामाजिक आदतों, विश्वासों, रीति-रिवाजों तथा परंपराओं एवं अभिवृत्तियों को सीखता है।

86. (b) समाजीकरण की प्रक्रिया बालक के सामाजिक विकास को गति प्रदान करती हैं, घर, परिवार, पड़ोस, मित्र-मंडली, विद्यालय, जनसंचार साधन तथा राजनीतिक व सामाजिक संस्थाएँ बालक के समाजीकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। बालक के सामाजिक विकास में विद्यालय का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। विद्यालय बालक की समाजीकरण की दिशा को निर्धारित करती है।

89. (c) अंतर्मुखी बालक आदर्शवादी और संकोची स्वभाव वाले होते हैं। ये बालक बोलना और मिलना कम पसंद करते हैं।

91. (a) सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों को कक्षा के माहौल की आवश्यकता होती है, जो उनके सांस्कृतिक और भाषा ज्ञान को महत्त्व देता है तथा उनका उपयोग करता है। कक्षा में शिक्षा दिया जाता है और शिक्षा लोकतंत्रीकरण की प्रक्रिया है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसका लक्ष्य समाज में समता लाना और सामाजिक भेद को मिटाना है।

92. (a) वह कक्षा जिसमें खुली गतिविधि कोनें हैं और विभिन्न प्रकार के बाल साहित्य खुली ताक (शेल्फ) में रखी हो, जो दिन के किसी भी समय प्राप्त किया जा सके, यह कक्षा संमृद्ध शिक्षा को प्रोत्साहित करती है। पारम्परिक कक्षाओं में शिक्षक ही मौखिक भाषा के मुख्य स्रोत होते हैं और पाठ्यपुस्तकें लिखित भाषा की मुख्य स्रोत होती हैं।

93. (d) आनुवंशिकता और पर्यावरण की भूमिका के बारे में दिये गये कथन में विकास के कुछ पहलू आनुवंशिकता और कुछ अन्य पर्यावरण से अधिक प्रसावित होते हैं। वनस्पतियों तथा प्राणियों दोनों में आनुवंशिकता महत्त्वपूर्ण है। माता-पिता के गुण बच्चों में आते हैं जिसके कारण वैसा ही वातावरण तथा पर्यावरण विकसित होते हैं।

94. (a) एक उभयलिंगी व्यक्तित्व में आमतौर पर माने गये मर्दाना और स्त्री गुणों का समायोजन होता है। उभयलिंगी जीव उसे कहते हैं, जो एक ही समय अथवा विभिन्न समयों पर स्त्री तथा पुरुष दोनों प्रकार की प्रजनन कोशिकाएं उत्पन्न करते हैं। यह गुण जंतुओं और पादपों दोनों में मिलते हैं।

95. (a) जब सोचने की प्रक्रिया किसी भाषा द्वारा प्रभावित होती है, तो ऐसी स्थिति को भाषा निर्धारित कहते हैं भाषा या दृच्छिक ध्वनि प्रतीकों की वह व्यवस्था है, जिसके द्वारा एक मानव समुदाय अपने भावों व विचारों की परस्पर संप्रेषण करता है।

96. (c) "पुरुष और महिला की भूमिकाओं का निर्धारण समाज करता है।" यह कथन बताता है कि लैंगिकता एक सामाजिक अवतरण है। जन्म के साथ ही लड़कियों व लड़कों के लिए निर्दिष्ट सामाजिक और सांस्कृतिक प्रारूप ही लैंगिकता है। अवतरण का अर्थ होता है- पुनर्जन्म। जब बच्चा जन्म लेता है तो उसके बाद लिंग के आधार पर उस बच्चे की भूमिका तय किया जाता है।

97. (d) स्कूल बच्चों के समाजीकरण की एक ऐसी संस्था है जहां प्रमुख स्थान स्कूली बच्चों का होता है। शैक्षिक समाजशास्त्री बोगार्डस ने समाजीकरण को परिभाषित करते हुए कहा कि "समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा व्यक्ति सामाजिक कल्याण हेतु एक-दूसरे पर निर्भर रहकर व्यवहार करना सीखते हैं और जिसके द्वारा सामाजिक आत्म-नियंत्रण, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा संतुलित व्यक्तित्व का अनुभव प्राप्त करते हैं।" इन बातों को बच्चों को स्कूल में सीखाने की प्रक्रिया शुरू की जाती है और यह जीवन पर्यन्त चलती रहती है। स्कूल समाजीकरण का प्रमुख स्थान है।

98. (c) अनुरूपता, अभिवृत्तियों, विश्वासों और व्यवहारों को समूह मापदण्डों से मेल खिलाने की क्रिया है। एच. एम. जानसन ने अनुरूपता को परिभाषित करते हुए कहा कि जब शिक्षक समूह से जुड़ता है तब वह उस समूह की अनुरूपता का प्रदर्शन कर रहा होता है।

99. (a) ब्रॉनफेन ब्रेनर (1917-2005) 'पारिस्थितिकीय तंत्र' के सिद्धांत के लिए जाने जाते हैं। इस सिद्धांत के अनुसार मानव विकास विभिन्न प्रकार के पर्यावरण प्रणालियों से प्रभावित होता है। विद्यालय का क्षेत्र लघुक्षेत्र है तथा सामाजिक मूल्य, कानून तथा सामाजिक रीति-रिवाज एक बालक के लिए बृहत् क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

100. (d) जेंडर एक सामाजिक संरचना है। लिंग भेद का सिद्धांत मूलत: भेद पर ही आधारित है, अर्थात स्त्री तथा पुरुष में कुछ भेद पाए जाते हैं, भले ही हम कहें कि इनके बीच सामाजिक व शैक्षिक आधार पर कोई भेद नहीं है।

101. (b) समाजीकरण का अभिप्राय उस प्रक्रिया से है जिसके द्वारा व्यक्ति अन्य व्यक्तियों से अंत:क्रिया करता हुआ सामाजिक आदतों, विश्वासों, रीति-रिवाजों तथा परंपराओं एवं अभिवृत्तियों से सीखता है। परिवार प्राथमिक समाजीकरण का माध्यम है। बालक के समाजीकरण की प्रक्रिया जन्म के कुछ दिन बाद से ही प्रारंभ हो जाती है। इसकी शुरुआत परिवार से होती है। परिवार के सदस्य के रूप में बालक परिवार के अन्य सदस्यों से अंत:क्रियात्मक संबंध स्थापित करता है।

102. (a) एक प्रारंभिक कक्षाकक्ष में एक बच्ची अपने साथ जो अनुभव लाती है, उन्हें शामिल कर उनका संचय करना चाहिए। उन अनुभवों को आगे बढ़ाते हुए शैक्षणिक सोपानों का गठन करना चाहिए। प्रत्येक बच्चे का अपना पारिवारिक परिवेश होता है, उसी आधार पर अनुभवों में भिन्नता पाई जाती है। ये अनुभव शिक्षा में सहायक होते हैं।

103. (d) कोलबर्ग के अनुसार, दण्ड एवं आज्ञापालन अभिविन्यास के अंतर्गत आने वाला बच्चा अपराध एवं दण्ड की भूमिका से परिचित होता है। इस आधार पर वह किसी घटना पर अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करने में सक्षम हो जाता है।

104. (c) जेंडर रूढ़िवादिता के अंतर्गत खिलौने, पहनावे की वस्तुएं, घरेलू सामग्रियाँ, व्यवसायों तथा रंगों को किसी विशिष्ट लिंग (जेंडर) के साथ संबंधित करना शामिल है।

105. (b) संज्ञानात्मक विकास से तात्पर्य बालकों में संवेदी सूचनाओं को ग्रहण करना तथा उस पर चिंतन करना होता है। संवेग जैसे क्रोध, भय, प्रेम, इत्यादि बच्चों में स्वतंत्र एवं सहज रूप में अभिव्यक्त होते हैं।

106. (b) शिक्षण गतिविधियों के दौरान इस प्रकार का प्रकरण परिलक्षित होता है कि शिक्षक सामान्यत: बालकों की तुलना में बालिकाओं को कमतर आँकते हैं। उन्हें सरल विषयों की ओर प्रोत्साहित करते हैं। उन्हें ये लगता है कि बालिकाओं को गृह प्रबंधन तक ही सीमित रहना चाहिए। यह एक प्रकार का लिंग पक्षपात का उदाहरण है।

107. (c) एक संरचनात्मक परिवेश में विद्यार्थी सहयोगात्मक तरीके से कार्य करते हैं तथा आपस में कार्य केन्द्रित वार्ता में लगे रहते हैं। शिक्षक प्रमुख प्रकरणों के संबंध में विद्यार्थियों के विचारों एवं अनुभवों को प्राप्त करते हैं। विद्यार्थियों को जटिल सार्थक एवं समस्या आधारित गतिविधियों में लगे रहने के लिए लगातार अवसर प्रदान किए जाते हैं।

108. (c) समाचार-पत्रों से कहानियों एवं कतरनों का चयन करना एवं प्रस्तुत करना जो पुरुष एवं महिलाओं दोनों को गैर परम्परागत भूमिकाओं में चित्रित करते हैं, लैंगिक रूढ़ियों का सामना से संबंधित है। इस प्रकार की प्रवृत्ति सामाजिक समन्वयन में बाधक होती है। कक्षा में बच्चों में लैंगिक समानता का भाव उत्पन्न किया जाना चाहिए।

109. (c) सार्वभौम नैतिक सिद्धांत अभिविन्यास में अंत:करण के स्वचयनित नैतिक सिद्धांतों के द्वारा सही कार्य परिभाषित किया जाता है जो कानून एवं सामाजिक समझौते पर ध्यान दिए बिना संपूर्ण मानवता के लिए वैध होता है। अंत:करण की नैतिक चेतना सार्वभौमिक होती है। वह प्राणीमात्र के लिए संदर्भित होती है।

110. (c) मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह समाज में रहता है तथा अपना विकास करता है, समाज के बिना उसका विकास असंभव है तथा वह समाज की परंपराओं विचारों रहन-सहन के तरीकों को अपनाता है। किसी भी बच्चे के समाजीकरण में मीडिया, विद्यालय, परिवार तथा पास-पड़ोस आदि की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

अभ्यास-2

1. व्यवहारवाद की स्थापना की थी-
(a) जे.बी. वाटसन (b) सिग्मंड फ्रायड
(c) स्किनर (d) अल्फर्ड बिने।

2. भाषा विकास को प्रभावित करने वाले कारक हैं-
(a) स्वास्थ्य (b) बुद्धि
(c) यौन विभिन्नता (d) उपरोक्त सभी

3. भाषा विकास में बाधा नहीं है-
(a) तुतलाना (b) हकलाना
(c) अस्पष्ट उच्चारण (d) अनुकरण करना।

4. समाजीकरण का सर्वप्रथम व शक्तिशाली अभिकरण है-
(a) घर (b) समाज
(c) विद्यालय (d) कोई नहीं।

5. समाजीकरण से अभिप्राय नहीं है-
(a) समाज में रहकर उसके आदर्शों, मूल्यों में विश्वास
(b) समाज की जीवन-शैली को अपनाना
(c) समाज का कुशल सदस्य बनना
(d) संप्रत्यय निर्माण का विकास करना।

6. समाजीकरण में सहायक है-
(a) संगी-साथी (b) जाति-समुदाय
(c) स्काउट-गाइड (d) उपरोक्त सभी।

7. भाषा सीखने की दृष्टि से सबसे अधिक ग्राह्य आयु क्या होती है?
(a) जन्म से 3 वर्ष (b) 1 से 3 वर्ष
(c) 2 से 5 वर्ष (d) 3 से 6 वर्ष

8. दूसरे वर्ष के अन्त तक शिशु का शब्द-भंडार हो जाता है-
(a) 50 शब्द (b) 10 शब्द
(c) 60 शब्द (d) 100 शब्द

9. तर्क, जिज्ञासा, निरीक्षण शक्ति का विकास होता है-
(a) 7 वर्ष में (b) 11 वर्ष में
(c) 6 वर्ष में (d) 9 वर्ष में

10. एक शिक्षक होने के नाते आप सामाजिक शिक्षण को क्यों महत्त्वपूर्ण मानते हैं?
(a) बच्चों के समाजीकरण में सहायक है
(b) बच्चों को अच्छे प्राप्तांक दिलाने में सहायक है
(c) यह सबसे आसान शिक्षण है
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

11. आप अपनी कक्षा में बच्चों का सामाजिक, शारीरिक व संवेगात्मक विकास करना चाहते हैं, तो निम्न में से आप किसका चुनाव करेंगे?
(a) आप कक्षा को बन्द कर सभी बच्चों को उनके घर भेज देंगे
(b) बच्चों को विभिन्न प्रकार की खेल प्रक्रिया सिखाएंगे
(c) बच्चों को कक्षा में चुपचाप बैठकर पढ़ने को कहेंगे तथा साथ ही आप भी चुपचाप बैठ जाएंगे
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

12. 'प्रतिद्वन्द्वात्मक समाजीकरण' की अवस्था कहा जाता है-
(a) शैशवावस्था को (b) बाल्यावस्था को
(c) किशोरावस्था को (d) प्रौढ़ावस्था को।

13. किसी बालक के भाषायी विकास में प्राक्-भाषा की पहली अवस्था है।
(a) दूसरो की भाषा समझना
(b) प्रथम शब्द बोलना
(c) रुदन
(d) शब्दोच्चारण

14. स्मिथ के अनुसार पाँच वर्ष की आयु में बालकों के शब्द भण्डार की संख्या लगभग होती है।
(a) 540 (b) 850 (c) 2072 (d) 1580

15. अशुद्ध उच्चारण सुधारा जा सकता है।
(a) पुनरावृत्ति द्वारा
(b) समानता वाले शब्दों का उच्चारण
(c) शब्दों को खण्डों में बाँटकर
(d) उपरोक्त सभी

16. किसी बालक में भाषा-विकास के उत्तरकालीन रूप की दूसरी अवस्था है
(a) क्रन्दन-रुदन (b) शब्द-भण्डार की निर्माण
(c) हाव-भाव (d) भाषा-बोध

17. किसी बालक के भाषा विकास को प्रभावित करने वाला कारक नहीं है
(a) सामाजिक-आर्थिक स्थिति
(b) द्वि-भाषावाद
(c) अच्छा स्वास्थ्य
(d) कमजोर बुद्धि

18. निम्न में से क्या भाषा शिक्षण का सिद्धान्त है?
(a) रुचि का सिद्धान्त
(b) वैयक्तिक भिन्नता का सिद्धान्त
(c) क्रिया का सिद्धान्त
(d) ये सभी

19. निम्नलिखित में से क्या भाषा दोष नहीं है।
(a) ध्वनि में अशुद्ध उच्चारण होना
(b) ध्वनि का अत्यन्त तीव्र होना
(c) ध्वनि के प्रतिस्थापन का न होना
(d) ध्वनि में पुनरावृत्ति होना

20. निम्न में से क्या किसी बालक के भाषा विकास का प्रारम्भिक रूप नहीं है?
(a) रोना (b) आकलन
(c) हाव-भाव (d) बलबलाना

21. समाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसे बच्चे व वयस्क सीखते हैं
(a) परिवार से (b) विद्यालय से
(c) श्रेष्ठ जनों से (d) इन सभी से

22. विद्यायल बच्चों का अपने परिवार, जाति, आस-पड़ोस से अर्जित किस दृश्य प्रवृत्ति को दूर कर उनका समाजीकरण करते हैं?
(a) संकीर्णता (b) अन्धविश्वास
(c) कुरीतियाँ (d) ये सभी

23. समाजीकरण की प्रक्रिया में शिक्षक का उत्तरदयित्व है
(a) समाजीकरण वातावरण का निर्माण
(b) सामूहिक कार्यों को प्रोत्साहन
(c) सांस्कृतिक कार्यों का प्रोत्साहन
(d) उपरोक्त सभी

24. विद्यालय समाजीकरण के क्षेत्र में न केवल इसका अभिकारण है अपितु वह समाज की सांस्कृतिक प्रगति का है
(a) संरक्षक भी (b) संशोधक भी
(c) आलोचक भी (d) समर्थक भी

25. बालक के सामाजिक विकास में सबसे महत्त्वपूर्ण है
(a) जाति भेद (b) आनुवंशिकता
(c) वातावरण (d) (b) और (c)

26. 'प्रतिद्वन्द्वात्मक समाजीकरण' की अवस्था कहा जाता है।
(a) शैशवावस्था को (b) बाल्यावस्था को
(c) किशोरावस्था को (d) प्रौढ़ावस्था को

27. शिक्षक, शिक्षार्थियों पर समाजीकरण हेतु प्रभाव निम्नांकित प्रविधि से डाल सकता हैं
(a) बौद्धिक क्रियाओं में भाग लेने के लिए उत्प्रेरित करके
(b) उनका पृष्ठपोषण कर उन्हें वांछित व्यवहार करने हेतु सुझाव देकर
(c) अपना उदाहरण प्रस्तुत कर अनुकरण हेतु प्रेरित करके
(d) उपरोक्त सभी

28. बालक के समाजीकरण का प्रमुख तत्व है
(a) वंशानुक्रम (b) पर्यावरण
(c) परिवार (d) ये सभी

29. एक अध्यापक को अपनी कक्षा में निम्न में से किस तथ्य को नकारना चाहिए?
(a) छात्र-छात्राओं के पठन सम्बन्धी विकारों को
(b) छात्र-छात्राओं के मध्य लैंगिक भेदभाव को
(c) छात्र-छात्राओं के व्यवहार सम्बन्धी विकारों को
(d) छात्र-छात्राओं के झगडों से सम्बन्धित मुद्दों को

30. छात्राओं पर लैंगिक भेदभाव का प्रभाव पड़ता है उनके
(a) सामाजिक उत्थान में (b) सामाजिक दृष्टिकोण में
(c) शैक्षिक योग्यता में (d) उपरोक्त सभी में

31. लैंगिक भेदभाव को दूर करने के लिए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक उपाय है।
(a) छात्र-छात्राओं के लिए असमान प्रावधान
(b) छात्र-छात्राओं के लिए समान प्रावधान
(c) छात्रों के लिए विशिष्ट प्रावधान
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

32. समाजीकरण की प्रक्रिया में किसी बच्चे के सामाजिक मूल्यों और सामाजिक प्रतिमानों को सीखने की सम्भावना निर्भर करती है
(a) बच्चे की शारीरिक वृद्धि पर
(b) बच्चे के साथी समूह पर
(c) बच्चे के घर के पास स्थित मन्दिर पर
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

33. समाजीकरण की प्रक्रिया में अनुकरण को 'उपयोगी तथा विकासात्मक' बनाने के लिए आवश्यक तत्व हैं
(a) परिवार एवं पड़ोस (b) गाँव एवं शहर
(c) देश एवं राजनीति (d) परिवहन एवं संचार साधन

34. निम्नलिखित में से समाजमिति विधि के प्रणेता है-
(a) हरबर्ट (b) जीन पियाजे
(c) जे एल मोरेनो (d) थोर्नडाईक

35. ''किसी बात को अच्छी तरह याद रखने के लिए अच्छी तरह सीख लेना, आधी से ज्यादा लड़ाई जीत लेना है।'' यह कथन किस प्रसिद्ध मनोविज्ञानी का है?
(a) स्किनर का (b) गिल्फोर्ड का
(c) रायबर्न (d) हेबर का

36. वर्तमान समय में मनोविज्ञान है
(a) मस्तिष्क का विज्ञान (b) व्यवहार का विज्ञान
(c) चेतना का विज्ञान (d) आत्मा का विज्ञान

उत्तरमाला

1	(a)	**5**	(d)	**9**	(b)	**13**	(c)	**17**	(c)	**21**	(d)	**25**	(c)	**29**	(b)	**33**	(a)
2	(d)	**6**	(d)	**10**	(a)	**14**	(c)	**18**	(d)	**22**	(d)	**26**	(b)	**30**	(d)	**34**	(c)
3	(d)	**7**	(d)	**11**	(b)	**15**	(d)	**19**	(c)	**23**	(d)	**27**	(d)	**31**	(b)	**35**	(b)
4	(a)	**8**	(d)	**12**	(b)	**16**	(b)	**20**	(b)	**24**	(a)	**28**	(d)	**32**	(b)	**36**	(b)

3 बाल-केन्द्रित शिक्षा व प्रगतिशील शिक्षा

बाल-केन्द्रित शिक्षा के विषय में मुख्य रूप से राष्ट्रीय पाठ्यचर्या-2005 में विवरण मिलता है। हालांकि प्रकृतिवादियों के समय से बाल-केन्द्रित व क्रिया-केन्द्रित शिक्षा की बात की जाती रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 और प्रोग्राम ऑफ एक्शन, 1992 ने 14 वर्ष की आयु तक सभी बच्चों का सार्वभौमिक नामांकन तथा सार्वभौमिक रूप से उन्हें स्कूल में टिकाए रखने तथा स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में ठोस सुधार के लिए बाल-केन्द्रित उपागम का विचार प्रस्तुत किया था।

समाज में मिलने वाली अनौपचारिक शिक्षा, विद्यार्थी में अपना ज्ञान स्वयं सृजित करने की स्वाभाविक क्षमता को विकसित करती है जिससे विद्यार्थी में अपने आस-पास के सामाजिक व भौतिक वातावरण से और विभिन्न कार्यों से जुड़ने की क्षमता बढ़ती है।

बाल-केन्द्रित शिक्षा का अर्थ बच्चों के अनुभवों, उनके स्वरों और उनकी सक्रिय सहभागिता को प्राथमिकता मनोवैज्ञानिक विकास व अभिरुचियों के मद्देनजर शिक्षा को नियोजित करने की आवश्यकता होती है। इसलिए शिक्षा की योजना इस प्रकार हो कि वह विशेषताओं व जरूरतों की विशाल विविधताओं के तहत भौतिक, सांस्कृतिक तथा सामाजिक प्राथमिकताओं को सम्बोधित करें। अधिकांशतः स्कूलों के शैक्षिक अभ्यास, सिखाने के कार्य और विद्यार्थियों के लिए बनाई गई पुस्तकें, उनके समाजीकरण और उनके सीखने में ग्रहणशीलता के गुण पर बल दिया जाता है। जबकि हमें उनकी सक्रियता व रचनात्मक सामर्थ्य को पोषित और संवर्द्धित करना चाहिए और दुनिया से वास्तविक तरीकों से सम्बन्ध बैठाने, दूसरों से जुड़ने की उनकी मूल अभिरुचि या अर्थ ढूँढ़ने की जन्मजात रुचि को पोषित करना चाहिए।

इस प्रकार बाल-केन्द्रित व प्रगतिशील शिक्षा के उद्देश्य एक जैसे ही हैं।

प्रगतिशील शिक्षा संगठन, जिसकी स्थापना **स्टैनवुड कोव (Stanwood Cobb)** व अन्य ने की थी, इन्होंने 1919 से 1955 तक शिक्षा में बाल-केन्द्रित उपागम को प्रोत्साहित करने के लिए कार्य किया, आठ सालों तक प्रगतिशील कार्यक्रमों को चलाकर उनका मूल्यांकन किया गया। 1500 छात्रों का, चार साल से भी ज्यादा समय तक, परम्परागत विद्यालयों से पढ़ने वाले छात्रों से तुलना की गई और परिणामस्वरूप वे बेहतर पाये गये।

प्रगतिशील शिक्षा व बाल-केन्द्रित शिक्षा की मुख्य विशेषताएँ निम्न हैं-

1. **करके सीखने पर बलः** छात्र स्वयं अपने हाथों से करके सीखें, विभिन्न योजनाएँ व अधिगम अनुभव द्वारा सीखें।
2. **समस्या-समाधान व आलोचनात्मक चिन्तन पर बलः** छात्र समस्या-समाधान की दिशा में प्रेरित हो, वह खुद विभिन्न प्रकार से चिन्तन करके अपनी समस्याओं का हल ढूँढ़ें।
3. **सामूहिक कार्य व सामाजिक कुशलता पर बल :** बालक विभिन्न सामूहिक कार्यों में व्यस्त रहें व विभिन्न सामाजिक कौशलों का ज्ञान प्राप्त करें।
4. **सामाजिक दायित्व व प्रेजातंत्र के लिए शिक्षा :** बालक शिक्षा प्राप्त कर सामाजिक दायित्व की पूर्ति करने योग्य हों।
5. **जीवन-पर्यन्त अधिगम व सामाजिक कौशलों पर बल :** अधिगम अनुभव सम्पूर्ण जीवन प्राप्त होते रहें व सामाजिक कौशलों की शिक्षा पर बल दें।
6. **भावी समाज में आवश्यक कुशलता को ध्यान में रखकर विषय-वस्तु का चयन :** भविष्य में समाज में जिन कौशलों की आवश्यकता है, उनको ध्यान में रखकर ही पाठ्य-सामग्री का चयन हो।
7. **सहयोगी अधिगम योजनाएँ :** अधिगम योजनाएँ हों, जिन्हें पूर्ण करने में आपसी सहयोग की आवश्यकता हो।
8. **पाठ्यचर्या अधिक लचीली व छात्र रुचि के अनुभव :** पाठ्यचर्या में लचीलापन व विविधता हो। वह छात्रों की रुचि के अनुसार हो।
9. **खोजपूर्ण विधि से अधिगम :** अध्यापक बालकों को खोजपूर्ण विधि से सीखने हेतु प्रेरित करें।
10. **क्रिया की प्रधानता :** अध्यापक ऐसे अधिगम को प्रेरित करें जिसमें बहुविध क्रियाओं द्वारा अधिगम हों।

वैयक्तिक विभिन्नताएँ (Individual Difference)

वैयक्तिक विभिन्नता प्रकृति का स्वाभाविक गुण व देन है। सामान्यत: सभी व्यक्ति समान दिखाई देते हैं, किन्तु सूक्ष्म रूप से देखने पर ज्ञात होता है कि उनमें परस्पर अन्तर आवश्यक है। एक ही माता-पिता की संतानें भी शारीरिक बनावट, मानसिक योग्यताओं तथा व्यक्तित्व के गुणों आदि में समान नहीं दिखाई देतीं।

वैयक्तिक विभिन्नता का मुख्य कारण वंशानुक्रम व वातावरण है। प्रत्येक व्यक्ति में कुछ विशेषताएँ होती हैं, जो उसे दूसरे व्यक्ति से अलग करती हैं। वंशानुक्रम का अध्ययन करते समय, 19वीं शताब्दी में **सर फ्रांसिस गाल्टन** का ध्यान वंशानुक्रम की ओर गया। 20वीं शताब्दी में, **पियर्सन, कैटेल** व **रिमैन** आदि मनोवैज्ञानिकों ने इसका अध्ययन किया। फलस्वरूप वैयक्तिक विभिन्नता को जानकर, शिक्षाशास्त्रियों ने शिक्षा की योजना, उपयुक्त उपयोगी शिक्षा प्रणालियों व सिद्धान्तों का निर्माण किया। **स्किनर** ने कहा- ''बालक की प्रत्येक सम्भावना के विकास का एक विशिष्ट काल होता है। यह विशिष्ट काल वैयक्तिक भेद के अनुसार प्रत्येक में भिन्न-भिन्न होता है, यदि उचित समय पर इस सम्भावना को विकसित करने का प्रयत्न न किया जाए, तो उसके नष्ट होने का भय रहता है।''

अर्थ व परिभाषाएँ:

कार्टर बी. गुड द्वारा रचित 'Dictionary of Education' के अनुसार-

(i) व्यक्तियों में किसी एक विशेषता या अनेक विशेषताओं को लेकर पाये जाने वाला अन्तर।

(ii) अपने सम्पूर्ण में वे सारे भेद अन्तर, जो एक व्यक्ति को दूसरे से अलग करते हैं।

टायलर के अनुसार, ''शरीर के रूप-रंग, आकार, कार्य, बुद्धि, गति, ज्ञान, उपलब्धि, रुचि, अभिरुचि आदि लक्षणों में पायी जाने वाली विभिन्नता को वैयक्तिक विभिन्नता कहते हैं।''

अत: स्पष्ट है कि वैयक्तिक विभिन्नता उन सभी क्षमताओं तथा लक्षणों आदि से सम्बन्धित है जिनसे व्यक्तित्व का विकास व निर्माण होता है।

वैयक्तिक विभिन्नता के आधार

1. **वंशानुक्रम :** माता-पिता व अन्य पूर्वजों से संतान को प्राप्त होने वाला गुण। इन्हीं के कारण प्रत्येक मनुष्य में विभिन्नता और समानता भी दिखाई देती है।
2. **पर्यावरण :** मानव विकास में पर्यावरण का स्थान बड़ा महत्त्वपूर्ण है। पर्यावरण में वे सभी तत्त्व आते हैं जो मानव विकास व उसके सम्बन्धों को प्रभावित करते हैं, पर्यावरण का अर्थ व्यापक है। इसके प्रभाव से ही वैयक्तिक विभिन्नता विकसित होती है।

वैयक्तिक विभिन्नता के कारण

- वंशानुक्रम
- आयु व बुद्धि
- लिंग-भेद
- वातावरण
- जाति-प्रजाति व राष्ट्र
- पृष्ठभूमि
- स्वास्थ्य
- शिक्षा व आर्थिक स्तर
- परिपक्वता

वैयक्तिक विभिन्नता के प्रकार

सीखने में अन्तर | रूचि में अन्तर | स्वभाव में अन्तर

1. शारीरिक विकास में विभिन्नता
2. मानसिक विकास के विभिन्नता
3. सांवेगिक विकास में विभिन्नता
4. व्यक्तित्व सम्बन्धी विभिन्ता
5. उपलब्धियों में अन्तर
6. ज्ञानात्मक व क्रियात्मक क्षमताओं में अन्तर

वैयक्तिक विभिन्नता जानने की विधियाँ

(1) परीक्षण
(2) व्यक्ति इतिहास विधि
(3) सामूहिक अभिलेख

(A) बुद्धि परीक्षण
(B) उपलब्धि परीक्षण
(C) अभियोग्यता परीक्षण
(D) निदानात्मक परीक्षण
(E) अभिवृत्ति परीक्षण
(F) व्यक्तित्व परीक्षण
(G) अभिरुचि परीक्षण

वैयक्तिक विभिन्नता पर आधारित शिक्षण प्रक्रिया :

	प्रणाली	जन्मदाता	विशेषतायें
1.	डाल्टन	अमेरिकन शिक्षाशास्त्रिणी मिस हेलन पार्कहर्स्ट	- समय सारणी नहीं। - हर विषय की प्रयोगशाला। - छात्र स्वतंत्र।
2.	प्रोजेक्ट प्रणाली	मूलाधार जॉन डीवी, परन्तु प्रणाली के रूप में जन्मदाता विलियम हेड किलपैट्रिक	- परिस्थिति उत्पन्न करना - बालक को नवीन शिक्षा देना - स्वयं सामाजिक वातावरण को पूरा करता है।
3.	डेक्रोली	डा. ओविड ड्रेकोली	- जीवन के लिए जीवन द्वारा शिक्षा - बालकों का विभाजन उनकी रुचि, क्षमता योग्यता के अनुसार।
4.	किण्डर गार्टन प्रणाली	फ्रोबेल	- पुस्तकीय ज्ञान का विरोध - बाल-केन्द्रित प्रणाली - खेल द्वारा शिक्षा
5.	विनेटिका प्रणाली	अमेरिका के डा. कार्लटन वाशबर्न	- बालक के व्यक्तित्व को प्रधानता - पाठ्यक्रम विभाजन - छात्र अपनी गति से सीखकर स्वयं अपनी परीक्षा लेता है।
6.	माण्टेसरी प्रणाली	जन्मदात्री डा. मेरिया माण्टेसरी	- मनोवैज्ञानिक प्रणाली - व्यवहारिक उपकरणों व सभी इन्द्रियों के माध्यम से शिक्षा।
7.	बेसिक शिक्षा प्रणाली	मोहनदास कर्मचंद गांधी	- सर्वांगींण विकास पर बल - अनिवार्य व निशुल्क शिक्षा - हस्तकला पर आधारित मातृभाषा पर आधारित
8.	गैरी शिक्षण प्रणाली	डब्ल्यू ए. बर्ट	- तीन प्रमुख बातों पर बल, खेल, कार्य पर अध्ययन

इन विधियों के अतिरिक्त संविदा विधि, क्रियात्मक विधि, अभिक्रमित अनुदेशन, कहानी पद्धति, वार्तालाप विधि पर्यवेक्षित विधि का आवश्यकतानुसार प्रयोग करना चाहिए।

अभ्यास-1 : विगत वर्षों के CTET एवं STET के प्रश्न

1. प्राथमिक स्तर पर एक शिक्षक में निम्न में से किसे सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता मानना चाहिए? *[CTET-2011-I]*
(a) शिक्षण-पद्धतियों और विषयों के ज्ञान में दक्षता
(b) अति मानक भाषा में पढ़ाने में दक्षता
(c) पढ़ाने की उत्सुकता
(d) धैर्य और दृढ़ता।

2. निचली कक्षाओं में शिक्षण की खेल-पद्धति मूल रूप से आधारित है- *[CTET-2011-I]*
(a) विकास एवं वृद्धि के मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों पर
(b) शिक्षण के समाजशास्त्रीय सिद्धान्तों पर
(c) शारीरिक शिक्षा कार्यक्रमों के सिद्धान्त पर
(d) शिक्षण-पद्धतियों के सिद्धान्तों पर।

3. शिक्षा के क्षेत्र में 'पाठ्यचर्या' शब्दावली ..... की ओर संकेत करती है। *[CTET-2011-I]*
(a) मूल्यांकन प्रक्रिया
(b) कक्षा में प्रयुक्त की जाने वाली पाठ्य सामग्री
(c) शिक्षण-पद्धति एवं पढ़ाई जाने वाली विषय-वस्तु
(d) विद्यालय का सम्पूर्ण कार्यक्रम जिसमें विद्यार्थी प्रतिदिन अनुभव प्राप्त करते हैं।

4. एक शिक्षक को अपने विद्यार्थियों की क्षमताओं को समझने का प्रयास करना चाहिए। निम्नलिखित में से कौन-सा क्षेत्र इस उद्देश्य के साथ संबद्ध है? *[CTET-2011-I]*
(a) मीडिया-मनोविज्ञान (b) शिक्षा-मनोविज्ञान
(c) शिक्षा-समाजशास्त्र (d) सामाजिक दर्शन।

5. निम्नलिखित में से कौन-सा 'समझ के लिए शिक्षण' को प्रदर्शित नहीं करता? *[CTET-2011-II]*
(a) विद्यार्थियों को एकाकी तथ्यों और प्रक्रियाओं को याद करने के योग्य बनाना
(b) परिघटना या अवधारणा को अपने शब्दों में अभिव्यक्त करने के लिए विद्यार्थियों को कहना
(c) नियम कैसे काम करता है, इसे स्पष्ट करने हेतु उदाहरण उपलब्ध कराने के लिए विद्यार्थियों को पढ़ाना
(d) समानता और अंतर देखने और सादृश्यता स्थापित करने के लिए विद्यार्थियों की सहायता करना।

6. व्यक्तिगत शिक्षार्थी एक-दूसरे से.....में भिन्न होते हैं। *[CTET-2011-II]*
(a) विकास की सामान्य क्षमता
(b) वृद्धि एवं विकास के सिद्धांतों
(c) विकास की दर
(d) विकास-क्रम।

7. बच्चे के विकास के सिद्धांतों को समझना शिक्षक की सहायता करता है- *[CTET-2011-II]*
(a) शिक्षार्थियों की भिन्न अधिगम-शैलियों को प्रभावी रूप में संबोधित करने में
(b) शिक्षार्थी के सामाजिक स्तर को पहचानने में
(c) शिक्षार्थी की आर्थिक पृष्ठभूमि को पहचानने में
(d) शिक्षार्थियों को क्यों पढ़ाना चाहिए-यह औचित्य स्थापित करने में।

8. प्रत्येक शिक्षार्थी स्वयं में विशिष्ट है। इसका अर्थ है कि- *[CTET-2011-II]*
(a) एक विषमरूपी कक्षा में शिक्षार्थियों की क्षमताओं को विकसित करना असंभव है
(b) कोई भी दो शिक्षार्थी अपनी योग्यताओं, रुचियों और प्रतिभाओं में एक समान नहीं होते
(c) शिक्षार्थियों में न तो कोई समान विशेषताएं होती हैं और न ही उनके लक्ष्य समान होते हैं
(d) सभी शिक्षार्थियों के लिए एक समान पाठ्यचर्या संभव नहीं है।

9. विद्यार्थियों की अभिवृत्तियों में परिवर्तन के लिए निम्न में से किस विधि का प्रयोग अध्यापक को नहीं करना चाहिए? *[RTET-2011-I]*
(a) दबाव से किसी बात या विचार के लिए राजी करना
(b) किसी विचार को दोहराना अथवा दृढ़तापूर्वक व्यवहार
(c) किसी प्रशंसनीय व्यक्ति के द्वारा समर्थन एवं स्वीकृति
(d) संदेश के साथ साहचर्य स्थापित करना।

10. निम्न में से कौन-सा कथन शिक्षण के बारे में सत्य नहीं है? *[RTET-2011-I]*
(a) शिक्षण में सुधार किया जा सकता है
(b) शिक्षण औपचारिक एवं अनौपचारिक है
(c) शिक्षण विज्ञान के साथ-साथ कला भी है
(d) शिक्षण अनुवेशन है।

11. विद्यार्थियों को विद्यालय में खेलना क्यों उचित है? *[UPTET-2011-I]*
(a) यह उन्हें शारीरिक रूप से सशक्त बनाएगा
(b) यह शिक्षकों के लिए काम आसान करेगा
(c) यह समय बिताने में सहायक होगा
(d) यह सहयोग एवं शारीरिक संतुलन का विकास करेगा।

12. निम्न में से कौन शिक्षण कुशलता से संबंधित है? *[UPTET-2011-I]*
(a) श्यामपट्ट पर लिखना
(b) प्रश्नों को हल करना
(c) प्रश्न पूछना
(d) इनमें से सभी।

13. शिक्षा की किण्डरगार्टेन पद्धति का प्रतिपादन किया- *[UPTET-2011-I]*
(a) टि० पी० नन ने (b) स्पेंसर ने
(c) फ्रोबेल ने (d) माण्टेसरी ने।

14. एक शिक्षक को साधन सम्पन्न होना चाहिए। इसका अर्थ हैं *[UPTET-2011-I]*
(a) उनके पास पर्याप्त धन-सम्पदा होनी चाहिए ताकि उसे शिक्षण देने की जरूरत न पड़े
(b) उनका अधिकारियों के उच्च स्तर से संपर्क होना चाहिये
(c) उनको अपने विद्यार्थियों की समस्याओं को हल करने का पर्याप्त ज्ञान होना चाहिए
(d) विद्यार्थियों के बीच उनकी प्रसिद्धि होनी चाहिए।

15. यदि कुछ विद्यार्थी कक्षा में अध्ययन की चित्तवृत्ति में नहीं हैं, तो आप- *[UPTET-2011-I]*
(a) उन्हें अध्ययन के लिए बाध्य करेंगे
(b) उन विद्यार्थियों को कक्षा छोड़ने के लिए कहेंगे
(c) उन्हें चेतावनी देंगे कि वे अवश्य अध्ययन करें नहीं तो आप प्रधानाध्यापक को सूचित कर देंगे
(d) उन्हें उनकी रुचि अथवा आप अपने विषय के अनुसार रुचिपूर्ण चीजें बताएँगे।

16. शिक्षण का सत्तावादी स्तर है- *[UPTET-2011-II]*
(a) शिक्षक-केन्द्रित (b) छात्र-केन्द्रित
(c) प्रधानाध्यापक-केन्द्रित(d) अनुभव-केन्द्रित।

17. अपने विद्यार्थियों को समझने के लिए एक शिक्षक में अच्छी जानकारी होनी चाहिए- *[UPTET-2011-II]*
(a) बाल मनोविज्ञान की
(b) बच्चों को समझने की प्रवृत्ति की
(c) विषय-वस्तु के प्रति विद्यार्थियों के मत की
(d) इनमें से सभी

18. आप किसी कक्षा में पाठ पढ़ाते हैं और एक विद्यार्थी विषय से असम्बद्ध एक प्रश्न पूछता है। आप क्या करेंगे? *[UPTET-2011-II]*
(a) उसे असम्बद्ध प्रश्न पूछने की अनुमति देंगे
(b) उसे असम्बद्ध प्रश्न पूछने की अनुमति नहीं देंगे
(c) उसे गैर-अनुशासित समझकर दण्डित करेंगे
(d) कक्षा के बाद प्रश्न का उत्तर देंगे।

19. बुनियादी स्तर का मातृभाषा में शिक्षा देना बेहतर है, क्योंकि यह- *[UPTET-2011-II]*
(a) बच्चों में आत्मविश्वास का विकास करेगा
(b) अधिगम को सरल बनाएगा
(c) बौद्धिक विकास में सहायता करेगा
(d) प्राकृतिक वातावरण में बच्चों को सीखने में सहायता करेगा।

20. एक कक्षा में वैयक्तिक विभिन्नताओं के क्षेत्र हो सकते हैं- *[CGTET-2011-II]*
(a) रुचियों के (b) सीखने के
(c) चरित्र के (d) उपरोक्त सभी।

21. शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में व्यक्तिगत रूप से ध्यान देना महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि- *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में ऐसा ही बताया गया है
(b) इससे प्रत्येक शिक्षार्थी को अनुशासित करने के लिए शिक्षकों को बेहतर अवसर मिलते हैं
(c) बच्चों की विकास दर भिन्न होती है और वे भिन्न तरीकों से सीख सकते हैं
(d) शिक्षार्थी हमेशा समूहों में ही बेहतर सीखते हैं।

22. एक शिक्षिका अपने शिक्षार्थियों की विभिन्न अधिगम-शैलियों को संतुष्ट करने के लिए वैविध्यपूर्ण कार्यों का उपयोग करती है। वह ..... से प्रभावित है। *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) गार्डनर के बहुबुद्धि सिद्धांत
(b) वाइगोटस्की के सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धांत
(c) पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत
(d) कोह्लबर्ग के नैतिक विकास के सिद्धांत।

23. शिक्षार्थी वैयक्तिक भिन्नता प्रदर्शित करते हैं। अतः शिक्षक को- *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) कठोर अनुशासन सुनिश्चित करना चाहिए
(b) परीक्षाओं की संख्या बढ़ा देनी चाहिए
(c) अधिगम की एकसमान गति पर बल देना चाहिए
(d) सीखने के विविध अनुभवों को उपलब्ध कराना चाहिए।

24. बीजों का अंकुरण संकल्पना के शिक्षण की सबसे प्रभावी पद्धति है- *[CTET-Jan. 2012-I]*

(a) श्यामपट्ट पर चित्र बनाना और वर्णन करना
(b) बीज की वृद्धि के चित्र दिखाना
(c) विस्तृत व्याख्या करना
(d) विद्यार्थियों द्वारा पौधे के बीज बोना और उसके अंकुरण के चरणों का अवलोकन करना।

25. निम्नलिखित में से कौन-सी प्रगतिशील शिक्षा की विशेषता है? *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) परीक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त करने पर बल
(b) बार-बार ली जाने वाली परीक्षाएँ
(c) समय-सारणी और बैठने की व्यवस्था में लचीलापन
(d) केवल प्रस्तावित पाठ्य-पुस्तकों पर आधारित अनुदेश।

26. शिक्षण से अधिगम पर बल देने वाला परिवर्तन हो सकता है- *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) रटने को प्रोत्साहित करके
(b) अग्र शिक्षण की तकनीक अपनाकर
(c) परीक्षा परिणामों पर केन्द्रित होकर
(d) बाल-केन्द्रित शिक्षा-पद्धति अपनाकर।

27. एक बाल-केन्द्रित कक्षा में, बच्चे सामान्यत: सीखते हैं- *[CTET-2012-II]*
(a) वैयक्तिक और सामूहिक, दोनों रूपों में
(b) मुख्य रूप से शिक्षक से
(c) वैयक्तिक रूप से
(d) समूहों में।

28. सीमा हर पाठ को बहुत जल्दी सीख लेती है, जबकि लीना उसे सीखने में ज्यादा समय लेती है। यह विकास के ..... सिद्धांत को दर्शाता है। *[CTET-2012-II]*
(a) वैयक्तिक भिन्नता
(b) अन्त:सम्बन्ध
(c) निरन्तरता
(d) सामान्य से विशिष्ट की ओर।

29. 'बाल-केंद्रित शिक्षा' के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा कारक आधार है? *[CTET May-2012-II]*
(a) वैयक्तिक अंतर
(b) बाल अधिकार
(c) बच्चों की नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009
(d) सभी बच्चे सभी संदर्भों में समान होते हैं।

30. ''जल-शुद्धि'' प्रकरण को स्पष्ट करने का सबसे उचित तरीका है- *[CTET May-2012-II]*
(a) चार्ट की सहायता से प्रक्रिया को प्रदर्शित करना
(b) विद्यार्थियों को शुद्धिकरण प्लांट का मॉडल बनाने के लिए कहना
(c) विद्यार्थियों को उस प्लांट पर ले जाना जहाँ जल-शुद्धि की जाती है
(d) पाठ्य-पुस्तक से पढ़ना।

31. एक सशक्त विद्यालय अपने शिक्षकों में निम्नलिखित योग्यताओं में से किसे सर्वाधिक बढ़ावा देगा? *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) परीक्षण करने की प्रवृत्ति
(b) स्मृति
(c) अनुशासित स्वभाव
(d) प्रतिस्पर्धात्मक अभिवृत्ति।

32. प्राथमिक कक्षा में सकारात्मक वातावरण निर्मित करने के लिए एक शिक्षक को- *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) सकारात्मक अंत वाली कहानियाँ सुनानी चाहिए
(b) सुबह प्रत्येक बच्चे का अभिवादन करना चाहिए
(c) विभेद नहीं करना चाहिए और प्रत्येक बच्चे के लिए समान लक्ष्य सुनिश्चित करने चाहिए
(d) समूह-गतिविधियों के दौरान समाजमिति के आधार पर उन्हें अपने समूह बनाने की अनुमति देनी चाहिए।

33. विद्यार्थियों के पोर्टफोलियो के लिए सामग्री का चयन करते समय .....का.....जरूर होना चाहिए। *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) अभिभावकों, समावेशन
(b) विद्यार्थियों, बहिष्करण
(c) अन्य शिक्षकों, समावेशन
(d) विद्यार्थियों, समावेशन।

34. निम्नलिखित में से कौन-सा सिद्धान्त पाठ-योजना में शामिल नहीं है? *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) शिक्षार्थियों का ज्ञान (b) उद्देश्यों की स्पष्टता
(c) शिक्षण का ज्ञान (d) योजना की दृढ़ता।

35. जॉन ड्यूवी द्वारा समर्थित 'लैब विद्यालय' के उदाहरण हैं- *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) सामान्य विद्यालय (b) फैक्टरी विद्यालय
(c) प्रगतिशील विद्यालय (d) पब्लिक विद्यालय।

36. बाल-केंद्रित शिक्षा का समर्थन निम्नलिखित में से किस विचारक द्वारा किया गया? *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) चार्ल्स डार्विन (b) बी. एफ. स्किनर
(c) जॉन ड्यूवी (d) एरिक इरिक्सन

37. एक बालक अधिक सीखता है, यदि उसे- *[HTET 2012-I]*
(a) पाठ्यपुस्तक के माध्यम से पढ़ाया जाये
(b) कम्प्यूटर से पढ़ाया जाये
(c) व्याख्यान विधि से पढ़ाया जाये
(d) क्रिया विधि से पढ़ाया जाये।

38. कक्षा-कक्ष में शिक्षक प्रयास करता है- *[HTET 2012-I]*
(a) छात्रों को अनुभव प्रदान करने का
(b) छात्रों को सहायक अधिगम वातावरण देने का
(c) छात्रों को चिन्तन का अवसर देने का
(d) उपरोक्त सभी।

39. 6-11 वर्ष आयुवर्ग के छात्रों को आवश्यकता है- *[HTET 2012-I]*
(a) कक्षा-कक्ष में प्रजातांत्रिक वातावरण की
(b) सीखने में स्वायत्तता की
(c) क्रिया आधारित, अन्त:क्रियात्मक अधिगम की
(d) उपरोक्त सभी।

40. भारतवर्ष में प्राइमरी शिक्षा निम्नलिखित पर बल देती है- *[HTET 2012-I]*
(a) बोध का विकास करना
(b) आध्यात्मिक पक्ष पर बल देना
(c) विवेचनात्मक चिन्तन का विकास करना
(d) रटने को प्रेरित करना।

41. सांस्कृतिक तथा भाषिक रूप से वैविध्यपूर्ण कक्षा में यह निश्चित करने से पहले कि शिक्षार्थी विशिष्ट शिक्षा-वर्ग में आता है या नहीं, एक शिक्षक को करना चाहिए- *[CTET- 2013-II]*
(a) माता-पिता को इसमें सम्मिलित नहीं करना चाहिए क्योंकि उनके पास अपना कार्य होता है
(b) अक्षमता स्थापित करने से पहले शिक्षार्थी की मातृभाषा का मूल्यांकन करना चाहिए
(c) पारंगत मनोवैज्ञानिकों का उपयोग
(d) वातावरणीय कारकों को अप्रभावी बनाने के लिए बच्चे को अलग कर देना चाहिए।

42. दिए गए वाक्य को पूरा करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सर्वाधिक उचित विकल्प होगा? *[CTET-2013-II]*
जब बच्चे उन गतिविधियों में शामिल होते हैं जो .... होती हैं, तब वे जल्दी ..... करते हैं।
(a) कक्षा-कक्ष में उपयोगी; विस्मरण
(b) केवल उनके कक्षा-कार्य से संबंधित; प्रत्यास्मरण
(c) सांस्कृतिक रूप से निष्पक्षीय; स्मरण
(d) वास्तविक जीवन में उपयोगी; सीखा।

43. ब्लूम की टेक्सोनॉमी ..... की पदानुक्रमिक व्यवस्था है। *[CTET-2013-II]*
(a) उपलब्धि लक्ष्यों
(b) पाठ्यचर्या संबंधी घोषणाओं
(c) पठन कौशल
(d) संज्ञानात्मक उद्देश्यों।

44. ..... के द्वारा निपुणता अभिविन्यास को प्रोत्साहित किया जा सकता है। *[CTET-2013-II]*
(a) शिक्षार्थियों के व्यक्तिगत प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने
(b) शिक्षार्थियों की सफलता की परस्पर तुलना करने
(c) गृह-कार्य के रूप में बहुत अधिक अभ्यास सामग्री देकर
(d) अनपेक्षित परीक्षा लेकर।

45. एक शिक्षिका दो एक समान गिलासों को प्रदर्शित करती है जो जूस की समान मात्रा से भरे हुए हैं, वह उन्हें दो भिन्न गिलासों में खाली करती है जिनमें से एक लंबा है और दूसरा चौड़ा है। वह बच्चों को उस गिलास की पहचान करने के लिए कहती है जिसमें जूस ज्यादा है। बच्चे प्रत्युत्तर देते हैं कि लंबे गिलास में जूस ज्यादा है। शिक्षिका के बच्चों को ..... कठिनाई है। *[CTET-2013-II]*
(a) समायोजन
(b) अहम्केंद्रिता
(c) विकेंद्रीकरण
(d) पलटावी (Reversibility)

46. के. मा. शि. बो. (CBSE) द्वारा अपनाए गए प्रगतिशील शिक्षा के प्रतिमान में बच्चों का समाजीकरण जिस प्रकार से किया जाता है, उससे अपेक्षा की जा सकती है कि- *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) वे समय नष्ट करने वाली सामाजिक आदतों/प्रकृति का त्याग करें तथा सीखें कि किस प्रकार अच्छी श्रेणियां पाई जा सकती हैं (score good grades)
(b) वे सामूहिक कार्य में सक्रिय भागीदारिता का निर्वाह करें तथा सामाजिक कौशल सीखें
(c) वे बिना प्रश्न उठाए समाज के नियमों-विनियमों का अनुपालन करने के लिए तैयार हो सकें
(d) किसी भी प्रकार की सामाजिक पृष्ठभूमि होते हुए भी वे वह सब स्वीकार करें जो उन्हें विद्यालय द्वारा प्रदान किया जाता है।

47. एक शिक्षिका अपनी कक्षा से कहती है, ''सभी प्रकार के प्रदत्त कार्यों (assignments) का निर्माण इस प्रकार किया गया है कि प्रत्येक विद्यार्थी अधिक प्रभावशाली ढंग से सीख सके, अत: सभी विद्यार्थी बिना किसी अन्य की सहायता से अपना कार्य पूर्ण करें।'' वह कोह्लबर्ग के किस नैतिक विकास के चरण की ओर संकेत दे रही है? *[CTET-Feb.-2014-I]*

(a) औपचारिक चरण-4- कानून और व्यवस्था
(b) पर-औपचारिक चरण-5- सामाजिक संविदा
(c) पूर्व-औपचारिक चरण-1-दण्ड परिवर्जन
(d) पूर्व-औपचारिक चरण-2-वैयक्तिकता और विनिमय

48. 14-वर्षीय देविका अपने-आप में पृथक्, स्वनियंत्रित व्यक्ति की भावना को विकसित करने का प्रयास कर रही है। वह विकसित कर रही है- *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) नियमों के प्रति घृणा
(b) स्वायत्तता
(c) किशोरावस्थात्मक अक्खड़पन
(d) परिपक्वता।

49. प्रगतिशील शिक्षा के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन जॉन ड्यूवी के अनुसार समुचित है? *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) कक्षा में प्रजातंत्र का कोई स्थान नहीं होना चाहिए
(b) विद्यार्थियों को स्वयं ही सामाजिक समस्याओं को सुलझाने में सक्षम होना चाहिए
(c) जिज्ञासु विद्यार्थियों के स्वभाव में अन्तर्निहित नहीं है, अपितु इसका कर्षण/संवर्धन करना चाहिए
(d) कक्षा में विद्यार्थियों का निरीक्षण करना चाहिए न कि सुनना चाहिए।

50. निम्नलिखित में से कौन-सा विकासात्मक विकार का उदाहरण नहीं है? *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) आत्मविमोह
(b) प्रमस्तिष्क घात
(c) पर-अभिघातज तनाव
(d) न्यून अवधान सक्रिय विकार

51. विद्यालयों में समावेशन मुख्यत: केन्द्रित होता है- *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) विशिष्ट श्रेणी वाले बच्चों के लिए सूक्ष्मातिसूक्ष्म प्रावधानों के निर्माण पर
(b) केवल निर्योग्य छात्रों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने पर
(c) सम्पूर्ण कक्षा की कीमत पर निर्योग्य बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करने पर
(d) विद्यालयों में निरक्षर अभिभावकों की शैक्षिक आवश्यकताओं पर।

52. बच्चों में सीखी गई निस्सहायता का कारण है- *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) इस व्यवहार को अर्जित कर लेना कि वे सफल नहीं हो सकते
(b) कक्षा गतिविधियों के प्रति कठोर निर्णय
(c) अपने अभिभावकों की अपेक्षाओं के साथ तालमेल न बना पाना
(d) अध्ययन को गम्भीरतापूर्वक न लेने हेतु नैतिक निर्णय।

53. यदि एक विद्यार्थी विद्यालय में लगातार निम्नतर श्रेणी प्राप्त करती है, तो उसके अभिभावक को उसकी सहायता हेतु परामर्श दिया जा सकता है कि- *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) वह अध्यापकों की घनिष्ठ संगति में कार्य करे
(b) मोबाइल, फोन, चलचित्र, कॉमिक्स, खेल हेतु अतिरिक्त काल पर रोक लगाएँ
(c) जो भलीभाँति शिक्षा नहीं ले पाए उनकी जीवन-सम्बन्धी कठिनाइयों का वर्णन करें
(d) घर पर उसको परिश्रमपूर्वक कार्य करने पर बल दें।

54. एक शिक्षिका पाठ को पूर्वपठित पाठ से जोड़ते हुए बच्चों को सारांश लिखना सिखा रही है। वह क्या कर रही है? *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) वह बच्चों की पाठ समझने की स्व-शैली विकसित करने में सहायता कर रही है
(b) वह बच्चों को सम्पूर्ण पाठ्यवस्तु को पूर्णरूप से न पढ़ने की आवश्यकता का संकेत दे रही है
(c) वह आकलन के दृष्टिकोण से पाठ्यवस्तु के महत्त्व को पुनर्बलित कर रही है
(d) वह विद्यार्थियों को सामर्थ्यानुकूल स्मरण करने को प्रेरित कर रही है।

55. एक बच्चा अपनी मातृभाषा सीख रहा है व दूसरा बच्चा वही भाषा द्वितीय भाषा के रूप में सीख रहा है। दोनों निम्नलिखित में से कौन-सी समान प्रकार की त्रुटि कर सकते हैं? *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) अधिकाधिक सामान्यीकरण
(b) सरलीकरण
(c) विकासात्मक
(d) अत्यधिक संशुद्धता।

56. परिपक्व विद्यार्थी- *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) इस बात में विश्वास करते हैं कि उनके अध्ययन में भावनाओं का कोई स्थान नहीं है
(b) अपनी बौद्धिकता के साथ अपने सभी प्रकार के द्वन्द्वों का शीघ्र समाधान कर लेते हैं
(c) अपने अध्ययन में कभी-कभी भावनाओं की सहायता चाहते हैं
(d) कठिन परिस्थितियों में भी अध्ययन से विचलित नहीं होते।

57. प्रगतिशील शिक्षा के सन्दर्भ में 'समान शैक्षिक अवसर' से अभिप्राय है कि सभी छात्र- *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) किसी भी जाति, पन्थ, रंग, क्षेत्र व धर्म के होते हुए भी समान शिक्षा प्राप्त करें
(b) समान शिक्षा पाने के बाद अपनी क्षमताओं को सिद्ध कर सकें
(c) बिना किसी भेद के समान पद्धतियों व सामग्रियों से शिक्षा प्राप्त करें
(d) ऐसी शिक्षा पाएं जो उनके लिए अनुकूलतम हो तथा उनके भविष्य के कार्यों में सहायक हो।

58. एक शिक्षक को कक्षा में कार्य करना चाहिए *[HTET-2014-I]*
(a) प्रगतिशील भूमिका में
(b) प्रभुत्ववादी भूमिका में
(c) प्रजातान्त्रिक भूमिका में
(d) प्रभावशाली भूमिका में।

59. एक सजीव कक्षा स्थिति में निम्नलिखित में सबसे अधिक सम्भावित है- *[HTET-2014-I]*
(a) कभी-कभार हँसी का शोर
(b) पूर्णरूप से शान्ति
(c) शिक्षक-छात्र वार्ता
(d) विद्यार्थियों के बीच तेज आवाज में वार्तालाप।

60. व्यक्तिगत विभिन्नताओं का क्षेत्र है-*[HTET-2014-I]*
(a) लिंग-भेद (b) शारीरिक रचना
(c) मानसिक योग्यताएँ (d) ये सभी।

61. जब बालक सीखने के लिए तैयार होता है, तब वह जल्दी व प्रभावशाली तरीके से सीखता है। यह सिद्धान्त प्रतिपादित किया गया है- *[HTET-2014-I]*
(a) थॉर्नडाइक द्वारा (b) स्किनर द्वारा
(c) पावलॉव द्वारा (d) कुर्ट लेविन द्वारा।

62. आपके अनुसार, शिक्षण है- *[HTET-2014-I]*
(a) एक प्रक्रिया (b) एक कलर
(c) एक कौशल (d) (b) और (c)

63. वह कथन जो वैयक्तिक विभिन्नता के संदर्भ में सत्य नहीं है, वह है- *[HTET-2014-I]*
(a) व्यक्ति विशेष प्रकार में भिन्न होते हैं
(b) व्यक्ति विशेष कोटि में भिन्न होते हैं
(c) व्यक्ति विशेष प्रकार व कोटि दोनों में भिन्न होते हैं
(d) व्यक्ति विशेष न तो कोटि और न ही प्रकार में भिन्न होते हैं

64. फ्रोबेल ने निम्न में से किस खेल पर प्रमुख बल दिया? *[HTET-2014-I]*
(a) गेंद का खेल (b) ब्लॉक का खेल
(c) आकृतियों का खेल (d) ये सभी।

65. प्रयोगात्मक विधि को सर्वप्रथम प्रस्तावित किया- *[HTET-2014-I]*
(a) जुड ने (b) राइस एवं कार्नमैन ने
(c) विलहेल्म वुण्ट ने (d) कोलिन्स व ड्रेबर ने

66. एक शिक्षक की सबसे महत्त्वपूर्ण चुनौती है- *[HTET-2014-I]*
(a) विद्यार्थियों से उनका गृह कार्य करवाना
(b) शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को आनन्दप्रद बनाना
(c) कक्षा में अनुशासन बनाए रखना
(d) प्रश्न-पत्र तैयार करना।

67. एक व्यक्ति वैधानिक रूप से दृष्टिबाधित है, यदि उसका विजन क्षेत्र 20° है। जबकि उसकी विजुअल एक्यूइटी- *[HTET-2014-I]*
(a) अत्यधिक उपयुक्त सुधार के साथ, ठीक आँख में 6/6 से कम है
(b) अत्यधिक उपयुक्त सुधार के साथ, ठीक आँख में 6/7 से कम है
(c) अत्यधिक उपयुक्त सुधार के साथ, ठीक आँख में 6/30 से कम है
(d) अत्यधिक उपयुक्त सुधार के साथ, ठीक आँख में 6/60 से कम है।

68. एक प्रभावी शिक्षक वह है, जो कर सकता है *[HTET-2014-I]*
(a) कक्षा पर नियन्त्रण
(b) कम समय में अधिक सूचना देना
(c) विद्यार्थियों को सीखने के लिए अभिप्रेरित करना
(d) दर्त्तवार्य को ध्यानपूर्वक जाँचना।

69. निम्न में से कौन-सा मत अन्तर्दृष्टि द्वारा सीखने की व्याख्या करता है? *[UPTET-2014-I]*
(a) मनोविश्लेषणवाद (b) व्यवहारवाद
(c) सम्बन्धवाद (d) गेस्टाल्टवाद।

70. बाल मनोविज्ञान के आधार पर कौन-सा कथन सर्वोत्तम है? *[UPTET-2014-I]*
(a) सारे बच्चे एक जैसे होते हैं
(b) कुछ बच्चे एक जैसे होते हैं
(c) कुछ बच्चे विशिष्ट होते हैं
(d) प्रत्येक बच्चा विशिष्ट होता है।

71. बाल मनोविज्ञान का केन्द्रबिन्दु है-*[UPTET-2014-I]*
(a) अच्छा शिक्षक (b) बालक
(c) शिक्षण प्रक्रिया (d) विद्यालय

72. प्राथमिक स्तर पर मूल्यों की शिक्षा देने की सर्वोत्तम विधि है- *[UPTET-2014-I]*
(a) मूल्यों के महत्त्व को बताना
(b) मूल्यों के पालन न करने पर दण्डित करना
(c) अध्यापक के व्यवहार में मूल्य स्थापन
(d) उपरोक्त सभी।

73. मूल्यों के वर्गीकरण में सम्मिलित नहीं है- *[UPTET-2014-I]*
(a) आध्यात्मिक मूल्य
(b) येन केन प्रकारेण धनार्जन का मूल्य
(c) नैतिक मूल्य
(d) सांस्कृतिक मूल्य।

74. व्यक्तित्व के संगठन का स्वरूप है- *[UPTET-2014-I]*
(a) सामाजिक-आर्थिक
(b) मनोवैज्ञानिक-शारीरिक
(c) सामाजिक-राजनीतिक
(d) मनोवैज्ञानिक-आध्यात्मिक।

75. कक्षा 4 का एक बच्चा सदैव चिन्तित और कुण्ठित रहता है, आप- *[UPTET-2014-I]*
(a) उसके अभिभावक से शिकायत करेंगे
(b) मनोचिकित्सक के पास ले जाएँगे
(c) स्वयं परामर्शदाता की भूमिका का निर्वाह करेंगे
(d) उसे उसके भाग्य पर छोड़ देंगे।

76. वैयक्तिक भिन्नता का क्या अर्थ है? *[UPTET-2014-II]*
(a) दो व्यक्तियों में शारीरिक भिन्नता होना
(b) कोई दो व्यक्ति शारीरिक, मानसिक योग्यता और संवेगात्मक दशा में समान और एक जैसे नहीं होते हैं
(c) कोई दो व्यक्ति शारीरिक और मानसिक योग्यता में समान और एक जैसे होते हैं
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

77. निम्नलिखित में से कौन-सी दशा/दशाएँ ध्यान को आकर्षित करने की आन्तरिक दशा नहीं है/हैं? *[UPTET-2014-II]*
(a) उद्दीपन की स्थिति (b) आवश्यकता
(c) (a) या (b) (d) (a) और (b) दोनों

78. प्रकृति-पोषण विवाद निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है? *[CTET-Sep.-2014-I]*
(a) आनुवंशकी एवं वातावरण
(b) व्यवहार एवं वातावरण
(c) वातावरण एवं जीव-विज्ञान
(d) वातावरण एवं पालन-पोषण।

79. ध्वनि-सम्बन्धी जागरूकता निम्नलिखित में से किस क्षमता से सम्बन्धित है? *[CTET-Sep.-2014-I]*
(a) ध्वनि संरचना पर चिन्तन करना व उसमें हेर-फेर करना
(b) सही-सही व धाराप्रवाह बोलना
(c) जानना, समझना व लिखना
(d) व्याकरण के नियमों में दक्ष होना।

80. निम्न में से कौन-सा सीखने की शैली का एक उदाहरण है? *[CTET-Sep.-2014-I]*
(a) चाक्षुष (b) संग्रहण
(c) तथ्यात्मक (d) स्पर्श-सम्बन्धी।

81. प्रगतिशील शिक्षा निम्नलिखित में से किस कथन से संबंधित है? *[CTET-Sep.-2014-II]*
(a) शिक्षक सूचना और प्राधिकार के प्रवर्तक होते हैं।
(b) ज्ञान प्रत्यक्ष अनुभव और सहयोग से उत्पन्न होता है
(c) अधिगम तथ्यों के एकत्रीकरण और कौशल में प्रवीणता के साथ सीधे मार्ग पर चलता है
(d) परीक्षा मानदंड-संदर्भित और बाह्य है।

82. हम सभी अपनी बुद्धि, प्रेरणा, अभिरुचि आदि के संदर्भ में भिन्न होते हैं। यह सिद्धान्त सम्बन्धित है- *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) वैयक्तिक भिन्नता से (b) बुद्धि के सिद्धान्तों से
(c) वंशानुक्रम से (d) पर्यावरण से।

83. इन कथनों में से आप किससे सहमत हैं? *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) एक बच्चे की असफलता मुख्य रूप से माता-पिता की शिक्षा तथा आर्थिक स्तर में कमी के कारण है
(b) एक बच्चा अनुत्तीर्ण होता है क्योंकि सरकार विद्यालयों में पर्याप्त प्रौद्योगिकीय संसाधन प्रदान नहीं कर रही है
(c) एक बच्चे की असफलता के लिए वंशानुक्रम घटकों को प्रत्यक्ष रूप से ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है, जिसे उसने अपने माता-पिता से अर्जित किया है
(d) एक बच्चे की असफलता व्यवस्था तथा बच्चे के प्रति प्रतिक्रिया करने में इसकी असमर्थता का एक प्रतिबिम्ब है।

84. एक अध्यापिका समाज के 'वंचित वर्गों' से आए बच्चों की आवश्यकताओं के प्रति प्रभावशाली तरीके से प्रतिक्रिया निम्नलिखित द्वारा कर सकती है- *[CTET-Feb.-2015-II]*

(a) वंचित वर्ग से आए बच्चों को विद्यालय के नियमों एंव।अपेक्षाओं के प्रति संवेदनशील बनाना ताकि वे उनका अनुपालन करें
(b) 'अन्य बच्चों' को 'वंचित वर्ग से आए बच्चों' के साथ सहयोग करने के लिए कहना तथा विद्यालय के तरीकों को सीखने में उनकी सहायता करने के लिए कहना
(c) विद्यालयीय व्यवस्था तथा स्वयं के उन तौर-तरीकों के बारे में विचार करना जिनसे पक्षपात एवं रूढ़िबद्धताएँ झलकती हैं
(d) उनके प्रताड़ित होन के अवसरों को कम करने के लिए सुनिश्चित करना कि बच्चे आपस में अन्योन्यक्रिया करने का मौका न पाएँ।

85. अधयापक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसकी कक्षा के सभी शिक्षार्थी अपने आपको स्वीकृत और सम्मानित समझें। इसके लिए शिक्षक को चाहिए कि वह: *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों का तिरस्कार करे ताकि वे अनुभव करें कि उन्हें अधिाक कठोर परिश्रम करना है।
(b) उन शिक्षार्थियों का पता लगाएं जो अच्छी अंग्रेजी बोल सकते हों और संपन्न घरों से हों तथा उन्हें आदर्श के रूप में प्रस्तुत करें।
(c) अपने शिक्षार्थियों की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की जानकारी प्राप्त करें और कक्षा में विविधा मतों को प्रोत्साहित करे।
(d) कड़े नियम बनाए और जो बच्चे उनका पालन न करें उन्हें दंड दे।

86. बाल केंद्रित शिक्षा में शामिल है: *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) बच्चों का एक कोने में बैठना
(b) प्रतिबंधित परिवेश में अधिागम
(c) वे गतिविधियाँ जिनमें खेल शामिल नहीं होते।
(d) बच्चों के लिए हस्तपरक गतिविधियाँ

87. किसी कक्षा में शिक्षक की भूमिका है : *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) सीधे तरीके से ज्ञान पहुँचाना और शिक्षार्थियों को सही उत्तर के लिए तैयार करना।
(b) समय-सारणी का कठोरता से पालन करना और पाठ्यक्रम से बँधे रहना।
(c) सीखने की विश्वसनीय स्थितियाँ जुटाना और शिक्षार्थियों को स्वतंत्र चिंतन की सुविधा देना।
(d) अपने ज्ञान से शिक्षार्थियों को परिपूर्ण करना और उन्हें परीक्षा के लिए तैयार करना।

88. एक प्रभावी कक्षा में *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) बच्चे शिक्षक का सम्मान नहीं करते हैं और जैसा उन्हें अच्छा लगता है वैसा ही करते हैं।
(b) बच्चे अपने अधिगम को सुगम बनाने के लिए मार्गदर्शन एवं सहयोग हेतु शिक्षक से सहायता लेते हैं।
(c) बच्चे हमेशा उत्सुक और तैयार रहते हैं, क्योंकि शिक्षक उनकी प्रत्यास्मरण योग्यता का आकलन करने के लिए नियमित रूप से परीक्षा लेता रहता है।
(d) बच्चे शिक्षक से डरते हैं, क्योंकि वह मौखिक और शारीरिक दंड का प्रयोग करते हैं।

89. ज्ञान के एक बड़े असम्बद्ध भाग को प्रस्तुत करना : *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) शिक्षार्थियों के लिए प्रत्यास्मरण को आसान बनाएगा।
(b) अपने तरीके से जानकारी को व्यवस्थित करने में शिक्षार्थियों की सहायता करेगा।
(c) शिक्षिका के कार्य को कठिन और शिक्षार्थियों के कार्य को आसान बनाएगा।
(d) शिक्षार्थियों के लिए अवधाारणात्मक समझ को प्राप्त करने को कठिन बनाएगा।

90. प्रगतिवादी शिक्षा *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) समस्या समाधाान और आलोचनात्मक चिंतन पर अधिाक बल देती है।
(b) अनुबंधन और पुनर्बलन के सिद्धान्तों पर आधारित है।
(c) पाठ्य-पुस्तकों पर आधारित है, क्योंकि वे ज्ञान के एकमात्र वैध स्रोत है।
(d) इस मत पर विश्वास करती है कि शिक्षक को अपने उपागम में दृढ़ रहना है और वर्तमान समय में बिना दंड का प्रयोग किए बच्चों को पढ़ाया नहीं जा सकता है।

91. बाल-केंद्रित कक्षा की एक प्रमुख विशेषता है कि उसमें *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) शिक्षक बच्चों के लिए व्यवहार के समरूप तरीकों को निर्धारित करता है और जब वे उसका पालन करते हैं तो उन्हें उपयुक्त पुरस्कार देता है।
(b) शिक्षक की भूमिका ज्ञान को सीखने के लिए उसे प्रस्तुत करना है और शिक्षार्थियों का मानक मापदण्डों पर आकलन करना है।
(c) शिक्षक के मार्गदर्शन से शिक्षार्थियों को अपनी स्वयं की समझ को निर्माण करने के लिए उत्तरदायी बनाया जाता है।

(d) शिक्षक के द्वारा बल प्रयोग और मनोवैज्ञानिक नियंत्रण होता है, जो अधिगम पथ और बच्चों के व्यवहार को निर्धारित करता है।

92. शिक्षार्थियों द्वारा की गई गलतियाँ और त्रुटियाँ *[CTET-Feb.-2016-I]*

(a) कठोरता से निपटाई जानी चाहिए
(b) बच्चों को 'कमजोर' अथवा 'उत्कृष्ट' चिन्हित करने के अच्छे अवसर हैं
(c) शिक्षक और शिक्षार्थियों की असफलता के सूचक हैं
(d) उनके चिंतन को समझने के अवसर के रूप में देखी जानी चाहिए

93. बाल-केंद्रित शिक्षा-शास्त्र का अर्थ है *[CTET-Feb.-2016-I]*

(a) बच्चों को पूर्ण रूप से स्वतंत्रता देना
(b) बच्चों को नैतिक शिक्षा देना
(c) बच्चों को शिक्षक का अनुगमन और अनुकरण करने के लिए कहना
(d) बच्चों की अभिव्यक्ति और उनकी सक्रिय भागीदारी को महत्त्व देना

94. निम्नलिखित में से कौन-सी स्थिति बालकेंद्रित कक्षा-कक्ष को प्रदर्शित कर रही है? *[CTET-Feb.-2016-I]*

(a) एक कक्षा जिसमें शिक्षार्थियों का व्यवहार शिक्षिका द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कार और दंड से संचालित होता हो
(b) एक कक्षा जिसमें शिक्षिका नोट लिखा देती है और शिक्षार्थियों से उन्हें याद करने को कहा जाता है
(c) एक कक्षा जिसमें पाठय.पुस्तक एकमात्र संसाधान होता है जिसका संदर्भ शिक्षिका देती है
(d) एक कक्षा जिसमें शिक्षार्थी समूहों में बैठे हैं और शिक्षिका बारी.बारी से प्रत्येक समूह में जा रही है

95. आजकल बच्चों की 'गलत धारणाओं' को 'वैकल्पिक धारणाएँ' कहने की एक प्रवृत्ति है। इसे कहा जा सकता है *[CTET-Feb.-2016-II]*

(a) बच्चों को उनकी सोच में प्रौढ़ों के समान मानना
(b) बच्चों की समझ में सूक्ष्म भेद करना और उनका अपने सीखने के प्रति निष्क्रिय रहना
(c) पहचानना कि बच्चे सोच सकते हैं और उनकी सोच प्रौढ़ों से भिन्न होती है
(d) बच्चों की गलतियों की व्याख्या के लिए मनोहारी शब्दों का उपयोग करना

96. प्रगतिशील शिक्षा में अपरिहार्य है कि कक्षा-कक्ष *[CTET-Feb.-2016-II]*

(a) सबके लिए मुक्त होता है जिसमें शिक्षक अनुपस्थित होता है
(b) शिक्षक के पूर्ण नियंत्रण में होता है जिसमें वह अधिनायकतावादी होता है
(c) लोकतांत्रिक होता है और समझने के लिए बच्चे को पर्याप्त स्थान दिया गया होता है
(d) सत्तावादी होता है, जहाँ शिक्षक आदेश देता है और शिक्षार्थी चुपचाप अनुसरण करते है

97. निम्नलिखित में से कौन-सा एक उदाहरण भाषित बुद्धि वाले व्यक्ति को दर्शाता है? *[CTET-Feb.-2016-II]*

(a) ध्यान देने और दूसरे से अंतर कर सकने की योग्यता
(b) तर्क की दीर्घ शृंखलाओं को सँभाल सकने की योग्यता
(c) शब्दों के अर्थ और क्रम तथा भाषा के विविध प्रयोगों के प्रति संवदेनशीलता
(d) स्वर, राग और सुर के प्रति संवेदनशीलता

98. अपनी कक्षा की वैयक्तिक भिन्नताओं से निपटने के लिए शिक्षक को चाहिए कि:*[CTET-Sept.-2016-I]*

(a) शिक्षण और आकलन के समान और मानक तरीके हों
(b) बच्चों को उनके अंकों के आधार पर अलग कर उनको नामित करे
(c) बच्चों से बातचीत करे और उनके दृष्टिकोण को महत्व दे
(d) विद्यार्थियों के लिए कठोर नियमों को लागू करे

99. निम्नलिखित में से कौन-सा उदाहरण प्रभावशाली विद्यालय की प्रथा का है? *[CTET-Sept.-2016-I]*

(a) निरंतर तुलनात्मक मूल्यांकन
(b) शारीरिक दंड
(c) व्यक्तिसापेक्ष अधिगम
(d) प्रतियोगितात्मक कक्षा

100. किसी प्रगतिशील कक्षा की व्यवस्था में शिक्षक एक ऐसे वातावरण को उपलब्ध कराकर अधिगम को सुगम बनाता है, जो: *[CTET-Sept.-2016-I]*

(a) खोज को प्रोत्साहन देता है
(b) नियामक है
(c) समावेशन को हतोत्साहित करता है
(d) आवृत्ति को बढ़ावा देता है

101. एक शिक्षिका अपनी कक्षा में विविधता को संबोधित कर सकती हैं: *[CTET-Sept.-2016-II]*

A. भिन्नताओं को स्वीकार करके और उसे महत्त्व देकर
B. बच्चों की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का शिक्षा-शास्त्रीय संसाधन के रूप में प्रयोग करके

C. विभिन्न-अधिगम शैलियों को समायोजित करके
D. मानक निर्देश देकर औरर निष्पादन हेतु सर्वमान्य मानदण्ड निर्धारित करके

नीचे दिए गए कूट के आधार पर सही उत्तर चुनिए।

(a) A, B और C (b) A, B, C और D
(c) A, B और D (d) B, C और D

102. विद्यालयों में विद्यार्थियों की असफलता के बारे में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं? *[CTET-Sept.-2016-II]*

A. विशेष जातियों और समुदायों से संबंधित विद्यार्थी असफल होते हैं क्योंकि उनमें योग्यता नहीं होती।
B. विद्यार्थी विद्यालयों में असफल होते हैं क्योंकि उन्हें अधिगम के लिए उपयुक्त पुरस्कार नहीं दिए जाते।
C. विद्यार्थी असफल होते हैं क्योंकि शिक्षण उस तरीके से नहीं किया जाता जो उनके लिए सार्थक हो।
D. विद्यार्थी असफल होते हैं क्योंकि विद्यालय व्यवस्था प्रत्येक विद्यार्थी की आवश्यकताओं और अभिरुचियों का ध्यान नहीं रखती।

(a) B और D (b) C और D
(c) A और B (d) B और C

103. 'बालकेंद्रित' शिक्षा-शास्त्र का अर्थ है: *[CTET-Sept.-2016-II]*

(a) कक्षा में सारी बातें सीखने के लिए शिक्षक का आगे-आगे होना
(b) शिक्षक द्वारा बच्चों को आदेश देना कि क्या किया जाना चाहिए
(c) बच्चों के अनुभवों और उनकी आवाज को प्रमुखता देना
(d) निर्धारित सूचना का अनुसरण करने में बच्चों को सक्षम बनाना

104. जिस कक्षाकक्ष में विविध में पृष्ठभूमि से विद्यार्थी आते हों, वहाँ एक प्रभावी शिक्षक: *[CTET-Sept.-2016-II]*

(a) समान आर्थिक पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों का समूह बनाएगा और उन्हें एक साथ रखेगा
(b) वंचित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम करने के लिए कहेगा ताकि वे अपने साथियों के बराबर पहुँच सकें
(c) समूह में वैयक्तिक भिन्नता को बताने के लिए उनकी सांस्कृतिक जानकारी पर ध्यान देगा
(d) सांस्कृतिक जानकारी की अनदेखी करेगा और एक सर्वमानन्य तरीके से अपने सभी विद्यार्थियों के साथ व्यवहार करेगा

105. विद्यालयों में सह-पाठ्येत्तर गतिविधियाँ क्यों आयोजित की जानी चाहिए? *[HTET-2017]*

(a) ये संस्था की प्रसिद्धी में सहायक हैं
(b) ये छात्र में समग्र विकास में सहायक हैं
(c) ये शुल्क लेने को न्यायोचित ठहराने में सहायक हैं
(d) ये उन विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण हैं जो अध्ययन में रुचि नहीं रखते है

106. शिक्षा मनोविज्ञान अधिक बल देता है *[HTET-2017]*

(a) शिक्षक केन्द्रित शिक्षा पर
(b) छात्र केन्द्रित शिक्षा पर
(c) पाठ्यचर्या केन्द्रित शिक्षा पर
(d) विद्यालय केन्द्रित शिक्षा पर

107. छात्रों में सही व्यवहार के प्रशिक्षण हेतु सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण क्या है? *[UPTET.-2018]*

(a) प्रशंसा
(b) दण्ड
(c) पुरस्कार
(d) सही व्यवहार का प्रस्तुतीकरण

108. किंडरगार्टन विधि का प्रतिपादन किसने किया? *[UPTET.-2018]*

(a) फ्रोबेल (b) मॉन्टेसरी
(c) कुक (d) डाल्टन

109. सी.डब्ल्यू.एस.एन. का अर्थ है *[UPTET.-2018]*

(a) मजबूत आवश्यकता वाले शब्द
(b) एकांगी आवश्यकता वाले शब्द
(c) विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चे
(d) मृदु आवश्यकता वाले व्यक्ति

110. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प प्रगतिशील शिक्षा का सबसे अच्छा वर्णन करता है? *[CTET-Dec.-2018-II]*

(a) थिमैटिक इकाइयाँ, नियमित इकाई परीक्षण, रैंकिंग
(b) व्यक्तिगत अधिगम, क्षमता समूह बनाना, छात्रों की लेबलिंग
(c) परियोजना विधि, क्षमता समूह बनाना, रैंकिंग
(d) कर के सीखना, परियोजना विधि, सहयोग से सीखना

111. प्रगतिशील शिक्षा के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन बताता है- शिक्षा स्वयं ही जीवन है? *[CTET-Dec.-2018-II]*

(a) स्कूलों की आवश्यकता नहीं है, बच्चे अपने जीवन में अनुभवों से सीख सकते हैं।
(b) स्कूलों में शिक्षा सामाजिक और प्राकृतिक दुनिया को प्रतिबिंबित करे।
(c) जीवन सच्चा शिक्षक है।
(d) स्कूल शिक्षा को यथासंभव लंबे समय तक जारी रखना चाहिए।

112. व्यक्तिगत शिक्षा कार्यक्रम की योजना ..... के संदर्भ में बनायी जाती है। *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) बाल-केंद्रित शिक्षा कार्यक्रम
(b) मुक्त विद्यालयी शिक्षा कार्यक्रम
(c) ई-अधिगम शिक्षा कार्यक्रम
(d) विशेष शिक्षा कार्यक्रम

113. निम्नांकित में से कौन-सी शिक्षण व्यूहरचना लोकतांत्रिक नहीं है? *[HTET-2019]*
(a) समस्या समाधान (b) परियोजना
(c) खोज (d) प्रदर्शन

114. गतिशील शिक्षा में बच्चों को किस तरह से देखा जाता है? *[CTET-July-2019-I]*
(a) खाली स्लेटों के रूप में
(b) छोटे वयस्कों के रूप में
(c) निष्क्रिय अनुकारकों के रूप में
(d) सक्रिय अन्वेषकों के रूप में

115. बच्चे प्रभावी रूप से सीखते हैं जब- *[CTET-July-2019-I]*
(a) वे विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।
(b) शिक्षक कक्षा में होने वाली सभी घटनाओं व बच्चों को पूर्ण रूप से नियंत्रित करता है।
(c) वे पाठ्यपुस्तक में दिए गए तथ्यों को याद करते हैं।
(d) वे श्यामपट्ट पर अध्यापक के द्वारा लिखे गए उत्तरों की नकल करते हैं।

116. बच्चों को कक्षा में प्रश्न- *[CTET-July-2019-I]*
(a) पूछने से रोकना चाहिए।
(b) पूछने के लिए प्रेरित करना चाहिए।
(c) पूछने के लिए हतोत्साहित करना चाहिए।
(d) पूछने की अनुमति नहीं देनी चाहिए।

117. जब शिक्षक को विद्यार्थियों एवं उनकी योग्यताओं के बारे में सकारात्मक विश्वास होता है तब विद्यार्थी- *[CTET-July-2019-I]*
(a) किसी भी रूप में प्रभावित नहीं होते हैं।
(b) सीखने के लिए उत्सुक एवं प्रेरित रहते हैं।
(c) निश्चिन्त हो जाते हैं तथा सीखने के लिए किसी भी तरह का प्रयास करना बंद कर देते हैं।
(d) का उत्साह भंग हो जाता है तथा वे दबाव में आ जाते हैं।

118. एक शिक्षक बच्चों को प्रभावी रूप से समस्या का समाधान करने में सक्षम बनने के लिए किस तरह से प्रोत्साहित कर सकती है? *[CTET-July-2019-I]*
(a) बच्चों को समस्या के बारे में सहजानुभूत अनुमान लगाने एवं बहु-विकल्पों को देखने के लिए प्रोत्साहित करके।
(b) पाठ्यपुस्तक के सभी प्रश्नों के व्यवस्थित तरीके से समाधान लिखकर।
(c) पाठ्यपुस्तक से एक ही प्रकार के प्रश्नों के उत्तर के अभ्यास के लिए उन्हें पर्याप्त मात्रा में अवसर प्रदान करके।
(d) पाठ्यपुस्तक में दी गई सूचनाओं के कंठस्थीकरण करने पर बल देकर।

119. विकास में वैयक्तिक विभिन्नता को समझने के लिए क्या महत्वपूर्ण है? *[CTET-July-2019-II]*
(a) पर्यावरणीय कारकों पर विचार करना जो लोगों को प्रभावित करते हैं।
(b) शरीर एवं दिमाग के परिपक्वन पर विचार करना।
(c) वंशागत विशेषताओं के साथ-साथ पर्यावरणीय कारकों एवं उनकी पारस्परिक क्रिया पर विचार करना।
(d) वंशागत विशेषताओं पर विचार करना जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में विशेष शुरुआत देती है।

120. निम्नलिखित रणनीतियों में से कौन-सी बच्चों में अर्थ निर्माण को बढ़ावा देगी? *[CTET-July-2019-II]*
(a) सूचनाओं का संचरण
(b) दंडात्मक साधनों का प्रयोग करना
(c) एकरूप एवं मानकीकृत परीक्षण
(d) अन्वेषण एवं परिचर्चा

उत्तरमाला

1	(d)	**13**	(c)	**25**	(c)	**37**	(d)	**49**	(b)	**61**	(a)	**73**	(b)	**85**	(c)	**97**	(c)	**109**	(c)
2	(a)	**14**	(c)	**26**	(d)	**38**	(d)	**50**	(c)	**62**	(d)	**74**	(b)	**86**	(d)	**98**	(c)	**110**	(d)
3	(d)	**15**	(d)	**27**	(a)	**39**	(d)	**51**	(a)	**63**	(c)	**75**	(c)	**87**	(c)	**99**	(c)	**111**	(c)
4	(b)	**16**	(b)	**28**	(a)	**40**	(a)	**52**	(a)	**64**	(a)	**76**	(b)	**88**	(b)	**100**	(a)	**112**	(a)
5	(a)	**17**	(a)	**29**	(a)	**41**	(b)	**53**	(a)	**65**	(c)	**77**	(a)	**89**	(d)	**101**	(a)	**113**	(d)
6	(c)	**18**	(d)	**30**	(c)	**42**	(d)	**54**	(a)	**66**	(b)	**78**	(a)	**90**	(a)	**102**	(b)	**114**	(d)
7	(a)	**19**	(d)	**31**	(d)	**43**	(d)	**55**	(c)	**67**	(d)	**79**	(a)	**91**	(c)	**103**	(c)	**115**	(a)
8	(b)	**20**	(d)	**32**	(c)	**44**	(a)	**56**	(c)	**68**	(c)	**80**	(a)	**92**	(d)	**104**	(c)	**116**	(b)
9	(a)	**21**	(c)	**33**	(d)	**45**	(c)	**57**	(d)	**69**	(d)	**81**	(b)	**93**	(d)	**105**	(b)	**117**	(b)
10	(d)	**22**	(a)	**34**	(d)	**46**	(b)	**58**	(c)	**70**	(d)	**82**	(a)	**94**	(d)	**106**	(b)	**118**	(a)
11	(d)	**23**	(d)	**35**	(c)	**47**	(a)	**59**	(c)	**71**	(b)	**83**	(d)	**95**	(c)	**107**	(d)	**119**	(c)
12	(d)	**24**	(d)	**36**	(c)	**48**	(b)	**60**	(d)	**72**	(c)	**84**	(d)	**96**	(c)	**108**	(a)	**120**	(d)

व्याख्या सहित उत्तर

22. (a) शिक्षिका द्वारा विभिन्न अधिगम-शैलियों का प्रयोग करना यह दर्शाता है कि शिक्षिका गार्डनर के बहुबुद्धि सिद्धांत से प्रभावित है, क्योंकि गाडर्नर के बहुबुद्धि सिद्धांत के अनुसार सभी व्यक्तियों की प्रतिभाएँ (तार्किक, शाब्दिक, सांगीतिक ...) अलग-अलग होती हैं।

23. (d) सीखने का सम्बन्ध बुद्धि, प्रतिभा एवं योग्यता से है। सभी शिक्षार्थियों के उपर्युक्त गुणों में विभिन्नता पायी जाती है। प्रतिभाशाली बुद्धि के बालकों की ग्रहण क्षमता अधिक होती है, लेकिन सामान्य एवं मंदबुद्धि बालकों की कम होती है। अत: शिक्षक को सीखने के विविध अनुभवों को उपलब्ध कराना चाहिए।

25. (c) प्रगतिशील शिक्षा, पारंपरिक शिक्षा के विपरीत है। प्रगतिशील शिक्षा में समय-सारणी और बैठने की व्यवस्था में लचीलापन अपनाया गया है।

26. (d) सीखने के रचनावादी दृष्टिकोण से बाल-केन्द्रित शिक्षा की उत्पत्ति हुई है। इस दृष्टिकोण के अनुसार, बच्चों को सूचना का भंडार न बनाकर अपना ज्ञान स्वयं अर्जित करने देना चाहिए और यह तभी संभव है, जब बाल-केन्द्रित शिक्षा पद्धति अपनायी जाए।

41. (b) एक सांस्कृतिक तथा भाषिक रूप से वैविध्यपूर्ण कक्षा में छात्रों के विशेष शिक्षा श्रेणी स्थापित करने से पहले शिक्षार्थी की मातृभाषा का मूल्यांकन करना चाहिए।

42. (d) जब बच्चे वास्तविक जीवन में उपयोगी होने वाली गतिविधियों में शामिल होते हैं, तो वे जल्दी सीखते हैं।

43. (d) ब्लूम की शिक्षण व्यवस्था संज्ञानात्मक उद्देश्यों के विभिन्न प्रकार की एक श्रेणीबद्ध व्यवस्था है।

44. (a) शिक्षा के क्षेत्र में निपुणता अभिविन्यास के प्रोत्साहन शिक्षार्थियों के व्यक्तिगत प्रयासों पर ध्यान केन्द्रित करना एवं माता-पिता के सकारात्मक विकास से ही संभव है।

45. (c) शिक्षिका के बच्चे पियाजे के संज्ञानात्मक विकास के विकेन्द्रीकरण दोष से प्रभावित हैं।

85. (c) छात्र की भाषा, संस्कृति, मूल्य, परिवार एवं अन्य पर्यावरणीय परिस्थितियों का ज्ञान शिक्षकों का कक्षा में छात्रों का ज्यादा सहयोग करने एवं घर से ज्यादा सहयोग कराने में आश्रित है।

88. (b) एक प्रभावी कक्षा में बच्चे अपने ज्ञान को समृद्ध करने के लिए तथा दिग्दर्शन एवं सहयोग के लिए शिक्षक पर निर्भर होते हैं।

89. (d) ज्ञान के एक बड़े असंबद्ध भाग को प्रस्तुत करना विद्यार्थियों के लिए अवधारणात्मक समझ को प्राप्त करने को कठिन बनाएगा।

90. (a) प्रगतिवादी शिक्षा जॉन डेवी से जुड़ी हुई है। प्रगतिवादी शिक्षक उन विद्यालयों को प्राथमिकता देते हैं जो उपयोगी विषयों (व्यवसायों को सम्मिलित करते हुए) की शिक्षा प्रदान करते हैं। ये पाठ्यपुस्तकों के निर्देशों से शिक्षा ग्रहण करने के स्थान पर कार्य के द्वारा शिक्षा को महत्व देते हैं। इस प्रक्रिया के अंतर्गत शैक्षिक सोच के अंतर्गत बच्चे में विकासशील व्यक्तित्व को रखा जाता है। यह इस बात पर बल देता है कि "बच्चे को शिक्षित करो, विषय को नहीं"।

91. (c) बाल संकेंद्रित कक्षाओं का उद्देश्य बच्चों के हाथों में सीखने की स्वायत्तता एवं स्वतंत्रता प्रदान करना है।

92. (d) शिक्षार्थियों द्वारा की गई गलतियाँ उनके चिंतन को समझने के अवसर के रुप मे देखी जानी चाहिए। शिक्षक को शिक्षार्थी द्वारा की गई गलतियों पर ध्यान देकर समझना चाहिए और उनके चिंतन में सुधार लाने का प्रयास करना चाहिए। ये गलतियाँ शिक्षक और शिक्षार्थियाँ की असफलता का सूचक नहीं है। इन गलतियाँ को कठोरता से नहीं निपटाना चाहिए।

93. (d) बालकेन्द्रित शिक्षा-शास्त्र का अर्थ है - बच्चों की अभिव्यक्ति और उनकी सक्रिय भागीदारी को महत्व देना। बालकेंद्रित शिक्षा में बच्चे को अपने भावों की अभिव्यक्ति बनाने की पूर्ण स्वतंत्रता दी जाती हैं। बच्चा प्रत्येक गतिविधि में अपनी योग्यता एवं रुचि के अनुसार सक्रिय भागीदार भी बनता है।

94. (d) एक कक्षा जिसमें शिक्षार्थी समूहों मे बैठे हैं और शिक्षिका बारी-बारी से प्रत्येक समूह मे जा रही है। ऐसी कक्षा बाल केन्द्रित कक्षा-कक्ष को प्रदर्शित करती है। इसी कारण शिक्षिका सभी शिक्षार्थियों पर ध्यान दे रही है।

96. (c) प्रगतिशील शिक्षा पद्धति (बाल-केन्द्रित शिक्षा) का प्रतिपादन जॉन डीवी द्वारा किया गया। इस पद्धति में विद्यार्थी को शैक्षिक क्रियाकलाप करने मे लिए पर्याप्त स्वत्रंता प्रदान की जाती है।

98. (c) दो बालक एक दूसरे से मानसिक योग्यताओं, शारीरिक क्षमताओं तथा शील गुणों के आधार पर भिन्न होते हैं। ये विभिन्नताएं एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से अलग करती है। अत: बालकों को शिक्षा उनकी वैयक्तिक भिन्नताओं को ध्यान में रखकर देनी चाहिए।

99. (c) व्यक्ति सापेक्ष अधिगम शिक्षण की एक विधि है जिसमें सामग्री, शिक्षण तकनीक, और सीखने की गति प्रत्येक विद्यार्थियों की क्षमताओं और हितों पर आधारित होती हैं।

101. (a) कक्षा में विविधता को संबोधित व स्वीकार करने का अर्थ है कि सभी बच्चे अपने तरीके से अद्वितीय हैं। एक शिक्षिका को अपनी कक्षा विविधता को स्वीकार कर उसका पूर्ण उपयोग करना चाहिए।

102. (b) विद्यार्थी असफल होते हैं क्योकि शिक्षण उस तरीके से नहीं किया जाता जो उनके लिए सार्थक हो और विद्यालय व्यवस्था प्रत्येक विद्यार्थी की आवश्यकताओं और अभिरुचियों के अनुरूप नहीं होती।

103. (c) बालक की रुचियों, प्रवृत्तियों, तथा क्षमताओं को ध्यान में रखकर शिक्षा प्रदान करना ही बाल-केन्द्रित शिक्षा कहलाता है।

106. (b) बालक के मनोविज्ञान को समझते हुए शिक्षण की व्यवस्था करना तथा उसकी अधिगम सम्बंधी कठिनाइयों को दूर करना बाल केन्द्रित शिक्षा कहलाता है।

107. (d) छात्रों में सही व्यवहार के प्रशिक्षण हेतु सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, सही व्यवहार का प्रस्तुतीकरण। यदि अध्यापक छात्रों के सामने आदर्श व्यवहार प्रस्तुत करता है तो छात्र इससे सीख लेते हैं तथा भविष्य में वैसा ही व्यवहार प्रस्तुत करते हैं।

108. (a) किंडरगार्टन का अर्थ होता है- बाल-उद्यान। इस प्रणाली के प्रतिपादक थे- फ्रोबेल। किंडरगार्टन विधि में बच्चों को विभिन्न प्रकार के कलात्मक गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाता है, जैसे: मिट्टी की मूर्त्तियाँ बनाना, चटाई बुनना, सांस्कृतिक कार्यक्रम में विभिन्न भूमिकाएं करना तथा काव्यात्मक प्रस्तुति इत्यादि।

109. (c) C.W.S.N = Children with special need, अर्थात विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चे।

110. (d) दिये गये विकल्पों में करके सीखना, परियोजना विधि, सहयोग से सीखना प्रगतिशील शिक्षा का सबसे अच्छा वर्णन करता है। प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा में अमेरिका के मनोवैज्ञानिक जॉन दिवि का महत्त्वपूर्ण योगदान है। इनका कहना है कि शिक्षा का उद्देश्य बालक की शक्तियों का विकास करना है। अलग-अलग बच्चों के अनुरूप उनकी शिक्षण प्रक्रिया में अंतर रखकर इस उद्देश्य को पूरा किया जा सकता है।

111. (c) प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा के अनुसार शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य बालक की शक्तियों का विकास है। शिक्षा का उद्देश्य ऐसा वातावरण तैयार करना होना चाहिए, जिसमें प्रत्येक बालक को सामाजिक विकास का पर्याप्त अवसर मिल सकें। शिक्षा ही जीवन का आधार है और बिना शिक्षा के मनुष्य का जीवन अर्थहीन व दिशाहीन हो जाता है। मनुष्य जब जन्म लेता है तब वह केवल जैविक प्राणी होता है, परंतु शिक्षा के माध्यम से वह सामाजिक प्राणी बनता है।

112. (a) व्यक्तिगत शिक्षा कार्यक्रम की योजना बाल-केंद्रित शिक्षा कार्यक्रम के संदर्भ में बनायी जाती है। शिक्षा का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास करना है। व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास बचपन में ही शुरू हो जाता है। शिक्षा प्राप्त करने का मुख्य केंद्र बिंदु स्कूल होता है और इसी स्कूल के लिए व्यक्तिगत शिक्षा कार्यक्रम की योजना बनायी जाती है। जिसके कारण यह बाल केंद्रित शिक्षा कार्यबद्ध होता है।

113. (d)
- लोकतांत्रिक शिक्षण नीतियाँ जनतंत्र के मूल्यों पर आधारित होती हैं। इस प्रकार की नीतियों में प्रमुख हैं- समस्या समाधान, परियोजना कार्य, खोज, समीक्षा, योजना पद्धति, गृहकार्य इत्यादि।
- प्रभुत्ववादी शिक्षण नीतियाँ निरंकुशवाद पर आधारित होती हैं। इस प्रकार की नीतियों में प्रमुख हैं- प्रदर्शन, व्याख्यान तथा अभिक्रमित अनुदेशन इत्यादि।

114. (d) प्रगतिशील, पारंपरिक शिक्षा प्रणाली से भिन्न होती है। इसमें बच्चों के बैठने की व्यवस्था में लचीलापन होता है, साथ ही समय-सारणी बच्चों के अनुकूल होती है। प्रगतिशील शिक्षा में बच्चों को सक्रिय अन्वेषकों के रूप में देखा जाता है। खेलते समय किसी खिलौने के पुर्जों को अलग-अलग करना फिर उन्हें जोड़ना - इस बात का संकेतक है कि यह प्रवृत्ति उनमें जन्मजात होती है।

115. (a) विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले बच्चे प्रभावी रूप से सीखते हैं। कार्य विविधता से सीखने की क्षमता में वृद्धि होती है। अध्ययन में रुचि बनी रहती है।

116. (b) बच्चों द्वारा कक्षा में प्रश्न पूछना एक उत्साहित करने वाला कदम है। इससे उनमें विषय की गहनता में पैठ प्राप्त होती है। कक्षा शिक्षण के दौरान बालक के प्रश्न पूछने पर उसके उत्सुकता को शांत करने के लिए शिक्षक को उसकी समस्याओं का समाधान करना चाहिए तथा छात्र को विषयवस्तु संबंधी सार्थक प्रश्न पूछने को प्रोत्साहित करना चाहिए।

117. (b) जब शिक्षक को विद्यार्थियों एवं उनकी योग्यताओं के बारे में सकारात्मक विश्वास होता है तब विद्यार्थी सीखने के लिए उत्सुक एवं प्रेरित होते हैं। कक्षा में ऐसा वातावरण बनाना चाहिए जिससे बच्चे निःसंकोच प्रश्न पूछ सकें। बच्चों के विचारों को सम्मान दिया जाना चाहिए। उन्हें प्रश्न प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित करना तथा जिज्ञासा दर्शाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

118. (a) बच्चों को प्रभावी रूप से समस्या का समाधान करने में सक्षम बनाने के लिए एक शिक्षक बच्चों को समस्या के बारे में सहजानुभूत अनुमान लगाने एवं बहु-विकल्पों को देखने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।

119. (c) विकास में वैयक्तिक विभिन्नता को समझने कि लिए यह आवश्यक है कि वंशागत विशेषताओं के साथ-साथ पर्यावरणीय कारकों एवं उनकी परस्परिक क्रिया पर विचार किया जाए।

120. (d) अन्वेषण एवं परिचर्चा प्रक्रिया के द्वारा बच्चे अर्थ निर्माण की ओर प्रोत्साहित होते हैं। उनमें मानसिक विकास की गति तीव्र होती है। उनमें नवाचार की प्रवृत्ति विकसित होती है।

अभ्यास - 2

1. शैक्षिक निर्देशन का उद्देश्य है-
(a) बालकों की उपलब्धि स्तर को ऊंचा करना
(b) बालकों की क्षमताओं का विकास करना
(c) बालकों के व्यक्तित्व को प्रभावी बनाना
(d) उपरोक्त सभी।

2. व्यवसायिक निर्देशन उपयोगी है-
(a) बालक के उपयुक्त व्यवसाय के चयन में।
(b) सामाजिक के विकास हेतु
(c) बालक की योग्यता के अनुसार व्यवसाय चयन
(d) उपरोक्त सभी।

3. व्यवसायिक चयन है-
(a) व्यवसाय के चयन हेतु
(b) व्यक्ति की प्रधानता
(c) जटिल प्रक्रिया
(d) उपयोगी।

4. बाल-केन्द्रित शिक्षा से सम्बन्धित है-
(a) बालकों के अनुभवों को महत्त्व
(b) बालकों की सक्रिय सहभागिता
(c) मनोवैज्ञानिक आधार पर शिक्षा का आयोजन
(d) उपरोक्त सभी।

5. बाल-केन्द्रित शिक्षा की बात की-
(a) आदर्शवादियों ने (b) प्रकृतिवादियों ने
(c) अस्तित्व वादियों ने (d) इनमें से किसी ने नहीं।

6. प्रगतिशील शिक्षा की मुख्य विशेषताएँ-
(a) करके सीखने पर बल
(b) समस्या समाधान व आलोचनात्मक चिन्तन
(c) सामाजिक कुशलता व सामूहिक कार्यों पर बल
(d) उपरोक्त सभी।

7. व्यक्तिगत विभिन्नता के कारण है-
(a) शारीरिक आधार (b) मानसिक आधार
(c) व्यक्तित्व के गुण (d) ये सभी।

8. जब एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से रूप, रंग, रुचि, अभिरुचि आदि में भिन्न हो, तो यह कहा जाता है-
(a) अधिगम अक्षमता (b) वैयक्तिक विभिन्नता
(c) विकृत व्यक्तित्व (d) इनमें से कोई नहीं।

9. व्यक्तिगत विभिन्नता का आधार है-
(a) वंशानुक्रम (b) पर्यावरण
(c) आयु व बुद्धि (d) ये सभी।

10. वैयक्तिक विभिन्नता को जानने के लिए कौन-सी विधि नहीं है?
(a) बृद्धि परीक्षण (b) व्यक्ति इतिहास विधि
(c) व्यक्तिगत परीक्षण (d) अन्तर्दर्शन विधि।

11. वैयक्तिक विभिन्नता पर आधारित शिक्षण विधि है-
(a) डाल्टन प्रणाली (b) प्रोजेक्ट प्रणाली
(c) माण्टेसरी प्रणाली (d) उपरोक्त सभी।

12. वैयक्तिक विभिन्नता पर आधारित विधि नहीं है-
(a) डेक्रोली (b) विनेटिका
(c) किण्डरगार्टन (d) व्याख्यान विधि।

13. वैयक्तिक विभिन्नता का अर्थ है-
(a) किन्हीं दो व्यक्तियों में शारीरिक विभिन्नता है
(b) किन्हीं दो व्यक्तियों में शारीरिक, मानसिक संवेगात्मक विभिन्नता होना
(c) सभी व्यक्तियों का व्यक्तित्व समान होना
(d) उपरोक्त सभी।

14. वैयक्तिक विभिन्नता के कारण हैं-
(a) आनुवंशिकता
(b) वातावरण
(c) शारीरिक मानसिक विचारों का प्रभाव
(d) उपरोक्त सभी।

15. सन् 1960 में सबसे पहले किसने सिद्ध किया कि व्यक्तियों में उच्च बौद्धिक क्षमता उसके वंशानुक्रम का परिणाम है?
(a) गाल्टन (b) टायलर
(c) युंग (d) इनमें से कोई नहीं।

16. किण्डर गार्टन प्रणाली के जन्मदाता हैं-
(a) रूसो (b) फ्रोबेल
(c) पेस्टालॉजी (d) इनमें से कोई नहीं।

17. ग्रीक भाषा में ह्यूरिस्टिक शब्द का अर्थ है-
(a) नष्ट (b) विकास
(c) उत्पन्न (d) इनमें से कोई नहीं

18. विनेटिका प्रणाली के जन्मदाता हैं-
(a) कार्लटन वाशबर्न (b) ओविड डेक्रोली
(c) डब्लू. ए. बर्ट (d) इनमें से कोई नहीं।

19. कहानी पद्धति उपयोगी है-
(a) छोटे बच्चों के लिए
(b) वयस्कों के लिए

(c) कठिन विषय हेतु
(d) छोटे बच्चों को रोचक ढंग से पढ़ाने हेतु।

20. बाल-केन्द्रित शिक्षा का महत्त्व निम्न कारण से है-
(a) बालक प्रधान शिक्षा
(b) सरल व रुचिपूर्ण
(c) आत्म-अभिव्यक्ति के अवसर
(d) उपरोक्त सभी।

21. ..... के अतिरिक्त निम्नलिखित समस्या समाधान की प्रक्रिया के चरण हैं
(a) परिणामों की आशा करना
(b) समस्या की पहचान
(c) समस्या को छोटे हिस्सों में बाँटना
(d) सम्भावित युक्तियों को खोजना

22. बच्चों द्वारा की जाने वाली त्रुटियों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है?
(a) एक शिक्षक को प्रत्येक त्रुटि पर ध्यान नहीं देना चाहिए अन्यथा पाठ्यक्रम पूरा नहीं होगा।
(b) प्रत्येक त्रुटि को सुधारने में बहुत अधिक समय लगेगा तथा एक शिक्षक के लिए थकान वाला होगा।
(c) स्वयं बच्चों द्वारा त्रुटियों को सुधारा जा सकता है इसलिए शिक्षक को उन्हें तुरंत ही नहीं सुधारना चाहिए।
(d) यदि एक शिक्षक कक्षा-कक्ष में सभी बच्चों की त्रुटियों को सुधारने योग्य नहीं है तो यह संकेत करता है कि शिक्षक-शिक्षा की व्यवस्था असफल है।

23. 'अधिगमकर्ता का स्व-नियमन' का क्या अर्थ है?
(a) स्व-अनुशासन और नियंत्रण
(b) अपने सीखने का स्वयं अनुवीक्षण करने की योग्यता
(c) विद्यार्थी निकाय द्वारा बनाए गए नियम एवं विनियम
(d) विद्यार्थियों के व्यवहार के लिए विनियमों का निर्माण करना

24. एक शिक्षिका अपने शिक्षार्थियों को सदैव इस रूप में सहायता करती है कि वे एक विषय-क्षेत्र से प्राप्त ज्ञान को दूसरे विषय-क्षेत्रों के ज्ञान के साथ जोड़ सकें। इससे ..... को बढ़ावा मिलता है।
(a) पुनर्बलन
(b) ज्ञान के सह-संबंध एवं अंतरण
(c) वैयक्तिक भिन्नताओं
(d) शिक्षार्थी-स्वायत्तता

25. बच्चों की सीखने की प्रक्रिया में माता-पिता को ..... भूमिका निभानी चाहिए।
(a) नकारात्मक (b) अग्रोन्मुखी
(c) सहानुभूतिपूर्ण (d) तटस्थ

26. कोई बच्चा अपने द्वारा निश्चित की गई सर्वोत्तम विधि का प्रयोग करता है
(a) समस्या समाधान के लिए
(b) स्कूल छोड़कर भाग जाने के लिए
(c) एक पक्षीय चिंतन के लिए
(d) उपरोक्त सभी

27. चिंतन तथा तर्क का उद्देश्य है
(a) वैज्ञानिक को जटिल बनाना
(b) संवेग को समाप्त करना
(c) समस्या का समाधान करना
(d) संज्ञान का अंत करना

28. "समस्या समाधान वह प्रतिमान है जिसमें तार्किक चिंतन निहित होता है।" निम्न में से यह कथन किसका है?
(a) स्टेनले (b) स्किनर (c) पियाजे (d) पावलॉव

29. एक बालक द्वारा किसी समस्या का समाधान करने के लिए निम्न में से कौन-सा गुण होना आवश्यक है?
A. भाषा विकास B. स्वावलम्बी
C. बार-बार प्रयास करने की आदत
(a) A एवं B (b) A एवं C
(c) B एवं C (d) ये सभी

30. इरफान खिलौनों को तोड़ता है और उसके पुर्जों को देखने के लिए उन्हें अलग-अलग कर देता है। आप क्या करेंगे?
(a) उस पर हमेशा नजर रखेंगे।
(b) उसके जिज्ञासु स्वभाव को प्रोत्साहित करेंगे और उसकी ऊर्जा को सही दिशा में संचरित करेंगे
(c) उसे समझाएँगे कि खिलौनों को तोड़ना नहीं चाहिए
(d) इरफान को खिलौनों से कभी भी नहीं खेलने देंगे

31. विद्यार्थियों के सीखने में जो रिक्तियाँ रह जाती हैं। उनके निदान के बाद ..... होना चाहिए।
(a) सघन अभ्यास कार्य
(b) सभी पाठों को व्यवस्थित रूप से दोहराना
(c) शिक्षार्थियों और अभिभावकों को उपलब्धि के बारे में बताना
(d) समुचित उपचारात्मक कार्य

32. किसी बालक में तर्क तथा समस्या-समाधान की शक्ति का विकास कब होता है?
(a) 15वें वर्ष में (b) 12वें वर्ष में
(c) 7वें वर्ष में (d) 8वें वर्ष में

33. बच्चों में वैज्ञानिक सोच का विकास करने के लिए आवश्यक घटक है

A. बच्चों के समक्ष छोटी-छोटी समस्याएँ रखी जाए।
B. बच्चों के द्वारा किए गए सम्भावित समाधानों का परीक्षण किया जाए।
C. बच्चों को सम्भावित समाधानों के निर्माण हेतु प्रेरित किया जाए।
(a) केवल A (b) केवल B
(c) केवल C (d) ये सभी

34. एक बच्चा माचिस के खाली डिब्बों से कई प्रकार की वस्तुएँ बनाकर खेलता है। उस बच्चे के संदर्भ में आपकी राय क्या है?
(a) उसमें वैज्ञानिक अन्वेषक के गुणों का विकास हो रहा है।
(b) वह पढ़ने से कतराता है एवं खेलते रहता है।
(c) उसके माता-पिता उसकी पढ़ाई पर ध्यान नहीं देते।
(d) उसे खेल से दूर कर पढ़ाई में लगाने की आवश्यकता है।

35. बालक में वैज्ञानिक अन्वेषक के गुणों का विकास क्यों किया जाना चाहिए?
(a) उसे खेलों से दूर करने के लिए
(b) उसमें 'वैज्ञानिक स्वभाव' विकसित करने के लिए
(c) उसे पढ़ाई में व्यस्त रखने के लिए
(d) उसे शरारत करने से रोकने के लिए

36. किसी समस्या के सम्भावित समाधानों का परीक्षण कहाँ किया जाता है?
(a) प्रयोगशाला में (b) कहीं पर भी
(c) विद्यालय में (d) घर पर

37. आपकी कक्षा का एक बच्चा किसी समस्या को समझने का प्रयास कर रहा है। आप उस बच्चे के विषय में क्या कहेंगे?
(a) बच्चा सामान्य सोच वाला है।
(b) बच्चे की बुद्धिलब्धि 70 से कम है।
(c) बच्चे में वैज्ञानिक सोच का विकास हो रहा है।
(d) बच्चे का मन पढ़ाई में न लगकर इधर-उधर की बातों में लगा रहता है

38. एक बच्चा अपने खिलौनों को तोड़कर उन्हें पुनः नये तरीके से जोड़कर कई प्रकार की वस्तुएँ बना लेता है। उस बालक के संदर्भ में आपकी राय क्या है?
(a) उसे ऐसा करने से रोका जाना चाहिए ताकि उसका ध्यान पढ़ाई में लगे
(b) बच्चे में वैज्ञानिक अन्वेषक के गुण हैं एवं इसमें विकास के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए
(c) बच्चे की शिकायत उसके अभिभावकों से की जानी चाहिए ताकि वे उसे खिलौना न दें
(d) बच्चे की शिकायत प्रिंसिपल से की जानी चाहिए कि वह खेलता रहता है

39. मनोविज्ञान का शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़ा योगदान है
(a) विषय केन्द्रित शिक्षा (b) शिक्षक केन्द्रित शिक्षा
(c) क्रिया केन्द्रित शिक्षा (d) बाल केन्द्रित शिक्षा

40. कक्षा शिक्षण में पाठ प्रस्तावना सोपान सीखने के किस नियम पर आधारित है ?
(a) प्रभाव का नियम (b) सादृश्यता नियम
(c) तत्परता का नियम (d) साहचर्य का नियम

41. ध्यान आकर्षित होने में ..... की प्रमुख भूमिका होती है।
(a) उद्दीपन की तीव्रता
(b) उद्दीपन की उपादेयता
(c) उद्दीपन की विश्वसनीयता
(d) उद्दीपन की सक्रियता

42. " .....छात्र में रुचि उत्पन्न करने की कला है -
(a) शिक्षण (b) सहानुभूति
(c) समदृष्टि (d) प्रेरणा

43. प्रेरणा/प्रोत्साहन सामान्यतया ....पाने के लिए दिया जाता है।
(a) परिणाम (b) सोच-विचार या
(c) अनुक्रिया (d) अलगाव

44. जब अभिवृत्ति, क्षमता और रुचियों को ध्यान में रखते हुए शिक्षा दी जाती है तो इसे कहते हैं?
(a) लक्ष्य आधारित शिक्षण(b) तार्किक शिक्षण
(c) मनोवैज्ञानिक शिक्षण (d) इनमें से कोई नहीं

45. शिक्षा की डाल्टन स्कीम के मुताबिक निम्नलिखित में से कौन प्रमुख होता है?
(a) छात्र (b) शिक्षक
(c) मार्गदर्शक (d) इनमें से कोई नहीं

46. .....का विकास शिक्षा के क्षेत्र में एफ. फ्रोबेल का महत्वपूर्ण योगदान रहा?
(a) लैटिन स्कूल (b) व्यावसायिक स्कूल
(c) किंडरगार्टन (d) पब्लिक हाई स्कूल

47. निम्नलिखित में से कौन-सी संस्था सामाजिक परम्पराओं के हस्तांतरण में सबसे अधिक योगदान करती है?
(a) परिवार (b) विद्यालय
(c) पड़ोस (d) इनमें से कोई नहीं

48. बालक में अपराधी प्रवृत्ति के विकसित होने का मुख्य कारण है-
(a) दोषपूर्ण शिक्षा (b) अनुशासनहीनता
(c) आर्थिक अभाव (d) दोषपूर्ण पाठ्यक्रम

49. कक्षा में अच्छा अनुशासन बनाये रखने के लिए मूलभूत आवश्यकता कौन-सी है?
(a) शिक्षण कौशल (b) शारीरिक दंड
(c) श्रम विभाजन (d) शिक्षा का विकेंद्रीकरण

50. छात्र भोजन के मुख्य अवयवों की सूची बना सकते हैं। यह शिक्षण के किस उद्देश्य को इंगित करता है?
(a) ज्ञान (b) अवबोध
(c) अनुप्रयोग (d) मूल्यांकन

51. ''शिक्षा मनुष्य की क्षमताओं का विकास है, जिनकी सहायता से वह अपने वातावरण पर नियंत्रण करता हुआ अपनी संभावित उन्नति को प्राप्त करता है।'' यह परिभाषा किस शिक्षाशास्त्री की है?
(a) पेस्टॉलोजी की (b) लिंग्रेन की
(c) जॉन डीवी की (d) क्रो एंड क्रो की

52. ''शिक्षा मनोविज्ञान का उद्देश्य शैक्षिक परिस्थिति के मूल्य एवं कुशलता में योगदान देना है।'' यह परिभाषा किस शिक्षा शास्त्री की है?
(a) पेस्टॉलोजी की (b) जॉन डीवी की
(c) क्रो एंड क्रो की (d) स्किनर की

53. ''शिक्षा मनोविज्ञान वह विज्ञान है, जिसमें छात्र, शिक्षण तथा अध्ययन का क्रमबद्ध अध्ययन किया जाता है।'' यह परिभाषा किस शिक्षा शास्त्री की है?
(a) जॉन एफ. ट्रेवर्स (b) जॉन डीवी की
(c) क्रो एंड क्रो की (d) पेस्टॉलोजी की

54. निम्नलिखित में से कौन-सी शिक्षा मनोविज्ञान की उपयोगिता नहीं है?
(a) शिक्षा मनोविज्ञान अध्यापक को विद्यार्थियों की विशेषताओं एवं उनके विकास का ज्ञान प्रदान करता है।
(b) शिक्षा मनोविज्ञान अध्यापक को विद्यार्थियों की वैयक्तिक विभिन्नताओं को समझाने में सहायता प्रदान करता है।
(c) शिक्षा मनोविज्ञान अध्यापक को उचित अध्यापन-विधि के चयन में सहायता नहीं करता है।
(d) शिक्षा मनोविज्ञान अध्यापक को विद्यार्थियों के मूल्यांकन करने में सहायता प्रदान करता है।

55. ''किसी भी बच्चे को उचित वातावरण एवं व्यवहार देकर उसे इच्छित दिशा में मोड़ा जा सकता है।'' यह परिभाषा किस मनोवैज्ञानिक की परिभाषा से मिलती जुलती है?
(a) वुडवर्थ की (b) कोहलर की
(c) स्किनर की (d) वाटसन की

56. कोहलर द्वारा चिम्पेजियों पर किया गया प्रयोग किससे सम्बंधित था?
(a) सूझ से
(b) अन्त:दृष्टि से
(c) अन्त:दृष्टि तथा सूझ दोनों से
(d) उपरोक्त सभी

57. खेलों के माध्यम से बालक में कौन-सा गुण विकसित होता है?
(a) सामाजिकता का (b) नैतिकता का
(c) व्यवसायिकता का (d) भौतिकता का

58. थार्नडाइक ने शिक्षा मनोविज्ञान का कैसा रूप प्रदान किया?
(a) निश्चित एवं स्पष्ट (b) अनियमित
(c) आंशिक स्पष्ट (d) उपरोक्त सभी

59. बालकेंद्रित शिक्षा के लिए किस मनोवैज्ञानिक ने शिक्षा शास्त्रियों का ध्यान केन्द्रित किया?
(a) कोहलर ने (b) फ्रायड ने
(c) रूसो ने (d) स्किनर ने

60. आत्म निरीक्षण विधि द्वारा किनकी क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है?
(a) कक्षा-कक्ष में छात्रों की व्यक्तिगत विभिन्नताओं का
(b) स्वयं की
(c) असाधारण बच्चों की
(d) उपरोक्त सभी का

61. शिक्षा के संकुचित अर्थ में शिक्षा प्रदान की जाती है-
(a) निश्चित स्थान पर
(b) प्रत्येक समय व स्थान पर
(c) जीवनपर्यंत
(d) उपरोक्त सभी

62. निम्नलिखित में से लम्बात्मक विधि का अध्ययन किसने किया था?
(a) कार्ल सी. गैरिसन ने
(b) जॉन ड्यूवी ने
(c) जॉन लोक ने
(d) उपरोक्त में से किसी ने नहीं

63. निम्नलिखित में से शिक्षा का केंद्र है-
(a) शिक्षक (b) विषय-वस्तु
(c) बच्चे (d) उपरोक्त सभी

64. खेल को ऐच्छिक तथा आत्मप्रेरित क्रिया किस मनोवैज्ञानिक ने बताया?
(a) फ्रायड ने (b) स्टर्न ने
(c) जेम्स ड्रेवर ने (d) अरस्तु ने

65. शिक्षकों की तैयारी की आधारशिला होनी चाहिए-
(a) शिक्षा मनोविज्ञान (b) पाठ्यपुस्तकें
(c) पाठ्यक्रम (d) पाठ्यचर्या

66. शिक्षा मनोविज्ञान वर्तमान में अपने किस स्वरूप में है?
(a) बाल्यावस्था में (b) जवानी में
(c) शैशवावस्था में (d) किशोरावस्था में

67. बाल केन्द्रित शिक्षा की अवधारणा मनोविज्ञान के किस सम्प्रदाय ने दी?
(a) गेसटोल्टवाद ने (b) संरचनावाद ने
(c) मनोविश्लेषणवाद ने (d) व्यवहारवाद ने

68. स्थानीय इतिहास के लिए सबसे अधिक उपयोगी शिक्षण विधि है-
(a) क्षेत्रीय भ्रमण विधि (b) पर्यटन विधि
(c) प्रयोगशाला विधि (d) उपरोक्त सभी

69. सामाजिक अध्ययन का सबसे अधिक महत्व किसमें होता है?
(a) सामाजिक गतिविधियों में
(b) सामाजिक मूल्यों के विकास में
(c) सामाजिक नियमों में
(d) सामाजिक सुधारों में

70. सामाजिक अध्ययन पढ़ाने की प्राथमिक कक्षाओं में सर्वाधिक उपयुक्त विधि है।
(a) कहानी विधि (b) वाद-विवाद विधि
(c) समाजमिति विधि (d) उपरोक्त सभी विधियां

71. निम्नलिखित में से किस मनोवैज्ञानिक ने बताया कि यदि हममें किसी कार्य को करने की तत्परता है तब हम उसे शीघ्र सीख लेते हैं?
(a) थोर्नडाइक ने (b) पॉवलाव ने
(c) कोहलर ने (d) वर्दाइमर ने

72. गेस्टाल्ट के सिद्धांत का शिक्षा में अनुप्रयोग है?
(a) स्थति का स्पष्ट संगठन
(b) मनस्तापी बालकों के प्रक्षिक्षण में
(c) व्यवहार को अपेक्षित रुप देना
(d) उपरोक्त सभी

73. सक्रिय अनुबंध का निम्नलिखित में से शिक्षा में कौनसा अनुप्रयोग नहीं है?
(a) व्यवहार को अपेक्षित रूप देना
(b) मनस्तापी बालकों के प्रशिक्षण में
(c) व्यवहार को अपेक्षित रूप देना
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

74. ''अध्यापक को चाहिए की सीखने की प्रारंभिक अवस्था में वह बच्चों की अधिक से अधिक सहायता करें एवं अधिक पुनर्बलन प्रदान करें तथा सीखने की अंतिम अवस्था में न्यूनतम सहायता करे।'' यह कथन किस मनोवैज्ञानिक के सिद्धांत पर आधारित है?
(a) कालविन के (b) स्किनर के
(c) सी.एल.हल के (d) गिल्फोर्ड के

75. निम्नलिखित में से किसके अनुकरण से बालक नया ज्ञान प्राप्त करता है?
(a) शिक्षकों के (b) दोस्तों (सहपाठियों) के
(c) माता-पिता के (d) उपरोक्त सभी के

76. पुनरावृति का सिद्धांत किस प्रसिद्ध मनोविज्ञानी से सम्बंधित है?
(a) थर्स्टन से (b) स्टेनले हॉल से
(c) स्किनर से (d) फ्रायड से

77. S-R (Stimulus-Response) Theory की शिक्षा में निम्नलिखित उपयोगिता है सिवाय-
(a) इसमें अभ्यास द्वारा विद्यार्थी को किसी भी कार्य में कुशल बनाया जा सकता है।
(b) इसके द्वारा गलतियों एवं भूलों का निराकरण किया किया जा सकता है
(c) इसके द्वारा मनोवृतियों का विकास किया जा सकता है।
(d) विज्ञान व गणित विषयों के लिए अत्यंत उपयोगी।

78. शिक्षा प्रणाली में अनुकरण को विशेष महत्त्व देने वाले मनोविज्ञानी थे?
(a) वर्दाइमर (b) जेम्स ड्रेवर
(c) रूसो (d) प्लेटो

उत्तरमाला

1	(d)	**9**	(d)	**17**	(c)	**25**	(b)	**33**	(d)	**41**	(a)	**49**	(a)	**57**	(a)	**65**	(a)	**73**	(c)
2	(c)	**10**	(d)	**18**	(a)	**26**	(a)	**34**	(a)	**42**	(d)	**50**	(a)	**58**	(a)	**66**	(c)	**74**	(c)
3	(a)	**11**	(b)	**19**	(d)	**27**	(c)	**35**	(b)	**43**	(c)	**51**	(c)	**59**	(c)	**67**	(c)	**75**	(d)
4	(d)	**12**	(d)	**20**	(d)	**28**	(a)	**36**	(b)	**44**	(c)	**52**	(d)	**60**	(b)	**68**	(a)	**76**	(b)
5	(b)	**13**	(b)	**21**	(c)	**29**	(d)	**37**	(c)	**45**	(a)	**53**	(a)	**61**	(a)	**69**	(b)	**77**	(c)
6	(d)	**14**	(d)	**22**	(d)	**30**	(b)	**38**	(b)	**46**	(c)	**54**	(c)	**62**	(a)	**70**	(a)	**78**	(d)
7	(d)	**15**	(a)	**23**	(b)	**31**	(d)	**39**	(d)	**47**	(a)	**55**	(d)	**63**	(c)	**71**	(a)		
8	(b)	**16**	(b)	**24**	(b)	**32**	(b)	**40**	(c)	**48**	(c)	**56**	(d)	**64**	(b)	**72**	(d)		

4 बुद्धि निर्माण एवं बहुआयामी बुद्धि

पशुओं की तुलना में मनुष्य को कई ज्ञानात्मक योग्यताओं से सम्पन्न मानते हैं, ये उसे विवेकशील प्राणी बनाती है। मनुष्य में तर्क करने, मनन करने, समझने व नई स्थिति का सामना करने की योग्यता होती है। निश्चित रूप से वह पशुओं से श्रेष्ठ है, परन्तु सभी मनुष्य एक से नहीं होते । वे कौन से कारण हैं जिनके कारण एक व्यक्ति दूसरों की अपेक्षा किसी विशिष्ट स्थिति के प्रति अधिक प्रभावशाली अनुक्रिया करता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि रुचि, अभिवृत्ति, प्राप्त ज्ञान एवं कौशल की सफलता प्राप्ति में महत्त्वपूर्ण योगदान होता है, परन्तु फिर भी ऐसा कोई तत्त्व अवश्य है जो इन विभिन्नताओं का कारण है, मनोविज्ञान में इसे बुद्धि कहा जाता है।

बुद्धि एक ऐसा मानसिक तत्त्व है जिसके कारण दो बालकों को एक ही ढंग से पढ़ाये जाने पर उनके समझने में अन्तर आ जाता है, विद्वानों ने बुद्धि को विभिन्न प्रकार से परिभाषित किया है–

वैगनन – अपेक्षाकृत नई एवं परिवर्तित स्थितियों को समझने तथा उनके अनुसार समायोजित करने की योग्यता बुद्धि है।

टर्मन – व्यक्ति जिस अनुपात में अमूर्त चिन्तन करता है, उसी अनुपात में बुद्धिमान कहलाता है।

रॉस – नवीन परिस्थितियों से चेतन अनुकूलन ही बुद्धि है।

मन – नवीन परिस्थितियों को झेलने की मस्तिष्क की नमनीयता बुद्धि है।

बर्ट – बुद्धि अच्छी तरह निर्णय करने, समझने एवं तर्क करने की योग्यता है।

वेशलर – बुद्धि एक समुच्चय या सार्वजनिक क्षमता, जिसके सहारे व्यक्ति उद्देश्यपूर्ण क्रिया करता है, विवेकशील चिन्तन करता है तथा वातावरण के साथ प्रभावपूर्ण समायोजन करता है।

निष्कर्षत: हम कह सकते हैं कि बुद्धि व्यक्ति की वे मानसिक व ज्ञानात्मक योग्यतायें हैं जो उसे जीवन की वास्तविक समस्याओं को सुलझने में सहायता देती हैं और उसके आनंदपूर्ण एवं संतुष्ट जीवन-यापन में सहायक होती हैं।

बुद्धि के सिद्धान्त : बुद्धि के स्वरूप की व्याख्या करने हेतु बुद्धि के विभिन्न सिद्धान्तों का प्रतिपादन किया गया है, जो इस प्रकार है:

एक कारक सिद्धान्त (Unifactor Theory)

1. **कारक :** इस सिद्धान्त का प्रतिपादन **अल्फर्ड बिने** ने किया। बुद्धि में केवल एक तत्त्व की उपस्थिति बतायी जो व्यक्ति की सभी क्रियाओं में विद्यमान होता है। एक व्यक्ति में यदि बुद्धि का भंडार हैं तो वह उसे जीवन के किसी भी क्षेत्र में प्रयुक्त कर सकता है और सभी क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर सकता है, परन्तु यह सिद्धान्त सही व्याख्या नहीं करता। जो व्यक्ति गणित में निपुण है वह अंग्रेजी विषय में भी निपुण हो, यह आवश्यक नहीं। इसी प्रकार विज्ञान का छात्र, कला में भी अच्छे अंक प्राप्त करें, यह आवश्यक नहीं है।
2. **द्विकारक सिद्धान्त (Two Factor Theory) :** इसके अनुसार बुद्धि में दो तत्त्व होते हैं–एक सामान्य तत्व (general) होता है जो सभी बौद्धिक क्रिया में विद्यमान रहता है तथा एक विशिष्ट तत्त्व ('a' specific), जो सभी क्रियाओं में विद्यमान नहीं रहता । सामान्य तत्त्व तथा किसी एक विशिष्ट तत्त्व में जितना उच्च सहसम्बंध होगा, व्यक्ति उस विशिष्ट तत्त्व के क्षेत्र में उतनी ही अधिक प्रगति करेगा।
3. **बहुकारक सिद्धान्त (Multi Factor Theory) :** इस सिद्धान्त के मुख्य समर्थक **ई.एल. थार्नडाइक** ने इस सिद्धान्त के अनुसार बताया है कि बुद्धि कई तत्त्वों का समूह होती है और प्रत्येक तत्त्व में कोई सूक्ष्म योग्यता निहित होती है। बुद्धि में कई स्वतंत्र, विशिष्ट योग्यताएँ होती हैं जो विभिन्न कार्यों को सम्पादित करती हैं। बुद्धि में आंकिक योग्यता, शाब्दिक योग्यता, दिशा योग्यता, तर्क योग्यता, स्मरणशक्ति, भाषण योग्यता आदि होती है।

4. **समूह तत्त्व सिद्धान्त (Group Factor Theory) :** वे तत्त्व जो सभी प्रतिभात्मक योग्यताओं में तो सामान्य नहीं होते, परन्तु कई क्रियाओं में सामान्य होते हैं, उन्हें ग्रुप तत्त्व की संज्ञा दी गई है। इस सिद्धान्त के समर्थक **थर्स्टन** थे। प्रारम्भिक मानसिक योग्यताओं का परीक्षण करते हुए वे इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि कुछ मानसिक क्रियाओं में एक प्रमुख तत्त्व सामान्य रूप से विद्यमान होता है जो क्रियाओं को मनोवैज्ञानिक एवं क्रियात्मक एकता प्रदान करता है और अन्य मानसिक क्रियाओं से अलग करता है। थर्स्टन ने सात प्राथमिक मानसिक योग्यताओं का प्रतिपादन किया-
   1. प्रेक्षण योग्यता (Spatial ability)
   2. अंक योग्यता (Number ability)
   3. शाब्दिक योग्यता (Verbal ability)
   4. वाक् शक्ति (Word ability)
   5. स्मरणशक्ति (Memory ability)
   6. तार्किक योग्यता (Reasoning ability)
   7. पर्यवेक्षण शक्ति (Cereptual ability)

5. **प्रतिदर्श सिद्धान्त (Sampling Theory) :** बुद्धि कई स्वतंत्र तत्त्वों से बनी होती है। कोई विशिष्ट परीक्षण या विद्यालय सम्बन्धी क्रिया में इनमें से कुछ तत्त्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगते हैं, यह भी संभव है कि दो या अधिक परीक्षाओं में एक ही प्रकार के तत्त्व दिखाई दें। तब उनमें से एक सामान्य तत्त्व की विद्यमानता मानी जाती है, यह भी संभव है कि अन्य परीक्षाओं में विभिन्न तत्त्व दिखाई दें । तब उनमें से कोई भी तत्त्व सामान्य न होकर प्रत्येक तत्त्व विशिष्ट होगा।

बहुआयामी सिद्धान्त (Multi Dimensional)

जे.पी. गिलफोर्ड ने बुद्धि का एक प्रतिमान विकसित किया। उन्होंने किसी भी मानसिक प्रक्रिया या बौद्धिक कार्य को तीन आधारभूत आयामों-संक्रिया, सूचना-सामग्री या विषयवस्तु तथा उत्पादन में बांटा ।

संक्रिया से तात्पर्य हमारी उस मानसिक चेष्टा या कार्यशीलता से होता है जिसकी मदद से हम किसी भी सूचना-सामग्री या विषय-वस्तु को अपने चिन्तन तथा मनन का विषय बनाते हैं या इस प्रकार कहें कि इसे चिन्तन या मनन का प्रयोग करते हुए अपनी बुद्धि को काम में लाने का प्रयास कहा जा सकता है।

चिन्तन व मनन के लिए जिस प्रकार की विषय-वस्तु या सूचना-सामग्री की सहायता लेते हैं, उसे बुद्धि को प्रयोग में लाने का दूसरा आधारभूत आयाम विषय-वस्तु (Content) कहा जा सकता है।

बौद्धिक संक्रिया के द्वारा सूचना सामग्री या विषय-वस्तु को लेकर जिस प्रकार की बौद्धिक प्रक्रिया की जाती है, उसके परिणामस्वरूप जो कुछ भी हमें प्राप्त होता है, उसे उत्पाद (Product) का नाम दिया जाता है।

बुद्धि की विशेषताएँ

बुद्धि एक सामान्य योग्यता है, इस योग्यता के व्यक्ति अपने को तथा दूसरों को समझता है। बुद्धि की विशेषताएँ निम्न हैं-

1. बुद्धि व्यक्ति की जन्मजात शक्ति है।
2. बुद्धि व्यक्ति को अमूर्त चिन्तन की योग्यता प्रदान करती है।
3. बुद्धि व्यक्ति को विभिन्न बातों को सीखने में सहायता देती है।
4. बुद्धि व्यक्ति को अपने गत अनुभवों से लाभ उठाने की क्षमता देती है ।
5. बुद्धि व्यक्ति को भले-बुरे, सत्य-असत्य, नैतिक व अनैतिक में अन्तर करने की योग्यता प्रदान करती है।
6. बुद्धि पर वंशानुक्रम व वातावरण का प्रभाव पड़ता है।
7. बुद्धि का विकास जन्म से किशोरावस्था तक माना जाता है।
8. लिंगभेद के कारण बालकों व बालिकाओं की बुद्धि में बहुत ही कम अन्तर होता है।

बुद्धि के प्रकार

(A) गैरिट ने तीन प्रकार की बुद्धि का उल्लेख किया है-

1. **मूर्त बुद्धि**-इसे गामक या यान्त्रिक बुद्धि भी कहते हैं, इसका सम्बन्ध यंत्रों व मशीनों से होता है। जिस व्यक्ति में यह बुद्धि होती है, वह यंत्रों व मशीनी कार्यों में विशेष रुचि लेता है। इस बुद्धि के बालक अच्छे कारीगर, मैकेनिक, इंजीनियर तथा औद्योगिक कार्यकर्ता आदि होते हैं।
2. **अमूर्त बुद्धि**- इसका सम्बन्ध पुस्तकीय ज्ञान से होता है, जिस व्यक्ति में यह बुद्धि होती है वह ज्ञानार्जन में विशेष रुचि लेता है। वे व्यक्ति अच्छे वकील, डाक्टर, दार्शनिक, चित्रकार व साहित्यकार आदि होते हैं।

3. **सामाजिक बुद्धि**- इस बुद्धि का सम्बन्ध व्यक्तिगत व सामाजिक कार्यों से होता है। इसके अन्तर्गत आने वाले व्यक्ति मिलनसार, सामाजिक कार्यों में रुचि लेने वाले व मानव सम्बन्ध के ज्ञान से परिपूर्ण होते हैं। ये व्यक्ति अच्छे व्यवसायी, कूटनीतिज्ञ व सामाजिक कार्यकर्ता होते हैं।

(B) थार्नडाइक ने बुद्धि का वर्गीकरण इस प्रकार किया है-

1. **अमूर्त बुद्धि**- शब्दों, प्रतीकों, समस्या-समाधान आदि के रूप में अमूर्त बुद्धि का प्रयोग किया जाता है।
2. **सामाजिक**- समाज में समायोजन किया जाता है।
3. **यांत्रिक**-व्यक्ति यंत्रों व भौतिक वस्तुओं का परिचालन करता है।

बुद्धि का मापन

गेट्स व अन्य कहते हैं- बुद्धि परीक्षाएँ व्यक्ति की सम्पूर्ण योग्यता का मापन नहीं करतीं, पर वे उनके एक अति महत्त्वपूर्ण पहलू का अनुमान कराती हैं, जिसका शैक्षिक सफलता से और कुछ मात्रा में अन्य क्षेत्रों से निश्चित सम्बन्ध है। यही कारण है कि बुद्धि परीक्षाएँ शिक्षा की महत्त्वपूर्ण साधन बन गई हैं। शिक्षा में इनका प्रयोग अनेक महत्त्वपूर्ण व व्यवहारिक कार्यों के लिये किया जाता है। ये इस प्रकार हैं-

1. **सर्वोत्तम बालक के चुनाव हेतु :** इन परीक्षाओं की सहायता से विद्यालय प्रवेश, छात्रवृत्तियों, वाद-विवाद और इसी प्रकार की अन्य प्रतियोगिताओं के लिए सर्वोत्तम बालकों का चुनाव किया जा सकता है।
2. **पिछड़े बालकों का चुनाव :** बुद्धि परीक्षाओं का प्रयोग करके पिछड़े हुए मानसिक व शारीरिक दोषों वाले बालकों का सरलता से चुनाव किया जा सकता है व शिक्षा हेतु विशिष्ट विद्यालयों में भेजा जा सकता है।
3. **अपराधी व समस्यात्मक बालकों का सुधार :** इन परीक्षाओं द्वारा यह मालूम करने का प्रयास किया जाता है कि बालक अपराधी, असंतुलित व समस्यात्मक क्यों है? वे ऐसे बुद्धि की कमी के कारण है या किसी और कारण से है। कारण ज्ञात होने पर उपचार करके उनमें सुधार किया जा सकता है।
4. **बालकों का वर्गीकरण :** बालकों का वर्गीकरण तीव्र, मन्द व साधारण बुद्धि वाले बालकों में विभक्त कर सकते हैं व उसी के अनुसार शिक्षा दी जा सकती है।
5. **बालकों की विशिष्ट योग्यताओं का ज्ञान :** बुद्धि परीक्षाओं द्वारा बालकों की विशिष्ट योग्यताओं की जानकारी प्राप्त करके, उनको उचित शैक्षिक निर्देशन दिया जा सकता है।
6. **बालकों की क्षमतानुसार कार्य : गेट्स व अन्य** के अनुसार, बुद्धि परीक्षाओं द्वारा बालकों की सामान्य योग्यता व मानसिक आयु को ज्ञात करके यह अनुमान लगाया जा सकता है कि उनमें कार्य करने की कितनी क्षमता है व उसी के अनुसार कार्य दिया जा सकता है।
7. **बालकों की भावी सफलता का ज्ञान : डगलस व हालैण्ड** का कथन है बुद्धि परीक्षाएँ छात्रों की भावी सफलताओं की भविष्यवाणी करती हैं।
8. **राष्ट्र के बालकों की बुद्धि का ज्ञान :** बुद्धि परीक्षाओं द्वारा राष्ट्र के किसी वय वर्ग के बालको की बुद्धि को ज्ञात किया जा सकता है। इससे यह जानकारी प्राप्त की जा सकती है कि दो राष्ट्रों के बालकों के बौद्धिक स्तर में कितना अन्तर है।

बुद्धि परीक्षण

बुद्धि की माप बुद्धि परीक्षण द्वारा की जाती है। बुद्धि परीक्षण के आधार पर बुद्धि-लब्धि 'I.Q.' ज्ञात की जाती है। बुद्धि-लब्धि (Intelligent Quotient) का संप्रत्यय **टर्मन** ने दिया, जबकि जर्मनी के **विलियम स्टर्न** ने 1912 में इसके विषय में सुझाव रखे थे। इसका सूत्र इस प्रकार है-

$$\text{बुद्धि - लब्धि} = \frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100$$

टरमैन ने 1916 में स्टैनफोर्ड बिने परीक्षण के साथ बुद्धि-लब्धि के वितरण की तालिकाएँ भी प्रस्तुत कीं जिनमें विभिन्न बुद्धि-लब्धि गुणांकों के लिये बालकों व व्यक्तियों की प्रतिशत संख्याएँ भी दी थीं।

बुद्धि-लब्धि का वितरण		
बुद्धि (I.Q.)	**प्रतिशत %**	**वर्ग Category**
140 से अधिक	1	प्रतिभाशाली (Genius)
121-140	5	प्रखर बुद्धि (Superior)
111-120	14	तीव्र बुद्धि (Above Average)
91-110	60	सामान्य बुद्धि (Average)
81-90	14	मंद (Feeble minded)
71-80	5	अल्प (Dull)
71 से कम	1	जड़ (Idiot)

अल्फर्ड बिने ने 1905 में सर्वप्रथम बुद्धि परीक्षण का निर्माण किया। इसके बाद बुद्धि को मापने के लिए अनेक परीक्षण बनाये गये व इन्हें बनाने का क्रम आज भी पूरी विश्व में चल रहा है। बुद्धि परीक्षणों का वर्गीकरण कई आधारों पर किया जा सकता है-

1. प्रशासन या क्रियान्वयन के आधार पर वर्गीकरण-
   (A) वैयक्तिक बुद्धि परीक्षण (B) सामूहिक बुद्धि परीक्षण
2. पदों या प्रश्नों के स्वरूप के आधार पर वर्गीकरण-
   (A) शाब्दिक बुद्धि परीक्षण (B) अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण
   (C) क्रियात्मक बुद्धि परीक्षण (D) अभाषायी बुद्धि परीक्षण
3. अन्य आधार पर-
   (A) गति बुद्धि परीक्षण (B) शक्ति बुद्धि परीक्षण

1. (A) वैयक्तिक बुद्धि परीक्षण

- एक समय पर एक ही व्यक्ति पर क्रियान्वयन ।
- बिने साइमन, कोहज ब्लॉक डिजाइन, अलेक्जैण्डर पास एलांग परीक्षण प्रमुख उदाहरण हैं।

(B) सामूहिक बुद्धि परीक्षण

- एक समय में दो या दो से अधिक व्यक्तियों पर प्रशासित ।
- आर्मी अल्फा परीक्षण, आर्मी बीटा परीक्षण, प्रयाग मेहता सामूहिक बुद्धि परीक्षण, एम.सी. जोशी मानसिक योग्यता प्रमुख उदाहरण हैं।

2. (A) शाब्दिक बुद्धि परीक्षण

- जिनके पद या प्रश्न लिखित भाषा या शब्दों में होते हैं।
- पढ़े-लिखे व्यक्तियों पर प्रशासित किये जाते हैं।
- दो प्रकार के होते हैं।

शाब्दिक वैयक्तिक बुद्धि परीक्षण	शाब्दिक सामूहिक बुद्धि परीक्षण
• एक व्यक्ति पर प्रशासित	• समूह पर प्रशासित।
• प्रश्नों में शब्दों का प्रयोग	• प्रश्नों में शब्दों का प्रयोग
• मुख्य उदाहरण – बिने साइमन परीक्षण	• मुख्य उदाहरण – आनी अल्फा, आर्मी क्लासीफिकेशन

(B) अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण

- समूह व वैयक्तिक, दोनों पर प्रशासित।
- प्रश्न या पद अशाब्दिक, भाषा का प्रयोग नहीं ।
- निर्देश, प्रशासन में भाषा का प्रयोग ।
- कोई नमूना, चित्र आदि बनाना होता है।
- रेवेन प्रोग्रेसिव मैट्रिसस, मुख्य उदाहरण

(C) क्रियात्मक बुद्धि परीक्षण

- निर्देश व प्रशासन में भाषा, चित्राभिनय, व हाव-भाव का प्रयोग।
- भाषा का नहीं ।
- वस्तुओं को जोड़-तोड़ कर आकृति बनानी होती है।
- पहला नाम 'सेगुंइन फार्म बोर्ड' था।
- कोहज ब्लॉक, अलेक्जेंडर पास एलांग मुख्य उदाहरण ।

(D) अभाषाई बुद्धि परीक्षण

- प्रश्नों में भाषा का प्रयोग नहीं ।
- निर्देशों में भी भाषा का प्रयोग नहीं ।
- जोड़-तोड़ कर ड्राइंग के आधार पर बनाना होता है।
- संस्कृति मुक्त परीक्षण कैटेल निर्मित, ड्रा-ए-मैन परीक्षण गुडएनक द्वारा निर्मित मुख्य उदाहरण हैं।

3. (A) गति बुद्धि परीक्षण

- प्रश्नों का कठिनाई स्तर सामान्य ।
- प्रश्नों की संख्या अधिक होने के कारण दिये गये समय में सभी प्रश्नों को हल करना मुश्किल होता है।
- जितने अधिक प्रश्नों का उत्तर दिया जाता है, उसी के आधार पर बुद्धि का मापन करता है।
- बुद्धि का सम्बन्ध प्रश्नों को हल करने की गति से है।

(B) शक्ति बुद्धि परीक्षण

- इनके प्रश्न या पद सरल, कठिन, अधिक कठिन व अन्त में सबसे कठिन, इस क्रम में होते हैं।
- किस स्तर तक प्रश्नों को सही-सही हल किया, बुद्धि को इस आधार पर मापते हैं।
- अलेक्जेडर पास एलांग प्रमुख उदाहरण हैं।

व्यक्तिगत व सामूहिक बुद्धि परीक्षणों में अन्तर

व्यक्तिगत परीक्षण	सामूहिक परीक्षण
एक समय में एक व्यक्ति की परीक्षा।	एक समय में अधिक लोगों की परीक्षा ।
छोटे बालकों के लिए अधिक उपयुक्त।	बड़े बालकों व वयस्कों के लिए अधिक उपयुक्त।
अनुभवी व प्रशिक्षित व्यक्ति ही ले सकता है।	सामान्य योग्यता का व्यक्ति ले सकता है।
अधिक समय लगता है।	कम समय लगता है।
परीक्षण परीक्षार्थी में निकट सम्बन्ध।	निकट सम्पर्क स्थापित नहीं होता ।
परीक्षण परीक्षार्थी के गुण-दोषों का पूर्ण अध्ययन करता है।	केवल सामान्य अध्ययन कर सकता है।
अधिक धन व्यय होता है।	कम धन की आवश्यकता।

प्रश्नों की संख्या कम होती है।	प्रश्नों की संख्या अधिक होती है।
परीक्षार्थी परीक्षा के प्रति सतर्क।	परीक्षार्थी उदासीन हो सकता है।
परीक्षणों की विश्वसनीयता व प्रामाणिकता अधिक होती है।	विश्वसनीयता व प्रामाणिकता अपेक्षाकृत कम होती है।
परीक्षणों में अनुचित साधनों का प्रयोग संभव नहीं।	अनुचित साधनों का प्रयोग होने की संभावना होती है।

शाब्दिक व अशाब्दिक बुद्धि परीक्षणों में अन्तर

शाब्दिक	अशाब्दिक
पद या प्रश्नों में शब्दों या भाषा का प्रयोग।	पद स्थूल सामग्री या चित्रों में होते हैं।
उत्तर भाषा के माध्यम से देते हैं।	उत्तर चित्रपूर्ण करके कोई आकृति बनाकर या वस्तु को छांट कर देते हैं।
भाषा जानने वाले व पढ़े-लिखे लोगों पर प्रयुक्त।	पढ़ा-लिखा होना या भाषा जानना आवश्यक नहीं ।
मन्दबुद्धि, गूँगे, बहरों पर प्रयोग नहीं।	यह इन सभी पर प्रयुक्त हो सकती है।

अभ्यास-1 : विगत वर्षों के CTET एवं STET के प्रश्न

1. 'पुरुष स्त्रियों की अपेक्षा ज्यादा बुद्धिमान होते हैं'। यह कथन- *[CTET-2011-II]*
(a) बुद्धि के भिन्न पक्षों के लिए सही है
(b) सही है
(c) सही हो सकता है
(d) लैंगिक पूर्वाग्रह को प्रदर्शित करता है।

2. गिलफोर्ड ने 'अभिसारी चिन्तन' पद का प्रयोग समान अर्थ में किया है- *[RTET-2011-II]*
(a) बुद्धि
(b) सृजनात्मकता
(c) बुद्धि एवं सृजनात्मकता
(d) इनमें से कोई नहीं।

3. व्यक्तित्व एवं बुद्धि में वंशानुक्रम की-
(a) नाममात्र की भूमिका है *[RTET-2011-II]*
(b) महत्त्वपूर्ण भूमिका है
(c) अपूर्वानुमेय भूमिका है
(d) आकर्षक भूमिका है।

4. बालक प्रसंगबोध परीक्षण 3 वर्ष से 10 वर्ष की आयु के बालकों के लिए बनाया गया है। इस परीक्षण में कार्ड में प्रतिस्थापित किये गये हैं *[RTET-2011-II]*
(a) सजीव वस्तुओं के स्थान पर निर्जीव वस्तुओं को
(b) लोगों के स्थान पर जानवरों को
(c) पुरुषों के स्थान पर महिलाओं को
(d) वयस्क के स्थान पर बालकों को।

5. निम्न में से कौन शिक्षण-अधिगम का स्तर नहीं है? *[UPTET-2011-II]*
(a) विभेदीकरण स्तर (b) स्मृति स्तर
(c) चिंतनशील स्तर (d) समझ स्तर।

6. एक बालक जिसकी बुद्धि-लब्धि 105 है, उसे वर्गीकृत किया जाएगा- *[CGTET-2011-II]*
(a) श्रेष्ठ बुद्धि (b) सामान्य से अधिक बुद्धि
(c) सामान्य बुद्धि (d) मन्द बुद्धि।

7. ''बुद्धि के द्विखण्ड सिद्धान्त'' का प्रतिपादन किसने किया? *[CGTET-2011-II]*
(a) स्पियरमैन (b) थर्सटन
(c) गिलफोर्ड (d) गेने

8. हार्वर्ड गार्नर द्वारा निम्न में से एक को छोड़कर बाकी सभी बुद्धि के प्रकार बताए गए हैं- *[CGTET-2011-II]*
(a) भाषा (b) सृजनात्मकता
(c) अंतर्वैयक्तिक कौशल (d) अंत:वैयक्तिक कौशल।

9. बहुविध बुद्धि सिद्धान्त के अनुसार सभी प्रकार के पशुओं, खनिजों और पेड़-पौधों को पहचानने और वर्गीकृत करने की योग्यता ..... कहलाती है। *[CTET-2012-II]*
(a) तार्किक-गणितीय बुद्धि (b) प्राकृतिक बुद्धि
(c) भाषिक बुद्धि (d) स्थानिक बुद्धि।

10. ''अधिकांश व्यक्तियों की बुद्धि औसत होती है, बहुत कम लोग प्रतिभा-सम्पन्न होते हैं और बहुत कम व्यक्ति मन्दबुद्धि के होते हैं।'' यह कथन ..... के प्रतिस्थापित सिद्धान्त पर आधारित है। *[CTET-2012-II]*
(a) बुद्धि और जातीय विभिन्नताओं
(b) बुद्धि के वितरण
(c) बुद्धि की वृद्धि
(d) बुद्धि और लैंगिक विभिन्नताओं।

11. ''तार्किक गणितीय बुद्धि'' ..... से सम्बन्धित है। *[CTET May-2012-II]*
(a) द्वि-कारक सिद्धांत (b) समूह कारक सिद्धांत
(c) पदानुक्रमिक सिद्धांत (d) बहुबुद्धि सिद्धांत

12. बहुबुद्धि सिद्धांत निम्नलिखित निहितार्थ देता है सिवाय- *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) बुद्धि प्रक्रमण संक्रियाओं का एक विशिष्ट समुच्चय है जिसका उपयोग एक व्यक्ति द्वारा समस्या समाधान के लिए किया जाता है
(b) विषयों को विभिन्न तरीकों से प्रस्तुत किया जा सकता है
(c) विविध तरीकों से सीखने का आकलन किया जा सकता है
(d) संवेगात्मक बुद्धि, बुद्धि-लब्धि से सम्बन्धित नहीं है।

13. 16-वर्षीय बच्चा बुद्धि-लब्धि परीक्षण में 75 अंक प्राप्त करता है, उसकी मानसिक आयु .....वर्ष होगी। *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) 12 (b) 8
(c) 14 (d) 15

14. बुद्धि-लब्धांक सामान्यत ..... रूप से शैक्षणिक निष्पादन से संबंधित होते हैं। *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) कम-से-कम (b) पूर्ण
(c) उच्च (d) मध्यम

15. एकसमान जुड़वाँ भाइयों में से एक को सामाजिक-आर्थिक रूप से धनाढ्य परिवार द्वारा गोद लिया जाता है और दूसरे को एक निर्धन परिवार द्वारा। एक वर्ष के बाद उनके बुद्धि-लब्धांक के बारे में निम्नलिखित में से क्या अवलोकित होने की सर्वाधिक संभावना है?
[CTET-Nov. 2012-I]
(a) सामाजिक-आर्थिक स्तर बुद्धि-लब्धांक को प्रभावित नहीं करता
(b) निर्धन परिवार वाले लड़के की अपेक्षा धनी सामाजिक-आर्थिक परिवार वाला लड़का अधिक अंक प्राप्त करेगा।
(c) दोनों समान रूप से अंक प्राप्त करेंगे
(d) धनी सामाजिक आर्थिक परिवार वाले लड़के की अपेक्षा निर्धन परिवार वाला लड़का अधिक अंक प्राप्त करेगा।

16. रेवन का प्रोग्रेसिव मैट्रिसिज परीक्षण _____ परीक्षण का उदाहरण है। *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) व्यक्तित्व
(b) मौखिक बुद्धि-लब्धांक
(c) संस्कृति-मुक्त बुद्धि-लब्धांक
(d) अ-समूह बुद्धि-लब्धांक

17. प्रतिभावान बालक की बुद्धि-लब्धि होती है -
[HTET 2012-I]
(a) 130 (b) 140
(c) 125 (d) 120

18. व्यक्तित्व मापन का स्याही धब्बा परीक्षण है-
(a) आत्मनिष्ठ परीक्षण *[HTET 2012-I]*
(b) वस्तुनिष्ठ परीक्षण
(c) प्रक्षेपण परीक्षण
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

19. ..... के अतिरिक्त बुद्धि के निम्नलिखित पक्षों को स्टेनबर्ग के त्रितंत्र सिद्धांत में संबोधित किया गया है।
[CTET-2013-I]
(a) अवयवभूत (b) सामाजिक
(c) आनुभविक (d) संदर्भगत

20. हावर्ड गार्डनर का बुद्धि का सिद्धांत ..... पर बल देता है। *[CTET-2013-I]*
(a) सामान्य बुद्धि
(b) विद्यालय में आवश्यक समान योग्यताओं
(c) प्रत्येक व्यक्ति की विलक्षण योग्यताओं
(d) शिक्षार्थियों में अनुबंधित कौशलों।

21. निम्नलिखित में से कौन-सी बहुबुद्धि सिद्धांत की आलोचना है? *[CTET-2013-II]*
(a) बहुबुद्धि केवल 'प्रतिभाएँ' हैं जो पूर्ण रूप में बुद्धि में विद्यमान रहती हैं
(b) बहुबुद्धि शिक्षार्थियों को अपनी रुझान को खोजने में मदद उपलब्ध कराती है
(c) यह व्यावहारिक बुद्धि पर आवश्यकता से अधिक बल देती है
(d) यह आनुभविक साक्ष्यों को बिल्कुल भी समर्थन नहीं दे सकता

22. करनैल सिंह कानूनी कार्यवाही तथा खर्चे के बावजूद आयकर नहीं देते। वे सोचते हैं कि वे एक भ्रष्ट सरकार को समर्थन नहीं दे सकते जो अनावश्यक बाँधों के निर्माण पर लाखों रुपए खर्च करती है। वे संभवत: कोहलबर्ग के नैतिक विकास की किस अवस्था में हैं?
[CTET-2013-II]
(a) परंपरागत (b) पश्च-परंपरागत
(c) पूर्व-परंपरागत (d) परा-परंपरागत

23. जो बुद्धि सिद्धांत बुद्धि में सम्मिलित मानसिक प्रक्रियाओं (जैसे परा-घटक) और बुद्धि द्वारा लिए जा सकने वाले विविध रूपों (जैसे सृजनात्मक बुद्धि) को शामिल करता है, वह है- *[CTET-2013-II]*
(a) स्पीयरमैन का 'जी' कारक
(b) स्टर्नबर्ग का बुद्धिमत्ता का त्रितंत्र सिद्धांत
(c) बुद्धि का सार्वेट सिद्धांत
(d) थर्स्टन की प्राथमिक मानसिक योग्यताएँ ।

24. निम्नलिखित में से कौन-सा आलोचनात्मक दृष्टिकोण 'बहु-बुद्धि सिद्धान्त' से सम्बद्ध नहीं है?
(a) यह शोधाधारित नहीं है *[CTET-Feb.-2014-I]*
(b) विभिन्न बुद्धियाँ भिन्न-भिन्न विद्यार्थियों के लिए विभिन्न पद्धतियों की मांग करती हैं
(c) प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्राय: एक क्षेत्र में ही अपनी विशिष्टता प्रदर्शित करते हैं
(d) इसका कोई अनुभवात्मक आधार नहीं है

25. 'बहु-बुद्धि सिद्धान्त' को वैध नहीं माना जा सकता, क्योंकि – *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) विशिष्ट परीक्षणों के अभाव में भिन्न बुद्धियों का मापन सम्भव नहीं है
(b) यह सभी सात बुद्धियों को समान महत्त्व नहीं देता है
(c) यह केवल अब्राहम मैस्लो के जीवन-भर के सुदृढ़ अनुभवात्मक अध्ययन पर आधारित है
(d) यह सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण सामान्य बुद्धि 'g' के अनुकूल (सुसंगत) नहीं है।

26. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है? *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) आनुवंशिक बुनावट व्यक्ति की, परिवेश की गुणवत्ता के प्रति, प्रत्युत्तरात्मकता को प्रभावित करती है
(b) गोद लिए बच्चों का वही बुद्धि लब्धांक (IQ) होता है, जो गोद लिए गए उनके सहोदर भाई-बहनों का होता है
(c) अनुभव मस्तिष्क के विकास को प्रभावित नहीं करता
(d) विद्यालयीकरण का बुद्धि पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

27. एक ग्यारह-वर्षीय बच्चे ने 'स्टैनफोर्ड-बिने बुद्धि मापनी' में 130 अंक पाए। मान लीजिए कि एक सामान्य सम्भाव्य वक्र में $\mu = 100$ तथा $\sigma = 15$ है, तो उन ग्यारह-वर्षीय बच्चों के प्रतिशत की गणना कीजिए जिनसे इस बच्चे ने बेहतर अंक प्राप्त किए। *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) 98% (b) 88%
(c) 78% (d) 80%

28. निम्नलिखित में से कौन-सा निरीक्षण हॉवर्ड गार्डनर के बहुविध-बुद्धि सिद्धान्त का समर्थन करता है? *[CTET Feb-2014-II]*
(a) मस्तिष्क के एक भाग में हुई क्षति केवल किसी एक विशिष्ट योग्यता को प्रभावित करती है, न कि सम्पूर्ण को
(b) बुद्धि विश्लेषणात्मक, सृजनात्मक एवं व्यवहारात्मक बुद्धियों की अन्त:क्रिया है
(c) विभिन्न बुद्धियाँ अपने स्वरूप में पदानुक्रमात्मक हैं
(d) अनुदेशन के प्रारूप का निर्माण करते समय अध्यापकों को किसी एक विशिष्ट शैक्षिक नवाचार के सिद्धान्त का अनुपालन करना चाहिए।

29. योग्यता व योग्यता समूहीकरण के परिप्रेक्ष्य में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है? *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) विद्यार्थी सम-समूहों में बेहतर सीखते हैं
(b) अबाध व प्रभावी शिक्षण हेतु कक्षा को समरूपी होना चाहिए
(c) छात्र असहिष्णु होते हैं व भेदों को स्वीकार नहीं करते
(d) विभिन्न योग्यता वाले समूहों को ग्रहण करने के लिए अध्यापकों को बहु-स्तरीय शिक्षण को अपनाना चाहिए।

30. निम्नलिखित में से कौन-सा कौशल भावात्मक बुद्धि से सम्बद्ध नहीं है? *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) भावनाओं के प्रति जागरूकता
(b) भावनाओं का प्रबन्धन
(c) भावनाओं की आलोचना
(d) कक्षा सहपाठियों के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार।

31. सामाजिक नियमों व कानूनों के विरुद्ध व्यवहार करने वाला बालक कहलाता है- *[HTET-2014-I]*
(a) पिछड़ा बालक (b) मन्दबुद्धि बालक
(c) जड़बुद्धि बालक (d) बाल अपराध।

32. किस मानोवैज्ञानिक ने सीखने की सामग्री के रूप में निरर्थक शब्दों का प्रयोग किया? *[UPTET-2014-I]*
(a) विलियम जेम्स (b) स्किनर
(c) एबिंगहॉस (d) बार्टलेट

33. 'चिन्तन संज्ञानात्मक पक्ष में एक मानसिक क्रिया है।' यह कथन दिया गया है- *[UPTET-2014-I]*
(a) डीवी द्वारा (b) गिल्फोर्ड द्वारा
(c) क्रूज द्वारा (d) रॉस द्वारा

34. अच्छी स्मृति की विशेषताएँ हैं- *[UPTET-2014-I]*
(a) शीघ्र पुन:स्मरण (b) शीघ्र पहचान
(c) अच्छी धारणा (d) ये सभी

35. मानसिक आयु के प्रत्यय का सर्वप्रथम प्रयोग किया- *[UPTET-2014-I]*
(a) थॉर्नडाइक (b) गिल्फोर्ड
(c) स्पीयरमैन (d) बिने-साइमन

36. शैशवावस्था के लिए उत्तम शिक्षण विधि है- *UPTET-2014-I]*
(a) मॉण्टेसरी विधि (b) खेल विधि
(c) किण्डरगार्टन विधि (d) ये सभी

37. संवेगात्मक विकास को प्रभावित करने वाले कारक हैं। *[UPTET-2014-I]*
(a) शारीरिक स्वास्थ्य (b) मानसिक योग्यता
(c) थकान (d) ये सभी।

38. सीखने का सर्वाधिक उपयुक्त अर्थ है- [*UPTET-2014-I*]
(a) कौशल अर्जन (b) ज्ञानार्जन
(c) व्यवहार में परिमार्जन (d) वैयक्तिक समायोजन

39. आत्म-केन्द्रित व्यक्ति होता है- *[UPTET-2014-I]*
(a) अन्तर्मुखी (b) बहिर्मुखी
(c) उभयमुखी (d) सामाजिक निर्भर।

40. गैट्स के अनुसार, "अनुभव द्वारा व्यवहार में परिवर्तन ही ..... है।" *[UPTET-2014-II]*
(a) अभिप्रेरण (b) समायोजन
(c) सीखना (d) चिन्तन

41. मनुष्य की बुद्धि आगे की पीढ़ियों में संक्रमित होती है। ..... का कार्य इस जन्मजात योग्यता के विकास के लिए उपयुक्त परिस्थितियों का निर्माण करना है। *[UPTET-2014-II]*

(a) क्षेत्र (b) मौसम
(c) वातावरण (d) जलवायु

42. 140 से अधिक बुद्धि-लब्धि (IQ) वाले वाले बच्चों को किस श्रेणी में रखेंगे? *[UPTET-2014-II]*
(a) मूर्ख (b) मन्दबुद्धि
(c) सामान्य बुद्धि (d) प्रतिभाशाली

43. "सृजनशीलता मौलिक परिणामों को अभिव्यक्त करने की मानसिक क्रिया है।"
उपरोक्त कथन किसके द्वारा दिया गया है?
[UPTET-2014-II]
(a) क्रो एण्ड क्रो (b) जेम्स ड्रेवर
(c) रॉस (d) स्किनर

44. "स्मृति सीखी हुई वस्तु का सीधा उपयोग है।"
उपरोक्त कथन किसका है? *[UPTET-2014-II]*
(a) मैक्डूगल (b) वुडवर्थ
(c) रॉस (d) ड्रेवर

45. "चिन्तन मानसिक क्रिया का ज्ञानात्मक पहलू है।" चिन्तन की यह परिभाषा किसने दी? *[UPTET-2014-II]*
(a) वॉरेन (b) रॉस
(c) वेलेण्टाइन (d) स्किनर

46. निम्न में से कौन-सा स्टर्नबर्ग का बुद्धि का त्रिस्तरीय सिद्धांत का एक रूप है? *[CTET-Sep.-2014-I]*
(a) व्यावहारिक बुद्धि (b) प्रायोगिक बुद्धि
(c) संसाधनपूर्ण बुद्धि (d) गणितीय बुद्धि।

47. किसने सबसे पहले बुद्धि-परीक्षण का निर्माण किया? *[CTET-Sep.-2014-I]*
(a) डेविड वैश्लर
(b) एल्फ्रेड बिने
(c) चार्ल्स एडवर्ड स्पीयरमैन
(d) रॉबर्ट स्टर्नबर्ग

48. प्रवाहपूर्णता, व्याख्या, मौलिकता और लचीलापन .... के साथ सम्बन्धित तत्त्व हैं।*[CTET-Sep.-2014-I]*
(a) प्रतिभा (b) गुण
(c) अपसारी चिंतन (d) त्वरण

49. प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों को ..... से जुड़े प्रश्नों पर अधिक समय देने के लिए कहा जा सकता है। *[CTET-Sep.-2014-I]*
(a) स्मरण (b) समझ
(c) सर्जन (d) विश्लेषण

50. निम्न में से कौन-सा संवेगात्मक बुद्धि से सम्बन्धित है? *[CTET-Sep.-2014-I]*
(a) याद करना (b) गतिक प्रक्रमण
(c) विचार करना (d) समानुभूति देना

51. एक आंतरिक बल, जो प्रोत्साहित करता है और व्यवहारपरक प्रतिक्रिया के लिए बाध्य करता है एवं उस प्रतिक्रिया को विशिष्ट दिशा उपलब्ध कराता है, ... है। *[CTET-Sep.-2014-I]*
(a) अभिप्रेरण (b) अध्यवसाय
(c) संवेग (d) वचनबद्धता

52. 'बहुबुद्धि के सिद्धांत' के संदर्भ में एयरफोर्स पायलट बनने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी बुद्धि की आवश्यकता है? *[CTET-Sep.-2014-II]*
(a) अंत: वैयक्तिक (b) भाषिक
(c) गतिक (d) अंतरा-वैयक्तिक

53. बुद्धि की स्पीयरमैन परिभाषा में कारक 'g' है *[CTET-Sep.-2014-II]*
(a) आनुवंशिक बुद्धि (b) उत्पादक बुद्धि
(c) सामान्य बुद्धि (d) वैश्विक बुद्धि।

54. रेनजुली प्रतिभाशाली की अपनी ..... परिभाषा के लिए जाने जाते हैं। *[CTET-Sep.-2014-II]*
(a) चार-पंक्तीय (टीयर) (b) चार-स्तरीय
(c) त्रि-वृत्तीय (d) त्रि-मुखी

55. प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों के लिए- *[CTET-Sep.-2014-II]*
(a) अभिक्षमता को कौशल के रूप में समझना सही है
(b) प्रगति के निरीक्षण करने की आवश्यकता नहीं है
(c) शिक्षक को अनुकूलन करना चाहिए, जैसे शिक्षार्थी में बदलाव आता है
(d) शिक्षक को पहल करनी चाहिए और समस्या समाधान में मुख्य भूमिका निभानी चाहिए।

56. व्याख्या, अनुमान, और/अथवा नियंत्रण प्राक्कल्पना ... . के लक्ष्य हैं। *[CTET-Sep.-2014-II]*
(a) पारंपरिक तर्कणा (b) आगमनात्मक तर्कणा
(c) निगमनात्मक तर्कणा (d) वैज्ञानिक पद्धति।

57. संवेगात्मक बुद्धि, बहुबुद्धि सिद्धांत के किस क्षेत्र के साथ संबंधित हो सकती है? *[CTET-Sep.-2014-II]*
(a) अंतरा-वैयक्तिक और अंत:वैयक्तिक बुद्धि
(b) प्राकृतिक बुद्धि
(c) चाक्षुष-स्थानिक बुद्धि
(d) अस्तित्वपरक बुद्धि।

58. इनमें से कौन-सा त्रितंत्रीय सिद्धान्त में व्यावहारिक बुद्धि का अभिप्राय ***नहीं*** है ? *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) पर्यावरण का पुनर्निमाण करना
(b) केवल अपने विषय में व्यावहारिक रूप से विचार करना

(c) इस प्रकार के प्रर्यावरण का चयन करना जिसमें आप सफल हो सकते हैं
(d) पर्यावरण के साथ अनुकूलन करना।

59. गार्डनर के बहु-बुद्धि के सिद्धान्त के अनुसार, वह कारक जो व्यक्ति के 'आत्म-बोध' हेतु सर्वाधिक योगदान देगा, वह हो सकता है- *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) अन्त:वैयक्तिक (b) संगीतमय
(c) आध्यात्मिक (d) भाषा-विषयक

60. निम्नलिखित में से कौन-सा सृजनात्मकता से सम्बन्धित है? *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) अभिसारी चिन्तन (b) सांवेगिक चिन्तन
(c) अहंवादी चिन्तन (d) अपसारी चिन्तन

61. कक्षा-अध्यापक ने राघव को अपनी कक्षा में अपने की-बोर्ड पर स्वयं द्वारा तैयार किया गया मधुर संगीत बजाते हुए देखा। कक्षा-अध्यापक ने विचार किया कि राघव में _____ बुद्धि उच्च स्तरीय थी। *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) शारीरिक-गतिबोधक (b) संगीतमय
(c) भाषायी (d) स्थानिक

62. सृजनात्मकता क्या है? *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) सृजनात्मकता 200 से ऊपर की बुद्धिलब्धि से सर्वाधिक बेतहर ढंग से परिभाषित होती है।
(b) बुद्धि का एक प्रकार जो उन कौशलों से संबंधित है जो संचित किए गए ज्ञान और अनुभव पर निर्भर होते हैं।
(c) बुद्धि का एक प्रकार जो संसाधन की गति को शामिल करते हुए सूचना प्रक्रमण कौशलों पर अत्यधिक निर्भर होता है।
(d) समस्याओं के मौलिक और अपसारी समाधनों को पहचानने अथवा तैयार करने की योग्यता।

63. विभिन्न मुद्दों और विमर्शों पर उनके लिए कारण प्रस्तुत करते हुए बच्चों को अपनी व्यक्तिगत राय को व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करने वाले प्रश्न किसको बढ़ावा देते हैं? *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) जानकारी का पुन:स्मरण
(b) बच्चों का मानकीकृत आकलन
(c) विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक चिंतन
(d) अभिसारी चिंतन

64. बुद्धि के बारे मे निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सर्वाधिाक उपयुक्त है? *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) बुद्धि बहु-आयामी है और इसमें कई पहलू निहित हैं।
(b) बुद्धि को केवल मानकीकृत बुद्धिलब्धि परीक्षणों के आयोजन के द्वारा विश्वसनीय रूप से निर्धारित किया जा सकता है।
(c) बुद्धि मूलभूत रूप से स्नायु-तंत्र-संबंधी कार्यप्रणाली है। उदाहरणार्थ -प्रक्रमण की गति, संवेदी-विभेद आदि।
(d) बुद्धि विद्यालय में अच्छा प्रदर्शन करने की योग्यता है।

65. बुद्धि है *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) एक विशिष्ट योग्यता
(b) सामर्थ्यों का एक समुच्चय
(c) एक अकेला और जातीय विचार
(d) दूसरों को अनुकरण करने की योग्यता

66. हॉवर्ड गार्डनर का बहुबुद्धि सिद्धांत सुझाता है कि: *[CTET-Sep.-2016-I]*
(a) हर बच्चे को प्रत्येक विषय आठ भिन्न तरीकों से पढ़ाया जाना चाहिए ताकि सभी बुद्धियों विकसित हों
(b) बुद्धि को केवल बुद्धिलब्धि (IQ) परीक्षा से ही निर्धारित किया जा सकता है
(c) शिक्षक को चाहिए कि विषयवस्तु को वैकल्पिक विधियों से पढ़ाने के लिए बहुबुद्धियों को एक रूपरेखा की तरह ग्रहण करे
(d) क्षमता भाग्य है और एक अवधि के भीतर नहीं बदलती

67. प्रतिभावशाली बच्चों के लिए सबसे अच्छे शैक्षिक कार्यक्रम वे होते हैं जो: *[CTET-Sept.-2016-II]*
(a) उनके आक्रामक व्यवहार को नियंत्रित करते हैं
(b) उन्हें अधिगम के न्यूनतम मानकों तक काम करने को प्रेरित करने के लिए उपहारों और पुरस्कारों का उपयोग करते हैं
(c) प्रत्यास्मरण के द्वारा ज्ञान की प्रवीणता पर बल देते हैं
(d) उनके चिंतन को प्रेरित कर उन्हें विविध विचारों में व्यस्त रहने के अवसर देते हैं

68. हॉवर्ड गार्डनर के बहुबुद्धि सिद्धांत के अनुसार निम्नलिखित का मिलान कीजिए: *[CTET-Sept.-2016-II]*

बुद्धि का प्रकार	**अंत अवस्था**
(a) संगीतात्मक	(i) चिकित्सक
(b) भाषिक	(ii) कवि
(c) अंतरावैयक्तिक	(iii) खिलाड़ी
(d) स्थानिक	(iv) वायलिन-वादक
	(v) मूर्तिकार

(a) a b c d
iv ii v iii
(b) a b c d
v ii iv i
(c) a b c d
ii iv i v
(d) a b c d
iv ii i v

69. किस बुद्धिलब्धि स्तर का बालक सामान्य बुद्धि वाला कहलाता है? *[HTET-2017]*
(a) 70-79 (b) 80-89
(c) 90-109 (d) 110-119

70. बुद्धि लब्धि निकालने का सूत्र है *[UPTET-2017]*
(a) मानसिक आयु × वास्तविक आयु
(b) $\frac{\text{वास्तविक आयु}}{\text{मानसिक आयु}}$
(c) $\frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100$
(d) वास्तविक आयु + मानसिक आयु

71. बुद्धि के तरल क्रिस्टलीय प्रतिमान के प्रतिपादक कौन थे? *[UPTET-2017]*
(a) कैटेल (b) थॉर्नडाइक
(c) वर्नन (d) स्किनर

72. शिक्षण हेतु मानसिक उद्वेलन प्रतिमान का प्रयोग निम्न में से किसके सुधार हेतु किया जाता है। *[UPTET-2017]*
(a) समझ (b) अनुप्रयोग
(c) सृजनात्मकता (d) समस्या समाधान

73. 'स्टैनफोर्ड-बिने परीक्षण' मापन करता है *[UPTET-2017]*
(a) व्यक्तित्व का (b) पढ़ने की दक्षता का
(c) बुद्धि का (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

74. बुद्धि के द्विकारक सिद्धान्त का प्रतिपादन किसने किया? *[UPTET-2017]*
(a) थॉर्नडाइक (b) स्पीयरमैन
(c) वर्नन (d) स्टर्न

75. निम्न में से कौन-सा शिक्षण का स्तर नहीं है? *[UPTET.-2018]*
(a) बोध (b) चिन्तन
(c) स्मृति (d) वर्णन

76. निम्न में से कौन-सा सृजनात्मक प्रक्रिया से सम्बन्धित नहीं है? *[UPTET.-2018]*
(a) उद्‌भवन (b) अभिप्रेरण
(c) आयोजन (d) प्रबोधन

77. बुद्धिमापन की भाटिया बैटरी परीक्षण में हैं *[UPTET.-2018]*
(a) 5 उप-परीक्षण (b) 8 उप-परीक्षण
(c) 4 उप-परीक्षण (d) 7 उप-परीक्षण

78. मानकीकृत परीक्षणों की आलोचनाओं में से एक यह है कि- *[CTET-Dec.-2018-I]*
(a) उनकी भाषा को समझना मुश्किल है
(b) परीक्षण बड़ी आबादी पर लागू नहीं किए जा सकते हैं
(c) वे बच्चे की क्षमता की स्पष्ट तस्वीर नहीं देते हैं
(d) वे मुख्य रूप से मुख्यधारा की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हैं और इसलिए पक्षपाती हैं

79. एकाधिक बुद्धिमानी का सिद्धांत कहता है कि- *[CTET-Dec.-2018-I]*
(a) बुद्धि कई प्रकार की हो सकती है
(b) पेपर-पेंसिल परीक्षण सहायक नहीं हैं
(c) प्रभावी अध्यापन के द्वारा बुद्धि बढ़ाई जा सकती है
(d) बुद्धि तेजी से बढ़ाई जा सकती है

80. निम्नलिखित में से कौन-सी पूर्व-संक्रियात्मक विचार की एक सीमा नहीं है? *[CTET-Dec.-2018-I]*
(a) प्रतीकात्मक विचार का विकास
(b) अहंमन्यता
(c) अनुक्रमणीयता
(d) ध्यान केंद्रित करने की प्रवृत्ति

81. जजोंक का यह मानना है कि संज्ञान और भाव .... होते हैं। *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) स्वतंत्र (b) अंतर्संबंधित
(c) एकीकृत (d) अन्योन्याश्रित

82. मैन्न और जैनिस के अनुसार, निर्णय लेने वाले बच्चे समस्या का विश्लेषण करते हैं, विकल्पों की सूची बनाते हैं और इसके फायदे और नुकसान के प्रत्येक पहलू पर विचार करते हैं। उसका व्यवहार प्रस्तुत करता है- *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) सतर्क (b) निवर्तमान
(c) निरंकुश (d) चौकस

83. बुद्धिलब्धि या आइ. क्यू. की अवधारणा दी गई थी- *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) बिने के द्वारा (b) स्टर्न के द्वारा
(c) टर्मन के द्वारा (d) गैलटॉन के द्वारा

84. उच्च बुद्धि का निम्नलिखित में से कौन-सा संकेतक सर्वोत्तम है? *[HTET-2019]*
(a) बुद्धि परीक्षण में 103 अंक प्राप्त करना
(b) स्मृति से कविता पाठ करना
(c) उच्च ग्रेड प्राप्त करना
(d) पृष्ठपोषण के पश्चात् समान गलती को न दोहराना

85. मस्तिष्क के प्री-फ्रंटल कॉर्टेक्स के द्वारा निम्नांकित में से कौन-सा कार्य नियंत्रित नहीं होता है? *[HTET-2019]*
(a) शारीरिक परिचालन (b) चिंतन
(c) समस्या समाधान (d) दृष्टि एवं श्रवण

86. बुद्धि के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है? *[CTET-July-2019-I]*

(a) बुद्धि बहु-आयामी है जिसमें बुद्धि परीक्षणों के द्वारा पूर्ण रूप से परिमेय न की जाने वाली कई योग्यताएँ शामिल हैं।

(b) बुद्धि अभिसारी रूप से सोचने की योग्यता है।

(c) बुद्धि अनुभव के परिणाम के रूप में व्यवहार में एक अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन है।

(d) बुद्धि एक आनुवंशिक विशेषक है जिसमें मानसिक गतिविधियाँ जैसे स्मरण एवं तर्क शामिल होती हैं।

87. हावर्ड गार्डनर के बहु-बुद्धि सिद्धांत के अनुसार, निम्नलिखित विशेषताओं से युक्त एक व्यक्ति की बुद्धि को किस प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है?

विशेषताएँ:

"दूसरों की मनोदशा, स्वभाव, प्रेरणा तथा अभिप्राय को उचित तरीके से पता लगाने एवं प्रतिक्रिया करने की योग्यता" *[CTET-July-2019-II]*

(a) अंतरावैयक्तिक (b) अंतर्वैयक्तिक

(c) नैदानिक (d) प्रकृतिवादी

उत्तरमाला															
1	(d)	**12**	(d)	**23**	(b)	**34**	(d)	**45**	(b)	**56**	(d)	**67**	(d)	**78**	(c)
2	(b)	**13**	(a)	**24**	(c)	**35**	(d)	**46**	(a)	**57**	(a)	**68**	(d)	**79**	(a)
3	(a)	**14**	(c)	**25**	(a)	**36**	(d)	**47**	(b)	**58**	(b)	**69**	(c)	**80**	(c)
4	(b)	**15**	(a)	**26**	(a)	**37**	(d)	**48**	(a)	**59**	(d)	**70**	(c)	**81**	(a)
5	(b)	**16**	(c)	**27**	(a)	**38**	(c)	**49**	(c)	**60**	(d)	**71**	(a)	**82**	(a)
6	(c)	**17**	(b)	**28**	(a)	**39**	(a)	**50**	(d)	**61**	(b)	**72**	(c)	**83**	(b)
7	(a)	**18**	(c)	**29**	(d)	**40**	(c)	**51**	(a)	**62**	(d)	**73**	(c)	**84**	(d)
8	(b)	**19**	(b)	**30**	(c)	**41**	(c)	**52**	(c)	**63**	(c)	**74**	(b)	**85**	(d)
9	(b)	**20**	(c)	**31**	(d)	**42**	(d)	**53**	(c)	**64**	(a)	**75**	(d)	**86**	(a)
10	(b)	**21**	(a)	**32**	(c)	**43**	(a)	**54**	(c)	**65**	(b)	**76**	(b)	**87**	(b)
11	(d)	**22**	(b)	**33**	(d)	**44**	(b)	**55**	(c)	**66**	(c)	**77**	(a)		

व्याख्या सहित उत्तर

9. (b) गार्डनर के बहुविध बुद्धि सिद्धान्त के अनुसार पशुओं, खनिजों, पेड़-पौधों आदि प्राकृतिक तत्त्वों को पहचानने और वर्गीकृत करने की योग्यता प्राकृतिक बुद्धि कहलाती है।

10. (b) बुद्धि के वितरण सिद्धांत के अनुसार, लगभग 70% वयक्तियों की बुद्धि-लब्धि 90-110 के मध्य, लगभग 15% व्यक्तियों की बुद्धि 110 से अधिक तथा लगभग 15% व्यक्तियों की बुद्धि 90 से कम होती है।

12. (d) बहुबुद्धि सिद्धांत हावर्ड गार्डनर (Howard Gardner) ने 1983 में 'फ्रेम ऑफ माइंड' पुस्तक में दी। यह सिद्धांत विकल्पों (a), (b) और (c) तीनों की विशेषतायें बतलाता है, परंतु (d) नहीं।

13. (a) वास्तविक आयु = 16 वर्ष
बुद्धि-लब्धि = 75
मानसिक आयु = ?
माना मानसिक आयु = x

$$\text{बुद्धि - लब्धि (IQ)} = \frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{वास्तविक आयु}} \times 100,\ 75 = \frac{x}{16} \times 100 \ \therefore\ x = \frac{75 \times 16}{100} = 12 \text{ वर्ष}$$

16. (c) रेवेन प्रोग्रेसिव मेट्रेसिस एक अशाब्दिक समूह बुद्धि-परीक्षण है, जो 5 वर्ष से ऊपर के लिये है। इसमें 60 बहुविकल्पीय प्रश्न होते हैं।

19. (b) स्टेनबर्ग ने बुद्धि के तीन आयाम बताए हैं जिसे त्रितंत्र सिद्धांत के नाम से जाना जाता है, जो निम्नलिखित हैं-
    (i) अवयवी बुद्धि (Componential Intelligence)
    (ii) आनुभविक बुद्धि (Experiential Intelligence)
    (iii) संदर्भगत बुद्धि (Contextual Intelligence)

20. (c) हावर्ड गार्डनर ने बहुबुद्धि के सिद्धांत का प्रतिपादन किया है। बहुबुद्धि सिद्धांत प्रत्येक व्यक्ति की विलक्षण योग्यताओं पर बल देता है। गार्डनर के अनुसार, बुद्धि के आठ प्रकार पाए जाते हैं जिनमें भाषायी, तर्क गणितीय, संगीत, स्थानिक, शारीरिक/गति संवेदी, अंतर्वैयक्तिक (Interperson), आंतरव्यक्तिक (Intrapersonal) एवं प्राकृतिक बुद्धि शामिल हैं।

21. (a) हावर्ड गार्डनर द्वारा दिए गए बहुबुद्धि सिद्धांत की आलोचना मनोवैज्ञानिकों एवं शिक्षाविदों द्वारा किया गया। आलोचकों के अनुसार गार्डनर द्वारा दी गयी बुद्धि की परिभाषा व्यापक है। गार्डनर के अनुसार, बुद्धि के आठ प्रकार मात्र प्रतिभा, व्यक्तित्व, लक्षण और क्षमताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। गार्डनर के सिद्धांत में अनुभवजन्य साक्ष्यों की कमी हैं।

22. (b) करनैल सिंह, कोहलबर्ग के नैतिक विकास के पश्च-परंपरागत अवस्था के सामाजिक अनुबंध और व्यक्तिगत अधिकार के स्तर में है। इस स्तर पर भिन्न मूल्यों, विचारों और अन्य लोगों पर विश्वास करते हैं लेकिन कानून के नियम बनाने से पहले समाज के सदस्यों को कानूनी मानकों पर सहमत होना चाहिए।

60. (d) अपसारी चिन्तन सृजनात्मकता से सम्बन्धित हैं, इस चिन्तन के अन्दर व्यक्ति को कुछ तथ्य तो दिए होते हैं उनमें अपनी ओर से एक तथ्य जोड़कर निष्कर्ष निकाला जाता हैं।

61. (b) जिन लोगों के पास उच्च संगीतीय बुद्धिमत्ता होती है उनकी पिच सामान्य तथा अच्छी होती है। वे लोग गाने, संगीत उपकरणों को बजाने एवं संगीत की रचना करने में समर्थ होते हैं।

62. (d) सृजनात्मकता संसार को नए तरीके से समझने, गुप्त पद्धति को समझने, असंबद्ध घटना को समझने एवं समाधान को प्रस्तुत करने के बीच संबंधा स्थापित करता है।

63. (c) कुछ प्रश्न विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हैं ताकि वे अपनी व्यक्तिगत रायों को विभिन्न मामलों में प्रदर्शित कर सकें। वे जब इसके लिए कारण देते हैं तो विश्लेषणात्मक एवं सीमांत तार्किकता को प्रोत्सहित करते हैं।

64. (a) बुद्धि को इनके विभिन्न तरीकों में परिभाषित किया गया है। इसमें तार्किक शक्ति, विचारण समझ, सजगता, संवाद, अधिगम, भावनात्मक ज्ञान, स्मरण योजना, रचनात्मकता एवं समस्या को हल करना सम्मिलित है। यह कई पहलुओं से युक्त बहुआयामी होती है।

66. (c) बहुबुद्धि सिद्धान्त का सर्वप्रथम प्रतिपादन हॉवर्ड गार्डनर ने अपनी पुस्तक 'फ्रेमस ऑफ माइन्ड' (1983) में किया। हॉवर्ड के अनुसार सभी में सात बौद्धिक क्षमताएं होती है जो कि निम्न है-
    (i) तार्किक गणितीय, (ii) शाब्दिक-भाषायी, (iii) स्थानिक- यांत्रिकी, (iv) संगीतमय, (v) शारीरिक-गतिबोधन (vi) अन्तर व्यक्तित्व सामाजिक (vii) अन्तर व्यक्तित्व स्वः ज्ञान

67. (d) प्रतिभाशाली बच्चे असाधारण योग्यता या बुद्धि से सम्पन्न होते है, यदि प्रतिभाशाली बच्चों को व्यस्त न रखा जाएं तो कक्षा व स्कूल के प्रति धीरे-धीरे उनमें उदासीनता आ जाती हैं। अतएव शैक्षिक कार्यक्रम प्रतिभाशाली बच्चों के अनुरूप होना चाहिए।

68. (d) बहुबुद्धि सिद्धांत हॉवर्ड गार्डनर द्वारा प्रस्तुत किया गया है । उनके अनुसार, बुद्धि कोई एक तत्व नहीं है बल्कि कई भिन्न-भिन्न प्रकार की बुद्धियों का अस्तित्व होता है। प्रत्येक बुद्धि एक दूसरे से स्वतंत्र रहकर कार्य करती है।

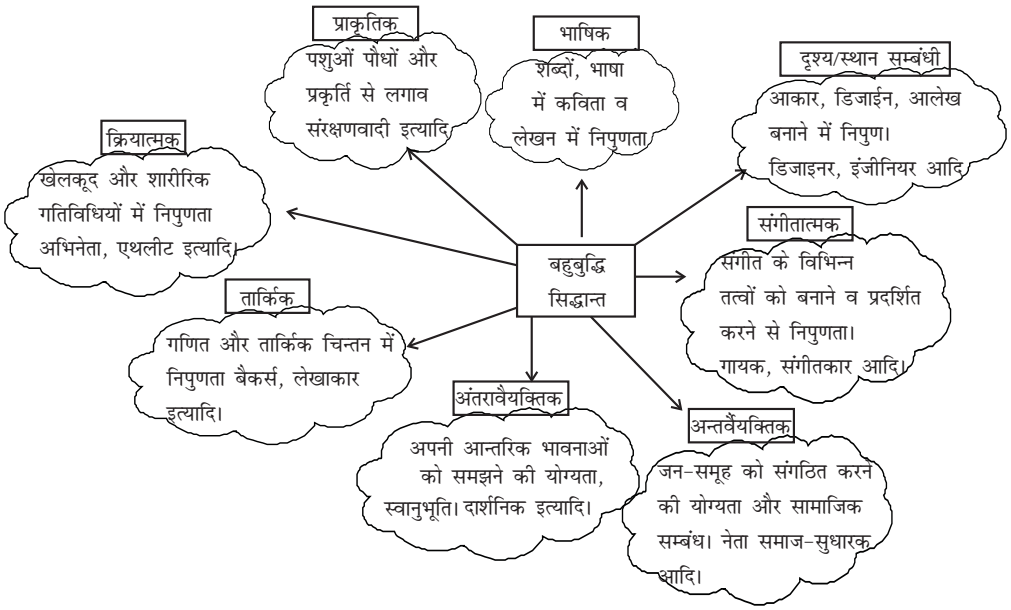
बहुबुद्धि सिद्धान्त
प्राकृतिक
पशुओं पौधों और प्रकृर्ति से लगाव संरक्षणवादी इत्यादि
भाषिक
शब्दों, भाषा में कविता व लेखन में निपुणता
दृश्य/स्थान सम्बंधी
आकार, डिजाईन, आलेख बनाने में निपुण। डिजाइनर, इंजीनियर आदि
क्रियात्मक
खेलकूद और शारीरिक गतिविधियों में निपुणता अभिनेता, एथलीट इत्यादि।
संगीतात्मक
संगीत के विभिन्न तत्वों को बनाने व प्रदर्शित करने से निपुणता। गायक, संगीतकार आदि।
तार्किक
गणित और तार्किक चिन्तन में निपुणता बैकर्स, लेखाकार इत्यादि।
अंतरावैयक्तिक
अपनी आन्तरिक भावनाओं को समझने की योग्यता, स्वानुभूति। दार्शनिक इत्यादि।
अन्तर्वैयक्तिक
जन-समूह को संगठित करने की योग्यता और सामाजिक सम्बंध। नेता समाज-सुधारक आदि।

69. (c) बुद्धि लब्धि का प्रत्यय टर्मन तथा स्टर्न ने दिया।

बुद्धिलब्धि वितरण

बुद्धिलब्धि सीमाएँ	वर्ग
130 से अधिक	प्रतिभाशाली
121 से 130	प्रखर बुद्धि
111 से 120	तीव्र बुद्धि
91 से 110	सामान्य बुद्धि
81 से 90	मन्द बुद्धि
71 से 80	अल्प बुद्धि
71 से कम	जड़ बुद्धि

70. (c) बुद्धि लब्धि, बालक की सामान्य योग्यता के विकास की गति बताती है। यह कई अलग मानकीकृत परीक्षणों से प्राप्त एक गणना है, जिससे बुद्धि का आकलन किया जाता है।

71. (a) बुद्धि के तरल क्रिस्टलीय प्रतिमान का प्रतिपादन रेमंड कैटल द्वारा किया गया था, जिसका विस्तार बाद में उनके शिष्य जॉन एल. हार्न द्वारा किया गया।

73. (c) सन् 1905 में बिने ने साइमन के सहयोग से प्रथम बुद्धि परीक्षण का निर्माण किया। 1916 में अमेरिकी मनोवैज्ञानिक टर्मेन ने बिने के बुद्धि परीक्षण को अपने देश की परिस्थितियों के अनुकूल बनाकर इसका प्रकाशन किया। यह परीक्षण स्टेनफोर्ड बिने परीक्षण कहलाता है।

74. (b) स्पीयरमैन ने 1904 में बुद्धि के द्विकारक सिद्धान्त का वर्णन किया। उनके अनुसार बुद्धि में दो प्रकार का कारक होता है। बुद्धि की संरचना में एक कारक सामान्य तत्व होता है जिसे (G-factor) और दूसरा विशिष्ट कारक (S-factor) कहा जाता है।

75. (d) शिक्षण के निम्न तीन स्तर होते हैं-
(1) स्मृति (2) बोध
(3) चिंतन

76. (b) आयोजन, उद्‌भवन तथा प्रबोधन सृजनात्मक अभिक्रिया के अंतर्गत आते हैं। स्किनर के अनुसार, सृजनात्मक चिंतन वह है जो नए क्षेत्र की खोज करता है, नए परीक्षण करता है और नए निष्कर्ष प्राप्त करता है।

77. (a) भाटिया बैटरी परीक्षण में निम्न पाँच उपपरीक्षण होते हैं-
   (i) कोह का ब्लैक डिजाइन टेस्ट
   (ii) पास एलांग टेस्ट
   (iii) पैटर्न डिजाइन टेस्ट
   (iv) शीघ्र स्मृति परीक्षण
   (v) चित्र निर्माण परीक्षण

78. (c) विभिन्न प्रकार के मानकीकृत परीक्षणों के लिए अलग-अलग उद्‌देश्य है। परीक्षण मानक वे संदर्भ बिंदु है जिनकी सहायता से तुलना करके परीक्षण पर प्राप्त अंकों की व्याख्या की जा सकती है लेकिन मानकीकृत परीक्षा बच्चों की क्षमता की स्पष्ट तस्वीर नहीं देते हैं।

79. (a) एकाधिक बुद्धिमानी का सिद्धांत कहता है कि बुद्धि कई प्रकार की हो सकती है। एकाधिक बुद्धिमानी के सिद्धांत को अमेरिका स्थित हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ० गार्डनर ने 1983 ई० में प्रस्तावित किया और कहा कि यह मूल क्षमता के वर्णन के साथ कई सांस्कृतिक मूल्यों द्‌वारा आदर की गयी भूमिकाओं के चरित्र-चित्रण को जोड़ती है।

80. (c) अनुक्रमणीयता पूर्व- संक्रियात्मक विचार की एक सीमा नहीं है। पूर्व-संक्रियात्मक विचार बच्चों में दो से सात वर्ष की अवस्था में आती है। इस अवस्था में बालक अपने परिवेश की वस्तुओं को पहचानने लगता है।

81. (a) जजोंक का यह मानना है कि संज्ञान और भाव स्वतंत्र होते हैं। रॉबर्ट जजोंक एक अमेरिकी मनोवैज्ञानिक थे।

82. (a) सतर्क का अर्थ होता है- सचेत 'सावधान' तर्कयुक्त 'तर्कपूर्ण। वर्ष 1977 में लियोन मान तथा इरविंग जेनिस ने निर्णय लेने की प्रक्रिया का वर्णनात्मक मॉडल प्रस्तुत किया और कहा कि निर्णय लेने की आवश्यकता में एक संघर्ष है। निर्णय लेने की आवश्यकता में एक संघर्ष है। निर्णय दो या अधिक विकल्पों में से एक विकल्प को चुनने की प्रक्रिया है। निर्णय लेने से पहले विश्लेषण करना जरूरी होता है।

83. (b) बुद्धिलब्धि या आइ० क्यू० की अवधारणा स्टर्न के द्वारा दी गयी थी। 'बुद्धिलब्धि' शब्द की उत्पत्ति जर्मन शब्द से हुई है। इस शब्द का पहली बार प्रयोग जर्मन मनोवैज्ञानिक विलियम स्टर्न ने किया। आइ० क्यू० की गणनाएं कई संदर्भों में प्रयुक्त की जाती हैं।

84. (d) उच्च बुद्धि का सर्वोत्तम संकेतक है- पृष्ठपोषण के पश्चात् समान त्रुटि की पुनरावृत्ति का न होना। त्रुटियों की पहचान होने पर बालक उसके निराकरण की बात सोचता है। फिर धीरे-धीरे प्रारम्भिक त्रुटियाँ कम होने लगती हैं।

85. (d) मस्तिष्क का प्री-फ्रंटल कॉर्टेक्स का कार्य है- शरीर की गतिविधियों का संचालन करना, चिंतन तथा विश्लेषण तथा समस्या-समाधान करना। मस्तिष्क का ऑक्सिपिटल भाग दृष्टि कार्य से संबंधित है।

86. (a) बुद्धि बहु-आयामी है जिसमें बुद्धि परीक्षणों के द्वारा पूर्ण से परिमेय न की जाने वाली कई योग्यताएँ शामिल हैं। स्पीयरमैन के अनुसार, "बुद्धि सामवर्धिक चिंतन है।" कोई भी व्यक्ति उसी अनुपात में बुद्धि प्रकट करता है जिस अनुपात में वह अपने नए वातावरण में समायोजित होने की क्रिया सीख चुका है। नवीन परिस्थितियों में अपने विचारों को समायोजित करने की क्षमता बुद्धि है।

87. (b) दूसरों की मनोदशा, स्वभाव, प्रेरणा, तथा अभिप्राय को उचित तरीके से पता लगाने व प्रतिक्रिया करने की योग्यता अंतर्वैयक्तिक कहलाती है। अंतर्वैयक्तिक कौशल के लिए आवश्यक है कि प्रभावी सम्प्रेषण हो। सकारात्मक अभिवृत्ति, श्रव्य तत्परता तथा संवेग प्रबंधन आवश्यक हैं।

अभ्यास - 2

1. 60 मिनट में आपको 60 प्रश्नों के उत्तर देने हैं, आप कितने अधिक-से-अधिक प्रश्नों के उत्तर दे पाये, ये बुद्धि परीक्षण हैं-
(a) शक्ति बुद्धि परीक्षण
(b) गति बुद्धि परीक्षण
(c) शब्दिक बुद्धि परीक्षण
(d) इनमें से कोई नहीं।

2. बुद्धि के विषय में सत्य है-
(a) बुद्धि एक जन्मजात योग्यता है।
(b) बुद्धि व्यक्ति को अमूर्त चिन्तन योग्य बनाती है
(c) बुद्धि वंशानुक्रम व वातावरण से प्रभावित है
(d) उपरोक्त सभी।

3. एक बालक यंत्रों व मशीनों में रुचि लेता है। अपनी खिलौना कार को खोलकर देखता है, उसके अन्दर बुद्धि का कौन सा-प्रकार विद्यमान है?
(a) मूर्त बुद्धि (b) सामाजिक बुद्धि
(c) अमूर्त बुद्धि (d) इनमें से कोई नहीं

4. वर्तमान समय में बुद्धि का मापन क्यों आवश्यक है?
(a) पिछड़े बालकों के चुनाव हेतु
(b) भावी सफलता के ज्ञान हेतु
(c) बालकों के वर्गीकरण हेतु
(d) उपरोक्त सभी।

5. माना जाता है कि (I.Q.) बुद्धि लब्धि का प्रत्यय इन्होंने दिया-
(a) टर्मन ने (b) जड ने
(c) कैटेल ने (d) थार्नडाइक ने।

6. I.Q. का सूत्र है-
(a) $\frac{\text{M.A.}}{\text{C.A.}} \times 100$ (b) $\frac{\text{C.A.}}{\text{M.A.}} \times 100$
(c) $\frac{\text{E.A.}}{\text{C.A.}} \times 100$ (d) इनमें से कोई नहीं।

7. कक्षा में एक बालक अपने साथियों की अपेक्षा हर पाठ को सबसे तीव्रता से पढ़ता व समझता है, समस्या समाधान अद्वितीय तरीके से करता है इसकी संभावित I.Q. होगी-
(a) 140 से अधिक (b) 81-90
(c) 91-110 (d) इनमें से कोई नहीं।

8. कक्षा में सामान्य उपलब्धि वाला बालक किसकी बुद्धि-लब्धि औसत है उसकी I.Q. है-
(a) 91 से 110 (b) 71-80
(c) 111-120 (d) 71 से कम

9. बुद्धि परीक्षण का निर्माण करने वाला पहला मनोवैज्ञानिक था-
(a) अल्फर्ड बिने (b) रेमण्ड कैटेल
(c) साइमन (d) जी.बी. वाटसन।

10. जहां प्रश्नों का स्वरूप शब्दों में हो वह बुद्धि परीक्षण इस प्रकार का होगा-
(a) शाब्दिक बुद्धि परीक्षण
(b) अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण
(c) गति बुद्धि परीक्षण
(d) इनमें से कोई नहीं।

11. बुद्धि सिर्फ एक सामान्य तत्त्व से निर्मित है, यह कहा-
(a) चार्ल्स स्पीयर मैन ने (b) ई.एल. थार्नडाइक
(c) एबिंगहास ने (d) इनमें से कोई नहीं।

12. शक्ति बुद्धि परीक्षण की विशेषता है
(a) प्रश्नों का कठिनाई स्तर सामान्य
(b) प्रश्नों का कठिनाई स्तर बढ़ता जाता है
(c) बुद्धि का सम्बंध प्रश्नों को हल करने की गति है
(d) उपरोक्त सभी।

13. 'आर्मी अल्फा परीक्षण' एक परीक्षण है-
(a) शाब्दिक सामूहिक (b) अशाब्दिक व्यक्तिगत
(c) शाब्दिक व्यक्तिगत (d) अशाब्दिक सामूहिक।

14. शाब्दिक वैयक्तिक बुद्धि परीक्षण है-
(a) शब्दों द्वारा एक व्यक्ति की परीक्षा
(b) चित्रों द्वारा एक व्यक्ति की परीक्षा
(c) शब्दों द्वारा समूह की परीक्षा
(d) उपरोक्त सभी।

15. शाब्दिक बुद्धि परीक्षण की विशेषता नहीं-
(a) पद या प्रश्नों के भाषा का प्रयोग
(b) उत्तर भाषा के माध्यम से
(c) पढ़ा-लिखा होना या भाषा का ज्ञान आवश्यक नहीं
(d) इनमें से कोई नहीं-

16. सामूहिक बुद्धि परीक्षण की विशेषता है-
(a) एक समय में अधिक लोगों की परीक्षा
(b) बड़े बालकों व वयस्कों के लिए उपयुक्त
(c) कम समय, कम धन की आवश्यकता
(d) उपरोक्त सभी।

17. बुद्धि में सामान्य के साथ विशिष्टि तत्त्व भी होता है यह कहा-

(a) अल्फर्ड बिने (b) स्टर्न ने।
(c) टर्मन ने (d) स्पीयरमैन ने।

18. नया अविष्कार, नया चिन्तन, नयी योजना इसी बुद्धि के सहारे होता है-
(a) अमूर्त बुद्धि (b) मूर्त बुद्धि
(c) गामक बुद्धि (d) उपरोक्त सभी।

19. गिलफोर्ड के बुद्धि संरचना प्रतिमान (Structure of Intellect Model) में आयाम है-
(a) 3 (b) 5
(c) 2 (d) 7

20. अपसारी चिन्तन योग्यता किस आयाम के अन्तर्गत आती है-
(a) विषय-वस्तु (b) संचालन
(c) उत्पादन (d) इनमें से कोई नहीं

21. निम्न योग्यता विषय-वस्तु से सम्बन्धित नही है-
(a) आकारात्मक (b) प्रतीकात्मक
(c) स्मृति (d) अर्थगत

22. थार्नडाइक के अनुसार-
(a) बुद्धि अमूर्त है (b) बुद्धि मूर्त है
(c) बुद्धि यान्त्रिक है (d) उपरोक्त सभी।

23. ''बुद्धि सापेक्ष रूप में नवीन परिस्थितियों में अभियोजन करने की जन्मजात योग्यता है'' यह कथन है-
(a) स्टर्न (b) बिने
(c) बर्ट (d) मैक्डूगल।

24. एक खण्ड सिद्धान्त के समर्थक है-
(a) बिने, टर्मन, स्टर्न
(b) बिने, गैरेट, थार्नडाइक
(c) टर्मन, कैटल, स्पीयरमैन
(d) इनमें से कोई नहीं

25. स्टेनफोर्ड बिने स्केल का विकास किस देश में किया गया?
(a) अमेरिका (b) जापान
(c) फ्रांस (d) जर्मनी।

26. भाटिया बैटरी परीक्षण में कुल कितने उपपरीक्षण- हैं?
(a) 2 (b) 3
(c) 5 (d) 7

27. मानव मस्तिष्क की क्रियाओं का परीक्षण किस यंत्र से किया जाता है ?
(a) जियुमोग्राफ (b) इलेक्ट्रोमियोग्राम
(c) साइको गैलवनोमीटर (d) इलेक्ट्रो एन-सिफोलोग्राम

28. बच्चे की बुद्धिलब्धि 90 से 110 के मध्य है
(a) सामान्य बुद्धि (b) प्रखर बुद्धि
(c) उत्कृष्ट (d) प्रतिभाशाली

29. कौन-सा सिद्धान्त व्यक्त करता है कि मानव मस्तिष्क एक बर्फ की बड़ी चट्टान के समान है जोकि अधिकांशत: छिपी रहती है एवं उसमें चेतना के तीन स्तर हैं?
(a) गुण सिद्धान्त
(b) प्रकार सिद्धान्त
(c) मनोविश्लेषणात्मक सिद्धान्त
(d) व्यवहारवाद सिद्धान्त

30. बुद्धि से सम्बन्धित गिलफोर्ड के सिद्धान्त के अनुसार मानसिक प्रक्रिया में आधारभूत आयाम है
(a) सांक्रिया (b) सूचना सामग्री
(c) उत्पाद (d) ये सभी

31. मानसिक रूप से पिछड़े बालकों की बुद्धिलब्धि मानी गई है
(a) 110 से कम (b) 90 से कम
(c) 80 से कम (d) 70 से कम

32. बुद्धि का द्वि-कारक सिद्धान्त निम्न मे से किसके द्वारा प्रतिपादित है?
(a) स्पीयरमैन द्वारा (b) पियाजे द्वारा
(c) स्किनर द्वारा (d) थॉर्नडाइक द्वारा

33. बुद्धि मानसिक बुद्धि सिद्धान्त किससे सम्बन्धित है?
(a) बेलॉर्ड से (b) थॉर्नडाइक से
(c) पियाजे से (d) स्किनर से

34. बुद्धिलब्धि के सम्बन्ध में सूचकांक क्या है?
(a) मानसिक विकास
(b) मानसिक विकास की दर
(c) मानसिक योग्यता के अन्तिम स्तर
(d) मानसिक परिपक्वता

35. मानसिक आयु माप निम्न में से किस पर आधारित होती है?
(a) मानसिक परिपक्वता पर
(b) मानसिक वृद्धि की दर पर
(c) जन्मजात मानसिक शक्ति पर
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

36. बुद्धि मानसिक वृद्धि सिद्धान्त किससे सम्बन्धित है?
(a) $\frac{\text{मानसिक आयु}}{\text{कालानुक्रमिक आयु}} \times 100$
(b) $\frac{\text{कालानुक्रमिक आयु}}{\text{मानसिक आयु}} \times 100$
(c) $\frac{\text{कालानुक्रमिक आयु} \times \text{मानसिक आय}}{\times 100}$
(d) उपरोक्त में सभी

37. निम्न में से क्या बुद्धि का एक प्रकार नहीं है?
(a) मानसिक बुद्धि (b) मूर्त बुद्धि
(c) अमूर्त बुद्धि (d) सामाजिक बुद्धि

38. छात्र-क्रियाओं का बौद्धिक महत्त्व है विद्यार्थियों में
(a) निर्णय-शक्ति का विकास
(b) कल्पनाशक्ति का विकास
(c) तर्कशक्ति का विकास
(d) ये सभी

39. अनपढ़ लोगों के सामूहिक परीक्षण के लिए निम्नलिखित में से कौन-से परीक्षण अपनाए जाते हैं?
(a) वाचिक व्यक्ति बुद्धि परीक्षण
(b) अवाचिक व्यक्ति बुद्धि परीक्षण
(c) वाचिक समूह बुद्धि परीक्षण
(d) अवाचिक समूह बुद्धि परीक्षण

40. ''बुद्धि कार्य करने की एक विधि है।'' निम्न में से यह कथन किसका है।
(a) टरमन (b) वुडरो
(c) बुडवर्थ (d) स्किनर

41. बिन-साइमन बुद्धि परीक्षण किस आयु वर्ग के बालक के लिए है?
(a) 3 से 15 बर्ष (b) 5 से 15 वर्ष
(c) 10 से 15 वर्ष (d) 12 से 15 वर्ष

42. रेवेन का बुद्धि-परीक्षण आधारित है
(a) प्रोग्रेसिव मैट्रिसेज पर
(b) प्रोग्रेसिव अंक समूह पर
(c) प्रोग्रेसिव अक्षर समूह पर
(d) इनमें से कोई नहीं

43. चिन्तन में..... शमिल हैं।
(a) प्रतिभा, भाषा कल्पना, प्रतिज्ञप्ति
(b) प्रतिभा, कल्पना, संकल्पना, प्रतिज्ञप्ति
(c) कल्पना, भाषा, संकल्पना, प्रतिज्ञप्ति
(d) प्रतिभा, भाषा, संकल्पना, प्रतिज्ञप्ति

44. चिन्तन अनिवार्य रूप से है, एक
(a) संज्ञानात्मक गतिविधि
(b) मनोगतिक प्रक्रिया
(c) मनोवैज्ञानिक परिघटना
(d) भावात्मक व्यवहार

45. निम्नलिखित में से कौन-सी समस्या समाधान की वैज्ञानिक पद्धति का पहला चरण है?
(a) प्राक्कल्पना का निर्माण करना
(b) प्राक्कल्पना का परीक्षण करना
(c) समस्या के प्रति जागरूकता
(d) प्रासंगिक जानकारी को एकत्र करना

46. किसी बच्चे में चिन्तन का प्रमुख कारण क्या है?
i. समस्या समाधान करना
ii. निर्णय लेने की भावना
iii. वातावरण के प्रति चैतन्य समायोजन करने हेतु
(a) केवल i (b) i एवं ii
(c) केवल iii (d) ये सभी

47. सृजनात्मक चिन्तन होता है
(a) उच्च उपसारी चिन्तन
(b) समस्या समाधान
(c) सृजनात्मक चिन्तन
(d) सामान्य चिन्तन

48. किसी बच्चे के चिन्तन में आयु के बढ़ने के साथ-साथ किसकी प्रधानता बढ़ती है?
(a) तर्क की (b) सामान्यीकरण
(c) आत्मकेन्द्रीकरण (d) जीववाद की

49. 'यदि पृथ्वी पर वर्षा होना सदा के लिए रुक जाए,तो इसका परिणाम क्या होगा?' इस प्रकार के प्रश्नों के उत्तर के लिए ..... की आवश्यकता पड़ती है।
(a) अभिसारी चिन्तन (b) समस्या समाधान
(c) सृजनात्मक चिन्तन (d) सामान्य चिन्तन

50. निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता समस्या समाधान उपागम का विशेष चिह्न है?
(a) सही उत्तर प्राप्त करने का सामान्यत: एक उपागम होता है
(b) समस्या केवल एक सिद्धान्त/प्रकरण पर आधारित होती है।
(c) समस्या कथन में संकेत अन्तर्निहित रूप से दिया जाता है।
(d) समस्या मौलिक होती है।

51. विकास की किस अवस्था में बुद्धि का अधिकतम विकास होता है?
(a) बाल्यावस्था (b) शैशवावस्था
(c) किशोरावस्था (d) प्रौढ़ावस्था

52. यह आवश्यक नही है कि उच्च बुद्धि वाले बच्चे..... .... में भी उच्च होंगे।
(a) सृजनशीलता (b) अध्ययन
(c) विश्लेषण (d) अच्छे अंक प्राप्त करने

53. संप्रत्यय निर्माण का प्रथम सोपान है
(a) सामान्यीकरण (b) विभेदीकरण
(c) प्रत्यक्षीकरण (d) पृथक्करण

54. अंतर्मुखी, बहिर्मुखी तथा उभयमुखी व्यक्तित्व का वर्गीकरण ..... द्वारा किया जाता है -
(a) क्रेचनर (b) युंग
(c) शैल्डन (d) स्प्रेंजर

55. फ्रायड के अनुसार हमारे मूल्यों का आन्तरिकीकरण में होता है
(a) इदम् (b) अहम्
(c) पराहम (d) परिस्थितियां

56. फ्रायड के अनुसार
(a) "ग्रहण किये या सीखे तथ्या को धारण करने या पुन: स्मरण करने की असफलता को विस्मरण कहते है।
(b) "विस्मरण का अर्थ है किसी समय प्रयत्न करने पर भी किसी पूर्व अनुभव का स्मरण करने या पहले की सीखी हुई किसी क्रिया को करने की असफलता"
(c) "विस्मरण वह प्रवृत्ति है, जिसके द्वारा दुखद अनुभवों को स्मृति से अलग कर दिया जाए"
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

57. एस ओ आर किसके द्वारा प्रस्तावित किया गया है?
(a) वाटसन (b) कोफ्का
(c) कोह्लर (d) गेस्ताल्टवादी

58. मनोवैज्ञानिक थार्नडाइक ने व्यक्ति को किस आधार पर बांटा है ?
(a) चिंतन व कल्पना शक्ति के आधार पर
(b) प्रभुतापूर्ण व अधीनस्थपूर्ण के आधार पर
(c) स्वतंत्रता व निर्भरता के आधार पर
(d) इनमें से कोई नहीं

59. वुडवर्थ के अनुसार, अन्त:दृष्टि किस प्रकार की दृष्टि होती है?
(a) पश्चात् दृष्टि
(b) पूर्व दृष्टि
(c) पूर्व दृष्टि एवं पश्चात् दृष्टि दोनों
(d) उपरोक्त सभी

60. निम्नलिखित में से कार्ल रोजर्स द्वारा सिद्धांत प्रतिपादित किया गया–
(a) पर्यावरणीय सिद्धांत (b) अन्त:दृष्टि का सिद्धांत
(c) सूझ का सिद्धांत (d) उपरोक्त सभी

61. फ्रायड ने मन की तुलना किससे की?
(a) समुद्र में तैरते हुए जहाज से
(b) समुद्र में तैरते हुए मगरमच्छ से
(c) समुद्र में तैरते हुए हिमखंड से
(d) उपरोक्त सभी से

62. चेतन, अर्द्ध चेतन तथा अचेतन किसके अंग है?
(a) चेतना के (b) मस्तिष्क के
(c) शरीर के (d) बुद्धि के

63. निम्नलिखित में से सहचार्यवाद सिद्धांत के प्रवर्तक कौन है?
(a) लोक (b) हॉल्स
(c) बर्कले (d) उपरोक्त सभी

64. निम्नलिखित में से स्पीयरमैन द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत है?
(a) प्रत्यागमन का सिद्धांत
(b) व्यवहारवाद का सिद्धांत
(c) द्वितात्विक सिद्धांत
(d) सामान्य एवं विशिष्ट सिद्धांत

65. निम्नलिखित में से किस मनोवैज्ञानिक ने अपने प्रयोग कुत्ते पर किये ?
(a) थोर्नडाईक ने (b) बागले ने
(c) पॉवलोव ने (d) कोह्लर ने

66. कोह्लर ने ''सुल्तान'' पर प्रयोग किया। सुलतान किसका नाम था?
(a) व्यक्ति का नाम (b) चिम्पाजी
(c) कुत्ता (d) चूहा

67. बी. एफ. स्किनर का टेंटोफोन किसका आकलन करता है?
(a) मानसिक स्तर का
(b) व्यक्तित्व का
(c) अधिगम स्थानान्तरण का
(d) उपरोक्त सभी का

68. साइमन बिने के अनुसार बुद्धि क्या है?
(a) पहचानने तथा सुनने की शक्ति
(b) केवल सुनने की शक्ति
(c) केवल पहचानने की शक्ति
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

69. स्थायी स्मृति की बातों की विशेषता होती है?
(a) स्थायी स्मृति की बातें हमेशा याद रहती है।
(b) स्थायी स्मृति की बातें समय के साथ धुंधली हो जाती है।
(c) स्थायी स्मृति की बातें याद करने पर याद जा जाती है
(d) स्थायी स्मृति की बातें याद करने पर याद आ जाती है।

70. सक्रिया स्मृति की क्या विशेषता होती है?
(a) प्रयास करने पर पुन: याद नहीं आती है
(b) हमेशा याद रहती है
(c) प्रयास करने पर पुन: याद जाती है।
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

71. किसी एक प्रकार का विचार की याद आने पर दूसरे विचार की याद स्वत: ही आ जाती है। यह किसके कारण होता है?
(a) मस्तिष्क की क्रियाशीलता के द्वारा
(b) तेज स्मृति के द्वारा
(c) विचार साहचर्य द्वारा
(d) उपरोक्त सभी के द्वारा

72. यदि कोई बालक मन ही मन याद करता है तो यह कौनसी विधि कहलाती है?

(a) सक्रिय विधि (b) निष्क्रिय विधि

(c) आगमन विधि (d) आत्म मनन विधि

73. बुद्धि लब्धि के सम्बन्ध में सबसे पहले विचार रखने वाला मनोवैज्ञानिक कौन था?

(a) मैरिल (b) टरमन

(c) मैसलो (d) जॉन ड्यूवी

उत्तरमाला													
1	(b)	**12**	(b)	**23**	(c)	**34**	(b)	**45**	(c)	**56**	**(c)**	**67**	(b)
2	(d)	**13**	(a)	**24**	(a)	**35**	(a)	**46**	(d)	**57**	**(a)**	**68**	(a)
3	(a)	**14**	(a)	**25**	(c)	**36**	(a)	**47**	(a)	**58**	**(a)**	**69**	(a)
4	(b)	**15**	(c)	**26**	(c)	**37**	(a)	**48**	(a)	**59**	(b)	**70**	(c)
5	(a)	**16**	(d)	**27**	(d)	**38**	(d)	**49**	(c)	**60**	(a)	**71**	(c)
6	(a)	**17**	(d)	**28**	(a)	**39**	(d)	**50**	(c)	**61**	(c)	**72**	(b)
7	(a)	**18**	(a)	**29**	(c)	**40**	(c)	**51**	**(c)**	**62**	(a)	**73**	(b)
8	(a)	**19**	(a)	**30**	(d)	**41**	(a)	**52**	**(a)**	**63**	(b)		
9	(a)	**20**	(b)	**31**	(b)	**42**	(a)	**53**	**(c)**	**64**	(d)		
10	(a)	**21**	(c)	**32**	(a)	**43**	(c)	**54**	**(b)**	**65**	(c)		
11	(d)	**22**	(d)	**33**	(c)	**44**	(a)	**55**	**(c)**	**66**	(b)		

EBD_7907

5 समावेशी शिक्षा

किसी भी समाज में रहने वाले सभी व्यक्ति उस समाज विशेष का ही भाग होते हैं। व्यक्ति तथा समाज, दोनों, एक-दूसरे पर अन्योनाश्रित हैं। यदि व्यक्ति को समाज अनुरूप कार्य करना अपेक्षित है तो समाज भी व्यक्ति की क्षमता/अक्षमता से अछूता नहीं है। आधुनिक काल में शिक्षा के प्रसार तथा समाज के परिवर्तित होते मूल्यों के कारण एक नए दृष्टिकोण का उद्‌भव हो रहा है।

शिक्षा में अंतर्भेद, विषमता, वर्ग-भेद इत्यादि का कोई स्थान नहीं है। इसलिए शिक्षा को वर्ग-विशेष के चक्रव्यूह से बाहर निकल कर सभी को समान समझते हुए समानता, स्वतंत्रता, भ्रातृव्य एवं न्याय के साथ अपने कर्त्तव्यों का निष्पादन करना होगा।

विभिन्न योग्यता वाले बालकों की सक्षमता का अधिकतम उपयोग आवश्यक है। इस कार्य हेतु समेकित शिक्षा प्रणाली द्वारा सामान्य विद्यालयों की कक्षा में, विभिन्न योग्यता वाले बालकों को समन्वित कर शिक्षण उपक्रम किए जाएँ। बालकों के अनुसार विद्यालय स्वयं में परिवर्तन करें ताकि बालकों को क्षमतानुसार अधिकाधिक विकास के अवसर सुलभ हों, उनमें आत्मविश्वास, आशा, कर्मठता तथा जीवन के प्रति आकर्षण का भाव जागृत हो तथा शिक्षा अपने मानवीय दायित्व के निर्वहन में सक्षम हो। जीवन को समाजोपयोगी बनाया जा सके।

आधुनिक समाज के बदलते जीवन-मूल्यों के फलस्वरूप आज विशिष्ट शिक्षा के क्षेत्र में दूरगामी परिवर्तन हो रहे हैं। समेकित शिक्षा भी इसी प्रकार का नवीनतम तथा अति-महत्त्वपूर्ण प्रयास है। यह शिक्षा, विभिन्न योग्यता वाले बालकों के कल्याण के लिए क्रियात्मक पक्ष का विवेचन करती है। समेकित शिक्षा की अवधारणा का उद्‌भव शिक्षा-प्राप्ति के लिए समानता के अधिकार से हुआ है। सरकार द्वारा नि:शक्त जन विधेयक-1995 समान अधिकार, अधिकार संरक्षण और पूर्ण सहभागिता के अन्तर्गत सम्मिलित शिक्षा (समन्वित शिक्षा) को समाज के सामान्य स्कूलों में चलाने की योजना का निर्माण किया गया।

समावेशी शिक्षा की परिभाषा

1. समावेशी शिक्षा एक प्रकार की समेकित शिक्षा (Integrated Education) की ओर इंगित करती है, जिसके अंतर्गत-बिना किसी भेदभाव व अंतर के समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा प्रदान करके, एक स्तर पर लाया जा सके।
2. संयुक्त राष्ट्रसंघ, 1993 में, सभी को समान अवसर (Equalisation of opportunities) के द्वारा सभी वंचितों की शिक्षा कराने का सभी राज्यों को आवश्यक दायित्व सौंपा गया है, जिसके अंतर्गत सभी वंचित वर्ग, शारीरिक रूप से अक्षम, अंधत्व, बधिर, विकलांग, बौद्धिक स्तर पर वंचित संवेदी, मांसपेशीय अस्थि या अन्य विकलांगता, भाषा, बोली, कामगार, जातिगत् समूह, धार्मिक अल्पसंख्यक, स्त्री-पुरुष भेदभाव को दूर करके, सर्वजन के सम्पूर्ण विकास हेतु शिक्षा का प्रावधान है।

समावेशी शिक्षा के सिद्धान्त

1. बालकों में एक-सी अधिगम की प्रवृत्ति है।
2. बालकों को समान शिक्षा का अधिकार है।
3. सभी राज्यों का यह दायित्व है कि वह सभी वर्गों के लिए यथोचित संसाधन, सामग्री धन तथा सभी संसाधन उठाकर स्कूलों के माध्यम से उनकी गुणवत्ता में सुधार करके आगे बढ़ायें।
4. शिक्षण में सभी वर्गों, शिक्षक, परिवार तथा समाज का दायित्व है कि समावेशी शिक्षा में अपेक्षित सहयोग करें।

समेकित शिक्षा की आवश्यकता तथा चुनौतियाँ

शरीर की विभिन्न मूलभूत आवश्यकताओं के साथ-साथ शिक्षा भी जीवन की अत्यन्त महत्त्वपूर्ण आवश्यकता है। शिक्षा व्यक्ति में उपस्थित विभिन्न योग्यताओं तथा क्षमताओं का विकास कर उसमें समाज से समायोजन की योग्यता को विकसित करती है। व्यक्ति को विभिन्न कौशल प्रदान कर स्वावलम्बन की दिशा में प्रेरित करते हुए समाजोपयोगी बनाती है।

कारण

1. **उपागम्यता :** सामान्य बालकों तथा असामान्य बालकों को समेकित शिक्षा द्वारा शिक्षित करने की आवश्यकता है। यह इसका सर्वप्रथम कारण है। विभिन्न योग्यता वाले बालकों हेतु उनकी संख्यानुसार घर के पास ही विशिष्ट विद्यालयों की स्थापना अत्यन्त कठिन कार्य है। एक ओर तो हम सामान्य बालकों हेतु 'पड़ोस में विद्यालय' की बात करते हैं जिसके तहत प्राथमिक विद्यालय तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय बालक के घर से अधिकतम 1 किमी. तथा 3 किमी. की दूरी पर होने चाहिए।
2. **असंवेदनशीलता :** समेकित शिक्षा की दूसरी सबसे बड़ी चुनौती है, असंवेदनशीलता। समाज, परिवार, अध्यापकों तथा मित्रों की संवेदनहीनता तथा नकारात्मक अभिवृत्ति के फलस्वरूप विशिष्ट बालक, अवरुद्ध विकास तथा दिशाहीन जीवन का शिकार हो रहे हैं। बालक में शैक्षिक योग्यता होने पर भी उनका परिवार बालक को विद्यालय भेजने में रुचि नहीं रखता। बालक को बोझ समझ चिन्ता व दयादृष्टि से देखा जाता है। समेकित शिक्षा के अन्तर्गत परिवार, अध्यापक एवं सम्पूर्ण समाज में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने का प्रयास समाहित है।
3. **समस्याओं के निराकरण की अपेक्षा :** समाज में जानकारी का अभाव उपरोक्त समस्याओं में वृद्धि करता है। यह तीसरा सबसे महत्त्वपूर्ण कारण, विभिन्न योग्यता वाले बालकों की समस्याओं के निराकरण की अपेक्षा स्थूलता ही उत्पन्न करता है। सम्बन्धित ज्ञान को जन-जन तक पहुँचाने की नितान्त आवश्यकता है।

समेकित शिक्षा के उद्देश्य

किसी भी कार्य की सफलता हेतु सर्वप्रथम पद है- उद्देश्यों का निर्धारण तथा उद्देश्यों में समयानुसार परिवर्तन। समेकित शिक्षा के उद्देश्य निम्न हो सकते हैं-

- बच्चे को शिक्षा की मुख्यधारा से अलग किए बिना उसकी आंतरिक क्षमताओं को उभार, अपनी शक्ति का अधिकतम उपयोग करने की योग्यता विकसित करना।
- बालक के विकास के लिए सहायक वातावरण उपलब्ध कराना।
- बालकों में दैनिक जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल का विकास।
- बालकों में समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण तथा उचित समायोजन।
- समाज का बालकों के प्रति संवेदनशीलता का विकास।
- सीखने की प्रकृति का विकास।
- बालकों में नवजीवन का संचार।
- समग्र जीवन में उत्तम नागरिक होने के कर्त्तव्यों को वहन करना।
- शिक्षार्थियों को स्वावलंबी बनाने के लिए व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करना।

समावेशी शिक्षा के मुख्य विषय

समावेशी शिक्षा प्रणाली सभी वर्गों, विशेष रूप से वंचित वर्ग पर केंद्रित है, जिसमें शारीरिक रूप से विकलांग (आंख, कान, नाक, स्वर प्रणाली, चलने या लिखने, पढ़ने की विकलांगता) मानसिक रूप से दुर्बलता, जैसे आटिज्म, मंद बुद्धिता या मस्तिष्क पॉल्सी (सेरिबल पॉल्सी), संवेदी पेशीय तथा अस्थिय क्षीणता (Neuro musculo skeletal) संवेदी विकासात्मक बाल-मजदूर, गली-नुक्कड़ के बालक तथा अन्य कारणों, जैसे स्त्री-पुरुष विभेद, जाति-रंग, समूहात्मक कारणों से वंचितों को विशेष रूप से लक्षित किया गया है। इसकी शिक्षा समस्त सुविधाओं से संपन्न बनाकर, सभी को सामान्य बच्चों के साथ शिक्षा प्रदान कराना है।

समावेशी शिक्षा योजना की प्रासंगिकता निम्नलिखित बिंदुओं पर आधारित है-

1. अधिकांश छात्रों को विकलांगता के कारण शिक्षा के अवसर नहीं मिल पाते हैं।
2. संविधान के 93 वें संशोधन के अनुसार भारत में 6 से 14 वर्ष की आयु के बालकों को नि:शुल्क शिक्षा का अधिकार प्राप्त है।
3. समावेशी शिक्षा योजना (I.E.S.) द्वारा 2015 तक सर्वशिक्षा अभियान के तहत पूर्णतया साक्षर बनाना है।
4. राज्य सरकार को शिक्षा में विशेष बालकों के लिए एक निश्चित आवश्यकता वचनबद्धता है।
5. विकलांगता से सम्बद्ध, पी. डब्ल्यू. डी. एक्ट-1995 के अनुसार, 18 वर्ष तक की आयु तक सभी विशेष बालकों को सरकार की ओर से समस्त सुविधाएँ प्रदान करके, शिक्षा प्रदान करना आवश्यक है।
6. राष्ट्रीय शैक्षिक एवं अनुसंधान परिषद्-2000 के स्कूली शिक्षा के विषयानुसार (N.C.F. for School Education) द्वारा सभी विकलांगों को अधिगम-सहायक समावेशी शिक्षा प्रदान करने की संस्तुति की गई है।
7. समावेशी शिक्षा योजना (I.E.S.) द्वारा प्रत्येक बालक को शिक्षा प्रदान कराना है।

अधिगम अक्षमता

अधिगम निर्योग्य बालक से अभिप्राय :

'अधिगम निर्योग्य' शब्द से अभिप्राय उन दशाओं से होता है, जो मस्तिष्क का सुचारू रूप से कार्य करने में अक्षम होने, किसी के द्वारा बोली गयी बात को समझने में अक्षम होने, बोलने में असमर्थ होने, लिखने में असमर्थ होने, शब्दों को ठीक प्रकार से ना देख पाने के कारण, पढ़ने में असमर्थ होने, बोलने में असमर्थ होने, लिखने में असमर्थ होने, गणितीय संख्याओं में कठिनाई होने से सम्बन्धित है। ऐसा बालक जो उपरोक्त दशाओं में किसी एक या एक से अधिक कारणों से अधिगम में परेशानी का सामना करता है या पूरी तरह से अक्षम है, तो उसे अधिगम निर्योग्य बालक कहा जा सकता है।

अधिगम निर्योग्य बालक क्षेत्र का सर्वप्रथम उपयोग सैमुअल कर्क ने 1962 में किया, जो आज सर्वमान्य है।

हैमिल, लेघ मैकन्ट व लारसन ने अधिगम निर्योग्यता को इस प्रकार परिभाषित किया-

अधिगम निर्योग्यता एक ऐसा मूल शब्द है जो एक ऐसे समूह जो असमान रूप से श्रावण, वाचन, अध्ययन, लेखन, तर्क गणितीय जैसी योग्यताओं में सार्थक रूप से कठिनाई का अनुभव करते हैं। ये कठिनाइयाँ किसी भी व्यक्ति की आन्तरिक होती हैं जो केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र के विकृत क्रिया के परिणामस्वरूप घटित होती है।

यद्यपि अधिगम निर्योग्यता असामान्य परिस्थितियों (जैसे संवेदी तंत्र की क्षतिग्रस्तता, मानसिक विकलांगता, सामाजिक व सांवेगिक क्रियाओं के व्यवधान का वातावरणीय प्रभाव के कारणों के परिणामस्वरूप हो सकती है, परन्तु यह भी आवश्यक शर्त है कि अधिगम निर्योगता इन कारणों से प्रत्यक्ष प्रभाव के कारण नहीं है।

(नेशनल ज्वाइण्ट कमेटी फॉर लर्निंग डिसएबिलिटी, 1981)

अधिगम निर्योग्य बालकों की विशेषताएँ :

क्लीमेण्ट, 1966 ने अधिगम निर्योग्यताओं से सम्बन्धित 99 विशेषताओं की सूची प्रस्तुत की। इनमें से 9 विशेषताएँ ऐसी पायी गयीं जो अधिगम निर्योग्यताओं में अवश्य ही पायी जाती हैं, ये इस प्रकार हैं-

- अतिसक्रियता
- सांवेगिक अस्थिरता
- प्रोत्साहन की कमी
- विशिष्ट शैक्षिक समस्याएँ
- विद्युत तरंगों में असमरूपता
- प्रात्यक्षिक गतिक स्थिरता
- सामान्य समन्वय का अभाव
- स्मृति एवं चिन्तन व्यवधानित
- अध्ययन समस्या

अधिगम निर्योग्यता का वर्गीकरण

शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की अधिगम निर्योग्यता का अध्ययन किया जाता है। जैसे-

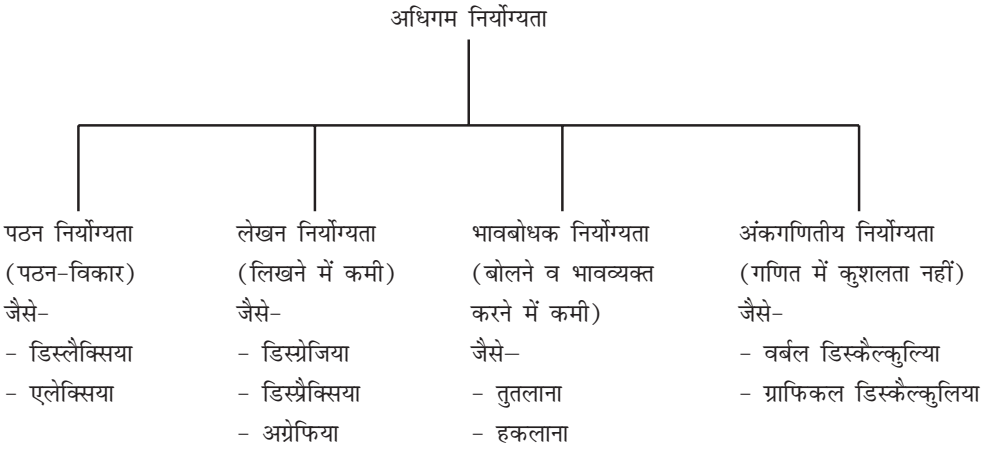
अधिगम निर्योग्यता
पठन निर्योग्यता (पठन-विकार) जैसे- - डिस्लैक्सिया - एलेक्सिया
लेखन निर्योग्यता (लिखने में कमी) जैसे- - डिस्ग्रेजिया - डिस्प्रैक्सिया - अग्रेफिया
भावबोधक निर्योग्यता (बोलने व भावव्यक्त करने में कमी) जैसे- - तुतलाना - हकलाना
अंकगणितीय निर्योग्यता (गणित में कुशलता नहीं) जैसे- - वर्बल डिस्कैल्कुल्या - ग्राफिकल डिस्कैल्कुलिया

विशिष्ट बालक

विशिष्ट बालक वे बालक होते हैं जो सामान्य न होकर सामान्य से भिन्न होते हैं। सामान्य बालक की विशेषताएँ इस प्रकार हैं-

- औसत शरीर वाले स्वस्थ होते हैं।
- सामान्य शारीरिक श्रम वाले कार्य सरलता से करते हैं।
- बुद्धि-लब्धि 90 से 110 सीमा के मध्य होते हैं।
- शैक्षिक उपलब्धि औसत होती है।
- सीखने की गति औसत ही होती है।
- शिक्षक दिये गये कार्य को लगन के साथ करता है।
- संवेगात्मक रूप से संतुलित होते हैं।
- समाज व विद्यालय में उत्तम समायोजन रहता है।

विशिष्ट बालक

क्रो एण्ड क्रो के अनुसार, ''विशिष्ट प्रकार या विशिष्ट पद किसी गुण या उन गुणों से युक्त व्यक्ति पर लागू होता है जिसके कारण वह व्यक्ति साथियों का ध्यान अपनी ओर विशिष्ट रूप से आकृष्ट करता है, इससे उसके व्यवहार की अनुक्रियाएँ भी प्रभावित होती हैं''।

एस. ए. किर्क, ''एक विशिष्ट बालक वह है जो कि शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक एवं सामाजिक विशेषताओं में किसी सामान्य बालक से उस सीमा तक विचलित होता है जब वह अपनी क्षमताओं के अधिकतम विकास हेतु सहायता, निर्देशन, विद्यालयी कार्यक्रमों में परिमार्जन तथा विशिष्ट शैक्षिक सेवाओं की आवश्यकता रखता है।''

विशिष्टता किसी भी जाति, वर्ग, सम्प्रदाय, धर्म, राष्ट्र आदि के व्यक्तियों में पाई जा सकती है। यह विशिष्टता वंशानुगत या वातावरण, जन्म एवं कभी-कभी दोनों के संयोजन का परिणाम होती है।

विशिष्ट बालकों का वर्गीकरण

विभिन्न विद्वानों ने विशिष्ट बालकों को उनकी विशिष्टता की प्रकृति विस्तार क्षेत्र के आधार पर अलग-अलग तरह से वर्गीकृत किया है। इसे निम्न चार वर्गों में बांटा जा सकता है:

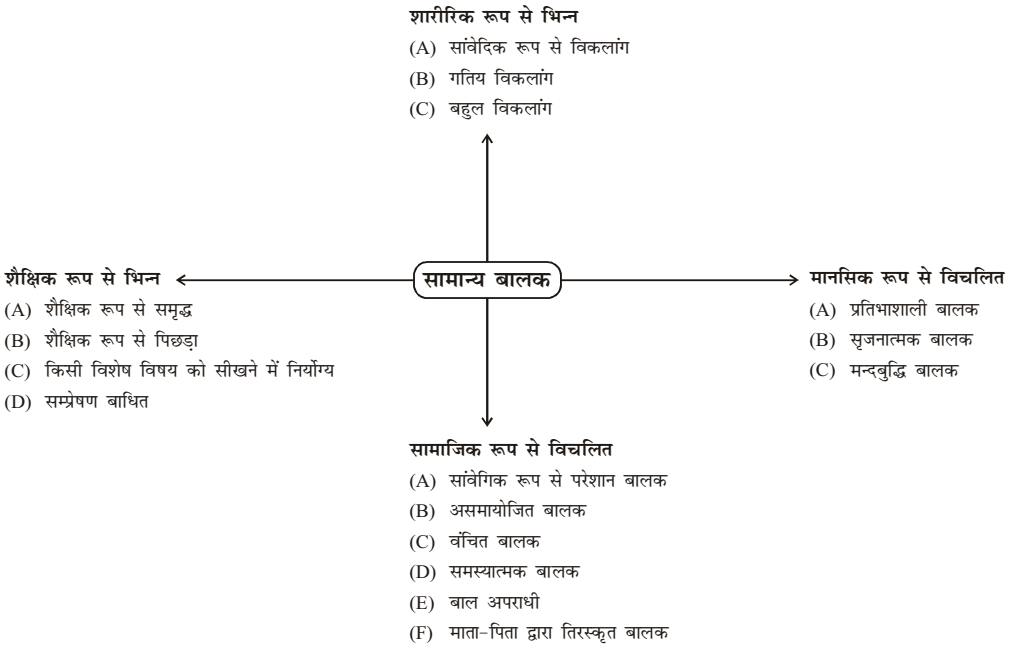

1. **शारीरिक रूप से विशिष्ट बालक :** वे सभी बालक जिनमें किसी भी प्रकार की ऐसी शारीरिक अक्षमता एवं अयोग्यताएँ होती हैं, जिनके कारण वे सामान्य बालकों के समान प्रचलित शिक्षण विधियों व पाठ्यक्रम से लाभान्वित नहीं होते । इन्हें शिक्षित व स्वावलम्बी बनाने हेतु विशेष प्रविधियों व सहायक यंत्रों के उपयोग से शिक्षा देने व निर्देशन प्रदान करने की आवश्यकता होती है।

   इन्हें तीन उपवर्गों में विभाजित किया जा सकता है-

   (A) सांवेदिक रूप से विकलांग (Sensory Disabled) : जन्मांध, कमजोर दृष्टि वाले, बहरे, ऊँचा सुनने वाले, श्रावण दोष, देर से बोलना व गूँगे आदि।

   (B) गतिय विकलांग बालक (Child with Motor Disabilities) : शरीर के किसी अंग को पोलियो, लकवा, रक्तचाप अनियमित, लम्बी बीमारी या दुर्घटना के कारण पूर्ण या आंशिक क्षति जो कि बालक के प्रभावित अंग की गति को अनियमित या नियन्त्रित कर देती है।

   (C) बहुल विकलांग : एक से अधिक शारीरिक निर्योग्यताओं से ग्रस्त होना, जैसे-सेरिवल पाल्सी, मिरगी, पैराटलेजिया आदि रोगों से ग्रस्त।

2. **मानसिक रूप से विशिष्ट बालक :** असामान्य बौद्धिक क्षमताओं वाले सभी बालकों को इस वर्ग में सम्मिलित करते हैं। बौद्धिक असामान्यता धनात्मक-ऋणात्मक, दोनों प्रकार की हो सकती है, ये इस प्रकार हैं-

   (A) प्रतिभाशाली बालक (Gifted Child) : धनात्मक बौद्धिक असमान्यता वाले बालकों को प्रतिभाशाली बालक कहा जाता है, ये बालक विलक्षण बुद्धि या उच्चस्तरीय उपलब्धि रखते हैं। इनकी I.Q. बुद्धि-लब्धि 120 से अधिक होती है।

   (B) सृजनात्मक बालक (Creative Child) : सृजनात्मक बालक से अभिप्राय नवीन व वांछित वस्तु के उत्पादन की क्षमता रखने वाले बालक से है। सृजनात्मक बालक प्रतिभाशाली भी हो, यह आवश्यक नहीं। औसत बौद्धिक क्षमता वाले बालक सृजनात्मक बालक होते हैं।

   (C) मंद बुद्धि बालक : इनकी बुद्धि-लब्धि औसत से कम होती है। इनमें से कुछ को तो सामान्य कक्षाओं में विशेष शिक्षण विधियों द्वारा पढ़ाकर स्वयं व समाज के लिये शिक्षित किया जा सकता है, किन्तु कुछ इतने मंदबुद्धि होते हैं कि उन्हें किसी भी कार्य के लिये प्रशिक्षित नहीं किया जा सकता।

3. **शैक्षिक रूप से विशिष्ट बालक :** ये वे बालक होते हैं जो शैक्षिक निष्पादन व योग्यता में सामान्य बालकों से भिन्न होते हैं, उन्हें तीन वर्गों में विभाजित किया जा सकता है-
   - **(A) शैक्षिक रूप से समृद्ध बालक :** इन बालकों का शैक्षिक स्तर सामान्य बालकों की तुलना में काफी अच्छा होता है। इनमें सीखने की ग्राह्यता, समझ व विचारों का समन्वय उच्च स्तरीय होता है।
   - **(B) शैक्षिक रूप से पिछड़ापन :** वे बालक जो अपने आयुवर्ग के बालकों से शैक्षिक उपलब्धि में 1 या 2 वर्ष पिछड़े हुए होते हैं।
   - **(C) किसी विशेष विषय में सीखने की निर्योग्यता रखने वाला बालक :** ये बालक किसी विषय विशेष को सीखने में कठिनाई का अनुभव करते हैं।
   - **(D) सम्प्रेषण बाधित बालक :** ऐसे बालक वे होते हैं जो दूसरों की बताई बात को ना तो स्वयं समझ पाते हैं, न ही स्वयं की बात किसी को समझा पाते हैं।

4. **सामाजिक रूप से विशिष्ट बालक :** वे बालक इस वर्ग में आते हैं जिनका समाज में समायोजन उचित प्रकार से नहीं होता है। ये बालक अपनी किसी व्यक्तिगत समस्या व्यवहार या अपनी सांवेगिक स्थिति के कारण सामाजिक रूप से विचलित हो जाते हैं। इन्हें निम्न वर्गों में बांट सकते हैं-
   - **(A) सांवेगिक रूप से विचलित :** ये बालक परिवार के सदस्यों, साथियों व अध्यापकों के पक्षपाती व हतोत्साहित करने वाले व्यवहार के कारण सांवेगिक रूप से विचलित हो जाते हैं।
   - **(B) असमायोजित बालक :** ये बालक किन्हीं असमानताओं व समस्याओं के कारण समाज, परिवार व साथियों में समायोजित नहीं हो पाते हैं।
   - **(C) वंचित बालक :** वंचन की स्थिति बालकों में सामाजिक, सांस्कृतिक व आर्थिक विषमताओं के फलस्वरूप उत्पन्न होती है। इसके अन्तर्गत निम्न सामाजिक आर्थिक स्तर के बच्चे, जो कि निम्न सामाजिक व आर्थिक स्थिति होने के कारण अपनी योग्यताओं का विकास नहीं कर पाते, आते हैं।
   - **(D) समस्यात्मक बालक :** ये बालक बचपन से ही उचित निर्देशन के अभाव में माता-पिता शिक्षकों व अन्य लोगों के लिये समस्या बन जाते हैं। इनका व्यवहार समस्यात्मक होता है। जैसे– चोरी करना, झगड़ा करना, झूठ बोलना, बिस्तर गीला करना, स्कूल से भागना आदि।
   - **(E) बाल अपराधी :** ऐसे बालक अल्पायु से ही समाज विरोधी कार्यों, कानून की अवहेलना तथा विध्वंसकारी कार्यों के करने में संलग्न हो जाते हैं।
   - **(F) माता-पिता द्वारा तिरस्कृत बालक :** इस श्रेणी में वे बालक आते हैं जो माता-पिता द्वारा तिरस्कृत किये जाते हैं । तिरस्कार के कई कारण हो सकते हैं। जैसे- माता-पिता की आपसी लड़ाई, अधिक भाई-बहनों के कारण इत्यादि। इस प्रकार की विशिष्टता लिये हुए बालकों को स्वावलम्बी व समाजोपयोगी बनाने हेतु उचित शिक्षण विधियों, तकनीकों व यंत्रों का प्रयोग करना पड़ता है।

प्रतिभाशाली बालक (Gifted Child or Talented Child) :

प्रतिभा-सम्पन्नता एक ऐसी धनात्मक विशिष्टता है जो कि बालक के व्यक्तित्व में निहित अद्‌भुत योग्यताओं के कारण उसे सामान्य व अन्य प्रकार विशिष्ट बालकों से भिन्न दर्शाती है तथा उसके शीघ्र सीखने में सहायक है।

प्रतिभाशाली बालकों की बुद्धि-लब्धि सामान्य बालकों से अधिक होती है। इनमें प्रतिभा जन्मजात होती है।

टारेन्स के अनुसार , ''ऐसे बालक को प्रतिभाशाली एवं प्रवीण बालक कहा जाता है जो मानव व्यवहार के किसी क्षेत्र में ऐसा निष्पादन करता है, जो समाज के लिए महत्त्वपूर्ण होता है।''

प्रतिभाशाली बालकों की पहचान : प्रत्येक कक्षा या विद्यालय में प्रतिभाशाली छात्र होते हैं। इनका पता लगाना या चयन करना आसान नहीं होता, परन्तु यह अति आवश्यक है, अन्यथा बालक की प्रतिभा दबकर रह जायेगी। इनकी पहचान के लिए अध्यापक निम्न प्रविधियाँ प्रयोग कर सकता है-

(A) बुद्धि परीक्षण : बुद्धि परीक्षण या परीक्षाओं का प्रयोग कर इनका चयन किया जा सकता है। इन बुद्धि परीक्षणों का व्यक्तिगत तौर पर या समूहों में प्रयोग किया जा सकता है।

(B) उपलब्धि परीक्षाएँ : उपलब्धि परीक्षाओं द्वारा भी प्रतिभावान बालकों को पहचाना जा सकता है। इस प्रकार बालकों की उपलब्धियों का ज्ञान भली-भाँति हो जाता है। उच्च स्तर की उपलब्धि बालकों के प्रतिभावान होने की आशा जागृत करती है।

(C) अभिरुचि परीक्षाएँ : अभिरुचि से विद्यार्थियों के भविष्य की सफलता के बारे में अनुमान लगा सकते हैं क्योंकि अभिरुचियाँ किसी एक विशेष योग्यता से सम्बन्धित होती हैं।

सम्बन्धित व्यक्तियों से सूचनाएँ : प्रतिभाशाली बालकों के बारे में, अध्यापक, पुस्तकालयाध्यक्ष आदि व्यक्तियों से भी सूचनाएँ एकत्रित की जा सकती हैं।

डी हॉन व कफ की सूची : डी हॉन व कफ की प्रतिभाशाली बालकों के विशेषताओं की एक सूची तैयार की, जिसके द्वारा प्रतिभाशाली बालकों को पहचाना जा सकता है-

1. ये स्पष्ट रूप से सोचने, अर्थों को समझने और सम्बन्धों को पहचानने में श्रेष्ठ होते हैं।
2. बिना रटकर समझने में दिखाना।
3. शब्द-ज्ञान विस्तृत होता है।
4. मौलिक चिन्तन कर सकते हैं।
5. सामान्य बुद्धि का प्रयोग अधिक करता है।

प्रतिभाशाली बालकों की विशेषताएँ

प्रतिभाशाली बालक गुण व व्यवहार में सामान्य बालकों से भिन्न होते हैं। नवीनतम अनुसंधानों ने सिद्ध किया है कि ये बालक औसत प्रतिभा वाले, सामान्य बुद्धि-लब्धि वाले बालकों से ऊँचाई, स्वास्थ्य व शारीरिक संरचना आदि में उच्च होते हैं। ये जल्दी बोलना, चलना, बहुत प्रश्न पूछना, स्वास्थ्य व शारीरिक संरचना में उच्च होते हैं। इनकी विशेषताएँ निम्न हैं-

1. शारीरिक विशेषताएँ-

1. शारीरिक विकास तीव्रगति से होता है
2. उत्तम शरीर वाले
3. सामान्य बालकों से भार, ऊँचाई व शक्ति में अधिक
4. जल्दी चलना व बोलना सीखते हैं
5. ज्ञानेन्द्रिय विकास भी उत्तम व शीघ्र
6. किशोरावस्था के लक्षण शीघ्र उत्पन्न।

2. मानसिक व बौद्धिक विशेषताएँ-

1. व्यवस्था, विश्लेषण, स्मरण, संश्लेषण व तर्क की विशेष योग्यता
2. सीखने व समझने की असाधारण गति
3. अमूर्त तथ्यों को समझने की क्षमता
4. शब्दकोश विस्तृत व वाक्पटु
5. मौलिक चिन्तन, सूक्ष्म व सटीक निरीक्षण शक्ति
6. सामान्यतः विज्ञान व गणित में दक्ष
7. उच्च बुद्धि-लब्धि
8. उच्च सामान्य ज्ञान

3. शैक्षिक विशेषताएँ-

1. विद्यालय में नियमित उपस्थिति
2. सदैव गृहकार्य करना

3. पाठ्यक्रम के अतिरिक्त पुस्तकें पढ़ने में रुचि
4. कक्षा में सर्वाधिक अंक पाना
5. अन्य प्रतिभाशाली बालकों से प्रतिस्पर्धा रखना
6. कम परिश्रम करके अच्छे अंक लाना।

4. व्यक्तित्व सम्बन्धी विशेषताएँ-

1. समायोजन की श्रेष्ठ क्षमता
2. योजना निर्माण की उत्तम क्षमता
3. प्रभावशाली व्यक्तित्व
4. उत्तम चरित्र
5. शीघ्र निर्णय लेने की क्षमता
6. हास-परिहास में भाग लेना
7. आत्म-विश्वासी, स्वतंत्र विचार धारा
8. प्रश्न पूछने में निपुण
9. प्रत्येक कार्य को जिम्मेदारी से पूरा करना।

5. सामाजिक विशेषताएँ-

1. दूसरों का सम्मान करना
2. विनम्र व आज्ञाकारी
3. निष्कपटता व सामाजिक कार्यों को करने को तत्परता
4. लोकप्रिय व्यक्तित्व
5. नेतृत्व की विशेष योग्यता।

नकारात्मक विशेषताएँ

प्रतिभाशाली बालकों को उनकी प्रतिभा का उचित संपोषण व उपयोग ना होने पर तथा उपेक्षा के कारण अक्सर ये नकारात्मक विशेषताएँ विकसित हो जाती हैं, जैसे-

- अधीरता
- कभी-कभी समूह से पृथक एकाकी रहना।
- ईर्ष्यालु एवं स्वार्थपूर्ण व्यवहार करना।
- लापरवाह व दोषपूर्ण लेखनी ।
- हठ करना व आवश्यकता से अधिक बोलना।

प्रतिभाशाली बालक व शिक्षा

इन बालकों की शिक्षा जटिल व दुरुह कार्य है। इनकी शिक्षा हेतु मुख्य रूप से 3 प्रणालियाँ अपनाई जाती है।

1. प्रभावक व उपयुक्त शिक्षा

(A) निर्धारित आयु से पूर्व ही विद्यालय में प्रवेश

(B) उसकी बौद्धिक एवं शैक्षिक योग्यताओं के आधार पर एक ही वर्ष में दो या दो से अधिक कक्षाओं के पाठ्यक्रम का अध्ययन।

(C) सामान्य से कम समय एवं आयु में किसी भी पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण कर सकने की अनुमति।

2. संवर्धित पाठ्यक्रम : इस प्रकार से बालकों को अतिरिक्त व संवर्धित पाठ्यक्रम का प्रावधान निम्न रूपों में किया जा सकता है-

(A) व्यक्तिगत संवर्धित : अतिरिक्त पाठ्यवस्तु का नियोजन करें कि कोई भी प्रतिभाशाली छात्र उसे व्यक्तिगत रूप से लगभग आत्मनिर्भर होकर पूर्ण कर सके।

(B) सामूहिक संवर्धिता : निर्धारित कार्य सामग्री समूह प्रक्रिया के माध्यम से पूर्ण करने में सक्षम हों ।

- अतिरिक्त पठन व लेखन कार्य देना
- अतिरिक्त कौशल व कलाओं को सीखने के लिए प्रोत्साहित करना
- उच्च लक्ष्यों का निर्धारण
- नई योजनायें प्रस्तुत की जाये
- नवीन व विविध शिक्षण पद्धतियाँ

3. **विशेष कक्षाएँ व विद्यालय :** प्रतिभाशाली बालकों की शिक्षा के लिए विशेष विद्यालयों व कक्षाओं की व्यवस्था के बारे में विद्वान एकमत नहीं है। परन्तु विद्यालयों में प्रतिभाशाली बालकों के लिये अलग कक्षा विस्तृत पाठ्यक्रम, प्रयोगशाला कार्य व प्रतिभा सम्पन्न अध्यापकों से युक्त होती है।

इसके अलावा ऐसे विद्यालय हों जो केवल प्रतिभाशाली बालकों के लिये होते हैं, वहाँ विशेष रूप से प्रतिभाशाली बालकों की आवश्यकताओं व योग्यताओं के अनुरूप शिक्षण होता है।

4. **त्वरण प्रक्रिया :** इस व्यवस्था में प्रतिभाशाली छात्र को एक सत्र के मध्य में ही एक श्रेणी से दूसरी श्रेणी में यथाशीघ्र त्वरित कर दिया जाता है।

सृजनात्मक बालक (Creative Child)

सृजनात्मकता व्यक्ति का मौलिक गुण है। प्रत्येक प्राणी में यह गुण किसी न किसी रूप में अवश्य पाया जाता है। प्रत्येक देश व समाज में ऐसे व्यक्ति पाये जाते हैं, ये राष्ट्रीय विकास में अपूर्व योगदान देते हैं।

वेबस्टर (Webster) शब्दकोष के अनुसार क्रियेटिविटी शब्द 'केरे' Kere बना है जिसका अभिप्राय 'अस्तित्व में आना' उगना, (grow) है। वेबस्टर शब्दकोष में Creat जब एक क्रिया के रूप में प्रयोग होता है तो उसका अर्थ बनाना, अस्तित्व में आना होता है।

सृजनात्मक का अर्थ स्पष्ट करते हुए विभिन्न विद्वान इस प्रकार कहते हैं-

जेम्स ड्रेवर का कथन- सृजनात्मकता मुख्यत: नवीन रचना व उत्पादन में होती है।

क्रो और क्रो के अनुसार - सृजनात्मकता मौलिक परिणामों को अभिव्यक्त करने की मानसिक प्रक्रिया है।

सृजनात्मक बालक - सृजनात्मक बालक को परिभाषित करते हुए बैरेन (Barron) कहते हैं ''सृजनात्मक बालक पहले से विद्यमान वस्तुओं तथा तत्त्वों को संयुक्त कर नवीन निर्माण करता है।''

इसरेली, एन.-सृजनात्मक बालक किसी नवीन वस्तु का निर्माण व उसमें परिवर्तन करने की क्षमता रखता है।

इन परिभाषाओं से यह स्पष्ट होता है कि बालक द्वारा किसी जटिल समस्या का विद्वतापूर्ण समाधान करने की योग्यता सृजनात्मकता है, जो अपने में निहित विभिन्न विशेषताओं समस्या के प्रति सजगता, लचीलापन, मौलिकता, गतिशील वैचारिकता, जिज्ञासा, नवीनता हेतु परिवर्तन की आकांक्षा के माध्यम से रचनात्मकता उत्पन्न करती है।

सृजनात्मक बालकों की विशेषताएँ

मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार होती हैं-

- विचारों में लचीलापन, विस्तृत बौद्धिक स्तर
- समस्या समाधान योग्यता
- प्रतिकूल वस्तुओं को सहन करने की क्षमता
- बालकों में विभिन्न क्षेत्रों में भाग लेने की क्षमता होती है
- जीवन की अनिश्चितता व कठिनता को स्वीकार करने की इच्छा, कठिनाइयों को चुनौती के रूप में स्वीकारते हैं
- गलतियों के सहन करने की क्षमता
- न अधिक सामाजिक होते हैं, न ही समाज विरोधी
- सामाजिक परिवेश में बहुत अधिक संवेदनशील

- मस्तिष्क स्वस्थ्य, चिन्ता का स्तर निम्न
- प्रत्यय साधारण बालकों की तुलना में अधिक सार्थक व अर्थपूर्ण
- अपनी आयु से ज्यादा परिपक्व
- वास्तविकता व सत्यता की खोज पर बल
- तुलनात्मक रूप से अधिक उत्तरदायित्व की भावना वाले, ईमानदार व विश्वसनीय
- औसत श्रेणी के शारीरिक स्वास्थ्य वाले, कल्पनाशील।

सृजनात्मकता का पता लगाने हेतु परीक्षण

सृजनात्मकता के क्षेत्र में बहुत से परीक्षण विकसित हुए हैं। ये प्रचलित मुख्य परीक्षण इस प्रकार हैं-

1. पासी का सृजनात्मक परीक्षण
2. बाकर मेंहदी : सृजनात्मक चिन्तन का शाब्दिक परीक्षण
3. बाकर मेंहदी : सृजनात्मक चिन्तन का अशाब्दिक परीक्षण
4. के. एन. शर्मा : अपसारी उत्पादन योग्यता परीक्षण
5. वी.पी. शर्मा व जे.पी. शुक्ला : वैज्ञानिक सृजनात्मक का शाब्दिक परीक्षण
6. एस.पी. मल्होत्रा व सुचेता कुमारी : भाषा सृजनात्मकता परीक्षण

सृजनात्मक बालकों की शिक्षा

टारेन्स ने अपने अध्ययन के आधार पर शिक्षकों के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण सुझाव बताये-

1. बालकों द्वारा पूछे प्रश्नों का उत्तर आदरभाव से दें।
2. उनके कल्पनात्मक व असाधारण विचारों को समझने का प्रयास करें।
3. छात्रों की स्वक्रिया पर बल दें व उन्हें स्वक्रिया हेतु प्रोत्साहित करें।
4. बालकों के विचारों को महत्त्व दें।
5. स्वत: प्रेरित अधिगम व उसके मूल्यांकन पर बल दें।
6. उपयुक्त वातावरण के प्रति विशेष ध्यान दें जिससे उनमें सृजनात्मकता विकसित हो।
7. विद्यालय में समय-समय पर आमप्रेरणा पुरस्कार व प्रतियोगिता आदि सम्पन्न की जाये।
8. अनके माध्यमों द्वारा अपसरण उत्पादन (Divergent Production) को प्रोत्साहित किया जाये।
9. सेमीनार, संगोष्ठी, वाद-विवाद सभायें, प्रदर्शनी, सरस्वती यात्राओं का आयोजन।
10. पाठयेत्तर पुस्तकों की व्यवस्था बुलेटिन बोर्ड, विद्यालय पत्रिका, कक्षा पुस्तकालयों की व्यवस्था की जाये।

बालक की सृजनात्मक योग्यता को विकसित करना शिक्षकों, समाज व देश का परम कर्त्तव्य है। इसलिए इस प्रकार के बालकों की शिक्षा दीक्षा का समुचित प्रबंध करें।

पिछड़े बालक

विशिष्ट बालकों में एक वर्ग पिछड़े बालकों का भी होता है। पिछड़े बालक को स्पष्ट करने के लिए निम्नलिखित परिभाषाएँ दी गई हैं-

सीरिल बर्ट ने अपनी पुस्तक 'दी बैकवर्ड चाइल्ड' में कहा है-

''पिछड़ा हुआ बालक वह है जो खुद के जीवन के मध्य में अपनी आयु स्तर का कक्षा से एक नीचे की कक्षा का कार्य करने में असमर्थ है-''

बर्ट के अनुसार, ऐसे बालक जिनकी 85 से कम शैक्षणिक उपलब्धि E.Q. है, वे पिछड़े होते हैं। शैक्षणिक लब्धि को जानने का सूत्र निम्नलिखित है-

$$\text{E.Q.} = \frac{\text{E.A.}}{\text{C.A.}} \times 100$$

यहां E.Q. = Educationl Quotient (शैक्षणिक लब्धि)
E.A. = Educational Age (शैक्षणिक आयु)
C.A. = Chronological Age (वास्तविक आयु)

पिछड़े बालकों के प्रकार

1. **शारीरिक दोष के कारण पिछड़े हुए बालक :** इनकी ज्ञानेन्द्रियाँ ठीक से कार्य नहीं करतीं जैसे- आँख की कमजोरी, बहरापन, ऊँचा सुनना, हकलाना आदि शारीरिक दृष्टि से पिछड़ेपन के दोष हैं।
2. **मानसिक दृष्टि से पिछड़े बालक :** इनकी I.Q. बुद्धि-लब्धि 60 से कम होती है। इसके अन्तर्गत मन्दमूढ़ व जड़बुद्धि बालक आते हैं।
3. **संवेगात्मक दृष्टि से पिछड़े बालक :** माता-पिता, शिक्षकों, व मित्रों से स्नेह व सहानुभूति न मिलकर तिरस्कार मिलता है। अतः बालक में चिन्ता, तनाव, निराशा व उदासीनता दिखाई देती है।
4. **शिक्षा के अभाव में पिछड़े बालक :** सामान्य बुद्धि के होते हुए भी कुछ कारणों से विद्यालय में शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते, इनका पढ़ाई का कार्य असुविधाजनक व अभाव के कारण पिछड़ जाता है।
5. **वातावरण और परिस्थितियों के कारण पिछड़ापन :** कुछ बालक आर्थिक स्थिति, सामाजिक व सांस्कृतिक वातावरण ठीक न होने के कारण सामान्य बुद्धि स्तर के बने होने के बावजूद भी पिछड़ जाते हैं।

पिछड़े बालकों की विशेषताएँ

पिछड़े बालकों की प्रमुख विशेषताएँ हैं-

1. पिछड़े बालक मन्दगति से सीखते हैं। इनका अधिगम तीव्र व शीघ्र नहीं होता।
2. अपनी उम्र के वर्ग के बच्चों से शैक्षिक क्षेत्र में काफी पिछड़े हुए होते हैं। एक ही कक्षा में कई साल भी लगा देते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में इस दोष को प्रवाह विहीन (Stagnation) कहा जाता है जिसके कई अन्य कारण और होते हैं।
3. पिछड़ेपन व बुद्धि-लब्धि में सम्बन्ध होना आवश्यक नहीं। पिछड़े बालकों का अर्थ स्पष्ट करते हुए बुद्धि-लब्धि (I.Q.) शब्द का प्रयोग नहीं होता, केवल शैक्षणिक लब्धि (E.Q.) का प्रयोग होता है।
4. इन बालकों का ध्यान व रुचि थोड़े समय के लिए बनी रहती है।
5. शैक्षणिक व सामाजिक क्रिया-कलापों में भाग लेने के लिए अपने आप को समर्थ नहीं पाते।
6. समस्या पर सूक्ष्म रूप में विचार नहीं कर सकते।
7. साधारण-सी बातों व नियमों को भी समझ नहीं पाते।
8. वातावरण के साथ सामंजस्य नहीं कर पाते।
9. अन्तर्मुखी होते हैं, मित्र कम होते हैं।
10. दूरदर्शिता की कमी होती है।
11. समाज के स्वयं के प्रति यथार्थ दृष्टिकोण नहीं अपनाते।
12. निराशावादी होते हैं।

पिछड़े बालकों की शिक्षा

पिछड़े बालकों के लिए शिक्षकों, अभिभावकों, समाजसेवकों तथा विद्यालय, चिकित्सकों को मिलकर एक साथ काम करना चाहिए ताकि पिछड़ेपन के कारणों की खोज कर उन बालकों के लिए उचित उपचारों का प्रयोग किया जा सके। इनकी उपचार व शिक्षा हेतु निम्न बातों पर ध्यान देना चाहिए-

1. **उपचार :** दोषों व रोगों का उपचार, कम सुनाई व दिखाई देता हो तो, कक्षा में आगे बैठायें।
2. **आर्थिक सहायता :** निर्धन परिवारों के छात्रों हेतु छात्रवृत्ति व निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था करें।
3. **हस्त उद्योग :** शैक्षणिक तौर पर पीछे रहने के कारण उच्च शिक्षा पाने में असमर्थ रहते हैं, अतः हस्त उद्योगों का प्रशिक्षण दें ताकि व्यवसाय प्रारम्भ कर सकें।

4. **विशेष पाठ्यक्रम :** पाठ्यक्रम में विषय सरल, सरस व रुचि के अनुसार हो, पाठ्यक्रम अधिक लचीला जीवनोपयोगी व व्यावसायिक उद्देश्यपूर्ण करें।
5. **विशेष शिक्षण पद्धतियों का प्रयोग :**
   - सरस, रुचिकर शिक्षण विधियों का प्रयोग।
   - दृश्य-श्रव्य सामग्री का प्रयोग।
   - पढ़ाने की गति धीमी व कम पाठ्य-वस्तु एक बार में पढ़ाई जाये।
   - मौखिक शिक्षण विधि का प्रयोग कम।
   - अर्जित ज्ञान का अभ्यास बार-बार कराएँ।
   - सरस्वती यात्राओं पर बल।
6. **निर्देशन सेवाओं की व्यवस्था :** स्कूलों में निर्देशन सेवाओं का गठन हो। शैक्षिक व व्यावसायिक निर्देशन की व्यवस्था । इसके द्वारा शैक्षिक व व्यावसायिक समस्याओं का समाधान कर सामान्य बालकों की पंक्ति में शामिल किया जा सकता है।
7. **विशिष्ट विद्यालयों की स्थापना :** इस प्रकार के विद्यालयों में उन्हें अपनी त्रुटियों का ज्ञान नहीं हो पाता तथा उन्हें पढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।
8. **विशिष्ट कक्षाओं की स्थापना :** विशिष्ट विद्यालयों की स्थापना न हो पाये तो विशिष्ट कक्षाओं की व्यवस्था होनी चाहिए । जहां अध्यापक इन बालकों के शिक्षण पर विशेष ध्यान दें।
9. **व्यक्तिगत ध्यान :** अध्यापक व्यक्तिगत विभिन्नता को ध्यान में रखकर शिक्षण करें। इसके लिए छात्रों की संख्या कक्षा में कम होनी चाहिए।
10. **स्कूल से भागने की प्रवृत्ति को रोकना :** अरुचि व असफलता के कारण पिछड़े बालक स्कूल से भागना प्रारम्भ कर देते हैं। उन्हें उचित राह पर लाकर इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण करें।

मन्द बुद्धि बालक (Mentally Retarded Children)

शैक्षिक दृष्टि से मन्दबुद्धि बालक का अर्थ है वह बालक जिसमें सूझ, क्षमता व ध्यान केन्द्रण क्षमता सामान्य बालक से कम हो। **टरमैन** के अनुसार, 70 से कम बुद्धि-लब्धि वाले मानसिक रूप से विकलांग कहलाते हैं। अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ मेंटल डेफीशियेन्सी (AAMD) ने मानसिक रूप से मंदित बालक की परिभाषा इस प्रकार दी है-

''मानसिक मंदन मुख्य रूप से औसत से कम बौद्धिक कार्य निष्पादन का संकेत देती है, जो कि अनुकूलन व्यवहार सम्बन्धी दोषों के साथ-साथ ही पाई जाती है, जो कि विकास काल के समय स्फुट होती है।

मन्द बुद्धि बालकों की विशेषताएँ

मन्दबुद्धि बालकों की मुख्य विशेषताएँ निम्न हैं-

1. बौद्धिक न्यूनता :
   - निम्न शैक्षिक स्तर
   - बुद्धि-लब्धि 70 से कम
   - अधिक विस्मरण, दूसरों की सहायता की अपेक्षा

2. अनियन्त्रित मानसिक क्रियाएँ
   - मानसिक क्रियाओं पर नियंत्रण नहीं
   - अवधान को केन्द्रित नहीं करना
   - ध्यान विस्तार भी कम
   - सीमित शब्द-भण्डार

3. हीन व्यक्तित्व

- अग्रभावी व्यक्तित्व
- उदासीन, खिन्नमना व शिथिल
- स्पष्ट विचार व्यक्ति करने की क्षमता नहीं
- उत्तरदायित्व की पूर्ति नहीं करते

4. शैक्षिक पिछड़ापन

- सीमित मानसिक क्षमता
- शिक्षण कार्य कठिन
- मानसिक आयु शारीरिक आयु से कम
- शैक्षिक उपलब्धि न के बराबर
- रटने की प्रवृत्ति

5. सीमित प्रेरणाएँ व संवेग

- प्रेरणाएँ साधारण व सीमित, मस्तिष्क सूझ जिज्ञासा व कल्पना-शक्ति से रहित
- संवेगों की कमी
- क्रोध, मोह व लोभ के संवेगों से वंचित

6. कुसमायोजन की स्थिति

- समायोजन निम्न स्तर का
- सामाजिक व्यवहार से अनभिज्ञ
- उचित-अनुचित का ज्ञान नहीं
- समूह में समायोजन नहीं

7. असामान्य शारीरिक रचना

- शारीरिक गठन सामान्य बालकों से भिन्न
- कद नाटा, पैर छोटे, मोटी त्वचा
- उदास चेहरा, शिथिल अंग-प्रत्यंग

मन्दबुद्धि बालकों का वर्गीकरण-

मन्दगति से सीखने वाला	शिक्षा पाने योग्य मन्दितमना	प्रशिक्षण योग्य मन्दितमना	पराश्रयी या पूर्ण मन्दितमना
• सिर्फ मन्द गति से सीखते हैं	• मामूली रूप में मन्दित	• 20 से 49 बुद्धि-लब्धि • प्रशिक्षण देना आवश्यक	• शून्य से 20 बुद्धि-लब्धि

मानसिक पिछड़ेपन की रोकथाम व उपचार

1. **पृथक्करण (Segregation) :** इस प्रक्रिया के तहत मानसिक रूप से पिछड़े बालकों को सामान बालकों से अलग कर दिया जाये व उन्हें विशेष संस्थाओं में रखा जाये।
2. **जन्म दर पर नियंत्रण :** नसबंदी द्वारा गम्भीर रूप से मानसिक रूप से पिछड़े माता-पिता की नसबंदी कर दें ताकि मानसिक रूप से पिछड़े बालकों का जन्म ही न हो।
3. **शिक्षा योजना :** इसके अन्तर्गत निम्न बिन्दु आते हैं-

व्यक्तिगत ध्यान : ऐसे बालकों पर अध्यापक विशेष ध्यान दें, इसके लिए कक्षाओं का आकार छोटा होना आवश्यक है।

माता-पिता को शिक्षित करना : मानसिक पिछड़ेपन के लिए माता-पिता को शिक्षित करना आवश्यक है। उन्हें उनके बालकों के बुद्धि स्तर से अवगत कराकर यह भी बताना चाहिए कि वे अपने बालकों के साथ कैसा व्यवहार करें।

EBD_7907

विशेष स्कूल व अस्पताल : ऐसे बालकों के लिए विशेष स्कूलों व अस्पतालों की व्यवस्था होनी चाहिए। सामान्य स्कूलों व अस्पतालों में इनकी देखरेख व आवश्यक प्रशिक्षण संभव नहीं।

विशेष शिक्षण विधियाँ : सामान्य शिक्षण विधियां सफल नहीं। विशेष शिक्षण विधियों का प्रयोग करना आवश्यक।

विशेष पाठ्यक्रम : हस्तकला पर आधारित पाठ्यक्रम पर बल दें। पुस्तकीय ज्ञान में ये अधिक उन्नति नहीं कर सकते, हस्तकलाओं के प्रशिक्षण से ये समाज पर बोझ नहीं बनेंगे ।

इस प्रकार, हम कह सकते हैं कि इन बालकों की शिक्षा इस प्रकार नियोजित करें कि वह अपने पैरों पर खड़ा हो सके।

समस्यात्मक बालक

विद्यालय में अपने वाले कुछ बालकों का व्यवहार समस्याएँ उत्पन्न कर देता है। इनका व्यवहार सामान्य नहीं होता, इसलिए इन्हें समस्यात्मक बालक कहा जाता है।

वैलेन्टाइन ने कहा है–''समस्यात्मक बालक वे हैं जिनका व्यवहार और व्यक्तित्व किसी बात में गंभीर रूप से असाधारण होता है।''

अतएव कहा जा सकता है कि वे सभी बालक जिनके व्यवहार तथा व्यक्तित्व इस सीमा तक आसामान्य होते हैं कि वे घर, विद्यालय तथा समाज में समस्याओं के जनक बन जाते हैं, समस्यात्मक बालक कहलाते हैं। ऐसी स्थिति में बालकों को उचित मार्गदर्शन द्वारा ही सुधारा जा सकता है, अन्यथा यही बालक भविष्य में अपराधी व समाजद्रोही बन जाते हैं।

समस्यात्मक बालक की पहचान

उपचार व मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु समस्यात्मक बालक की सही पहचान तथा उसके व्यवहार की असामान्यता की प्रकृति व सीमा की जानकारी अत्यंत आवश्यक है। किसी भी एक परिस्थिति में बालक के व्यवहार व व्यक्तित्व का निरीक्षण करके उसकी समस्यात्मक प्रवृत्ति के विष में कोई सही व निश्चित धारणा नहीं बनाई जा सकती । अत: ऐसे बालकों की वैज्ञानिक रूप से पहचान के लिए शिक्षण को विभिन्न विधियों व तकनीकों को प्रयुक्त करना चाहिए-

1. निरीक्षण पद्धति
2. साक्षात्कार विधि
3. अभिभावकों, शिक्षकों तथा मित्रों से वार्तालाप।
4. कथात्मक-अभिलेख
5. संचयी अभिलेख
6. मनोवैज्ञानिक परीक्षण

समस्यात्मक बालक के लक्षण

इनके व्यवहारों को दो वर्गों में वर्गीकृत किया जा सकता है-

(A) न्यून मानसिक दक्षता व समस्यात्मक लक्षण-

1. पैसे व अन्य वस्तुओं की चोरी करना।
2. स्कूल के कामों में सक्रिय न होना
3. शारीरिक व मानसिक कष्ट देकर आनंद लेना
4. अनुशासन का विरोध करना।
5. बुरा आचरण करना।
6. असहयोग की प्रवृत्ति रखना
7. संदेह करना।
8. धोखा देना।
9. अश्लील बातें करना।
10. बिस्तर गीला करना।

(B) अत्यधिक मानसिक दक्षता का होना

1. मानसिक द्वन्द्व से ग्रसित होना।
2. हीन-भावना का शिकार होना।
3. सीमा से अधिक कठोर व्यवहार होना।
4. अप्रसन्न व चिड़चिड़ा होना।
5. भयभीत परन्तु आत्म-केन्द्रित।

समस्यात्मक व्यवहार का कारण

समस्यात्मक व्यवहार को प्रदर्शित करने के निम्न कारण हैं-

1. **वंशानुक्रम :** वंशानुक्रम के द्वारा अनेक बीमारियों तथा अक्षमताओं से ग्रसित बालक अपेक्षित व्यवहार करने में अक्षम होते हैं। हीनता की पूर्ति करने की दृष्टि से ये आसान, किन्तु अनैतिक कार्यों की तरफ झुक जाते हैं। ये सम्बन्धित व्यक्तियों के लिए समस्याएँ उत्पन्न करते हैं। जैसे–बुद्धि दौर्बल्यता, ग्रन्थि विकास, विरासत में मिला दुर्व्यसन आदि।
2. **मूल प्रवृत्तियों का दमन :** मूल प्रवृत्तियों के दमन के कारण उनमें भावना ग्रन्थियाँ दब जाती हैं, फलस्वरूप वे असामाजिक व्यवहार रखते हैं।
3. **शारीरिक दोष :** शारीरिक दोष के कारण ऐसा व्यवहार करते हैं।
4. **वातावरण:** यदि घर, विद्यालय व समाज का वातावरण दूषित होता है, तब भी बालक अवांछित व्यवहार करते हैं।
5. **माता-पिता व शिक्षकों का व्यवहार :** बालक के साथ तिरस्कारपूर्ण व्यवहार करना या बहुत लाड़-प्यार दिखाना भी समस्या उत्पन्न कर देता है।
6. **परिवार का वातावरण :** माता-पिता, भाई-बहन के आपसी कलह का भी प्रभाव पड़ता है। ऐसे घरों में जहाँ विमाता होती हैं, माता-पिता में से एक का देहांत हो जाता है वहाँ समस्यात्मक बालक पाये जाते हैं। ये अनुशासनहीन हो जाते हैं।
7. **नैतिक शिक्षा का अभाव :** नैतिक शिक्षा के अभाव में भी बालक दुर्गुणों से युक्त हो जाता है।
8. **सावेंगिक दोष :** आवश्यकताओं की पूर्ति का अभाव बालक के अनेक सांवेगिक व मनोवैज्ञानिक समस्यात्मक व्यवहार को जन्म देता है।

समस्यात्मक बालकों की शिक्षा का स्वरूप

बालक को शारीरिक दण्ड ना देकर मनोवैज्ञानिक उपायों पर बल दें-

1. परिवार में माता-पिता, उनके प्रति प्रेम व सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें।
2. बालक की मूलप्रवृत्तियों का दमन ना करें। कोई दोष अगर आ जाये तो उसकी मानसिक चिकित्सा करायें।
3. बालकों को उचित कार्यों हेतु प्रेरित, प्रोत्साहित व पुरस्कार दें।
4. उन्हें नैतिक शिक्षा दें।
5. बालक की संगति पर ध्यान दें।
6. बालक को मनोरंजन के उचित अवसर दें।
7. बालक को संतुलित जेब खर्च दें।
8. अध्यापक आदर्शपूर्ण व्यवहार करें।
9. मनोरंजक शिक्षण विधि प्रयोग करें, अन्यथा बालक कक्षा से बाहर घूमते हैं या स्कूल से ही भाग जाते हैं।
10. संतुलित पाठ्यक्रम हो, ताकि बालकों पर अनावश्यक बोझ ना पड़े।
11. पाठ्योत्तर कार्यक्रमों, जैसे पिकनिक भ्रमण, स्काऊटिंग खेलकूद, नाटक, संगीत प्रतियोगिता आदि के द्वारा समस्यात्मक व्यवहारों को रोका जा सकता है।
12. बालकों में आत्मानुशासन जाग्रत करने हेतु उत्तरदायित्व पूर्ण कार्य सौंपें।

विकलांग बालक (Physically Handicapped)

कुछ बालकों में जन्म से शरीर के किसी अंग में दोष होता है, बाद में किसी बीमारी, दुर्घटना, आघात या चोट लग जाने के कारण उनके शरीर में अंग दोष आ जाता है, उन्हें विकलांग बालक कहते हैं। **क्रो एण्ड क्रो** के अनुसार, एक व्यक्ति जिसमें कोई इस प्रकार का शारीरिक दोष होता है, जो किसी भी रूप में उसे सामान्य क्रियाओं में भाग लेने से रोकता है या उसे सीमित रखता है, हम उसे विकलांग व्यक्ति कह सकते हैं।

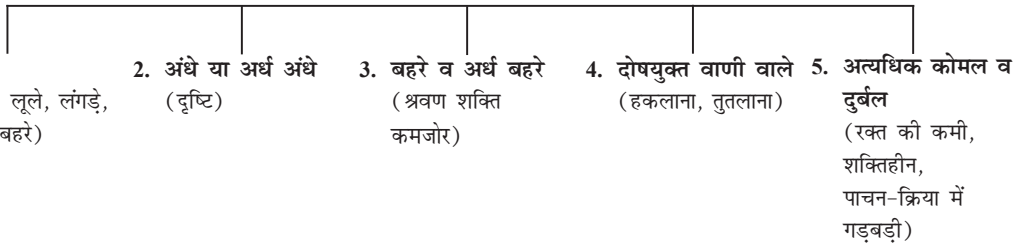

विकलांग बालकों की शिक्षा

विकलांग बालकों की शिक्षा या नियोजन इस प्रकार होना चाहिए-

1. **अपंग बालकों की शिक्षा :** अपंग बालकों में शारीरिक दोष होता है, किन्तु उनकी मानसिक योग्यता या तो साधारण होती है या तीव्र । वे मन्दबुद्धि हों, यह आवश्यक नहीं । शारीरिक कमी के कारण-हीन भावना जागृत हो जाती है। इनकी शिक्षा हेतु निम्न वार्ता पर ध्यान दें-
   - विशिष्ट प्रकार के विद्यालयों का संगठन करें, कमरे उपयुक्त हो, उचित प्रकार की बैठने की व्यवस्था हो ताकि वे आराम से बैठ सकें।
   - डाक्टरों व विशेषज्ञों की राय लें उसकी संभव चिकित्सा हेतु यंत्रों व साधनों का प्रयोग करें
   - सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें।
   - पाठ्यक्रम साधारण व कम हो, उपयुक्त व्यावसायिक शिक्षा दें।
   - मानसिक विकास के पूर्ण अवसर दें।
   - शिक्षण विधि सरल व रोचक, क्रियात्मक ढंग से, धीमी गति में शिक्षा दें।
2. **अंधे व अर्ध-अंधे बालकों की शिक्षा :** पूर्ण अंधे बालकों के लिए सामान्य प्रणाली काम नहीं आती, विशेष शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की गई है जहां ब्रेल (Brail) प्रणाली से शिक्षा दी जाती है।
   - समाज व जीवन में समायोजन हेतु संगीत या हस्तकला की शिक्षा दें।
   - अर्ध-अंधों के उपचार की व्यवस्था, कक्षा में उचित रोशनी, पुस्तक ठीक से पकड़ने की आदत डालें । कक्षा में आगे बैठायें।
3. **बहरे या अर्ध-बहरे :** कुछ बालक जन्म से बहरे व गूंगे होते हैं। इनके लिए अलग विद्यालय की स्थापना की जाये जहां गूंगे व बहरे शिक्षा प्राप्त कर सकें।
   - जो बालक कुछ बहरे हैं, उन्हें साधारण बालकों के साथ बैठाकर शिक्षा दी जा सकती है। उन्हें कक्षा में आगे बैठाएं, विशेष ध्यान दें व कर्ण यंत्रों का प्रयोग करायें।
4. **दोषयुक्त वाणी वाले बालकों की शिक्षा :** वाणी दोष के शारीरिक व मनोवैज्ञानिक दोनों कारण हैं। इन्हें दूर करने के निम्न उपाय अपनाएँ:
   - शल्य चिकित्सा द्वारा भी दोष निवारण संभव है।
   - घर का वातावरण दोषपूर्ण ना हो, उचित पौष्टिक भोजन की व्यवस्था ।
   - अभिभावकों व शिक्षकों को विशेष ध्यान देना चाहिए । अशुद्ध उच्चारण को प्यार से ठीक करायें, चिढ़ाना या हंसना नहीं चाहिये।
5. **कोमल व निर्बल बालकों की शिक्षा :** ये रोग से ग्रस्त नहीं होते, बल्कि परिश्रम करने से ऐसा बन जाते हैं, अपने स्वास्थ्य के प्रति सदा सचेत रहते हैं। निम्न बातों पर ध्यान दें-
   - परिवार में विशेष ध्यान, पौष्टिक भोजन का प्रबंध।
   - शारीरिक जांच समय-समय पर कराई जाये व उचित चिकित्सा व्यवस्था हो।
   - बालक की शक्तिनुसार पाठ्यक्रम व खेलकूद की व्यवस्था हो ।
   - शिक्षण में खेल विधि तथा दृश्य-श्रव्य विधियों का प्रयोग करें।
   - अभिभावक व शिक्षक स्नेह व सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें।

अभ्यास-1 : विगत वर्षों के CTET एवं STET के प्रश्न

1. निम्न में से कौन-सा बुद्धिमान बच्चे का लक्षण नहीं है? *[CTET-2011-I]*
(a) वह जो अमूर्त रूप से सोचता रहता है
(b) वह जो नए परिवेश में स्वयं को समायोजित कर सकता है
(c) वह जो लम्बे निबन्धों को बहुत जल्दी रटने की क्षमता रखता है
(d) वह जो प्रवाहपूर्ण एवं उचित तरीके से संप्रेषण करने की क्षमता रखता है।

2. निम्न में से कौन सा शिक्षार्थियों में सृजनात्मकता का पोषण करता है? *[CTET-2011-I]*
(a) विद्यालयी जीवन के प्रारम्भ से उपलब्धि के लक्ष्यों पर बल देना
(b) परीक्षा में अच्छे अंकों के लिए विद्यार्थियों की कोचिंग करना
(c) अच्छी शिक्षा के व्यावहारिक मूल्यों के लिए विद्यार्थियों का शिक्षण
(d) प्रत्येक शिक्षार्थी की अन्तर्जात प्रतिभाओं का पोषण करने एवं प्रश्न करने के अवसर उपलब्ध कराना।

3. विशेष रूप से प्राथमिक स्तर पर विद्यार्थियों की सीखने सम्बंधी समस्याओं को सम्बोधित करने का सबसे बेहतर तरीका है- *[CTET-2011-I]*
(a) सरल और रोचक पाठ्य-पुस्तकों का प्रयोग करना
(b) कहानी-कथन पद्धति का प्रयोग करना
(c) अक्षमता के अनुरुप विभिन्न शिक्षण-पद्धतियों का प्रयोग करना
(d) महँगी और चमकदार सहायक सामग्री का प्रयोग करना।

4. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराई जानी चाहिए- *[CTET-2011-I]*
(a) विशेष विद्यालयों में
(b) विशेष विद्यालयों में विशेष शिक्षकों द्वारा
(c) अन्य सामान्य बच्चों के साथ
(d) विशेष विद्यालयों में विशेष बच्चों के लिए विकसित पद्धतियों द्वारा।

5. 'डिस्लेक्सिया' किससे सम्बंधित है? *[CTET-2011-I]*
(a) पठन विकार
(b) व्यवहार-सम्बंधी विकार
(c) मानसिक विकार
(d) गणितीय विकार।

6. 'प्रतिभाशाली' होने का संकेत नहीं है- *[CTET-2011-I]*
(a) अभिव्यक्ति में नवीनता
(b) जिज्ञासा
(c) सृजनात्मक विचार
(d) दूसरों के साथ झगड़ना।

7. पाँचवीं कक्षा के 'दृष्टिबाधित' विद्यार्थी- *[CTET-2011-I]*
(a) के साथ कक्षा में सामान्य रूप से व्यवहार किया जाना चाहिए और श्रव्य सी.डी. के माध्यम से सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए
(b) के साथ कक्षा में विशेष व्यवहार किया जाना चाहिए
(c) को निचले स्तर के कार्य करने की छूट मिलनी चाहिए
(d) के माता-पिता और मित्रों द्वारा उसे दैनिक कार्यों को करने में सहायता की जानी चाहिए।

8. एक शिक्षक अपने लोकतांत्रिक स्वभाव के कारण विद्यार्थियों को पूरी कक्षा में कहीं भी बैठने की अनुमति देता है, कुछ शिक्षार्थी एक-साथ बैठते हैं और चर्चा करते हैं या सामूहिक पठन करते हैं, कुछ चुपचाप बैठकर अपने-आप पढ़ते हैं, एक अभिभावक को यह पसन्द नहीं आता। इस स्थिति से निबटने का निम्न में से कौन-सा तरीका सबसे बेहतर हो सकता है? *CTET-2011-I]*
(a) अभिभावकों को शिक्षक पर विश्वास व्यक्त करना चाहिए और शिक्षक के साथ समस्या पर चर्चा करनी चाहिए
(b) अभिभावकों को उस विद्यालय से अपने बच्चे को निकाल लेना चाहिए
(c) अभिभावकों को प्रधानाचार्य से शिक्षक की शिकायत करनी चाहिए
(d) अभिभावकों को प्रधानाचार्य से अनुरोध करना चाहिए कि वे उनके बच्चे का अनुभाग बदल दें।

9. कृतिका अक्सर घर में ज्यादा बात नहीं करती, लेकिन विद्यालय में वह काफी बात करती है। यह दर्शाता है कि- *[CTET-2011-I]*
(a) कृतिका को अपना घर बिल्कुल पसन्द नहीं है
(b) उसके विचारों को विद्यालय में मान्यता मिलती है
(c) विद्यालय हर समय बच्चों को खूब बात करने का अवसर देता है
(d) शिक्षकों की यह माँग होती है कि बच्चे विद्यालय में खूब बात करें।

10. भारतीय समाज की बहुभाषिक विशेषता को .....देखा जाना चाहिए। *[CTET-2011-II]*
(a) शिक्षार्थियों के लिए विद्यालयी जीवन को एक जटिल अनुभव के रूप में बनाने के एक कारक के रूप में
(b) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में बाधा के रूप में
(c) विद्यालयी जीवन को समृद्ध बनाने के संसाधन के रूप में
(d) विद्यार्थियों को सीखने के लिए अभिप्रेरित करने हेतु शिक्षक-योग्यता की चुनौती के रूप में।

11. नि:शक्त बच्चों के लिए समेकित शिक्षा की केंद्रीय प्रायोजित योजना का उद्देश्य है.....में नि:शक्त, बच्चों को शैक्षिक अवसर उपलब्ध कराना। *[CTET-2011-II]*
(a) 'ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन' के विद्यालयों
(b) नियमित विद्यालयों
(c) विशेष विद्यालयों
(d) मुक्त विद्यालयों।

12. सृजनात्मक शिक्षार्थी वह है जो- *[CTET-2011-II]*
(a) पार्श्व (लेट्रल) चिंतन और समस्या समाधान में अच्छा है
(b) ड्राइंग और पेंटिंग में बहुत विलक्षण है
(c) बहुत बुद्धिमान है
(d) परीक्षा में हर बार अच्छे अंक प्राप्त करने के योग्य हैं।

13. इरफान खिलौनों को तोड़ता है और उसके पुर्जों को देखने के लिए उन्हें अलग-अलग कर देता है। आप क्या करेंगे? *[CTET-2011-II]*
(a) उसे समझाएंगे कि खिलौनों को तोड़ना नहीं चाहिए
(b) इरफान को खिलौनों से कभी भी नहीं खेलने देंगे
(c) उस पर हमेशा नजर रखेंगे
(d) उसके जिज्ञासु स्वभाव को प्रोत्साहित करेंगे और उसकी ऊर्जा को सही दिशा में संचरित करेंगे।

14. एक शिक्षिका अपनी कक्षा के प्रतिभाशाली बच्चों की योग्यताओं (potential) की उपलब्धि चाहती है। अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए उसे निम्नलिखित में से क्या नहीं करना चाहिए? *[CTET-2011-II]*
(a) उनकी सृजनात्मकता को समृद्ध करने के लिए उन्हें चुनौती देना
(b) गैर-शैक्षणिक गतिविधियों में आनंद लेना सिखाना
(c) तनाव को नियंत्रित करना सिखाना
(d) विशेष ध्यान के लिए उन्हें उनके समकक्षियों से अलग करना।

15. छोटे शिक्षार्थियों में निम्नलिखित में से कौन-सा लक्षण 'पठन-कठिनाई' का नहीं है? *[CTET-2011-II]*
(a) सुसंगत वर्तनी में कठिनाई
(b) वर्ण एवं शब्द पहचान में कठिनाई
(c) पठन-गति और प्रवाह में कठिनाई
(d) शब्दों और विचारों को समझने में कठिनाई

16. नि:शक्त बालकों की शिक्षा के लिए प्रावधान किया जा सकता है- *[RTET-2011-I]*
(a) समावेशित शिक्षा द्वारा (b) मुख्य धारा में डालकर
(c) समाकलन द्वारा (d) इनमें से कोई नहीं।

17. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने में से कौन-सी व्यूह-रचना अधिक उपयुक्त है? *[RTET-2011-II]*
(a) अधिकतम बच्चों को सम्मिलित करते हुए कक्षा में चर्चा करना
(b) विद्यार्थियों को सम्मिलित करते हुए अध्यापक निर्देशन
(c) सहकारी अधिगम तथा पीअर ट्यूटरिंग (सहपाठियों द्वारा अनुशिक्षण)
(d) अध्यापन के लिए योग्यता आधारित समूहीकरण।

18. समस्या के अर्थ को जानने की योग्यता, वातावरण के दोषों, कर्मियों एवं रिक्तियों के प्रति सजगता विशेषता है- *[RTET-2011-II]*
(a) प्रतिभाशाली बालकों की
(b) सामान्य बालकों की
(c) सृजनशील बालकों की
(d) इनमें से कोई नहीं।

19. अधिगम निर्योग्यता का लक्षण है- *[RTET-2011-II]*
(a) भागने की प्रवृति होना
(b) अशान्त, ऊर्जावान एवं विध्वंसक होना
(c) अवधान सम्बन्धी बाधा / विकार
(d) अभिप्रेरणा का अभाव।

20. सृजनशीलता के पोषण के लिए एक अध्यापक को निम्न में से किस विधि की सहायता लेनी चाहिए *[RTET-2011-II]*
(a) ब्रेन स्टार्मिंग / विचारावेश
(b) व्याख्यान विधि
(c) दृश्य-श्रव्य सामग्री
(d) इनमें से सभी।

21. कक्षा पाँच के न्यून दृष्टि वाले बच्चे को- *[UPTET-2011-I]*
(a) निम्न स्तर के कार्य करने के लिए माफ करना उचित हैं
(b) उसके दैनिक कार्य में उसके माता-पिता तथा मित्रों को सहायता करनी चाहिए
(c) कक्षा में सामान्य रूप से बर्ताव करना चाहिए एवं आडियो सीडी के जरिये सहायता प्रदान करनी चाहिए
(d) कक्षा में विशेष बर्ताव करना चाहिए।

22. आप एक अतिसक्रिय बालक को कैसे सही दिशा में लायेंगे? *[UPTET-2011-I]*
(a) उसे पहली पंक्ति में बैठाएँगे तथा उस पर कड़ी नजर रखेंगे
(b) उसे कक्षा के कोने में बैठने की जगह निर्धारित करेंगे
(c) उसे श्यामपट्ट आदि साफ करने का काम देंगे
(d) इनमें से कोई नहीं।

23. पृथक-पृथक समजातीय समूहों के व्यक्तियों के प्रति बच्चों की अभिवृत्ति साधारणतया आधारित होती हैं- *[UPTET-2011-I]*
(a) उनके अभिभावकों की चितवृत्ति पर
(b) उनमें समकक्षियों की अभिवृत्ति पर
(c) दूरदर्शन के प्रभाव पर
(d) उनके सहोदरों की अभिवृत्ति पर।

24. आपको अपनी कक्षा में दो मंदबुद्धि बच्चों को बैठाने के लिए बोला गया है। आप- *[UPTET-2011-I]*
(a) उन्हें अपने विद्यार्थी के रूप में ग्रहण करने से इनकार करेंगे
(b) प्रधानाध्यापक को उन्हें किसी और कक्षा जो कि मंदबुद्धि बालकों के लिए विशेष रूप से चिह्नित है, में बैठाने के लिए बोलेंगे
(c) ऐसे विद्यार्थियों को सिखाने की तकनीक सीखेंगे
(d) इनमें से कोई नहीं।

25. समन्वित शिक्षा की सफलता निर्भर करता है- *[UPTET-2011-II]*
(a) समुदाय के समर्थन पर
(b) पाठयपुस्तकों की उत्कृष्टता पर
(c) शिक्षण अधिगम वस्तु की गुणवत्ता पर
(d) शिक्षकों में अभिवृत्तिगत परिवर्तन पर।

26. विद्यालय से विद्यार्थियों के भाग जाने का कारण है- *[UPTET-2011-II]*
(a) कक्षा शिक्षण में रुचि का अभाव
(b) विद्यार्थियों में अध्ययन में रुचि का अभाव
(c) विद्यार्थियों को दण्ड नहीं देना
(d) समस्या के प्रति शिक्षकों की निर्दय अभिवृत्ति।

27. शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए- *[UPTET-2011-II]*
(a) विद्यार्थियों में व्यावसायिक कुशलता का विकास करना
(b) विद्यार्थियों में सामाजिक जागरुकता का विकास करना
(c) विद्यार्थियों को परीक्षा के लिए तैयार करना
(d) व्यावहारिक जीवन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना।

28. सामाजार्थिक मुद्दों से जूझ रहे उन बच्चों को जिनकी प्रतिभा प्रभावित हो सकती है को ..... सहायता करता है। *[CGTET-2011-II]*
(a) स्व-अधिगम मॉडल
(b) विभेदित निर्देश
(c) पाठ्यचर्या का विस्तार
(d) संज्ञानात्मक वर्गीकरण।

29. ''सीखने का वह मॉडल'' जो बच्चों की सृजनात्मकता को उत्प्रेरित करता है- *[CGTET-2011-II]*
(a) बैकिंग मॉडल (b) रचनावादी मॉडल
(c) प्रोग्रामिंग मॉडल (d) उपरोक्त में कोई नहीं।

30. जन्म के समय लगी चोट या भ्रूण क्षति की वजह से आई मानसिक मंदता कहलाती है-*[CGTET-2011-II]*
(a) जैविक मंदता (b) पारिवारिक मंदता
(c) आकस्मिक मंदता (d) चिकित्सा मंदता-

31. श्रवणबाधित बच्चों को पढ़ाने के लिए क्या प्रयुक्त की जाती है? *[CGTET-2011-II]*
(a) ब्रेललिपि (b) सांकेतिक भाषा
(c) यंत्र (d) उपरोक्त सभी

32. निम्न में से कौन-सा विशिष्ट अधिगम विकलांगता का उदाहरण है? *[CGTET-2011-II]*
(a) मानसिक मंदता
(b) डिस्लेक्सिया
(c) एटेंशन डेफिसिट हाइपर डिसआर्डर
(d) आटिज्म

33. समावेशी शिक्षा- *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) दाखिले सम्बन्धी कठोर प्रक्रियाओं को बढ़ावा देती है
(b) तथ्यों की शिक्षा (मतारोपण) से सम्बन्धित है
(c) हाशिऐ पर स्थित वर्गों से शिक्षकों को सम्मिलित करने से सम्बन्धित है
(d) कक्षा में विविधता का उत्सव मनाती है।

34. जब बच्चा 'फेल' होता है, तो इसका तात्पर्य है कि- *[CTET- Jan. 2012-I]*
(a) बच्चे को प्राइवेट ट्यूशन लेनी चाहिए थी
(b) व्यवस्था फेल हुई है
(c) बच्चा पढ़ाई के लिए योग्य नहीं है
(d) बच्चे ने उत्तरों को सही तरीके से याद नहीं किया है

35. जब एक निर्योग्य बच्चा पहली बार विद्यालय आता है, तो शिक्षक को क्या करना चाहिए? *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) उसे अन्य विद्यार्थियों से अलग रखना चाहिए
(b) सहकारी योजना विकसित करने के लिए बच्चे के माता-पिता के साथ चर्चा करनी चाहिए
(c) प्रवेश-परीक्षा लेनी चाहिए
(d) बच्चे की निर्योग्यता के अनुसार उसे विशेष विद्यालय में भेजने का प्रस्ताव देना चाहिए।

36. सृजनात्मकता मुख्य रूप से ..... से सम्बन्धित है। *[CTET-Jan. 2012-II]*
(a) मॉडलिंग
(b) अनुकरण
(c) अभिसारी चिन्तन
(d) अपसारी (बहुविध) चिन्तन।

37. विज्ञान एवं कला प्रदर्शनियाँ, संगीत एवं नृत्य प्रस्तुतियाँ तथा विद्यालय-पत्रिका निकालना, ... के लिए हैं। *[CTET-Jan. 2012-II]*
(a) शिक्षार्थियों को सृजनात्मक मार्ग उपलब्ध कराने
(b) विभिन्न व्यवसायों के लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने
(c) विद्यालय का नाम रोशन करने
(d) अभिभावकों को सन्तुष्ट करने।

38. जब एक शिक्षिका दृष्टिबाधित शिक्षार्थी को कक्षा के अन्य शिक्षार्थियों के साथ सामूहिक गतिविधियों में शामिल करती है, तो वह- *[CTET-Jan. 2012-II]*
(a) कक्षा के लिए सीखने हेतु बाधाएँ उत्पन्न कर रही है
(b) समावेशी शिक्षा की भावना के अनुसार कार्य कर रही है
(c) सभी शिक्षार्थियों में दृष्टिबाधित शिक्षार्थी के प्रति सहानुभूति विकसित करने में मदद कर रही है
(d) दृष्टिबाधित शिक्षार्थी पर सम्भवत: तनाव बढ़ा रही है।

39. समावेशी शिक्षा उस विद्यालयी शिक्षा व्यवस्था की ओर संकेत करती है- *[CTET-Jan. 2012-II]*
(a) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को विशिष्ट विद्यालयों के माध्यम से शिक्षा देने को प्रोत्साहित करती है
(b) केवल बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल देती है
(c) जो सभी निर्योग्य बच्चों को शामिल करती है
(d) जो उनकी शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक, भाषिक या अन्य विभिन्न योग्यता स्थितियों को ध्यान में रखे बगैर सभी बच्चों को शामिल करती है।

40. श्रवण ह्रास से ग्रसित बच्चे कक्षा में किस सबसे मुख्य नैराश्य (कुण्ठा) का सामना करते हैं? *[CTET-Jan. 2012-II]*
(a) दूसरों के साथ सम्प्रेषण करने तथा सूचनाओं को बाँटने में अक्षमता
(b) दूसरे विद्यार्थियों के साथ परीक्षा देने में अक्षमता
(c) प्रस्तावित पाठ्य-पुस्तक को पढ़ने की अक्षमता
(d) खेल-कूद में भागीदारिता निभाने में अक्षमता।

41. 'डिस्लेक्सिया' मुख्य रूप से ..... की समस्या से सम्बन्धित है। *[CTET-Jan. 2012-II]*
(a) सुनने (b) पढ़ने
(c) बोलने (d) बोलने व सुनने।

42. प्रतिभाशाली विद्यार्थी अपनी क्षमताओं को तब विकसित कर पाएँगे जब- *[CTET-Jan. 2012-II]*
(a) बार-बार उनकी परीक्षा होगी
(b) वे अन्य विद्यार्थियों के साथ अधिगम-प्रक्रिया से जुड़ते हैं
(c) उन्हें अन्य विद्यार्थियों से अलग किया जाएगा
(d) वे निजी कोचिंग कक्षाओं में पढ़ेंगे।

43. शिक्षक की सबसे मुख्य ज़िम्मेदारी है- *[CTET-May-2012-II]*
(a) पाठ्-योजना तैयार करना और उसके अनुसार पढ़ाना
(b) यथासंभव क्रियाकलापों का आयोजन करना
(c) कठोर अनुशासन बनाए रखना
(d) विद्यार्थियों की विभिन्न अधिगम शैलियों के अनुसार सीखने के मौके उपलब्ध कराना।

44. समावेशी शिक्षा में शिक्षक की सबसे कम महत्त्वपूर्ण विशेषता कौन-सी है? *[CTET-May-2012-II]*
(a) बच्चों के प्रति संवेदनशीलता
(b) विद्यार्थियों के लिए लगाव और धैर्य
(c) विद्यार्थियों की अक्षमताओं का ज्ञान
(d) शिक्षक का सामाजिक-आर्थिक स्तर।

45. कक्षा में तीन बच्चे पोलियो-ग्रस्त हैं। खेल के कालांश में उन्हें- *[CTET-May-2012-II]*
(a) एक कोने में बैठाना चाहिए ताकि वे खेल का आनंद ले सकें
(b) अन्य बच्चों के साथ उचित खेलों में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए
(c) केवल आंतरिक (indoor) खेलों में हिस्सा लेने की अनुमति देनी चाहिए
(d) कक्षा के सभी विद्यार्थियों के साथ खेलनें के लिए ज़ोर डालना चाहिए।

46. एक शिक्षक सामान्यत: विद्यार्थियों को अलग-अलग कार्य देता / देती है। वह यह विश्वास करता/ करती है कि- *[CTET-May-2012-II]*
(a) विद्यार्थी एक जैसे कार्य सभी विद्यार्थियों के दिए जाने को पसंद नहीं करते
(b) यह विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा को बढ़ाता है
(c) विद्यार्थियों में वैयक्तिक अंतर होते हैं
(d) विद्यार्थी एक-दूसरे के कार्य की नकल नहीं कर सकेंगे।

47. समावेशी कक्षा में निम्नलिखित में से सबसे कम महत्त्वपूर्ण क्या है? *[CTET-May-2012-II]*
(a) प्रतियोगिता और ग्रेडों पर कम बल
(b) अधिक सहकारी एवं सहयोगात्मक गतिविधि
(c) विद्यार्थियों के लिए अधिक विकल्प
(d) कोर्स को ''पूरा करने के लिए'' शिक्षकों द्वारा अधिक प्रयास।

48. सफल समावेशन को निम्नलिखित की आवश्यकता होती है, सिवाय- *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) अभिभावकों की भागीदारी
(b) क्षमता-संवर्द्धन
(c) संवेदनशील बनाना
(d) पृथक्करण।

49. विद्यालय में नियमित उपस्थिति के लिए वंचित बच्चों को प्रोत्साहित करने का निम्नलिखित में से कौन-सा तरीका सर्वाधिक उपयुक्त होगा? *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) विद्यालय द्वारा बच्चों को एकत्रित करने वाले एक व्यक्ति को नियुक्त किया जाए जो प्रतिदिन घरों से बच्चों को लेकर आए
(b) बच्चों को आकर्षित करने के लिए प्रति दिन रु. 5 देना
(c) आवासीय विद्यालय खोलना
(d) बच्चों को विद्यालय आने की अनुमति न देने को कानूनन दंडनीय अपराध बनाया जाए।

50. प्रतिभाशाली विद्यार्थी- *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) अपनी आवश्यकताओं को दृढ़तापूर्वक नहीं कह पाते
(b) अपने निर्णयों में आत्मनिर्भर होते हैं
(c) शिक्षकों से स्वतंत्र होते हैं
(d) स्वभाव में अंतर्मुखी होते हैं।

51. सह-शैक्षणिक क्षेत्रों में निष्पादन के आधार पर शैक्षणिक क्षेत्रों में निष्पादन के स्तर को बढ़ाने का औचित्य स्थापन किस आधार पर किया जा सकता है? *[CTET-Nov.-2012-I]*
(a) यह हाशियाकृत विद्यार्थियों के लिए प्रतिपूरक भेदभाव की नीति का अनुगमन करता है
(b) यह सार्वभौमिक धारण (retention) को सुनिश्चित करता है
(c) यह हाथ से किए जाने वाले श्रम के प्रति सम्मान विकसित करता है
(d) यह वैयक्तिक भिन्नताओं को संतुष्ट करता है।

52. एक बच्चा जो.....से ग्रस्त है, वह 'saw' और 'was', 'nuclear' और 'unclear' में अंतर नहीं कर सकता। *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) डिस्लेक्सिमिया (b) डिस्मोरफीमिया
(c) डिस्लेक्सिया (d) शब्द 'जंबलिंग' विकार।

53. सीखने-संबंधी निर्योग्यताएँ सामान्यत- *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) अधिकतर उन बच्चों में पाई जाती है जो शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों से सम्बन्ध रखते हैं
(b) उन बच्चों में पाई जाती है, विशेषत: जिनके पैतृक अभिभावक इस प्रकार की समस्याओं से ग्रसित होते हैं
(c) औसत से श्रेष्ठ बुद्धि-लब्धि वाले बच्चों में पाई जाती हैं
(d) लड़कियों की तुलना में अधिकतर लड़कों में पाई जाती है।

54. शारीरिक रूप से अक्षम बच्चों को सामान्यत:.....होता है। *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) डिस्लेक्सिया (b) डिस्ग्राफिया
(c) डिस्थीमिया (d) डिस्केल्कुलिया।

55. निम्नलिखित में से अंत:विषयी अनुदेशन का सर्वोत्कृष्ट लाभ यह है कि- *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) प्रकरणों की विविधता, जिन्हें परंपरागत पाठ्यचर्या में संबोधित किए जाने की आवश्यकता है, से शिक्षकों के अभिभूत होने की कम संभावना होती है
(b) विद्यार्थियों में विभिन्न विषय-क्षेत्रों के विशेष प्रकरणों के प्रति नापसंदगी विकसित होने की कम संभावना होती है
(c) पाठ-योजना बनाने और गतिविधियों में शिक्षकों को अधिक लचीलेपन की अनुमति होती है
(d) विद्यार्थियों को सीखे गए नए ज्ञान का बहु-संदर्भों में अनुप्रयोग करने और सामान्यीकृत करने के अवसर दिए जाते हैं।

56. सी.बी.एस.ई. द्वारा प्रस्तावित समूह-परियोजना गतिविधि _____ का एक सशक्त साधन है। *[CTET-Nov. 2012-II]*
(a) अनेकता में एकता की संकल्पना का प्रचार-प्रसार करने
(b) सामाजिक भागीदारिता को सुगम बनाने
(c) शिक्षकों के भार को हलका करने
(d) रोजमर्रा के शिक्षण से होने वाले तनाव को दूर करने।

57. मिश्रित आयु-वर्ग वाले विद्यार्थियों की कक्षा से व्यवहार रखने वाले शिक्षक के लिए _____ का ज्ञान सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है। *[CTET-Nov. 2012-II]*
(a) सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि
(b) सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
(c) विकासात्मक अवस्थाओं
(d) उनके अभिभावकों का व्यवसाय।

EBD_7907

58. प्रतिभाशाली बच्चे- *[CTET-Nov. 2012-II]*
(a) मानव के लिए महत्त्वपूर्ण किसी भी क्षेत्र में अस्वभावत: अच्छा निष्पादन करते हैं
(b) सामान्यत: शारीरिक रूप से कमजोर होते हैं और सामाजिक अंत:क्रिया में अच्छे नहीं होते
(c) सामान्यत: अपने शिक्षकों को पसंद नहीं करते
(d) बिना किसी की सहायता के अपने सामर्थ्य का पूर्ण विकास करते हैं।

59. प्रतिभाशाली बच्चों के संदर्भ में संवर्द्धन (acceleration) का अर्थ है- *[CTET-Nov. 2012-II]*
(a) आकलन की प्रक्रिया का संवर्द्धन करना
(b) शैक्षणिक गतिविधियों के संपादन में संवर्द्धन
(c) सह-शैक्षणिक गतिविधियों के संपादन की गति को बढ़ाना
(d) ऐसे विद्यार्थियों को वर्तमान स्तर/ग्रेड को छोड़कर अगले उच्च स्तर/ग्रेड में प्रोन्नत करना।

60. एकल अभिभावक वाले बच्चे को पढ़ाते समय शिक्षक को- *[CTET-Nov. 2012-II]*
(a) इस तथ्य को अनदेखा करना चाहिए और ऐसे बच्चे के साथ अन्य बच्चों के समान व्यवहार करना चाहिए
(b) इस प्रकार के बच्चे के साथ भिन्न प्रकार से व्यवहार करना चाहिए
(c) ऐसे बच्चे को कम गृहकार्य देना चाहिए
(d) स्थिर और एकरूप वातावरण उपलब्ध कराना चाहिए।

61. प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी गतिविधि सर्वाधिक उपयुक्त है? *[CTET-Nov. 2012-II]*
(a) दी गई संकल्पनाओं के आधार पर मौलिक नाटक लिखना
(b) पाँच पाठों के अंत में दिए गए अभ्यासों को एक बार में हल करना
(c) शिक्षक दिवस पर कक्षा को पढ़ाना
(d) अभी हाल ही में हुए स्कूल मैच का प्रतिवेदन लिखना।

62. शिक्षा के दो प्रमुख उद्देश्य हैं *[HTET 2012-I]*
(a) बालकों में विषयों का ज्ञान व उनका मानसिक विकास करना
(b) विषयों का ज्ञान देना व परीक्षा के लिए तैयार करना
(c) विषयों का ज्ञान देना व उनको कंठस्थ करवाना
(d) विषयों का ज्ञान देना व व्यावसायिक कौशल का विकास करना।

63. बालक विविध प्रकार से सीखते हैं- *[HTET-2012-I]*
(a) शिक्षक के भाषण द्वारा
(b) प्रयोग द्वारा, विवेचन द्वारा, प्रश्न पूछकर, क्रिया करके तथा चिन्तन करके
(c) शिक्षक द्वारा निर्देशित, नियंत्रित पाठ्यपुस्तक आधारित शिक्षण द्वारा
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

64. सृजनशील बालक के बारे में कौन-सा कथन सत्य नहीं है? *[HTET-2012-I]*
(a) सृजनशील बालक जिज्ञासु होता है
(b) सृजनशील बालक साहसी नहीं होता है
(c) सृजनशील बालक बहिर्मुखी होता है
(d) सृजनशील बालक महत्त्वाकांक्षी होता है।

65. थ, फ, च ध्वनियाँ हैं- *[CTET-2013-I]*
(a) रूपिम (b) लेखीम
(c) शब्दिम (d) स्वनिम

66. एक शिक्षिका की कक्षा में कुछ शारीरिक विकलांगता वाले बच्चे हैं। निम्नलिखित में से उसके लिए क्या कहना सबसे उचित होगा? *[CTET-2013-I]*
(a) पहिया-कुर्सी वाले बच्चे हॉल में जाने के लिए अपने समवयस्क साथी बच्चों से मदद ले सकते हैं
(b) शारीरिक रूप से असुविधाग्रस्त बच्चे कक्षा में ही कोई वैकल्पिक गतिविधि कर सकते हैं
(c) मोहन खेल के मैदान में जाने के लिए आप अपनी बैसाखियों का प्रयोग क्यों नहीं करते?
(d) पोलियोग्रस्त बच्चे अब एक गाना प्रस्तुत करेंगे।

67. एक समावेशी विद्यालय- *[CTET-2013-I]*
(a) शिक्षार्थियों की क्षमताओं की परवाह किए बिना सभी के अधिगम-परिणामों को सुधारने के लिए प्रतिबद्ध होता है
(b) शिक्षार्थियों के मध्य अंतर करता है और विशेष रूप से सक्षम बच्चों के लिए कम चुनौतीपूर्ण उपलब्धि लक्ष्य निर्धारित करता है
(c) विशेष रूप से योग्य शिक्षार्थियों के अधिगम-परिणामों को सुधारने के लिए विशिष्ट रूप से प्रतिबद्ध होता है
(d) शिक्षार्थियों की निर्योग्यता के अनुसार उनकी सीखने की आवश्यकताओं को निर्धारित करता है

68. प्रतिभाशाली शिक्षार्थी (को)- *[CTET-2013-I]*
(a) ऐसे सहयोग की आवश्यकता होती है जो सामान्यत: विद्यालयों द्वारा उपलब्ध नहीं कराए जाते
(b) शिक्षक के बिना अपने अध्ययन को व्यवस्थित कर लेते हैं
(c) अन्य शिक्षार्थियों के लिए अच्छे मॉडल बन सकते हैं
(d) अधिगम-निर्योग्य नहीं हो सकते।

69. ..... के कारण प्रतिभाशालिता होती है।
(a) आनुवंशिक रचना *[CTET-2013-I]*
(b) वातावरणीय अभिप्रेरणा
(c) (a) और (b) का संयोजन
(d) मनो-सामाजिक कारकों।

70. गतिक कौशलों में अधिगम निर्योग्यता ..... कहलाती है। *[CTET-2013-I]*
(a) डिस्प्रेक्सिया (b) डिस्केलकुलिया
(c) डिस्लेक्सिया (d) डिस्फ़ेज़िया।

71. अधिगम निर्योग्यता ..... *[CTET-2013-I]*
(a) एक स्थिर अवस्था है।
(b) एक चर अवस्था है।
(c) जरूरी नहीं कि कार्य-पद्धति की हानि करे।
(d) समुचित निवेश के साथ सुधार योग्य नहीं होती।

72. ..... के अतिरिक्त निम्नलिखित समस्या-समाधान की प्रक्रिया के चरण हैं- *[CTET-2013-I]*
(a) समस्या की पहचान
(b) समस्या का छोटे हिस्सों में बाँटना
(c) संभावित युक्तियों को खोजना
(d) परिणामों की आशा करना।

73. सीमा परीक्षा में A+ ग्रेड प्राप्त करने के लिए अति इच्छुक है। जब वह परीक्षा भवन में दाखिल होती है तथा परीक्षा प्रारंभ होती है, वह अत्यधिक नर्वस हो जाती है। उसके पाँव ठंडे पड़ जाते हैं, उसके हृदय की धड़कन बहुत तेज़ हो जाती है और वह उचित तरीके से उत्तर नहीं दे पाती। इसका मुख्य कारण हो सकता है- *[CTET-2013-I]*
(a) शायद वह अपनी तैयारी के बारे में बहुत आत्मविश्वासी नहीं है
(b) शायद वह इस परीक्षा के परिणाम के बारे में बहुत अधिक सोचती है
(c) निरीक्षक शिक्षिका जो ड्यूटी पर है, वह उसकी कक्षा अध्यापिका हो सकती है और वह स्वभाव में बहुत कठोर है
(d) शायद वह अकस्मात् संवेगात्मक आवेग का सामना नहीं कर सकती

74. निम्नलिखित में से कौन-सा सत्य है?*[CTET-2013-I]*
(a) विकास और सीखना समाज-सांस्कृतिक संदर्भों से अप्रभावित रहते हैं।
(b) शिक्षार्थी एक निश्चित तरीके से सीखते हैं।
(c) खेलना संज्ञान और सामाजिक दक्षता के लिए सार्थक है।
(d) शिक्षक द्वारा प्रश्न पूछना संज्ञानात्मक विकास में बाधक है।

75. निम्नलिखित में से कौन-से युग्म के सही होने की संभावना सबसे कम है? *[CTET-2013-II]*
(a) बच्चे भाषा के बारे में निश्चित ज्ञान के साथ प्रवेश करते हैं – चॉम्स्की
(b) भाषा और विचार प्रारंभ में दो भिन्न गतिविधियाँ हैं – वाइगोटस्की
(c) भाषा विचार पर आधारित है – पियाजे
(d) भाषा वातावरण में एक उद्दीपक है – बी.एफ. स्किनर

76. एक समावेशी विद्यालय ..... के अतिरिक्त निम्नलिखित सभी प्रश्नों पर मनन करता है- *[CTET 2013-II]*
(a) क्या हम यह विश्वास करते हैं कि सभी शिक्षार्थी सीख सकते हैं?
(b) क्या हम अधिगमयोग्य परिवेश की योजना बनाने और उसे प्रदान करने के लिए समूह में कार्य करते हैं?
(c) क्या हम विशेष बालक को बेहतर देखभाल उपलब्ध कराने के लिए उचित तरीके से उन्हें सामान्य से अलग करते हैं?
(d) क्या हम शिक्षार्थियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए युक्तियाँ अपनाते हैं?

77. प्रतिभाशाली शिक्षार्थी ..... हैं। *[CTET-2013-II]*
(a) अभिसारी चिंतक (b) अपसारी चिंतक
(c) बहिर्मुखी (d) बहुत परिश्रमी

78. छायांकित क्षेत्र सामान्य वितरण में उन शिक्षार्थियों को प्रदर्शित करता है जो ..... में आते हैं। *[CTET 2013-II]*

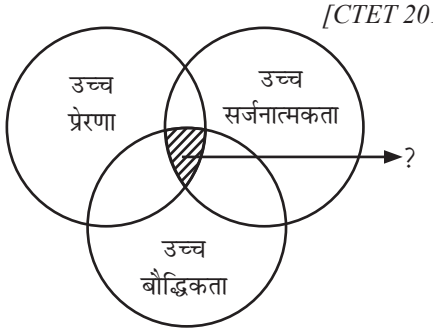

(a) $\sigma = 0$ पर (b) 2σ-3σ के बीच
(c) 3σ के बाद (d) σ-2σ के बीच

79. सी.बी.एस.ई. शिक्षार्थियों के लिए व्यक्तिगत गतिविधियों के स्थान पर सामूहिक गतिविधियों की संस्तुति करती है। ऐसा करने के पीछे विचार होसकता है- *[CTET-2013-II]*
(a) व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा के प्रति नकारात्मक संवेगात्मक प्रतिक्रियाओं से उबारना जो संपूर्ण अधिगम पर सामान्यीकृत हो सकती हैं।

EBD_7907

(b) प्रत्येक शिक्षार्थी के स्थान पर समूह में अवलोकन द्वारा शिक्षक के कार्य को सरल बनाने के लिए।
(c) विद्यालयों के पास उपलब्ध समय को प्रासंगिक बनाना, जबकि उनमें से अधिकांश के पास व्यक्तिगत गतिविधियों के लिए पर्याप्त समय नहीं होता।
(d) गतिविधि की ढाँचागत लागत को कम करना।

80. 'बच्चे फिल्मों में दिखाए गए हिंसात्मक व्यवहार को सीख सकते हैं।' यह निष्कर्ष निम्नलिखित में किसी मनोवैज्ञानिक द्वारा किए गए कार्य पर आधारित हो सकता है- *[CTET-2013-II]*
(a) एडवर्ड एल. थॉर्नडाइक
(b) जे.बी. वाटसन
(c) एल्बर्ट बंडूरा
(d) जीन पियाजे

81. शिक्षार्थी फैशन शो को देखकर मॉडल्स का अनुकरण करने की कोशिश करते हैं। इस प्रकार के अनुकरण को ..... कहा जा सकता है।*[CTET-2013-II]*
(a) प्राथमिक अनुकरण
(b) गौण अनुकरण
(c) सामाजिक अधिगम
(d) सामान्यीकरण

82. निम्नलिखित कौन-सी तकनीकें परीक्षा के कारण होने वाली चिंता को दूर करती हैं? *[CTET-2013-II]*
(a) प्रश्न-पत्र की संरचना (पैटर्न) से परिचित कराना
(b) परिणाम के बारे में बहुत अधिक सोचना
(c) समर्थन प्राप्त करना
(d) विशिष्टताओं पर बल देना

83. अ, ब, स तीन शिक्षार्थी हैं जो अंग्रेजी पढ़ते हैं। 'अ' को यह विषय रोचक लगता है और वह सोचता है कि यह उसके भविष्य में सहायक होगा। 'ब' अंग्रेजी इसलिए पढ़ती है, क्योंकि वह कक्षा में पहला स्थान प्राप्त करना चाहती है। 'स' अंग्रेजी विषय इसलिए पढ़ता है, क्योंकि उसका प्राथमिक सरोकार उत्तीर्ण होने वाले ग्रेड्स प्राप्त करना है। अ, ब और स के उद्देश्य क्रमशः ..... हैं। *[CTET-2013-II]*
(a) निपुणता, निष्पादन, निष्पादन-उपेक्षा
(b) निष्पादन, निष्पादन-उपेक्षा, निपुणता
(c) निष्पादन-उपेक्षा, निपुणता, निष्पादन
(d) निपुणता, निष्पादन-उपेक्षा, निष्पादन

84. निम्नलिखित में से कौन-सी सर्वाधिक प्रभावकारी विधि हो सकती है, जो आपकी इस अपेक्षा को पूरी कर सके कि वंचित विद्यार्थी अपनी भागीदारिता द्वारा सफल हो सकें? *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) आप उनकी सफलता हेतु उनकी क्षमता में विश्वास को अभिव्यक्त करें
(b) पढ़ाए जाने वाले विषय में आप अपनी रुचि विकसित कर सकें
(c) अपने लक्ष्य को महसूस करने के लिए बच्चों की अन्य बच्चों से प्रायः तुलना करते रहना
(d) इस बात पर बल देना कि आपकी उनसे उच्च अपेक्षाएं हैं

85. परीक्षा में तनाव निष्पत्ति को प्रभावित करता है। यह तथ्य निम्नलिखित में से किस प्रकार के सम्बन्ध को स्पष्ट करता है? *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) संज्ञान-भावना (b) तनाव-विलोपन
(c) निष्पत्ति-चिन्ता (d) संज्ञान-प्रतियोगिता

86. एक अध्यापक उस बच्चे के साथ परामर्श करते हैं जिसकी निष्पत्यात्मक प्रगति एक दुर्घटना के पश्चात् अनुकूल नहीं है। निम्नलिखित में से कौन-सी प्रक्रिया विद्यालय में परामर्श के लिए सबसे बेहतर हो सकती है? *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) यह एक उपशामक उपाय है ताकि लोग अपने को आरामदायक महसूस कर सकें
(b) यह अपने विचारों द्वारा खोज करने हेतु लोगों में आत्मविश्वास का निर्माण करता है
(c) विद्यार्थियों को भविष्य के विकल्पों को चुनने हेतु यह एक अच्छा सम्भावित परामर्श है
(d) इस कार्य को केवल अनुभवी कुशल व्यावसायिक विशेषज्ञ से कराया जा सकता है

87. निम्नलिखित में से कौन-सा कोह्लबर्ग के नैतिक विकास के चरणों का लक्षण है? *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) चरणों का परिवर्तनशील अनुक्रम
(b) विभिन्न चरण अलग-अलग प्रत्युत्तर हैं, न कि सामान्य प्रतिमान
(c) सभी संस्कृतियों से सम्बद्ध चरणों की सार्वभौम शृंखला
(d) विभिन्न चरण एक गैर-पदानुक्रम रूप में आगे की ओर बढ़ते हैं

88. वंचित शिक्षार्थियों के साथ व्यवहार करने के सन्दर्भ में अध्यापक/ अध्यापिका को निम्नलिखित मूल्यों में से किसमें विश्वास व्यक्त करना चाहिए? *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) छात्रों की सफलता हेतु व्यक्तिगत उत्तरदायित्व
(b) समुचित व्यवहार की उच्च अपेक्षाएँ
(c) विद्यार्थी से किसी प्रकार की मांग न होना
(d) विद्यार्थियों द्वारा स्वीकृति हेतु आध्यात्मकता व क्रोध का प्रयोग करना

89. निम्नलिखित में से किस पद्धति का उपयोग करते हुए हकलाने (stuttering) की समस्या से निबटा जा सकता है? *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) अनुश्रुत वाक् (b) प्रवर्द्धित वाक्
(c) परिणामकारी वाक् (d) लम्बित वाक्

90. एक समावेशी कक्षा वह है, जहां- *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) तब तक आकलन की पुनरावृत्ति होती रहती है जब तक प्रत्येक अधिगमकर्ता न्यूनतम श्रेणी प्राप्त न कर ले
(b) विद्यार्थियों का भार कम करने के लिए अध्यापक केवल अनुमोदित पुस्तकों से ही पढ़ाते हैं
(c) समस्याओं का अधिकाधिक समाधान करने की सम्भावना की दृष्टि से बच्चों की सक्रिय भागीदारिता रहती है
(d) अध्यापक प्रत्येक अधिगमकर्ता के लिए वैविध्यपूर्ण व सार्थक अधिगमनात्मक अनुभवों हेतु परिवेश का निर्माण करते हैं

91. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रदत्त कार्य प्रतिभाशाली विद्यार्थी के लिए उपयुक्त है?*[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) अन्य विद्यार्थियों की तुलना में समान प्रकार के, परन्तु अपेक्षाकृत अधिक अभ्यास
(b) उसे अपने समवयस्की साथियों को अनुशिक्षण देने के लिए कहना ताकि उसकी शक्तियों को दिशा मिल सके तथा वह व्यस्त रह सके
(c) विभिन्न विषयों को ध्यान में रखते हुए विज्ञान की एक नई आदर्शात्मक पुस्तक का निर्माण करना
(d) सम्पूर्ण कक्षा की अपेक्षा उसे अपनी पाठ्यपुस्तक को शीघ्र समाप्त करने देना

92. विद्यालय छोड़ने वाले विद्यार्थियों के नियन्त्रण की दृष्टि से सरकारी संगठनों द्वारा संस्था के स्तर पर विभिन्न उपाय किए गए हैं। निम्नलिखित में से कौन-सा कारण सांस्थानिक स्तर से जुड़ा है जिसके कारण बच्चे विद्यालय छोड़ देते हैं? *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) विद्यालय में श्यामपट्ट और शौचालय जैसी आधारभूत सेवाओं का अभाव होना
(b) अध्यापकों का समुपयुक्त योग्यता वाला न होना तथा उन्हें कम आय देना
(c) बच्चों में भली-भांति व्यवहार करने की आवश्यकता के प्रति अध्यापकों का संवेदनशील न होना
(d) जो बच्चे अनिवार्य पाठ्यचर्या को स्वीकार नहीं कर पाते उनके लिए विकल्पात्मक पाठ्यचर्या का न होना

93. समस्या-समाधान प्राय: उन विद्यालयों में सफल है, जहां- *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) परिवर्तनशील/लचीली पाठ्यचर्या है
(b) कक्षाओं में छात्रों का सम-समूहीकरण उपलब्ध है
(c) केवल उच्चस्तरीय शैक्षिक उपलब्धि पर ही बल दिया जाता है
(d) अध्यापक-केन्द्रित शिक्षाशास्त्र प्रभावी है

94. जो अध्यापक/अध्यापिका अपने विद्यार्थियों की त्रुटियों में सुधार करना चाहता/ चाहती है, उसके लिए निम्नलिखित में से कौन7सा समुचित मार्ग है? *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) उसे अपने विद्यार्थियों की प्रत्येक त्रुटि का संशोधन करना चाहिए, इसके लिए चाहे उसे विद्यालय में देर तक बैठना पड़े
(b) उसे बार-बार की जाने वाली तथा सामान्य त्रुटियों की अपेक्षा कम होने वाली त्रुटियों का अधिक संशोधन करना चाहिए
(c) उसे उन त्रुटियों का संशोधन करना चाहिए जो सामान्य अर्थ व अवबोधनात्मकता में हस्तक्षेप करती हैं
(d) अगर त्रुटि-संशोधन प्रक्रिया बच्चों को क्षुब्ध करती है, तो उसे उनका संशोधन नहीं करना चाहिए

95. कक्षा में ध्यान न देने वाले बच्चे से व्यवहार करने के लिए कौन-सा उपाय सर्वाधिक लाभकारी हो सकता है? *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) बच्चे को महसूस कराने के लिए उसे कक्षा में सबके सामने बार-बार डांटना-डपटना
(b) बच्चे को उस जगह बैठाना जहां सबसे कम ध्यान भंग हो सके
(c) ध्यान केन्द्रित करने के लिए, कार्य करते हुए बच्चे को खड़े रहने की अनुमति देना
(d) बच्चे के ध्यान को स्फूर्तियुक्त बनाने के लिए बीच-बीच में उसे अवकाश देना

96. शिक्षा का उद्देश्य है- *[HTET-2014-I]*
(a) अच्छा नागरिक बनाना
(b) ऐसे व्यक्तियों का निर्माण जो समाज के लिए उपयोगी हो
(c) व्यावहारिकता का निर्माण करना
(d) उपरोक्त सभी

97. समावेशी शिक्षा से तात्पर्य है- *[HTET-2014-I]*
(a) नियमित विद्यालयों में सभी प्रकार के बालकों का बिना किसी भेदभाव के स्वागत करना है
(b) शिक्षण का एक विशेष तरीका, जिससे सभी बालक सीख सकें
(c) कड़ी दाखिला प्रक्रिया को बढ़ावा देना
(d) शिक्षण के लिए विशेष विद्यालयों का प्रयोग करना

98. बिने-साइमन परीक्षण द्वारा मापन किया जाता है- *[UPTET-2014-I]*
(a) सामान्य बुद्धि का (b) विशिष्ट बुद्धि का
(c) अभिवृत्ति का (d) अभिक्षमता का

99. वाणी दोष नहीं है- *[UPTET-2014-I]*
(a) ध्वनि परिवर्तन और अस्पष्ट उच्चारण
(b) धीमी या तेज गति से बोलना
(c) हकलाना और तुतलाना
(d) तीव्र अस्पष्ट वाणी

100. 'प्रयास और भूल' सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं- *[UPTET-2014-II]*
(a) थॉर्नडाइक (b) मैक्डूगल
(c) कोह्लर (d) पैवलॉव

101. जिस वक्र रेखा में प्रारम्भ में सीखने की गति तीव्र होती है और बाद में यह क्रमशः मन्द होती जाती है, उसे कहते हैं- *[UPTET-2014-II]*
(a) उन्नतोदर वक्र (Convex Curve)
(b) नतोदर वक्र (Concave Curve)
(c) मिश्रित वक्र रेखा (Combination type of Curve)
(d) वक्र रेखा नहीं होती है

102. मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान का प्रमुख उद्देश्य है- *[UPTET-2014-II]*
(a) बालक के मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा करना
(b) कुसमायोजन का निराकरण करना
(c) (a) और (b) दोनों
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

103. शब्दों के अक्षरों के क्रम को पढ़ने में कठिनाई का अनुभव करना और अक्सर चाक्षुष स्मृति का ह्रास .... से सम्बन्धित है। *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) डिस्लेक्सिया (b) डिस्केल्कुलिया
(c) डिस्ग्राफिया (d) डिस्प्राक्सिया

104. 'सभी के लिए विद्यालयों में सभी की शिक्षा' निम्नलिखित में से किसके लिए प्रचार वाक्य हो सकता है? *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) संसक्तिशील शिक्षा (b) समावेशी शिक्षा
(c) सहयोगात्मक शिक्षा (d) पृथक शिक्षा

105. शिक्षार्थी तब तक नहीं सीख सकते जब तक *[CTET-Sep.-2014-II]*
(a) उन्हें शिक्षा के सामाजिक उद्देश्यों की आवश्यकताओं के अनुरूप न पढ़ाया जाए
(b) उन्हें यह पता न हो कि जो तथ्य उन्हें पढ़ाए गए हैं, निकट भविष्य में उनका परीक्षण किया जाएगा
(c) वे सीखने के लिए तैयार न हों
(d) दैनिक आधार पर घर में उनके माता-पिता विद्यालय में उनके सीखने के बारे में नहीं पूछेंगे।

106. एकाग्रता-समय के साथ मेल बैठाने के लिए एक दत्त कार्य को पूरा करने के लिए आवंटित समय को घटाना और चरणबद्ध तरीके से इस एकाग्रता-समय को बढ़ाना निम्नलिखित में से किस प्रकार के विकार से निबटने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त है? *[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) अशांतकारी व्यवहार संबंधी विकार
(b) डिस्फेसिया
(c) संवेदी एकीकरण विकार
(d) एकाग्रता-ह्रास अतिक्रियाशील विकार

107. लड़कों एवं लड़कियों के विषय में कुछ कथन नीचे दिए गए हैं। आपके अनुसार इनमें से कौन-सा सही है? *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) लड़कों को घर के बाहर के कामों में सहायता करनी चाहिए।
(b) लड़कों को घर के कामों में सहायता करनी चाहिए।
(c) सभी लड़कों को विज्ञान तथा लड़कियों को गृह विज्ञान पढ़ाया जाना चाहिए।
(d) लड़कियों को घर के कामों में सहायता करनी चाहिए।

108. एक बच्चे की कॉपी में लिखने में विपरीत छवियाँ, दर्पण छवि आदि जैसी ग़लतियाँ मिलती हैं। इस प्रकार का बच्चा लक्षण प्रदर्शित कर रहा है- *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) अधिगम में असुविधा के
(b) अधिगम में अशक्तता के
(c) अधिगम में कठिनाई के
(d) अधिगम में समस्या के

109. अध्यापक के दृष्टिकोण से प्रतिभाशीलता किसका संयोजन है? *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) उच्च योग्यता - उच्च सृजनात्मकता - उच्च वचनबद्धता
(b) उच्च प्रेरण - उच्च वचनबद्धता - उच्च क्षमता
(c) उच्च योग्यता - उच्च क्षमता - उच्च वजनबद्धता
(d) उच्च क्षमता - उच्च सृजनात्मकता - उच्च स्मरणशक्ति

110. अध्यापिका ने एक कमेटी के प्रधान को 'सभापति' के स्थान पर 'सभाध्यक्ष' लिखा। यह संकेत करता है कि अध्यापिका- *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) एक अधिक उपयुक्त पारिभाषिक शब्द का पालन करती है
(b) भाषा पर अच्छा अधिकार रखती है
(c) एक लिंग-मुक्त भाषा का प्रयोग कर रही है
(d) लिंग पूर्वग्रह से ग्रस्त है

111. प्रचलित योजनाओं में नई जानकारी जोड़ने को किस नाम से जाना जाता है? *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) समायोजन (b) साम्यधारण
(c) आत्मसात्करण (d) संगठन

112. वंचित समूहों के विद्यार्थियों को सामान्य विद्यार्थियों के साथ-साथ पढ़ाना चाहिए। इसका अभिप्राय है- *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) समावेशी शिक्षा (b) विशेष शिक्षा
(c) एकीकृत शिक्षा (d) अपवर्जक शिक्षा

113. विकृत लिखावट से सम्बन्धित लिखने की योग्यता में कमी किसका एक लक्षण है?*[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) डिस्ग्राफिया (b) डिस्प्रैक्सिया
(c) डिस्कैल्कुलिया (d) डिस्लेक्सिया

114. निम्नलिखित में से कौन-सा तरीका अध्यापिका के द्वारा एक सृजनात्मक बच्चे की पहचान करने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होगा ? *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) बच्चे का विस्तृत रूप से अवलोकन करना, विशेष रूप से उस समय जब वह समस्याओं को हल करती है
(b) यह अवलोकन करना कि बच्ची समूह कार्यों में साथियों के साथ किस प्रकार से प्रतिक्रिया करती है
(c) मानकीकृत बुद्धि परीक्षणों को देना
(d) वस्तुनिष्ठ प्रकार के परीक्षणों को देना

115. समावेशी शिक्षा के पीछे मूलाधार यह है कि- *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) प्रत्येक बच्चे के निष्पादन के लिए मानक एकसमान तथा मानकीकृत होने चाहिए।
(b) समाज में विभन्नता है और विद्यालयों को इस विभिन्नता के प्रति संवेदनशील होने के लिए समावेशी होने की आवश्यकता है।
(c) हमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के ऊपर दया करने की आवश्यकता है और सुविधाओं तक उनकी पहुँच होनी चाहिए।
(d) विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए अलग विद्यालयों की व्यवस्था करना लागत प्रभावी नहीं है।

116. इनमें से कौन-सी विशेषता प्रतिभाशाली बच्चों की नहीं है? *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) उच्च आत्म क्षमता
(b) निम्न औसतीय मानसिक प्रक्रियाएँ
(c) अंतर्दृष्टिपूर्वक समस्याओं का समाधान करना
(d) उच्चतर श्रेणी की मानसिक प्रक्रियाएँ

117. बच्चों को समूह कार्य देना एक प्रभावी शिक्षण-रणनीति है, क्योंकि: *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) छोटे समूह में कुछ बच्चों को दूसरे बच्चों पर हावी होने की अनुमति होती है।
(b) सीखने की प्रक्रिया में बच्चे एक-दूसरे से सीखते हैं और परस्पर सहायता भी करते हैं।
(c) बच्चे अपना काम जल्दी करने में समर्थ होते हैं।
(d) इससे शिक्षक का काम कम हो जाता है।

118. एक औसत बुद्धि वाला बच्चा यदि भाषा को पढ़ने एवं समझने में कठिनाई प्रदर्शित करता है तो यह संकेत देता है कि बच्चा _____का लक्षण प्रदर्शित कर रहा है। *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) लेखन-अक्षमता (डिस्ग्राफिया)
(b) गणितीय-अक्षमता (डिस्कैल्कुलिया)
(c) गतिसमन्वय-अक्षमता (डिस्प्रैक्सिया)
(d) पठन-अक्षमता (डिस्लैक्सिया)

119. समावेशी शिक्षा मानती है कि हमें __ को __के अनुरूप बदलना है। *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) व्यवस्था / बच्चे (b) परिवेश / परिवार
(c) बच्चे / परिवेश (d) बच्चे / व्यवस्था

120. एक समावेशी कक्षा में किसी शिक्षिका की सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका है : *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) कक्षा के लिए ऐसी योजना बनाना कि प्रत्येक बच्चा समान गति से आगे बढ़े।
(b) यह सुनिश्चित करना कि शिक्षिका कक्षा को मानक निर्देश दे रही है।
(c) बच्चे के माता-पिता के व्यवसाय को जानना ताकि शिक्षिका प्रत्येक बच्चे के भावी व्यवसाय को जान सके।
(d) सुनिश्चित करना कि प्रत्येक बच्चे को अपनी संभावना को प्राप्त करने का अवसर मिले।

121. अधिगम अशक्तता वाले *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) बच्चे निम्न बुद्धिलब्धि वाले होते हैं।
(b) बच्चों को एक समान दिखाई देने वाले अक्षरों और वर्णों में भ्रम होता है।
(c) बच्चे दृश्य-शब्दों (साइट वर्ड्स) को आसानी से पहचानते और समझते हैं।
(d) बच्चे का मानसिक विकास मंद होता है।

122. निम्नलिखित में से कौन.सा एक कथन 'समावेशन' का सबसे अच्छा वर्णन करता है?*[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) यह एक दर्शन है कि विशेष बच्चे 'ईश्वर के विशेष उपहार' हैं।
(b) यह एक विश्वास है कि बच्चों को अपनी योग्यताओं के अनुसार अलग किया जाना चाहिए।
(c) यह एक विश्वास है कि कुछ बच्चे कभी कुछ सीख ही नहीं सकते।
(d) यह एक दर्शन है कि सभी बच्चों को नियमित विद्यालय/ प्रणाली में समान शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है।

EBD_7907

123. 'वंचित वर्ग' की पृष्ठभूमि के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षक को चाहिए कि *[CTET-Feb.-2016-I]*

(a) उन पर ध्यान न दें क्योंकि वे दूसरे शिक्षार्थियों के साथ अंत:क्रिया नहीं कर सकते

(b) उन्हें बहुत.सा लिखित कार्य दें

(c) उनके बारे में अधिक जानकारी जुटाने का प्रयास करें और उन्हें कक्षा में होने वाली चर्चा में शामिल करें

(d) उन्हें कक्षा में अलग बिठाए

124. निम्नलिखित में से कौन-सा व्यवहार बच्चे की अधिगम-निर्योग्यता की पहचान करता है? *[CTET-Feb.-2016-I]*

(a) कम अवधान-विस्तार और उच्च शारीरिक गतिविधि

(b) मनोभाव का जल्दी.जल्दी बदलना (मूड स्विंग्स)

(c) अपमानजनक व्यवहार

(d) 'b' को 'd', 'was' को को 'saw', '21' को '12' लिखना

125. एक बच्चा जो आंशिक रूप से देख सकता है *[CTET-Feb.-2016-I]*

(a) विशेष प्रावधान करते हुए उसे 'नियमित' विद्यालय में रखना चाहिए

(b) बिना किसी विशेष प्रावधान के उसे 'नियमित' विद्यालय में डालना चाहिए

(c) उसे शिक्षा नहीं देनी चाहिए, क्योंकि वह उसके किसी काम नहीं आएगी

(d) उसे अलग संस्थान में डालने की आवश्यकता है

126. विशेष आवश्कताओं वाले बच्चों से व्यवहार करने के लिए निम्नलिखित दार्शनिक दृष्टिकोणों में से किसका अनुसरण किया जाना चाहिए?*[CTET-Feb.-2016-II]*

(a) उन्हें केवल व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

(b) उन्हें समावेशी शिक्षा का और नियमित विद्यालयों में अध्ययन करने का अधिकार प्राप्त है।

(c) उन्हें किसी प्रकार की शिक्षा की आवश्यकता ही नहीं होती।

(d) उन्हें पृथक् करके उनकी शिक्षा किसी भिन्न शैक्षिक संस्थाओं में होनी चाहिए।

127. माध्यमिक विद्यालय की कक्षा में शिक्षिका के पास एक 'बधिर' बच्चा है। उसके लिए यह महत्त्वपूर्ण है कि *[CTET-Feb.-2016-II]*

(a) बच्चे को डाँट-फटकार कर उसे अलग स्थान पर बैठाए ताकि वह बधिर केंद्र में प्रवेश ले ले

(b) विद्यालय सलाहकार (काउंसलर) से कहे कि वे बच्चे के अभिभावकों से बात करे तथा उन्हें अपने बच्चे को विद्यालय से हटाने के लिए कहें

(c) वह बच्चे को उस स्थान पर बैठाए जहाँ से वह शिक्षिका के होंठ तथा चेहरे के भाव साफ तौर पर देख सके

(d) उसके प्रति संकेत करे जिसे वह बच्चा बार-बार नहीं कर पा रहा

128. अधिगम-निर्योग्यता वाले बच्चे*[CTET-Feb.-2016-II]*

(a) अधिगम के कुछ पक्षों से संघर्ष करते है

(b) बहुत सक्रिय होते हैं, लेकिन उनकी बुद्धि लब्धि कम होती है

(c) बहुत बुद्धिमान तथा परिपक्व होते है

(d) कुछ भी नहीं सीख सकते

129. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शामिल करना: *[CTET-Sep.-2016-I]*

(a) एक काल्पनिक लक्ष्य है

(b) जिनमें अक्षमता न हो उन बच्चों के लिए हानिकारक है

(c) विद्यालयों पर भार बढ़ा देगा

(d) शिक्षण के प्रति दृष्टिकोण, विषयवस्तु और धारणा परिवर्तन की अप्रेक्षा रखता है

130. सुनने में असमर्थ बच्चा: *[CTET-Sep.-2016-I]*

(a) श्रवण असमर्थता वाले बच्चों के विद्यालय में ही भेजा जाना चाहिए, नियमित विद्यालय में नहीं

(b) केवल अकादमिक शिक्षा से लाभ नहीं उठा पाएगा, उसे उसके स्थान पर व्यावसायिक शिक्षा दी जानी चाहिए

(c) नियमित विद्यालय में बहुत अच्छा कर सकता है यदि उसे उपयुक्त सुविधा और साधन उपलब्ध कराए जाएँ

(d) नियमित विद्यालय में अपने सहपाठियों के समान कभी प्रदर्शन नहीं कर सकेगा

131. कोई शिक्षिका अपनी कक्षा में फर्नीचर तीखी धार वाले किनारों को रुई से ढ़का रखने को कहती है और 'छुओ तथा अनुभव करो' वाले सूचना-पट्टों का उपयोग करने को कहती है। वह किस वर्ग के विशेष शिक्षार्थियों की आवश्यकता पूर्ति करने का प्रयास कर रही है? *[CTET-Sept.-2016-II]*

(a) सामाजिक रूप से वंचित शिक्षार्थी

(b) दृष्टि विकलांग शिक्षार्थी

(c) श्रवण विकलांग शिक्षार्थी

(d) सीख न सकने वाले शिक्षार्थी

132. विविध शिक्षार्थियों वाली एक समावेशी कक्षा में सहयोगी अधिगम और समवयस्कों से सीखना:
[CTET-Sept.-2016-II]
(a) कार्यन्वित नहीं किया जाना चाहिए और विद्यार्थियों को क्षमताओं के अनुसार अलग-अलग किया जाना चाहिए
(b) केवल कभी-कभी ही प्रयोग किया जाना चाहिए क्योंकि यह सहपाठियों से तुलना को बढ़ावा देता है।
(c) सक्रिय रूप से निरुत्साहित किया जाना चाहिए और प्रतियोगिता को बढ़ावा देना चाहिए।
(d) सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए जिससे समवयस्कों की स्वीकार्यता बढ़े

133. निम्न में से कौन-सी समावेशी शिक्षा की एक विशेषता नहीं है? *[UPTET.-2018]*
(a) यह केवल विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के सीखने में अभिवृद्धि करती है
(b) यह दिव्यांग बालकों की देखभाल से उनकी शिक्षा और व्यक्तिगत विकास की ओर सेवा में बदलाव है
(c) समावेशी शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है, यह कोई उपार्जित अवस्था या उत्पाद नहीं है
(d) यह सभी विद्यार्थियों की क्षमताओं को अधिकतम स्तर तक बढ़ाना चाहती है

134. छात्र के अवांछित व्यवहार के संशोधन हेतु सबसे प्रभावी विधि है *[UPTET.-2018]*
(a) छात्र को दण्डित करना
(b) उसे नजरन्दाज करना
(c) उसे माता-पिता को सूचित करना
(d) अवांछित व्यवहार के कारणों का पता लगाना तथा उपचारों का सुझाव देना

135. डिस्लेक्सिया संबंधित है *[UPTET.-2018]*
(a) पढ़ने संबंधी समस्या से
(b) गणितीय कौशल संबंधी समस्या से
(c) लेखन संबंधी समस्या से
(d) वाक्-क्षमता संबंधी विकार से

136. ब्रेल लिपि एवं टेप-रिकॉर्डिंग किसके लिए शैक्षिक प्रावधान के रूप में प्रयुक्त किये जा सकते हैं? *[UPTET.-2018]*
(a) दृष्टिबाधित विद्यार्थी
(b) अस्थिबाधित विद्यार्थी
(c) श्रवणबाधित विद्यार्थी
(d) शारीरिक रूप से विकलांग विद्यार्थी

137. अलग-अलग सोच वाले पैटर्न उन बच्चों की पहचान करते हैं, जो- *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) डिस्लेक्सिक हैं (b) सृजनात्मक हैं
(c) प्रत्यास्थी हैं (d) विकलांग हैं

138. सृजनात्मकता को ..... की अवधारणा से संबंधित माना जाता है। *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) रवादार बौद्धिकता (b) अभिसृत सोच
(c) विविध सोच (d) द्रव बौद्धिकता

139. अपने अनुभवों और लक्षणों के आधार पर उपकरणों में खराबी के कारण की परिकल्पना का परीक्षण कर रवि उपकरणों की मरम्मत करता है। वह उपयोग करता है- *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) कलन-विधि का (b) मानसिक दृढ़ता का
(c) अनुमानी विधि का (d) अंतर्दृष्टि का

140. दिव्या अकसर निर्देशित कार्यों को छोटे-छोटे हिस्सों में विभाजित कर आसान बना लेती है। वह उपयोग करती है- *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) द्वितीयक विस्तारण विधि का
(b) उपलक्ष्य विश्लेषण विधि का
(c) क्रियात्मक जड़ता नियामक विधि का
(d) कम करने की विधि का

141. समावेशी शिक्षा ..... के सिद्धांत पर आधारित है। *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) समता एवं समान अवसर
(b) सामाजिक अस्तित्व एवं वैश्वीकरण
(c) विश्व बंधुता
(d) सामाजिक संतुलन

142. 'मॉडलिंग' एक प्रभावी शिक्षण युक्ति है: *[HTET-2019]*
(a) दृष्टि बाधिता युक्त बच्चों के लिए
(b) अधिगम अक्षमता युक्त बच्चों के लिए
(c) अम्लीय आक्रमण प्रभावितों के लिए
(d) बौद्धिक अक्षमता युक्त बच्चों के लिए

143. किशोरों का यह महसूस करना 'सभी मेरी ओर देख रहे हैं' को संज्ञा दी जा सकती है: *[HTET-2019]*
(a) व्यक्तिगत मिथक (b) काल्पनिक दर्शक
(c) एनोरेक्सिया नर्वोसा (d) बुलिमिया नर्वोसा

144. 'सर्जनात्मकता का निवेश सिद्धांत' दिया गया है: *[HTET-2019]*
(a) बिने एवं साइमन द्वारा
(b) कैरोल एवं कैटल द्वारा
(c) स्टर्नबर्ग एवं लुबर्ट द्वारा
(d) वाटसन एवं रेनर द्वारा

145. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर की विशेषता नहीं है? *[HTET-2019]*
(a) देखने और सुनने की समस्या
(b) सामाजिक अन्तक्रिया में समस्या
(c) शाब्दिक और अशाब्दिक सम्प्रेषण में समस्या
(d) आवर्त्यात्मक/बारम्बार व्यवहार

146. एक शिक्षक को चाहिए कि *[CTET-July-2019-I]*
(a) यह सम्प्रेषित करे कि वह कक्षाकक्ष में सभी संस्कृतियों का सम्मान करती है एवं महत्त्व देती है।
(b) वह विद्यार्थियों के बीच तुलना को अधिकतम करें।
(c) वह विशेष संस्कृतियों/समुदाय के बच्चों को बढ़ावा दे।
(d) वह विद्यार्थियों के बीच सांस्कृतिक विभिन्नताओं तथा विविधता की अनदेखी करें।

147. _____ यह विचारधारा है कि सभी बच्चों को एक नियमित विद्यालय व्यवस्था में समान शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार हो। *[CTET-July-2019-I]*
(a) बहुल-सांस्कृतिक शिक्षा
(b) समावेशी शिक्षा
(c) मुख्यधारा शिक्षा
(d) विशेष शिक्षा

148. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा के बारे में प्रमुख है? *[CTET-July-2019-II]*
(a) प्रत्येक बच्चे की क्षमता एवं संभावना में विश्वास करना
(b) मानक निर्देश एवं मूल्यांकन
(c) बाह्य प्रेरणा तथा एकरूप मूल्यांकन मानदंड
(d) पाठ्यपुस्तक केंद्रीय अधिगम

149. 'दृश्य रूप से बाधित' विद्यार्थियों के साथ कार्य करते समय एक शिक्षक को किस प्रकार के अनुदेशन अनुकूलन करने चाहिए? *[CTET-July-2019-II]*
(a) कई प्रकार की दृश्य प्रस्तुतियों का प्रयोग करना।
(b) स्वयं अभिविन्यास करना ताकि विद्यार्थी उसे ध्यान से देख सकें।
(c) अनेक प्रकार के लिखित कार्यों, विशेष रूप से वर्कशीटों पर ध्यान केंद्रित करना।
(d) स्पष्ट रूप से बोलना तथा छूकर महसूस करने वाली सामग्रियों का अधिक मात्रा में प्रयोग करना।

150. सहयोगात्मक अधिगम एवं हमउम्र साथियों के द्वारा शिक्षण का एक समावेशी कक्षा में किस प्रकार से उपयोग करना चाहिए? *[CTET-July-2019-II]*
(a) सक्रिय रूप से हतोत्साहित करना चाहिए।
(b) कभी-कभी प्रयोग करना चाहिए।
(c) प्रयोग नहीं करना चाहिए।
(d) सक्रिय रूप से आगे बढ़ाना चाहिए।

151. निम्नलिखित में से कौन-सा समावेशी कक्षा में सबसे अधिक महत्वपूर्ण है? *[CTET-July-2019-II]*
(a) मानकीकृत परीक्षण
(b) प्रतियोगी अधिगम को बढ़ावा देना
(c) विशिष्ट शिक्षा योजना
(d) एकरूप निर्देश

उत्तरमाला

1	(c)	**16**	(a)	**31**	(b)	**46**	(c)	**61**	(a)	**76**	(c)	**91**	(c)	**106**	(d)	**121**	(b)	**136**	(a)	**151**	(c)
2	(d)	**17**	(c)	**32**	(b)	**47**	(d)	**62**	(a)	**77**	(b)	**92**	(d)	**107**	(b)	**122**	(d)	**137**	(b)		
3	(c)	**18**	(c)	**33**	(d)	**48**	(d)	**63**	(b)	**78**	(c)	**93**	(a)	**108**	(b)	**123**	(c)	**138**	(c)		
4	(c)	**19**	(c)	**34**	(b)	**49**	(c)	**64**	(b)	**79**	(a)	**94**	(c)	**109**	(a)	**124**	(d)	**139**	(a)		
5	(a)	**20**	(a)	**35**	(b)	**50**	(b)	**65**	(d)	**80**	(c)	**95**	(b)	**110**	(c)	**125**	(a)	**140**	(b)		
6	(d)	**21**	(c)	**36**	(d)	**51**	(d)	**66**	(c)	**81**	(c)	**96**	(d)	**111**	(c)	**126**	(b)	**141**	(a)		
7	(a)	**22**	(d)	**37**	(a)	**52**	(c)	**67**	(a)	**82**	(b)	**97**	(a)	**112**	(a)	**127**	(c)	**142**	(d)		
8	(a)	**23**	(d)	**38**	(b)	**53**	(b)	**68**	(a)	**83**	(a)	**98**	(b)	**113**	(a)	**128**	(a)	**143**	(b)		
9	(b)	**24**	(c)	**39**	(c)	**54**	(b)	**69**	(c)	**84**	(a)	**99**	(b)	**114**	(b)	**129**	(d)	**144**	(c)		
10	(c)	**25**	(a)	**40**	(a)	**55**	(d)	**70**	(a)	**85**	(a)	**100**	(a)	**115**	(c)	**130**	(c)	**145**	(a)		
11	(b)	**26**	(b)	**41**	(b)	**56**	(b)	**71**	(b)	**86**	(b)	**101**	(a)	**116**	(b)	**131**	(b)	**146**	(a)		
12	(a)	**27**	(d)	**42**	(b)	**57**	(c)	**72**	(b)	**87**	(c)	**102**	(c)	**117**	(b)	**132**	(d)	**147**	(b)		
13	(d)	**28**	(a)	**43**	(d)	**58**	(d)	**73**	(d)	**88**	(a)	**103**	(a)	**118**	(d)	**133**	(a)	**148**	(a)		
14	(d)	**29**	(b)	**44**	(d)	**59**	(d)	**74**	(c)	**89**	(b)	**104**	(b)	**119**	(a)	**134**	(d)	**149**	(d)		
15	(d)	**30**	(a)	**45**	(b)	**60**	(a)	**75**	(d)	**90**	(d)	**105**	(c)	**120**	(d)	**135**	(a)	**150**	(d)		

व्याख्या सहित उत्तर

1. (c) बुद्धि रटने की योग्यता मात्र नहीं है, अत: उत्तम रटने वाले छात्रों को उच्च बुद्धि वाला नहीं माना जा सकता।
5. (a) 'डिस्लेक्सिया' बालकों की एक प्रकार की अधिगम अक्षमता है, जोकि पठन क्रिया में अभिव्यक्त होती है।
6. (d) प्रतिभाशाली होना एक मानसिक गुण है, उसका शारीरिक शक्ति या उसके प्रदर्शन से कोई सम्बन्ध नहीं है।
33. (d) समावेशी शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न पृष्ठभूमियों के छात्रों को एक साथ अध्ययन करना पड़ता है। इसमें विकलांग, विभिन्न भाषाओं एवं संस्कृतियों, विभिन्न परिवारों, जातियों एवं समुदायों के बच्चे शामिल रहते हैं। इसलिए समावेशी शिक्षा कक्षा में विविधता का उत्सव मनाती है।
34. (b) बच्चों के शिक्षा के लिए प्राय: उनके माता-पिता एवं विशेष रूप से उनके शिक्षकों को उत्तरदायी माना जाता है। लेकिन माता-पिता एवं शिक्षकों की अपनी एक नियत क्षमता होती है।
जब बच्चा 'फेल' होता है तो पूर्ण रूप से शिक्षा नीति एवं शिक्षा व्यवस्था दोषी है।
36. (d) सृजनात्मकता मुख्य रूप से अपसारी (बहुविध) चिन्तन से सम्बन्धित है, क्योंकि सृजनात्मक बालक नए सम्बन्धों के ज्ञान को इसकी उत्पत्ति में चिन्तन की परम्परागत तरीकों से हटकर असाधारण विचार उत्पन्न करने की योग्यता रखते हैं।
39. (c) समावेशी शिक्षा उस विद्यालय शिक्षा व्यवस्था की ओर संकेत करती है जो उनकी शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक, भाषिक या अन्य विभिन्न योग्यता स्थितियों को ध्यान में रखे बगैर सभी बच्चों को शामिल करती है।
41. (b) डिस्लेक्सिया मुख्य रूप से पढ़ने की समस्या से सम्बन्धित है।
42. (b) प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की शिक्षा व्यवस्था अन्य सामान्य विद्यार्थियों के साथ करनी चाहिए। इससे इन विद्यार्थियों को अपनी क्षमताओं को विकसित करने का भरपूर अवसर मिलता है।
52. (c) डिस्लेक्सिया से ग्रस्त बालक ही पठन विकार से ग्रसित होता है। वह पढ़ने में भ्रमित हो जाता है।
53. (b) अधिगम संबंधी निर्योग्यताओं का सम्बंध सामान्यत: स्थान, बुद्धि व लिंग से न होकर वंशानुक्रम से होता है। ये माता-पिता द्वारा बालकों में पायी जाती हैं।
54. (b) उत्तर डिस्ग्राफिया है। डिस्लेक्सिया पठन विकार है, डिस्थीमिया न्यूरोटिक डिप्रेशन व डिस्केल्कुलिया गणित अयोग्यता से सम्बंधित है।
65. (d) किसी भी भाषा या बोली में, स्वनिम (phonemes) उच्चारित ध्वनि की सबसे छोटी इकाई होती है। अत: थ, फ, च ध्वनियाँ स्वनिम हैं।
66. (c) शिक्षिका को शारीरिक विकलांगता वाले बच्चे को खेल के प्रति उत्साहित करना चाहिए। अत: विकल्प (c) सबसे उपयुक्त कथन है।
67. (a) एक समावेशी विद्यालय में, छात्रों के वैयक्तिक विभिन्नताओं के बावजूद उपयुक्त पाठ्यक्रम, शिक्षण रणनीतियाँ, संगठनात्मक व्यवस्था एवं संसाधनों के उचित उपयोग के माध्यम से गुणवत्ता शिक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।
68. (a) प्रतिभाशाली शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्राय: ऐसे सहयोग की आवश्यकता होती है जो सामान्यत: विद्यालयों द्वारा उपलब्ध नहीं करायी जा सकती है।
69. (c) बच्चों में प्रतिभाशालिता उनके आनुवंशिक रचना एवं वातावरणीय प्रभाव के कारण होती है। जैसे- प्रतिभाशाली माता-पिता के बच्चे प्राय: प्रतिभाशाली होते हैं एवं अच्छे वातावरण में पले-बढ़े बच्चों में भी प्रतिभाशालिता पायी जाती है।
70. (a) गतिक कौशलों में अधिगम निर्योग्यता डिस्प्रेक्सिया कहलाती है। डिस्प्रेक्सिया गतिक कौशल कार्यों को प्रभावित करती है जिसमें हाथ हिलाने से लेकर दांत साफ करने में ब्रश का उपयोग करने में कठिनता हो सकती है तथा प्रत्येक व्यक्ति में डिस्प्रेक्सिया का स्तर भिन्न हो सकती है।
71. (b) अधिगम निर्योग्यता एक चर अवस्था है। समुचित प्रयास से अधिगम निर्योग्यता को सुधारा जा सकता है।

72. (b) समस्या समाधान एक मानसिक प्रक्रिया है। समस्या समाधान प्रक्रिया में समस्या सुलझाना हमारा लक्ष्य होता है, लेकिन हम यह नहीं समझ पाते हैं कि समस्या का हल किस प्रकार निकाला जाए। अत: समस्या समाधान के लिए हम निम्नलिखित संज्ञानात्मक गतिविधियों का प्रयोग करते हैं-
    - वास्तव में समस्या क्या है, इसका पता लगाना
    - समस्या के कारणों की पहचान
    - समस्या का रचनात्मक समाधान सृजन
    - समस्या के सर्वोत्तम समाधान का चयन एवं मूल्यांकन
    - समस्या के सर्वोत्तम हल को लागू करना तथा उनके परिणामों का निरीक्षण करना कि समस्या का समाधान हुआ या नहीं।
73. (d) सीमा द्वारा परीक्षा भवन में होने वाली घबराहट का प्राथमिक कारण अकस्मात् संवेगात्मक आवेग का सामना नहीं कर पाना हो सकता है।
75. (d) बी. एफ. स्किनर ने सक्रिय अनुबंधन के सिद्धांत का प्रतिपादन किया है।
76. (c) एक समावेशी विद्यालय में, विशेष आवश्यकता वाले बालक को सामान्य बच्चों से अलग नहीं कर सकते। उन बच्चों को विशेष ध्यान के साथ समावेशी विद्यालय में ही शिक्षा देना चाहिए।
77. (b) प्रतिभाशाली बच्चों में रचनात्मक समस्या को हल करना तथा सामान्य बच्चों से उनकी अलग सोच उन्हें अपसारी चिंतक बनाता है।
79. (a) सी.बी.एस.ई. शिक्षार्थियों के लिए व्यक्तिगत गतिविधियों के स्थान पर सामूहिक गतिविधियों को बढ़ावा देती है क्योंकि इससे शिक्षार्थियों को व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा से उबारना होता है जो सम्पूर्ण अधिगम पर सामान्यीकृत हो सकती है।
80. (c) सामाजिक अधिगम का सिद्धांत अल्बर्ट बन्डूरा ने दिया है। इस सिद्धांत के अन्तर्गत व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों में वातावरण सम्बन्धी कारकों को ही महत्व दिया है, वंशानुक्रम कारकों को कोई महत्व नहीं दिया गया है।
81. (c) सामाजिक अधिगम सिद्धांत के अनुसार, बच्चे अन्य लोगों के व्यवहार को देखकर अनुकरण करते हैं।
82. (b) परीक्षा परिणाम के बारे में बहुत अधिक सोचना आगामी परीक्षा के लिए होने वाली चिंता को दूर करने का सही तरीका नहीं है।
116. (b)
117. (b) सामूहिक कार्य सामूहिक सीखने की प्रक्रिया का एक प्रकार है। यह व्यक्तिगत भेदभाव से संबंधित है। यह छात्र में ज्ञान दक्षताएँ (वार्तालाप, दक्षता, सहयोग दक्षता, सूक्ष्म विचार दक्षता) एवं अभिरूचि को प्रदर्शित करता है।
118. (d) पठन-अक्षमता पढ़ने-लिखने से संबंधी एक विकार हैं, जिसमें बच्चों को शब्दों को पहचानने, पढ़ने, याद करने और बोलने में परेशानी आती हैं। वे कुछ अक्षरों और शब्दों को उल्टा पढ़ते है और कुछ अक्षरों का उच्चारण भी नहीं कर पाते।
119. (a) समेकित शिक्षा सभी छात्रें को एक साथ या एक कक्षा और समुदाय में लाती है। वे इस तथ्य के परे होती हैं कि किसी क्षेत्र में उनकी शक्ति एवं क्षमताएँ क्या हैं। वे छात्रों की सामर्थ्य को बढ़ाने का प्रयत्न करती हैं।
121. (b) अधिागम अक्षमता एक ऐसी समस्या है जो इस बात को प्रभावित करती है कि कोई व्यक्ति सूचनाओं को कैसे प्राप्त करता है एवं सूचनाओं को कार्यान्वित कैसे करता है।
122. (d) 'समावेशन' का सबसे अच्छा वर्णन करने वाला कथन है-यह एक दर्शन है कि सभी बच्चों को नियमित विद्यालय प्रणाली में समान शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है।
123. (c) वंचित वर्ग की पृष्ठभूमि के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षक को चाहिए कि उनके बारे में अधिक जानकारी जुटाने का प्रयास करे और उन्हें कक्षा में होने वाली चर्चा में शामिल करें। वंचित वर्ग पृष्ठ भूमि के बच्चों की अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करने से शिक्षक उनकी स्थिति को भली-भाँति समझकर शैक्षिक विकास मे सहायता कर सकेंगे। उन बच्चो को कक्षा मे समावेशित करना आवश्यक है।

124. (d) बच्चे की अधिगम निर्योग्यता की पहचान होती है तब वह 'इ' को 'क', ' ू' को 'ू' '21' को '12' लिखें। ऐसी स्थिति मे शिक्षक को सचेत हो जाना चाहिए कि बच्चे में अधिगम निर्योग्यता है जिसके कारण बच्चा इस प्रकार की त्रुटियाँ निरंतर कर रहा है।

126. (b) एक विशिष्ट बालक वह है जो कि शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक एवं सामाजिक विशेषताओं में किसी सामान्य बालक से उस सीमा तक विचलित होता है, जब वह अपनी क्षमताओं के अधिकतम विकास हेतु सहायता, निर्देशन, विद्यालयी कार्यक्रमों में परिमार्जन तथा विशिष्ट शैक्षिक सेवाओं की आवश्यकता रखता है।

127. (c) पूर्णत: बधिर बच्चे को उस स्थान पर बैठाना चाहिए जहाँ वह शिक्षिका की सांकेतिक भाषा को भली-भाँति समझ सकें। सांकेतिक भाषा एक ऐसी भाषा है, जो अर्थ सूचित करने के लिए श्रवणीय ध्वनि पैटर्न में संप्रेषित करने की बजाय, दृश्य रुप में सांकेतिक पैटर्न संचारित करती है।

128. (a) अधिगम-निर्योग्यता का अर्थ विभिन्न प्रकार के उन विकारों के समूह से हैं, जिनके कारण बच्चे को सीखने, पढ़ने, लिखने, बोलने, तर्क करने तथा गणित के प्रश्न हल करने आदि में कठिनाई होती है।

129. (d) समावेशी शिक्षा एक प्रकार की समेकित शिक्षा की ओर इंगित करती है, जिसके अंतर्गत बिना किसी भेदभाव व अंतर के समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा प्रदान करके, एक स्तर पर लाया जा सके।

133. (a) समावेशी शिक्षा का अभिप्राय भिन्न-भिन्न अक्षमताओं वाले बच्चों को नियमित कक्षाओं में सामान्य बच्चों के साथ शामिल करने से है अत: विकल्प (a) समावेशी शिक्षा का भाग नहीं है।

134. (d) किसी विद्यार्थी के अवांछित व्यवहार के संशोधन हेतु सबसे प्रभावी विधि अवांछित व्यवहार के कारणों का पता लगाना तथा उपचारों का सुझाव देना है।

135. (a)
- पढ़ने में समस्या - डिस्लैक्सिया
- लिखने में समस्या - डिस्ग्राफिया
- गणित हल करने में समस्या - डिस्कैल्कुलिया
- मौखिक रूप से सीखने में समस्या - डिस्फेज्या

136. (a) दृष्टिबाधित छात्रों के लिए ब्रेललिपि एवं टेपरिकार्डिंग उपकरणों की सहायता ली जाती है।

137. (b) अलग-अलग सोच वाले पैटर्न उन बच्चों की पहचान करते हैं जो सृजनात्मक है। प्रत्येक व्यक्ति में किसी-न-किसी प्रकार की मानसिक योग्यता होती है, जिसके आधार पर वे किसी एक विशेष कार्य में रुचि रखते हैं। इसका विकास बच्चन से ही होता है। सृजनात्मकता एक मानसिक प्रक्रिया है।

138. (c) सृजनात्मकता को विविध सोच की अवधारणा से संबंधित माना जाता है। ड्रेवगहल के अनुसार सृजनात्मकता व्यक्ति की वह योग्यता है जिसके द्वारा वह उन वस्तुओं के विचारों का उत्पादन करता है और जो अनिवार्य रूप से नये हो और जिन्हें वह पहले से न जानता हो। सृजनात्मकता की प्रकृति सर्वव्यापकता नवीनता प्रक्रिया और फल, परीक्षण द्वारा पोषित, अनुपम, मौलिकता, प्रसन्नता तथा संतोष का स्रोत, लोचशीलता, प्रतिक्रियाओं की बहुलता, विस्तृत क्षेत्र पुन: व्याख्या इत्यादि।

139. (a) कलन विधि को किसी स्पष्ट रूप से परिभाषित गणनात्मक समस्या का समाधान करने के औजार के रूप में भी समझा जा सकता है। उस समस्या का इनपुट और आउटपुट सामान्य भाषा में वर्णित किये गये रहते हैं।

140. (b) विश्लेषण शब्द का अर्थ है- किसी समस्या को हल करने के लिए उसे टुकड़ों में बांटना। यह एक अनुसंधान की विधि है जिसमें जटिल से सरल अज्ञात से ज्ञात तथा निष्कर्ष से अनुमान की ओर बढ़ते हैं।

141. (a) समावेशी शिक्षा 'समता एवं समान अवसर' के सिद्धांत पर आधारित है। समावेशी शिक्षा एक शिक्षा प्रणाली है। शिक्षा के समावेशीकरण के अंतर्गत विशेष शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक सामान्य छात्र और एक दिव्यांग छात्र को समान शिक्षा प्राप्ति के अवसर मिलने चाहिए। समावेशी शिक्षा के सिद्धांत की ऐतिहासिक जड़े संयुक्त राज्य अमेरिका तथा कनाडा से जुड़ी है।

142. (d) मॉडलिंग एक निर्देशात्मक रणनीति है जिसमें शिक्षक सीखने के लिए एक नई अवधारणा या दृष्टिकोण का प्रदर्शन करता है तथा छात्र अवलोकन करके सीखता है। इस शिक्षण पद्धति का प्रयोग मंद बुद्धि बालकों के लिए किया जाता है।

143. (b) काल्पनिक दर्शक एक मनोदशा है जिसमें बच्चे यह महसूस करते हैं कि उन्हें सभी लोग देख रहे हैं। ऐसी स्थिति में उनमें घबराहट-सी महसूस होती है तथा उनमें एकाग्रता का अभाव हो जाता है।

144. (c) सर्जनात्मकता का निवेश सिद्धांत स्टर्नबर्ग एवं लुबर्ट द्वारा प्रस्तुत किया गया था। इनके अनुसार रचनात्मकता के लिए छः संसाधन शामिल हैं-
बौद्धिक प्रक्रिया, ज्ञान, बौद्धिक शैली, व्यक्तित्व, प्रेरणा तथा पर्यावरणीय संदर्भ। इन अवयवों की सहायता से सर्जनात्मकता विकसित होती है।

145. (a) ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसआर्डर (विकार) के सामान्य लक्षण-
- सामाजिक अंत:क्रिया में समस्या
- शाब्दिक और अशाब्दिक संप्रेषण में समस्या
- बारम्बार व्यवहार की प्रवृत्ति
- देखने व सुनने की सामान्य अवस्था

146. (a) किसी भी शिक्षक का यह कर्त्तव्य है कि वह कक्षाकक्ष में सभी संस्कृतियों का सम्मान करें। इससे धर्मनिरपेक्षता की भावना बच्चों में पनपती है जिससे राष्ट्रीयता एवं राष्ट्रीय एकता की भावना सुदृढ़ होती है।

147. (b) समावेशी शिक्षा व्यवस्था एक ऐसी शिक्षा प्रणाली है जिसमें सामान्य बालकों के साथ-साथ दिव्यांग बालकों को भी एक ही कक्षा में एक साथ बैठाकर शिक्षा दी जाती है। समावेशी शिक्षा के अनुसार सभी बच्चों को एक नियमित विद्यालय व्यवस्था में समाज शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार हो। इसमें सभी स्तर के बच्चे एक समान शिक्षा ग्रहण करते हैं। इससे समतावादी विचारधारा विकसित होती है।

148. (a) प्रगतिशील शिक्षा की अवधारणा के अनुसार प्रत्येक बच्चे की क्षमता अलग-अलग होती है। प्रत्येक की रुचि अलग-अलग विषय क्षेत्र की ओर होती है। एक शिक्षक का कर्तव्य है कि उसकी क्षमता का सही-सही आकलन करके उसके अभीष्ट विषय क्षेत्र में अग्रसर होने के लिए प्रोत्साहित करे।

149. (d) दृष्टि बाधित विद्यार्थियों की कक्षा में बढ़ाते समय एक शिक्षक के स्पष्ट वाचन करना चाहिए तथा छूकर महसूस की जाने वाली सामग्रियों का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करना चाहिए।

150. (d) सहयोगात्मक अधिगम एवं हमउम्र बच्चों में समावेशी कक्षा को सक्रिय रूप से आगे बढ़ना चाहिए। इसके लिए विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिता का आयोजन करना, विभिन्न क्रियाकलापों के लिए विद्यार्थियों का समूह बनाना इत्यादि प्रक्रिया अपनायी जानी चाहिए।

151. (c) विशिष्ट शिक्षा योजना समावेशी कक्ष में सबसे महत्त्वपूर्ण होती है। यह शिक्षा शारीरिक मानसिक तथा प्रतिभाशाली और विशिष्ट गुण सम्पन्न बालकों के लिए अपनायी जाती है। विशिष्ट कक्षाओं में बुद्धिमान छात्रों को अग्रसर होने का अवसर मिलता है। लेकिन शिक्षक को ऐसे बालकों को सामान्य कक्षा में कार्य के प्रति प्रेरित करने में समस्या आती है।

अभ्यास - 2

1. ''सृजनात्मकता मुख्यत: नवीन रचना या उत्पादन में होती है'' यह कहा है-
   (a) कॉल व ब्रूस ने (b) जेम्स ड्रेवर ने
   (c) क्रो एण्ड क्रो ने (d) प्रो. रुश ने
2. सृजनात्मकता से तात्पर्य है-
   (a) व्यक्ति ने नवीन कार्य करने की क्षमता
   (b) बुद्धि की क्षमता से अर्थ नहीं
   (c) अधिगम व अभिवृद्धि
   (d) समाज द्वारा तिरस्कृत गुण है
3. सृजनशील बालक के गुण हैं-
   (a) विनोद प्रवृत्ति (b) समायोजनशील
   (c) सौन्दर्यात्मक विकास (d) ये सभी
4. शिक्षा में सृजनशीलता का प्रयोग किस रूप में होता है-
   (a) सीखना (b) कल्पना
   (c) तर्क, चिन्तन (d) इनमें से सभी
5. निम्न तथ्य सत्य नहीं है-
   (a) सृजनात्मक वातावरण अधिगम तथ्य अमिट से प्रभावित हो सकती है
   (b) कम बुद्धि वाला सृजनशील हो सकता है
   (c) केवल उच्च बुद्धि वाला सृजनशील हो सकता है
   (d) सृजनात्मकता नये कार्य करने की क्षमता
6. सृजनशील बालक की विशेषता है-
   (a) स्वतंत्र निर्णय शक्ति
   (b) अपनी बात पर दृढ़
   (c) बहुत से विचारों पर ध्यान केन्द्रित करने की क्षमता
   (d) उपरोक्त सभी
7. विशिष्ट बालक की प्रमुख विशेषता है-
   (a) मानसिक न्यूनता से ग्रसित बालक
   (b) प्रतिभाशाली बालक
   (c) साधारण बालकों से भिन्न गुण व व्यवहार वाला बालक
   (d) मंद बुद्धिबालकों की अपेक्षा तीव्र बुद्धि वाला बालक
8. प्रतिभाशाली बालकों की विशेषता है-
   (a) कल्पना, तर्कशक्ति, स्मृति आदि का विकास
   (b) उदार व हंसमुख प्रवृत्ति वाले
   (c) दूसरों का सम्मान करते हैं, चिढ़ाते नहीं
   (d) इनमें सभी।
9. विशिष्ट बालकों की श्रेणी में आते हैं केवल
   (a) प्रतिभाशाली बालक (b) पिछड़े बालक
   (c) समस्यात्मक बालक (d) ये सभी
10. शारीरिक रूप से अक्षम बालकों को किस श्रेणी में रखते हैं?
    (a) प्रतिभाशाली (b) विकलांग
    (c) सामान्यात्मक (d) पिछड़े
11. वंचित बालकों के शिक्षण का तरीका होना चाहिए-
    (a) कठोर (b) लचीला
    (c) समान (d) आदेशात्मक
12. बालक के वंचित होने का सर्वप्रमुख दायित्व किस पर होता है?
    (a) माता-पिता पर (b) शिक्षक पर
    (c) समाज पर (d) इनमें से कोई नहीं
13. सृजनात्मक के आयाम में मुख्य है
    (a) मौलिकता (b) संवेगात्मकता
    (c) व्यावहारिकता (d) ये सभी
14. मानस मन्दता के स्तर में मुख्य है-
    (a) जड़ बुद्धि (b) मूढ़ बुद्धि
    (c) मूर्ख (d) उपरोक्त सभी
15. मन्दबुद्धि बालकों की बुद्धि-लब्धि होती है-
    (a) 70 से कम (b) 75 से कम
    (c) 85 से कम (d) उपरोक्त सभी
16. निर्योग्यता का अर्थ है-
    (a) कार्यकुशलता (b) क्षमता का अभाव
    (c) योग्यता का अभाव (d) कुशाग्रबुद्धि
17. अधिगम निर्योग्य बालक के होते हैं जिनमें पायी जाती है-
    (a) अतिक्रियाशीलता (b) सार्वेगिक अस्थिरता
    (c) प्रोत्साहन में कमी (d) उपरोक्त सभी
18. सृजनात्मकता की मुख्य पहचान क्या है?
    (a) कला (b) साहित्य
    (c) विज्ञान (d) नवसृजन
19. सृजनात्मकता का मुख्य तत्त्व क्या है ?
    (a) मौलिकता (b) पुनर्परिभाषीकरण
    (c) सृजनात्मक उत्पादन (d) ये सभी
20. सृजनात्मक परीक्षण कितने प्रकार के हैं?
    (a) एक (b) दो
    (c) तीन (d) चार
21. मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति में कौन-सी विशेषता नहीं होती है?
    (a) आशावादी (b) निराशावादी
    (c) लगनवादी (d) प्रायोगिक
22. बालक अपराध का कारण है-
    (a) दूषित वातावरण (b) अच्छी संगति
    (c) स्वस्थ मनोरंजन (d) अपराधी क्षेत्र

23. बाल अपराध रोकने में विद्यालय कैसे सक्षम है?
(a) योग्य अध्यापकों की नियुक्ति द्वारा
(b) स्वस्थ मनोरंजन देकर
(c) नैतिक शिक्षा देकर
(d) ये सभी

24. ''वह जो एक स्कूल खोलता है, एक जेल बंद करता है'' यह कहना है-
(a) ह्यूगो का (b) फ्रायड का
(c) हीली का (d) सेथना का

25. बाल अपराधी के लक्षण हैं-
(a) चोरी करना (b) उद्दंडता करना
(c) झूठ बोलना (d) ये सभी

26. बाल अपराध का उपचार किस विधि द्वारा होता है-
(a) मनोवैज्ञानिक व वैधानिक विधि द्वारा।
(b) वैज्ञानिक विधि द्वारा
(c) समाज से निंदा द्वारा
(d) कानून द्वारा कड़ी सजा देकर

27. योग्य, मेहनती एवं मेधावी छात्रों को उनकी सफलता पर उन्हें प्रदान की जाती है-
(a) छात्रवृत्ति (b) पुस्तकें
(c) प्रशस्ति-पत्र (d) शुल्क मुक्ति

28. बाकर मेंहदी के शाब्दिक सृजनात्मक चिन्तन परीक्षा में कितने शाब्दिक उपपरीक्षण हैं?
(a) 2 (b) 3
(c) 4 (d) 5

29. एक समावेशी विद्यालय
(a) शिक्षार्थियों की निर्योग्यता के अनुसार उनकी सीखने की आवश्यकताओं को निर्धारित करता है
(b) शिक्षार्थियों की क्षमताओं की परवाह किए बिना सभी के अधिगम-परिणामों को सुधारने के लिए प्रतिबद्ध होता है
(c) शिक्षार्थियों के मध्य अन्तर करता है और विशेष रूप से सक्षम बच्चों के लिए कम चुनौतीपूर्ण उपलब्धि लक्ष्य निर्धारित करता है
(d) विशेष रूप से योग्य शिक्षार्थियों के अधिगम-परिणामों को सुधारने के लिए विशिष्ट रूप से प्रतिबद्ध होता है।

30. समावेशी शिक्षा का तात्पर्य सबको ..... से है।
(a) जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर पुरस्कृत करने
(b) समाविष्ट करने
(c) नि:शुल्क पाठ्य-पुस्तक उपलब्ध कराने
(d) पढ़ने के लिए बाध्य करने

31. सफल समावेशन को निम्नलिखित की आवश्यकता होती है सिवाय
(a) पृथक्करण (b) अभिभावकों की भागीदारी
(c) क्षमता-संवर्द्धन (d) संवेदनशील बनाना

32. बालकेन्द्रित शिक्षा का समर्थन निम्नलिखित में से किस विचारक द्वारा किया गया है?
(a) बी. एफ. स्किनर (b) जॉन डीवी
(c) एरिक इरिकसन (d) चार्ल्स डार्विन

33. जॉन डीवी द्वारा समर्थित 'लैब विद्यालय' के उदाहरण हैं
(a) फैक्ट्री विद्यालय (b) प्रगतिशील विद्यालय
(c) पब्लिक विद्यालय (d) सामान्य विद्यालय

34. प्रगतिशील शिक्षा के अन्तर्गत बालक में आत्मानुशासन के विकास के लिए किस बात पर जोर दिया जाना चाहिए?
(a) अनुशासन बनाए रखने के लिए सख्त आदेश
(b) बालकों में उत्तरदायित्व की भावना के विकास पर
(c) प्रगतिशील शिक्षा के अन्तर्गत आत्मानुशासन के विकास पर जोर नहीं दिया जाता
(d) आत्मानुशासन के लिए विभिन्न दृष्टान्तों द्वारा बालकों को समझाने पर

35. बालकेन्द्रित शिक्षण विधि का उद्देश्य होता है
(a) छात्रों में मुक्त ढंग से सीखने की योग्यताओं का विकास करना
(b) छात्रों में स्वतन्त्र कौशलों का विकास करना
(c) छात्रों में आत्मनिर्भरता का विकास करना
(d) उपरोक्त सभी

36. प्रगतिशील शिक्षा के अन्तर्गत निम्नलिखित में से किस बात का ध्यान रखा जाता है?
(a) इसमें शिक्षण विधि को अधिक व्यावहारिक करने पर जोर दिया जाता है
(b) इसमें सिद्धान्तों के रटने पर जोर दिया जाता है
(c) इसमें बालक की प्रगति के लिए सैद्धान्तिक शिक्षा दी जाती है
(d) इसमें केवल बालक के नैतिक एवं सामाजिक विकास पर जोर दिया जाता है

37. बालकेन्द्रित शिक्षा द्वारा निम्नलिखित में से क्या सम्भव नहीं हो सकता?
(a) बाल मनोविज्ञान की सहायता से बच्चों के पाठ्यक्रम में सुधार
(b) प्रत्येक बालक पर शिक्षक द्वारा विशेष ध्यान दिया जाना
(c) प्रत्येक बालक पर पृथक रूप से ध्यान दिया जाना
(d) प्रत्येक बालक की विशेष आवश्यकताओं को समझना

38. छात्र केन्द्रित शिक्षण का आशय है
(a) प्रत्येक छात्र की आवश्यकता का ध्यान रखना
(b) छात्रों को मनमानी करने की छूट देना
(c) छात्रों को नि:शुल्क शिक्षा देना
(d) शिक्षण में छात्रों का पूर्ण सहयोग लेना

39. शिक्षा में दण्ड की मुख्य हानि है
(a) यह स्थायी बाल सुधार नहीं है
(b) इससे विद्यार्थियों में अरुचिकर भावनाओं की उत्पत्ति होती है
(c) यह छात्रों में घबराहट को जन्म देता है
(d) यह समूह में भाईचारे की भावना को रोकता है

40. शिक्षा की पाठ्यचर्या बदलती रहनी चाहिए क्योंकि
(a) समाज शिक्षा को इसके लिए विवश करता है
(b) समाज की आवश्यकताएँ बदलती रहती हैं
(c) इससे ही समाज में परिवर्तन आता है
(d) पाठ्यचर्या सामाजिक निर्देश का पालन करता है

41. 'बालकेन्द्रित शिक्षा' निम्नाकित शिक्षा-दर्शन की देन है
(a) आदर्शवाद (b) प्राकृतिवाद
(c) साम्यवाद (d) प्रयोजनवाद

42. विद्यालयों में बालककेन्द्रित शिक्षा की व्यवस्था कितने वर्षों के लिए होती है?
(a) 5 से 10 वर्ष तक के बालकों के लिए
(b) 8 से 10 वर्ष तक के बालकों के लिए
(c) 7 से 12 वर्ष तक के बालकों के लिए
(d) 8 से 14 वर्ष तक के बालकों के लिए

43. बालकेन्द्रित शिक्षा का सिद्धान्त है
(a) प्रेरणा का सिद्धान्त (b) रुचि का सिद्धान्त
(c) चयन का सिद्धान्त (d) ये सभी

44. प्रगतिशील शिक्षाविदों के विचार से पाठ्यक्रम सम्बन्धी अनुभवों कीशृंखला को निर्धारित किया जाना चाहिए
(a) छात्रों की रुचियों से सातत्य अनुक्रम में
(b) आधारित पाठ्य-पुस्तकों के संगठन के अनुरूप
(c) विषय-वस्तु की तार्किकता के आधार पर
(d) पाठ्यक्रम निर्माता के संगठन के आधार पर

45. निम्नलिखित में से क्या प्रतिभाशाली बालक का गुण नहीं है?
(a) विशाल शब्दकोष
(b) सुस्त मानसिक प्रक्रिया
(c) सामान्य ज्ञान की श्रेष्ठता
(d) दैनिक कार्यों में विभिन्नता

46. निम्न में से क्या सृजनात्मकता हेतु आवश्यक है?
(a) संवेदना (b) चिंतन
(c) तार्किकता (d) कल्पना

47. नवीन एवं अमूल्य विचारों के सृजन करने की क्षमता क्या कहलाती है?
(a) अंतर्दृष्टि (b) बुद्धिमत्ता
(c) सृजनात्मकता (d) नेत्रहीनता

48. मौखिक रूप से सीखने की अक्षमता है
(a) अफेज्या (b) डिस्लेक्सिया
(c) अग्रेफिया (d) डिस्ग्राफिया

49. निम्न में से क्या शैक्षिक पिछड़ेपन का कारक नहीं है?
(a) शैक्षिक तत्परता की कमी
(b) शारीरिक तथा इंद्रिय संबंधी योग्यता
(c) राजनीतिक अस्थिरता
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

50. एक पिछड़े बालक की शिक्षा के स्वरूप में कौन-सी बातें सम्मिलित की जानी चाहिए?
(a) विशेष शिक्षण विधियों का प्रयोग
(b) विद्यालय में विशिष्ट कक्षाओं की व्यवस्था
(c) विशेष पाठ्यक्रम की व्यवस्था
(d) उपरोक्त सभी

51. ब्रेल लिपि का प्रयोग किस प्रकार के विकलांग बालकों की शिक्षा व्यवस्था के लिए किया जाता है?
(a) अंधे बालकों के लिए
(b) श्रवण दोषयुक्त बालकों के लिए
(c) विकलांग बालकों के लिए
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

52. दृष्टि से संबंधित दोष मानव के किस विकास पर प्रभाव नहीं डालता है?
(a) शारीरिक व मानसिक(b) शैक्षिक व व्यावसायिक
(c) संवेगात्मक (d) सांस्कृतिक

53. जो बालक शैक्षिक रूप से पिछड़े हैं, उनके विषय में सत्य है
(a) पढ़ाई में पिछड़ा है
(b) घर व समाज में पिछड़ा है
(c) मानसिक रूप से पिछड़ा है
(d) इनमें से कोई नहीं

54. जो बच्चा शारीरिक रूप से अक्षम है, वह निम्न में से किस प्रकार का नहीं हो सकता?
(a) लंगड़ा (b) पोलियोग्रस्त
(c) जड़ बुद्धि (d) दृष्टिबाधित

55. निम्न में से क्या वंचन का प्रकार है?
(a) सामाजिक (b) आर्थिक
(c) शैक्षिक (d) ये सभी

56. वंचित वर्ग के बालकों के अंतर्गत आते हैं
(a) अंध व अपंग बालक
(b) मंद बुद्धि व हकलाने वाले बालक
(c) पूर्ण बधिर या आंशिक बधिर
(d) अनुसूचित जनजाति के बालक

57. निम्न में से कलात्मक अभिरुचि का उदाहरण नहीं है
(a) संगीतात्मक अभिरुचि(b) शिक्षण अभिरुचि
(c) कविता रचना अभिरुचि(d) नृत्यात्मक अभिरुचि

58. अभिरुचियों का सम्बन्ध होता है
(a) सामान्य योग्यताओं से (b) विशिष्ट योग्यताओं से
(c) निरर्थक योग्यताओं से (d) इनमें से कोई नहीं

EBD_7907

59. मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति की विशेषता है
(a) सहनशीलता (b) सामंजस्य
(c) निर्णय क्षमता (d) ये सभी

60. ''मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ वास्तविकता के धरातल पर वातावरण से पर्याप्त सामंजस्य करने की योग्यता है'' कथन है
(a) लैडेल (b) ड्रेवर
(c) स्किनर (d) क्रो एवं क्रो

61. शैशवावस्था में बालक के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव नहीं पड़ता है
(a) राजनीतिक गतिविधियों का
(b) विछिन्न परिवार का
(c) गृह-क्लेश का
(d) संवेगात्मक अस्थिरता का

62. मानसिक स्वास्थ्य विज्ञान का आरम्भ करने का श्रेय है
(a) गेट्स (b) सी डब्ल्यू बीयर्स
(c) एलिस (d) लैडेल

63. बालक के मानसिक स्वास्थ्य में बाधा डालने वाला कारक नहीं है
(a) कठोर अनुशासन (b) परिवारिक संघर्ष
(c) शारीरिक दोष (d) सहानुभूति पूर्ण व्यवहार

64. सामाजिक समायोजन कठिनाई उत्पन्न करता है
(a) समय पूर्व परिपक्व होने वाले बालक में
(b) आयु के पश्चात् परिपक्वता प्राप्त होने वाले बालक में
(c) आयु पूर्व परिपक्व होने वाली बालिका में
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

65. समायोजन या सामंजस्य का लक्षण नहीं है
(a) अनुकूलन वातावरण (b) असन्तुलन
(c) सन्तुष्टि (d) सामाजिकता

66. ''मानसिक स्वास्थ्य और अधिगम से सफलता का बहुत घनिष्ठ सम्बन्ध है'' कथन है
(a) कुप्पूस्वामी (b) फैण्डसन
(c) स्किनर (d) ड्रेवर

67. वह अवस्था जोकि माता के 21वें गुणसूत्र जोड़े के अलग न हो पाने के कारण होती है, कहलाती है -
(a) डाउन्स सिंड्रोम (b) क्लीनफेल्टर सिंड्रोम
(c) टर्नर सिंड्रोम (d) विल्सन सिंड्रोम

68. किसी भी बालक के मानसिक रूप से अस्वस्थ होने का कारण है?
(a) परिवार का वातावरण
(b) कक्षा का वातावरण
(c) पास-पड़ोस का वातावरण
(d) उक्त सभी

69. मारिया मोंटेसरी पद्धति में शिक्षा किस माध्यम से दी जाती है?
(a) गीतों द्वारा (b) खेलों द्वारा
(c) उपहारों द्वारा (d) उपरोक्त सभी माध्यमों द्वारा

70. समस्यात्मक बालकों की प्रवृत्ति होती है-
(a) समाज विरोधी प्रवृत्ति (b) झगड़ालू प्रवृत्ति
(c) अपराधी प्रवृत्ति (d) उपरोक्त सभी

71. ''स्थानांतरण निश्चित परिस्थितियों में निश्चित मात्रा में हो सकता है।'' यह किस मनोविज्ञानी का कथन है?
(a) स्किनर का (b) थोमसन का
(c) रायबर्न का (d) हल का

72. निम्नलिखित में से खण्ड विधि किनके लिए उपयोगी है?
(a) कम बुद्धि वाले बालकों के लिए
(b) उम्र में छोटे बालकों के लिए
(c) साधारण बालकों के लिए
(d) उपरोक्त सभी प्रकार के बालकों के लिए

73. सुकरात की अध्ययन पद्धति को क्या कहा जाता है?
(a) विचारात्मक पद्धति (b) एकात्मक पद्धति
(c) रसात्मक पद्धति (d) द्वन्द्वात्मक पद्धति

74. जनतंत्रीय शिक्षा का सबसे बड़ा व्याख्याता किसे माना जाता है?
(a) मेक्डूगल को (b) हरमन रोशा को
(c) जॉन इयूवी को (d) सुकरात को

उत्तरमाला

1	(b)	**11**	(b)	**21**	(b)	**31**	(a)	**41**	(b)	**51**	(a)	**61**	(a)	**71**	(c)
2	(a)	**12**	(c)	**22**	(a)	**32**	(b)	**42**	(a)	**52**	(d)	**62**	(b)	**72**	(d)
3	(d)	**13**	(d)	**23**	(d)	**33**	(b)	**43**	(d)	**53**	(a)	**63**	(d)	**73**	(d)
4	(a)	**14**	(d)	**24**	(a)	**34**	(b)	**44**	(a)	**54**	(c)	**64**	(b)	**74**	(c)
5	(c)	**15**	(c)	**25**	(d)	**35**	(d)	**45**	(b)	**55**	(d)	**65**	(b)		
6	(d)	**16**	(c)	**26**	(a)	**36**	(a)	**46**	(d)	**56**	(d)	**66**	(b)		
7	(c)	**17**	(c)	**27**	(a)	**37**	(c)	**47**	(c)	**57**	(b)	**67**	(a)		
8	(d)	**18**	(d)	**28**	(c)	**38**	(d)	**48**	(a)	**58**	(b)	**68**	(d)		
9	(d)	**19**	(d)	**29**	(b)	**39**	(b)	**49**	(c)	**59**	(d)	**69**	(d)		
10	(b)	**20**	(b)	**30**	(b)	**40**	(b)	**50**	(d)	**60**	(a)	**70**	(d)		

6 शिक्षण अधिगम की मूल प्रक्रियाएँ

बालक के अधिगम के पीछे अनेक तत्त्व कार्य करते हैं। बालक के आनुवांशिक कारक, वातावरण, उसका व्यक्तित्व, अनुभव व दिया जाने वाला प्रशिक्षण अधिगम में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बालक के माता-पिता के सोचने का तरीका, उनके द्वारा दी गई शिक्षा व वातावरण बालक को मुख्य रूप से सोचने व सीखने को प्रेरित करता है। विद्यालय में प्रवेश करने पर वहां का परिवेश व शिक्षक द्वारा प्रयुक्त की जा रही विधियाँ बालक के सीखने में मुख्य भूमिका निभाती हैं।

वर्तमान समय में विद्यालयों में अपनायी जाने वाली प्रभावहीन व परम्परागत शिक्षण विधियों द्वारा बालक उचित अधिगम नहीं कर पाते जिसके कारण उनका चहुँमुखी विकास नहीं हो पाता। बालकों के शिक्षण हेतु विद्यालयों में प्रभावशाली शिक्षण विधियों को प्रयुक्त किया जाना चाहिए। अधिकांशत: दृश्य-श्रव्य सामग्री का प्रयोग करके शिक्षण को सरल, सरस व प्रभावशाली बनाना चाहिये। प्रारम्भ में बालक अनुकरण द्वारा सीखता है। वह उसे करके देखता है जो उसे सिखाया जा रहा है। अत: बालक के समक्ष उचित विधि से कार्य करें ताकि वह उचित अनुभवों को प्राप्त करें । बालक सुनकर, देखकर व स्वयं करके सीखता है। बालक सीखता तो स्वयं ही है, परन्तु शिक्षक, माता-पिता व समाज के अन्य व्यक्ति उसे ये अवसर प्रदान करते हैं। इन सभी का दायित्व बनता है कि वे बालकों को उचित, त्रुटिहीन व प्रभावशाली अवसर प्रदान करें।

शिक्षा मनोविज्ञान बालकों को सिखाने के लिये अनेक विधियों को प्रस्तुत करता है, परन्तु उससे पहले यह जानना जरूरी है कि सीखना क्या है?

मनुष्य एक अधिगमशील प्राणी है और अधिगम प्रक्रिया उसके जन्म से ही नहीं अपितु जन्म के पूर्व ही प्रारम्भ (गर्भावस्था में) हो जाती है। वीर अभिमन्यु ने माँ के गर्भ में ही चक्रव्यूह तोड़ना सीख लिया, अधिगम का यह एक प्रत्यक्ष उदाहरण है। प्रारम्भ में शिशु बिल्कुल असहाय व पराश्रित होता है, परन्तु धीरे-धीरे वह अपने को वातावरण से समायोजित करने का प्रयत्न करता है । इस समायोजन की प्रक्रिया में वह अपने अनुभवों से लाभ उठाता है, इसे ही अधिगम या सीखना कहा जाता है। अधिगम की परिभाषा इस प्रकार दी गई है-

वुडवर्थ- ''नवीन ज्ञान व नवीन प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करने की प्रक्रिया अधिगम की प्रक्रिया है।''

क्रो एण्ड क्रो- ''अधिगम आदतों ज्ञान व अभिवृत्तियों का अर्जन है।

क्रानबैक- अधिगम अनुभव के परिणामस्वरूप व्यवहार में परिवर्तन द्वारा व्यक्त होता है।''

उपरोक्त परिभाषाओं के आधार पर कहा जा सकता है कि सीखना व्यवहार का परिमार्जन है। एक बार व्यवहार में परिवर्तन होने के पश्चात् नवीन परिस्थिति में उस परिवर्तित व्यवहार का संशोधन हो सकता है।

सीखने की विशेषताएँ

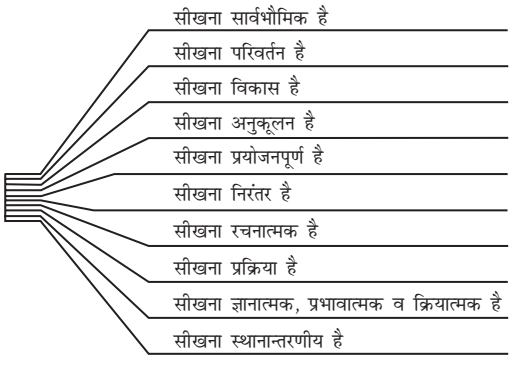

EBD_7907

सीखने के मुख्य सिद्धान्त

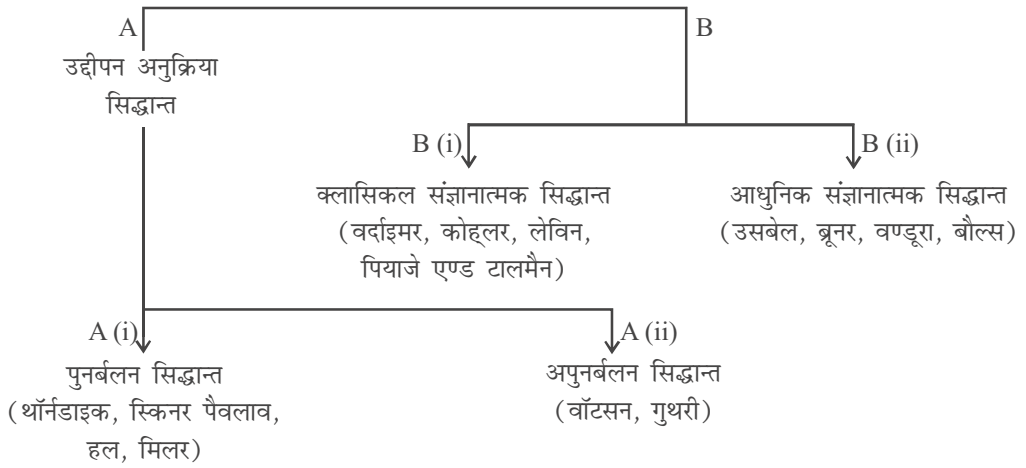

अधिगम के प्रमुख सिद्धान्त

1. थार्नडाइक का उद्दीपक अनुक्रिया सिद्धान्त
2. पैवलाव का शास्त्रीय अनुकूलन सिद्धान्त
3. स्किनर का सक्रिय अनुकूलन सिद्धान्त
4. कोह्लर का सूझ का सिद्धान्त
5. हल का सबलीकरण का सिद्धान्त
6. कूर्टलेविन का क्षेत्र सिद्धान्त
7. टॉलमैन का चिन्ह अधिगम सिद्धान्त
8. गुथरी का सामीप्य अनुकूलन सिद्धान्त
9. बन्डूरा का प्रतिरूपण सिद्धान्त

थार्नडाइक द्वारा दिये गये सीखने के बुनियादी नियम

मुख्य नियम

1. तत्परता का नियम
2. अभ्यास का नियम
3. प्रभाव का नियम

गौण नियम

1. बहुप्रतिक्रिया का नियम
2. मानसिक स्थिति का नियम
3. आंशिक क्रिया का नियम
4. समानता का नियम
5. साहचर्य परिवर्तन का नियम।

शिक्षण सूत्र

मनोवैज्ञानिक खोजों के आधार पर शिक्षाशास्त्रियों ने कुछ शिक्षण सूत्रों को प्रतिपादित किया है, ये शिक्षण सूत्र इस प्रकार हैं-

1. ज्ञात से अज्ञात की ओर
2. स्थूल से सूक्ष्म की ओर
3. सरल से जटिल की ओर
4. प्रत्यक्ष से अप्रत्यक्ष की ओर
5. पूर्ण से अंश की ओर
6. अनिश्चित से निश्चित की ओर
7. विश्लेषण से संश्लेषण की ओर
8. विशिष्ट से सामान्य की ओर
9. मनोवैज्ञानिक से तार्किक क्रम की ओर
10. अनुभूत से युक्तियुक्त की ओर।

शिक्षण व अधिगम की प्रक्रिया

शिक्षण को सामान्यत: ज्ञान व कौशल के सम्प्रेषण के रूप में देखा समझा जाता है। वास्तव में यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें सीखाने वाला, सीखने वाले को प्रभावित करता है, सीखने में उनकी सहायता करता है। अत: कहा जा सकता है कि- ''शिक्षण वह प्रक्रिया है जिसमें सिखाने वाला सीखने वालों के लिये विभिन्न विधियों, युक्तियों व साधनों द्वारा सीखने की परिस्थितियों का निर्माण करते हैं तथा सीखने वाले इनकी सहायता से सीखते हैं। शिक्षण का तब तक कोई अर्थ नहीं जब तक सीखने वाले सीख नहीं जाते, उनके व्यवहार में वांछित परिवर्तन नहीं हो जाता ।

शिक्षण के प्रकार

शिक्षण एक सामाजिक प्रक्रिया है। शिक्षण को उद्देश्यों की दृष्टि से तीन भागों में बांटा जा सकता है -

1. ज्ञानात्मक शिक्षण
2. भावात्मक शिक्षण
3. क्रियात्मक शिक्षण

शिक्षण के स्तरों की दृष्टि से भी तीन भागों में बांटा जा सकता है-

1. स्मृति स्तर
2. बोध स्तर
3. चिन्तन स्तर

शिक्षण के चर

1. स्वतंत्र चर (शिक्षक)
2. आश्रित चर (छात्र)
3. हस्तक्षेप चर (पाठ्यवस्तु व विधियाँ)

शिक्षण प्रक्रिया में तीन चर हैं-

1. स्वतंत्र चर (शिक्षक) : शिक्षण प्रक्रिया में शिक्षक को स्वतंत्र चर की संज्ञा दी जाती है। शिक्षण व्यवस्था, नियोजन तथा उसका परिचालन शिक्षक द्वारा किया जाता है।
2. आश्रित चर (छात्र) : शिक्षण प्रक्रिया में छात्र को आश्रित चर माना जाता है, क्योंकि शिक्षण नियोजन व्यवस्था तथा प्रस्तुतिकरण के अनुसार ही उसे क्रियाशील रहना होता है।
3. हस्तक्षेप चर (पाठयवस्तु) : शिक्षक तथा छात्र के मध्य अन्त: प्रक्रिया का माध्यम शिक्षण विधि व शिक्षण सामग्री का स्वरूप उनकी अनुक्रियाओं में हस्तक्षेप करती है।

शिक्षण चरों के कार्य

शिक्षण चरों को तीन प्रमुख क्रियाएँ करनी होती हैं-

- निदान करना। - उपचार करना। - मूल्यांकन करना।

शिक्षण की अवस्थाएँ

1. शिक्षण की पूर्व तत्परता अवस्था
2. शिक्षण की अन्त:प्रक्रिया अवस्था
3. शिक्षण की तत्परता के बाद की अवस्था

1. शिक्षण की पूर्व तत्परता अवस्था **(Pre-Active Phase)**
   (a) शिक्षण के उद्देश्यों को निर्धारित करना
   (b) पाठ्यवस्तु के सम्बन्ध में निर्णय लेना
   (c) प्रस्तुतिकरण के लिये क्रमबद्ध व्यवस्था
   (d) शिक्षण की युक्तियों व प्रविधियों का चुनाव

2. शिक्षण की अन्त:प्रक्रिया अवस्था **(Interactive Phase)**

(a) कक्षा के आकार की अनुभूति (b) छात्रों का निदान
(c) क्रिया तथा प्रतिक्रिया

3. शिक्षण की तत्परता के बाद की अवस्था **(Post Active Phase)**
(a) मूल्यांकन से सम्बन्धित सोपान (b) मौखिक व लिखित प्रश्न पूछना

प्रमुख शिक्षण विधियाँ

डाल्टन विधि	–	मिस हेलन पार्कहर्स्ट
प्रोजेक्ट प्रणाली	–	विलियम किलपैट्रिक
ड्रेकोली प्रणाली	–	ओविड डेक्रोली
किण्डरगार्टन	–	फ्रोबेल
विनेटिका	–	डा. कार्लटन वाशबर्न
माण्टेसरी	–	डा. मारिया माण्टेसरी
ह्यूरिस्टिक पद्धति	–	आर्मस्ट्रांग
खेल द्वारा शिक्षण	–	काल्डबैल कुक
गैरी	–	डब्ल्यू ए बर्ट
आगमन	–	बेकन
निगमन	–	अरस्तू
प्रश्नोत्तर	–	सुकरात

इन प्रमुख विधियों का प्रयोग अध्यापक पाठ्यवस्तु की प्रकृति व बालक की आवश्यकतानुसार कर सकता है। अध्यापक का दायित्व बनता है कि वे बालकों को प्रेरित करें, पाठ्यवस्तु रोचक ढंग से प्रस्तुत करें व बालकों के मन में उठी जिज्ञासा को शान्त करें। उनके द्वारा पूछे प्रश्नों का उत्तर सरल, किन्तु प्रभावशाली तरीके से दें । शिक्षक की विद्वता के मायने तब हैं जब वह छात्र की पूर्ण संतुष्टि करें ।

बच्चा : समस्या समाधानकर्ता के रूप में

बालक शिक्षा ग्रहण करता है, सीखता है, सीखने का एक निश्चित क्रम होता है। **गैने** ने अपनी पुस्तक 'डी कंडिशन्स आफ लर्निंग' में सीखने के आठ प्रकार बताये और वे सभी श्रृंखलाबद्ध क्रम में होते हैं। श्रृंखला में सबसे ऊपर समस्या समाधान सीखना होता है। अत: समस्या समाधान तक पहुँचने के लिए बालक को सात सोपान पार करने होते हैं-

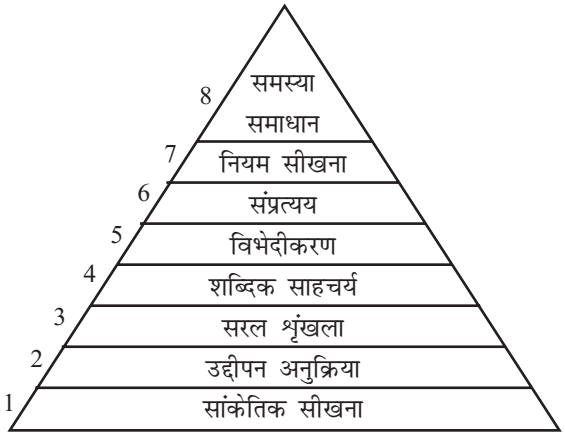

बालक स्कूल, समुदाय व समाज में आने वाली समस्त परिस्थितियों को समझता है, विश्लेषण करता है व अपनी आवश्यकतानुसार उनका समाधान करता है। बालक निर्णय लेने हेतु अपनी बुद्धि अनुसार सर्वोत्तम विकल्प का चयन करता है,

उत्तम शिक्षण व मार्गदर्शन द्वारा ही वह इस अवस्था में पहुँचता है। अपनी सम्पूर्ण योग्यता, क्षमता का प्रयोग करते हुए दिये हुए विकल्पों में से उसके लिये जो सर्वोत्तम है, उसका चयन करता है।

इस अवस्था तक पहुँचने हेतु वह अध्यापक व माता-पिता दिये गये शिक्षण, मार्गदर्शन, संस्कार व मूल्यों का प्रयोग करता है। वह सर्वोत्तम का चयन करने योग्य बन जाता है तथा अपने मार्ग में अपने वाली समस्याओं का समाधान करता है।

संज्ञान व संवेग

संज्ञान से अभिप्राय एक ऐसी प्रक्रिया से होता है जिसमें संवेदन, प्रत्यक्षण, प्रतिभा, धारणा, प्रत्यास्मरण समस्या समाधान, तर्क, जैसी मानसिक क्रियायें सम्मिलित होती हैं। अत: संज्ञान से तात्पर्य है संवेदी सूचनाओं को ग्रहण करके उसका रूपांतरण, विस्तरण, संग्रहण, पुनर्लाम तथा उसका समुचित प्रयोग करने से होता है। संज्ञानात्मक विकास से तात्पर्य बालकों में किसी संवेदी सूचनाओं को ग्रहण करके उस पर चिन्तन करने तथा क्रम से उसे इस लायक बना देने से होता है जिसका प्रयोग विभिन्न परिस्थितियों में करके वे तरह-तरह की समस्या समाधान कर सकते हैं। संज्ञानात्मक विकास के अध्ययन के क्षेत्र में जीन पियाजे का सिद्धान्त एक अभूतपूर्व सिद्धान्त माना गया है। उन्होंने बालक के चिन्तन व तर्क के विकास में जैविक व संरचनात्मक तत्त्वों पर प्रकाश डालकर संज्ञानात्मक विकास की व्याख्या की है । बाद में जे. एस. ब्रूनर तथा वाइगोटस्की ने भी संज्ञानात्मक विकास के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

संवेग

'संवेग शब्द अंग्रेजी के इमोशन Emotion शब्द का हिन्दी रूपान्तर है Emotion शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के शब्द Emovere से मानी जाती है जो 'उत्तेजित करने', 'हलचल मचाने', 'उथल-पुथल' जैसे अर्थों में प्रयुक्त होता है।

मनोवैज्ञानिकों ने संवेग की परिभाषा अपने दृष्टिकोण से निम्न प्रकार से दी है:

वुडवर्थ- ''संवेग, व्यक्ति की उत्तेजित दशा है''

क्रो एण्ड क्रो- ''संवेग वह भावनात्मक अनुभूति है जो व्यक्ति की मानसिक और शारीरिक उत्तेजनापूर्ण अवस्था तथा सामान्यीकृत आन्तरिक समायोजन के साथ जुड़ी होती है जिसकी अभिव्यक्ति व्यक्ति द्वारा प्रदर्शित बाहरी व्यवहार द्वारा होती है।''

मैक्डूगल ने मूल प्रवृत्तियों को जन्मजात प्रवृत्तियां मानते हुए उन्हे सभी प्रकार के संवेगों के जन्म देने वाला कहा है। उनके अनुसार मूल प्रवृत्ति जन्म व्यवहार के तीन पक्ष होते हैं-

1. ज्ञानात्मक पक्ष
2. भावात्मक पक्ष
3. क्रियात्मक पक्ष

संवेग के प्रकार

संवेग का सम्बन्ध मूल प्रवृत्तियों से होता है। मूल प्रवृत्तियाँ चौदह बताई गई हैं। प्रत्येक से जुड़ा एक संवेग है। मैक्डूगल द्वारा बताये गये चौदह मूल प्रवृत्तियां इस प्रकार हैं-

क्रमांक	मूल प्रवृत्ति	सम्बन्धित संवेग
1.	पलायन (Escape)	भय (Fear)
2.	युयुत्सा (Combat)	क्रोध (Anger)
3.	निवृत्ति (Repulsion)	घृणा (Disgust)
4.	जिज्ञासा (Curiosity)	आश्चर्य (Wonder)
5.	शिशुरक्षा (Parental)	वात्सल्य (Love)
6.	शरणागति (Apeal)	विषाद (Distress)
7.	रचनात्मक (Construction)	संरचनात्मक भावना (Feeling of creativeness)
8.	संचय प्रवृत्ति (Acquistion)	स्वामित्व की भावना (Feeling of ownership)
9.	सामूहिकता (Gregariousness)	एकाकीपन (Feeling of loneliness)
10.	काम (Sex)	कामुकता (Lust)

11.	आत्म-गौरव (Self –assertion)	श्रेष्ठता की भावना (Positive self–feeling)
12.	दैन्य (Submission)	आत्महीनता (Negative self–feeling)
13.	भोजन-अन्वेषण (Food seeking)	भूख (Appetite)
14.	हास (Laughter)	आमोद (Amusement)

संवेगों की प्रकृति व विशेषताएँ

1. संवेग के स्वरूप व संवेगात्मक विकास को अच्छी तरह समझने के लिये संवेगों की विशेषताओं को जानना आवश्यक है। ये इस प्रकार हैं-

1. **संवेग की व्यापकता :** संवेग सभी प्राणियों में पाये जाते हैं, परन्तु इनकी प्रबलता प्रत्येक प्राणी में भिन्न-भिन्न होती है।
2. **शारीरिक परिवर्तन :** संवेग की दशा में दो प्रकार के परिवर्तन होते हैं-
   (i) आन्तरिक शारीरिक परिवर्तन (ii) बाहरी शारीरिक परिवर्तन
   आन्तरिक शारीरिक परिवर्तन में जल्दी-जल्दी सांस लेना, हृदय की धड़कन तेज होना, पाचन क्रिया प्रभावित होना आदि सम्मिलित हैं।
   बाहरी शारीरिक परिवर्तन में मुख मंडल के प्रकाशन में अन्तर आना, आवाज में परिवर्तन होना आदि दिखाई देते हैं।
3. **विचार प्रक्रिया का लुप्त होना :** संवेगात्मक दशा में व्यक्ति अपनी सामान्य स्थिति में नहीं रहता और उचित-अनुचित पर विचार नहीं कर पाता। जैसे–क्रोध आने पर मारने, पीटने को तैयार हो जाना ।
4. **मूल प्रवृत्तियों से सम्बन्ध :** संवेग की उत्पत्ति मूल प्रवृत्तियों से होती है।
5. **वैयक्तिकता :** संवेगों के प्रकाशन में वैयक्तिकता होती है। संवेग व्यक्ति में स्वभाव, अवस्था तथा परिस्थिति के अनुसार भिन्न-भिन्न रूप में प्रकट होता है।
6. **संवेगों में अस्थिरता :** संवेग अस्थिर होते हैं । संवेग की दशा थोड़े समय तक होती है। जैसे-क्रोध में मां बालक की पिटाई कर देती है, परन्तु थोड़ी देर बाद वह करुणा व वात्सल्य से पूर्ण हो जाती है।
7. **संवेग में क्रियात्मक प्रवृत्ति का होना :** प्रत्येक संवेग का सम्बन्ध एक क्रियात्मक प्रवृत्ति से होता है। जैसे- भय में भागना, आमोद में हंसना, क्रोध में मुठ्ठी बंध जाना तथा भुजायें फड़कना आदि ।

बालक के संवेगात्मक विकास को प्रभावित करने वाले तत्त्व

सीखने की प्रक्रिया में संवेग **संवेग तथा शिक्षा** सहायक होते हैं। बालक की पढ़ाई के प्रति रुचि जागृत हो, इसके लिये आवश्यक है कि बालक में संवेगों का उचित विकास हो । संवेगों के कारण ही उसका व्यवहार व स्वभाव नियन्त्रित होता है। उसके अच्छे स्थायी भावों व आदर्शों का विकास होता है। शिक्षा के द्वारा ही उसके अवांछनीय प्रकृति के संवेगों, जैसे- क्रोध, भय, घृणा आदि का शोधन व मार्गान्तरीकरण किया जा सकता है। पाठ्येत्तर क्रियाओं (Extra-Curricular Activities) जैसे- नाटक, खेल प्रतियोगिताएँ सरस्वती यात्रायें, स्काउटिंग आदि के द्वारा संवेगों का विकास होता है। इस सम्बन्ध में **टी. जरशील्ड** कहते हैं- स्कूल में

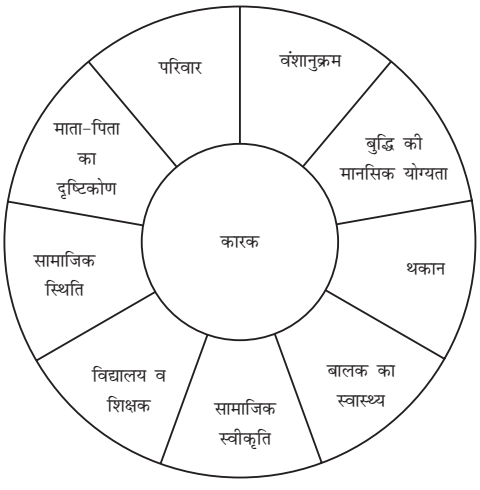

विद्यार्थी के प्रत्येक काम में उसके संवेगों का समावेश होता है यदि स्कूल का कार्यक्रम उसके अनुसार होगा तो उसे अपनी सफलताओं पर हर्ष होगा और वह बड़ी खुशी से आने वाले उत्साहवर्धक कार्यों की प्रतीक्षा करेगा।''

अभ्यास-1 : विगत वर्षों के CTET एवं STET के प्रश्न

1. बच्चों की सीखने की प्रक्रिया में माता-पिता को .... भूमिका निभानी चाहिए। *[CTET-2011-I]*
(a) सहानुभूतिपूर्ण (b) तटस्थ
(c) नकारात्मक (d) अग्रोन्मुखी

2. 'मन का मानचित्र' सम्बंधित है- *[CTET-2011-I]*
(a) मन का चित्र बनाने से
(b) मन की क्रियाशीलता पर अनुसंधान से
(c) बोध (समझ) बढ़ाने की तकनीक से
(d) साहसिक कार्यों की क्रिया-योजना से

3. निम्न में से कौन-से कथन को सीखने की प्रक्रिया की विशेषता नहीं मानना चाहिए? *[CTET-2011-I]*
(a) सीखना लक्ष्योन्मुखी होता है
(b) अन-अधिगम भी सीखने की प्रक्रिया है
(c) शैक्षिक संस्थान ही एकमात्र स्थान है जहाँ अधिगम प्राप्त होता है
(d) सीखना एक व्यापक प्रक्रिया है

4. सीखना समृद्ध हो सकता है, यदि- *[CTET-2011-I]*
(a) शिक्षक विभिन्न प्रकार के व्याख्यान और स्पष्टीकरण का प्रयोग करें
(b) कक्षा में आवधिक परीक्षाओं पर अपेक्षित ध्यान दिया जाए
(c) वास्तविक दुनिया से उदाहरणों को कक्षा में लाया जाए, जिसमें विद्यार्थी एक-दूसरे से अन्त:क्रिया करें और शिक्षक उस प्रक्रिया को सुगम बनाए
(d) कक्षा में अधिक-से-अधिक शिक्षण-सामग्री का प्रयोग किया जाए

5. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन 'सीखने' के बारे में सही है? *[CTET-2011-II]*
(a) सीखना मूल रूप से मानसिक क्रिया है।
(b) बच्चों द्वारा की गई त्रुटियाँ यह संकेत करती हैं कि किसी तरह का सीखना नहीं हुआ
(c) सीखना उस वातावरण में प्रभावी होता है जो संवेगात्मक रूप से सकरात्मक हो और शिक्षार्थियों को संतुष्ट करने वाला हो।
(d) सीखने के किसी भी चरण पर सीखना संवेगात्मक कारकों से प्रभावित नहीं होता।

6. शिक्षार्थी जो पहले सीख चुके हैं उसकी पुनरावृत्ति और प्रत्यास्मरण में शिक्षार्थियों की मदद करना महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि- *[CTET-2011-II]*
(a) यह शिक्षार्थियों की स्मृति को बढ़ाता है जिससे सीखना सुदृढ़ होता है
(b) यह किसी भी कक्षा-अनुदेशन के लिए एक सुविधाजनक शुरूआत है
(c) नई जानकारी को पूर्व जानकारी से जोड़ना सीखने को समृद्ध बनाता है
(d) पूर्व पाठों को दोहराने का यह एक प्रभावी तरीका है

7. निम्नलिखित में से किस कथन को 'सीखने' के लक्षण के रूप में नहीं माना जा सकता? *[CTET-2011-II]*
(a) अन-अधिगम (unlearning) भी सीखने का एक हिस्सा है
(b) सीखना एक प्रक्रिया है जो व्यवहार में मध्यस्थता करती है
(c) सीखना कुछ ऐसी चीज है जो कुछ अनुभवों के परिणामस्वरूप घटित होती है
(d) व्यवहार का अध्ययन सीखना है

8. पियाजे के अनुसार विकास की पहली अवस्था (जन्म से लगभग 2 वर्ष आयु तक) के दौरान बच्चा..... .... सबसे बेहतर सीखता है। *[RTET-2011-II]*
(a) भाषा के नए अर्जित ज्ञान के अनुप्रयोग द्वारा
(b) इंद्रियों के प्रयोग द्वारा
(c) निष्क्रिय (neutral) शब्दों को समझने के द्वारा
(d) अमूर्त तरीके से चिंतन द्वारा

9. बच्चों की सीखने की प्रक्रिया में माता-पिता को .... भूमिका निभानी चाहिए। *[UPTET-2011-I]*
(a) सहानुभूतिपूर्ण (b) तटस्थ
(c) नकारात्मक (d) अग्रोन्मुखी

10. नि:शक्त बच्चों के लिए समेकित शिक्षा की केंद्रीय प्रायोजित योजना का उद्देश्य है.....में नि:शक्त, बच्चों को शैक्षिक अवसर उपलब्ध कराना। *[CGTET-2011-II]*
(a) 'ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन' के विद्यालयों
(b) नियमित विद्यालयों
(c) विशेष विद्यालयों
(d) मुक्त विद्यालयों

11. 'पुरुष स्त्रियों की अपेक्षा ज्यादा बुद्धिमान होते हैं'। यह कथन- *[CGTET-2011-II]*
(a) बुद्धि के भिन्न पक्षों के लिए सही है
(b) सही है
(c) सही हो सकता है
(d) लैंगिक पूर्वाग्रह को प्रदर्शित करता है।

12. शिक्षार्थियों का 'आत्म-नियमन'.....की ओर संकेत करता है। *[CGTET-2011-II]*
(a) स्व-अनुशासन और नियंत्रण
(b) अपने सीखने का स्वयं पर्यवेक्षण करने की उनकी योग्यता
(c) विद्यार्थियों के व्यवहार के लिए विनियम बनाना
(d) विद्यार्थी निकाय द्वारा बनाए गए नियम-विनियम

13. निम्नलिखित में से कौन-सा सीखने का क्षेत्र है? *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) भावात्मक (b) आध्यात्मिक
(c) व्यावसायिक (d) आनुभविक

14. जब बच्चा कार्य करते हुए ऊबने लगता है, तो यह इस बात का संकेत है कि- *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) बच्चा बुद्धिमान नहीं है
(b) बच्चे में सीखने की योग्यता नहीं है
(c) बच्चे को अनुशासित करने की ज़रूरत है
(d) संभवत: कार्य यांत्रिक रूप से बार-बार हो रहा है

15. निम्नलिखित में से कौन-सी समस्या-समाधान की वैज्ञानिक पद्धति का पहला चरण है? *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) समस्या के प्रति जागरूकता
(b) प्रासंगिक जानकारी को एकत्र करना
(c) प्राक्कल्पना का निर्माण करना
(d) प्राक्कल्पना का परीक्षण करना

16. एक शिक्षिका अपने-आप से कभी भी प्रश्नों के उत्तर नहीं देती। वह अपने विद्यार्थियों को उत्तर देने के लिए, समूह चर्चाएँ और सहयोगात्मक अधिगम अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह उपागम ..... के सिद्धांत पर आधारित है। *[CTET-Jan. 2012-I]*
(a) अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करना और भूमिका-प्रतिरूप बनना
(b) सीखने की तत्परता
(c) सक्रिय भागीदारिता
(d) अनुदेशात्मक सामग्री के उचित संगठन

17. जब पूर्व का अधिगम नई स्थितियों के सीखने को बिल्कुल प्रभावित नहीं करता, तो यह ..... कहलाता है। *[CTET-Jan. 2012-II]*
(a) अधिगम का शून्य स्थानान्तरण
(b) अधिगम का निरपेक्ष स्थानान्तरण
(c) अधिगम का सकारात्मक स्थानान्तरण
(d) अधिगम का नकारात्मक स्थानान्तरण

18. एक शिक्षिका अपने शिक्षार्थियों की सदैव इस रूप में सहायता करती है कि वे एक विषय-क्षेत्र से प्राप्त ज्ञान को दूसरे विषय-क्षेत्रों के ज्ञान के साथ जोड़ सकें। इससे ..... को बढ़ावा मिलता है। *[CTET-2012-II]*
(a) पुनर्बलन
(b) ज्ञान के सह-सम्बन्ध एवं अन्तरण
(c) वैयक्तिक भिन्नताओं
(d) शिक्षार्थी-स्वायत्तता

19. प्रभावी शिक्षण-प्रक्रिया में सबसे महत्त्वपूर्ण कारक है- *[CTET-May-2012-II]*
(a) शिक्षक एवं विद्यार्थियों द्वारा समय की पाबंदी
(b) शिक्षक द्वारा विषय पर अधिकार
(c) शिक्षक-विद्यार्थी संवाद
(d) पाठ्यक्रमों का समय पर पूर्ण होना

20. सीखने की प्रक्रिया में निम्नलिखित में से कौन-सा सबसे ज़्यादा महत्त्वपूर्ण है? *[CTET-May-2012-II]*
(a) बच्चे की आनुवंशिकता
(b) सीखने की शैली
(c) बच्चों का परीक्षा-परिणाम
(d) बच्चे की आर्थिक स्थिति

21. मोहित को बच्चों को पढ़ाना अच्छा लगता है इसलिए वह बी. एड. की प्रवेश परीक्षा के लिए खूब मेहनत करता है। वह .....अभिप्रेरित है। *[CTET-May-2012-II]*
(a) आंतरिक रूप से
(b) बाह्य रूप से
(c) सक्रिय रूप से
(d) बौद्धिक रूप से

22. 'गतिविधि आधारित शिक्षण' ..... पर बल देता है। *[CTET-May-2012-II]*
(a) अनुशासित कक्षा
(b) सुनिश्चित समय-अवधि में गतिविधि पूरा करने
(c) सभी विद्यार्थियों द्वारा सक्रिय भागीदारिता
(d) गतिविधि के समाप्त होने के बाद परीक्षा लेने

23. एक शिक्षिका अपनी कक्षा को शैक्षिक भ्रमण पर ले जाती है- *[CTET-May-2012-II]*
(a) विद्यालय में रोज़ाना शिक्षण से अवकाश उपलब्ध कराने के लिए
(b) प्रत्यक्ष अवलोकन के लिए बच्चों को अवसर उपलब्ध कराने के लिए
(c) विद्यालय कैलेंडर में सुनिश्चित क्रियाकलाप करने के लिए
(d) बच्चों को मनोरंजन उपलब्ध कराने के लिए

24. निम्नलिखित में से कौन-सा सीखने के लिए अधिकतम रूप से अभिप्रेरित करता है? *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) लक्ष्यों को प्राप्त करने में व्यक्तिगत संतुष्टि
(b) बाह्य कारक
(c) असफलता से बचने के लिए अभिप्रेरणा
(d) बहुत सरल या कठिन लक्ष्यों का चयन करने की प्रवृत्ति

25. वे शिक्षार्थी, जो संवृद्ध ज्ञान और शैक्षणिक दक्षता की हार्दिक इच्छा प्रदर्शित करते हैं, उनके पास होता है *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) कार्य-परिहार अभिविन्यास
(b) नैपुण्यता अभिविन्यास
(c) निष्पादन-उपागम अभिविन्यास
(d) निष्पादन-परिहार अभिविन्यास

26. शिक्षक.....के अलावा निम्नलिखित सभी को करते हुए समस्या-समाधान को विद्यार्थियों के लिए मज़ेदार बना सकता है। *[CTET-Nov. 2012-I]*
(a) मुक्त अंत वाली सामग्री उपलब्ध कराने
(b) मुक्त खेल के लिए समय देने
(c) सृजनात्मक चिंतन के लिए असीमित अवसर उपलब्ध कराने
(d) जब विद्यार्थी स्वयं से कोई कार्य करने की कोशिश कर रहे हों तो उनसे परिपूर्णता की अपेक्षा करने

27. प्राथमिक कक्षा के बालकों के लिए शिक्षण की उपयुक्त विधि है- *[HTET-2012-I]*
(a) प्रयास व भूल विधि (b) अनुकरण विधि
(c) व्याख्यान विधि (d) खेल विधि

28. अधिगम के लिए क्या आवश्यक है? *[HTET-2012-I]*
(a) स्वानुभव (b) स्वचिंतन
(c) स्वक्रिया (d) उपर्युक्त सभी

29. बालकों में अधिगम- *[HTET-2012-I]*
(a) ज्ञान को रटने से होता है
(b) पाठ्यपुस्तक को पढ़ने से होता है
(c) शिक्षक द्वारा ज्ञान के स्थानान्तरण द्वारा होता है
(d) क्रिया करके होता है

30. अधिगम प्रभावशाली रूप में होता है, यदि- *[HTET-2012-I]*
(a) बच्चे को सीखने के लिए तत्पर किया जाये
(b) बच्चा, जो वह सीखता है उसे दुहराये
(c) बच्चा संतुष्ट अनुभव करे
(d) बच्चा उपर्युक्त सभी करे

31. बच्चों में सीखने और सुनने के लिए अधिगम-योग्य वातावरण के लिए निम्नलिखित में से कौन उपयुक्त है? *[CTET-2013-I]*
(a) एक लंबे समय के लिए निष्क्रिय रूप से सुनना
(b) निरंतर गृहकार्य देते रहना
(c) सीखने वाले द्वारा व्यक्तिगत कार्य करना
(d) शिक्षार्थियों को कुछ यह छूट देना कि क्या सीखना है और कैसे सीखना है

32. एक शिक्षक (को)- *[CTET-2013-I]*
(a) शिक्षार्थियों द्वारा की गई त्रुटियों को एक भयंकर भूल के रूप में लेना चाहिए और प्रत्येक त्रुटि के लिए गंभीर टिप्पणी देनी चाहिए।
(b) शिक्षार्थी कितनी बार गलती करने से बचता है - इसे सफलता के माप के रूप में लेना चाहिए।
(c) जब शिक्षार्थी विचारों को संप्रेषित करने की कोशिश कर रहे हों तो उन्हें ठीक नहीं करना चाहिए।
(d) व्याख्यान पर अधिक ध्यान देना चाहिए और ज्ञान के लिए आधार उपलब्ध कराना चाहिए।

33. मानव बुद्धि एवं विकास की समझ शिक्षक को ..... के योग्य बनाती है। *[CTET-2013-I]*
(a) शिक्षण के समय शिक्षार्थियों के संवेगों पर नियंत्रण बनाए रखने
(b) विविध शिक्षार्थियों के शिक्षण के बारे में स्पष्टता
(c) शिक्षार्थियों को यह बताने कि वे अपने जीवन में कैसे सुधार कर सकते हैं
(d) निष्पक्ष रूप से अपने शिक्षण-अभ्यास

34. एक पी.टी. (खेल) शिक्षक क्रिकेट के खेल में अपने शिक्षार्थियों के क्षेत्र-रक्षण को सुधारना चाहता है। निम्न में से कौन-सी युक्ति शिक्षार्थियों को अपना लक्ष्य प्राप्त करने में सर्वाधिक सहायक है? *[CTET-2013-I]*
(a) शिक्षार्थियों को यह बताना कि क्षेत्र-रक्षण सीखना उनके लिए किस प्रकार महत्त्वपूर्ण है।
(b) बेहतर क्षेत्र-रक्षण और सफलता की दर के पीछे के तर्क को स्पष्ट करना।
(c) क्षेत्र-रक्षण को प्रदर्शित करना और शिक्षार्थी अवलोकन करेंगे।
(d) शिक्षार्थियों को क्षेत्र-रक्षण का अधिक अभ्यास करवाना।

35. एक शिक्षिका अपने शिक्षार्थियों की इस रूप में मदद करना चाहती है कि वे एक स्थिति की अनेक दृष्टिकोणों की सराहना कर सकें। वह विभिन्न समूहों में एक स्थिति पर वाद-विवाद करने के अनेक अवसर उपलब्ध कराती है। वाइगोटस्की के परिप्रेक्ष्य के अनुसार उसके शिक्षार्थी विभिन्न दृष्टिकोणों को ..... करेंगे

EBD_7907

और अपने तरीके से उस स्थिति के अनेक परिप्रेक्ष्य विकसित करेंगे। *[CTET-2013-I]*

(a) आत्मसात (b) निर्माण
(c) संक्रियकरण (d) तर्कसंगत

36. निम्नलिखित में से कौन-सा अधिगम को अधिकतम करने के लिए सर्वाधिक उचित है?*[CTET-2013-II]*

(a) शिक्षिका को अपनी संज्ञानात्मक शैली के साथ-साथ अपने शिक्षार्थियों की संज्ञानात्मक शैली की पहचान करनी चाहिए।
(b) शिक्षार्थियों में वैयक्तिक भिन्नता को सहज बनाने के लिए समान शिक्षार्थियों के जोड़ बनाए जा सकते हैं।
(c) अधिकतम परिणाम लाने के लिए शिक्षक केवल एक अधिगम शैली पर ध्यान केंद्रित करता है।
(d) समान सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले शिक्षार्थियों को एक कक्षा में रखना चाहिए ताकि मत वैभिन्नय से बचा जा सके।

37. अंतपरक अनुदेशन है- *[CTET-2013-II]*

(a) शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समूहीकरण के विविध रूपों का प्रयोग करना।
(b) कक्षा में प्रत्येक शिक्षार्थी के लिए कुछ अलग करना।
(c) अव्यवस्थित अथवा स्वच्छंद शिक्षार्थी गतिविधियाँ
(d) ऐसे समूहों का प्रयोग जो कभी नहीं बदलते

38. यदि शिक्षार्थी पाठ के दौरान लगातार गलतियाँ करते हैं तो शिक्षक को- *[CTET 2013-II]*

(a) अनुदेशन, कार्य, समय-सारिणी अथवा बैठने की व्यवस्था में परिवर्तन करना चाहिए।
(b) पाठ को कुछ समय के लिए छोड़ देना चाहिए और कुछ समय के बाद वापस जाना चाहिए।
(c) गलतियाँ करने वाले शिक्षार्थियों की पहचान करनी चाहिए और उनके बारे में प्राचार्य से बात करनी चाहिए।
(d) गलतियाँ करने वाले शिक्षार्थियों को कक्षा-कक्ष से बाहर खड़ा कर देना चाहिए।

39. अधिगम का सबसे उपयुक्त कार्य है- *[HTET-2014-I]*

(a) व्यक्तिगत समायोजन
(b) सामाजिक व राजनीतिक चेतना
(c) व्यवहार परिवर्तन
(d) स्वयं को रोजगार के लिए तैयार करना

40. प्रोजेक्ट शिक्षण विधि किससे सम्बन्धित है? *[HTET-2014-I]*

(a) फ्रोबेल (b) जॉन डीवी
(c) आर्मस्ट्रांग (d) मैक्डूयूगल

41. 'समूह शिक्षण' है *[HTET-2014-I]*

(a) संसाधनों, रुचि व विशेषता का इष्टतम उपयोग करने हेतु शिक्षकों के समूहों द्वारा शिक्षण है
(b) शिक्षकों की अनुपलब्धता के निबटने का एक उपाय है
(c) स्कूल में शिक्षकों के समूहों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा को प्रोत्साहित करता है
(d) विद्यार्थियों को उनकी योग्यता के अनुसार छोटे समूहों में बाँटकर शिक्षण है

42. सीखने की प्रक्रिया में 'सीखने का स्थानान्तरण' हो सकता है- *[UPTET-2014-I]*

(a) सकारात्मक (b) नकारात्मक
(c) शून्य (d) ये सभी

43. सीखने के नियम दिए हैं- *[UPTET-2014-I]*

(a) पैवलॉव ने (b) स्किनर ने
(c) थॉर्नडाइक ने (d) कोह्लर ने

44. सीखना है- *[UPTET-2014-I]*

(a) व्यवहार में परिवर्तन
(b) अनुभव तथा अभ्यास का परिणाम
(c) व्यवहार में अपेक्षाकृत स्थायी परिवर्तन
(d) उपरोक्त सभी

45. संवेग शब्द का शाब्दिक अर्थ है- *[UPTET-2014-I]*

(a) क्रोध और भय
(b) स्नेह तथा प्रेम
(c) उत्तेजना या भावों में उथल-पुथल
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

46. कौशल सीखने की पहली अवस्था है- *[UPTET-2014-I]*

(a) यथार्थता
(b) कल्पनाशीलता
(c) समन्वय
(d) अनुकरण

47. "बालक एक ऐसी पुस्तक है जिसका शिक्षक को आद्योपान्त करना चाहिए।"
उपरोक्त कथन किसके द्वारा दिया गया है? *[UPTET-2014-II]*

(a) प्लेटो (b) अरस्तू
(c) रूसो (d) रॉस

48. 'सीखने के प्रकार' के निराकरण के लिए क्या नहीं करना चाहिए? *[UPTET-2014-II]*
(a) सीखने वाले को प्रेरित और प्रोत्साहित करना चाहिए
(b) सीखने की अच्छी विधि का प्रयोग करना चाहिए
(c) उसे दण्डित करना चाहिए
(d) इनके कारणों का अध्ययन करना चाहिए

49. रुचि का सम्बन्ध है- *[UPTET-2014-II]*
(a) योग्यता (b) अवधान
(c) (a) और (b) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

50. सीखे हुए ज्ञान, कौशल या विषय का अन्य परिस्थितियों में उपयोग करने को कहते हैं- *[UPTET-2014-II]*
(a) प्रेरणा (b) सिखने का स्थानान्तरण
(c) भग्नाशा (d) चिन्ता

51. अनुबन्धन की प्रक्रिया में प्रथम सोपान निम्नांकित में से कौन-सा है ? *[UPTET-2014-II]*
(a) उत्तेजना (b) आवृत्ति
(c) सामान्यीकरण (d) इनमें से कोई नहीं

52. विद्यार्थियों में प्रत्यय विकास या निर्माण के लिए शिक्षक- *[UPTET-2014-II]*
(a) की शिक्षण विधि सरल से जटिल की ओर होनी चाहिए
(b) को विद्यार्थी को व्यापक अनुभव का अवसर प्रदाना करना चाहिए
(c) को विद्यार्थी को निर्मित प्रत्ययों के अन्तरण का अवसर देना चाहिए
(d) को उपरोक्त सभी क्रियाएँ करनी चाहिए

53. कल्पना के विकास के लिए- *[UPTET-2014-II]*
(a) ज्ञानेन्द्रियों को प्रशिक्षित करना चाहिए
(b) कहानी सुनाना चाहिए
(c) रचनात्मक प्रवृत्ति के विकास पर ध्यान देना चाहिए
(d) उपरोक्त सभी क्रियाएँ करनी चाहिए

54. एक शिक्षक कक्षा के कार्य को एकत्र करता है और उन्हें पढ़ता है, उसके बाद योजना बनाता है और अपने अगले पाठ को शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समायोजित करता है। वह ..... कर रहा/रही है। *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) सीखने का आकलन
(b) सीखने के रूप में आकलन
(c) सीखने के लिए आकलन
(d) सीखने के समय आकलन

55. सिद्धांत चित्र ..... के द्वारा नवीन अवधारणाओं की समझ बढ़ाते हैं। *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) विषय-क्षेत्रों के बीच ज्ञान के स्थानांतरण
(b) विशिष्ट विवरण पर एकाग्रता केंद्रित करने
(c) अध्ययन के लिए शैक्षणिक विषय-वस्तु की प्राथमिकता तय करने
(d) तर्कपूर्ण ढंग से सूचनाओं को व्यवस्थित करने की योग्यता को बढ़ाने

56. निगमनात्मक तर्कणा में शामिल है/हैं- *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) सामान्य से विशिष्ट की ओर तर्कणा
(b) विशिष्ट से सामान्य की ओर तर्कणा
(c) ज्ञान का सक्रिय निर्माण और पुनर्निर्माण
(d) अन्वेषणपरक सीखना और स्वत: खोजपरक सम्बन्धी पद्धतियाँ

57. निम्न मे से कौन-सी शब्दावली प्राय: ''अभिप्रेरणा'' के साथ अंत: बदलाव के साथ इस्तेमाल की जाती है? *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) पुरस्कार (प्रेरक) (b) संवेग
(c) आवश्यकता (d) उत्प्रेरणा

58. ..... प्रेरणाएँ अनुभूतियों के संतुष्टिकरण की अवस्थाओं तक पहुंचने और वैयक्तिक लक्ष्यों को प्राप्त करने की आवश्यकता को सम्बोधित करती हैं। *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) प्रभावी (b) भावात्मक
(c) संरक्षण-उन्मुखी (d) सुरक्षा-उन्मुखी

59. शिक्षण का विकासात्मक परिप्रेक्ष्य शिक्षकों से यह मांग करता है कि वे- *[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) कठोर अनुशासन बनाए रखने वाले बनें, क्योंकि बच्चे अकसर प्रयोग (जांच) करते हैं
(b) विकासात्मक कारकों के ज्ञान के अनुसार अनुदेशन युक्तियों का अनुकूलन करें
(c) विभिन्न विकासात्मक अवस्था वाले बच्चों के साथ समान रूप से व्यवहार करें
(d) इस प्रकार का अधिगम उपलब्ध कराएँ जिसका परिणाम केवल संज्ञानात्मक क्षेत्र के विकास में हो

60. शिक्षार्थियों को सबसे कम प्रतिबंधित विद्यालय वातावरण में रखने के माध्यम से, विद्यालय- *[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) लड़कियों और अलाभान्वित वर्गों के लिए शैक्षिक अवसरों को समान करता है
(b) वंचित वर्ग के बच्चों के जीवन को सामान्य करता है, जो इन बच्चों के समुदायों और अभिभावकों के साथ विद्यालय के संबंध को बढ़ा रहा है
(c) विज्ञान मेला और प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियों में अलाभान्वित वर्ग के बच्चों को भागीदार बनाता है
(d) दूसरे बच्चों को संवेदनशील बनाता है कि वे अलाभान्वित बच्चों को दबाएँ नहीं और उन्हें नीचा न दिखाएँ

61. राजेश गणित की समस्या को हल करने के लिए पूरी तरह से संघर्ष कर रहा है। उसका आंतरिक बल, जो उसे उस समस्या को पूरी तरह से हल करने के लिए विवश करता है, ... के रूप में जाना जाता है। *[CTET-Sept.-2014-II]*

(a) प्रेरक (b) व्यक्तित्व विशेषक
(c) संवेग (d) प्रत्यक्षण

62. एक प्रभावशाली अध्यापिका होने के लिए यह महत्त्वपूर्ण है- *[CTET-Feb.-2015-I]*

(a) पुस्तक से उत्तरों को लिखाने पर बल देना
(b) समूह गतिविधि के बजाय वैयक्तिक अधिगम पर ध्यान देना
(c) विद्यार्थियों के द्वारा प्रश्न पूछने के कारण उत्पन्न व्यवधान की अनदेखी करना
(d) प्रत्येक बच्चे के सम्पर्क में रहना

63. शिक्षार्थियों के ज्ञान अर्जन में सहायता करने के क्रम में अध्यापकों को किस पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए? *[CTET-Feb.-2015-I]*

(a) सुनिश्चित करना कि शिक्षार्थी सब कुछ याद करते हैं
(b) शिक्षार्थी के द्वारा प्राप्त किए गए अंकों/ग्रेडों पर
(c) शिक्षार्थी को सक्रिय सहभागिता के लिए शामिल करना
(d) शिक्षार्थी के द्वारा अधिगम ही अवधारणाओं में कुशलता प्राप्त करना

64. 'ऑउट-ऑफ-द-बॉक्स' चिन्तन किससे सम्बन्धित है? *[CTET-Feb.-2015-I]*

(a) अनुकूल चिंतन (b) स्मृति-आधारित चिंतन
(c) अपसारी चिंतन (d) अभिसारी चिंतन

65. शिक्षण में अध्यापकों के द्वारा विद्यार्थियों का आकलन इस अन्तर्दृष्टि को विकसित करने के लिए किया जा सकता है- *[CTET-Feb.-2015-I]*

(a) उन विद्यार्थियों की पहचान करना जिन्हें उच्चतर कक्षा में प्रोन्नत करना है
(b) उन विद्यार्थियों को प्रोन्नत न करना जो विद्यालय के स्तर के अनुकूल नहीं हैं
(c) विद्यार्थियों की आवश्यकता के अनुसार शिक्षण उपागम में परिवर्तन करना
(d) कक्षा में 'प्रतिभाशाली' तथा 'कमज़ोर' विद्यार्थियों के समूह बनाना

66. बच्चों को शाब्दिक या ग़ैर-शाब्दिक दण्ड देने का परिणाम होता है- *[CTET-Feb.-2015-I]*

(a) उन्हें कार्य करने के लिए प्रेरित करना।
(b) बच्चे की छवि की सुरक्षा करना।
(c) उनके अंकों में सुधार करना।
(d) उनके स्वयं के प्रति अवधारणा को नष्ट करना।

67. अध्यापिका ने ध्यान दिया कि पुष्पाअपने-आप किसी एक समस्या का समाधान नहीं कर सकती है। फिर भी वह एक वयस्क या साथी के मार्गदर्शन की उपस्थिति में ऐसा करती है। इस मार्गदर्शन को कहतेहैं- *[CTET-Feb.-2015-I]*

(a) पार्श्वकरण
(b) पूर्व-क्रियात्मक चिन्तन
(c) समीपस्थ विकास का क्षेत्र
(d) सहारा देना

68. लॉरेन्स कोह्लबर्ग के सिद्धान्त में कौन-सा स्तर नैतिकता की अनुपस्थिति को सही अर्थ में सूचित करता है? *[CTET-Feb.-2015-I]*

(a) स्तर III (b) स्तर IV
(c) स्तर I (d) स्तर II

69. ''कोई भी नाराज़ हो सकता है- यह आसान है, परन्तु एक सही व्यक्ति के ऊपर, सही मात्रा में, सही समय पर, सही उद्देश्य के लिए तथा सही तरीके से नाराज़ होना आसान नहीं है।'' यह सम्बन्धित है- *[CTET-Feb.-2015-I]*

(a) संवेगात्मक विकास से
(b) सामाजिक विकास से
(c) संज्ञानात्मक विकास से
(d) शारीरिक विकास से

70. किस प्रकार से एक अध्यापिका बच्चों को बेहतर समाधानकर्त्ता बनने में सहायता कर सकती है? *[CTET-Feb.-2015-II]*

(a) समस्याओं का समाधान करने के लिए वस्तु रूप में पुरस्कार देना
(b) बच्चों को विविध प्रकार की समस्याओं को समाधान करने के मौके देना तथा उनका हल प्राप्त करते समय सहयोग देना
(c) बच्चों को पाठ्य-पुस्तक में समस्याओं के उत्तर देखने के लिए प्रोत्साहित करना
(d) विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत सभी समस्याओं का सही समाधान उपलब्ध कराना

71. एक शिक्षार्थी-केन्द्रित कक्षा-कक्ष में अध्यापिका करेगी- *[CTET-Feb.-2015-II]*

(a) मुख्य तथ्यों की व्याख्या करने के लिए व्याख्यान पद्धति का प्रयोग करना और बात में शिक्षार्थियों का उनकी सजगता के लिए आकलन करना।
(b) अधिगम को सुगम बनाने के लिए बच्चों को एक-दूसरे के साथ अंकों के लिए मुकाबला करने हेतु प्रोत्साहित करना।

(c) वह अपने विद्यार्थियों से जिस प्रकार की अपेक्षा करती है उसे प्रदर्शित करना और तब बच्चों को वैसा करने के लिए दिशा-निर्देश देना।
(d) इस प्रकार की पद्धतियों को नियोजित करना जिसमें शिक्षार्थी अपने स्वयं के लिए पहल करने में प्रोत्साहित हों।

72. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सबसे बेहतर ढंग से वर्णन करता है कि कक्षा में बच्चों को प्रश्न पूछने के लिए क्यों प्रोत्साहित करना चाहिए ?*[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) जिन चीजों के बारे में बच्चे नही जानते हैं, उनके बारे में विचार करवाकर उन्हें यह महसूस करवाया जा सकता है कि उनमें बुद्धि की कमी है।
(b) प्रश्न बच्चों की जिज्ञासा को बढ़ाते हैं।
(c) प्रश्न अन्योन्यक्रिया के द्वारा अधिगम को आगे बढ़ाते हैं तथा संकल्पनात्मक स्पष्टता की दिशा में बढ़ते हैं।
(d) बच्चों को अपने भाषा कौशलों के अभ्यास की आवश्यकता होती है।

73. आपकी कक्षा में कुछ बच्चे हैं जो ग़लतियाँ करते हैं। इस परिस्थिति का आपके विश्लेषण के अनुसार इनमें से कौन-सा कथन सर्वाधिक उपयुक्त है ?
[CTET-Feb.-2015-II]
(a) बच्चों ने अभी तक संकल्पनात्मक स्पष्टता प्राप्त नहीं की है तथा आपको अपनी शिक्षण-विधि पर चिन्तन करने की आवश्यकता है।
(b) बच्चों का बुद्धि-स्तर निम्न है।
(c) बच्चों की अध्ययन में रुचि नहीं है और वे अनुशासनहीनता उत्पन्न करना चाहते हैं।
(d) बच्चों को आपकी कक्षा में प्रोन्नत नहीं करना चाहिए था।

74. उच्च प्राथमिक विद्यालय की गणित-अध्यापिका के रूप में आप विश्वास करती हैं कि-*[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) विद्यार्थियों को कार्यविधिक ज्ञान को जानने की आवश्यकता होती है, चाहे वे संकल्पनात्मक आधार नहीं समझते हों।
(b) विद्यार्थियों की ग़लतियाँ उनके चिन्तन में अन्तर्दृष्टियाँ उपलब्ध कराती हैं।
(c) उच्च प्राथमिक विद्यालय के सभी बच्चों में गणित पढ़ने की योग्यता नहीं होती है।
(d) लड़के गणित को बिना अधिक प्रयास किए सीख जाएँगे, क्योंकि यह उनकी 'जन्मजात' विशेषता है तथा आपको लड़कियों के ऊपर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

75. एक बच्चे को हमारा सहारा देने की मात्रा एवं प्रकार में परिवर्तन इस बात पर निर्भर करता है-
[CTET-Feb.-2015-II]
(a) बच्चे की नैसर्गिक योग्यताएँ
(b) अध्यापिका की मनोदशा
(c) कार्य के लिए प्रस्तावित पुरस्कार
(d) बच्चे के निष्पादन का स्तर

76. बच्चों में ज्ञान की रचना करने और अर्थ का निर्माण करने की क्षमता होती है। इस परिप्रेक्ष्य में एक शिक्षक की भूमिका है: *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) संप्रेषक और व्याख्याता की
(b) सुगमकर्ता की
(c) निर्देशक की
(d) तालमेल बैठाने वाले की

77. बच्चों की त्रुटियों के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है? *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) बच्चों की त्रुटियाँ उनके सीखने की प्रक्रिया का अंग है।
(b) बच्चे तब त्रुटियाँ करते हैं जब शिक्षक सौम्य हो और उन्हें त्रुटियाँ करने पर दंड न देता हो।
(c) बच्चों की त्रुटियाँ शिक्षक के लिए महत्वहीन हैं और उसे चाहिए कि उन्हें काट दे और उन पर अधिक ध्यान न दे
(d) असावधानी के कारण बच्चे त्रुटियाँ करते हैं।

78. एक उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक के रूप में आपके पास कक्षा में कुछ ऐसे बच्चे हैं जो प्रथम पीढ़ी के रुप में विद्यालय आ रहें हैं। आपके द्वारा निम्नलिखित में से किसे किए जाने की संभावना सर्वाधिक है?
[CTET-Sept.-2015-II]
(a) माता-पिता को बुलाएँगे और उनसे अपने बच्चों का ट्यूशन लगाने को नम्रतापूर्वक कहेंगे।
(b) कक्षा गतिविधि के समय और गृहकार्य के लिए उन्हें बुनियादी सहयोग और अन्य सहायता उपलब्ध कराएँगे।
(c) उन्हें याद करने के लिए और उत्तर को पाँच बार अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखने के लिए गृहकार्य देंगे।
(d) बच्चों से कहेंगे कि उनमें आगे बढ़ने की क्षमता नहीं है और अब उन्हें अपने माता-पिता के काम में सहायता करनी चाहिए।

79. अपनी कक्षा के बच्चों को उनकी अपनी अवधारणाओं को बदलने में आप किस प्रकार सहायता करेंगे? *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) अवधारणाओं के बारे में बच्चों को अपनी समझ को व्यक्त करने का अवसर देकर।
(b) बच्चों को सूचनाएँ लिखाकर उन्हें याद करने को कहकर।
(c) यदि बच्चों की अवधारणाएँ गलत हों तो उन्हें दण्ड देकर।
(d) तथ्यात्मक जानकारी देकर।

80. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन बच्चों के त्रुटियों के सम्बन्ध में सबसे उपयुक्त है?*[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) बच्चों की गलतियाँ एक खिड़की के समान होती हैं, यह जानने के लिए कि वे किस प्रकार सोचते हैं।
(b) गलतियों से बचने के लिए बच्चों को शिक्षक का अनुकरण करना चाहिए।
(c) बच्चों की गलतियों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और उन्हें कठोर दंड दिया जाना चाहिए ताकि वे गलतियाँ न दोहराएँ।
(d) बच्चे गलतियाँ करते हैं क्योंकि उनमें विचार करने की क्षमता नहीं होती।

81. आकलन शिक्षण.अधिगम प्रक्रिया का अभिन्न अंग है क्योंकि : *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) बच्चों को अंक दिए जाने चाहिए ताकि वे समझ सकें कि अपने सहपाठियों की तुलना में कहाँ पर हैं।
(b) आकलन से अध्यापक बच्चों के अधिगम को समझता है और उसके अपने शिक्षण की परिपुष्टि भी होती है।
(c) आकलन ही एकमात्र तरीका है जो आश्वस्त करता है कि शिक्षकों ने पढ़ाया और बच्चों ने सीखा।
(d) आज के समय में केवल अंक ही शिक्षा में महत्त्वूर्ण है।

82. प्राथमिक विद्यालय के कक्षा.कक्ष के संदर्भ में सक्रियब) ता का क्या अर्थ है? *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) शिक्षक द्वारा दिए गए उत्तरों को नकल करना
(b) याद करना, प्रत्यास्मरण और सुनाना
(c) शिक्षक का अनुकरण और नकल करना
(d) जाँच.पड़ताल करना, प्रश्न पूछना और वाद.विवाद

83. भारत में अधिकांश कक्षाएं बहुभाषी होती हैं और इसे शिक्षक द्वारा ._____ के रूप में देखा जाना चाहिए। *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) बाधा (b) परेशानी
(c) समस्या (d) संसाधन

84. जटिल परिस्थिति को संसाधित करने में शिक्षक बच्चों की सहायता कर सकता है *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) कार्य को छोटे हिस्सों में बांटने के बाद निर्देश लिखकर
(b) प्रतियोगिता को बढ़ावा देकर और सबसे पहले कार्य पूरा करने वाले बच्चे को पुरस्कार देकर
(c) कोई भी सहायता न देकर, जिससे बच्चे अपने आप निर्वाह करना सीखें
(d) उस पर एक भाषण देकर

85. अधिगमकर्त्ता-केन्द्रित विधि का आशय है *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) परंपरागत व्याख्यात्मक विधियाँ
(b) उन विधियों को अपनाना, जिनमें शिक्षक मुख्य कर्ता (पात्र) होता है
(c) वे विधियाँ जहाँ अधिगम में अधिगमकर्ता की अपनी पहल तथा प्रयास सम्मिलित होते है
(d) कि शिक्षक अधिगमकर्ता के लिए स्वयं निष्कर्ष निकाल देते हैं

86. निम्नलिखित में से कौन-सा एक सीखने के लिए प्रमुख है? *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) रटकर याद करना (b) अनुकरण
(c) अर्थ-निर्माण (d) अनुबंधन

87. निम्नलिखित में से कौन सा 'आधारभूत सहायता' का एक अच्छा उदाहरण है (जिसका आशय है समस्या-समाधाान को तब तक सिखाना जब तक शिक्षार्थी स्वयं न कर सकें) *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) उसे कहना कि जब तक यह समस्या का समाधान नही कर लेती तक तक घर पर नहीं जा सकती
(b) समस्या का समाधान जल्दी देने के लिए पुस्कार देना
(c) उसे यह बताना कि वह बार-बार प्रयास द्वारा कर सकती है
(d) उसे आधाा समाधान (हल) किया उदाहरण उपलब्ध करवाना

88. भाषा *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) हमारी विचार-प्रक्रिया को प्रभावित करती है
(b) विचार-प्रक्रिया का निर्धारण नहीं कर सकती
(c) विचार-प्रक्रिया को प्रभावित नहीं करती
(d) हमारी विचार-प्रक्रिया को पूरी तरह से नियंत्रित करती है

89. एक शिक्षिका अपनी प्राथमिक कक्षा में प्रभावी अधिगम को बढ़ा सकती है: *[CTET-Sept.-2016-I]*
(a) अधिगम में छोटी-छोटी उपलब्धियों के लिए पुरस्कार देकर
(b) ड्रिल और अभ्यास के द्वारा
(c) अपने विद्यार्थियों में प्रतियोगिता को प्रोत्साहन देकर
(d) विषयवस्तु को विद्यार्थियों के जीवन के साथ संबंधित करके

90. एक बच्चा खिड़की के सामने से एक कौवे को उड़ाता हुआ देखता है और कहता है, "एक पक्षी।" इससे बच्चे के विचार के बारे में क्या पता चलता है?
[CTET-Sept.-2016-I]

A. बच्चे की स्मृतियाँ पहले ही भंडारित होती हैं।
B. बच्चे में 'पक्षी' का प्रत्यय विकसित हो चुका है।
C. बच्चे ने अपने अनुभव बताने के लिए भाषा के कुछ उपकरणों का विकास कर लिया है।

(a) A और B (b) B और C
(c) A, B और C (d) और B

91. दो विद्यार्थी एक ही अवतरण को पढ़ते हैं, फिर भी इसके बिलकुल भिन्न अर्थ लगाते हैं। उनके बारे में निम्नलिखित में से क्या सत्य है?
[CTET-Sept.-2016-II]

(a) संभव नहीं है, क्योंकि अधिगम का आशय अर्थ लगाना नहीं है।
(b) संभव नहीं है और विद्यार्थियों को उसे दुबारा पढ़ना चाहिए।
(c) संभव है, क्योंकि शिक्षक ने अवतरण को समझाया नहीं है।
(d) संभव है, क्योंकि व्यक्ति के अधिगम को विविध कारण विभिन्न विधियों से प्रभावित करते हैं।

92. यदि कोई शिक्षिका चाहे कि उसके विद्यार्थी समस्या-समाधान कौशल प्राप्त कर ले, तो विद्यार्थियों को ऐसे क्रियाकलापों में लगाना चाहिए जिनमें हो:
[CTET-Sept.-2016-II]

(a) पूछना, तर्क करना और निर्णय लेना
(b) बहुविकल्पी प्रश्नों वाले स्तरीकृत कार्यपत्रक
(c) प्रत्यास्मरण, रटना और समझना
(d) ड्रिल और अभ्यास

93. स्मृति स्तर के शिक्षण प्रतिमान के प्रतिपादक हैं:
[HTET-2017]

(a) जॉन एफ॰ हरबर्ट
(b) एच॰ सी॰ मोरिसन
(c) नेड ए॰ फ्लेन्डर्स
(d) इनमें से कोई नहीं

94. शिक्षार्थी की अभिरुचि एवं अभिक्षमता के बारे में वैध एवं विश्वसनीय निष्कर्ष पर पहुँचने की विधि है:
[HTET-2017]

(a) वस्तुनिष्ट प्रेक्षण विधि
(b) अन्तर्निरीक्षण विधि
(c) प्रयोगात्मक विधि
(d) सभी विकल्प सही हैं

95. निम्नलिखित में से कौन-सी शिक्षण व्यूह रचना संज्ञानात्मक, भावात्मक एवं मनोगत्यात्मक पक्षों के तहत अधिगम उद्देश्यों को पूरा करती है? *[HTET-2017]*

(a) व्याख्यान
(b) समूह चर्चा
(c) भूमिका निर्वहन
(d) अभिक्रमित अनुदेशन

96. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
[HTET-2017]

(a) मेधा एवं सर्जनात्मकता एक-दूसरे के पर्यायवाची हैं
(b) एक मेधावी बालक हो सकता है सर्जनात्मक न हो
(c) एक सर्जनात्मक बालक ऊँचे दर्जे का मेधावी हो सकता है
(d) सर्जनात्मकता का पोषण किया जा सकता है।

97. शिक्षा मनोविज्ञान की विषयवस्तु निम्न में से किन मुख्य कारकों के ओत-प्रोत घूमती है? *[HTET-2017]*

(a) शिक्षार्थी एवं अधिगम अनुभव
(b) शिक्षक एवं अधिगम प्रक्रिया
(c) अधिगम परिस्थितियाँ
(d) सभी विकल्प सही हैं

98. निम्न में से कौन-सी विधि प्राथमिक स्तर पर शिक्षण के लिए उपयुक्त नहीं है? *[HTET-2017]*

(a) समस्या समाधान विधि
(b) गतिविधि उपागम
(c) व्याख्यान विधि
(d) प्रोजेक्ट विधि

99. कक्षा में शिक्षण सहायक सामग्री का उपयोग किया जाता है: *[HTET-2017]*

(a) विशिष्ट अधिगम परिस्थितियाँ निर्माण के लिए
(b) शिक्षक के बोझ को कम करने के लिए
(c) कक्षा में अनुशासन बनाए रखने के लिए
(d) शिक्षण में आवश्यक होने के नाते

100. संज्ञानात्मक सम्प्राप्ति का न्यूनतम स्तर है
[UPTET-2017]

(a) ज्ञान (b) बोध
(c) अनुप्रयोग (d) विश्लेषण

101. "किसी दूसरी वस्तु की अपेक्षा एक वस्तु पर चेतना का केन्द्रीकरण अवधान है।" यह कथन है
[UPTET-2017]

(a) डम्विल का (b) रॉस का
(c) मन का (d) मैक्डूगल का

102. निम्न में से कौन-सा सीखने के मुख्य नियमों में शामिल नहीं है? *[UPTET-2017]*
(a) तत्परता का नियम
(b) अभ्यास का नियम
(c) बहु-अनुक्रिया का नियम
(d) प्रभाव का नियम

103. इनमें से किनका नाम 'सुजननशास्त्र के पिता' से जुड़ा हुआ है? *[UPTET-2017]*
(a) क्रो एवं क्रो (b) गाल्टन
(c) रॉस (d) वुडवर्थ

104. "सृजनात्मकता मौलिक परिणामों को अभिव्यक्त करने की मानसिक प्रक्रिया है।" यह कथन है *[UPTET-2017]*
(a) कोल एवं ब्रूस का (b) ड्रेवहल का
(c) डीहान का (d) क्रो एवं क्रो का

105. जो सम्बन्ध स्किनर का चूहों से एवं थॉर्नडाइक का बिल्लियों से था, वही सम्बन्ध कोह्लर का था *[UPTET.-2018]*
(a) कुत्तों से (b) मुर्गियों से
(c) बंदरों से (d) वनमानुषों से

106. अधिगम का पठार है *[UPTET.-2018]*
(a) अधिगम में अवरुद्ध वर्द्धन
(b) अधिगम में दोष
(c) अधिगम की समाप्ति
(d) अधिगम में अवरोध

107. 'द बिहेवियर ऑफ ऑर्गेनिज्म्स' नामक पुस्तक के लेखक हैं *[UPTET.-2018]*
(a) स्किनर (b) हल
(c) पैवलव (d) थॉर्नडाइक

108. समस्या समाधान में 'लक्ष्य प्रवणता' के सम्प्रत्यय को किसने प्रस्तावित किया था? *[UPTET.-2018]*
(a) हल (b) केन्डलर
(c) कोह्लर (d) ब्रिक

109. निम्न में से कौन-सा शिक्षण-अधिगम का स्तर नहीं है? *[UPTET.-2018]*
(a) अवबोध स्तर (b) परावर्ती स्तर
(c) स्मृति स्तर (d) दूरवर्ती स्तर

110. "हम करके सीखते हैं।" किसने कहा था? *[UPTET.-2018]*
(a) योकम (b) सिम्पसन
(c) डॉ. मेस (d) कोलेसनिक

111. एक बालक काली गाय, काला कुत्ता तथा काली वस्तुओं को देखकर डरने लगता है। इस प्रकार के अनुबंधन में निहित है *[UPTET.-2018]*
(a) अनुक्रिया अनुबंधन
(b) उद्दीपक सामान्यीकरण
(c) अनुक्रिया सामान्यीकरण
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

112. सीखना एक तरह के व्यवहार का *[UPTET.-2018]*
(a) बचाव है (b) विस्तार है
(c) संशोधन है (d) प्रसार है

113. स्किनर बॉक्स का प्रयोग किया जाता है
(a) शाब्दिक अधिगम के लिए *[UPTET.-2018]*
(b) प्रसूत अनुबंधन के लिए
(c) चालक अधिगम के लिए
(d) आकस्मिक अधिगम के लिए

114. कक्षा में सृजनात्मक और प्रतिभाशाली बच्चों के लिए आवश्यक हस्तक्षेप निर्भर करता है- *[CTET-Dec.-2018-I]*
(a) उन्हें अतिरिक्त समय दिए जाने पर
(b) उनके प्रति स्नेही होने के नाते पर
(c) उन्हें अन्य बच्चों को पढ़ाने की ज़िम्मेदारी देने पर
(d) शिक्षक द्वारा अनुकूलित और प्रेरक निर्देशन तरीकों के उपयोग पर

115. निम्नलिखित में से कौन-सा शिक्षक द्वारा कक्षा में बच्चों के लिए समस्या हल करने के तरीके का वर्णन नहीं कर सकता? *[CTET-Dec.-2018-I]*
(a) कुछ हल करते समय गलतियों को करने के प्रति ईमानदार रहना
(b) सोच, विचार, परीक्षण और विभिन्न उत्तरों जैसी शब्दावली का प्रयोग करना
(c) अभिसरण उत्तरों वाले प्रश्न पूछना
(d) किसी विशेष समस्या को हल करने के बार में अपनी विचार-प्रक्रियाओं पर चर्चा करना

116. निम्नलिखित में से कौन-सा शिक्षक की भूमिका का सबसे अच्छा वर्णन करता है?*[CTET-Dec.-2018-I]*
(a) एक शिक्षक को निर्धारित पाठ्यपुस्तक का पालन करना चाहिए
(b) पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करने के साथ-साथ दोहराने के लिए पर्याप्त समय देना महत्वपूर्ण है
(c) आराम के लिए जगह बनाना, जहाँ बच्चे संवाद और पूछताछ के माध्यम से सीखते हैं
(d) कक्षा में शिक्षक की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अनुशासन को बनाए रखना है

EBD_7907

117. विविध अधिगमकर्ताओं के लिए सुगम्य स्वरूपों में शिक्षण-अधिगम सामग्रियाँ प्रदान करने का तात्पर्य ... . से है। *[CTET-Dec.-2018-II]*

(a) शिक्षण व्यावसायिकता की सार्वभौमिक संहिता
(b) शिक्षण के सार्वभौमिक मानववादी दृष्टिकोण
(c) अधिगम की सार्वभौमिक संरचना
(d) सार्वभौमिक समावेशी शिक्षा के नैतिक विचार

118. पहले से सीखे हुए कार्यों में सुधार लाने के लिए शिक्षण बच्चों को प्रदर्शन देकर सीखा रहा है। वह शिक्षण की ..... विधि का प्रयोग कर रहा है। *[CTET-Dec.-2018-II]*

(a) अवलोकन
(b) संशोधन
(c) प्रतिरूपण
(d) अनुकरण

119. बहु-संवेदी, शिक्षण-अधिगम की प्रविधि में अधिगम-संवर्धन हेतु दृश्य, श्रव्य, स्पर्श और ..... संवेदनाओं का एक साथ प्रयोग किया जाता हैं। *[CTET-Dec.-2018-II]*

(a) कर्ण-कोटर
(b) प्रत्यक्षीकरण
(c) अवलोकन
(d) गतिबोधक

120. वाक्यांश 'एक हाथ में छह एवं दूसरे हाथ में आधा दर्जन' निम्नांकित में से किस प्रकार के द्वंद्व की सर्वोत्तम व्याख्या है? *[HTET-2019]*

(a) उपागम – परिहार द्वंद्व की
(b) परिहार – परिहार द्वंद्व की
(c) उपागम – उपागम द्वंद्व की
(d) द्वय उपागम – परिहार द्वंद्व की

121. निम्नलिखित में से कौन-सा स्तम्भ-क के बच्चों को स्तम्भ-ख में उनकी प्राथमिक विशेषताओं के सही मिलान को प्रस्तुत करता है? *[CTET-July-2019-I]*

स्तम्भ-क	**स्तम्भ-ख**
i प्रतिभाशाली	a. धाराप्रवाह पढ़ने में कमी है।
ii. अधिगम अशक्तता	b. मूल समाधानों के बारे में सोच सकता है।
iii. सृजनात्मक	c. आसानी से विचलित होने की आदत है।
iv. अवधान कमी अतिसक्रियता व्यतिक्रम	d. शीघ्रता से एवं स्वतंत्र रूप से सीखने की योग्यता

	i	ii	iii	iv
(a)	a	b	d	c
(b)	d	c	b	a
(c)	d	a	b	c
(d)	d	c	a	b

122. अधिगमकर्ताओं एवं उनकी प्राथमिक विशेषताओं के मिलान युग्मों में से निम्नलिखित में से कौन-सा सही है? *[CTET-July-2019-II]*

(a) 'पठन-अक्षमता' अधिगमकर्ता- धाराप्रवाह पढ़ने एवं लिखने में कमी है।
(b) सृजनात्मक अधिगमकर्ता- अतिसक्रिय; कार्य को पूरा करने में धीमे हैं।
(c) अवधानात्मक कमी अधिगमकर्ता- उच्च अभिप्रेरणा, लंबे समय तक अवधान बनाए रख सकते हैं।
(d) श्रव्य क्षतिग्रस्त अधिगमकर्ता- दृश्य सूचनाओं को समझ नहीं सकते हैं।

123. एक समस्या को मूल एवं अपसारी समाधानों के साथ करने की योग्यता निम्नलिखित में से किसकी एक प्राथमिक विशेषता है? *[CTET-July-2019-II]*

(a) क्षतिग्रस्त बच्चों की
(b) सृजनात्मक बच्चों की
(c) अधिगम अशक्तता वाले बच्चों की
(d) अहंकेंद्रित बच्चों की

124. निम्नलिखित में से कौन-सा अधिगम के सार्थक सरलीकरण के रूप में परिणित नहीं होता है? *[CTET-July-2019-II]*

(a) दोहराने एवं स्मरण करने को बढ़ावा देना।
(b) उदाहरणों एवं गैर-उदाहरणों का प्रयोग करना।
(c) एक समस्या पर अनेक तरीकों से विचार करने के लिए प्रोत्साहित करना।
(d) पहले से विद्यमान ज्ञान से नए ज्ञान को जोड़ना।

125. निम्नलिखित में से कौन प्रभावी अधिगम रणनीतियों के उदाहरण हैं? *[CTET-July-2019-II]*

(i) लक्ष्य एवं समय-सारणी निर्धारित करना।
(ii) संगठनात्मक चार्टों एवं अवधारणात्मक नक्शे बनाना।
(iii) उदाहरणों एवं गैर-उदाहरणों के बारे में सोचना।
(iv) हमउम्र साथी को समझना।
(v) स्वयं से प्रश्न करना।

(a) (i), (iv), (v)
(b) (i), (ii), (iii), (v)
(c) (i), (ii), (iii), (iv), (v)
(d) (i), (ii), (iii)

126. बच्चों की गलतियाँ एवं भ्रांत-धारणाएँ _____
[CTET-July-2019-II]

(a) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के लिए रुकावट एवं विघ्न हैं।
(b) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में अनदेखी करनी चाहिए।
(c) सूचित करती हैं कि बच्चों की क्षमताएँ वयस्कों की तुलना में बहुत निम्न स्तर की है।
(d) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम है।

127. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा विकास एवं अधिगम के बीच संबंध को सही तरीके से सूचित करता है?
[CTET-July-2019-II]

(a) अधिगम विकास का ध्यान किए बिना घटित होता है।
(b) अधिगम की दर विकास की दर से काफी अधिक होती है।
(c) विकास एवं अधिगम अंत:संबंधित और अंत:निर्भर होते हैं।
(d) विकास एवं अधिगम संबंधित नहीं हैं।

उत्तरमाला																			
1	(d)	**14**	(d)	**27**	(d)	**40**	(b)	**53**	(d)	**66**	(d)	**79**	(a)	**92**	(a)	**105**	(d)	**118**	(c)
2	(c)	**15**	(a)	**28**	(d)	**41**	(a)	**54**	(c)	**67**	(d)	**80**	(a)	**93**	(a)	**106**	(d)	**119**	(d)
3	(c)	**16**	(c)	**29**	(c)	**42**	(d)	**55**	(d)	**68**	(c)	**81**	(b)	**94**	(a)	**107**	(a)	**120**	(c)
4	(c)	**17**	(a)	**30**	(a)	**43**	(c)	**56**	(a)	**69**	(a)	**82**	(d)	**95**	(c)	**108**	(a)	**121**	(c)
5	(c)	**18**	(b)	**31**	(d)	**44**	(d)	**57**	(c)	**70**	(c)	**83**	(d)	**96**	(a)	**109**	(d)	**122**	(a)
6	(c)	**19**	(c)	**32**	(c)	**45**	(c)	**58**	(b)	**71**	(c)	**84**	(a)	**97**	(d)	**110**	(c)	**123**	(b)
7	(d)	**20**	(b)	**33**	(b)	**46**	(d)	**59**	(b)	**72**	(b)	**85**	(c)	**98**	(c)	**111**	(b)	**124**	(a)
8	(b)	**21**	(a)	**34**	(d)	**47**	(c)	**60**	(d)	**73**	(a)	**86**	(c)	**99**	(a)	**112**	(c)	**125**	(c)
9	(d)	**22**	(c)	**35**	(a)	**48**	(c)	**61**	(a)	**74**	(b)	**87**	(d)	**100**	(a)	**113**	(b)	**126**	(d)
10	(b)	**23**	(b)	**36**	(a)	**49**	(b)	**62**	(d)	**75**	(a)	**88**	(a)	**101**	(a)	**114**	(d)	**127**	(c)
11	(d)	**24**	(a)	**37**	(a)	**50**	(b)	**63**	(c)	**76**	(b)	**89**	(d)	**102**	(c)	**115**	(c)		
12	(d)	**25**	(c)	**38**	(a)	**51**	(a)	**64**	(c)	**77**	(a)	**90**	(c)	**103**	(b)	**116**	(c)		
13	(a)	**26**	(d)	**39**	(c)	**52**	(d)	**65**	(c)	**78**	(b)	**91**	(d)	**104**	(d)	**117**	(c)		

EBD_7907

व्याख्या सहित उत्तर

2. (c) 'मन का मानचित्रण' यह संरचनावाद (कन्सट्रक्टविज्म) पर आधारित सीखने की एक पद्धति है।
13. (a) प्रश्न में दिए गए विकल्पों में से भावात्मक (Affective) सीखने का क्षेत्र है। इसके अंतर्गत अनुभूति, मूल्य, संवेग, अभिप्रेरणा एवं अभिरुचि इत्यादि आते हैं।
31. (d) शिक्षार्थियों को सीखने एवं सुनने के लिए स्वतंत्रता देना, उनमें आत्मविश्वास बढ़ाता है जिससे बच्चों में सीखने एवं सुनने के लिए एक अधिगम-योग्य वातावरण का निर्माण करती है।
32. (c) जब शिक्षार्थी अपने विचारों को सम्प्रेषित करने की कोशिश कर रहे हों, तो शिक्षक को उन्हें ठीक नहीं करना चाहिए, न कि उन्हें डराना या धमकाना चाहिए।
33. (b) मानव बुद्धि एवं विकास की समझ एक शिक्षक को विविध शिक्षार्थियों के शिक्षण के बारे में स्पष्टता के योग्य बनाती है।
36. (a) शिक्षिका को अधिगम को अधिकतम बनाने के लिए अपनी संज्ञानात्मक शैली के साथ-साथ अपने शिक्षार्थियों की संज्ञानात्मक शैली की पहचान करनी चाहिए।
37. (a) अंतरपरक अनुदेशन एक अनुदेशात्मक सिद्धांत है। इस सिद्धांत के आधार पर शिक्षक एक कक्षा के अन्दर छात्रों के सीखने की शैली, हितों एवं क्षमताओं का पता लगाकर, उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समूहीकरण कर विविध रूपों का प्रयोग करना है।
38. (a) यदि शिक्षार्थी पाठ के दौरान गलतियाँ करते हैं तो शिक्षक को अनुदेशन, कार्य, समय-सारिणी तथा बैठने की व्यवस्था में परिवर्तन करना चाहिए।
76. (b) शिक्षक को ज्ञान या दक्षता का निर्देशों के द्वारा अनुपालन करना चाहिए वहाँ पर एक ऐसा वातावरण उत्पन्न करना चाहिए जहाँ छात्र अपने-आप गतिविधियों को करके ज्ञान प्राप्त कर सकें।
77. (a)
78. (b) शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी सहयोग एक प्रक्रिया को प्रदर्शित करता है जिसमें शिक्षक समस्या समाधान प्रक्रिया का मॉडल तैयार करते हैं। उसके बाद जितनी मदद करने की जरूरत होती है, उतनी मदद करते हैं।
79. (a) बच्चों के विषय वस्तु के संदर्भ में अपनी समझ के प्रदर्शन के लिए एक अवसर की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए।
80. (a) बच्चों की गलतियों एवं मिथ्या धारणाओं का अवलोकन कर उन्हें जितनी जल्दी हो सके, सही करना चाहिए। गलतियाँ सोचने के तरीकों एवं सीखने की स्थितियों का उपचार कर सकती है। यह सीखने में महत्त्वपूर्ण अवसरों की उपलब्धता सुनिश्चित करती है।
81. (b) आकलन निर्देशों का एक अभिन्य अंग है क्योंकि यह निर्धारित करता है कि शिक्षा के उद्देश्यों को किस प्रकार से प्राप्त किया जा सकता है। आकलन श्रेणी निर्णय, सेवायोजन, विकास, निर्देशात्मक जरूरतों एवं पाठ्यक्रम को प्रभावित करता है।
83. (d) भारत में अधिकांश कक्षाएँ बहुभाषी होती हैं और इसे शिक्षक द्वारा संसाधन के रुप मे देखा जाना चाहिए। भारत मे विभिन्न भाषा को बोलने वाले लोग सदैव ही मिलजुल कर रहते हैं अतः बहुभाषी कक्षाएँ शिक्षक के लिए संसाधन ही हैं।
84. (a) कार्य को छोटे हिस्सों में बाँटने के बाद निर्देश लिखकर जटिल परिस्थिति को संसाधित करने में शिक्षक बच्चों की सहायता कर सकता है। बच्चे जटिल परिस्थिति को जब न समझ पाएँ तो शिक्षक उसी जटिल कार्य को छोटे-छोटे-हिस्सों में विभाजित करके आवश्यक निर्देश दे तो बच्चे कार्य को सरलता पूर्वक समझ कर पूर्ण कर सकेगें।
85. (c) अधिगमकर्त्ता - केन्द्रित विधि का अर्थ बच्चों के अनुभवों, अनके स्वरों और उनकी सक्रिय सहभागिता को प्राथमिकता देना है।
88. (a) भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने विचारों को व्यक्त करते हैं।
89. (d) एक शिक्षिका अपनी प्राथमिक कक्षा में विषयवस्तु को विद्यार्थियों के जीवन के साथ संबंधित करके प्रभावी अधि गम को बढ़ा सकती है।
91. (d) नए अनुभव एकत्रित करना तथा इससे व्यवहार में परिवर्तन आने की प्रक्रिया अधिगम कहलाती है। पूर्व अधिगम, विषय वस्तु का स्वरूप, विषय के प्रति मनोवृति, सीखने की इच्छा, अभिप्रेरणा, वातावरण, वंशानुक्रम आदि कारकों के कारण बच्चे एक ही अवतरण का भिन्न अर्थ लगाते हैं।
92. (a) समस्या समाधान विधि वह शिक्षण विधि है जिसमें शिक्षण कार्य किसी समस्या के लिए आयोजित एवं गठित किया जाए। इस क्रिया विधि में विद्यार्थियों के सम्मुख चुनौतीपूर्ण समस्या रखकर उनको समाधान के खोज की तकनीक में प्रशिक्षण प्रदान करती हैं।

93. (a) स्मृति स्तर में ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न की जाती हैं, जिससे छात्र पढ़ाई की विषय वस्तु को आत्मसात कर सकें।

100. (a) ब्लूम की वर्गिकी शिक्षा के अन्तर्गत 'सीखने के उद्देश्यों' के वर्गीकरण से सम्बन्धित हैं। बेंजामिन ब्लूम के नेतृत्व में शैक्षिक गतिविधियों के तीन डोमेनों की पहचान की गयी-

- संज्ञानात्मक
- भावनात्मक
- साइकोमीटर

संज्ञानात्मक डोमेन में ज्ञान तथा बौद्धिक कौशलों का विकास शामिल हैं।

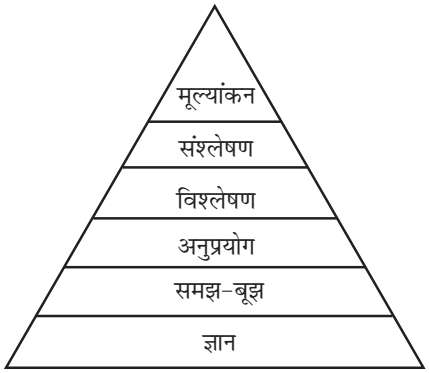

संज्ञानात्मक सम्प्राप्ति के स्तर

105. (d) स्किनर ने चूहों पर, थार्नडाइक ने बिल्लियों पर तथा कोह्लर ने वनमानुषों पर प्रयोग किए। अपने प्रयोगों के आधार पर उसने निष्कर्ष निकाला कि जीव सम्पूर्ण वातावरण का प्रत्यक्षीकरण करता है तथा इसके आधार पर उसमें सूझ उत्पन्न होती है, इससे वह अपनी समस्या का समाधान करना सीख लेता है।

106. (d) सीखने की प्रक्रिया जब स्थिर हो जाए तो इसे अधिगम पठार कहा जाता है। इसके कारण हैं:-

- ज्ञान की सीमा
- उत्साह की सीमा
- सीखने की अनुचित विधि
- कार्य की जटिलता
- शारीरिक क्रिया की सीमा

107. (a) 'The Behaviour of organisms' के लेखक B. F. Skinner हैं। उन्होंने क्रिया प्रसूत सिद्वांत प्रस्तुत दिया। इसके अनुसार, अभिप्रेरण से उत्पन्न क्रियाशीलन ही सीखने के लिए उत्तरदायी है।

108. (a) लक्ष्य प्रवणता के प्रत्यय को क्लार्क हल ने प्रस्तुत किया था। हल द्वारा प्रस्तुत तार्किक निगमनात्मक को सीखने की विधि भी कहा जाता है।

109. (d) निम्नलिखित शिक्षण अधिगम के स्तर हैं :-

- स्मृति स्तर
- अवबोध स्तर
- परावर्ती स्तर

110. (c) डा. मेस का कथन है- स्मृति का स्थान मस्तिष्क में नहीं है, वरन् शरीर के अवयवों में होता है। इसलिए हम करके सीखते हैं।

111. (b) जब कोई बालक काली गाय, काला कुत्ता, तथा काली वस्तु को देखकर डरता है तो यह अनुबंधन उद्दीपक सामान्यीकरण होगा। पावलोव के अनुसार, उद्दीपन अनुक्रिया के बीच साहचर्य स्थापित होना ही अनुबंधन है।

112. (c) गिलफोर्ड के अनुसार- व्यवहार के कारण व्यवहार में आया कोई परिवर्तन भी परिवर्तन अधिगम है। सीखना एक प्रकार का व्यवहार संशोधन है।

113. (b) स्किनर बॉक्स का प्रयोग प्रसूत अनुबंधन के लिए किया जाता है। स्किनर ने अधिगम से संबंधित अपने क्रिया प्रसूत अनुबंधन के सिद्धांत के प्रयोग के लिए एक विशेष बॉक्स बनाया जिसे स्किनर बॉक्स कहा जाता है। उन्होंने यह प्रयोग चूहे के साथ किया था।

114. (d) कक्षा में सृजनात्मक और प्रतिभाशाली बच्चों के लिए आवश्यक हस्तक्षेप शिक्षक द्वारा अनुकूलित और प्रेरक निर्देशन तरीको के उपयोग पर निर्भर करता है।
115. (c) अभिसरण उत्तरों वाले प्रश्न पूछना शिक्षक द्वारा कक्षा में बच्चों के लिए समस्या हल करने के तरीके का वर्णन नहीं कर सकता।
116. (c) स्कूली शिक्षक के सामने व्यक्ति के जीवन को संवारने की भारी जिम्मेदारी होती है। बचपन से ही शिक्षक बच्चों में आत्मविश्वास पैदा कर उन्हें कल्पनाशील और सृजनशील बना सकते हैं। दिये गये विकल्प में शिक्षक की भूमिका का सबसे अच्छा वर्णन आराम के लिए जगह बनाना, जहां बच्चे संवाद और पूछताछ के माध्यम से सीखते हैं, करता है।
117. (c) सार्वभौमिक संरचना एक ऐसा दृष्टिकोण है जो कि संसार के सभी देशों तथा उनके निवासियों को एक समान देखता हो। जब शिक्षक सरलता से बच्चों को शिक्षा दे पाने में सक्षम होते हैं, तो शिक्षण अधिगम सामग्रियों का विशेष महत्त्व होता है। इन्हीं सामग्रियों के सहारे बच्चे सीखने में सफल होते हैं।
118. (c) पहले से सीखे हुए कामों में सुधार लाने के लिए शिक्षक बच्चों को प्रदर्शन देकर वह शिक्षक की प्रतिरूपण विधि का प्रयोग कर रहा है। प्रतिरूपण का अर्थ होता है किसी अन्य व्यक्ति के व्यवहार की नकल करना। शिक्षक बच्चों के प्रदर्शन की देखकर वे बच्चों की नकल करके उन्हें सीखाने का प्रयास करेंगे।
119. (d) बहु-संवेदी उपागम में शिक्षण के दृश्य, श्रव्य तथा क्रियात्मक पक्षों को सम्मिलित किया जाता है। बच्चों को सीखने में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के लिए बहु-संवेदी तकनीक का प्रयोग किया जाता है। इसमें छात्रों के कमजोरियों को पहचान कर उसे सीखने के लिए प्रोत्साहित करती हैं, बहु-संवेदी शिक्षण-अधिगम की प्रविधि में अधिगम संवर्धन हेतु दृश्य, श्रव्य स्पर्श और गतिबोधक संवेदनाओं का एक साथ प्रयोग किया जाता है।
120. (c) वाक्यांश- 'एक हाथ में छः एवं दूसरे हाथ में आधा दर्जन' उपागम द्वंद्व को इंगित करता है। दो समान रूप से आकर्षी एवं अनुकूल किन्तु परस्पर विरोधी प्रतीत होने वाले लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एक साथ अभिप्रेरित होने की स्थिति द्वंद्व कहलाती है।
121. (c) (I) प्रतिभाशाली - शीघ्रता से एवं स्वतंत्र रूप से सीखने की योग्यता
(II) अधिगम अशक्तता - धारा प्रवाह पढ़ने में कमी
(III) सृजनात्मकता - मूल समाधानों के बारे में सोच सकना
(IV) अवधान कमी - आसानी से विचलित होने की आदत
अतिसक्रियता
व्यतिक्रम
122. (a) • पठन-अक्षमता अधिगमकर्त्ता - धारा प्रवाह पढ़ने एवं लिखने में कमी।
• सृजनात्मक अधिगमकर्त्ता - अध्ययन में सर्जनात्मक गतिविधि में तीव्रता
• अवधानात्मक कमी अधिगमकर्त्ता - लम्बे समय तक अवधान (attention) बनाए रखने में असक्षम
• श्रव्य क्षतिग्रस्त अधिगमकर्त्ता - सुनने की क्षमता में ह्रास के कारण सूचनाओं को न समझ पाना
123. (b) सृजनात्मक बच्चे किसी प्रश्न को मूल तथा अपसारी समाधान के द्वारा हल करते हैं। सृजनात्मकता वह मानवीय योग्यता है जिसके द्वारा वह नवीन रचना या विचारों को प्रस्तुत करता है। गिलफोर्ड के शब्दों में, "सृजनात्मक वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा कुछ नया निर्मित होता है - विचार, वस्तु जिसमें पुराने तत्वों को नवीन तरीके से व्यवस्थित किया जाता है, नवीन सृजन किसी समस्या का समाधान प्रस्तुत करता हो। अपसारी समाधान सृजनात्मक द्वारा ही संचालित होता है।"
124. (a) किसी विषय-वस्तु को दोहराना एवं स्मरण करना अधिगम की सार्थक प्रविधि नहीं है। इससे बेहतर होगा एक समस्या पर अनेक तरीकों से विचार करना तथा उसके समाधान हेतु बच्चों को प्रोत्साहित करना।
125. (c) लक्ष्य एवं समय-सारणी निर्धारित करना, संगठनात्मक चार्टों एवं अवधारणात्मक मानचित्रण, उदाहरण एवं गैर-उदाहरणों के बारे में सोचना, हम उम्र साथी को समझाना तथा खुद से प्रश्न करना इत्यादि प्रभावी अधिगम रणनीतियों के उदाहरण हैं।
126. (d) बच्चों द्वारा की जाने वाली त्रुटियाँ और भ्रांत धारणाएं शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम है। बच्चा प्रारंभ में गलतियाँ करता है और धीरे-धीरे गलतियाँ कम होती जाती हैं और अंत में अपने प्रयास में सफलता प्राप्त करता है।
127. (c) अधिगम का विकास से सीधा संबंध है। जन्म से ही मनुष्य सीखना प्रारंभ कर देता है और जीवन पर्यंत सीखता रहता है। जैसे-जैसे आयु बढ़ती जाती है, मनुष्य अपने अनुभवों के साथ-साथ व्यवहारों में भी परिवर्तन तथा परिमार्जन करता है।

EBD_7907

अभ्यास - 2

1. 'द कंडिशंस ऑफ लर्निंग' पुस्तक के रचयिता है-
(a) गैने (b) पावलाव
(c) थार्नडाइक (d) स्किनर

2. गैने की अधिगम श्रृंखला में सोपान है-
(a) 7 (b) 8
(c) 9 (d) 10

3. मूल प्रवृत्तियों को जन्मजात प्रवृत्तियाँ मानने वाले मनोवैज्ञानिक है-
(a) ड्रेवर (b) मैक्डूगल
(c) फ्रायड (d) रूसो

4. मैक्डूगल के अनुसार कुल मूल प्रवृत्तियाँ होती हैं-
(a) 14 (b) 15
(c) 16 (d) 12

5. 'पलायन' नामक मूल प्रवृत्ति से जुड़ा संवेग है-
(a) भय (b) क्रोध
(c) घृणा (d) विषाद

6. संवेगों की विशेषता है-
(a) व्यापकता (b) शारीरिक परिवर्तन
(c) वैयक्तिकता (d) उपरोक्त सभी

7. किशोरावस्था में कौन-सी मूलप्रवृत्ति जीवन में उथल-पुथल मचाती है?
(a) जिज्ञासा (b) काम
(c) सामूहिकता (d) संग्रह

8. सीखने के उद्दीपक अनुक्रिया सिद्धान्त के प्रतिपादक कौन है?
(a) थार्नडाइक (b) पैवलाव
(c) स्किनर (d) कोह्लर

9. शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का सबसे अधिक मुख्य अंग कौन-सा है-
(a) शिक्षक (b) शिक्षार्थी
(c) शिक्षणविधि (d) इनमें से कोई नहीं

10. शिक्षा मनोविज्ञान का क्या महत्त्व है?
(a) खेल द्वारा शिक्षा देने का महत्त्व
(b) बालक की वैयक्तिक विभिन्नताओं को जानना व शैक्षिक समस्याओं को सुलझाने में मदद
(c) महाविद्यालय में शान्ति स्थापित करने में मदद
(d) अध्ययनकाल समाप्त होने पर रोजगार दिलाने में महत्त्व

11. शिक्षक के लिए मनोविज्ञान का क्या महत्त्व है?
(a) दण्ड देने में सरलता होती है
(b) कापियां नहीं जांचनी पड़तीं
(c) बालकों के व्यक्तित्व का पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर, शिक्षा
(d) बालक के घर का पता आसानी से चल जाता है

12. शिक्षा की दृष्टि से बालक की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता क्या है?
(a) बालकों के साथ मनोवैज्ञानिक व्यवहार की आवश्यकता
(b) सह-शिक्षा (Co-education) की आवश्यकता
(c) अच्छे भोजन की आवश्यकता
(d) अच्छी पोशाकों की आवश्यकता।

13. शिक्षा को मनोवैज्ञानिक आधार की आवश्यकता क्यों है?
(a) शिक्षा के राष्ट्रीयकरण के लिए
(b) अच्छी पाठ्यपुस्तकों के निर्माण के लिए
(c) अनुशासनहीनता की समस्याओं को दूर करने के लिए
(d) बालक के आन्तरिक व बाहरी गुणों का पता लगाने तथा शैक्षिक समस्याओं के समाधान

14. शिक्षा क्या है?
(a) शिक्षा अध्यापक द्वारा मिलती है
(b) शिक्षा पुस्तकों में होती है
(c) शिक्षा जीवन पर्यन्त होने वाला अनुभव व ज्ञान है
(d) शिक्षा धन कमाने की एक उपयुक्त प्रक्रिया है

15. मनोविज्ञान क्या है?
(a) मनोविज्ञान एक वस्तु है
(b) मनोविज्ञान एक नवीन ज्ञान है
(c) मनोविज्ञान मानव इतिहास का विज्ञान है
(d) मनोविज्ञान मानव व्यवहार का विज्ञान है

16. शिक्षा मनोविज्ञान क्या है?
(a) शिक्षा मनोविज्ञान आत्मा का विज्ञान है
(b) शिक्षा मनोविज्ञान शैक्षिक परिस्थितियों का मनोवैज्ञानिक दृष्टि से अध्ययन है
(c) शिक्षा मनोविज्ञान विद्यार्थी के मन व आचरण का अध्ययन है
(d) शिक्षा मनोविज्ञान एक अच्छा विषय है

17. शिक्षा मनोविज्ञान का अध्ययन-क्षेत्र क्या है?
(a) शिक्षा के दोषों का पता लगाना।
(b) अध्यापकों की वेतन-वृद्धि कराना।
(c) शिक्षण संस्थाओं का अध्ययन करना
(d) शिक्षार्थी की क्रियाओं, शिक्षण विधियों एवं शिक्षण समस्याओं का अध्यन करना।

18. मनोविज्ञान की परिभाषाएँ समय-समय पर भिन्न-भिन्न दी गई हैं। उन्हें सही क्रम में व्यवस्थित करें-
1. चेतना का विज्ञान
2. आत्मा का विज्ञान
3. व्यवहार का विज्ञान
4. मन का विज्ञान
(a) 2, 4, 1, 3 (b) 1, 2, 3, 4
(c) 3, 1, 4, 2 (d) 1, 3, 2, 4

19. प्राचीन भारतीय मनोविज्ञान में मूल रूप से किसका अध्ययन किया गया है?
(a) इन्द्रियों का (b) मन का
(c) आत्मा का (d) अन्त:करण का

20. मनोविज्ञान को दर्शन से सर्वप्रथम किसने अलग किया?
(a) विलियम जेम्स (b) वुण्ट
(c) थार्नडाइक (d) मैक्ड्रगल

21. पाश्चात्य देशों में मनोविज्ञान प्रयोगशाला सर्वप्रथम स्थापित की थी-
(a) वुण्ट (b) जेम्स
(c) जेम्स सली (d) जुंग

22. शिक्षा के क्षेत्र में मनोवैज्ञानिक तथ्यों का विधिवत् प्रयोग सर्वप्रथम किसने शुरू किया-
(a) वैदिक कालीन गुरु (b) प्लेटो ने
(c) पेस्टालाजी (d) हरबर्ट

23. शिक्षा मनोविज्ञान का जनक किसे माना जाता है?
(a) पेस्टालॉजी (b) हरबर्ट
(c) फ्रोबेल (d) विलियम जेम्स

24. शिक्षा मनोविज्ञान का अध्ययन सबसे अधिक उपयोग किनके लिये है?
(a) शिक्षा आयोजकों (b) शिक्षा प्रशासकों
(c) शिक्षकों (d) अभिभावकों

25. मनोविज्ञान में मनोविश्लेषणवाद विधि का प्रमुख प्रतिपादक कौन था?
(a) विलियम जेम्स (b) वुण्ट
(c) फैचनर (d) फ्रायड

26. शिक्षा तकनीकी का मुख्य रूप है-
(a) अभिक्रमित अनुदेशन (b) शिक्षण तकनीकी
(c) व्यवहार तकनीकी (d) उपरोक्त सभी

27. शिक्षण का मुख्य तत्त्व माना है-
(a) पाठ्यवस्तु (b) सम्प्रेषण
(c) दोनों (d) कोई नहीं

28. अनुदेशात्मक प्रारूप को कहते हैं-
(a) प्रणाली विश्लेषण (b) प्रशिक्षण तकनीकी
(c) पृष्ठपोषण तकनीकी (d) उपरोक्त सभी

29. अभिक्रमित अनुदेशन का विकास किया-
(a) बी. एफ. स्किनर (b) नार्मन ए. काउडर
(c) थामस गिलबर्ट (d) उपरोक्त सभी

30. पाठ्यवस्तु के प्रस्तुतिकरण का स्तर होता है-
(a) स्मृति स्तर (b) बोध स्तर
(c) चिन्तर स्तर (d) उपरोक्त सभी

31. शिक्षण की मुख्य अवस्था होती है-
(a) अन्तिम क्रियाएँ (b) अन्त:प्रक्रिया
(c) पूर्व क्रियाएँ (d) उपरोक्त सभी

32. शिक्षण प्रतिमान का मूल तत्त्व है-
(a) स्वरूप (b) लक्ष्य
(c) सामाजिक प्रणाली (d) उपरोक्त सभी

33. बुनियादी शिक्षण प्रतिमान का विकास किया
(a) जीन पियाजे (b) बी. एफ. स्किनर
(c) राबर्ट ग्लैसर (d) गार्डन

34. शिक्षण के मुख्य चर हैं-
(a) छात्र (b) पाठ्यवस्तु
(c) शिक्षक (d) उपरोक्त सभी

35. सक्रिय अनुबद्ध अनुक्रिया को दिया-
(a) थार्नडाइक (b) बी. एफ. स्किनर
(c) फ्रायड (d) हल ने

36. शिक्षण सिद्धान्त का अधिनियम है-
(a) क्रियाशीलता (b) प्रत्यक्षीकरण
(c) अभ्यास (d) उपरोक्त सभी

37. छात्रों की बुद्धि की भूमिका नगण्य होती है-
(a) बोध स्तर पर (b) चिन्तर स्तर पर
(c) स्मृति स्तर पर (d) सभी में।

38. सृजनात्मक शिक्षण का व्यवस्था की जाती है-
(a) स्मृति स्तर पर (b) बोध स्तर पर
(c) चिन्तन स्तर पर (d) सभी में

39. बोध स्तर के शिक्षण का विकास किया-
(a) कूर्ट लेविन (b) हरबर्ट
(c) मौरीसन (d) हण्ट

40. चिन्तन शिक्षण स्तर का विकास किया
(a) जान डीवी. (b) कूर्ट लेविन
(c) हल्ट (d) मौरीसन

41. अधिक अर्थपूर्ण शिक्षण का स्तर है-
(a) बोध स्तर (b) स्मृति स्तर
(c) चिन्तन स्तर (d) उपरोक्त सभी

42. समस्यात्मक परिस्थितियों का प्रयोग किया जाता है-
(a) स्मृति स्तर (b) चिन्तन स्तर
(c) बोध स्तर (d) सभी में

43. शिक्षा के उद्देश्यों का वर्गीकरण किया-
(a) रॉबर्ट मेगर (b) रॉबर्ट मिलर
(c) बी. एस. ब्लूम (d) बी. ओ. स्मिथ

44. 'शिक्षा के उद्देश्यों का वर्गीकरण किया गया है-
(a) ज्ञानात्मक पक्ष (b) भावात्मक पक्ष
(c) क्रियात्मक पक्ष (d) उपरोक्त सभी

45. शिक्षा के उद्देश्यों को मुख्य रूप से विकसित किया है-
(a) जॉन डीवी (b) वी.ओ. स्मिथ
(c) बी.एस. ब्लूम (d) रॉबर्ट मेगर ने

46. रॉबर्ट मेगर विधि का प्रयोग किया जाता है-
(a) भावात्मक उद्देश्यों में (b) ज्ञानात्मक उद्देश्यों में
(c) उपरोक्त दोनों में (d) उपरोक्त किसी में भी

47. अभिप्रेरणा एक प्रत्यय है-
(a) मनोसामाजिक (b) मनोशारीरिक
(c) सामाजिक (d) मनोवैज्ञानिक

48. सीखने की खेल विधि उपयोगी है-
(a) बाल्यावस्था हेतु (b) पूर्व-शैशवावस्था हेतु
(c) युवावस्था हेतु (d) परिपक्वावस्था हेतु

49. अन्तर्दृष्टि सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं-
(a) कोह्लर (b) थार्नडाइक
(c) स्किनर (d) पैवलाव

50. शिक्षा का महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है
(a) ज्ञानात्मक उद्देश्य (b) भावात्मक उद्देश्य
(c) क्रियात्मक उद्देश्य (d) ये सभी

51. निम्न में से कौन-सा कथन शिक्षण के बारे में सत्य नहीं है?
(a) शिक्षण में सुधार किया जा सकता है
(b) शिक्षण औपचारिक एवं अनौपचारिक है
(c) शिक्षण विज्ञान के साथ-साथ कला भी है
(d) शिक्षण अनुवेशन है

52. आप एक कक्षा में शिक्षक के तौर पर छात्रों को प्रेरित करते हैं
I. निर्देश निर्धारित कर
II. श्यामपट्ट का प्रयोग कर
III. दृष्टान्त/उदाहरण के द्वारा
IV. छात्रों की सक्रिय भागीदारी द्वारा
(a) I, II, III (b) I, IV
(c) II, IV (d) ये सभी

53. निम्न में से क्या एक शिक्षण की विशेषता नहीं है?
(a) शिक्षण, शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने का साधन है
(b) शिक्षण कला तथा विज्ञान दोनों है
(c) शिक्षण एवं प्रयोगात्मक मनोविज्ञान नहीं है
(d) शिक्षण, शिक्षक तथा शिक्षार्थियों के बीच की कड़ी है

54. शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया में बच्चों के ज्ञानार्जन का मुख्य तरीका है
(a) करके सीखना
(b) अनुभव द्वारा अधिगम
(c) अनुकरण द्वारा अधिगम
(d) ये सभी

55. शिक्षण के क्रियात्मक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम में किस पर जोर दिया जाता है?
(a) सिद्धान्त एवं अवधारणा
(b) क्रिया एवं प्रयोग
(c) विद्यालय प्रबन्धन
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

56. शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में व्यक्तिगत रूप से ध्यान देना महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि
(a) बच्चों की विकास दर भिन्न होती है और वे भिन्न तरीकों से सीख सकते हैं
(b) शिक्षार्थी हमेशा समूहों में ही बेहतर सीखते हैं
(c) शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में ऐसा ही बताया गया है
(d) इससे प्रत्येक शिक्षार्थी को अनुशासित करने के लिए शिक्षकों को बेहतर अवसर मिलते हैं

57. 'गतिविधि आधारित शिक्षण' ..... पर बल देता है।
(a) अनुशासित कक्षा
(b) सुनिश्चित समय-अवधि में गतिविधि पूरा करना
(c) सभी विद्यार्थियों द्वारा सक्रिय भागीदारिता
(d) गतिविधि के समाप्त होने के बाद परीक्षा लेना

58. एक अच्छा अध्यापक विद्यार्थियों के मध्य बढ़ावा देता है
(a) प्रतियोगिता की भावना को
(b) सहयोग की भावना को
(c) प्रतिद्वन्द्विता की भावना को
(d) तटस्थता की भावना को

59. कठोर शिल्प उपागम को माना जाता है
(a) श्रव्य सामग्री (b) मशीन प्रणाली
(c) (a) व (b) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

60. शिक्षा के उद्देश्यों का वर्गीकरण किया
(a) रॉबर्ट मेंगर ने (b) रॉबर्ट मिलर ने
(c) बी. एस. ब्लूम ने (d) बी. ओ. स्मिथ ने

61. 'शिक्षण एक त्रिध्रुवीय प्रक्रिया है' कहा थ
(a) रॉयर्बन ने (b) बी एस ब्लूम
(c) बी. ओ. स्मिथ ने (d) इनमें से कोई नहीं

62. अभिक्रमित अध्ययन की विशेषताएँ हैं
(a) वैयक्तिक भिन्नताओं के सिद्धान्तों पर आधारित
(b) अध्यापक की आवश्यकता नहीं
(c) (a) व (b) दोनों
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

63. शिक्षण अधिगम के अन्तर्गत शिक्षक का प्रमुख कार्य है
(a) बालक को सीखने के लिए अभिप्रेरित करना
(b) बालक को पढ़ाना
(c) बालक को खेलने से रोककर उसे अध्ययन में लगाना
(d) बालक को केवल पाठ्य-पुस्तक से पढ़ने के लिए प्रेरित करना

64. शिक्षण प्रक्रिया में विद्यार्थी ..... चर के रूप में कार्य करते हैं।
(a) स्वतन्त्र (b) आश्रित
(c) मध्यस्थ (d) स्वतन्त्र एवं आश्रित

65. शिक्षक को ज्ञान होना चाहिए
(a) अध्यापक विषय का
(b) बाल मनोविज्ञान का
(c) शिक्षण संहिता का
(d) अध्यापन विषय एवं बाल-मनोविज्ञान का

66. शैक्षिक रेडियो की विशेषता है
(a) सरल रूप में पहुँच (b) अधिगम की सरलता
(c) विस्तृत क्षेत्र (d) ये सभी

67. सूक्ष्म-शिक्षण का विकास किया
(a) बी. एफ. स्किनर ने (b) बी. एम. ब्लूम ने
(c) डी. डब्ल्यू. एलेन ने (d) इनमें से कोई नहीं

68. सूक्ष्म शिक्षण का उपयोग करते हैं
(a) पृष्ठपोषण के लिए (b) प्रशिक्षण में
(c) शिक्षण कौशल में (d) ये सभी

69. आप एक कक्षा में शिक्षक के तौर पर छात्रों को प्रेरित करते हैं
I. निर्देश निर्धारित कर
II. श्यामपट्ट का प्रयोग कर
III. दृष्टान्त/उदाहरण के द्वारा
IV. छात्रों की सक्रिय भागीदारी द्वारा
(a) I, II, III (b) I, IV
(c) II, IV (d) ये सभी

70. शिक्षण-अधिगम की प्रक्रिया में बच्चों के ज्ञानार्जन का मुख्य तरीका है
(a) करके सीखना
(b) अनुभव द्वारा अधिगम
(c) अनुकरण द्वारा अधिगम
(d) ये सभी

71. शिक्षा का महत्त्वपूर्ण उद्देश्य है
(a) ज्ञानात्मक उद्देश्य (b) भावात्मक उद्देश्य
(c) क्रियात्मक उद्देश्य (d) ये सभी

72. शिक्षण के क्रियात्मक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम में किस पर जोर दिया जाता है?
(a) सिद्धांत एवं अवधारणा
(b) क्रिया एवं प्रयोग
(c) विद्यालय प्रबंधन
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

73. एक शिक्षक को बच्चों को सिखाते समय निम्नलिखित में से किस पर ध्यान देना चाहिए?
I. कक्षा के आकार
II. शिक्षण पद्धति एवं निर्देशन
III. बालकों के वर्गीकरण पर
(a) केवल I (b) I एवं III
(c) II एवं III (d) ये सभी

74. शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में व्यक्तिगत रूप से ध्यान देना महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि
(a) बच्चों की विकास दर भिन्न होती है और वे भिन्न तरीकों से सीख सकते हैं
(b) शिक्षार्थी हमेशा समूहों में ही बेहतर सीखते हैं
(c) शिक्षक प्रशिक्षक कार्यक्रमों में ऐसा ही बताया गया है
(d) इससे प्रत्येक शिक्षार्थी को अनुशासित करने के लिए शिक्षकों को बेहतर अवसर मिलते हैं

75. अनुकरणीय शिक्षण प्रविधि को माना जाता है
(a) कौशल (b) नाटकीय प्रविधि
(c) खेल विधि (d) इनमें से कोई नहीं

76. शिक्षण अधिगम के अंतर्गत शिक्षक का प्रमुख कार्य है
(a) बालक को सीखने के लिए अभिप्रेरित करना
(b) बालक को पढ़ाना
(c) बालक को खेलने से रोककर उसे अध्ययन में लगाना
(d) बालक को केवल पाठ्य-पुस्तक से पढ़ने के लिए प्रेरित करना

77. शैक्षिक रेडियो की विशेषता है
(a) सरल रूप में पहुँच (b) अधिगम की सरलता
(c) विस्तृत क्षेत्र (d) ये सभी

78. कठोर शिल्प उपागम को माना जाता है
(a) श्रव्य सामग्री (b) मशीन प्रणाली
(c) (a) व (b) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

79. शिक्षा के उद्देश्यों को वर्गीकरण किया
(a) रॉबर्ट मेंगर ने (b) रॉबर्ट मिलर ने
(c) बी. एस. ब्लूम ने (d) बी. ओ. स्मिथ ने

80. सूक्ष्म-शिक्षण का विकास किया
(a) बी. एफ. स्किनर ने (b) बी. एम. ब्लूम ने
(c) डी. डब्ल्यू. एलेन ने (d) इनमें से कोई नहीं

81. 'शिक्षण एक त्रिध्रुवीय प्रक्रिया है' कहा था
(a) रॉयबर्न ने (b) बी. एस. ब्लूम ने
(c) बी. ओ. स्मिथ ने (d) इनमें से कोई नहीं

82. अभिक्रमित अध्ययन की विशेषताएँ हैं
(a) वैयक्तिक भिन्नताओं के सिद्धांतों पर आधारित
(b) अध्यापक की आवश्यकता नहीं
(c) (a) व (b) दोनों
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

83. एक परिस्थिति में अर्जित ज्ञान का दूसरी परिस्थिति में उपयोग कहलाता है -
(a) सीखने की विधियाँ (b) सीखने में स्थानांतरण
(c) सीखने में पठार (d) सीखने में रुचि

84. अनुभव द्वारा व्यवहार में परिवर्तन कहलाता है -
(a) स्मृति (b) सीखना
(c) प्रेरणा (d) चिंतन

85. अंतर्दृष्टि (Insight) द्वारा सीखने के सिद्धांत में कोह्लर ने प्रयोग किया था
(a) कुत्ते पर (b) वनमानुषों पर
(c) बिल्ली पर (d) चूहों पर

86. ध्यान को केन्द्रित करने की आन्तरिक दशा है
(a) अवधि (b) नवीनता
(c) रुचि (d) आकार

87. ''शिक्षा के द्वारा मानव व्यवहार में परिवर्तन किया जाता है तथा मानव व्यवहार का अध्ययन ही मनोविज्ञान कहलाता है।'' यह कथन किस मनोवैज्ञानिक का है?
(a) क्रो एंड क्रो का (b) ब्राउन का
(c) किल्फोर्ड का (d) स्किनर का

88. ''मानव व्यवहार एवं अनुभव से सम्बंधित निष्कर्षों का शिक्षा के क्षेत्र में प्रयोग शिक्षा मनोविज्ञान कहलाता है।'' यह कथन किस मनोवैज्ञानिक का है?
(a) ब्राउन का (b) क्रो एंड क्रो का
(c) स्किनर का (d) किल्फोर्ड का

89. ''शिक्षा मनोविज्ञान शैक्षिक विकास की क्रमिक अध्ययन है।'' यह कथन किस मनोवैज्ञानिक का है?
(a) जे. एम. स्टीफन (b) ट्रो
(c) जेम्स ड्रेवर (d) लिंग्रेन

90. ''शिक्षा मनोविज्ञान शैक्षिक परिस्थितियों के मनोविज्ञान पक्षों का अध्ययन है।'' यह कथन किस मनोवैज्ञानिक का है?
(a) जेम्स ड्रेवर (b) ट्रो
(c) लिंग्रेन (d) जे. एम. स्टीफन

91. शिक्षा मनोविज्ञान की औपचारिक आधारशिला कब रखी गयी?
(a) 1890 में (b) 1892 में
(c) 1889 में (d) 1879 में

92. ''शिक्षा मनुष्य की क्षमताओं का स्वाभाविक, प्रगतिशील तथा विरोधहीन विकास है? यह परिभाषा किस मनोवैज्ञानिक की है?
(a) जॉन डीवी की (b) पेस्टॉलोजी की
(c) क्रो एंड क्रो की (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

93. शिक्षा मनोविज्ञान के सन्दर्भ में सर्वाधिक उपयुक्त कथन है-
(a) शिक्षा मनोविज्ञान, दर्शनशास्त्र की एक शाखा है।
(b) शिक्षा मनोविज्ञान, मनोविज्ञान की शिक्षा के क्षेत्र में एक शाखा है।
(c) शिक्षा मनोविज्ञान, मनोवैज्ञानिक अध्ययन एवं शिक्षण है।

94. प्रबलन का सिद्धांत किसने प्रतिपादित किया?
(a) जॉन लोक ने (b) विलियम जेम्स ने
(c) सिगमंड फ्रायड ने (d) स्किनर ने

95. अधिगम के लिए प्रथम शर्त क्या है?
(a) सीखने वाले की अभिप्रेरणा
(b) सीखने वाले का मानसिक स्तर
(c) सीखने वाले की बुद्धि
(d) सीखने वाले की अभिवृत्ति

96. अधिगम के लिए द्वितीय शर्त क्या है?
(a) सीखने वाले का मानसिक स्तर
(b) सीखने वाले का बहु-अनुक्रियाएँ
(c) सीखने वाले की बुद्धि
(d) सीखने वाले की अभिवृत्ति

97. अधिगम के लिए तृतीय शर्त क्या है?
(a) सीखने वाले का मानसिक स्तर
(b) सीखने वाले का बुद्धिलब्धि
(c) सीखने वाले की पुनर्बलन
(d) सीखने वाले का मन

98. अधिगम के लिए चतुर्थ शर्त क्या है?
(a) सीखने वाले का अभ्यास
(b) सीखने वाले का घर का माहौल
(c) सीखने वाले का बुद्धिलब्धि
(d) सीखने वाले का मन

99. ''अधिगम अपेक्षाकृत व्यवहार में स्थायी परिवर्तन है हो अभ्यास अथवा अनुभव के परिणामस्वरूप होता है।'' यह परिभाषा किस वैज्ञानिक ने दी?
(a) गेट्स ने (b) मार्गन ने
(c) वुडवर्थ ने (d) गिल्फोर्ड ने

100. ''अधिगम, आदतों, ज्ञान और अभिवृत्तियों का अर्जन है।'' यह परिभाषा किस वैज्ञानिक ने दी है?
(a) मार्गन ने (b) क्रो एंड क्रो ने
(c) वुडवर्थ ने (d) गिल्फोर्ड ने

101. ''व्यवहार के कारण परिवर्तन अधिगम है।'' यह परिभाषा किस वैज्ञानिक ने दी है?
(a) क्रो एंड क्रो ने (b) मार्गन ने
(c) गिल्फोर्ड ने (d) वुडवर्थ ने

102. ''पूर्व निर्मित व्यवहार में अनुभव द्वारा परिवर्तन ही अधिगम है।'' यह परिभाषा किस वैज्ञानिक ने दी है?
(a) कालविन (b) क्रो एंड क्रो ने
(c) गिल्फोर्ड ने (d) मार्गन ने

103. ''अधिगम व्यक्ति में एक परिवर्तन है जो उसके वातावरण के परिवर्तनों के अनुसरण में होता है।'' यह परिभाषा किस वैज्ञानिक ने दी है?
(a) क्रो एंड क्रो ने (b) गिल्फोर्ड ने
(c) मार्गन ने (d) पील

104. ''प्राणी के व्यवहार में परिवर्तन लाना ही अधिगम का अभिप्राय है।'' यह परिभाषा किस वैज्ञानिक ने दी है?
(a) क्रो एंड क्रो ने (b) एस.एस. चौहान
(c) गिल्फोर्ड ने (d) मार्गन ने

105. निम्नलिखित में से क्रिया प्रसूत अनुबंध का सिद्धांत तथा पुनर्बलन के सिद्धांत के प्रवर्तक कौन है?
(a) बर्कले (b) थोर्नडाइक
(c) स्किनर (d) कोहलर

106. प्रबलन का सिद्धांत किसने प्रस्तुत किया?
(a) सी. एल. हल ने (b) थोर्नडाइक ने
(c) पॉवलोव ने (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

107. टॉलमेन का ''चिह्न अधिगम का सिद्धांत'' अन्य किस नाम से जाना जाता है?
(a) चिह्न गेस्टाल्ट सिद्धांत
(b) चिह्न सार्थकता सिद्धांत या प्रत्याशा सिद्धांत
(c) सप्रयोजन व्यवहारवाद
(d) उपरोक्त सभी

108. निम्नलिखित में से स्टेनले हॉल द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत है?
(a) सप्रयोजन व्यवहारवाद का सिद्धांत
(b) पुनर्बलन का सिद्धांत
(c) पुनरावृति का सिद्धांत
(d) द्वितात्विक सिद्धांत

109. तत्परता तथा कार्य सीखने की गति में निम्नलिखित में से कौन-सा सम्बन्ध होता है?
(a) कार्य सीखने की गति, तत्परता के व्युत्क्रमानुपाती होती है
(b) कार्य सीखने की गतिद्वतत्परता से अप्रभावित रहती है।
(c) कार्य सीखने की गति तथा तत्परता दोनों ही अधिगम के अभिन्न संप्रत्यय है।
(d) कार्य सीखने की गति, तत्परता के समानुपाती होती है।

110. थार्ननाइक के अधिगम नियम में सर्वाधिक प्रधानता किसको है?
(a) तत्परता को (b) अभ्यास को
(c) काम प्रवृति को (d) प्रभाव को

111. ज्ञानात्मक अधिगम, गामक अधिगम संवेदनात्मक अधिगम क्या है?
(a) अधिगम के प्रकार (b) अधिगम की अवस्था
(c) अधिगम की प्रकृति (d) अधिगम स्थानांतरण

112. अधिगम से सम्बंधित बहु प्रतिक्रिया का नियम किस श्रेणी का नियम है?
(a) मुख्य नियम
(b) गौण नियम
(c) मुख्य एवं गौण दोनों प्रकार का
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

113. निम्नलिखित में से किसके द्वारा शिक्षक बालक के व्यवहार में परिवर्तन करता है?
(a) पुनर्बलन द्वारा
(b) प्रशंसा द्वारा
(c) उपरोक्त दोनों के द्वारा
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं।

114. बालकों में अनुशासन की भावना किसके ग्रहण करने से विकसित होती है?
(a) आदर्शो को ग्रहण करने से
(b) महापुरुषों की बातो व आदतों को ग्रहण करने से
(c) उत्तम गुणों को ग्रहण करने से
(d) उपरोक्त सभी से

115. ''नई बातों को सीखना पुरानी बातों में बाधा डालना है तथा पुरानी बातों याद करना नईं बातों को सीखने में बाधा डालना है।'' यह कथन किस महान मनोविज्ञानी है?
(a) फ्रोबेल का (b) फ्रायड का
(c) वुडवर्थ का (d) गिल्फोर्ड का

116. किसी भी अच्छे कार्य के लिए सकारात्मक पुनर्बलन तथा गलत कार्य के लिए नकारात्मक पुनर्बलन देने की व्यवस्था किस सिद्धांत में है?
(a) सम्बन्ध प्रतिक्रिया सिद्धांत में
(b) क्रिया प्रसूत अनुबंध सिद्धांत में
(c) उद्दीपन-अनुक्रिया सिद्धांत में
(d) पुनर्बलन सिद्धांत में

EBD_7907

उत्तरमाला

1	(a)	**13**	(d)	**25**	(d)	**37**	(c)	**49**	(a)	**61**	(a)	**73**	**(d)**	**85**	**(b)**	**97**	(c)	**109**	(d)
2	(b)	**14**	(c)	**26**	(d)	**38**	(c)	**50**	(d)	**62**	(c)	**74**	**(a)**	**86**	**(c)**	**98**	(a)	**110**	(b)
3	(b)	**15**	(d)	**27**	(c)	**39**	(c)	**51**	(d)	**63**	(a)	**75**	**(b)**	**87**	(b)	**99**	(b)	**111**	(a)
4	(c)	**16**	(b)	**28**	(d)	**40**	(c)	**52**	(d)	**64**	(b)	**76**	**(a)**	**88**	(c)	**100**	(b)	**112**	(b)
5	(a)	**17**	(d)	**29**	(d)	**41**	(c)	**53**	(c)	**65**	(d)	**77**	**(d)**	**89**	(a)	**101**	(c)	**113**	(c)
6	(d)	**18**	(a)	**30**	(d)	**42**	(b)	**54**	(d)	**66**	(d)	**78**	**(c)**	**90**	(b)	**102**	(a)	**114**	(d)
7	(b)	**19**	(d)	**31**	(d)	**43**	(c)	**55**	(b)	**67**	(c)	**79**	**(c)**	**91**	(c)	**103**	(d)	**115**	(c)
8	(a)	**20**	(a)	**32**	(d)	**44**	(d)	**56**	(a)	**68**	(d)	**80**	**(c)**	**92**	(b)	**104**	(b)	**116**	(b)
9	(b)	**21**	(a)	**33**	(c)	**45**	(c)	**57**	(c)	**69**	**(d)**	**81**	**(a)**	**93**	(b)	**105**	(c)		
10	(b)	**22**	(a)	**34**	(d)	**46**	(c)	**58**	(b)	**70**	**(d)**	**82**	**(c)**	**94**	(d)	**106**	(a)		
11	(c)	**23**	(a)	**35**	(b)	**47**	(b)	**59**	(c)	**71**	**(d)**	**83**	**(b)**	**95**	(a)	**107**	(d)		
12	(a)	**24**	(c)	**36**	(d)	**48**	(a)	**60**	(c)	**72**	**(b)**	**84**	**(b)**	**96**	(b)	**108**	(c)		

7 अभिप्रेरणा व अधिगम

'अभिप्रेरणा' अंग्रेजी रूपान्तरण Motivation की व्युत्पत्ति Latin भाषा के Motion से हुई है, जिसका अर्थ है, move, motor, motion. इसके अनुसार प्रेरणा में गति होना अनिवार्य है। एक अन्य मनोवैज्ञानिक क्रेच तथा **क्रचफील्ड** के अनुसार, प्रेरणा हमारे 'क्यों' का उत्तर देती है। हम किसी पर स्नेह क्यों रखते हैं? हम सारी-सारी रात क्यों पढ़ते हैं, हमारी प्रत्येक क्रिया के पीछे एक बल कार्य करता है, जिसे हम प्रेरक बल कहते है। यह भी कहा जा सकता है कि प्रेरणा एक बल है जो प्राणी को किसी निश्चित व्यवहार या दिशा में चलने को प्रेरित करता है। मनोवैज्ञानिकों ने इसे निम्न प्रकार परिभाषित किया है-

गुड-"प्रेरणा कार्य को आरम्भ करने, जारी रखने नियमित रखने की प्रक्रिया है।"

स्किनर-"प्रेरणा सीखने के लिये राजमार्ग है"

प्रेरकों का वर्गीकरण

1. आन्तरिक
   व्यक्तिगत
   जैविक
   प्राथमिक
   जन्मजात
   → भूख, प्यास, आराम, नींद, प्यार, क्रोध, सेक्स, मलमूत्र-त्याग आदि

2. बाह्य
   सामाजिक
   मनोवैज्ञानिक
   द्वितीयक
   अर्जित
   → सुरक्षा, प्रदर्शन, जिज्ञासा, सामाजिकता आदि का ज्ञान

प्रेरणा से सम्बन्धित पद

मुख्य रूप से चार पद हैं-

1. **आवश्यकता (Need) :** यह हमारे शरीर की कोई जरुरत या अभाव है जिसके महसूस होने पर हम शारीरिक असंतुलन या तनाव महसूस करते हैं। जैसे- भूख लगने पर रोटी की आवश्यकता, बीमार होने पर दवा की आवश्यकता आदि।
2. **चालक (Drive) :** प्रत्येक आवश्यकता से जुड़ा एक चालक होता है। जैसे-खाने की आवश्यकता से भूख, पानी की आवश्यकता से प्यास।

   डेशिल कहते हैं-चालक शक्ति का वह मौलिक स्रोत है जो व्यक्ति को क्रियाशील कर देता है।
3. **प्रोत्साहन (Incentive) :** प्रोत्साहन वातावरण में उपस्थित वह तत्त्व है जो हमारे चालक को शान्त कर देता है। जैसे-प्यास लगने पर प्राणी पोखर, तालाब आदि का पानी पीकर अपनी प्यास बुझाता है।

आवश्यकता, चालक और प्रोत्साहन इन तीनों में घनिष्ठ सम्बन्ध है। आवश्यकता चालकों को जन्म देती है। चालक एक तनावपूर्ण स्थिति होती है तथा व्यवहार की एक निश्चित दिशा प्रदान करती है।

उद्दीपन द्वारा चालक शान्त होता है।

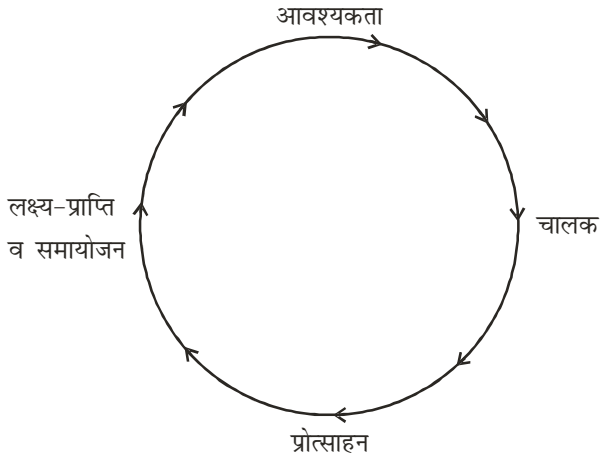

4. **प्रेरक :** प्रेरक इन तीनों का योग होता है, अर्थात्
प्रेरक = आवश्यकता + चालक + प्रोत्साहन

$$M = N + D + I$$

अभिप्रेरणा की विधियाँ

कहा जाता है-

Better motivation better learning प्रभावी अधिगम हेतु अभिप्रेरणा आवश्यक है। कक्षा में छात्र अगर अभिप्रेरित नहीं होगा तो वह अधिगम नहीं कर पायेगा। अतः छात्र को अभिप्रेरित करने हेतु अध्यापक निम्न विधियाँ प्रयुक्त कर सकता है-

1. पुरस्कार व दण्ड देकर
2. प्रशंसा व निन्दा करके
3. सफलता व असफलता द्वारा
4. प्रतियोगिता व सहयोग की भावना द्वारा
5. छात्र को प्रगति का ज्ञान कराकर
6. आकांक्षा के स्तर द्वारा
7. नवीनता का समागम कराकर
8. रुचि जागृत करके
9. आवश्यकता का ज्ञान कराकर
10. कक्षा का वातावरण उचित बनाकर

अभिप्रेरणा देने वाले घटक

जान पी. डिस्को ने अभिप्रेरणा के चार घटकों की विवेचना की है-

1. उत्तेजना (Arousal)
2. आकांक्षा (Expectancy)
3. प्रोत्साहन (Incentive)
4. दण्ड (Punishment)

अभिप्रेरणा के सिद्धान्त

1. मूल प्रवृत्ति का सिद्धान्त- मैक्डूगल, जेम्स, बर्ट
2. सक्रिय सिद्धान्त-मेल्मो, सोलेसबरी, लिंडस्ले
3. चालक सिद्धान्त-आर. एस. वुडवर्थ
4. क्रमिक सिद्धान्त-मैस्लो
5. अभिप्रेरणा स्वास्थ्य सिद्धान्त-फ्रेड्रिक हर्जवर्ग
6. आवश्यकता सिद्धान्त-हेनरी मरे

EBD_7907

इन सभी में प्रसिद्ध एवं प्रचलित सिद्धान्त क्रमिक सिद्धान्त है जिसे मैस्लो ने दिया है। मैस्लो ने अपने इस अभिप्रेरणा सिद्धान्त में आवश्यकताओं के वर्गीकरण तथा क्रम की व्याख्या की है। वे मानते हैं कि मानवीय प्रेरक एक क्रम में निहित होते हैं। ये संख्या में 5 होते हैं। जिस समय विशेष में जो प्रेरक सबसे अधिक उत्तेजना रखता है, वह पूरे व्यवहार पर छा जाता है।

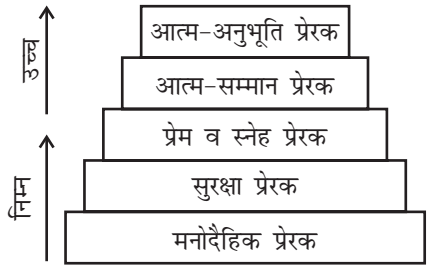

मैसलो ने 5 प्रेरक बताये हैं, वे इस प्रकार हैं-

मैसलो ने प्रथम तीन प्रकार की आवश्यकतायें निम्न व अन्तिम दो को उच्च स्तर का माना है।

अधिगम में योगदान देने वाले व्यक्तिगत व पर्यावरणीय कारक

अधिगम एक व्यापक प्रक्रिया है, इस प्रक्रिया की सफलता केवल प्रभावशाली शिक्षण पर ही नहीं, बल्कि अनेक कारकों पर भी निर्भर करती है। इन कारकों को हम मुख्य रूप से पांच भागों में बांट सकते हैं-

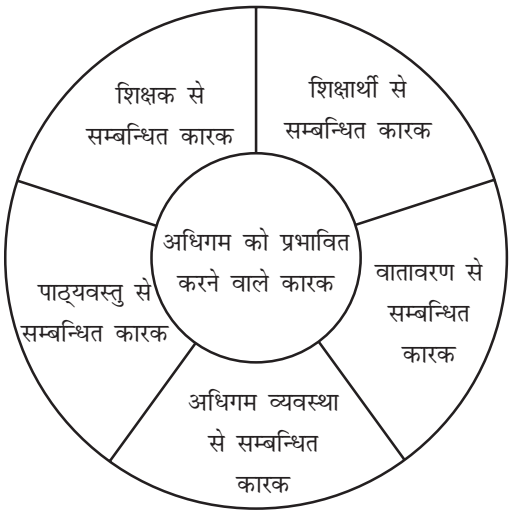

1. अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक

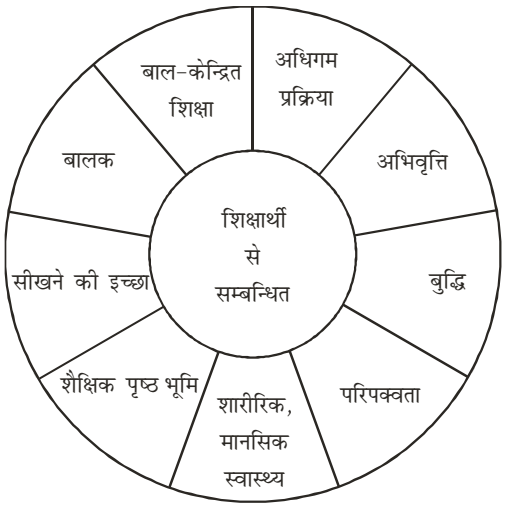

EBD_7907

2. शिक्षार्थी से सम्बन्धित कारक

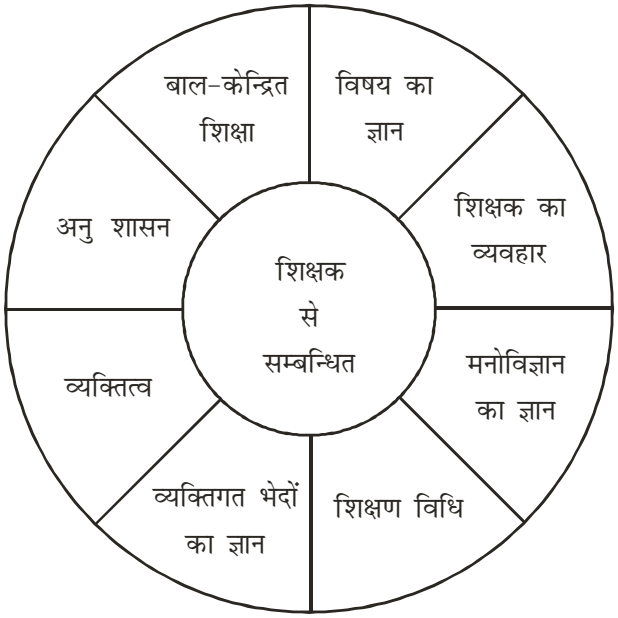

3. शिक्षक से सम्बन्धित कारक

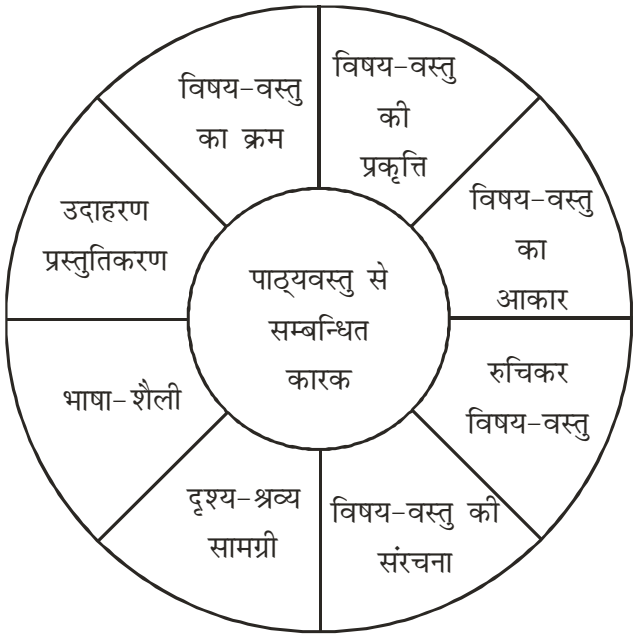

4. अधिगम व्यवस्था से सम्बन्धित कारक

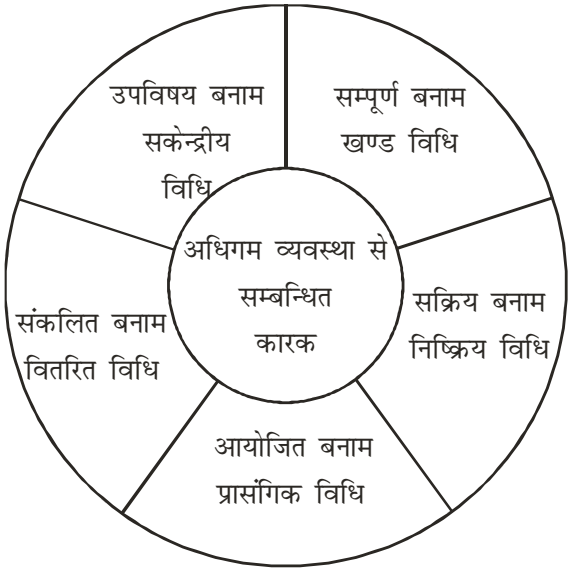

5. वातावरण से सम्बन्धित कारक

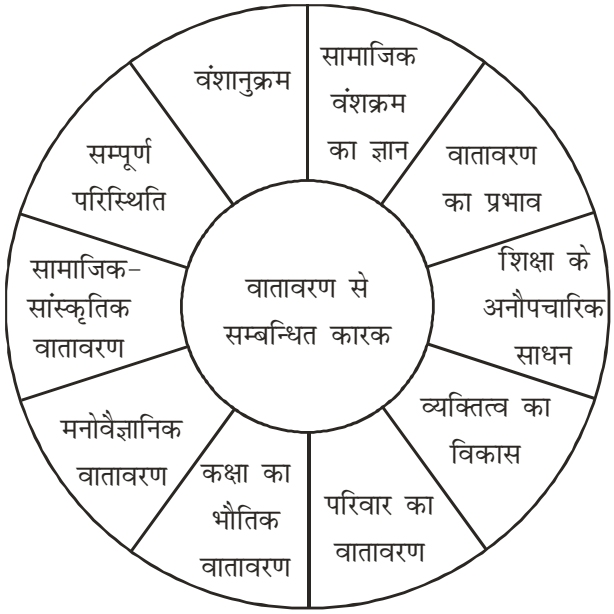

इस प्रकार ये सभी कारक अधिगम को प्रभावित करते हैं।

EBD_7907

अभ्यास-1 : विगत वर्षों के CTET एवं STET के प्रश्न

1. सीखने की प्रक्रिया में, अभिप्रेरणा- *[CTET-2011-I]*
(a) शिक्षार्थियों को एक दिशा में सोचने के योग्य बनाती है
(b) शिक्षार्थियों में सीखने के प्रति रुचि का विकास
(c) शिक्षार्थियों की स्मरण-शक्ति को पैना बनाती है
(d) पिछले सीखे हुए को नए अधिगम से अलग करती है

2. 'एक बच्चा अतीत की समान परिस्थिति में की गई अनुक्रियाओं के आधार पर नई स्थिति के प्रति अनुक्रिया करता है.' यह किससे सम्बंधित है?*[CTET-2011-I]*
(a) सीखने की प्रक्रिया का 'अभिवृत्ति-नियम'
(b) सीखने का 'तत्परता-नियम'
(c) सीखने का 'सादृश्यता-नियम'
(d) सीखने का 'प्रभाव-नियम'

3. ..... को एक अभिप्रेरित शिक्षण का संकेतक माना जाता है। *[CTET-2011-I]*
(a) विद्यार्थियों द्वारा प्रश्न पूछने
(b) कक्षा में एकदम खामोशी
(c) कक्षा में अधिकतम उपस्थिति
(d) शिक्षक द्वारा दिया गया उपचारात्मक कार्य

4. सीखने का वह सिद्धांत जो पूर्ण रूप से और केवल 'अवलोकनीय व्यवहार' पर आधारित है, सीखने के... .....सिद्धान्त से सम्बद्ध है। *[CTET-2011-II]*
(a) रचनावादी (b) संज्ञानवादी
(c) विकासवादी (d) व्यवहारवादी

5. निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता आंतरिक रूप से अभिप्रेरित बच्चों के लिए सही नहीं है? *[CTET-2011-II]*
(a) वे चुनौती भरे कार्यों को पसंद करते हैं
(b) ये हमेशा सफल होते हैं
(c) उन्हें कार्य करने में आनंद आता है
(d) वे कार्य करते समय उच्च स्तर की ऊर्जा प्रदर्शित करते हैं

6. सामान्य परिपक्वन से पहले प्रशिक्षित करना प्राय- *[RTET-2011-I]*
(a) सामान्य कौशलों के निस्पादन के संदर्भ में बहुत लाभकारी होता है
(b) कुल मिलाकर हानिकारक होता है
(c) दीर्घकालिक दृष्टि से लाभकारी होता है
(d) लाभकारी हो या हानिकारक, यह इस पर निर्भर करता है कि प्रशिक्षण में किस प्रकार की विधि का प्रयोग किया गया है।

7. निम्न में से कौन-सा कथन अभिप्रेरणा एक प्रक्रिया के सन्दर्भ में उपयुक्त नहीं है? *[RTET-2011-I]*
(a) यह व्यक्ति को लक्ष्य की ओर ले जाता है
(b) यह व्यक्ति की शारीरिक आवश्यकताओं की संतुष्टि करता है
(c) यह मनोवैज्ञानिक आकांक्षा को प्राप्त करने में सहायता करता है
(d) यह व्यक्ति को अप्रिय स्थिति से दूर रखता है।

8. उपलब्धि अभिप्रेरक के सम्बन्ध में निम्न में से कौन-सा कथन सही है? *[RTET-2011-I]*
(a) उपलब्धि अभिप्रेरक जीवित रहने के लिए आवश्यक है
(b) यदि व्यक्तिगत क्षमताओं की सन्तुष्टि महत्त्वपूर्ण है तो उपलब्धि अभिप्रेरक को विकास प्रेरक कहा जा सकता है
(c) यदि व्यक्तियों के मध्य प्रतियोगिता पर बल है, तो उपलब्धि अभिप्रेरक को सामाजिक अभिप्रेरक कहा जा सकता है
(d) इनमें से सभी।

9. प्राथमिक विद्यालयों के बालकों के लिए निम्न में किसे बेहतर मानते हैं? *[RTET-2011-I]*
(a) वीडियो अनुरूपण
(b) प्रदर्शन
(c) स्वयं के द्वारा किया गया अनुभव
(d) इनमें से सभी।

10. एक कॉलेज जाने वाली लड़की ने फर्श पर कोट फेंकने की आदत डाल ली है। लड़की की माँ ने उससे कहा कि कमरे से बाहर जाओ और कोट को खूँटी पर टाँगो। लड़की अगली बार घर में प्रवेश करती है, कोट को हाथ पर रख कर आलमारी की तरफ जा कर कोट को खूँटी पर टाँग देती है। यह उदाहरण है- *[RTET-2011-II]*
(a) शृंखलागत अधिगम का
(b) उद्दीपन-अनुक्रिया अधिगम का
(c) प्रत्यय अधिगम का
(d) इनमें से सभी।

11. बाह्य अभिप्रेरणा में समावेशित किया जायेगा- *[RTET-2011-II]*

I. प्रशंसा एवं दोषारोपण II. प्रतिद्वन्द्विता
III. पुरस्कार एवं दण्ड IV. परिणाम का ज्ञान
इनमें से-

(a) I और III (b) I, II और III
(c) केवल II (d) इनमें से सभी।

12. अधिगम को प्रभावित करने वाला व्यक्तिगत कारक है- *[RTET-2011-II]*

(a) संचार के साधन (b) समवयस्क समूह
(c) अध्यापक (d) परिपक्वता एवं आयु।

13. अभिवृत्ति है- *[RTET-2011-II]*

(a) एक भावात्मक प्रवृति जो अनुभव के द्वारा संगठित होकर किसी मनोवैज्ञानिक वस्तु के प्रति पसंदगी या नापसंदगी के रूप में प्रतिक्रिया करती है
(b) एक ऐसी विशेषता जो व्यक्ति की योग्यता का परिचायक है जिसे किसी प्रदत्त क्षेत्र में विशिष्ट प्रशिक्षण, ज्ञान अथवा कौशल से सीखा जा सकता है
(c) व्यक्ति की बीजभूत क्षमता जो कि विशिष्ट प्रकार की होती है
(d) इनमें से कोई नहीं।

14. क्रियात्मक अनुसन्धान का उद्देश्य है- *[RTET-2011-II]*

(a) नवीन ज्ञान की खोज
(b) शैक्षिक परिस्थितियों में व्यवहार विज्ञान का विकास
(c) विद्यालय तथा कक्षा की शैक्षिक कार्य प्रणाली में सुधार लाना
(d) इनमें से सभी।

15. ..... को अनुप्रेरित शिक्षण के एक संकेत के रूप में विवेचित किया जाता है। *[UPTET-2011-I]*

(a) कक्षा में अधिकतम उपस्थिति
(b) शिक्षक द्वारा दिया गया उपचारात्मक कार्य
(c) विद्यार्थियों द्वारा प्रश्न पूछना
(d) कक्षा में पूर्ण नीरवता।

16. अधिगम के प्रक्रम में अभिप्रेरण- *[UPTET-2011-I]*

(a) सीखने वालों की स्मृति को तेज बनाता है
(b) पुराने अधिगम से नए अधिगम को विभेदित करता है
(c) एकदिशीय रूप से सोचने में सीखने वालों को प्रस्तुत करता है
(d) नए सीखने वालों में अधिगम के लिए रुचि का सृजन करता है।

17. श्यामपट्ट को शिक्षण साधन सामग्री के किस समूह में उपयोग किया जा सकता है? *[UPTET-2011-I]*

(a) श्रव्य साधन (b) दृश्य साधन
(c) दृश्य-श्रव्य साधन (d) इनमें से कोई नहीं।

18. आप देखते हैं कि एक छात्र बुद्धिमान है। आप- *[UPTET-2011-I]*

(a) उसके साथ संतुष्ट रहेंगे
(b) उसे अतिरिक्त गृहकार्य नहीं देंगे
(c) वह जैसे अधिक प्रगति कर सके, उस तरह उसे अनुप्रेरित करेंगे
(d) उसके अभिभावकों को सूचित करेंगे कि वह बुद्धिमान है

19. एक शिक्षक विद्यार्थियों को अनुप्रेरित कर सकता है- *[UPTET-2011-II]*

(a) पुरस्कार देकर (b) सही मार्गदर्शन कराकर
(c) उदाहरण देकर (d) कक्षा में भाषण देकर।

20. एक शिक्षिका को पाठ्य-वस्तु और फल-सब्ज़ियों के कुछ चित्रों का प्रयोग करती है और अपने विद्यार्थियों से चर्चा करती है। विद्यार्थी इस जानकारी को अपने पूर्व ज्ञान से जोड़ते हैं और पोषण की संकल्पना को सीखते हैं। यह उपागम ..... पर आधारित है। *[CTET-Jan.-2012-I]*

(a) पुनर्बलन के सिद्धांत
(b) अधिगम के सक्रिय अनुबंधन
(c) ज्ञान के निर्माण
(d) अधिगम के शास्त्रीय अनुबंधन

21. अभिप्रेरणा के सिद्धान्तों के अनुसार, एक शिक्षक .... के द्वारा सीखने को संवर्द्धित कर सकता है। *[CTET-Jan.-2012-II]*

(a) विद्यार्थियों से वास्तविक अपेक्षाएँ रखने
(b) अपेक्षाओं का एकरूप स्तर रखने
(c) विद्यार्थियों से किसी प्रकार की अपेक्षाएँ न रखने
(d) विद्यार्थियों से बहुत उच्च अपेक्षाएँ रखने

22. एक विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेने के लिए कठिन परिश्रम करता है ताकि वह प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण हो सके। यह विद्यार्थी ..... रूप से अभिप्रेरित है। *[CTET-Jan.-2012-II]*

(a) वैयक्तिक (b) आनुभविक
(c) आन्तरिक (d) बाह्य

23. एक शिक्षिका अपने शिक्षण में दृश्य-श्रव्य सामग्रियों और शारीरिक गतिविधियों का प्रयोग करती है, क्योंकि- *[CTET-Jan.-2012-II]*

(a) वे शिक्षक को आराम देते हैं
(b) वे प्रभावी आकलन को सुगम बनाते हैं
(c) वे शिक्षार्थियों को वैविध्य उपलब्ध कराते हैं
(d) इनमें अधिकतम इन्द्रियों को उपयोग सीखने को संवर्द्धित करता है

24. आंशिक पुनर्बलन- *[CTET-Nov.-2012-I]*
(a) पशुओं को प्रशिक्षित करने में सर्वाधिक कार्य करता है
(b) सतत् पुनर्बलन की अपेक्षा अधिक प्रभावी होता है
(c) सतत् पुनर्बलन की अपेक्षा कम प्रभावी होता है
(d) वास्तविक कक्षा-कक्ष में अनुप्रयुक्त नहीं किया जा सकता

25. 'अधिगमकर्ता का स्व-नियमन' का क्या अर्थ है? *[CTET-Nov.-2012-II]*
(a) विद्यार्थियों के व्यवहार के लिए विनियमों का निर्माण करना
(b) स्व-अनुशासन और नियंत्रण
(c) अपने सीखने का स्वयं अनुवीक्षण करने की योग्यता
(d) विद्यार्थी निकाय द्वारा बनाए गए नियम एवं विनियम

26. सीखने के सिद्धांतों के संदर्भ में 'स्कैफोल्डिंग' _____ की ओर संकेत करता है। *[CTET-Nov.-2012-II]*
(a) विद्यार्थियों द्वारा की गई ग़लतियों के कारणों का पता लगाना
(b) अनुरूपित शिक्षण
(c) पूर्व अधिगम की पुनरावृत्ति
(d) सीखने में वयस्कों द्वारा अस्थायी सहयोग

27. सीखने _____ आकलन, आकलन और अनुदेशन के बीच _____ के दृढ़ीकरण द्वारा सीखने को प्रभावित करता है। *[CTET-Nov.-2012-II]*
(a) का; भिन्नता (b) के लिए; सम्बन्धों
(c) के लिए; अंतर (d) का; अंतर

28. आंतरिक रूप से अभिप्रेरित विद्यार्थी- *[CTET-Nov.-2012-II]*
(a) के लिए औपचारिक शिक्षा की आवश्यकता नहीं है
(b) के लिए पुरस्कार की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं है
(c) के लिए बाह्य पुरस्कार उसकी अभिप्रेरणा को बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं है
(d) का बाह्य रूप से अभिप्रेरित विद्यार्थी की तुलना में अभिप्रेरणा-स्तर कम होता है

29. उपलब्धि अभिप्रेरणा है- *[CTET-Nov.-2012-II]*
(a) बिना विचारे जल्दबाजी में कार्य करने की प्रवृत्ति
(b) चुनौतीपूर्ण कार्य करने में डटे रहने की प्रवृत्ति
(c) असफलता से बचने की प्रवृत्ति
(d) सफलता व असफलता को समान रूप से स्वीकारने की तत्परता

30. 'सीखने की तत्परता' ..... की ओर संकेत करती है। *[CTET-2013-I]*
(a) शिक्षार्थियों का सामान्य योग्यता स्तर
(b) सीखने के सातत्यक में शिक्षार्थियों का वर्तमान संज्ञानात्मक स्तर
(c) सीखने के कार्य की प्रकृति को संतुष्ट करने
(d) थॉर्नडाइक का तत्परता का नियम

31. ..... के अतिरिक्त निम्नलिखित सभी के कारण अधिगम अक्षमता उत्पन्न हो सकती है- *[CTET-2013-I]*
(a) सेरेब्रल डिस्फंक्शन (b) संवेगात्मक विघ्न
(c) व्यवहारगत विघ्न (d) सांस्कृतिक कारक

32. निम्नलिखित में से ..... के अतिरिक्त सभी के कारण अधिगम अक्षमता उत्पन्न हो सकती है- *[CTET-2013-II]*
(a) शिक्षक की शिक्षण-शैली
(b) जन्म से पहले माँ द्वारा मदिरा-सेवन
(c) मंदबुद्धिता
(d) शैशवकाल के समय दिमागी बुखार

33. निम्नलिखित में से कौन-सा वाइगोटस्की के सामाजिक-सांस्कृतिक सिद्धान्त पर आधारित है? *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) सक्रिय अनुकूलन
(b) पारस्परिक शिक्षण
(c) संस्कृति-निरपेक्ष संज्ञानात्मक विकास
(d) अन्तर्दृष्टिपूर्ण अधिगम

34. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रश्न अपने विशिष्ट क्षेत्र से ठीक तरह से मिला हुआ है? *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) क्या आप अपने विद्यार्थियों की गणित की उपलब्धि के आधार पर वर्गीकृत कर सकते हैं? : मूल्यांकन
(b) पिछली रात दूरदर्शन पर दिखाए गए क्रिकेट मैच में निर्णायक क्षण कौन-सा था? : सृजनशील
(c) जड़ी-बूटियों के प्रयोग द्वारा चिकेन पकाने हेतु कोई नई पाक विधि लिखिए। : अनुप्रयोग
(d) निर्धारित कीजिए कि दिए गए मापकों में से कौन-सा मापक आपको उत्तम परिणामों को पाने में सर्वाधिक प्रवृत्त कर सकता है? : विश्लेषण

35. बहुशिक्षण-शास्त्रीय तकनीकें, वर्गीकृत अधिगम सामग्री, बहु-आकलन तकनीकें तथा परिवर्तनीय जटिलता एवं सामग्री का स्वरूप निम्नलिखित में से किससे सम्बद्ध हैं? *[CTET-Feb.-2014-I]*

(a) सार्वभौमिक अधिगम प्रारूप
(b) उपचारात्मक शिक्षण
(c) विभेदित अनुदेशन
(d) पारस्परिक शिक्षण

36. निम्नलिखित में से प्रतिभाशाली अधिगमकर्ताओं के लिए क्या समुचित है? *[CTET-Feb.-2014-I]*

(a) वे अन्यों को भी कुशल-प्रभावी बनाते हैं तथा सहयोगी अधिगम के लिए आवश्यक है
(b) वे सदैव अन्यों का नेतृत्व करते हैं और कक्षा में अतिरिक्त उत्तरदायित्व ग्रहण करते हैं
(c) अपनी उच्चस्तरीय संवेदनात्मकता के कारण वे भी निम्न श्रेणी पा सकते हैं
(d) बुनियादी तौर पर उनकी मस्तिष्कीय शक्ति के कारण ही उनका महत्त्व है

37. एक विद्यार्थी उच्चस्तरीय सृजनशील रंगमंचीय कलाकार बनना चाहता है। उसके लिए निम्नलिखित में से कौन-सा उपाय सबसे कम प्रेरक होगा?*[CTET-Feb.-2014-I]*

(a) राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं को जीतने का प्रयास करना ताकि छात्रवृत्ति पाई जा सके
(b) अपने रंगमंचीय कलाकार साथियों के साथ समानुभूतिपूर्ण, स्नेही तथा सहयोगी सम्बन्ध विकसित करना
(c) उन रंगमंचीय कौशलों को अधिक समय देना जिनसे वह प्रफुल्लित होता है
(d) संसार के श्रेष्ठ रंगमंचीय कलाकारों की निष्पत्ति से सम्बद्ध साहित्य पढ़ने के लिए तथा उससे सीखने के प्रयास के लिए कहना

38. निम्नलिखित में से कौन-सा तत्त्व कक्षा में अधिगम हेतु सहायक हो सकता है? *[CTET-Feb.-2014-I]*

(a) बच्चों को अधिगम हेतु प्रेरित करने के लिए परीक्षणों की संख्या को बढ़ा देना
(b) अध्यापकों द्वारा बच्चों की स्वायत्तता को बढ़ावा व सहायता देना
(c) समानता बनाए रखने के लिए किसी एक अनुदेशन पद्धति पर टिके रहना
(d) कालांश की अवधि को 40 मिनट से 50 मिनट तक बढ़ा देना

39. सीखने में अशक्त बच्चों के सन्दर्भ में तत्काल सम्बद्धता प्रदान करना, सहयोग पर बल देना तथा गैर-अधि गमनात्मक तकनीकी जैसी तत्काल सूचनात्मकता, बुद्धिपूर्वक गवेषणा तथा सामग्री प्रबन्धन, का उत्तोलन निम्नलिखित में से किस प्रारूप से सम्बद्ध हैं? *[CTET-Feb.-2014-II]*

(a) संग्रथित अधिगम
(b) हस्तक्षेपी अधिगम
(c) उपचारात्मक प्रत्युत्तर
(d) अधिगम का सार्वभौमिक प्रारूप

40. अधिगम-अक्षमताएँ- *[CTET-Feb.-2014-II]*

(a) वस्तुपरक तथ्य हैं तथा संस्कृति की इनमें कोई भूमिका नहीं है
(b) पठन-अक्षमता के पर्याय हैं
(c) सामान्य या उससे अधिक बुद्धि-लब्धांक वाले बच्चों में भी पाई जाती है
(d) समय व हस्तक्षेप के स्वरूप की उपेक्षा करते हुए भी अपरिवर्तनशील नहीं होती है।

41. संज्ञानात्मक प्रशिक्षुता तथा शैक्षिक संवाद- *[CTET-Feb.-2014-II]*

(a) अधिगम को एक सामाजिक गतिविधि के रूप में ग्रहण करते हैं
(b) आगमनात्मक तार्किकता के अनुप्रयोग पर आधारित हैं
(c) पाठ्य-सामग्री के सुव्यवस्थित संगठन पर बल देते हैं
(d) कुशलता की प्राप्ति हेतु व्यावहारिक प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल देते हैं

42. बच्चों के व्यवहार को समझने के लिए विद्यार्थियों के घर के वातावरण का महत्त्वपूर्ण स्थान है तथा इससे प्राप्त सूचना को प्रभावशाली शिक्षा-शास्त्र के निर्माण से जोड़ा जा सकता है। यह तथ्य अधिगम के किस सिद्धांत से सम्बद्ध है? *[CTET-Feb.-2014-II]*

(a) व्यवहारवादी (b) पारिस्थितिक
(c) रचनावादी (d) सामाजिक-रचनावादी

43. मानव आवश्यकताओं का पदानुक्रम किसने दिया? *[HTET-2014-I]*

(a) थॉर्नडाइक (b) मैस्लो
(c) गिलफोर्ड (d) कॉफ्का

44. निम्न में से कौन पुनर्बलन का एक प्रकार नहीं है? *[HTET-2014-I]*

(a) सकारात्मक शाब्दिक पुनर्बलन
(b) शारीरिक दण्ड
(c) नकारात्मक शाब्दिक पुनर्बलन
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

45. विद्यार्थियों में अभिप्रेरणा विकसित करने के लिए, एक शिक्षक को क्या करना चाहिए? *[HTET-2014-I]*
(a) गलाकाट प्रतियोगिता को प्रोत्साहित करना
(b) विद्यार्थियों के सम्मुख एक अप्राप्य लक्ष्य रखना
(c) नई तकनीक व नई विधियों का प्रयोग करना
(d) उनके आकांक्षा स्तर को घटाना

46. निम्नलिखित में से कौन-सा अधिगम का क्षेत्र नहीं है? *[HTET-2014-I]*
(a) संज्ञानात्मक (b) भावात्मक
(c) क्रियात्मक (d) आध्यात्मिक

47. अभिप्रेरणा का वर्गीकरण होता है-*[UPTET-2014-I]*
(a) स्वाभाविक और कृत्रिम
(b) कम महत्त्वपूर्ण तथा अधिक महत्त्वपूर्ण
(c) जन्मजात तथा अर्जित
(d) अभिप्रेरणा तथा प्रलोभन

48. "सामाजिक प्रत्याशाओं के अनुरूप व्यवहार की योग्यता का अधिगम सामाजिक विकास कहा जाता है।" उक्त कथन है- *[UPTET-2014-I]*
(a) हरलॉक का (b) टी. पी. नन का
(c) मैक्डूगल का (d) रॉस का

49. अपने ऊर्जाबल (Libido) को बाहर की ओर अभिव्यक्त करने वाले व्यक्ति का प्रकार होता है- *[UPTET-2014-I]*
(a) ज्ञानात्मक व्यक्तित्व (b) कलात्मक व्यक्तित्व
(c) बहिर्मुखी व्यक्तित्व (d) धार्मिक व्यक्तित्व

50. अपने-आपको प्रेम करने की प्रवृत्ति को क्या कहते हैं? *[UPTET-2014-II]*
(a) आत्म-केन्द्रित प्रवृत्ति (b) अहंकारी प्रवृत्ति
(c) नर्सिसिज्म की प्रवृत्ति (d) हिप्नोटिज्म की प्रवृत्ति

51. निम्नांकित में कौन-सी विशेषता आन्तरिक रूप से अभिप्रेरित बच्चों के लिए सही नहीं है? *[UPTET-2014-II]*
(a) वे चुनौतीपूर्ण कार्य पसन्द करते हैं
(b) वे हमेशा सफल होते हैं
(c) वे कार्य के समय आनन्द अनुभव करते हैं
(d) वे कठिन कार्यों में उच्च स्तर की ऊर्जा प्रदर्शित करते हैं

52. संवेग की उत्पत्ति ..... से होती है। *[UPTET-2014-II]*
(a) आदतों (b) मूल प्रवृत्तियों
(c) शारीरिक विकास (d) सम्प्रत्ययों के निर्माण

53. अभिप्रेरणा के लिए अकसर ..... शब्द का भी प्रयोग किया जाता है। *[UPTET-2014-II]*
(a) संवेग (b) आवश्यकता
(c) भावना (d) प्रत्यक्षीकरण

54. गणित में अधिगम निर्योग्यता का आकलन निम्न में से किस परीक्षण द्वारा सर्वाधिक उचित तरीके से किया जा सकता है? *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) अभिक्षमता परीक्षण (b) निदानात्मक परीक्षण
(c) स्क्रीनिंग परीक्षण (d) उपलब्धि परीक्षण

55. निम्नलिखित में से कौन-सा कारक अधिगम को सकारात्मक प्रकार से प्रभावित करता है? *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) अनुत्तीर्ण हो जाने का भय
(b) सहपाठियों से प्रतियोगिता
(c) अर्थपूर्ण सम्बन्ध
(d) माता-पिता की ओर से दबाव

56. सामाजिक अधिगम का सिद्धांत निम्नलिखित में से किस घटक पर बल देता है? *[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) प्रकृति (b) पोषण
(c) अनुकूलन (d) पाठ-संशोधन

57. आप एक शिक्षिका/शिक्षक के रूप में "रैगिंग और धमकाने" के सख्त विरोधी हैं तथा इस संदर्भ में विद्यालय में पोस्टर लगवाते हैं तथा समिति बनवाते हैं। आपसे जुड़ने वाले किशोर जो इस विचार के दृढ़ विश्वासी हैं, निम्नलिखित में से किस स्तर पर होंगे? *[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) पारंपरिक स्तर
(b) पूर्व-पारंपरिक स्तर
(c) उत्तर-पारंपरिक स्तर
(d) सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने वाला स्तर

58. वैयक्तिक अंतरों का ज्ञान शिक्षकों की मदद किसमें करता है? *[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) पिछड़े शिक्षार्थियों के साथ कठोर परिश्रम करने की निरर्थकता को समझने में, क्योंकि वे बाकी कक्षा के समान कभी नहीं हो सकते
(b) वैयक्तिक अंतरों को शिक्षार्थियों की असफलता की स्वीकृति एवं उत्तरदायी ठहराने में
(c) सभी शिक्षार्थियों को समान रूप से लाभ पहुंचाने के लिए अपनी प्रस्तुति-शैली को एकरूप बनाने में
(d) सभी शिक्षार्थियों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं का आकलन करने और उसके अनुरूप उन्हें पढ़ाने में

59. निम्नलिखित में से कौन-सा उपागम अशांतकारी व्यवहार संबंधी विकार वाले बच्चों के साथ व्यवहार करने के लिए बच्चे को उसके आस-पास के लोगों और सामाजिक संस्थाओं के साथ अंत:क्रिया करने का सुझाव देता है? *[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) मनोगत्यात्मक (b) पर्यावरणीय
(c) जीववैज्ञानिक (d) व्यवहारवादी

60. अधिगम-निर्योग्यता वाले बच्चों की प्रगति का निरीक्षण करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी पद्धति सबसे उपयुक्त है? *[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) व्यक्ति (केस) अध्ययन
(b) घटनावृत्त अभिलेख (वास्तविक रिकार्ड)
(c) व्यवहार-रेटिंग स्केल
(d) संरचित व्यवहारपरक अवलोकन

61. अधिगम-निर्योग्यता वाले शिक्षार्थियों द्वारा एक पूर्ण और उत्पादक जीवन जीने के अवसर को बढ़ाने का सबसे सही तरीका है- *[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) इस तरह के शिक्षार्थियों की कमजोरियों पर ध्यान केंद्रित करना
(b) इस तरह के शिक्षार्थियों से उच्च अपेक्षाओं को बनाए रखना
(c) विविध कौशलों और युक्तियों का शिक्षण करना जिसे सभी संदर्भों में लागू किया जा सकता है
(d) इन बच्चों को अपने लक्ष्यों का निर्धारण करने के लिए प्रोत्साहित करना

62. कक्षा VII का शिक्षार्थी गणित में त्रुटियाँ करता है। एक शिक्षक के रूप में आप- *[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) शिक्षार्थी को सही उत्तर उपलब्ध कराएँगे
(b) शिक्षार्थी को कैल्कुलेटर का प्रयोग करने की अनुमति देंगे
(c) शिक्षार्थी से कहेंगे कि वह विकल्पात्मक पद्धति का प्रयोग करे अथवा स्वयं त्रुटि का पता लगाने के लिए उसे दुबारा करे
(d) शिक्षार्थी को दिखाएँ कि त्रुटि कहाँ थी और शिक्षार्थी को उसे दुबारा करने के लिए कहेंगे

63. अभिप्रेरणा-चक्र के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सही क्रम में है? *[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) उत्तेजना, प्रबल प्रेरणा, आवश्यकता, उपलब्धि, लक्ष्य-उन्मुखी व्यवहार, उत्तेजना में कमी
(b) प्रबल प्रेरणा, आवश्यकता, उत्तेजना, लक्ष्य-उन्मुखी व्यवहार, उपलब्धि, उत्तेजना में कमी
(c) आवश्यकता, लक्ष्य-उन्मुखी व्यवहार, प्रबल प्रेरणा, उत्तेजना, उपलब्धि, उत्तेजना में कमी
(d) आवश्यकता, प्रबल प्रेरणा, उत्तेजना, लक्ष्य-उन्मुखी व्यवहार, उपलब्धि, उत्तेजना में कमी

64. बैन्डूरा के सामाजिक अवलोकन पर आधारित अधिगम सिद्धांत में निम्नलिखित में से कौन-सी प्रक्रिया होती है? *[CTET-Sep.-2014-II]*
(a) स्व-चिंतन (b) प्रतिधारण
(c) पुनरावृत्ति (d) सार को दोहराना

65. बच्चों के अधिगम को सुगम बनाने के लिए अध्यापकों को एक अच्छे कक्षायी परिवेश का सृजन करने की आवश्यकता होती है। इस प्रकार के अधिगम परिवेश का सृजन करने के लिए नीचे दिए गए कथनों में से कौन-सा सही नहीं है? *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) बच्चे के प्रयासों को स्वीकृति
(b) अध्यापाकों के अनुसार कार्य करना
(c) बच्चे को स्वीकार करना
(d) अध्यापक का सकारात्मक रूख़

66. अधिगम अनुभवों को इस प्रकार से आयोजित किया जाना चाहिए जिससे अधिगम को सार्थक बनाया जा सके। नीचे दिए गए अधिगम अनुभवों में से कौन-सा बच्चों के लिए सार्थक अधिगम को सुगम नहीं बनाता है ? *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) विषय-वस्तु की केवल याद करने के आधार पर पुनरावृत्ति
(b) विषय-वस्तु पर प्रश्न बनाना
(c) प्रकरण पर परिचर्चा और वाद-विवाद
(d) प्रकरण पर प्रस्तुतिकरण

67. विद्यार्थियों को स्वच्छता के लिए प्रेरित करने हेतु उन्हें स्वच्छता समिति का सदस्य बनाना, प्रतिबिम्बित करता है- *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) प्रेरणा की सामाजिक-सांस्कृतिक संकल्पनाएँ
(b) प्रेरणा का व्यवहारवादी उपागम
(c) प्रेरणा का मानवतावादी उपागम
(d) प्रेरणा का संज्ञानात्मक उपागम

68. एक विद्यार्थी एक प्रकरण में मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित करती है, उसका एक दृश्यात्मक प्रस्तुतिकरण बनाती है तथा प्रकरण की समाप्ति पर अपने दिमाग में उत्पन्न होने वाले प्रश्नों को प्रस्तुत करती है। वह- *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) केन्द्रबिन्दु की विधि का प्रयोग करने की कोशिश कर रही है
(b) विचारों के संघटन के द्वारा अपने चिन्तन को निर्देशित करने की कोशिश कर रही है
(c) अनुरक्षण पूर्वाभ्यास की रणनीति का प्रयोग करने की कोशिश कर रही है
(d) प्रेक्षण अधिगम सुनिश्चित कर रही है।

EBD_7907

69. निम्नलिखित कथनों में से आप किससे सहमत हैं? *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) अधिगम एक सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश में घटित होता है।
(b) अधिगम पूर्ण रूप से बाह्य उद्दीपन के द्वारा नियंत्रित होता है।
(c) अधिगम तब तक घटित नहीं हो सकता है, जब तक कि इसका अंकों के रूप में बाह्य रूप से आकलन नहीं कर लिया जाता है।
(d) अधिगम केवल तभी होता है, यदि यह व्यवहार में सुस्पष्ट होता है।

70. इनमें से कौन-सी अधिगम-अशक्तता वाले बच्चे की एक विशेषता है? *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) धाराप्रवाह रूप से पढ़ने तथा शब्दों पर पलट कर जाने में कठिनाई
(b) 50 से नीचे की बुद्धि-लब्धि
(c) अन्य बच्चे को धमकाना तथा आक्रामक कार्यों में लगे रहना
(d) एक ही प्रकार की ग्त्यात्मक क्रिया का बार-बार दोहराना

71. एक अध्यापिका यह सुनिश्चित करना चाहती है कि उसके विद्यार्थी आन्तरिक रूप से प्रेरित हैं। इस संदर्भ में वह करेंगी- *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) इस प्रकार की अधिगम गतिविधियों की योजना बनाना जो अभिसारी चिन्ह को प्रोत्साहन देती हैं
(b) सभी बच्चों के लिए उपलब्धि के एकसमान मानकों को उल्लिखित करना
(c) अन्तिम परिणाम पर ध्यान देने के बजाय व्यक्तिगत रूप से बच्चों की अधिगम की प्रक्रियाओं पर ध्यान देना
(d) वस्तु रूप में पुरस्कार प्रस्तुत करना

72. बच्चे किस प्रकार से सीखते हैं? नीचे दिए गए कथनों में से कौन-सा इस प्रश्न के विषय में सही नहीं है? *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) बच्चे तब सीखते हैं जब वे संज्ञानात्मक रूप से तैयार होते हैं।
(b) बच्चे अनेकों प्रकार से सीखते हैं।
(c) बच्चे सीखते हैं क्योंकि वे स्वाभाविक रूप से प्रेरित होते हैं।
(d) बच्चे केवल कक्षा में सीखते हैं।

73. प्राथमिक विद्यालय शिक्षक को अपने शिक्षार्थियों को अभिप्रेरित करने के लिए निम्नलिखित में से किस रणनीति को अपनाना चाहिए?*[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) प्रत्येक गतिविधि के प्रेरक के रूप में प्रोत्साहन, पुरस्कार और दंड का उपयोग करना।
(b) बच्चों को उनकी रुचियों के अनुसार अपने लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें पाने के उद्यम में सहायता करना।
(c) पूरी कक्षा के लिए मानक लक्ष्य निर्धारित करना और उनकी उपलब्धि के आकलन के लिए कठोर मानदंड निर्धारित करना।
(d) प्रत्येक शिक्षार्थी में अंक लाने के लिए स्पर्धा को प्रोत्साहित करना।

74. जब बच्चे एक विशेष संख्या में पुस्तकें पढ़ते हैं तो उन्हें एक प्रमाणपत्र दिया जाता है। यह रणनीति शायद अधिक समय तक काम न करें, क्योंकि: *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) पुस्तकों को पढ़ना बच्चों को उनके गृहकार्य को पूरा करने में बाधा डालेगा।
(b) यह संभवत: बच्चों को केवल प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए पुस्तकों को पढ़ने की तरफ ले जा सकता है।
(c) पुस्तकालय में बहुत अधिक पुस्तकों को खरीदने की आवश्यकता होगी।
(d) जब अधिक संख्या में बच्चे पढ़ना शुरू कर देगें तो बड़ी मात्रा में प्रमाणपत्र देने होंगे।

75. बच्चों को अपने अध्ययन में प्रयास करने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षकों को ..... की आवश्यकता होती है। *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) बच्चे को डाँटने की
(b) बच्चे को नियंत्रण में रखने
(c) अन्य बच्चों के साथ तुलना करने
(d) बच्चे को प्रेरित करने

76. भावनाओं, अधिगम और अभिप्रेरणा के संदर्भ में निम्नलिखित में से किस कथन से आप सहमत है? *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) कुछ नया सीखना इस पर निर्भर होता है कि उसमें हम कितनें निपुण हैं।
(b) सीखने के लिए भावनाओं को अलग रख देना चाहिए।
(c) प्रेरणा और सीखने के साथ भावनाएँ घनिष्ठ रूप से जुड़ी हैं।
(d) सीखने के लिए अभिप्रेरित करने में भावनाओं की कोई भूमिका नहीं होती।

77. सीखना *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) सीखने वाले के संवेगों से प्रभावित होता है
(b) सीखने वाले के संवेगों से प्रभावित नही होता है
(c) संवेगों से क्षीण संबंध रखता है
(d) सीखने वाले के संवेगों से स्वतंत्र है

78. अपने चिंतन में अवधारणात्मक परिवर्तन लाने हेतु शिक्षार्थियों को सक्षम बनाने के लिए शिक्षिका को *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) स्पष्ट और आश्वस्त करने वाली व्याख्या देनी चाहिए तथा शिक्षार्थियों के साथ चर्चा करनी चाहिए
(b) उन बच्चों को पुरस्कार देना चाहिए जिन्होंने अपने चिंतन में परिवर्तन किया है
(c) बच्चों को स्वयं चिंतन करने के लिए हतोत्साहित करना चाहिए और उनसे कहना चाहिए कि वे शिक्षिका को सुनें और उसका अनुपालन करें
(d) व्याख्यान के रूप में व्याख्या प्रस्तुत करनी चाहिए

79. बच्चे तब सर्वाधिक सृजनशील होते हैं, जब वे किसी गतिविधि में भाग लेते हैं *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) पुरस्कार के लिए
(b) शिक्षक की डांट से बचने के लिए
(c) दूसरों के सामने अच्छा करने के दबाव में आकर
(d) अपनी रूचि से

80. जब शिक्षार्थियों को समूह में किसी समस्या पर चर्चा का अवसर दिया जाता है, तब उनके सीखने का वक्र *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) समान रहता है (b) बेहतर होता है
(c) स्थिर रहता है (d) अवनत होता है

81. अभिप्रेरणा और अधिगम के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा एक कथन सही है? *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) अधिगम केवल तभी प्रभावी होता है जब शिक्षार्थी बाहरी रूप से प्रेरित हो-बाहरी कारणों से प्रेरित हों।
(b) अधिगम में प्रेरणा की कोई भूमिका नहीं होती।
(c) अधिगम केवल तभी प्रभावी होता है जब शिक्षार्थी बाहरी पुरस्कारों का उपयोग करने से प्रेरित हो।
(d) अधिगम केवल तभी प्रभावी होता है जब शिक्षार्थियों में भीतरी प्रेरणा हो-सीखने की अंतरहित इच्छा हो।

82. सीखने के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक सत्य हैं? *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) सीखने को सामाजिक क्रियाएँ सुविधा देती है।
(b) सीखना एक निष्क्रिय ग्रहणशील प्रक्रिया है।
(c) सीखना शिक्षार्थी के पूर्व ज्ञान पर आधारित नहीं है।
(d) सीखना कौशलों के संचय के समान है।

83. निम्नलिखित में से कौन-सी एक महत्त्वपूर्ण गतिविधि बच्चों को सीखने के लिए सक्षम बनाती है? *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) निर्देश (b) पुरस्कार
(c) संवाद (d) व्याख्यान

84. शिक्षक बच्चों को सृजनात्मक विचारों के लिए प्रोत्साहित कर सकता है *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) उनसे प्रत्यास्मरण-आधारित प्रश्न पूछकर
(b) उन्हें बहु-विकल्पी प्रश्न देकर
(c) उन्हें समस्या-समाधान के लिए विभिन्न तरीकों से सोचने के लिए कहकर
(d) उन्हें उत्तर कंठस्थ करने के लिए कहकर

85. " विविध प्रकार की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बच्चों से युक्त कक्षा सभी विद्यार्थियों के अधिगम अनुभवों को बढ़ाती है।" यह कथन है: *[CTET-Sept.-2016-I]*
(a) गलत, क्योंकि यह बच्चों के लिए दुविधा उत्पन्न कर सकता है और वे स्वयं को अलग-थलग महसूस कर सकते हैं
(b) सही, क्योंकि बच्चे अपने साथियों से अनेक कौशल सीखते हैं
(c) सही, क्योंकि इससे कक्षा अधिक श्रेणीबद्ध दिखाई देती है
(d) गलत, क्योंकि यह अनावश्यक स्पर्धा की ओर ले जाता है

86. कोई शिक्षिका अपने विद्यार्थियों को क्या कहे कि उन्हें भीतरी प्रेरणा के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित कर सके? *[CTET-Sept.-2016-I]*
(a) "चलो, इसे उसके करने से पहले समाप्त कर लो।"
(b) "तुम उसके जैसे क्यों नहीं हो सकते? देखो, उसने इसे एकदम ठीक कर दिया।"
(c) "काम जल्दी पूरा करो तो तुम्हें एक टॉफी मिलेगी।"
(d) "इसे करने की कोशिश करो, तुम सीख जाओगे।"

87. कोई शिक्षिका अपने विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए अध्ययन करने हेतु आंतरिक रूप से उत्प्रेरित करने के लिए कैसे प्रोत्साहित कर सकती है? *[CTET-Sept.-2016-I]*
(a) उनमें चिंता और डर पैदा करके
(b) प्रतियोगितात्मक परीक्षण से
(c) व्यक्तिगत लक्ष्य निर्धारित करने और उनमें निपुणता पाने में उन्हें मदद देकर
(d) साफ दिखाई पड़ने वाले इनाम देकर, जैसे- टॉफी

88. किसी प्रारंभिक कक्षा में प्रभावशाली शिक्षक का उद्देश्य विद्यार्थियों को उत्प्रेरित करना होगा: *[CTET-Sept.-2016-I]*
(a) सीखने के लिए जिससे वे जिज्ञासु बनें और सीखने के लिए ही सीखना पसंद करें
(b) रटकर याद करने के लिए जिससे वे प्रत्यास्मरण करने में अच्छे बनें
(c) दंडात्मक उपायों का प्रयोग करके जिससे वे शिक्षक का सम्मान करें
(d) ऐसे काम करने के लिए जिससे परीक्षा के अंत में वे अच्छे अंक पा सकें

89. निम्नलिखित में से कौन-से तत्व अधिगम को प्रभावित करते हैं? *[CTET-Sept.-2016-II]*
A. शिक्षार्थी का उत्प्रेरण
B. शिक्षार्थी की परिपक्वता
C. शिक्षण युक्तियाँ
D. शिक्षार्थी का शारीरिक और संवेगात्मक स्वास्थ्य
(a) A, B और C (b) A, B, C और D
(c) A और B (d) A और C

90. सार्थक अधिगम है: *[CTET-Sept.-2016-II]*
(a) निजी अनुभवों से ज्ञान की संरचनाओं का सक्रिय निर्माण
(b) उद्दीपक तथा उत्तर के बीच युग्मन तथा साहचर्य
(c) वयस्कों और अधिक सक्षम साथियों का अनुकरण
(d) दी गई सूचना का निष्क्रिय ग्रहण

91. अधिगम के नियम के तहत तत्परता का नियम प्रतिपादित किया है: *[HTET-2017]*
(a) एडवर्ड एल॰ थॉर्नडाइक ने
(b) जॉन बी॰ वाटसन ने
(c) इवान पेट्रोविच पावलव ने
(d) मैक्स-वर्देमर ने

92. वह गत्यात्मक बल जो बालक के व्यवहार को ऊर्जा देता है और वह सीखने की क्रिया करता है, वह है: *[HTET-2017]*
(a) लक्ष्य (b) प्रबल प्रेरणा
(c) अवरोध (d) सभी विकल्प सही हैं

93. पुनर्बलन निम्नलिखित में से किस प्रक्रिया का भाग है? *[HTET-2017]*
(a) शिक्षण (b) अधिगम
(c) अनुदेशन (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

94. गैने ने अपनी पुस्तक "दी कंडिशन्स ऑफ लर्निंग" में सीखने के कितने प्रकार बताए हैं? *[HTET-2017]*
(a) पाँच प्रकार (b) आठ प्रकार
(c) सात प्रकार (d) दस प्रकार

95. निम्नलिखित में से कौन-सा आन्तरिक अभिप्रेरणा का उदाहरण है? *[HTET-2017]*
(a) विद्यालय फुटबाल टीम में चयन होना
(b) स्वयं के लिए समस्या का समाधान करना
(c) जन्मदिन पर पोशाक मिलना
(d) सभी विकल्प सही हैं

96. सीखने की वह अवधि, जब सीखने की प्रक्रिया में कोई उन्नति नहीं होती, कहलाती है *[UPTET-2017]*
(a) सीखने का वक्र (b) सीखने का पठार
(c) समृति (d) अवधान

97. सीखने में प्रयास व भूल के सिद्धान्त का प्रतिपादन किसने किया? *[UPTET-2017]*
(a) कोहलर (b) पैवलव
(c) थॉर्नडाइक (d) गेस्टाल्ट

98. क्रियाप्रसूत अनुबन्धन सिद्धान्त का प्रतिपादन किया *[UPTET-2017]*
(a) हल ने (b) थॉर्नडाइक ने
(c) हेगार्टी ने (d) स्किनर ने

99. कोहलर निम्न में से किससे सम्बन्धित हैं? *[UPTET-2017]*
(a) अभिप्रेरणा का सिद्धान्त
(b) विकास का सिद्धान्त
(c) व्यक्तित्व का सिद्धान्त
(d) अधिगम का सिद्धान्त

100. निम्न में कौन शेष से भिन्न हैं? *[UPTET-2017]*
(a) अधिगम के लिए अधिगम का सिद्धान्त
(b) समान अवयवों का सिद्धान्त
(c) ड्राइव रिडक्शन सिद्धान्त
(d) सामान्यीकरण का सिद्धान्त

101. एक बालक, जो साइकिल चलाना जानता है, मोटरबाइक चलाना सीख रहा है। यह उदाहरण होगा *[UPTET-2017]*
(a) क्षैतिज अधिगम अन्तरण का
(b) ऊर्ध्व अधिगम अन्तरण का
(c) द्विपार्श्विक अधिगम अन्तरण का
(d) कोई भी अधिगम अन्तरण का

102. निम्न में से कौन-सा अधिगम के पठार का कारण नहीं है? *[UPTET-2017]*
(a) प्रेरणा की सीमा (b) विद्यालय का असहयोग
(c) शारीरिक सीमा (d) ज्ञान की सीमा

103. "अधिगम, अनुभव और प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप व्यवहार में परिवर्तन है।" यह कथन किनके द्वारा दिया गया? *[UPTET-2017]*
(a) गेट्स व अन्य (b) मॉर्गन और गिलिलैण्ड
(c) स्किनर (d) क्रॉनबैक

104. मूल प्रवृत्तियों को चौदह प्रकार से किसने वर्गीकृत किया है? *[UPTET-2017]*
(a) ड्रेवर (b) मैक्डूगल
(c) थॉर्नडाइक (d) वुडवर्थ

105. निम्न में से कौन-सा युग्म सही नहीं है? *[UPTET-2017]*
(a) सीखने का उद्दीपक-अनुक्रिया सिद्धान्त- थॉर्नडाइक
(b) सीखने का क्रियाप्रसूत अनुबन्धन सिद्धान्त बी॰ एफ॰ स्किनर
(c) सीखने का क्लासिकल सिद्धान्त-पैवलव
(d) सीखने का समग्र सिद्धान्त-हल

106. सम्भाषण में अर्थ की लघुतम इकाई है
[UPTET.-2018]
(a) रूपग्राम (b) पद
(c) ध्वनिग्राम (d) शब्द

107. अतिसंवेदनशील बच्चों को सीखने में मदद करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा तरीका उपयुक्त तरीका **नहीं** है? *[CTET-Sept.-2018-I]*
(a) अधिगम के वैकल्पिक तरीकों की पेशकश
(b) उनके दैनिक कार्यक्रम में शारीरिक गतिविधि का समावेश
(c) बेचैन होने पर अक्सर उन्हें फटकार लगाना
(d) एक कार्य को छोटे, प्रबंधनीय खंडों में तोड़ना

108. निम्नलिखित में से कौन-सा कक्षा में पाठ्यपुस्तकों की भूमिका का सबसे अच्छा वर्णन करता है?
[CTET-Sept.-2018-I]
(a) वे एक राज्य या राष्ट्र में अधिगम में एकरूपता बनाए रखते हैं।
(b) वे अध्ययन के पाठयक्रम के बारे में शिक्षकों और माता-पिता को मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।
(c) वे संसाधन-रहित संदर्भ में सबसे आवश्यक अधिगम संसाधन बनाते हैं।
(d) वे कक्षा में उपलब्ध संसाधन और संदर्भ सामग्री में से एक हैं।

109. कक्षा में बच्चों को प्रेरित समझा जा सकता है यदि-
[CTET-Sept.-2018-I]
(a) वे कक्षा में अनुशासन बनाए रखते हैं
(b) वे सभी उपस्थिति में नियमित हैं
(c) वे शिक्षक से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए प्रश्न पूछते हैं
(d) वे अच्छी तरह से वर्दी पहने स्कूल में आते हैं

110. निम्नलिखित में से कौन-सा बच्चों में अधिगम में सुधार करने के लिए सबसे अधिक उपयुक्त है?
[CTET-Sept.-2018-I]
(a) शिक्षक को विभिन्न उदाहरणों और चित्रों का उपयोग करके विषय की व्याख्या करनी चाहिए।
(b) कक्षा में सभी प्रकार की शिक्षण-सामग्री होनी चाहिए।
(c) शिक्षक को वास्तविक जीवन स्थितियों पर बच्चों को एक-दूसरे के साथ बातचीत करने में मदद करनी चाहिए।
(d) नियमित मूल्यांकन परीक्षा आयोजित की जानी चाहिए।

111. अनुशासन, जो अधिगम वातावरण में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है, किस तरह की मदद करता है?
[CTET-Sept.-2018-I]
(a) चुप्पी साधे रहने के लिए
(b) शिक्षकों को निर्देश देने में
(c) बच्चों को उनके पाठ रटकर याद करने में
(d) बच्चों को अपनी शिक्षा को विनियमित और मॉनीटर करने के लिए

112. निम्नलिखित में से कौन-सा प्रश्न बच्चों को गंभीर रूप से सोचने के लिए आमंत्रित करता है?
[CTET-Sept.-2018-I]
(a) सही जवाब क्या है?
(b) क्या आप इसी तरह की स्थिति के बारे में सोच सकते हैं?
(c) विभिन्न तरीकों से हम इसे कैसे हल कर सकते हैं?
(d) क्या आप इसका उत्तर जानते हैं?

113. किसी भाषा के स्वीकृत ध्वनि संयोजनों को इसके ... . नियमों के अंतर्गत बताया जाता है।
[CTET-Sept.-2018-II]
(a) व्याकरणिक (b) वाक्यात्मक
(c) विभक्ति-विषयक (d) ध्वनि-संबंधी

114. ग्रेडिंग, कोडिंग, अंकन और क्रेडिट संचय प्रणालियाँ ..... के कुछ उदाहरण हैं। *[CTET-Sept.-2018-II]*
(a) कक्षा में बच्चों की स्थिति की निरूपण विधि
(b) आलेख-पत्र (रिपोर्ट कार्ड) में अकादमिक प्रगति को दर्शाने
(c) अधिगमकर्ताओं की उपलब्धि के आकलन की गणन-विधि
(d) परीक्षा के उत्तर-पत्रों के मूल्यांकन की प्रक्रिया

115. अधिगमकर्ताओं की उपलब्धि का आकलन शिक्षकों की सहायता करता है- *[CTET-Sept.-2018-II]*
(a) शिक्षण-अधिगम विधियों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने में
(b) कक्षाओं में अधिगमकर्ताओं के क्षमता समूह बनाने में
(c) शिक्षण के लिए गतिविधियों की सूची तैयार करने में
(d) अधिगमकर्ताओं के प्रदर्शन का रिकॉर्ड रखने में

116. व्यक्तिगत विविधताओं वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए ऐसे विद्यालय होने चाहिए जहाँ शिक्षक-
[CTET-Sept.-2018-II]
(a) विविध अधिगम आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न शिक्षण-अधिगम प्रविधियों का प्रयोग करने में प्रशिक्षित हों
(b) विशिष्ट व्यक्तिगत विविधताओं वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित हों
(c) बच्चों को समरूप अधिगमकर्ता बनाने में प्रशिक्षित हों
(d) व्यक्तिगत विविधताओं के आधार पर वर्गीकृत की गई कक्षाओं के विभिन्न वर्गों में पढ़ा सकें

117. अधिगमकर्ताओं को व्यक्तिगत क्षमता के आधार पर उनकी कठिनाइयों के विभिन्न स्तरों को ध्यान में रखते हुए पढ़ाने की विधि को ..... कहा जाता है।
[CTET-Sept.-2018-II]
(a) चयनित अनुदेशन (b) सटीक शिक्षण
(c) त्रुटिहीन अनुदेशन (d) विभेदी अनुदेशन

118. प्रतिपालन अधिगम का एक विशिष्ट चरण है, जो अधि गम के ..... चरण का पूर्ववर्ती है।
[CTET-Sept.-2018-II]
(a) अभिप्रेरण (b) आत्मनिर्भरता
(c) सामान्यीकरण (d) अधिग्रहण

119. यदि एक क्रिया की आवृत्ति किसी दूसरी क्रिया/कार्य से अधिक है तब पहली क्रिया का उपयोग, दूसरी क्रिया/कार्य जिसकी आवृत्ति कम है, के लिए पुनर्बलन के रूप में किया जा सकता है। यह सिद्धांत है:
[HTET-2019]
(a) प्रीमैक का सिद्धांत (b) थॉर्नडाइक का सिद्धांत
(c) स्किनर का सिद्धांत (d) पावलोव का सिद्धांत

120. थॉर्नडाइक द्वारा दिये गये 'प्रयास एवं त्रुटि' सिद्धांत का कौन-सा नियम 'पुनर्बलन' की संकल्पना के समतुल्य है?
[HTET-2019]
(a) उपयोग का नियम (b) अनुपयोग का नियम
(c) प्रभाव का नियम (d) तत्परता (तैयारी) का नियम

121 एक बच्चा क्रोधित होकर अपने सहपाठी को ठीक उसी प्रकार मारता है जैसा उसे उसके घर में उसे सजा दी जाती है। यह उदाहरण है: *[HTET-2019]*
(a) क्रिया प्रसूत अनुबंधन का
(b) शास्त्रीय अनुबंधन का
(c) निरीक्षणात्मक अधिगम का
(d) अंतदृष्टि अधिगम का

122. नकारात्मक पुनर्बलन एवं दंड में क्या संबंध है?
[HTET-2019]
(a) दोनों किसी अनुक्रिया को सुदृढ़ बनाते हैं।
(b) दोनों किसी अनुक्रिया को कमजोर करते हैं।
(c) नकारात्मक पुनर्बलन किसी अनुक्रिया को दृढ़ बनाता है जबकि दंड किसी अनुक्रिया को कमजोर बनाता है।
(d) नकारात्मक पुनर्बलन किसी अनुक्रिया को कमजोर बनाता है जबकि दंड किसी अनुक्रिया को दृढ़ बनाता है।

123. निम्नांकित में से कौन-सा स्थिर अंतराल पुनर्बलन का उदाहरण नहीं है? *[HTET-2019]*
(a) प्रतिमाह वेतन प्राप्त करना
(b) एक व्यस्त नंबर डायल करना
(c) आवधिक रूप से दंत-जाँच के लिए जाना
(d) प्रतिवर्ष वेतनवृद्धि मिलना

124. जीवन स्पेस (क्षेत्र) की संकल्पना, एक भाग है:
(a) शास्त्रीय अनुबंधन का *[HTET-2019]*
(b) क्रिया प्रसूत अनुबंधन का
(c) अंतर्दृष्टि अधिगम का
(d) लेविन क्षेत्र सिद्धांत का

125. निम्नांकित में से कौन-सी संकल्पना सुप्रसिद्ध 'बोबो डॉल' प्रयोग से संबंधित है? *[HTET-2019]*
(a) अंतर्दृष्टि अधिगम (b) निरीक्षणात्मक अधिगम
(c) नैतिक विकास (d) अनुबंधित अनुक्रिया

126. अनुप्रयुक्त व्यवहार विश्लेषण (Applied Behaviour Analysis or ABA) निम्नांकित में से किस सिद्धांत पर आधारित है? *[HTET-2019]*
(a) शास्त्रीय अनुबंधन (b) क्रिया प्रसूत अनुबंधन
(c) अंतर्दृष्टि अधिगम (d) निरीक्षणात्मक अधिगम

127. निरीक्षणात्मक अधिगम के चार तत्त्वों का सही क्रम क्या है? *[HTET-2019]*
(a) अवधान → अभिप्रेरणा → धारण करना → पुनरुत्पादन
(b) अवधान → धारण करना → पुनरुत्पादन → अभिप्रेरणा
(c) अवधान → पुनरुत्पादन → धारण करना → अभिप्रेरणा
(d) अवधान → धारण करना → अभिप्रेरणा → पुनरुत्पादन

128. किम ने अपना मोबाइल नंबर बदलकर नया नंबर लिया। जब किसी ने उसका नया नंबर पूछा तब वह उसके सिर्फ तीन अंक ही याद कर पायी। इसका कारण निम्नांकित में से हो सकता है: *[HTET-2019]*
(a) क्षरण (b) पूर्वसक्रिय व्यवधान
(c) दमन (d) पश्चगमन

129. पुरस्कार के संबंध में निम्नांकित में से कौन-सा कथन सही नहीं है? *[HTET-2019]*
(a) यह रिश्वत का एक प्रकार है।
(b) यह वांछनीय व्यवहार में वृद्धि करता है।
(c) यह एक रुचिकर उद्दीपक है।
(d) यह अनुक्रिया को दृढ़ करने के लिए दिया जाता है।

130. बच्चों और उनके अधिगम के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है? *[CTET-2019-I]*
(a) बच्चों को अधिगम हेतु प्रेरित करने के लिए उन्हें पुरस्कृत एवं दंडित करना होता है।
(b) सभी बच्चे सीखने के लिए स्वाभाविक रूप से प्रेरित होते हैं तथा सीखने में सक्षम हैं।
(c) बच्चों को सीखने के लिए अभिप्रेरणा तथा सीखने के लिए उनकी सक्षमता केवल आनुवंशिकता के द्वारा पूर्व निर्धारित है।
(d) बच्चों की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि उनकी प्रेरणा एवं अधिगम सक्षमता को निर्धारित व सीमित करती है।

131. लेव वायगोट्स्की के अनुसार अधिगम – *[CTET-2019-I]*

(a) एक अनुबंधित गतिविधि है।
(b) एक सामाजिक गतिविधि है।
(c) एक व्यक्तिगत गतिविधि है।
(d) एक निष्क्रिय गतिविधि है।

132. जीन पियाजे के अनुसार, बच्चे – *[CTET-2019-I]*

(a) को पुरस्कार एवं दण्ड के सिद्धांतों का प्रयोग करते हुए विशिष्ट तरीके से व्यवहार करना एवं सीखना सिखाया जा सकता है।
(b) ज्ञान को सक्रिय रूप से संरचित करते हैं, जैसे-जैसे वे दुनिया में व्यवहार कौशल का प्रयोग करते हैं तथा अन्वेषण करते हैं।
(c) प्रेक्षणात्मक अधिगम की प्रक्रिया का अनुसरण करते हुए दूसरों का अवलोकन करके सीखते हैं।
(d) को उद्दीपन-अनुक्रिया संबंधों के सावधानीपूर्ण नियंत्रण के द्वारा एक विशेष तरीके से व्यवहार करने के लिए अनुबंधित किया जा सकता है।

133. निम्नलिखित में से कौन-सी एक मुख्य प्रक्रिया नहीं है जिसके द्वारा सार्थक अधिगम घटित होता है? *[CTET-2019-I]*

(a) अन्वेषण एवं पारस्परिक क्रिया
(b) कंठस्थीकरण एवं स्मरण
(c) पुनरावृत्ति एवं अभ्यास
(d) निर्देश एवं संचालन

134. संरचनात्मक दृष्टिकोण के अनुसार, अधिगम _____ है। *[CTET-2019-I]*

(a) अनुभव के परिणाम के रूप में व्यवहार में एक परिवर्तन होने की प्रक्रिया
(b) एक सक्रिय एवं सामाजिक प्रक्रिया
(c) एक निष्क्रिय एवं व्यक्तिपरक प्रक्रिया
(d) जानकारी के अर्जन की प्रक्रिया

135. बच्चों की गलतियाँ _____ *[CTET-2019-I]*

(a) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में महत्त्वहीन हैं।
(b) प्रदर्शित करती हैं कि बच्चे कितने लापरवाह हैं।
(c) बार-बार अभ्यास करने के लिए कह कर तुरंत सुधार देनी चाहिए।
(d) अधिगम का एक भाग हैं तथा उनके विचारों में एक अंतर्दृष्टि देती हैं।

136. वह विधियाँ जिनके प्रयोग में विद्यार्थियों की स्व पहल व प्रयास शामिल हैं, निम्न में से किसका उदाहरण हैं? *[CTET-2019-I]*

(a) परम्परागत विधि (b) अन्तर्वैयक्तिक बुद्धि
(c) निगमनात्मक विधि (d) अधिगमकर्त्ता केंद्रित विधि

137. इनमें से कौन-सा बाह्य अभिप्रेरणा का एक उदाहरण है? *[CTET-2019-II]*

(a) "मैं बहुत अधिक सीखती हूँ जब मैं अपना गृहकार्य करती हूँ।"
(b) "गृहकार्य करने से मैं अपनी अवधारणाओं को अच्छी तरह से समझ पाती हूँ।"
(c) "मैं अपना गृहकार्य पूरा करती हूँ क्योंकि शिक्षक प्रत्येक नियत कार्य के लिए हमें अंक देते हैं।"
(d) "मैं अपना गृहकार्य करना पसंद करती हूँ क्योंकि यह बहुत आनन्ददायक है।"

उत्तरमाला

1	(b)	**13**	(a)	**25**	(c)	**37**	(a)	**49**	(c)	**61**	(c)	**73**	(b)	**85**	(b)	**97**	(c)	**109**	(c)	**121**	(c)	**133**	(b)
2	(c)	**14**	(c)	**26**	(d)	**38**	(b)	**50**	(c)	**62**	(c)	**74**	(b)	**86**	(d)	**98**	(a)	**110**	(c)	**122**	(c)	**134**	(b)
3	(a)	**15**	(c)	**27**	(b)	**39**	(a)	**51**	(b)	**63**	(d)	**75**	(d)	**87**	(c)	**99**	(d)	**111**	(d)	**123**	(b)	**135**	(d)
4	(d)	**16**	(d)	**28**	(c)	**40**	(c)	**52**	(b)	**64**	(b)	**76**	(c)	**88**	(a)	**100**	(c)	**112**	(c)	**124**	(d)	**136**	(d)
5	(b)	**17**	(b)	**29**	(d)	**41**	(a)	**53**	(b)	**65**	(b)	**77**	(a)	**89**	(b)	**101**	(b)	**113**	(d)	**125**	(b)	**137**	(c)
6	(d)	**18**	(c)	**30**	(b)	**42**	(b)	**54**	(b)	**66**	(a)	**78**	(d)	**90**	(a)	**102**	(b)	**114**	(b)	**126**	(b)		
7	(d)	**19**	(b)	**31**	(d)	**43**	(b)	**55**	(c)	**67**	(a)	**79**	(d)	**91**	(a)	**103**	(a)	**115**	(a)	**127**	(b)		
8	(d)	**20**	(c)	**32**	(a)	**44**	(d)	**56**	(b)	**68**	(d)	**80**	(b)	**92**	(b)	**104**	(b)	**116**	(a)	**128**	(b)		
9	(c)	**21**	(a)	**33**	(b)	**45**	(c)	**57**	(c)	**69**	(b)	**81**	(d)	**93**	(b)	**105**	(d)	**117**	(d)	**129**	(a)		
10	(a)	**22**	(c)	**34**	(d)	**46**	(d)	**58**	(d)	**70**	(c)	**82**	(a)	**94**	(b)	**106**	(a)	**118**	(c)	**130**	(b)		
11	(d)	**23**	(d)	**35**	(c)	**47**	(c)	**59**	(b)	**71**	(c)	**83**	(b)	**95**	(b)	**107**	(c)	**119**	(a)	**131**	(b)		
12	(d)	**24**	(b)	**36**	(c)	**48**	(a)	**60**	(d)	**72**	(b)	**84**	(c)	**96**	(b)	**108**	(d)	**120**	(c)	**132**	(b)		

व्याख्या सहित उत्तर

2. (c) जब हम पूर्व अनुभवों को वर्तमान अनुभवों से जोड़ना सीख लेते हैं तो इसमें 'सादृश्यता का नियम' लागू होता है।
22. (c) जब कोई विद्यार्थी किसी कार्य को अपनी स्वयं की इच्छा से करता है तो वह विद्यार्थी आन्तरिक रूप से अभिप्रेरित होता है।
23. (d) दृश्य-श्रव्य सामग्री में आँख और कान साथ-साथ कार्य करते हैं, क्योंकि ज्ञान विभिन्न ज्ञानेन्द्रियों के माध्यम से प्राप्त किया जाता है, जिससे अधिकतम इन्द्रियों का उपयोग सीखने को संवर्द्धित होता है।
24. (b) आंशिक पुनर्बलन सतत् पुनर्बलन की अपेक्षा अधिक प्रभावी रहता है व तीव्र अधिगम हेतु प्रेरित करता है।
26. (d) स्कैफोल्डिंग से तात्पर्य है प्रभावी अधिगम हेतु वयस्कों द्वारा छात्र को अस्थायी सहयोग या संकेत देना जिससे छात्र गहनता से अध्ययन कर सकें।
28. (c) वह विद्यार्थी जो आंतरिक रूप से प्रेरित हो, उसे बाहरी पुरस्कार द्वारा अभिप्रेरित करने की कोई आवश्यकता नहीं। वह आंतरिक रूप से प्रेरित है तो लक्ष्य-प्राप्ति तक रूकेगा ही नहीं।
30. (b) शिक्षार्थियों द्वारा 'सीखने की तत्परता' संकेत करता है कि शिक्षार्थी शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से सीखने के लिए तैयार है अथवा नहीं।
31. (d) सांस्कृतिक कारक के अतिरिक्त अन्य सभी के कारण अधिगम अक्षमता उत्पन्न हो सकती है।
32. (a) प्रश्न में दिए गए विकल्पों में, शिक्षक की शिक्षण-शैली के अतिरिक्त अन्य सभी के कारण अधिगम अक्षमता उत्पन्न हो सकती है।
72. (b)
73. (b) किसी प्राथमिक विद्यालय में एक शिक्षक को छात्रें की उनके उद्देश्य को निर्धारित करने हेतु उनको सहयोग देना, भावनाएं एवं उद्वेग, प्रदर्शित करना सम्मिलित है। इसमें परिणामस्वरूप वस्तु, घटना या प्रक्रिया में ध्यान संकेंद्रित होता है।
74. (b) जब छात्र निश्चित पुस्तकों का पढ़ते हैं तो बच्चों को एक प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता हैं। लंबी अवधि में यह रणनीति काम नहीं करती क्योंकि यह प्रवृत्ति छात्रों के अन्दर केवल प्रमाणपत्र के लिए पढ़ने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देगी।
75. (d) प्रोत्साहन का वर्णन एक ऐसी स्थिति के रूप में किया जाता है जो हमें शक्ति प्रदान करता है, निर्देशित करता है एवं व्यवहार को संयमित रखता है। प्रोत्साहन में उद्देश्य सम्मिलित रहता है एवं इसके लिए सक्रियता की जरूरत होती है।
76. (c) किसी मनुष्य के अनुभवों की एक स्थिति को ही हमारी दैनिक जीवन की भाषा में भावनाएँ कहते हैं। भावनाएँ अकसर प्रकृति, व्यक्तित्व, स्थिति, शिक्षा एवं प्रोत्साहन से संबंधित रहती हैं।
77. (a) शिशु अपने विकास के साथ नित-नवीन व्यवहारों को सीखता है। नवीन संवेगों के प्रति अभिव्यक्ति, नियन्त्रण एवं उनके अर्थ को भी बालक जानने लगता है। बड़े होने पर व्यक्ति में जिन संवेगों का विकास होता हैं उनमें परिपक्वता की अपेक्षा अधिगम की महत्ती भूमिका होती हैं।
78. (d) अपने चिंतन में अवधारणात्मक परिवर्तन लाने हेतु शिक्षार्थियों को सक्षम बनाने के लिए शिक्षिका को स्पष्ट और आश्वस्त करने वाली व्याख्या देनी चाहिए तथा शिक्षार्थियों के साथ चर्चा करनी चाहिए। विद्यार्थी की विषय के प्रति जिज्ञासा को चर्चा के द्वारा शांत करना चाहिए जब वह विषय को भली भाँति समझ लेगा तब अवधारणा में परिवर्तन आएगा।
79. (d) बच्चे तब सर्वाधिक सृजनशील होते हैं, जब किसी गतिविधि में अपनी रुचि से भाग लेते हैं। अपनी रुचि से गतिविधि में भाग लेने पर बच्चे मानसिक रुप से तैयार होते है। अपने मन से वे कार्य करते हैं। पुरस्कार के लिए, शिक्षक की डाँट से बचने के लिए दूसरों के सामने अच्छा करने के दबाब में आकर भाग लेने वाली गतिविधि में सृजनात्मकता नहीं होती हैं।

80. (b) जब विद्यार्थियों को समूह में किसी समस्या पर चर्चा का अवसर दिया जाता है, तब उसके सीखने का वक्र बेहतर होता है क्योंकि विद्यार्थी समूह में अधिक सीखता है।

81. (d) नवीन ज्ञान व नवीन प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करने के की प्रक्रिया अधिगम की प्रक्रिया है। प्ररेणा कार्य को प्रारंभ करने, जारी रखने और नियमित करने की प्रक्रिया है। आन्तरिक अभिप्रेरणा के बिना अधिगम संभव नहीं है।

83. (b) जब बालक को किसी कार्य को करने से पुरस्कार मिलता है तो वह उस क्रिया को दोहराता है। अत: पुरस्कार बालक में सीखने की प्रक्रिया को पुष्ट करती है।

84. (c) बच्चों को समस्या-समाधान के लिए विभिन्न तरीको की सोचने के लिए कहकर शिक्षक बच्चों को सृजनात्मक विचारों के लिए प्रोत्साहित कर सकता है।

86. (d) आन्तरिक (भीतरी) प्रेरणा में बालक किसी कार्य को अपनी स्वयं की इच्छा से करता है। इस कार्य को करने से उसे सुख और संतोष प्राप्त होता है।

89. (b) उपर्युक्त सभी कारक अधिगम को प्रभावित करते हैं।

90. (a) सार्थक अधिगम का अर्थ है विद्यार्थी सीखे हुए ज्ञान को पूर्णत: समझ जाते है और पूर्व सीखे गये संग्रहीत तथ्यों से सम्बन्धित कर लेते हैं।

91. (a) ई॰ एल॰ थार्नडाइक ने सीखने के तीन मुख्य नियम एवं पांच गौण नियम प्रतिपादित किए हैं। उनके अनुसार, जब हम किसी कार्य को सीखने के लिए तैयार या तत्पर होते हैं, तो हम उसे शीघ्र सीख लेते हैं।

93. (b) ऐसी कोई क्रिया जो अनुक्रिया की संख्या में वृद्धि करती है, पुनर्बलन कहलाती है।

94. (b) आधुनिक अनुदेशन सिद्धान्तों का जनक राबर्ट गैन को माना जाता है। गैने ने अधिगम के निम्नांकित आठ प्रकारों की व्याख्या की है:

1. संकेत अधिगम, 2. उद्दीपक-अनुक्रिया अधिगम,
3. श्रृंखला अधिगम, 4. शाब्दिक साहचर्य अधिगम
5. विभेद अधिगम, 6. सम्प्रत्यय अधिगम,
7. सिद्धान्त अधिगम, 8. समस्या-समाधान अधिगम

95. (b) अभिप्रेरणा लक्ष्य-आधारित व्यवहार का उत्प्रेरण है। आन्तरिक प्रेरणा तब प्रकट होती है जब लोग कुछ करने के लिए आन्तरिक रुप से प्रेरित होते हैं, क्योंकि यह या तो उन्हें खुशी देती है, उन्हें लगता है कि यह महत्वपूर्ण है, या महसूस करते हैं कि वे जो सीख रहे हैं वो सार्थक है।

96. (b) सीखने की प्रक्रिया की एक प्रमुख विशेषता पठार है। इससे उस अवधि को व्यक्त करते हैं जब सीखने की क्रिया में कोई उन्नति नहीं होती है।

97. (c) सीखने में प्रयास व भूल के सिद्धान्त का प्रतिपादन ई॰एल॰ थार्नडाइक ने किया है। उन्होंने इस सिद्धान्त के विषय में बताते हुए कहा है, कि जब व्यक्ति कोई कार्य सीखता है, तब उसके सामने एक विशेष स्थिति या उद्दीपक होता है, तो उसे विशेष प्रकार की प्रतिक्रिया करने के लिए प्रेरित करता है।

98. (a) क्रियाप्रसूत अनुबंधन के सिद्धान्त की नींव ई॰एल॰ थॉर्नडाइक द्वारा ही रखी गयी थी। परन्तु इसका पूर्णरूपेण विकास बी॰एफ॰ स्कीनर द्वारा किया गया।

स्किनर के क्रिया प्रसूत अनुकूलन सिद्धान्त के अनुसार व्यवहार के परिणाम, क्रिया के होने की संभावना को प्रभावित करते हैं।

99. (d) सीखने के सूझ व अन्त:दृष्टि के सिद्धान्त का प्रतिपादन कोहलर ने किया था। यह सिद्धान्त गैस्टाल्टवाद से सम्बन्धित है।

101. (b) एक परिस्थिति में सीखे हुए ज्ञान, कौशल, आदतों का अन्य परिस्थिति में अनुप्रयोग ही अधिगम या प्रशिक्षण का अन्तरण है। साइकिल चलाने वाले बालक के लिए मोटरबाइक चलाना सीखना ऊर्ध्व अधिगम अन्तरण का उदाहरण है।

104. (b) मैक्डूगल के अनुसार-'संवेग उत्पन्न होने पर जो क्रिया होती है वह मूलप्रवृत्ति कहलाती है।

106. (a) 'रूपग्राम' संभाषण में अर्थ की सबसे छोटी इकाई है। यह वाक्य-रचना तथा अर्थ-अभिव्यक्ति की सहायक इकाई है। जैसे: परमेश्वर- यहाँ 'परम' तथा 'ईश्वर' दो रूपग्राम हैं।

107. (c) अतिसंवेदनशील बच्चों को सीखने में मदद करने के लिए उनके बेचैन होने पर अक्सर उन्हें फटकार लगाना यह तरीका सही नहीं है। बच्चों को फटकार लगाने से उनकी जिज्ञासा कम हो जाती है। इनके अंदर पूछने से डर लगने लगता है।

108. (d) भारतीय शिक्षण व्यवस्था में पाठ्यपुस्तक की एक अहम भूमिका है। पाठ्यपुस्तक ही वो धुरी है जिसके इर्द-गिर्द कक्षा में होने वाला शिक्षा घूमता है, वह आधार जिस पर परीक्षा ली जाती है। कक्षा में पाठ्यपुस्तकों की भूमिका का सबसे अच्छा वर्णन करता है।

109. (c) कक्षा में बच्चों को प्रेरित समझा जा सकता है, यदि वे शिक्षक से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए प्रश्न पूछते हैं। जब कोई शिक्षक किसी कक्षा में किसी पुस्तक के एक अध्याय को पढ़ा देता है तो ऐसी स्थिति में बच्चों को समझ में आया या नहीं आया, इसका पता लगाना मुश्किल होता है। लेकिन जब उसी कक्षा में से कोई बच्चा प्रश्न करता है तो समझा जा सकता है कि शिक्षक ने उस अध्याय को स्पष्ट तरीके से पढ़ाया है।

110. (c) अधिगम का अर्थ होता है, सिखना या जानना। यह एक व्यापक सतत् एवं जीवन पर्यन्त चलने वाली महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। बच्चों में अधिक सुधार करने के लिए सबसे अधिक उपयुक्त, दिये गये विकल्पों में से शिक्षक को वास्तविक जीवन स्थितियों पर बच्चों को एक-दूसरे के साथ बातचीत करने में मदद करनी चाहिए।

111. (d) अनुशासन जो अधिगम वातावरण में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है, बच्चों को अपनी शिक्षा को नियमित और मॉनीटर करने के लिए मदद करता है, अनुशासन में रह कर सीखने में आसानी होती है जिससे क्योंकि एक साथ बहुत से बच्चे एक-दूसरे की मदद करते हैं जिससे किसी काम को करने में आसानी होती है।

112. (c) विभिन्न तरीकों से हम इसे कैसे हल कर सकते हैं यह प्रश्न बच्चों को गंभीर रूप से सोचने के लिए आमंत्रित करता है। जैसे-जैसे बच्चों की उम्र बढ़ती है उसका कार्य क्षेत्र बढ़ता जाता है। वैसे-वैसे उसकी बुद्धि का विकास भी होता जाता है। बच्चे सरल तरीकों के माध्यम से सीखते हैं। बच्चों में सीखने की प्रवृत्ति ज्यादा होती है।

113. (d) किसी भाषा के स्वीकृत ध्वनि संयोजनों को इससे ध्वनि-संबंधी नियमों के अंतर्गत बताया जाता है। भाषा विज्ञान में ध्वनि-संबंध प्रमुख नियम निम्नवत् हैं- (1) ग्रिम नियम (2) वर्नर नियम (3) ग्रासमान नियम तथा (4) तालव्य नियम।

114. (b) ग्रेडिंग, कोडिंग, अंकन और क्रेडिट संचय प्रणालियों आलेख-पत्र (रिपोर्ट कार्ड) में अकादमिक, अकादमिक प्रगति का प्रयोग अनेक कामों के लिए किया जाता है।

115. (a) अधिगम (सीखना) एक व्यापक सतत् एवं जीवन पर्यन्त चलने वाली महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। अधिगम का शिक्षा के क्षेत्र में विशेष योगदान है। शिक्षण अधिगम का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है। शिक्षण अधिगम विधियां ही वर्ग में बच्चों को सिखाने में शिक्षकों की सहायता करता है।

116. (a) शिक्षक को ही शिक्षा पद्धति की वास्तविक गत्यात्मक शक्ति तथा शैक्षिक संस्थाओं की आधारशिला माना गया है। शिक्षक ही वह शक्ति है जो प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को सबसे अधिक प्रभावित करता है, व्यक्तिगत विविधताओं वाले बच्चों का अर्थ हुआ उनमें सामाजिक धार्मिक, शारीरिक संरचना और भाषाई आधार पर अन्तर, इन्हें पढ़ाने के लिए शिक्षक विभिन्न शिक्षण अधिगम प्रविधियों का प्रयोग करने में प्रशिक्षित हो।

117. (d) विभेदी अनुदेशन का अर्थ हुआ विभिन्न प्रकार से किसी विषय को समझाना लेकिन अनुदेशन पद के अंतर्गत शिक्षण की प्रक्रिया का वर्णन किया जाता है। शिक्षण के उद्देश्य और छात्र के पूर्वज्ञान को दृष्टि में रखते हुए शिक्षण की विधियों, प्रविधियों अथवा व्यूहों की रचना कि जाती है। प्रत्येक शिक्षक के ज्ञान का स्तर भिन्न-भिन्न होता है। इसको ध्यान में रखते हुए उनकी व्यक्तिगत क्षमता के आधार पर इन्हें शिक्षण का कार्य दिया जाता है। वर्ग में बच्चों को पढ़ाते समय शिक्षक विषय को बच्चों तक पहुँचाने के लिए जो क्रिया करते हैं उसे अनुदेशन करते हैं।

118. (c) प्रतिपालन अधिगम का एक विशिष्ट चरण है, जो अधिगम के सामान्यीकरण चरण का पूर्ववर्ती अधिगम को शिक्षा मनोविज्ञान का हृदय कहा जाता है, क्योंकि शिक्षा का सर्वप्रथम उद्देश्य सीखना है। गेट्स के अनुसार "अनुभव के द्वारा व्यवहार में होने वाले परिवर्तन को अधिगम या सीखना कहते हैं।" सीखने के प्रथम चरण में सामान्यीकरण को अपनाया जाता है।

119. (a) प्रीमैक के सिद्धांत के अनुसार, यदि एक क्रिया की आवृत्ति किसी दूसरी क्रिया या कार्य से अधिक है तब पहली क्रिया का उपयोग दूसरी क्रिया या कार्य जिसकी आवृत्ति कम है, के लिए पुनर्बलन (Reinforce) के रूप में किया जा सकता है।

120. (c) प्रयास एंव त्रुटि का सिद्धांत थॉर्नडाइक द्वारा प्रस्तुत किया गया था। इसके अनुसार सफल प्रतिक्रियाओं का चयन करके बालक सीखने की प्रक्रिया में आगे बढ़ता है। प्रभाव के नियम के अनुसार व्यक्ति किसी अनुक्रिया या कार्य को उसके प्रभाव के आधार पर सीखता है।

121. (c) **निरीक्षणात्मक अधिगमः** इसमें बालक दूसरों के व्यवहार को देखकर सीखता है। यह सामाजिक अधिगम का ही एक रूप है जिसमें विभिन्न प्रक्रियाओं का समावेश होता है। इस अधिगम में बालक माता-पिता, भाई-बहन, मित्र अथवा आस-पास के परिवेश से शिक्षण प्राप्त करता है।

122. (c) नकारात्मक पुनर्बलन किसी अनुक्रिया को दृढ़ बनाता है जबकि दंड किसी अनुक्रिया को कमजोर बनाता है। नकारात्मक पुनर्बलन अनुक्रियाओं की संख्या में वृद्धि करता है।

123. (b) जब एक निश्चित समय के बाद प्रतिफल प्राप्त होता है तो इसे स्थिर अंतराल पुनर्बलन कहते हैं। स्थिर अंतराल पुनर्बलन का उदाहरण नहीं है- एक व्यस्त नंबर को डायल करना। प्रतिमाह वेतन प्राप्त करना, एक निश्चित समयावधि पर दंत चिकित्सक के पास जाँच हेतु जाना तथा प्रतिवर्ष वेतन वृद्धि मिलना, इत्यादि स्थिर अंतराल पुनर्बलन के उदाहरण हैं।

124. (d)

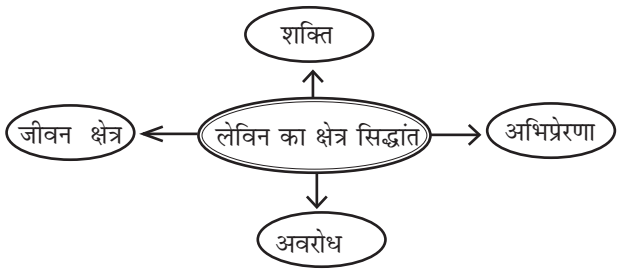

125. (b) बोबो डॉल प्रयोग का संबंध निरीक्षणात्मक अधिगम से है। इस अधिगम में शामिल हैं- दूसरों के व्यवहार को देखकर उनके अनुरूप व्यवहार करना, व्यवहार को अपने जीवन में उतारना, समाज द्वारा स्वीकृति व्यवहार को धारण करना व अमान्य व्यवहारों को त्यागना इत्यादि।
बोबो डॉल बच्चों के आक्रमण व्यवहार से सम्बन्धित है जो खिलौने के प्रति दृष्टिगोचर होती है।

126. (b) अनुप्रयुक्त व्यवहार विश्लेषण, क्रिया प्रसूत अनुबंधन से संबंधित है। इसके अनुसार, अभिप्रेरणा से उत्पन्न क्रियाशीलन ही सीखने के लिए उत्तरदायी है। इसमें दो प्रकार की क्रियाएं होती हैं- क्रिया प्रसूत तथा उद्दीपन प्रसूत।

127. (b) निरीक्षणात्मक अधिगम के चार तत्वों का सही क्रम-
अवधान → धारणा → पुनरुत्पादन → अभिप्रेरणा

128. (b) पूर्वसक्रिय व्यवधान एक ऐसी प्रक्रिया है जो पूर्वव्यापी व्यवधान के विपरीत व्यवधान की स्थिति होती है। इसमें पुरानी जानकारी नई जानकारी को याद करने से रोकती है।

129. (a) पुरस्कार एक प्रकार का रुचिकर उद्दीपक होता है जो वांछनीय व्यवहार में वृद्धि करता है। यह अनुक्रिया को सुदृढ़ता प्रदान करने हेतु दिया जाता है। यह रिश्वत का प्रकार नहीं हो सकता है, क्योंकि यह गैर-सामाजिक तथा अनैतिक पहलू है।

130. (b) सभी बच्चे सीखने के लिए स्वाभाविक रूप से प्रेरित होते हैं तथा सीखने में सक्षम भी होते हैं। यह उनके अनुकूलन प्रक्रिया के माध्यम से घटित होता है।

131. (b) लेव वायगोत्स्की के अनुसार- अधिगम एक सामाजिक गतिविधि है। बच्चों में स्वयं अनुभूति द्वारा सीखना अधिगम कहलाता है। बच्चा समाज में रहता है जिसमें होने वाली घटनाएं अपना प्रभाव बच्चे पर डालती हैं। परिवार, समाज, समुदाय तथा विद्यालय इत्यादि सभी स्थानों पर बच्चे को सीखने को मिलता है।

132. (b) जीन पियाजे के अनुसार, बालकों के संज्ञानात्मक विकास की प्रमुख चार अवस्थाएं होती हैं- इन्द्रियजनित गामक अवस्था (0-2 वर्ष), पूर्व संक्रियात्मक अवस्था (2-7 वर्ष), मूर्त-संक्रियात्मक अवस्था (7-11 वर्ष) तथा अमूर्त-संक्रियात्मक अवस्था (11-15 वर्ष), विकास की इस अवस्थाओं से गुजरते हुए बच्चे अपने ज्ञान में वृद्धि करते हैं। बच्चे ज्ञान को सक्रिय रूप से संरचित करते हैं, जैसे-जैसे वे दुनिया में व्यवहार कौशल का प्रयोग करते हैं तथा अन्वेषण करते हैं।

133. (b) अन्वेषण एवं पारस्परिक क्रिया, पुनरावृत्ति एवं अभ्यास तथा निर्देश व संचालन के द्वारा सार्थक अधिगम घटित होता है। किसी विषय वस्तु को कंठस्थ करना या स्मरण करना सार्थक अधिगम के अंतर्गत नहीं आता है।

134. (b) संरचनात्मक दृष्टिकोण के अनुसार, अधिगम एक सक्रिय एवं सामाजिक प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया में बच्चा अनवरत सीखने की प्रक्रिया में लगा रहता है। सामाजिक गतिविधियों के द्वारा विभिन्न प्रकार का ज्ञान प्राप्त करता है।

135. (d) थार्नडाइक के अनुसार, सीखना संबंध स्थापित करना है। किसी विशेष परिस्थिति में बालक कोई अनुक्रिया करता है। ये अनुक्रियाएं प्रारंभ में त्रुटिपूर्ण होती हैं किंतु बार-बार प्रयास के उपरांत दोषपूर्ण अनुक्रियाएं कम होती जाती हैं। बच्चों की गलतियाँ अधिगम का एक भाग हैं तथा उनके विचारों में एक अंतर्दृष्टि देती हैं। गलतियों के बाद बच्चा उसमें सुधार की कोशिश करता है।

136. (d) अधिगमकर्ता केंद्रित विधि में बच्चा स्वयं प्रयास करके सीखने का प्रयास करता है। स्किनर के अनुसार- "सीखना व्यवहार में उत्तरोत्तर सामंजस्य की प्रक्रिया है।" अधिगम एक प्रक्रिया है जिसमें अनुभव एवं प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार में स्थायी तथा अस्थायी परिवर्तन दिखाई देता है।

137. (c) जब कोई बच्चा गृहकार्य करता है तथा शिक्षक द्वारा इसका मूल्यांकन, अंक प्रदान करके किया जाता है तो यह बाह्य अभिप्रेरणा के अंतर्गत आएगा। इससे बच्चे उत्प्रेरित होकर गृहकार्य को त्वरित गति से करते हैं।

EBD_7907

अभ्यास - 2

1. दृष्टि या सूझ के सिद्धान्त के जनक हैं-
(a) मैक्डूगल (b) वेवर
(c) कोह्लर (d) पैवलाव

2. पैवलाव ने सम्बद्ध प्रत्यावर्तन सिद्धान्त का प्रयोग सर्वप्रथम किस पर किया?
(a) बिल्ली पर (b) बंदर पर
(c) कुत्ते पर (d) चूहे पर

3. एक शिक्षक अपने अध्यापन में बालकों के पूर्व ज्ञान को नवीन ज्ञान से जोड़ता है यह किस शिक्षण सूत्र पर आधारित है-
(a) ज्ञात से अज्ञात (b) पूर्ण से अंश
(c) अनिश्चित से निश्चित (d) उपरोक्त में से नहीं

4. शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में स्वतंत्र चर हैं-
(a) शिक्षक (b) शिक्षार्थी
(c) कक्षा-कक्ष (d) पाठ्य-वस्तु

5. शिक्षण के स्तर हैं-
(a) स्मृति (b) बोध
(c) चिन्तन (d) उपरोक्त सभी।

6. शिक्षण की अवस्थाएँ मानी गई हैं-
(a) 2 (b) 4
(c) 3 (d) 5

7. आगमन विधि के जन्मदाता है-
(a) फ्रोबेल (b) ब्रेकन
(c) वर्ट (d) अरस्तू

8. मैस्लो ने सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण किन आवश्यकताओं को माना है?
(a) सुरक्षा सम्बंधी
(b) शारीरिक आवश्यकता
(c) स्नेह की आवश्यकता
(d) सम्मान की आवश्यकता

9. थार्नडाइक के अनुसार सीखने के मुख्य नियम कितने हैं?
(a) 3 (b) 2
(c) 5 (d) 7

10. आत्म-केन्द्रित व्यक्ति को किस वर्ग में रखा जाता है?
(a) अन्तर्मुखी (b) बहिर्मुखी
(c) उभयमुखी (d) इनमें से कोई नहीं

11. मूल्यों के आधार पर व्यक्तित्व का वर्गीकरण किसने किया है?
(a) मरे (b) मार्गन
(c) थार्नडाइक (d) स्प्रेन्गर

12. कथा प्रसंग परीक्षण (TAT) का निर्माण किसने किया?
(a) मरे (b) मरे मार्गन
(c) मार्गन (d) बैलक

13. बालक का स्वास्थ्य किस तत्त्व पर निर्भर करता है?
(a) परिवार पर (b) विद्यालय पर
(c) समाज पर (d) इन सभी पर

14. शिक्षक का मानसिक स्वास्थ्य किसके लिए उपयोगी होता है?
(a) स्वयं के लिए (b) शिक्षार्थियों के लिए
(c) समाज के लिए (d) सभी के लिए

15. पुरस्कार एक प्रेरणा है-
(a) अप्रत्यक्ष (b) प्रत्यक्ष
(c) नकारात्मक (d) सकारात्मक

16. विद्यार्थियों को पुरस्कार देने का उद्देश्य होता है-
(a) उत्तम गुणों का विकास
(b) प्रलोभन लेने की आदत
(c) रिश्वत का अर्थ समझाना
(d) संवेगों को उद्दीप्त करना

17. दण्ड बालकों पर कैसा प्रभाव डालता है?
(a) पाराविकता (b) सुधारात्मक
(c) अल्पकालिक (d) बदला प्रेरक

18. यह एक सामाजिक प्रेरक है-
(a) भूख (b) प्यास
(c) आत्म-गौरव (d) प्रेम

19. जैविक प्रेरक है-
(a) नींद (b) अर्जनात्मकता
(c) मद्यपान (d) आत्म-प्रशंसा

20. प्रशंसा व निंदा दो ऐसी प्रेरणायें हैं जो बालक में वृद्धि करती हैं-
(a) अनुशासन की (b) शरीर की
(c) सामाजिक प्रेरक की (d) उपरोक्त सभी

21. अभिप्रेरणा का प्रश्न 'क्यों' का प्रश्न है'' यह कथन है-
(a) हिलगार्ड (b) क्रेच व क्रचफील्ड
(c) वुडवर्थ (d) स्किनर

22. वियना के सिग्मंड फ्रायड किस वाद के प्रवर्तक थे
(a) व्यवहारवाद (b) संरचनावाद
(c) प्रयोजनवाद (d) मनो-विश्लेषणवाद

23. अन्तर्दृष्टि का सिद्धान्त प्रतिपादित किया-
(a) मनो-विश्लेषणवाद ने (b) अवयवीवाद
(c) प्रयोजनवाद (d) पूर्णांगवाद

24. अनुभव व प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार में रूपान्तरण ही अधिगम है। यह कथन किसका है?
(a) स्किनर (b) क्रानबैक
(c) मेट्स व अन्य (d) वुडवर्थ

25. आई.पी. पैवलाव ने प्रयोग किया है-
(a) बिल्ली पर (b) चूहों पर
(c) कुत्तों पर (d) चिम्पांजी पर

26. अधिगम के प्रयत्न व मूल सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं-
(a) कोह्लर (b) वार्नडाइक
(c) हल (d) पैवलाव

27. गेस्टाल्ट स्कूल ऑफ साइकलोजी के प्रणेता हैं-
(a) कोह्लर (b) स्किनर
(c) पेस्टालॉजी (d) वाटसन

28. व्यक्तित्व मापन की परीक्षण विधि है-
(a) रोर्शा परीक्षण (b) परिस्थिति परीक्षण
(c) व्यक्तित्व परिसूची (d) व्यक्ति इतिहास

29. मानवीय आवश्यकता सिद्धान्त का प्रतिपादन किया-
(a) जान वी. डिस्को (b) डी हैब ने
(c) मैस्लो ने (d) मरे ने

30. अभिप्रेरणा का स्वास्थ्य सिद्धान्त दिया है-
(a) डी हैब (b) डिस्को ने
(c) एच वर्ग (d) स्किनर

31. अभिप्रेरणा देने की प्रमुख विधि है-
(a) प्रशंसा करना (b) पुरस्कार देना
(c) प्रतियोगिता करना (d) उपरोक्त सभी

32. अभिप्रेरणा देने वाला घटक है-
(a) आकांक्षा स्तर (b) उत्तेजना देना
(c) प्रोत्साहन करना (d) उपरोक्त सभी

33. प्रेरक होता है-
(a) निस्पत्ति (b) प्रगति
(c) उत्तरदायित्त्व (d) उपरोक्त सभी

34. सशक्त अभिप्रेरणा सीखने का प्रभावशाली घटक है-
(a) बालक स्वस्थ रहता है (b) भक्ति करता है
(c) शीघ्र सीखता है (d) प्रसन्न रहता है

35. हम करके सीखते हैं। किसने कहा
(a) डॉ. मेस (b) योक्म
(c) कालसेनिक (d) सिम्पसन

36. अधिगम को प्रभावित करने वाला व्यक्तिगत कारक है
(a) संचार के साधन (b) समवयस्क समूह
(c) अध्यापक (d) परिपक्वता एवं आयु

37. सीखने के वे कौन-से कारक है,जो सीखने को प्रभावित करते हैं।
(a) शिक्षणार्थी का शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य
(b) प्रेरणा और उपलब्धि का अभिप्रेरण स्तर
(c) उत्सुकता और इच्छाशक्ति
(d) उपरोक्त सभी

38. सीखने के संज्ञानात्मक सिद्धान्त का प्रतिपादन किसने किया था?
(a) कोह्लर ने (b) टालमैन ने
(c) वुडवर्थ ने (d) इनमें से कोई नहीं

39. अधिगम में किस स्थानान्तरण को सीढ़ी के ऊपर चढ़ने के समान माना गया है?
(a) पार्श्वीय स्थानान्तरण (b) अनुलम्ब स्थानान्तरण
(c) अनुक्रमिक स्थानान्तरण (d) द्विपार्शीय स्थानान्तरण

40. बच्चों में सीखने में सम्बन्धित 'प्रबलन का सिद्धान्त' निम्न में से किसकी देन है?
(a) स्किनर (b) हल
(c) हेगरटी (d) पावलॉव

41. सीखने का वह सिद्धान्त जो पूर्ण रूप से और केवल 'अवलोकनीय व्यवहार' पर आधारित है, सीखने के ..... सिद्धान्त से सम्बद्ध है।
(a) विकासवादी (b) व्यवहारवादी
(c) रचनावादी (d) संज्ञानवादी

42. कोलहार ने अपना अधिगम सिद्धान्त प्रतिपादित करने के लिए प्रयोग किया
(a) अलबर्ट नामक बन्दर पर
(b) अलबर्ट नामक चिम्पांजी पर
(c) सुल्तान नामक बन्दर पर
(d) सुल्तान नामक चिम्पांजी पर

43. 'सीखना विकास की प्रक्रिया है'। कथन है
(a) स्पेन्सर (b) वुडवर्थ
(c) क्रो व क्रो (d) क्रोनबैंक

44. अधिगम की प्रकृति है
(a) तथ्यात्मकता (b) गुण दोष विवेचन
(c) बौद्धिकता (d) ये सभी

45. बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में माता-पिता को ..... भूमिका निभानी चाहिए।
(a) नकारात्मक (b) अग्रोन्मुखी
(c) सहानुभूति (d) तटस्थ

46. अधिगत निर्योग्यता का लक्षण है
(a) भागने की प्रवृति होना
(b) अशान्त, ऊर्जावान एवं विध्वंसक होना
(c) अवधान सम्बन्धी बाधा/विकार
(d) अभिप्रेरणा का अभाव

47. रचनात्मक लेख का नियोजन होना चाहिए
(a) केवल उन छात्रों के लिए जो कक्षा स्तर पर पढ़ते हैं
(b) केवल उन छात्रों के लिए जो लम्बे वाक्य को लिख सकते हैं
(c) केवल उन छात्रों के लिए जो समाचार-पत्र के लिए लिखना चाहते हैं
(d) सभी छात्रों के लिए

48. जब बच्चा दूसरों के कार्य या व्यवहार को देखकर उसी तरह कार्य या व्यवहार करता है, तो उसे कहते हैं
(a) प्रेरणा (b) मूल प्रवृत्ति
(c) अनुकरण (d) अनुबन्धन

49. बालकों में स्वाध्याय की आदत के विकास का सर्वोत्तम तरीका है
(a) उपयुक्त स्थान
(b) छात्रों को पढ़ने को कहना
(c) छात्रों के सामने स्वयं पढ़ना
(d) छात्रों से बिल्कुल बात न करना

50. गेस्टाल्टवादियों के अधिगम का कौन-सा सिद्धान्त दिया?
(a) साहचर्य का सिद्धान्त
(b) अन्तर्दृष्टि का सिद्धान्त
(c) क्षेत्र सिद्धान्त
(d) प्रयास एवं मूल का सिद्धान्त

51. जब किसी सीखे गए कौशल का प्रभाव, किसी दूसरे कौशल को सीखने में पड़ता है, तो इस प्रभाव को कहते हैं
(a) अधिगम की उन्नति
(b) अधिगम का स्थानान्तरण
(c) अधिगम की अनिवार्यता
(d) इनमें से कोई नही

52. जब किसी बालक में सीखी गई बात का अन्तरण समान स्तर की परिस्थिति में होता है, तो इसे कहा जाता है
(a) पार्श्वीय स्थानान्तरण (b) अनुलम्ब स्थानान्तरण
(c) अनुक्रमिक स्थानान्तरण (d) इनमें से कोई नहीं

53. सीखने की प्रक्रिया में विद्यार्थी द्वारा की गई त्रुटियों के सम्बन्ध में आपकी दृष्टि में निम्न में कौन-सा कथन सर्वोत्तम है?
(a) विद्यार्थी को कभी त्रुटियाँ नहीं करनी चाहिए
(b) त्रुटियाँ अधिगम प्रक्रिया का भाग हैं
(c) विद्यार्थी की लापरवाही के कारण त्रुटियाँ होती हैं
(d) कभी-कभी विद्यार्थी त्रुटियाँ कर सकता है

54. बच्चा किसी प्रकार सीखता है?
(a) पुस्तकें पढ़कर (b) परिचर्चा द्वारा
(c) प्रश्न पूछकर (d) कई प्रकार से

55. उपलब्धि अभिप्रेरणा है
(a) चुनौतीपूर्ण कार्य करने में डटे रहने की प्रवृत्ति
(b) असफलता से बचने की प्रवृत्ति
(c) सफलता व असफलता को समान रूप से स्वीकार करने की तत्परता
(d) बिना विचारे, जल्दबाजी में कार्य करने की प्रवृत्ति

56. आप अपनी कक्षा के किसी बालक को पढ़ाने हेतु उसे प्रेरित करने का कौन-सा तरीका उपयुक्त मानते हैं?
(a) बालक के आत्मसम्मान को सुरक्षित करना
(b) उसकी प्रशंसा दूसरे बालकों के समक्ष करना
(c) उसे सकारात्मक प्रलोभन देना
(d) बालक के प्रेरकों का मार्गन्तीकरण करना

57. मैसलो के आवश्यकता पदानुक्रम सिद्धान्त के अनुसार कोन-सी आवश्यकता सबसे अन्त में पूरी होती है?
(a) सम्मान (b) आत्न-यथार्थता
(c) सुरक्षा (d) सामाजिक

58. आन्तरिक रूप से अभिप्रेरित विद्यार्थी
(a) के लिए पुरस्कार की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं है
(b) के लिए बाह्य पुरस्कार उसकी अभिप्रेरणा को बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं है
(c) का बाह्य रूप से अभिप्रेरित विद्यार्थी की तुलना में अभिप्रेरणा स्तर कम होता है
(d) के लिए औपचारिक शिक्षा की आवश्यकता नहीं है

59. निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता आन्तरिक रूप से अभिप्रेरित बच्चों के लिए सही नहीं है?
(a) उन्हें कार्य करने में आनन्द आता है
(b) वे कार्य करते समय उच्च स्तर की ऊर्जा प्रदर्शित करते हैं
(c) वे चुनौती भरे कार्यों को पसन्द करते हैं
(d) ये हमेशा सफल होते हैं

60. सीखने में प्रेरणा का स्थान अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे बालकों में
(a) व्यक्तिगत विभिन्नताओं में कमी होती है
(b) शारीरिक विकास होता है
(c) अनुशासन की भावना का विकास होता है
(d) सामाजिक गुण सीमित रहते हैं

61. प्रेक्षणात्मक अधिगम सम्प्रतय .....द्वारा दिया गया था।
(a) टोलमैन (b) वैन्दूरा
(c) थार्नडाइक (d) कोह्लर

62. अधिगम में ..... ने प्रभाव का नियम दिया था
(a) पॉवलॉव (b) स्किनर
(c) वाटसन (d) थार्नडाइक

EBD_7907

63. अवधान के आन्तरिक अथवा व्यक्तिनिष्ठ निर्धारक है
(a) रुचि, लक्ष्य, अभिवृत्ति (b) उद्दीपक, वस्तु, प्रविधि
(c) प्रकाश, ध्वनि, गंध (d) पुरस्कार , दण्ड, प्रोत्साहन

64. सीखने की प्रक्रिया का प्रथम सोपान है-
(a) पाठ्य-पुस्तक पठन (b) रुचि
(c) अनुभव (d) जिज्ञासा

65. आर्थिक स्तर पर प्रभाव निम्नलिखित में से किस पर नहीं पड़ता है?
(a) आत्मसम्मान पर
(b) सीखने की क्षमता पर
(c) मंहगे शिक्षण संस्थानों में प्रवेश पर
(d) जीवनयापन पर

66. निम्नलिखित में से गेस्टाल्टवाद का जन्मदाता किसे कहा जाता है?
(a) मैक्स वर्दाइमर को (b) कोहलर को
(c) कोफ्फा को (d) ब्राउन को

67. ''शिक्षा मनोविज्ञान व्यक्ति के जन्म से लेकर वृद्धावस्था तक सिखने के अनुभवों का वर्णन तथा व्याख्या है।'' यह कथन किस मनोवैज्ञानिक का है?
(a) किल्फोर्ड का (b) स्किनर का
(c) ब्राउन का (d) क्रो एंड क्रो का

68. निम्नलिखित में से प्रेरक सम्प्रदाय के प्रतिपादक है-
(a) सिगमंड फ्रायड (b) वर्दाइमर
(c) कुर्ट लेविन (d) मेक्डूगल

69. निम्नलिखित में से अधिगम को अप्रभावित करने वाले कारक है-
(a) बुद्धि (b) परिपक्वता
(c) भूख (d) उत्सुकता

70. ''अनुभव एवं प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार में संशोधन ही अधिगम है।'' यह परिभाषा किस वैज्ञानिक ने दी है?
(a) मार्गन ने (b) वुडवर्थ ने
(c) गेट्स ने (d) गिल्फोर्ड ने

71. निम्नलिखित में से अधिगम का सिद्धांत नहीं है?
(a) सम्बन्धवाद का सिद्धांत
(b) डॉप्लर सूझ का सिद्धांत
(c) अनुकूलित अनुक्रिया का सिद्धांत
(d) पुनर्बलन का सिद्धांत

72. निम्नलिखित में से किस मनोवैज्ञानिक का सिद्धांत ''सुव्यवस्थित व्यवहार का सिद्धांत'' के नाम से जाना जाता है?
(a) बर्कल का (b) सी. एल. एल. का
(c) थोर्नडाइक (d) कोह्लर का

73. वोल्फ गेंग कोह्लर द्वारा ''अंतर्दृष्टि अधिगम'' का प्रयोग कब किया गया?
(a) सन् 1921 में (b) सन् 1922 में
(c) सन् 1917 में (d) सन् 1920 में

74. ''अंतर्दृष्टि अधिगम'' में समस्या की किस स्थति पर ध्यान दिया जाता है?
(a) सम्पूर्ण स्थति पर (b) प्रारंभिक स्थति पर
(c) विशेष स्थति पर (d) लुप्त स्थति पर

75. स्वप्रेरणा द्वारा अधिगम कैसा होता है?
(a) कम प्रभावशाली (b) बहुत प्रभावशाली
(c) सामान्य (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

76. एक छात्र के अधिगम पर उसकी आर्थिक स्थिति का किस प्रकार प्रभाव पड़ता है?
(a) अमीर छात्र अधिक अधिगम करता है
(b) किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ता है।
(c) गरीब छात्र कम अधिगम करता है।
(d) उपरोक्त में से कोइ नहीं

77. ''तत्परता का नियम'' अधिगम का किस प्रकार का नियम है?
(a) मुख्य नियम (b) सहायक नियम
(c) गौण नियम (d) उपरोक्त सभी

78. ''अधिगम को ठोस सिद्धांत'' किस मनोवैज्ञानिक द्वारा दिया गया?
(a) बी. एफ. स्किनर द्वारा (b) हेगर्टी द्वारा
(c) थोर्नडाइक द्वारा (d) थर्स्टन द्वारा

79. निम्नलिखित में से अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक है सिवाय-
(a) अभिप्रेरण (b) रुचि
(c) शारीरिक शक्ति (d) पुनर्बलन

80. अनुभव एवं प्रशिक्षण द्वारा व्यवहार में परिवर्तन लाना क्या कहलाता है?
(a) प्रेरकों का शमन (b) व्यवहार कुशलता
(c) सभ्यता (d) अधिगम

81. उत्तेजक-अनुकूलन सिद्धांत का सम्बन्ध किस मनोवैज्ञानिक से है?
(a) बी. एफ. स्किनर से (b) थोर्नडाइक से
(c) हेगर्टी से (d) थर्स्टन से

82. अभिप्रेरणा तथा उद्देश्य सीखने की प्रक्रिया को क्या प्रदान करते हैं?
(a) प्रेरणा (b) बाधा उत्पन्न करते है
(c) उपरोक्त दोनों (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

83. ''सीखना आदतों, ज्ञान और अभिवृति का अर्जन है।'' यह किस मनोविज्ञानी का कथन है?
(a) गेट्स का (b) क्रो एंड क्रो का
(c) फ्रायड का (d) जेम्स ड्रेवर का

84. ''प्रेरणा कार्य को प्रारंभ करने, जारी रखने और नियमित करने की प्रक्रिया है।'' यह किस मनोविज्ञानी का कथन है?
(a) गुड का (b) स्किनर का
(c) थोमसन का (d) हल का

85. निम्नलिखित में से बाह्य प्रेरणा का वास्तव में अर्थ क्या है?
(a) साकारात्मक प्रेरणा को (b) नकारात्मक प्रेरणा को
(c) ज्ञानात्मक प्रेरणा को (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

86. थॉमसन के अनुसार 'प्रेरणा बालकों में.....उत्पन्न करने की कला है।'' रिक्त स्थान में उपयुक्त विकल्प क्या होगा?
(a) ज्ञान (b) रुचि
(c) आदर्श (d) उपरोक्त सभी

87. क्रो एंड क्रो के अनुसार ''प्रेरक व्यक्ति को उस क्रिया को चुनने में सहायता देते हैं, जिसे करने की उसकी..... होती है।'' रिक्त स्थान में उपयुक्त विकल्प क्या होगा?
(a) लगन (b) इच्छा
(c) आवश्यकता (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

88. निम्नलिखित में से प्रेरणा विधि के रूप है-
(a) प्रतिद्वन्द्विता (b) सामूहिक कार्य
(c) प्रशंसा (d) उपरोक्त सभी

89. जेरोम एस. ब्रूनर ने अधिगम का कौन-सा सिद्धांत प्रस्तुत किया ?
(a) स्थानापन्नता का सिद्धांत
(b) अन्वेषण का सिद्धांत
(c) दशा का सिद्धांत
(d) उद्देश्यवाद का सिद्धांत

90. एडवर्ड टोलमेन ने अधिगम का कौन-सा सिद्धांत प्रस्तुत किया?
(a) स्थानापन्नता का सिद्धांत
(b) दशा का सिद्धांत
(c) उद्देश्यवाद का सिद्धांत
(d) अन्वेषण का सिद्धांत

91. एडविन गूथरी ने अधिगम का कौनसा सिद्धांत प्रस्तुत किया?
(a) स्थानापन्नता का सिद्धांत
(b) अन्वेषण का सिद्धांत
(c) दशा का सिद्धांत
(d) उद्देश्यवाद का सिद्धांत

92. आसुबेल ने अधिगम का कौनसा सिद्धांत प्रस्तुत किया?
(a) अन्वेषण का सिद्धांत
(b) दशा का सिद्धांत
(c) उद्देश्यवाद का सिद्धांत
(d) शाब्दिक अधिगम का सिद्धांत

93. हेगरटी ने अधिगम का कौनसा सिद्धांत प्रस्तुत किया?
(a) अन्वेषण का सिद्धांत
(b) दशा का सिद्धांत
(c) अनुकरण द्वारा अधिगम का सिद्धांत
(d) उद्देश्यवाद का सिद्धांत

94. मैसलो के अनुसार प्रेरक कितने प्रकार के होते हैं?
(a) एक प्रकार का (b) सात प्रकार के
(c) तीन प्रकार के (d) दो प्रकार के

95. जीवन का लक्ष्य, किस प्रकार को प्रेरक है?
(a) प्राथमिक प्रेरक (b) अर्जित प्रेरक
(c) जन्मजात प्रेरक (d) उपरोक्त सभी

96. व्यक्तिगत रुचि, किस प्रकार का प्रेरक है?
(a) प्राथमिक प्रेरक (b) जन्मजात प्रेरक
(c) अर्जित प्रेरक (d) उपरोक्त सभी

उत्तरमाला

1	(c)	**15**	(b)	**29**	(c)	**43**	(b)	**57**	(b)	**71**	(b)	**85**	(b)
2	(c)	**16**	(a)	**30**	(c)	**44**	(d)	**58**	(b)	**72**	(b)	**86**	(b)
3	(a)	**17**	(b)	**31**	(d)	**45**	(b)	**59**	(d)	**73**	(d)	**87**	(b)
4	(a)	**18**	(c)	**32**	(d)	**46**	(c)	**60**	(c)	**74**	(a)	**88**	(d)
5	(d)	**19**	(a)	**33**	(d)	**47**	(d)	**61**	(b)	**75**	(b)	**89**	(b)
6	(c)	**20**	(a)	**34**	(c)	**48**	(c)	**62**	(d)	**76**	(b)	**90**	(c)
7	(b)	**21**	(b)	**35**	(a)	**49**	(c)	**63**	(a)	**77**	(a)	**91**	(a)
8	(b)	**22**	(d)	**36**	(d)	**50**	(b)	**64**	(c)	**78**	(c)	**92**	(d)
9	(a)	**23**	(b)	**37**	(d)	**51**	(b)	**65**	(b)	**79**	(c)	**93**	(c)
10	(a)	**24**	(b)	**38**	(b)	**52**	(a)	**66**	(a)	**80**	(d)	**94**	(d)
11	(d)	**25**	(c)	**39**	(b)	**53**	(b)	**67**	(d)	**81**	(b)	**95**	(b)
12	(b)	**26**	(b)	**40**	(b)	**54**	(d)	**68**	(d)	**82**	(a)	**96**	(c)
13	(a)	**27**	(a)	**41**	(b)	**55**	**(a)**	**69**	(c)	**83**	(b)		
14	(d)	**28**	(a)	**42**	(d)	**56**	**(d)**	**70**	(c)	**84**	(a)		

8 आकलन एवं मूल्यांकन

सामान्यत: हम देखते हैं कि मापन मूल्यांकन व आकलन को हम एक ही अर्थ में लेते हैं, परन्तु ऐसा नहीं कि ये प्रत्यय एक समान नहीं हैं। मूल्यांकन का सम्बन्ध छात्रों की उपलब्धि से है। आकलन से अभिप्राय आँकड़ों के विश्लेषण व उनकी व्याख्या से है। आकलन का प्रमुख उद्देश्य शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सुधार लाना व बच्चों के अभिभावकों को अधिगम प्रक्रिया में बालक की भूमिका के विषय में बताना तथा उसकी कमियों को बताना है।

मूल्यांकन

मूल्यांकन से अभिप्राय है कि छात्र ने किस सीमा तक ज्ञान प्राप्त किया है, NCERT के अनुसार-
मूल्यांकन एक ऐसी सतत् व व्यवस्थित प्रक्रिया है, जो देखती है कि-

(i) निर्धारित शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति किस सीमा तक हो रही है?
(ii) कक्षा में दिये गये अधिगम अनुभव कितने प्रभावशाली रहे हैं?
(iii) शिक्षा के लक्ष्य कितने अच्छे ढंग से पूर्ण हो रहे हैं?

इस प्रकार मूल्यांकन बच्चे के सम्पूर्ण व्यक्तित्व व अधिगम प्रक्रिया का होता है। अधिगम प्रक्रिया के समस्त अंगों का मूल्यांकन समाहित है।

मूल्यांकन प्रक्रिया के सोपान

1. उद्देश्यों का निर्धारण-
   (i) सामान्य उद्देश्यों का निर्धारण
   (ii) विशिष्ट उद्देश्यों का निर्धारण व परिभाषीकरण

2. अधिगम क्रियाओं का आयोजन -
   (i) शिक्षण बिन्दुओं का चयन करना
   (ii) उपयुक्त अधिगम क्रियायें आयोजित करना

3. मूल्यांकन-
   (i) छात्रों के व्यवहार परिवर्तन को जानना
   (ii) प्राप्त साक्ष्य के आधार पर मूल्यांकन
   (iii) परिणामों को पृष्ठपोषण के रूप में प्रयुक्त करना

मूल्यांकन के उद्देश्य-

1. छात्रों की वृद्धि तथा विकास में सहायता करना ।
2. छात्रों द्वारा अर्जित ज्ञान को जांचना ।
3. छात्रों की वृद्धि व विकास में आये अवरोधों को जानना ।
4. छात्रों की शैक्षिक प्रगति में बाधक तत्त्वों की जानकारी लेना ।
5. छात्रों की व्यक्तिगत विभिन्नता को जानना ।
6. शिक्षण, प्रभावशीलता को ज्ञात करना ।
7. छात्रों को अधिगम हेतु प्रेरित करना ।
8. पाठ्यक्रम में सुधार हेतु आधार तैयार करना ।
9. शिक्षण विधियों तथा सहायक सामग्री की उपयोगिता को जांचना ।
10. छात्रों की योग्यता आधारित वर्गीकरण करना ।

सतत् व व्यापक मूल्यांकन

सतत्-व्यापक मूल्यांकन का प्रत्यय वस्तुतः परीक्षा सुधार के दो सिद्धान्तों पर निर्भर है। प्रथम, जो व्यक्ति अध्यापन करे, वह व्यक्ति मूल्यांकन का कार्य भी करे तथा द्वितीय, मूल्यांकन कार्य सत्रांत में न होकर पूरे सत्र के दौरान चलता रहे । इस प्रणाली में छात्रों की शैक्षिक प्रगति का मूल्यांकन शिक्षण कार्य कर रहे अध्यापकों द्वारा सत्र के मध्य में थोड़े-थोड़े अन्तराल पर किया जाये व छात्रों को उनकी कमियों व सफलता की जानकारी दी जाये । अध्यापकों के द्वारा छात्रों की शैक्षिक प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए लिखित परीक्षाओं के अतिरिक्त मापन व मूल्यांकन की विभिन्न प्रविधियों व उपकरणों का प्रयोग किया जा सकता है ।

यह मूल्यांकन छात्रों के साथ-साथ अध्यापकों को भी अपनी शिक्षण योजना में सुधार करने के अवसर देता है। सतत् व व्यापक मूल्यांकन प्रणाली उस प्राचीन परम्परा का ही अधिक व्यवस्थित व औपचारिक रूप है जिसमें अध्यापकगण दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक, अर्द्धवार्षिक तथा वार्षिक परीक्षाओं द्वारा अपने छात्रा के ज्ञान, बोध एवं कौशल का मापन करते थे व उन्हें सुधार हेतु आवश्यक पृष्ठपोषण प्रदान करते थे।

सतत् व व्यापक मूल्यांकन ही छात्रों का व्यापक दृष्टि से मूल्यांकन करने में समर्थ हो सकता है। बुद्धि, रुचि, अभिवृत्ति, व्यक्तिगत व सामाजिक गुण, नैतिक चरित्र, पाठ्य-सहगामी क्रियाओं में सहभागिता जैसे व्यक्तित्व आयामों की जानकारी केवल व्यापक मूल्यांकन द्वारा ही संभव है।

सतत् व व्यापक मूल्यांकन प्रणाली की सार्थकता अध्यापकों के ऊपर निर्भर है। यदि अध्यापक कर्त्तव्य परायणता, निष्ठा व विश्वास द्वारा सतत् मूल्यांकन का कार्य सम्पादित करें तो यह प्रणाली शिक्षा प्रणाली में एक क्रान्तिकारी परिवर्तन ला सकेगी ।

मूल्यांकन की प्रविधियां

1. परीक्षा-
- लिखित
- मौखिक
- निबंधात्मक
- वस्तुनिष्ठ
- प्रयोगात्मक
- निबंधात्मक

2. अवलोकन-
- मापनी
- चैक लिस्ट
- संचयी अभिलेख
- एनेक डोटल आलेख

3. स्व-सूचना-
- प्रश्नावली
  - खुली
  - बन्द
- अभिवृत्ति मापनी
- समाजमिति तालिका

4. साक्षात्कार-
- नैदानिक साक्षात्कार
- शोध साक्षात्कार
- निदानात्मक साक्षात्कार
- केन्द्रित साक्षात्कार

5. प्रक्षेपण-
- मसिलक्ष्य प्रत्यक्षीकरण
- चित्र व्याख्या
- वाक्यपूर्ति

6. समाजमिति-
- सोशियोग्राम
- समाजमिति

मात्रात्मक मापन के लिये अध्यापक लिखित व मौखिक परीक्षणों का उपयोग कर सकता है। जबकि मापन के लिये अवलोकन समाजमिति, स्वसूचना साक्षात्कार जैसी तकनीकें प्रयोग की जा सकती हैं।

अभ्यास-1 : विगत वर्षों के CTET एवं STET के प्रश्न

1. आकलन को 'उपयोगी और रोचक' प्रक्रिया बनाने के लिए ..... के प्रति सचेत होना चाहिए। *[CTET-2011-I]*
(a) शैक्षिक और सह-शैक्षिक क्षेत्रों में विद्यार्थी के सीखने के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए विविध तरीकों का प्रयोग करना
(b) प्रतिपुष्टि (फीडबैक) देने के लिए तकनीकी भाषा का प्रयोग करना
(c) अलग-अलग विद्यार्थियों से तुलना करना
(d) विद्यार्थियों को बुद्धिमान या औसत शिक्षार्थी की उपाधि देना

2. विद्यार्थियों के सीखने में जो रिक्तियां रह जाती हैं, उनके निदान के बाद ..... होना चाहिए। *[CTET-2011-II]*
(a) शिक्षार्थियों और अभिभावकों को उपलब्धि के बारे में बताना
(b) समुचित उपचारात्मक कार्य
(c) सघन अभ्यास कार्य
(d) सभी पाठों को व्यवस्थित रूप से दोहराना

3. सृजनात्मक उत्तरों के लिए आवश्यक है- *[CTET-2011-II]*
(a) एक अत्यंत अनुशासित कक्षा
(b) प्रत्यक्ष शिक्षण एवं प्रत्यक्ष प्रश्न
(c) विषय-वस्तु आधारित प्रश्न
(d) मुक्त-वस्तु वाले प्रश्न

4. निम्नलिखित में से कौन-सा रचनात्मक आकलन (Formative Assessment) के लिए उचित उपकरण नहीं है? *[CTET-2011-II]*
(a) प्रश्नोत्तरी और खेल (b) दत्त कार्य
(c) मौखिक प्रश्न (d) सत्र परीक्षा

5. मूल्यांकन (assessment) का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए- *[CTET-2011-II]*
(a) सीखने में होने वाली कमियों का निदान और उपचार करना
(b) शिक्षार्थियों की त्रुटियाँ निकालना
(c) शिक्षार्थियों की उपलब्धि को मापना
(d) यह निर्णय लेना कि क्या विद्यार्थी को अगली कक्षा में प्रोन्नत किया जाना चाहिए।

6. क्रिस्टिना अपनी कक्षा को क्षेत्र-भ्रमण पर ले जाती है और वापस आने पर अपने विद्यार्थियों के साथ भ्रमण पर चर्चा करती है। यह.....की ओर संकेत करता है। *[CTET-2011-II]*
(a) आकलन का सीखना
(b) सीखने का आकलन
(c) सीखने के लिए आकलन
(d) आकलन के लिए सीखना

7. दबाव को कम करने एवं परीक्षाओं में सफलता के लिए आवश्यक है- *[RTET-2011-I]*
(a) कम अवधि की परीक्षाओं में अंतरण
(b) विद्यालयी शिक्षा की विभिन्न चरणों में परीक्षाओं का आयोजन
(c) वार्षिक एवं अर्द्धवार्षिक परीक्षायें
(d) विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं के लिए विभिन्न एजेन्सियों की स्थापना।

8. मूल्यांकन का उद्देश्य है- *[RTET-2011-I]*
(a) बालकों को धीमी गति से सीखने वाले एवं प्रतिभाशाली बालकों के रूप में लेबल करना
(b) जिन बालकों को उपचारात्मक शिक्षा की आवश्यकता है, उनकी पहचान करना
(c) अधिगम की कठिनाइयों व समस्या वाले क्षेत्रों का पता लगाना
(d) उत्पादक जीवन जीने के लिए शिक्षा किस सीमा तक तैयार कर पाई है, का पुष्टिपोषण प्रदान करना।

9. एक प्रमाणीकृत पठन परीक्षण लेने के लिए पाँचवीं कक्षा को प्रस्तुत करने में शिक्षक को अधिकाधिक परामर्श दिया जाता है कि- *[UPTET-2011-I]*
(a) बच्चों को बोलना कि परीक्षण बहुत महत्त्वपूर्ण है तथा वह उसमें सबसे अच्छा प्रदर्शन करेगा
(b) पूर्ववर्ती परीक्षा से प्रधान प्रश्नों को चिह्नित करना एवं छात्रों को उन्हें उत्तर देने की अनुमति देना
(c) निम्न कोटि के पाठकों को प्रशिक्षण देना ताकि कक्षा के शेष बच्चे किसी भी तरीके से अच्छा करें
(d) परीक्षण में आनेवाले समान प्रकार के प्रश्नों के उत्तर देने के लिए छात्रों को अभ्यास कराना।

10. अधिगम से संबंधित किसी विद्यार्थी की समस्याओं का सबसे अच्छा उपचार है- *[UPTET-2011-II]*
(a) कठोर परिश्रम का सुझाव
(b) ग्रन्थालय में निरीक्षित अध्ययन
(c) निजी शिक्षण का सुझाव
(d) निदानात्मक शिक्षण।

11. विद्यार्थी में अवांछित व्यवहार को किंचित परिवर्तन करने में सबसे प्रभावी पद्धति है- *[UPTET-2011-II]*
(a) विद्यार्थी को दण्ड देना
(b) अभिभावकों के ध्यान में इसे लाना
(c) अवांछित व्यवहार के कारणों को ढूँढ़ना एवं उपचार का प्रबंधन करना
(d) इसकी उपेक्षा करना।

12. मूल्यांकन का उद्देश्य है- *[CGTET-2011-II]*
(a) बच्चे को उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण घोषित करना
(b) बच्चा क्या सीखा है, जानना
(c) बच्चे के सीखने में आई कठिनाइयों को जानना
(d) उपरोक्त सभी

13. परीक्षा के स्थान पर सतत् और व्यापक मूल्यांकन गुणवत्ता मूलक शिक्षा के लिए अधिक उपयुक्त, क्योंकि इसमें- *[CGTET-2011-II]*
(a) संज्ञानात्मक क्षेत्र का मूल्यांकन किया जाता है
(b) सह-संज्ञानात्मक क्षेत्र का मूल्यांकन किया जाता है
(c) मूल्यांकन सतत् एवं व्यापक क्षेत्रों को होता है
(d) उपरोक्त सभी

14. प्राय: शिक्षार्थियों की त्रुटियाँ ..... की ओर संकेत करती हैं। *[CTET-Jan.-2012-I]*
(a) यांत्रिक अभ्यास की आवश्यकता
(b) सीखने की अनुपस्थिति
(c) शिक्षार्थियों के सामाजिक-आर्थिक स्तर
(d) वे कैसे सीखते हैं

15. विद्यालय-आधारित आकलन मुख्य रूप से किस सिद्धांत पर आधारित होता है? *[CTET-Jan.-2012-I]*
(a) किसी भी कीमत पर विद्यार्थियों को अच्छे ग्रेड मिलने चाहिए
(b) विद्यालय, बाह्य परीक्षा निकायों की अपेक्षा ज़्यादा सक्षम हैं
(c) आकलन बहुत किफायती (मितव्ययी) होना चाहिए
(d) बाह्य परीक्षकों की अपेक्षा शिक्षक अपने शिक्षार्थियों की क्षमताओं को बेहतर जानते हैं

16. एक शिक्षक प्रश्न-पत्र बनाने के बाद, यह जाँच करता है कि क्या प्रश्न परीक्षण के विशिष्ट उद्देश्यों की परीक्षा ले रहे हैं। वह मुख्य रूप से प्रश्न-पत्र की/के ..... के बारे में चिंतित है।*[CTET-Jan.-2012-I]*
(a) प्रश्नों के प्रकार
(b) विश्वसनीयता
(c) वैधता
(d) संपूर्ण विषय-वस्तु को शामिल करने

17. बीजों का अंकुरण संकल्पना के शिक्षण की सबसे प्रभावी पद्धति है- *[CTET-Jan.-2012-I]*
(a) श्यामपट्ट पर चित्र बनाना और वर्णन करना
(b) बीज की वृद्धि के चित्र दिखाना
(c) विस्तृत व्याख्या करना
(d) विद्यार्थियों द्वारा पौधे के बीज बोना और उसके अंकुरण के चरणों का अवलोकन करना

18. शिक्षकों को अपने विद्यार्थियों की त्रुटियों का अध्ययन करना, चाहिए, क्योंकि वे प्राय: ...की ओर संकेत करती हैं। *[CTET-Jan.-2012-II]*
(a) योग्यताओं के अनुसार समूह बनाने हेतु दिशा-निर्देश
(b) भिन्न प्रकार की पाठ्य-चर्या की आवश्यकता
(c) उनके ज्ञान की सीमा
(d) आवश्यक उपचारात्मक युक्तियों

19. सतत् और व्यापक मूल्यांकन के लिए तार्किक आधार है- *[CTET-May-2012-II]*
(a) सीखने के एक से अधिक पक्षों का आकलन
(b) आकलन के अवसरों का अधिकतमीकरण
(c) मानव व्यक्तित्व की समग्र प्रकृति
(d) शिक्षकों पर बोझ बढ़ाना

20. सतत् और व्यापक मूल्यांकन ..... होता है। *[CTET-May-2012-II]*
(a) शिक्षक-केंद्रित
(b) विद्यार्थी-केंद्रित
(c) परीक्षा-आधारित
(d) निष्पादन-आधारित

21. सीखने के लिए आकलन निम्नलिखित का ध्यान रखता है, सिवाय- *[CTET-Nov.-2012-I]*
(a) विद्यार्थियों की त्रुटियाँ
(b) विद्यार्थियों की अधिगम-शैलियाँ
(c) विद्यार्थियों की क्षमताएँ
(d) विद्यार्थियों की आवश्यकताएँ

22. निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता समस्या-समाधान उपागम का विशेष चिन्ह है? *[CTET-Nov.-2012-I]*
(a) समस्या केवल एक सिद्धांत/प्रकरण पर आधारित होती है
(b) समस्या कथन में संकेत अंतर्निहित रूप से दिया होता है
(c) समस्या मौलिक होती है
(d) सही उत्तर प्राप्त करने का सामान्यत: एक उपागम होता है

23. बच्चों द्वारा की जाने वाली त्रुटियों के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है? *[CTET-Nov.-2012-I]*

(a) प्रत्येक त्रुटि को सुधारने में बहुत अधिक समय लगेगा तथा एक शिक्षक के लिए थकाने वाला होगा

(b) स्वयं बच्चों द्वारा त्रुटियों को सुधारा जा सकता है, इसलिए शिक्षक को उन्हें तुरंत ही नहीं सुधारना चाहिए

(c) यदि एक शिक्षक कक्षा-कक्ष में सभी बच्चों की त्रुटियों को सुधारने योग्य नहीं है तो यह संकेत करता है कि शिक्षक-शिक्षा की व्यवस्था असफल है

(d) एक शिक्षक को प्रत्येक त्रुटि पर ध्यान नहीं देना चाहिए, अन्यथा पाठयक्रम पूरा नहीं होगा

24. सतत् और व्यापक मूल्यांकन की योजना में 'व्यापक' शब्द _____ के अलावा निम्नलिखित के द्वारा समर्थित किया जाता है- *[CTET-Nov.-2012-II]*

(a) एल.एल. थर्स्टन का प्राथमिक मानसिक योग्यताओं का सिद्धांत

(b) बहुबुद्धि सिद्धांत

(c) सूचना प्रक्रमण सिद्धांत

(d) जे. पी. गिलफोर्ड का बुद्धि-संरचना का सिद्धांत

25. सतत् और व्यापक मूल्यांकन ..... पर बल देता है। *[CTET-2013-I]*

(a) सीखने को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्केल पर निरंतर परीक्षण

(b) सीखने को किस प्रकार अवलोकित, रिकार्ड और सुधारा जाए इस पर

(c) शिक्षण के साथ परीक्षाओं का सामंजस्य

(d) बोर्ड परीक्षाओं की अनावश्यकता पर

26. विद्यालय आधारित आकलन - *[CTET-2013-I]*

(a) शिक्षा-बोर्ड की जवाबदेही कम कर देता है

(b) सार्वभौमिक राष्ट्रीय मानकों की प्राप्ति में बाधा उत्पन्न करता है

(c) परिचित वातावरण में अधिक सीखने में सभी शिक्षार्थियों की मदद करता है

(d) शिक्षार्थियों और शिक्षकों को अगंभीर और लापरवाह बनाता है।

27. निम्नलिखित में कौन-सी संज्ञानात्मक क्रिया नई सूचना के विश्लेषण के लिए प्रयोग में लाई जाती है? *[CTET-2013-I]*

(a) पहचान करना (b) अंतर करना

(c) वर्गीकृत करना (d) वर्णन करना

28. राजेश अति लोलुप पाठक है। वह अपने कोर्स की पुस्तकें पढ़ने के अतिरिक्त प्रायः पुस्तकालय जाता है और भिन्न प्रकरणों पर पुस्तकें पढ़ता है। इतना हीं नहीं, राजेश भोजन-अवकाश में अपने परियोजना कार्य करता है। उसे परीक्षाओं के लिए पढ़ने के लिए अपने शिक्षकों अथवा अभिभावकों द्वारा कभी भी कहने की ज़रूरत नहीं है और वह वास्तव में सीखने का आनंद लेता नज़र आता है। उसे ..... के रूप में सर्वाधिक बेहतर रूप से वर्णित किया जा सकता है। *[CTET-2013-I]*

(a) तथ्य-आधारित शिक्षार्थी

(b) शिक्षक-अभिप्रेरित शिक्षार्थी

(c) आकलन-आधारित शिक्षार्थी

(d) आंतरिक रूप से अभिप्रेरित शिक्षार्थी

29. ..... के अतिरिक्त सभी सीखने के रूप में आकलन को बढ़ावा देते हैं- *[CTET-2013-II]*

(a) शिक्षार्थियों को आंतरिक पृष्ठपोषण लेने के लिए कहना।

(b) अवसर लेने हेतु शिक्षार्थियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण का निर्माण करना।

(c) पढ़ाए गए विषय पर मनन करने के लिए शिक्षार्थियों को कहना।

(d) जितनी संभावना हो, शिक्षार्थियों का लगातार परीक्षण लेना।

30. जब एक बावर्ची खाना पकाते समय खाने को चखता है तो वह ..... के समान है। *[CTET-2013-II]*

(a) सीखने का आकलन

(b) सीखने के लिए आकलन

(c) सीखने के रूप में आकलन

(d) आकलन और सीखना

31. विद्यालय-आधारित आकलन प्रारम्भ किया गया था ताकि- *[CTET-Feb.-2014-I]*

(a) राष्ट्र में विद्यालयी शिक्षा संगठनों की शक्ति का विकेन्द्रीकरण किया जा सके

(b) सभी विद्यार्थियों के सम्पूर्ण विकास को निश्चित किया जा सके

(c) विद्यार्थियों की उन्नति की बेहतर व्याख्या के लिए उनकी सभी गतिविधियों के नियमित अभिलेखन हेतु अध्यापकों को अभिप्रेरित किया जा सके

(d) विद्यालय अपने क्षेत्रों में विद्यमान अन्य विभिन्न विद्यालयों की तुलना में प्रतियोगिता द्वारा अपनी विशिष्टता का प्रदर्शन करने हेतु अभिप्रेरित हो सकें

32. निम्नलिखित में से कौन-सा एक अन्य विकल्पों से सम्बद्ध नहीं है? *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) प्रश्नोत्तर सत्रों को संगठित करना
(b) किसी विषय पर विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया को लेना
(c) प्रश्नोत्तरी परिचालित करना
(d) स्व-आकलन के कौशल को प्रतिमानित करना

33. निम्नलिखित में से समस्या-समाधान को क्या बाधित नहीं करता? *[CTET-Feb.-2014-I]*
(a) अन्तर्दृष्टि (b) मानसिक प्रारूपता
(c) मोर्चाबन्दी (d) निर्धारण

34. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है? *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) रचनात्मक आकलन कभी-कभी संकलनात्मक हो सकता है एवं इसी प्रकार इसके विपरीत भी
(b) संकलनात्मक आकलन से अभिप्राय है कि आकलन अधिगम का एक निरन्तर व अभिन्न अंग है
(c) रचनात्मक आकलन का मुख्य उद्देश्य है विद्यार्थियों की उपलब्धि का श्रेणीकरण
(d) रचनात्मक आकलन समय-समय पर शिक्षार्थियों के विकास का सार प्रस्तुत करता है

35. एक अध्यापक/अध्यापिका विद्यार्थियों को किसी विषय की अपनी अवबोधनात्मकता को प्रतिबिम्बित करते हुए संकल्पनात्मक मानचित्र का निर्माण करने को कहता/कहती है। वह- *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) विद्यार्थियों की स्मृतियों को मंथर गति से जागृत कर रहा/रही है
(b) रचनात्मक आकलन कर रहा/रही है
(c) छात्रों की मुख्य बिन्दुओं का सार लिखने की क्षमता का परीक्षण कर रहा/रही है
(d) छात्रों की उपलब्धि के मूल्यांकन हेतु शीर्षकों के विकास का प्रयास कर रहा/रही है

36. निम्नलिखित में से कौन-सा ब्लूम के पुनर्संशोधित वर्गीकरण में 'मूल्यांकन' के क्षेत्र को प्रदर्शित करता है? *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) आंकड़ों का प्रयोग करते हुए ग्राफ अथवा चार्ट का निर्माण करना
(b) एक समाधान की तार्किक सुसंगतता का परीक्षण करना
(c) प्रदत्त आंकड़ों की प्रासंगिकता का मूल्यांकन करना
(d) वस्तुओं के श्रेणीकरण हेतु एक नूतन पद्धति का निर्माण करना

37. आकलन प्रक्रिया के दौरान देविका की उत्तेजना ऊर्जापूर्ण होती है, जबकि राजेश की उत्तेजना अनुत्साही। उन दोनों के भावात्मक अनुभवों का अन्तर किससे सम्बद्ध है? *[CTET-Feb.-2014-II]*
(a) समयान्तराल (b) भावनाओं की पराकाष्ठा
(c) अनुकूलन का स्तर (d) विचारों का घनत्व

38. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सतत् व व्यापक मूल्यांकन के लिए सही नहीं है? *[HTET-2014-I]*
(a) यह एक विद्यालय आधारित मूल्यांकन है
(b) यह विद्यार्थियों में तनाव को कम करता है
(c) इसमें नम्बरों के स्थान पर ग्रेड का प्रयोग होता है
(d) इससे शिक्षकों पर बोझ बढ़ जाता है

39. पूरे आवृत्ति वितरण के प्रतिनिधित्व करने वाले मान को ..... कहा जाता है। *[UPTET-2014-II]*
(a) प्रामाणिक विचलन का मान
(b) केन्द्रवर्ती प्रमाप का मान
(c) सह-सम्बन्धीय प्रतिनिधि का मान
(d) समूहज प्रतिशत प्रतिनिधि का मान

40. बाल मनोविज्ञान के अनुसार शिक्षा के क्षेत्र में मुख्य स्थान है- *[UPTET-2014-II]*
(a) बालक का (b) अध्यापक का
(c) अभिभावक का (d) प्रशासक का

41. सामान्य से विशेष की तर्क की प्रक्रिया निम्नलिखित में से कौन-सी पद्धति में है? *[UPTET-2014-II]*
(a) आगमनात्मक (b) निगमनात्मक
(c) (a) और (b) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

42. निम्नांकित 7 छात्रों के अंक इस प्रकार हैं-
40, 38, 36, 50, 51, 54, 23 *[UPTET-2014-II]*
उपरोक्त की माध्यिका होगी-
(a) 36 (b) 50
(c) 40 (d) 23

43. वे शिक्षक जो विद्यालय आधारित आकलन के अंतर्गत कार्य करते हैं- *[CTET-Sept.-2014-I]*
(a) उन पर अधिक कार्य का बोझ रहता है, क्योंकि उन्हें सोमवार की परीक्षा सहित अक्सर परीक्षा लेनी पड़ती है
(b) उन्हें प्रत्येक शिक्षार्थी को प्रत्येक विषय में परियोजना कार्य देना पड़ता है
(c) शिक्षार्थियों के मूल्यों और अभिवृत्तियों का आकलन करने के लिए रोजाना उनका सूक्ष्म अवलोकन करते हैं
(d) व्यवस्था के लिए स्वामित्व की भावना रखते हैं

44. ''ग्रेड अंकों से कैसे अलग है?'' *[CTET-Sept.-2014-I]*
यह प्रश्न निम्न में से किस प्रकार के प्रश्नों से सम्बन्ध रखता है?
(a) अपसारी (b) विश्लेषणात्मक
(c) मुक्त-अंत (d) समस्या-समाधान

45. सीखने के लिए आकलन- *[CTET-Sept-2014-II]*
(a) अभिप्रेरणा को बढ़ावा देता है
(b) अलग करने और रैंक देने के प्रयोजन के लिए किया जाता है
(c) ग्रेड्स को पूरी तरह से महत्त्व देने पर बल देता है
(d) विशिष्ट होता है और अपने-आप में की गई आकलन गतिविधि है

46. विद्यालय आधारित आकलन-*[CTET-Sept.-2014-II]*
(a) परिणामों की अपेक्षा तरीका तकनीकों पर केंद्रित है
(b) क्या आकलित किया जाएगा-इस पर शिक्षार्थियों को कम नियंत्रण प्रदान करता है
(c) रचनात्मक प्रतिपुष्टि उपलब्ध कराते हुए सीखने में संवर्धन करता है
(d) परीक्षा के लिए शिक्षण को बढ़ावा देता है, क्योंकि उसमें निरंतर परीक्षण होता है

47. कक्षा में शिक्षार्थियों से कहा गया कि वे अपने समाज के लिए क्या कर सकते हैं- इसे दर्शाने के लिए एक नोटबुक में अपने कार्य की विविध शिल्पकृतियों को संयोजित करें। यह किस प्रकार की गतिविधि है?
[CTET-Sept.-2014-II]
(a) निबंधात्मक आकलन
(b) घटनावृत्त अभिलेख
(c) समस्या-समाधान आकलन
(d) पोर्टफोलियो आकलन

48. निम्नलिखित में से कौन-सा एक उपयुक्त रचनात्मक आकलन कार्य नहीं है ? *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) खुले अन्त वाले प्रश्न
(b) परियोजना
(c) अवलोकन
(d) विद्यार्थियों का योग्यता क्रम निर्धारित करना

49. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किसलिए आवश्यक है?
[CTET-Feb.-2015-I]
(a) शिक्षण के साथ परीक्षण का तालमेल बैठाने के लिए
(b) शिक्षा बोर्ड की जवाबदेही कम करने के लिए
(c) जल्दी-जल्दी की जाने वाली ग़लतियों की तुलना में कम अन्तराल पर की जाने वाली ग़लतियों को सुधारना
(d) यह समझने के लिए कि अधिगम का किस प्रकार अवलोकन किया जाता है, दर्ज़ किया जाता है व सुधार किया जा सकता है

50. अधिगम में आकलन किसलिए आवश्यक होता है?
[CTET-Feb.-2015-I]
(a) ग्रेड एवं अंकों के लिए
(b) जाँच-परीक्षण के लिए
(c) प्रेरणा के लिए
(d) पृथक्करण और श्रेणीकरण के उद्देश्य को प्रोत्साहन देने के लिए

51. निम्नलिखित में से कौन-सी आकलन पद्धति विद्यार्थियों की सर्वोत्तम क्षमता का पोषित करेगी?
[CTET-Feb.-2015-II]
(a) जब परीक्षा के अंको और विद्यार्थी की योग्यता के बीच सकारात्मक सह-सम्बन्ध पर बल दिया जाता है
(b) जब विद्यार्थियों को बहु-विकल्पीय प्रश्नों के माध्यम से किए गए परीक्षण के रूप में तथ्यों को दोहराने की आवश्यकता होती है
(c) जब संकल्पनात्मक परिवर्तन तथा विद्यार्थियों के वैकल्पिक समाधानों को आकलन की विभिन्न विधियों के द्वारा आकलित किया जाता है
(d) जब कक्षा में विद्यार्थी के द्वारा प्राप्त किए गए अंग और स्थान सफलता का एकमात्र निर्धारक होते हैं

52. कक्षा-परीक्षणों में अच्छा प्रदर्शन करने में एक बच्चे की असफलता हमें इस विश्वास की तरफ ले जाती है कि- *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) बच्चे कुछ निश्चित सक्षमताओं और कमियों के साथ पैदा होते हैं।
(b) आकलन वस्तुनिष्ठ है तथा असफलताओं को स्पष्ट रूप से पहचानने के लिए इसका प्रयोग किया जा सकता है।
(c) पाठ्यक्रम, शिक्षण-पद्धित तथा आकलन प्रक्रियाओं पर विचार करने की आवश्यकता है।
(d) कुछ बच्चों को अनुत्तीर्ण होना ही है, चाहे व्यवस्था उन पर कितना भी अधिक प्रयास करे।

53. एक बहु-सांस्कृतिक कक्षा-कक्ष में एक अध्यापिका सुनिश्चित करेगी कि आकलन में निम्नलिखित में से सम्मिलित हो- *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) अपने विद्याार्थियों की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
(b) अपने आकलन उपकरण की विश्वसनीयता तथा वैधता
(c) अधिगम के न्यूनतम स्तरों के लिए अनुपालन करते हुए विद्यालय प्रशासन की अपेक्षाओं को पूरा करना
(d) आकलन उपकरण के मानकीकरण

54. अनुसंधान से पता चला है कि विद्यालयों में अनेक स्तरों पर विभेदीकरण पाया जाता है। उच्च प्राथमिक स्तर पर इनमें से कौन-सा विभेदीकरण का एक उदाहरण नहीं है? *[CTET-Feb.-2015-II]*
(a) अध्यापकों की निम्न सामाजिक-आर्थिक परिवेश से आए बच्चों से बहुत कम अपेक्षाएँ होती हैं।
(b) बहुत से अध्यापक पढ़ाने के लिए केवल व्याख्यान विधि का प्रयोग करते हैं।
(c) मध्याह्न भोजन के दौरान दलित बच्चों को अलग बैठाया जाता है।
(d) लड़कियों को गणित तथा विज्ञान विषयों को लेने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाता है।

55. एक उच्च प्राथमिक विद्यालय के संरचनात्मक कक्षा-कक्ष में अपने स्वयं के आकलन में विद्यार्थियों की भूमिका में निम्नलिखित में से क्या देखा जाएगा ? *[CTET Feb-2015-II]*
(a) शिक्षण-अधिगम में आकलन की भूमिका को नकारना
(b) एक विस्तृत दिशा-निर्देश बनाना कि किस प्रकार से विद्यार्थियों की उपलब्धि तथा कक्षा में प्रतिष्ठा को अंको के साथ सह-सम्बद्ध किया जाएगा
(c) विद्यार्थी अपने आकलन के एकमात्र निर्धारक होंगे
(d) विद्यार्थी अध्यापक के साथ आकलन के लिए योजना बनाएँगे।

56. निम्नलिखित में से कौन-सा आकलन करने का सर्वाधिक उपयुक्त तरीका है? *[CTET-Sept.-2015-I]*
(a) आकलन शिक्षण-अधिगम में अंतर्निहित प्रक्रिया है।
(b) आकलन एक शैक्षणिक सत्र में दो बार करना चाहिए-शुरू में और अंत में।
(c) आकलन शिक्षक के द्वारा नहीं बल्कि किसी बाह्य एजेन्सी के द्वारा कराना चाहिए।
(d) आकलन सत्र की समाप्ति पर करना चाहिए।

57. बहुविकल्पी प्रश्न बच्चों की ..... की योग्यता का आकलन करते हैं। *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) सही उत्तर का प्रत्यास्मरण करने
(b) सही उत्तर का निर्माण करने
(c) सही उत्तर की व्याख्या करने
(d) सही उत्तर की पहचान करने

58. आकलन *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) सीखने में सुधार का एक तरीका है
(b) बच्चों को लेबल करने (नाम देने) और वर्गीकृत करने की अच्छी रणनीति है
(c) बच्चों में प्रतियोगितात्मक भावना को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना है
(d) सीखने को सुनिश्चित करने के लिए तनाव और दबाव को उत्पन्न करना है।

59. शिक्षार्थियों से यह अपेक्षा करना कि वे ज्ञान को उसी रूप में पुनः प्रस्तुत कर देंगे जिस रूप में उन्होने उसे ग्रहण किया है *[CTET-Feb.-2016-I]*
(a) अच्छा है, क्योंकि जो भी हमारे मन में है हम उसे रिकॉर्ड करने लगते हैं
(b) अच्छा है, क्योंकि यह शिक्षक के लिए आकलन में सरल है
(c) एक प्रभावी आकलन युक्ति है
(d) समस्यात्मक है, क्योंकि व्यक्ति अनुभवों की व्याख्या करते हैं और ज्ञान को ज्यों-का-त्यों पुनः उत्पादित नही करते

60. निम्नलिखित में से कौन.सा एक माधयमिक विद्यालय की कक्षा-कक्ष में शिक्षक की भूमिका का सर्वोत्तम/उचित वर्णन करता हैं? *[CTET-Feb.-2016-II]*
(a) प्रथम स्थान के लिए शिक्षार्थियों को आपस में प्रतिस्पर्धा के लिए बढ़ावा देना
(b) बहु-परिप्रेक्ष्य को निरुत्साहित करना तथा एक-आयामी परिप्रेक्ष्य पर केंद्रीभूत होना
(c) व्याख्यान देने के लिए पावरपॉइंट प्रेज़ेंटेशन का प्रयोग करना
(d) चर्चाओं के अवसर उपलब्धा कराना

61. आकलन उद्देश्यपूर्ण होता है यदि: *[CTET-Sept.-2016-I]*
(a) इससे विद्यार्थियों में भय और तनाव का संचार हो
(b) इससे विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्रतिपुष्टि (फीडबैक) प्राप्त हो
(c) यह केवल एक बार वर्ष के अंत में हो
(d) विद्यार्थियों की उपलब्धियों में अंतर करने के लिए तुलनात्मक मूल्यांकन किए जाएँ

62. प्राथमिक विद्यालय के बच्चे उस वातावरण में सबसे प्रभावी ढंग से सीखेंगे: *[CTET-Sept.-2016-I]*
(a) जहाँ उनकी संवेगात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति होती है और वे अनुभव करते हैं कि वे महत्त्वपूर्ण हैं
(b) जहाँ शिक्षक एकाधिकारवादी है और स्पष्ट आदेश देता है कि क्या किया जाना चाहिए
(c) जहाँ मूलरूप से पढ़ने, लिखने और गणित की संज्ञानात्मक कुशलताओं पर ही ध्यान का केंद्र होता है और बल दिया जाता है
(d) जहाँ शिक्षक सारे अधिगमों में आगे होता है और विद्यार्थियों से निष्क्रिय रहने की अपेक्षा करता है

EBD_7907

63. विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से चिंतन करने तथा प्रभावी शिक्षार्थी बनने में सक्षम बनाने हेतु शिक्षक के लिए यह महत्त्वपूर्ण है: *[CTET-Sept.-2016-II]*
(a) एक संघटित तरीके से जानकारी को प्रस्तुत करना ताकि पुन: स्मरण करने में सरल हो
(b) विद्यार्थियों के द्वारा प्राप्त की गई प्रत्येक सफलता के लिए उन्हें पुरस्कार देना
(c) विद्यार्थियों को सिखाना कि किस प्रकार से अपने अधिगम का अनुवीक्षण करें
(d) छोटी-छोटी इकाइयों या खंडों में जानकारी प्रदान करना

64. विद्यार्थियों के प्रभावशाली अधिगम के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा, शिक्षक के प्रारंभिक कार्यों में से एक नहीं है? *[CTET-Sept.-2016-II]*
(a) बच्चों को यह सिखाना कि वे अपने अधिगम प्रयासों को कैसे देख और सुधार सकते हैं
(b) विद्यार्थियों को उपदेशात्मक विधि से सूचना प्रदान करना
(c) विद्यार्थियों की उन धारणाओं को जानना जिन्हें लेकर वे कक्षा में आते हैं
(d) विद्यार्थियों से उच्चतर स्तर के प्रश्नों के उत्तर की अपेक्षा करना

65. निम्नलिखित में से कौन-सा अधिगम के आकलन को उजागर करता है? *[CTET-Sept.-2016-II]*
(a) शिक्षक किसी विद्यार्थी के निष्पादन का आकलन दूसरों के निष्पादन की तुलना में करता है।
(b) शिक्षक विद्यार्थियों की चिंतन प्रक्रियाओं पर ध्यान देने के अलावा उनकी अवधारणात्मक समझ का भी आकलन करता है।
(c) शिक्षक 'मानक' उत्तरों से विद्यार्थियों के उत्तरों की तुलना करके उनका आकलन करता है।
(d) शिक्षक पाठय-पुस्तकों में दी गई जानकारी के आधार पर विद्यार्थियों का आकलन करता है।

66. आकलन के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-से कथन सही है? *[CTET-Sept.-2016-II]*
A. आकलन से विद्यार्थियों को यह सहायता मिलनी चाहिए कि वे अपनी शक्तियों और रिक्तियों को देख सकें और शिक्षक तदनुसार उन्हें ठीक कर सकें।
B. आकलन तभी सार्थक होता है जब विद्यार्थियों का तुलनात्मक मूल्यांकन भी हो।
C. आकलन केवल स्मरणशक्ति का ही नहीं, बोधन और अनुप्रयोग का भी होना चाहिए।
D. आकलन तब तक उद्देश्यपूर्ण नहीं हो सकता जब तक उससे भय और चिंता का संचार न हो।
(a) A और C (b) B और C
(c) A और B (d) B और D

67. 12 वर्ष से 16 वर्ष के बच्चों के लिए हिन्दी में डॉ. एस. जलोटा ने कौन-सा परीक्षण प्रतिपादित किया है? *[UPTET-2017]*
(a) अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण
(b) साधारण मानसिक योग्यता परीक्षण
(c) आर्मी अल्फा परीक्षण
(d) प्रभाव का नियम

68. इनमें से कौन सूक्ष्म-शिक्षण की विचारधारा से सम्बन्धित नहीं हैं? *[UPTET.-2018]*
(a) बुश (b) डेविड ह्यूम
(c) डी. डब्ल्यू. एलेन (d) एचीसन

69. निम्न में से कौन-सी कक्षा शिक्षण में जनतांत्रिक शिक्षण-नीति नहीं है? *[UPTET.-2018]*
(a) व्याख्यान (b) योजना
(c) अन्वेषण (d) मस्तिष्क उद्वेलन

70. निम्न में से कौन-सा फ्लैण्डर की अन्त:क्रिया विश्लेषण प्रणाली से सम्बन्धित नहीं है? *[UPTET.-2018]*
(a) छात्र कथन (b) अभिभावक कथन
(c) शिक्षक कथन (d) मौन

71. शिक्षण विधि का चयन करते समय निम्न में से किसको ध्यान में रखने की आवश्यकता नहीं है? *[UPTET.-2018]*
(a) व्यक्तिगत भेद
(b) अभिभावक की पृष्ठभूमि
(c) विद्यार्थियों का मानसिक स्तर
(d) विषय की विशिष्ट प्रकृति

72. संकलनात्मक परामर्श के जन्मदाता हैं *[UPTET.-2018]*
(a) थॉर्न (b) रोजर्स
(c) विलियम्सन (d) इनमें से कोई नहीं

73. निम्न में से कौन-सा परामर्श का एक तत्त्व नहीं है? *[UPTET.-2018]*
(a) साक्षात्कार (b) विश्वास
(c) वृत्तिक वृद्धि (d) सम्प्रेषण

74. शिक्षक सीखने के लिए मूल्यांकन और सीखने के मूल्यांकन दोनों का उपयोग कर सकते हैं- *[CTET-Dec.-2018-I]*
(a) बच्चे की सीखने की जरूरतों को जानने में और तदनुसार शिक्षण रणनीति का चयन करने में
(b) आवधिक अंतरालों पर बच्चे के प्रदर्शन का आकलन करने और उसके प्रदर्शन को प्रमाणित करने में
(c) बच्चों की प्रगति की निगरानी करने और उनके सीखने के अंतराल को भरने के लिए उचित लक्ष्य निर्धारित करने में
(d) बच्चों की प्रगति और उपलब्धि स्तर को जानने में

75. निम्नलिखित में से कौन-सा सतत और व्यापक मूल्यांकन से संबंधित **नहीं** है? *[CTET-Dec.-2018-I]*
(a) यह शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग है।
(b) यह विभिन्न शिक्षा-क्षेत्रों में बच्चे की उपलब्धि पर केंद्रित है।
(c) यह बच्चों को धीमे, खराब या बुद्धिमान के रूप में चिह्नित करने में उपयोगी होता है।
(d) इसे भारत के शिक्षा के अधिकार अधिनियम द्वारा अनिवार्य किया गया है।

76. एक समस्या सुधारक बच्चा _____ विचार के आधार पर कथनों की सच्चाई या संभावना का मूल्यांकन करता है। *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) सौंदर्यबोध (b) अमूर्त
(c) तार्किक (d) सृजनात्मक

77. मूल्यांकन को _____ *[CTET-2019-I]*
(a) वस्तुनिष्ठ प्रकार के लिखित कार्यों पर आधारित होना चाहिए।
(b) एक अलग गतिविधि के रूप में लेना चाहिए।
(c) शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का एक भाग होना चाहिए।
(d) केवल नम्बरों के संदर्भ में करना चाहिए।

78. एक शिक्षक को विद्यार्थियों को _____ निर्धारित करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए बजाय _____ के। *[CTET-July-2019-II]*
(a) प्रदर्शन लक्ष्य; अधिगम लक्ष्य
(b) असफलता से बचने के लिए लक्ष्य; अंक लेने के लिए लक्ष्य
(c) अंक लेने के लिए लक्ष्य; असफलता से बचने के लिए लक्ष्य
(d) अधिगम लक्ष्य; प्रदर्शन लक्ष्य

79. एक प्राथमिक कक्षाकक्ष में एक शिक्षक को क्या करना चाहिए? *[CTET-July-2019-II]*
(a) केवल गैर-उदाहरण देने चाहिए।
(b) उदाहरण एवं गैर उदाहरण दोनों देने चाहिए।
(c) उदाहरण या गैर-उदाहरण दोनों नहीं देने चाहिए।
(d) केवल उदाहरण देने चाहिए।

80. अपनी कक्षा में सहयोगात्मक अधिगम का प्रयोग करते समय एक शिक्षक की भूमिका किस प्रकार की होती है? *[CTET-July-2019-II]*
(a) कक्षा को छोड़ देना तथा बच्चों को स्वयं कार्य करने देना।
(b) सहयोगात्मक होना तथा प्रत्येक समूह की निगरानी करना।
(c) उस समूह का सहयोग करना जिसमें 'होनहार' एवं प्रतिभाशाली बच्चे हैं।
(d) एक मूक दर्शक होना तथा बच्चे जो करना चाहते हैं, उन्हें करने देना।

81. बच्चों की मूल्यांकन के लिए निम्नलिखित में से कौन-से कारण होने चाहिए? *[CTET-July-2019-II]*
(i) बच्चों को 'गैर-उपलब्धि वाले', 'निम्न-उपलब्धि वाले', 'औसत' एवं 'उच्च-उपलब्धि वाले' के रूप में अलग करना एवं नाम देना।
(ii) कक्षा में शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं में सुधार करना।
(iii) समय के साथ बच्चों में होने वाले अधिगम परिवर्तनों एवं प्रगति के बारे में पता लगाना।
(iv) बच्चे की क्षमताओं, संभावनाओं सशक्त पक्षों एवं चुनौतीपूर्ण पक्षों के बारे में माता-पिता के साथ चर्चा करना।
(a) (i), (ii), (iii) (b) (ii), (iii), (iv)
(c) (ii), (iv) (d) (i), (ii), (iii), (iv)

उत्तरमाला

1	(a)	**10**	(d)	**19**	(c)	**28**	(d)	**37**	(c)	**46**	(c)	**55**	(a)	**64**	(b)	**73**	(c)
2	(b)	**11**	(c)	**20**	(b)	**29**	(d)	**38**	(d)	**47**	(d)	**56**	(a)	**65**	(b)	**74**	(a)
3	(d)	**12**	(d)	**21**	(d)	**30**	(b)	**39**	(b)	**48**	(d)	**57**	(d)	**66**	(a)	**75**	(c)
4	(d)	**13**	(d)	**22**	(b)	**31**	(b)	**40**	(a)	**49**	(d)	**58**	(a)	**67**	(b)	**76**	(c)
5	(c)	**14**	(a)	**23**	(c)	**32**	(d)	**41**	(b)	**50**	(c)	**59**	(d)	**68**	(b)	**77**	(c)
6	(b)	**15**	(d)	**24**	(d)	**33**	(a)	**42**	(c)	**51**	(a)	**60**	(d)	**69**	(a)	**78**	(d)
7	(a)	**16**	**(d)**	**25**	(b)	**34**	(a)	**43**	(d)	**52**	(d)	**61**	(b)	**70**	(b)	**79**	(b)
8	(d)	**17**	(d)	**26**	(c)	**35**	(b)	**44**	(b)	**53**	(d)	**62**	(a)	**71**	(b)	**80**	(b)
9	(c)	**18**	(d)	**27**	(b)	**36**	(b)	**45**	(a)	**54**	(b)	**63**	(c)	**72**	(a)	**81**	(b)

व्याख्या सहित उत्तर

25. (b) सतत् और व्यापक मूल्यांकन का अर्थ शिक्षार्थियों के विद्यालय आधारित मूल्यांकन की प्रणाली से है। इसका आशय यह है कि मूल्यांकन की नियमितता, अधिगम अन्तरालों का निदान अध्यापकों एवं छात्रों के साक्ष्य का फीडबैक या प्रतिपुष्टि। साथ ही, शिक्षार्थियों के शैक्षिक एवं सह-शैक्षिक पक्षों को शामिल करते हुए उनके वृद्धि एवं विकास को परखने की योजना बनाना।
26. (c) विद्यालय आधारित आकलन परिचित वातावरण में अधिक सीखने में सभी शिक्षार्थियों की मदद करता है।
27. (b) ब्लूम के संज्ञानात्मक विकास-क्षेत्र के अनुसार, सूचना के विश्लेषण के लिए प्रयोग में लायी जाने वाली क्रिया 'अंतर करना' है।
28. (d) राजेश को एक आंतरिक रूप से अभिप्रेरित शिक्षार्थी के रूप में जाना जा सकता है, क्योंकि आंतरिक रूप से अभिप्रेरित बालक किसी कार्य को स्वयं की इच्छा से करता है।
30. (b) जब एक बावर्ची खाना पकाते समय खाने को चखता है, अर्थात् वह अपने स्वयं की सफलता एवं प्रगति का विश्लेषण करता है। अत: वह सीखने के लिए आकलन का रहा है।
57. (d) बहुविकल्पीय प्रश्न आकलन का एक प्रकार है जिसमें किसी दी गई सूची में से छात्र को सर्वाधिक संभावित उत्तर चयन करना होता है।
58. (a) आकलन सीखने मे सुधार का तरीका है। विकास की मापने के लिए आकलन आवश्यक है। आकलन द्वारा बच्चे की कमियों के क्षेत्र को समझनें में सरलता होती है और सीखने मे सहायता मिलती है।
59. (d) शिक्षार्थियों से यह अपेक्षा करना कि वे ज्ञान को उसी रूप में पुन: प्रस्तुत कर देंगे जिस रुप में उन्होंने उसे ग्रहण किया है यह समस्यात्मक है, क्योंकि व्यक्ति अनुभवों की व्याख्या करते हैं और ज्ञान को ज्यों-का त्यों पुन: उत्पादित नहीं करते। प्रत्येक शिक्षार्थी के ज्ञान पर अपने व्यक्तिगत अनुभवों का प्रभाव पड़ता है। इसलिए ज्ञान को उसी रुप में प्रस्तुत नहीं कर सकता।
61. (b) आकलन से अभिप्राय आँकड़ों के विश्लेषण व उनकी व्याख्या से है। आकलन का प्रमुख उद्देश्य शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में सुधार लाना व बच्चों के अभिभावकों को अधिगम प्रक्रिया में बालक की भूमिका के विषय में बताना तथा उसकी कमियों को बताना है।
62. (a) संवेगात्मक विकास से अभिप्राय इस बात से है कि बालकों में विभिन्न प्रकार के संवेग का विकास कैसे होता है? सन्तुलित संवेगात्मक विकास शैक्षिक उपलब्धियों को बढ़ावा देने में समर्थ होते हैं।
68. (b) डी. डब्ल्यू. एलेन, बुश तथा एचीसन सूक्ष्म-शिक्षण की विचारधारा से जुड़े हुए हैं, लेकिन डेविड ह्यूम का सम्बन्ध प्रत्यय इंद्रियानुभव से है।

69. (a) व्याख्यान को कक्षा शिक्षण में जनतांत्रिक शिक्षण नीति नहीं कहा जा सकता है। व्याख्यान किसी विशेष व्यक्ति द्वारा प्रस्तुत किया जाता है जो उसके स्वयं के विचार होते हैं।
70. (b) अभिभावक कथन का सम्बन्ध फलैण्डर की अंत:क्रिया विश्लेषण प्रणाली से नहीं है। शिक्षक कथन, छात्र कथन तथा मौन का समावेश अंत:क्रिया विश्लेषण प्रणाली में है।
71. (b) शिक्षण विधि के चयन करते समय अभिभावक की पृष्ठभूमि को ध्यान में रखना आवश्यक नहीं है।
72. (a) संकल्पनात्मक परामर्श के जन्मदाता थे- एफ. सी. थॉर्न। इस प्रकार के परामर्श में परामर्शदाता न तो अधिक सक्रिय होता है और न ही अधिक निष्क्रिय।
73. (c) वृत्तिक वृद्धि का संबन्ध परामर्श से नहीं है। साक्षात्कार, विश्वास तथा संप्रेषण परामर्श के अवयव हैं।
74. (a) आकलन को मोटे तौर पर परीक्षाओं में सफलता या असफलता के साथ संबंद्ध किया जाता है। परीक्षा में सफलता महत्त्वपूर्ण है। शिक्षक बच्चों की सीखने की जरूरतों को जानने में और तद्नुसार शिक्षण रणनीति का चयन, सीखने के लिए मूल्यांकन और सीखने के मूल्यांकन दोनों का उपयोग कर सकते हैं।
75. (c) सतत और व्यापक मूल्यांकन का अर्थ है छात्रों के विद्यालय आधारित मूल्यांकन की प्रणाली जिसमें छात्र के विकास के सभी पक्ष शामिल है। यह नियमितता, इकाई परीक्षण, सीखने के अंतराल, सुधारात्मक उपायों के उपयोग, शिक्षकों और छात्रों के लिए उनके आत्म मूल्यांकन की प्रतिक्रिया हैं, यह बच्चों को धीमे, खराब या बुद्धिमान के रूप में चिह्नित करने में उपयोगी नहीं होता है।
76. (c) एक समस्या सुधारक बच्चा तार्किक विचार आधार पर कथनों की सच्चाई या संभावना का मूल्यांकन करता है।
77. (c) मूल्यांकन को शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का एक भाग होना चाहिए। इसका सकारात्मक पहलू यह है कि इससे बच्चों में सुधारात्मक प्रक्रिया अग्रसर होती है। मूल्यांकन से अर्थ है एकत्रित आंकड़ों में से प्रतिपादन विश्लेषण एवं चिंतन द्वारा कोई अर्थ निकालना। किसी घटना के बारे में एक विशिष्ट समय अवधि में उसके बारे में एकत्रित मात्रात्मक एवं गुणात्मक सूचनाओं के आधार पर मूल्य निर्धारण किया जाता है।
78. (d) एक शिक्षक को विद्यार्थियों को अधिगम लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए बजाय प्रदर्शन लक्ष्य के। प्रदर्शन लक्ष्य की तुलना में अधिगम लक्ष्य की महत्ता अधिक है।
79. (b) एक प्राथमिक कक्षा में एक शिक्षक को किसी प्रकरण तथ्य या विषय-वस्तु को उदाहरण या गैर- उदाहरण दोनों तरीके से समझाना चाहिए।
80. (b) सहयोगात्मक अधिगम का प्रयोग करते समय एक शिक्षक की भूमिका एक सहयोगी तथा निगरानी कर्ता के रूप में होती है। इस अधिगम का उद्देश्य, कक्षा गतिविधियों को सैद्धांतिक तथा सामाजिक अधिगम की ओर उन्मुख करना। इस अधिगम में शिक्षक की भूमिका मात्र जानकारी देना नहीं होता है बल्कि बच्चों को सिखाने का भी कार्य होता है।
81. (b) बच्चों के मूल्यांकन के लिए निम्न कारण होना चाहिए:-
    - कक्षा में शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं में सुधार करना
    - समय के साथ बच्चों में होने वाले अधिगम परिवर्तनों एवं प्रगति के बारे में पता लगाना
    - बच्चे की क्षमताओं, संभावनाओं, सशक्त पक्षों एवं चुनौतीपूर्ण पक्षों के बारे में माता-पिता के साथ चर्चा करना

अभ्यास-2

1. मापन का शिक्षा में महत्त्व है-
   (a) शिक्षण विधि बनाने में
   (b) मूल्यांकन करने में सहायक
   (c) योग्यता की मात्रा जानने में
   (d) उपर्युक्त सभी
2. मूल्यांकन का क्षेत्र होता है-
   (a) व्यापक (b) सीमित
   (c) संकुचित (d) इनमें से कोई नहीं
3. एक उत्तम परीक्षण की विशेषता नहीं है-
   (a) विश्वसनीयता (b) वैद्यता
   (c) सीमितता (d) व्यावहारिकता
4. शिक्षा में यह मूल्यांकन का क्षेत्र नहीं है-
   (a) बुद्धि परीक्षा (b) अभिक्षमता परीक्षा
   (c) विभेदकता (d) रुचि परीक्षा
5. मापन व मूल्यांकन क्रमशः होते हैं-
   (a) संख्या व गुण बोधक
   (b) गुण व संख्या बोधक
   (c) योग्यता व क्षमता बोधक
   (d) निम्न में से कोई नहीं
6. निम्न में से एक विधि मानसिक चिकित्सा हेतु प्रयुक्त की जाती है-
   (a) स्वप्न विश्लेषण विधि
   (b) रोशी विधि
   (c) वस्तुनिष्ठ विधि
   (d) व्यक्तित्व विधि
7. कौन-सी विधि व्यक्तित्व के उन पहलुओं को उजागर कर देती है जिनसे वह स्वयं अनभिज्ञ होता है?
   (a) साक्षात्कार विधि (b) जीवन इतिहास विधि
   (c) प्रेक्षण विधि (d) आत्मकथा लेखन विधि
8. शैक्षिक निर्देशन का उद्देश्य है प्रत्येक व्यक्ति को-
   (a) योग्यताओं, रुचियों व अवसरों के अनुकूल चुनाव में सहायता देना।
   (b) समायोजन की क्षमता प्रदान करना
   (c) भविष्य को प्रगतिशील बनाने में परामर्श देना
   (d) उपरोक्त सभी
9. प्रशिक्षण व रोजगार सेवा संगठन समिति की नियुक्ति किस सन् में हुई?
   (a) 1925 (b) 1890
   (c) 1927 (d) 1945
10. कक्षा में सम्पन्न निर्देशन है-
    (a) व्यक्तिगत निर्देशन (b) परामर्श सेवा
    (c) सामूहिक निर्देशन (d) व्यवसायिक परामर्श
11. निर्देशन सेवाओं को सक्रिय व रोचक बनाने हेतु स्कूल में स्थापना की जानी चाहिए-
    (a) शैक्षिक व्यवसायिक कक्ष
    (b) सामूहिक निर्देशन कक्ष
    (c) कैरियर कॉर्नर
    (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
12. वैदिक युग में शिक्षा दी जाती थी-
    (a) विद्यापीठ में (b) मन्दिर में
    (c) गुरुकुल में (d) मठ में
13. मूल्यांकन की प्रकृति है-
    (a) गुणात्मक (b) परिमाणात्मक
    (c) दोंनो ही (d) कोई नहीं
14. मापन का कार्य है-
    (a) निदान (b) पूर्वकथन
    (c) सस्फल्य (d) उपरोक्त सभी
15. उद्देश्य-केन्द्रित परीक्षा होती है-
    (a) वस्तुनिष्ठ (b) निबंधात्मक
    (c) दोनों (d) कोई नहीं
16. अधिगम का शिक्षा में योगदान है-
    (a) व्यवहार परिवर्तन में
    (b) नवीन अनुभव प्राप्त करने में
    (c) समायोजन में
    (d) उपरोक्त सभी
17. जॉन डीवी का कथन है-
    (a) विद्यालय एक विशेष वातावरण है
    (b) विद्यालय एक तकनीकी वातावरण है
    (c) विद्यालय एक साधारण वातावरण है
    (d) विद्यालय एक अनौपचारिक वातावरण है
18. 'लर्निंग इबी' क्या है?
    (a) प्रतिवेदन (b) पत्रिका
    (c) पुस्तक (d) नीति
19. छात्रों द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन आरम्भ हुआ-
    (a) भारत में (b) संयुक्त राज्य अमेरिका
    (c) आस्ट्रेलिया (d) इंग्लैण्ड
20. छात्रों द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन किस सन् में शुरू हुआ।
    (a) 1920 (b) 1970
    (c) 1948 (d) 1957

21. छात्रों द्वारा शिक्षकों के मूल्यांकन की सिफारिश की गई-
(a) महरोत्रा समिति (b) राष्ट्रीय शिक्षा नीति
(c) रेड्डी समिति (d) अध्यापक शिक्षा परिषद्

22. शिक्षक व्यवहार सुधार का प्रत्यय दिया
(a) फ्लैण्डर्स ने (b) डी.जी. रामन ने
(c) एन. एल. गेज ने (d) ओवर ने

23. शिक्षण व्यवहार की प्रमुख प्रविधि है-
(a) अनुकरणीय शिक्षण (b) सूक्ष्म शिक्षण
(c) दोनों ही (d) कोई नहीं

24. शिक्षण कौशलों के विकास व सुधार की प्रविधि है-
(a) अनुकरणीय प्रशिक्षण (b) सूक्ष्म शिक्षण
(c) प्रशिक्षण समूह (d) अन्तः क्रिया विश्लेषण

25. शिक्षण कौशलों का अर्थ है-
(a) अनुदेशनात्मक क्रियाएँ (b) शिक्षण क्रियाएँ
(c) शिक्षण व्यवहार (d) उपरोक्त सभी

26. पुनर्बलन कौशल को हम क्यों प्रयुक्त करते हैं?
(a) छात्रों को प्रोत्साहन हेतु
(b) शिक्षण का अग्रसरण हेतु
(c) अधिगम रुचिकर हेतु
(d) उपरोक्त सभी

27. शिक्षण कौशल को अध्यापक प्रयुक्त करता है-
(a) कक्षा के अंदर (b) कक्षा के बाहर
(c) दोनों में ही (d) कोई नहीं

28. शिक्षण कौशल की कुल संख्या है-
(a) 24 (b) 23
(c) 22 (d) 26

29. व्यक्तिनिष्ठता के मूल्यांकन क्या है?
(a) ऐसा परीक्षण जहाँ परीक्षक मूल्यांकन अपने ज्ञान के आधार पर करता है
(b) ऐसा मूल्यांकन जहाँ व्यक्तित्व का प्रभाव महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करे, विषय-वस्तु गौण हो जाए
(c) जब किसी व्यक्ति को सर्वेसर्वा बना दिया जाए
(d) किसी विचार को निरपेक्ष दृष्टि के बदले सापेक्ष दृष्टि से देखना

30. विद्यार्थी के अधिगम का मूल्यांकन प्रमुख रूप से होना चाहिए
(a) सतत् एवं व्यापक प्रक्रिया से
(b) प्रत्येक शिक्षा सत्र के अंत में
(c) प्रत्येक पाठ के अंत में
(d) वार्षिक प्रक्रिया से

31. व्यक्तित्व मूल्यांकन की सर्वश्रेष्ठ विधि है
(a) प्रश्नावली (b) प्रक्षेपणात्मक
(c) केस-अध्ययन (d) इनमें से कोई नहीं

32. मूल्यांकन को व्यापक तभी माना जा सकता है जब
(a) सभी अध्यापक मूल्यांकन करे
(b) सभी उद्देश्य मूल्यांकित किए जाए
(c) बच्चों के व्यक्तित्व के सभी पक्षों का मूल्यांकन हो
(d) सम्पूर्ण विषय-वस्तु का मूल्यांकन हो

33. मूल्यांकन की प्रक्रिया को किस रूप में माना गया है?
(a) त्रिभुजाकार (b) द्विविमीय
(c) एकल (d) चतुर्भुजाकार

34. मूल्यांकन सहायक है
(a) संचयी अभिलेख तैयार करने में
(b) अधिगम उद्देश्यों की प्राप्ति में
(c) अध्यापक के व्यवहार में सुधार लाने में
(d) उपरोक्त सभी

35. सतत् मूल्यांकन का कार्य है
(a) शिष्यों व अध्यापकों की कमजोरियों का पता लगाना
(b) जिन बालकों को उपचारात्मक शिक्षा की आवश्यकता है, उनकी पहचान करना
(c) अधिगम की कठिनाइयों व समस्या वाले क्षेत्रों का पता लगाना
(d) उत्पादक जीवन जीने के लिए शिक्षा किस सीमा तक तैयार कर पाई है, का पुष्टिपोषण प्रदान करना

36. शिक्षण के मूल्यांकन चरण का ध्येय है
(a) यह जानना कि शैक्षिक उद्देश्य कहाँ तक प्राप्त हुए है
(b) अध्यापक की कमियों को जानना
(c) विद्यालय के स्तर को ऊँचा उठाना
(d) शिक्षण रणनीतियों की प्रभावशीलता को जानना

37. दैनिक मूल्यांकन लाभदायक है
(a) बालकों का ध्यान केंद्रित करने में
(b) बालकों को तात्कालिक शैक्षिक स्थिति का पता लगाने में
(c) कक्षा को अधिक-से-अधिक तंग करने में
(d) शिक्षक द्वारा अपने कर्तव्य का मूल्यांकन करने में

38. व्यक्तित्व के मूल्यांकन की सर्वश्रेष्ठ विधि है
(a) प्रश्नावली परीक्षण (b) ड्रा-ए-मैन
(c) सर्वे परीक्षण (d) प्रक्षेपण परीक्षण

39. निम्न में से क्या एक मूल्यांकन का महत्त्व नहीं है?
(a) कक्षा के उद्देश्यों को पूरा करना
(b) अधिगम कठिनाइयों को मालूम करना
(c) विद्यार्थियों की समस्याओं को बढ़ाना
(d) विद्यार्थियों की प्रगति की रिपोर्ट तैयार करना

40. निम्न में से क्या अच्छे मूल्यांकन की विशेषता है?
(a) वैधता (b) विश्वसनीयता
(c) न्याय संगतता (d) ये सभी

41. वर्तमान समय में सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के अंतर्गत ग्रेडों में अंकों का वितरण किया जाता है। इस प्रणाली में कितने प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले छात्र को 'सर्वोकृष्ट' या 'ए +' ग्रेड के अंतर्गत रखा जाता है?
(a) 90% - 100% (b) 56% - 74%
(c) 20% - 35% (d) 35% - 55%

42. अधिगम के अच्छे मूल्यांकन का/के मानदंड है/हैं
(a) ये युक्तिसंगत होते हैं (b) ये विश्वसनीय होते हैं
(c) ये तुलनीय होते हैं (d) ये सभी

43. सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन में निम्नलिखित में से किसका मूल्यांकन नहीं किया जाना चाहिए?
(a) छात्रों के विभिन्न विषय-क्षेत्रों में सफलता पर स्तर
(b) छात्रों के विभिन्न विषय-क्षेत्रों के कौशल
(c) छात्रों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति
(d) छात्रों के वैयक्तिक कौशल, रुचि एवं अभिवृत्ति

44. व्यावहारिक रूप से रचनात्मक मूल्यांकन का अर्थ नहीं है।
(a) यह विश्वास करना कि प्रत्येक विद्यार्थी को सुधारने के लिए शिक्षक की भूमिका सर्वाधिक आवश्यक है।
(b) फीडबैक मुहैया करना, जो विद्यार्थियों को समझने में और अगले कदम उठाने में सहायता करता है।
(c) शिक्षा-प्राप्ति के लक्ष्य विद्यार्थियों के साथ बाँटना।
(d) स्व-निर्धारण के विद्यार्थियों को शामिल करना।

45. बच्चों का मूल्यांकन होना चाहिए।
(a) बोर्ड परीक्षा द्वारा
(b) सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन द्वारा
(c) गृह परीक्षा द्वारा
(d) लिखित एवं मौखिक परीक्षा द्वारा

46. वह मूल्यांकन जो विद्यालय परिषदों के दिशा-निर्देशों के आधार पर तो किया जाता है, किन्तु परिषद् (बोर्ड) स्तर पर नहीं, कहलाता है
(a) विद्यालय आधारित मूल्यांकन
(b) निरीक्षण
(c) अवलोकन
(d) व्यापक मूल्यांकन

47. सतत् और व्यापक मूल्यांकन ..... पर बल देता है।
(a) बोर्ड परीक्षाओं की अनावश्यकता पर
(b) सीखने को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्केल पर निरंतर परीक्षण
(c) सीखने को किस प्रकार अवलोकित, रिकॉर्ड और सुधारा जाए इस पर
(d) शिक्षण के साथ परीक्षाओं का सामंजस्य

48. सत्य/असत्य, सही/गलत एवं हाँ/नहीं उत्तर देने वाले प्रश्न किस प्रकार के प्रश्नों के उदाहरण है?
(a) मिलान प्रकार के प्रश्न
(b) बहुवैकल्पिक प्रश्न
(c) वैकल्पिक उत्तर वाले प्रश्न
(d) इनमें से कोई नहीं

49. निम्नलिखित में से कौन-सा रचनात्मक आकलन के लिए उचित उपकरण नहीं है?
(a) मौखिक प्रश्न (b) सत्र परीक्षा
(c) प्रश्नोत्तरी और खेल (d) दत्त कार्य

50. प्रश्नों के कई प्रकार होते हैं। पौधे एवं जानवरों में चार अंतर बताइए। यह प्रश्न किस प्रकार के प्रश्न का उदाहरण है?
(a) लघु उत्तरीय प्रश्न (b) वस्तुनिष्ठ प्रश्न
(c) अति लघु उत्तरीय प्रश्न (d) इनमें से कोई नहीं

51. आत्मकेन्द्रित व्यक्ति होता है
(a) अन्तर्मुखी (b) बहिर्मुखी
(c) उभयमुखी (d) सामाजिक निर्भय

52. समन्वित व्यक्तित्व में पाया जाता है
(a) सुन्दर दिखने की इच्छा
(b) अच्छे वस्त्र धारण करना
(c) दृढ़ इच्छाशक्ति
(d) उच्च शिक्षा प्राप्ति

53. व्यक्ति की पहचान करने में सहायक है
(a) व्यक्ति की शिक्षा
(b) व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य
(c) बाह्य भिन्नताएँ
(d) उपरोक्त सभी

54. एक सामान्य स्ववृत्ति जो एक समूह अथवा एक संस्था के प्रति होती है, कहलाती है
(a) जिज्ञासा (b) अभिवृत्ति
(c) तृष्णा (d) अधिगम

55. व्यक्तित्व का सर्वाधिक मान्य वर्गीकरण किया है
(a) युंग ने (b) हेमेन ने
(c) आलपोर्ट ने (d) ड्रेवर ने

56. TAT परीक्षण किसका मापन करता है?
(a) बुद्धि (b) उपलब्धि
(c) व्यक्तित्व (d) रुचि

57. व्यक्तित्व के प्रकार सिद्धान्त के अनुसार व्यक्तित्व निम्नलिखित में से किस पर आधारित हैं?
(a) शीलगुण पर (b) उत्तेजना-अनुक्रिया पर
(c) शरीर-द्रवों पर (d) क्षेत्र पर

58. ''व्यक्तित्व जन्मजात और अर्जित प्रवृत्तियों का योग है।'' यह कथन है
(a) बोरिंग का (b) वैलेण्टाइन का
(c) मन का (d) इनमें से कोई नहीं

59. मनोवैज्ञानिक दृष्टि से सबसे अधिक व्यक्ति निम्नलिखित में से किस व्यक्तित्व के प्रकार में आते हैं?
(a) अन्तर्मुखी (b) बहिर्मुखी
(c) उभयमुखी (d) इनमें से कोई नहीं

60. निम्नलिखित में बेमेल छाँटिए।
(a) पिकनिक (b) एस्थेनिक
(c) अन्तर्मुखी (d) अर्थलेटिक

61. व्यक्तित्व का शीलगुण सिद्धान्त निम्नलिखित में से कौन-सा दृष्टिकोण रखता है?
(a) आवरण दृष्टिकोण (b) तात्विक दृष्टिकोण
(c) (a) एवं (b) दोनों (d) उपरोक्त से कोई नहीं

62. 16 PFQ का सम्बन्ध है
(a) बुद्धि से (b) व्यक्तित्व से
(c) रुचि से (d) अभिप्रेरणा से

63. फ्रायड के संरचनात्मक प्रतिमान का तत्व नहीं है
(a) Id (b) Ego
(c) Super Ego (d) Super Id

64. अन्तर्मुखी बालक होता है
(a) स्वयं को यथार्थ के अनुकूल ढालने वाला
(b) सभी के साथ मिलकर चलने वाला
(c) एकान्त में विश्वास रखने वाला
(d) समस्याओं को पारस्परिक रूप से समझने वाला

65. बहिर्मुखी बालक का लक्षण है
(a) अपने भावों को अपने तक सीमित रखना
(b) कार्य करने की दृढ़ इच्छा शक्ति रखना
(c) एकान्त में विश्वास करना
(d) कम बोलना

66. प्रत्येक शिक्षार्थी स्वयं में विशिष्ट है। इसका अर्थ है कि
(a) शिक्षार्थियों में न तो कोई समान विशेषताएँ होती हैं और न ही उनके लक्ष्य समान होते हैं
(b) सभी शिक्षार्थियों के लिए एकसमान पाठ्चर्या सम्भव नहीं है
(c) एक विषमरूपी कक्षा में शिक्षार्थियों की क्षमताओं को विकसित करना असम्भव है
(d) कोई भी दो शिक्षार्थी अपनी योग्यताओं, रुचियों और प्रतिभाओं में एकसमान नहीं होते

67. बाल मनोविज्ञान के आधार पर कौन-सा कथन सर्वोत्तम है?
(a) सारे बच्चे एक जैसे होते हैं
(b) प्रत्येक बच्चा विशिष्ट होता है
(c) कुछ बच्चे विशिष्ट होते हैं
(d) कुछ बच्चे एक जैसे होते हैं

68. वैयक्तिक विभिन्नता के मिलन के सम्बन्ध में एक अध्यापक की भूमिका होनी चाहिए
(a) व्यक्ति के दृष्टिकोण, अभिरुचि और योग्यता को जानने का प्रयास
(b) व्यक्ति आधारित पाठ्यक्रमों को उनकी आवश्यकता के अनुसार जानने की कोशिश
(c) (a) एवं (b) दोनों
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

69. मनोविज्ञान प्रवृत्ति की क्या-क्या विशेषताएँ हैं?
(a) बाल मनोविज्ञान पर बल
(b) बालक के व्यक्तित्व का आदर
(c) व्यक्तिगत विभिन्नता के सिद्धान्त पर बल
(d) उपरोक्त सभी

70. व्यक्तिगत विभिन्नता का प्रमुख कारण है
(a) वातावरण (b) वंशानुक्रम
(c) आयु (d) ये सभी

71. व्यक्तिगत विभिन्नता हेतु भाषा विकास एक आवश्यक कौशल है क्योंकि यह.....आवश्यकताओं की पूर्ति की माँग है।
(a) सामाजिक (b) शारीरिक
(c) मनोवैज्ञानिक (d) ये सभी

72. निम्न में से क्या व्यक्तिगत भिन्नता का कारण नहीं है?
(a) वंशानुक्रम (b) जाति
(c) बुद्धि (d) इनमें से कोई नहीं

73. ''सम्भवत: व्यक्ति योग्यता की विभिन्नताओं के बजाय व्यक्तित्व की विभिन्नताओं से अधिक प्रभावित होता है।'' यह कथन किसका है?
(a) क्रो एवं क्रो (b) टायलर
(c) मन (d) स्किनर

74. किसी बच्चे का व्यक्तित्व, वंशानुक्रम तथा वातावरण का क्या होता है?
(a) योगात्मक प्रतिरूप (b) गुणात्मक प्रतिरूप
(c) ऋणात्मक प्रतिरूप (d) धनात्मक प्रतिरूप

75. व्यक्तिगत विभिन्नताओं को जन्म देने वाला विद्यालयी कारक है
(a) विद्यालय का वातावरण (b) शिक्षा की दिशा
(c) विद्यालयी प्रशिक्षण (d) उपरोक्त सभी

76. सांख्यिकी में वह रेखाचित्र, जिसमें आवृत्तियों को स्तंभों द्वारा प्रदर्शित किया जाता है, कहलाता है -
(a) स्तम्भाकृति (b) आवृत्ति बहुभुज
(c) संचयी आवृत्ति (d) रेखाचित्र

77. निम्न में से किस विधि का उपयोग स्मृति को मापने के लिए नही किया जाता है ?
(a) प्रत्याह्व विधि (b) तार्किक विधि
(c) पहचान विधि (d) पुनः सीखना विधि

78. प्रासंगिक अंतर्बोध परीक्षण (TAT) का विकास .... द्वारा किया गया था।
(a) सायमंड (b) होल्टजमैन
(c) मरे (d) बैलक

79. उदाहरण, निरीक्षण, विश्लेषण , वर्गीकरण नियमीकरण निम्नलिखित में से किस विधि के सोपान हैं ?
(a) निगमन विधि (b) आगमन विधि
(c) अंतर्दर्शन विधि (d) बहिर्दर्शन विधि

80. वह मापनी जिसमें अंतराल मापनी के समस्त गुण के साथ परम् शून्य भी हो, कहलाती है –
(a) नामित मापनी (b) क्रमसूचक मापनी
(c) अंतराल मापनी (d) अनुपात मापनी

81. निम्नलिखित में से किसने सबसे पहले प्रश्नावली का निर्माण किया?
(a) प्लेटो ने (b) लोविट ने
(c) वुडवर्थ ने (d) ब्रूनर ने

82. व्यक्ति की संवेदना और अभिवृत्ति जानने की सबसे उपयुक्त विधि है–
(a) निरीक्षण विधि (b) प्रश्नावली विधि
(c) साक्षात्कार विधि (d) उपरोक्त सभी

83. स्याही के धब्बों वाला परीक्षण (प्रक्षेपण विधि) का निर्माण हरमन रोशा द्वारा कब किया गया?
(a) सन् 1920 में (b) सन् 1927 में
(c) सन् 1921 में (d) सन् 1918 में

उत्तरमाला

1	(d)	**9**	(d)	**17**	(a)	**25**	(d)	**33**	(a)	**41**	(a)	**49**	(b)	**57**	(c)	**65**	(b)	**73**	(b)	**81**	(c)
2	(a)	**10**	(c)	**18**	(a)	**26**	(d)	**34**	(d)	**42**	(d)	**50**	(a)	**58**	(a)	**66**	(d)	**74**	(b)	**82**	(c)
3	(c)	**11**	(c)	**19**	(b)	**27**	(c)	**35**	(d)	**43**	(c)	**51**	(a)	**59**	(c)	**67**	(b)	**75**	(d)	**83**	(c)
4	(c)	**12**	(c)	**20**	(a)	**28**	(b)	**36**	(a)	**44**	(a)	**52**	(c)	**60**	(c)	**68**	(c)	**76**	(a)		
5	(a)	**13**	(c)	**21**	(a)	**29**	(b)	**37**	(b)	**45**	(b)	**53**	(c)	**61**	(c)	**69**	(d)	**77**	(b)		
6	(a)	**14**	(d)	**22**	(b)	**30**	(a)	**38**	(c)	**46**	(a)	**54**	(b)	**62**	(b)	**70**	(d)	**78**	(c)		
7	(c)	**15**	(c)	**23**	(c)	**31**	(c)	**39**	(c)	**47**	(c)	**55**	(a)	**63**	(d)	**71**	(d)	**79**	(b)		
8	(d)	**16**	(a)	**24**	(b)	**32**	(c)	**40**	(d)	**48**	(c)	**56**	(c)	**64**	(c)	**72**	(d)	**80**	(d)		

9 भारतीय शिक्षा के विकास के कुछ प्रमुख घटनाक्रम

(Some Major Landmark issues Development of Indian Education)

वर्ष (Year)	**घटनाक्रम (Event)**
ईसा पूर्व 20वीं शताब्दी	वेदों की रचना।
ईसा पूर्व 20वीं से ईसा पूर्व छठी शताब्दी	वेद - आधारित शिक्षा व्यवस्था की प्रधानता।
ईसा पूर्व 5वीं शताब्दी	बौद्ध धर्म का उद्‌भव।
ईसा पूर्व छठी वीं शताब्दी	बौद्ध मठों व बिहारों में बौद्ध धर्म केन्द्रित शिक्षा पर जोर।
ईसा पूर्व 5वीं से 8 वीं शताब्दी	नालन्दा, तक्षशिला, वल्लभी, विक्रमशिला जैसे बौद्ध शिक्षा विहारों का प्रचलन।
8वीं शताब्दी	भारत पर मुस्लिमों के आक्रमण प्रारम्भ।
12वीं शताब्दी	भारत में मुस्लिम शासन प्रारम्भ तथा इस्लामी संस्कृति की शिक्षा प्रारम्भ।
14वीं शताब्दी	उर्दू भाषा का उद्‌भव।
15वीं शताब्दी	फिरोजशाही मदरसा, मदरसा-ए-बेगम, महमूद गवान विद्यालय जैसी मुस्लिम शिक्षण संस्थाओं का प्रचलन।
17वीं शताब्दी	ईसाई मिशनरियों द्वारा धर्मार्थ विद्यालयों (Charity Schools) की स्थापना।
18वीं शताब्दी	ईस्ट इंडिया कम्पनी के द्वारा अनेक विद्यालयों की स्थापना।
1781	कलकत्ता मदरसा की स्थापना।
1791	बनारस संस्कृत कॉलेज की स्थापना।
1792	चार्ल्स ग्रान्ट (Charles Grant) द्वारा शिक्षा की पंचसूत्री योजना की प्रस्तुति।
1800	फोर्ट विलियम कॉलेज, कलकत्ता की स्थापना।
1813	चार्टर अधिनियम (Charter Act of 1813) में शिक्षा के लिए एक लाख रुपये प्रतिवर्ष व्यय करने का प्रावधान।
1833	चार्टर अधिनियम (Charter Act of 1833) में शिक्षा के लिए दस लाख रुपये प्रतिवर्ष व्यय करने का प्रावधान।
1835	मैकाले के घोषणा-पत्र (Macauley's Minutes) के द्वारा भारत में यूरोपीय साहित्य व विज्ञान का अंग्रेजी माध्यम से प्रचार करने का निर्णय तथा अद्योगामी निस्यन्दन सिद्धान्त का प्रतिपादन।
1835	लॉर्ड विलियम बैंटिक के द्वारा निर्गत आदेश-पत्र (Resolution of March, 1935) के द्वारा मैकाले के प्रस्ताव की स्वीकृति।
1839	लॉर्ड आकलैंड के द्वारा प्राच्य शिक्षा (Oriental Education) को भी पाश्चात्य शिक्षा के समान प्रोत्साहन।

EBD_7907

1854 चार्ल्स वुड के नेतृत्व में 'वुड घोषणापत्र' (Wood's Despatch) के द्वारा जनसाधारण की शिक्षा, स्त्री शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा पर जोर एवं पाश्चात्य प्रकार के विश्वविद्यालय खोलने की संस्तुति।

1857 कलकत्ता, बम्बई तथा मद्रास में पाश्चात्य प्रकार के विश्वविद्यालयों की स्थापना।

1859 स्टेनली के आज्ञा-पत्र (Stanley's Despatch) के द्वारा सरकार द्वारा प्राथमिक शिक्षा का उत्तरदायित्व उठाने की नीति।

1882 हन्टर आयोग (Hunter Commission) द्वारा शिक्षा सम्बन्धी व्यापक संस्तुतियां।

1887 इलाहाबाद विश्वविद्यालय की स्थापना।

1902 भारतीय विश्वविद्यालय आयोग (Releigh Commission) द्वारा विश्वविद्यालयों का पुनर्गठन करने व इनमें शिक्षण कार्य करने की संस्तुति।

1904 लॉर्ड कर्जन के द्वारा शिक्षा नीति सम्बन्धी सरकारी प्रस्ताव (Government Resolution on Education Policy) की घोषणा।

1904 भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम द्वारा विश्वविद्यालयों के प्रशासन, अधिकार व कार्य-क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन।

1905 कांग्रेस द्वारा कलकत्ता अधिवेशन में देश में राष्ट्रीय शिक्षा (National Education) लागू करने की माँग।

1911 गोपाल कृष्ण गोखले द्वारा केन्द्रीय धारा सभा में प्रारम्भिक शिक्षा को अनिवार्य (Compulsory) बनाने का प्रस्ताव।

1913 शिक्षा नीति सम्बन्धी सरकारी प्रस्ताव में निरक्षरता दूर करने तथा प्राथमिक शिक्षा पर अधिक जनकोष खर्च करने पर जोर।

1917 कलकत्ता विश्वविद्यालय आयोग (Sadler Commission) द्वारा नये विश्वविद्यालय खोलने, कलकत्ता विश्वविद्यालय को शिक्षण विश्वविद्यालय बनाने तथा इन्टर कक्षाओं को विश्वविद्यालय से अलग करने की सिफारिश।

1929 हर्टांग समिति (Hertong Committee) द्वारा प्राथमिक शिक्षा में अपव्यय व अवरोधन की समस्या की ओर ध्यानाकर्षण एवं सभी स्तरों पर शिक्षा की गुणात्मक उन्नति करने पर जोर।

1925 अन्तर्विद्यालय परिषद् (Inter University Board-IUB) का गठन

1937 एबट-वुड प्रतिवेदन (Abbot-Wood Report) में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा की व्यवस्था करने तथा सामान्य शिक्षा का उन्नयन करने की संस्तुति।

1937 वर्धा में महात्मा गांधी की अध्यक्षता में आयोजित अखिल भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन में बेसिक शिक्षा (Basic Education) योजना की प्रस्तुति।

1938 बेसिक शिक्षा योजना पर खेर समिति (Kher Committee) का प्रतिवेदन।

1940 द्वैध शासन (Dyarchy) के दौरान शिक्षा की व्यवस्था करने सम्बन्धी अधिकार निर्वाचित मन्त्री के पास।

1944 सार्जेन्ट योजना (Sargent Plan) के द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध के उपरान्त भारत में शैक्षिक विकास की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत।

1949 विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग (Radha Krishna Commission, 1948-49) के प्रतिवेदन में उच्च शिक्षा में सुधार हेतु संस्तुतियाँ।

1950 भारतीय संविधान में शिक्षा सम्बन्धी अनेक महत्त्वपूर्ण प्रावधान।

1953 माध्यमिक शिक्षा आयोग (Mudaliar Commission-1925) के प्रतिवेदन में माध्यमिक शिक्षा में सुधार हेतु संस्तुतियाँ।

1956 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) की स्थापना।

1959 दुर्गाबाई देशमुख समिति (1958-59) के द्वारा स्त्री-शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु संस्तुतियाँ।

1959 श्रीप्रकाश समिति द्वारा धार्मिक व नैतिक शिक्षा के सम्बन्ध में संस्तुतियाँ।

1961 डॉ. सम्पूर्णानन्द समिति के द्वारा संवेगात्मक एकता सम्बन्धी सुझाव।

1961 राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT) का गठन।

1962 दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा भारत में स्नातक स्तर पर पत्राचार पाठ्यक्रम का प्रारम्भ।

1964 हंसा मेहता समिति के द्वारा लड़कियों के लिए विभिन्न शिक्षा स्तरों पर पाठ्यक्रय सम्बन्धी सुझाव।

1966 कोठारी आयोग (Kothari Commission ,1964-66) के द्वारा 'शिक्षा एवं राष्ट्रीय विकास' नामक प्रतिवेदन में शैक्षिक सुधार हेतु व्यापक संस्तुतियाँ।

1968 स्वतन्त्रोपरान्त प्रथम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NPE-1968) की घोषणा।

1973 अन्तर्विश्वविद्यालय परिषद् (IUB का भारतीय विश्वविद्यालय संघ (Association of Indian Universities-AIU) के रूप में नाम परिवर्तन।

1977 पटेल समिति के द्वारा दस वर्षीय स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण।

1978 आदिसेषैया समिति (Adiseshaiyah Committee, 1977-78) के द्वारा +2 स्तर के पाठ्यक्रय का पुनरीक्षण तथा +2 स्तर पर व्यावसायीकरण करने की संस्तुति।

1982 आंध्र प्रदेश में भारत के प्रथम मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना।

1985 नई दिल्ली में इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) की स्थापना।

1985 नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सम्बन्ध में विचार विमर्श को प्रोत्साहित करने हेतु 'शिक्षा की चुनौती–नीति सम्बन्धी परिप्रेक्ष्य' नामक दस्तावेज।

1986 नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं कार्यान्वयन कार्यक्रम की घोषणा।

1990 आचार्य राममूर्ति समिति द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 की समीक्षा एवं 'प्रबुद्ध और मानवीय समाज की ओर' नामक प्रतिवेदन की प्रस्तुति।

1989 राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय (National Open School-NOS) की स्थापना।

1992 राष्ट्रीय शिक्षा नीति–1986 में कतिपय संशोधन एवं कार्यान्वयन कार्यक्रम, 1992 की घोषणा।

1992 संवैधानिक निकाय के रूप में दूरस्थ शिक्षा परिषद् (Distance Education Council-DEC) का गठन।

1993 राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (NCTE) का गठन।

1993 प्रोफेसर यशपाल समिति (1992–93) द्वारा प्राथमिक स्तर के छात्रों के शैक्षिक बोझ को कम करने हेतु सुझाव।

1999 इलाहाबाद में उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय (UPRTOU) की स्थापना।

2002 संविधान संशोधन द्वारा प्रारम्भिक शिक्षा एवं मौलिक अधिकार घोषित।

2003 राष्ट्रीय आकलन व प्रमाणन परिषद् (NAAC) के द्वारा उच्च शिक्षा संस्थाओं का आंकलन व प्रमाणन कराना बाध्यकारी।

2003 राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय (NOS) का नाम राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (National Institute of Open Schooling-NIOS) के रूप में परिवर्तित।

2004 शिक्षा के लिए समर्पित उपग्रह 'ऐजुसैट' का अन्तरिक्ष में प्रक्षेपण।

2005 इलाहाबाद विश्वविद्यालय को केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनाने का निर्णय।

2005 राष्ट्रीय ज्ञान आयोग (NKC) का गठन।

2008 विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक सुधार की पहल।

2009 उच्च शिक्षा के लिए यशपाल समिति का प्रतिवेदन।

अभ्यास-1 : विगत वर्षों के CTET एवं STET के प्रश्न

1. शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 में निर्दिष्ट किया गया है कि कक्षा 1 से कक्षा 5 तक यदि प्रवेश दिये गये विद्यार्थियों की संख्या दो सौ से अधिक है, तो विद्यार्थी-अध्यापक आवश्यक अनुपात होगा- *[RTET-2011-I]*

(a) तीस (b) चालीस
(c) पैंतालीस (d) पचास।

2. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 में 'गुणवत्ता आयाम' शीर्षक के अन्तर्गत अधिक महत्त्व दिया गया है- *[RTET-2011-I]*

(a) भौतिक संसाधनों को
(b) शिक्षित एवं अभिप्रेरित अध्यापकों को
(c) बालकों के लिए ज्ञान के संदर्भ में संरचित अनुभवों को
(d) बालकों के लिए संरचित अनुभव एवं पाठयक्रम सुधार को।

3. राष्ट्रीय पाठ्य-चर्या रूपरेखा, 2005 में निम्न में से किस परीक्षा सम्बन्धी सुधारों को सुझाया गया है? *[RTET-2011-I]*

(a) कक्षा-X की परीक्षा ऐच्छिक
(b) विद्यालयी शिक्षा की विभिन्न अवस्थाओं पर राज्य स्तर की परीक्षा संचालन
(c) प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं को ऐच्छिक
(d) इनमें से सभी।

4. शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 में एक अध्यापक के लिए न्यूनतम घंटे प्रति सप्ताह निर्धारित किये गये हैं- *[RTET-2011-II]*

(a) चालीस घंटे
(b) पैंतालीस घंटे
(c) पचास घंटे
(d) पचपन घंटे।

5. शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 में एक अध्यापक को निम्न में से किस दायित्व को पूरा करना होगा? *[RTET-2011-II]*

(a) विद्यालय में नियमित रूप से समय पर उपस्थित होना होगा
(b) पाठ्यक्रम का संचालन कर पूरा करना होगा
(c) सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को निर्धारित समय पर पूरा करना होगा
(d) इसमें से सभी।

6. राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा, 2005 में शान्ति को बढ़ावा देने के लिए कुछ क्रियाओं की अनुशंसा की गई है। पाठ्यक्रम रूपरेखा में निम्न में से किसे सूचीबद्ध किया गया है? *[RTET-2011-II]*

(a) महिलाओं के प्रति आदर एवं जिम्मेदारी का दृष्टिकोण विकसित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किये जायें
(b) नैतिक शिक्षा को पढ़ाया जाये
(c) शान्ति शिक्षा को एक अलग विषय के रूप में पढ़ाया जाये
(d) शान्ति शिक्षा को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाये।

7. राष्ट्रीय पाठ्य-चर्या की रूपरेखा, 2005 में बातचीत की गई है- *[RTET-2011-II]*

(a) ज्ञान स्थायी है व दिया जाता है से ज्ञान का विकास होता हो और इसकी संरचना की जाती है
(b) शैक्षिक केन्द्र से विषय केन्द्र होने पर
(c) विद्यार्थी-केन्द्रित से अध्यापक केन्द्रित की ओर
(d) इनमें से कोई नहीं।

8. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, 2005 के अन्तर्गत 'परीक्षा सुधारों' में निम्न में से किस सुधार को सुझाया गया है? *[RTET-2011-II]*

(a) खुली पुस्तक परीक्षा
(b) सतत / निरन्तर एव व्यापक मूल्यांकन
(c) सामूहिक कार्य मूल्यांकन
(d) इनमें से सभी।

9. जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम किस वर्ष लागू किया गया था? *[HTET-2014-I]*

(a) 1990 (b) 1993
(c) 1998 (d) 2000

10. "ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड" परिणाम था- *[HTET-2014-I]*

(a) कोठारी आयोग का
(b) राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रचना, 2005
(c) राष्ट्रीय शैक्षिक योजना, 1986
(d) राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रचना, 2000

11. शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के क्रियान्वयन के बाद कक्षा-कक्ष- *[HTET-2014-I]*
(a) अप्रभावित है, क्योंकि शिक्षा का अधिकार विद्यालय में कक्षा की औसत आयु को प्रभावित नहीं करता
(b) जेण्डर के अनुसार अधिक समजातीय है
(c) आयु के अनुसार अधिक समजातीय है
(d) आयु के अनुसार अधिक विषमजातीय है

12. एन.सी.एफ. 2005 के अनुसार, ग़लतियाँ इस कारण से महत्त्वपूर्ण होती हैं- *[CTET-Feb.-2015-I]*
(a) यह विद्यार्थियों को 'उत्तीर्ण' एवं 'अनुत्तीर्ण' समूहों में वर्गीकृत करने के लिए एक महत्त्वपूर्ण उपकरण है
(b) यह अध्यापकों को बच्चों को डाँटने के लिए एक तरीका उपलब्ध कराती हैं
(c) ये बच्चे के विचार की अन्तर्दृष्टि उपलब्ध कराती हैं तथा समाधानों को पहचानने में सहायता करती हैं
(d) ये कक्षा से कुछ बच्चों को हटाने के लिए आधार उपलब्ध कराती हैं।

13. ''पाठ्यचर्या ऐसी हो जो पाठ्य.पुस्तक के ज्ञान को पुनः प्रस्तुत करने के स्थान पर बच्चों को अपनी आवाज़े पाने, कार्य करने के लिए अपनी जिज्ञासा का पोषण करने, प्रश्न पूछने ओर जाँच.पड़ताल करने तथा अपने अनुभवों को बाँटने तथा विद्यालय के ज्ञान के साथ जोड़ने में सक्षम बनाए।''
-राष्ट्रीय पाठ्चर्चा की रुपरेखा 2005, पृ. 13 इस पृष्ठभूमि में, एक शिक्षक की प्राथमिक भूमिका क्या होनी चाहिए? *[CTET-Sept.-2015-II]*
(a) यह सुनिश्चित करना कि शिक्षिका अच्छे प्रश्न पूछे और शिक्षार्थी अपनी उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें।
(b) बच्चों को उनकी अपनी समझ और अपने ज्ञान को साझा करने के पर्याप्त अवसर देना।
(c) बच्चों के अनुभवों को निरस्त कर पाठ्यपुस्तकों पर ध्यान केंद्रित करना।
(d) पाठ्यपुस्तक के अध्यायों को क्रमवार पूरा कराना।

14. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (एन. सी. एफ.), 2005 के अनुसार शिक्षक की भूमिका है:*[CTET-Sept.-2016-I]*
(a) सत्तावादी (b) अधिनायकीय
(c) अनुमतिपरक (d) सुविधादाता

15. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, 2005 के अनुसार अधिगम अपने स्वभाव में ..... और .... है। *[CTET-Sept.-2016-II]*
(a) सक्रिय; सरल (b) सक्रिय; सामाजिक
(c) निष्क्रिय; सरल (d) निष्क्रिय; सामाजिक

16. शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के अनुसार विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ना चाहिए: *[CTET-Sept.-2016-II]*
(a) व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों में जो उन्हें जीवन कौशलों के लिए तैयार करेंगे
(b) घर पर माता-पिता और देखभाल करने वालों के साथ जो उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराएँ
(c) खासतौर पर उन्हीं के लिए बनाए गए विशेष विद्यालयों में
(d) समावेशी शिक्षा व्यवस्था में इस प्रावधान के साथ कि उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके

17. मनोविज्ञानशाला, उत्तर प्रदेश कहाँ स्थित है? *[UPTET.-2018]*
(a) लखनऊ (b) इलाहाबाद
(c) आगरा (d) वाराणसी

18. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क-2005 ने अपनी समझ से प्राप्त की है। *[CTET-Dec.-2018-I]*
(a) व्यवहारवाद (b) रचनावाद
(c) संज्ञानात्मक सिद्धांत (d) मानवतावाद

19. दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम वर्ष ..... में लागू किया गया है। *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) 1995 (b) 1999
(c) 2016 (d) 1992

20. निःशुक्ल एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम, 2009 दिव्यांग बच्चों की निःशुल्क शिक्षा के अधिकारों को सुनिश्चित करता है- *[CTET-Dec.-2018-II]*
(a) 3 वर्ष से 18 वर्ष तक के लिए
(b) 6 वर्ष से 14 वर्ष तक के लिए
(c) 6 वर्ष से 22 वर्ष तक के लिए
(d) 6 वर्ष से 18 वर्ष तक के लिए

21. निम्नांकित में से किन्हें बाल-अध्ययन का संस्थापक माना जाता है? *[HTET-2019]*
(a) अल्फ्रेड बिने (b) थियोडोर साइमन
(c) जी. स्टेनले हॉल (d) बी. एफ. स्किनर

22. निम्नलिखित संरचनाओं में से शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 किसकी वकालत करता है? *[CTET-2019-I]*
(a) मुख्यधारा शिक्षण (b) एकीकृत शिक्षा
(c) समावेशी शिक्षा (d) पृथक्करण

उत्तरमाला																				
1	(b)	**3**	(a)	**5**	(d)	**7**	(a)	**9**	(b)	**11**	(c)	**13**	(b)	**15**	(b)	**17**	(b)	**19**	(c)	**21**	(c)
2	(d)	**4**	(b)	**6**	(a)	**8**	(d)	**10**	(c)	**12**	(c)	**14**	(d)	**16**	(d)	**18**	(b)	**20**	(d)	**22**	(c)

व्याख्या सहित उत्तर

13. (b) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एन.सी.एफ. 2005) हमारी चार राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा रूपरेखाओं में से एक है। इन्हें राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र (एन.सी.ई.आर.टी.) के द्वारा देश में सन् 1975, 1988, 2000 एवं 2005 में प्रकाशित किया गया।

17. (b) मनोविज्ञानशाला इलाहाबाद में सन् 1954 में स्थापित हुआ। इसके बाद मनोविज्ञान अध्ययन की शुरुआत वृहद रूप से हुई थी। यहाँ मनोविज्ञान के विभिन्न विधाओं का अध्ययन किया जाता है।

18. (b) राष्ट्रीय पाठ्य चर्चा फ्रेमवर्क-2005 ने अपनी समझ रचनावाद से प्राप्त की हैं, रचनावाद उस सिद्धांत को कहते हैं जिसमें विद्यार्थी अपने ज्ञान की रचना अथवा निर्माण वातावरण से अंत:क्रिया करते हुए अपने अनुभवों से स्वयं करता है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा फ्रेमवर्क-2005 विद्यालयी शिक्षा का नवीनतम राष्ट्रीय दस्तावेज हैं, इसे अन्तरराष्ट्रीय स्तर के शिक्षाविदो, वैज्ञानिकों, विषय विशेषज्ञों व अध्यापकों ने मिलकर तैयार किया है।

19. (c) दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम वर्ष 2016 में लागू किया गया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने, 13 दिसम्बर 2000 को दिव्यांगजनों के अधिकारों पर उसके अभिसमय को अंगीकृत किया था। भारत सरकार ने दिव्यांगजनों को विकास की मुख्य धारा में शामिल करने के लिए इस अधिनियम को पारित किया है।

20. (d) नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा विधेयक 2009 भारतीय संसद द्वारा वर्ष 2009 में पारित किया गया, इसके तहत बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का मौलिक अधिकार दिया गया। भारतीय संविधान के भाग-4 के अनुच्छेद-45 में 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनिवार्य एवं नि:शुल्क शिक्षा की व्यवस्था हैं, लेकिन दिव्यांग बच्चों के लिए अधिकतम आयु 18 वर्ष है। 86वें संविधान संशोधन के द्वारा 21(क) में प्राथमिक शिक्षा को सभी नागरिकों का मूलाधिकार बना दिया गया है। नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा विधेयक 2009 में सामान्य बच्चों के लिए शिक्षा की व्यवस्था 6 से 14 वर्ष तक के लिए है।

21. (c) जी. स्टेनले हॉल को बाल अध्ययन का संस्थापक माना जाता है। वे अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के प्रथम अध्यक्ष थे। संयुक्त राज्य अमेरिका में मनोविज्ञान के विकास में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी।

22. (c) शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 समावेशी शिक्षा की वकालत करता है। समावेशी शिक्षा का अर्थ है सभी बच्चों को समान शिक्षा प्रदान करना चाहे वे सामान्य शारीरिक गठन वाले हों अथवा दिव्यांग। कम सुनाई देना या सुनाई न देना, चलने में कठिनाई, मानसिक विकलांगता, लिखने-पढ़ने में कठिनाई अथवा अध्ययनशीलता में कमजोर बच्चे विशिष्ट छात्रों की श्रेणी में आते हैं।

अभ्यास-2

1. भारतीय प्रणाली में स्त्री-शिक्षा की क्या स्थिति थी?
(a) पूर्ण अवहेलना थी
(b) समुचित महत्व देते थे
(c) केवल साक्षरता प्रदान की जाती थी
(d) केवल गृहस्थी सम्बंधी शिक्षा दी जाती थी

2. वैदिक कालीन शिक्षा का स्वरूप था-
(a) व्यवसायिक (b) आध्यात्मिक
(c) नैतिक (d) धार्मिक

3. बौद्ध शिक्षा दी जाती थी-
(a) मन्दिरों में (b) मठों में
(c) मस्जिदों में (d) उपरोक्त सभी में

4. बौद्ध युग में चिकित्सा विद्वान की शिक्षा का केन्द्र था-
(a) नालन्दा (b) तक्षशिला
(c) वल्लभी (d) विक्रमशिला

5. बौद्ध शिक्षा प्रणाली की समाधि थी-
(a) 6 वर्ष (b) 12 वर्ष
(c) 22 वर्ष (d) 25 वर्ष

6. लॉर्ड मैकाले ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया-
(a) 1835 (b) 1834
(c) 1836 (d) 1831

7. लॉर्ड मैकाले पूर्वाग्रहित था-
(a) अंग्रेजी साहित्य के प्रति
(b) अंग्रेजी भाषा के प्रति
(c) पाश्चात्य विज्ञान के प्रति
(d) भारतीय साहित्य व भाषा

8. सन् 1838 में शिक्षकों का वेतन था-
(a) 10-12 रुपये (b) 5-18 रुपये
(c) 20-30 रुपये (d) 41-45 रुपये

9. वैदिक युगीन शिक्षा की मुख्य विशेषता थी-
(a) समुचित शिक्षा (b) भिक्षावृत्ति
(c) देशाटन (d) रटना

10. प्राथमिक शिक्षा स्थानीय निकायों को सौंपने का सुझाव किसका था?
(a) वुड डिस्पैच (b) हण्टर कमीशन
(c) स्टेनले आदेश (d) उपरोक्त सभी

11. भारत सरकार अधिनियम पारित हुआ था-
(a) 1921 (b) 1919
(c) 1927 (d) 1928

12. हर्टांग समिति ने प्राथमिक स्तर पर किस समस्या की ओर ध्यान दिलाया?
(a) रूढ़िवादिता (b) अपव्यय
(c) अवरोधन (d) उपरोक्त सभी

13. अवरोधन का अर्थ है-
(a) पढ़ाई छोड़ देना (b) कक्षा से भाग जाना
(c) फेल होना (d) स्थगित होना

14. अपव्यय से अभिप्राय है-
(a) फेल होना (b) कक्षा में उत्तीर्ण होना
(c) पढ़ाई छोड़ना (d) उपरोक्त सभी

15. अखिल भारतीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ था-
(a) 1917 (b) 1937
(c) 1938 (d) 1948

16. बुनियादी शिक्षा का लक्ष्य है-
(a) लिखना, पढ़ना, गिनना, सीखना।
(b) नागरिकता के गुणों का विकास
(c) उद्योग द्वारा शिक्षा
(d) उपरोक्त सभी

17. विश्व विद्यालय शिक्षा आयोग की नियुक्ति हुई थी-
(a) 1947 (b) 1948
(c) 1964 (d) 1951

18. मुदालियर कमीशन का कार्य-क्षेत्र था
(a) सम्पूर्ण शिक्षा (b) प्राथमिक शिक्षा
(c) माध्यमिक शिक्षा (d) उच्च शिक्षा

19. मुदालियर आयोग ने पाठ्यक्रम का विभाजन किया-
(a) 5 वर्ग (b) 8 वर्ग
(c) 6 वर्ग (d) 7 वर्ग

20. बहुउद्देश्यीय विद्यालय खोलने का सुझाव था-
(a) कोठारी कमीशन का
(b) विश्व विद्यालय आयोग का
(c) माध्यमिक शिक्षा आयोग का
(d) खेर समिति का

21. राष्ट्रीय शिक्षा आयोग की नियुक्ति हुई थी-
(a) 1964-66 (b) 1952-53
(c) 1948-49 (d) 1942-43

22. कोठारी कमीशन की रिपोर्ट का नाम था-
(a) शिक्षा व राष्ट्रीय विकास
(b) शिक्षा आयोग रिपोर्ट
(c) कोठारी कमीशन रिपोर्ट
(d) भारतीय शिक्षा रिपोर्ट

23. कोठारी कमीशन में कार्यकारी दलों की संख्या थी-
(a) 10 (b) 12
(c) 7 (d) 9

24. कोठारी कमीशन ने शिक्षा पर बजट का कितने प्रतिशत व्यय करने को कहा?
(a) 50 प्रतिशत (b) 6 प्रतिशत
(c) 7 प्रतिशत (d) 9 प्रतिशत

25. 'स्टेट बोर्ड ऑफ टीचर एजूकेशन' का सुझाव किसने दिया था?
(a) ताराचंद समिति (b) राममूर्ति आयोग
(c) कोठारी आयोग (d) मुदालियर आयोग

26. शिक्षकों की शिक्षा का अर्थ है-
(a) शिक्षकों को उनके विषय की शिक्षा देना।
(b) शिक्षा सिद्धान्त व व्यवहार की शिक्षा देना
(c) शिक्षण सम्बंधी कौशलों का विकास
(d) उपरोक्त सभी

27. माध्यमिक स्तर पर शिक्षक शिक्षा के उद्देश्य हैं-
(a) विषय का ज्ञान
(b) छात्रों में व्यवहार परिवर्तन
(c) लेखन व वाचन की क्षमता
(d) परीक्षण उत्तीर्ण

28. अध्यापक शिक्षा की समस्या है-
(a) प्रशिक्षण संस्था में तालमेल का अभाव।
(b) सिद्धान्त व्यवहार में असंतुलन
(c) अनुचित पाठ्यक्रम
(d) उपरोक्त सभी

29. शिक्षक-शिक्षा को प्रभावी बनाया जा सकता है-
(a) दीर्घकालीन योजनाओं द्वारा
(b) मांग के अनुरूप शिक्षण संस्थाओं की सभ्यता द्वारा
(c) सेवाकालीन प्रशिक्षण द्वारा
(d) उपरोक्त सभी

30. प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों के प्रशिक्षण हेतु विद्यालय हैं-
(a) नार्मल विद्यालय (b) ट्रेनिंग महाविद्यालय
(c) सैकेण्डरी प्रशिक्षण (d) इनमें से कोई नहीं

31. कोठारी आयोग ने प्रत्येक राज्य में अध्यापक शिक्षा स्टेट बोर्ड की स्थापना का सुझाव किस सन् में दिया।
(a) 1966 (b) 1970
(c) 1980 (d) 1984

32. प्रशिक्षण सुविधाओं के विस्तार से अभिप्राय है-
(a) सेवाकालीन प्रशिक्षण
(b) पत्राचार द्वारा प्रशिक्षण
(c) ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण
(d) उपरोक्त सभी

33. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् अधिनियम बना-
(a) 1954 (b) 1993
(c) 1986 (d) 1995

34. परिषद् के पूर्णकालीन अधिकारी नहीं हैं-
(a) अध्यक्ष (b) उपाध्यक्ष
(c) सचिव (d) सी.बी.एस.ई. यूदेन।

35. अपव्यय व अवरोधन की ओर सर्वप्रथम संकेत किया-
(a) सर फिलिप हर्टांग (b) एबट व वुड
(c) सर विलियम सैंडलर (d) रैले

36. बालकों की शिक्षा प्रारम्भ होती है-
(a) प्राथमिक स्तर पर (b) माध्यमिक स्तर पर
(c) उच्च स्तर पर (d) इनमें से कोई नहीं

37. प्राथमिक शिक्षा का प्रशासन व संचालन भारतीय सरकार में कौन-सा मंत्रालय करता है?
(a) रक्षा मंत्रालय (b) वित्त मंत्रालय
(c) मानव संसाधन मंत्रालय (d) इनमें से कोई नहीं

38. प्राथमिक शिक्षा के विकास हेतु योजना बनाना किसका दायित्व है?
(a) केन्द्रीय शिक्षा परामर्शदाता मण्डल।
(b) अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षा परिषद
(c) उपर्युक्त दोनों
(d) इनमें से कोई नहीं।

39. शिक्षा में छात्रों ने किस सीमा तक अधिगम किया है, यह किस प्रक्रिया द्वारा पता लगाया जाता है?
(a) वस्तुनिष्ठ परीक्षण (b) मूल्यांकन
(c) निर्देशन (d) इनमें से कोई नहीं

40. शिक्षा के क्षेत्र की वह समस्या, जब छात्र किसी स्तर की शिक्षा पूर्ण किये बिना ही शिक्षा छोड़ देता है, कहलाता है-
(a) अपव्यय की समस्या (b) अवरोधन की समस्या
(c) गंभीर समस्या (d) शिक्षा की निरर्थकता

41. शिक्षा के क्षेत्र में अपव्यय की समस्या के मूल कारण क्या हैं?
(a) निर्धनता
(b) जीविकोपार्जन की अधिक आवश्यकता
(c) अच्छे व योग्य अध्यापकों का अभाव
(d) उपर्युक्त सभी कारण

42. शिक्षा के क्षेत्र में अवरोधन की समस्या का मुख्य कारण है-
(a) अनुपयुक्त पाठ्यक्रम
(b) कक्षा में छात्रों का
(c) दोषपूर्ण शिक्षण विधि व परीक्षा प्रणाली
(d) उपर्युक्त सभी

43. एन.सी.ई.आर.टी. की स्थापना की गई-
(a) 1830 में (b) 1961 में
(c) 1985 में (d) 1986 में

44. शिक्षा के पुर्ननिर्माण में सबसे अधिक सहयोग है-
(a) शिक्षक का (b) भवन का
(c) धन का (d) निरीक्षण का

45. राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय की स्थापना हुई-
(a) 1979 (b) 1986
(c) 1985 (d) 1981

46. प्राचीन काल में भारत में विश्वप्रसिद्ध विश्वविद्यालय ने-
(a) नालंदा
(b) तक्षशिला
(c) नालंदा व तक्षशिला देना
(d) उपरोक्त सभी

47. प्राचीन समय में नालंदा व तक्षशिला में कौन-कौन से विषय पढ़ाये जाते थे?
(a) ज्योतिष (b) धार्मिक संस्कार
(c) चिकित्सा (d) उपयुक्त सभी

48. मुस्लिम काल में मदरसों में उच्च शिक्षा किस माध्यम से दी जाती थी?
(a) अरबी (b) फारसी
(c) अरबी-फारसी दोनों (d) उपरोक्त सभी

49. 1857 में निम्न में से कौन-सा विश्वविद्यालय स्थापित किया गया?
(a) कलकत्ता (b) बम्बई
(c) मद्रास (d) उपरोक्त तीनों

50. पंजाब विश्वविद्यालय की स्थापना निम्न में से किस सन् में हुई?
(a) सन् 1880 ई. (b) सन् 1882 ई.
(c) सन् 1990 ई. (d) सन् 1962 ई.

51. कार्यानुभव का उद्देश्य है-
(a) कार्यक्षमता उत्पन्न करना
(b) छात्र में श्रमनिष्ठ उत्पन्न करना
(c) आर्थिक विकास की चेतना उत्पन्न करना
(d) उपर्युक्त सभी

52. निम्नलिखित में से कौन-सा विश्वविद्यालय एकात्मक व आवासीय है?
(a) अलीगढ़ (b) मेरठ
(c) आगरा (d) कानपुर

53. उच्च शिक्षा के गिरते हुए स्तर का प्रमुख कारण है-
(a) कक्षा में छात्रों की आर्थिक संख्या।
(b) शिक्षकों का वेतन कम होना
(c) शिक्षकों द्वारा शिक्षण कार्यों में रुचि ना लेना
(d) उपर्युक्त सभी

54. शिक्षा तकनीकी से तात्पर्य है-
(a) मशीनों का उपयोग
(b) दृश्य-श्रव्य सामग्री का प्रयोग
(c) कल व विज्ञान में मध्यस्थता
(d) इनमें से कोई नहीं

55. भारत में बनारस संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना किसने की थी?
(a) लॉर्ड मिन्टो (b) वारेन हेस्टिंग
(c) जॉन्सन डंकन (d) लॉर्ड वैलेजली

56. भारत में फोर्ट विलियम कालेज की स्थापना की-
(a) लॉर्ड डलहौजी (b) लॉर्ड वैलेजली
(c) लॉर्ड कर्जन (d) लॉर्ड मिन्टो

57. कलकत्ता में हिन्दू कालेज कब स्थापित हुआ?
(a) 1817 (b) 1818
(c) 1819 (d) 1820

58. पूना में 'पूना संस्कृत कालेज' स्थापित किया-
(a) राजा राम मोहन राय (b) दयानंद सरस्वती
(c) गवर्नर वैलेजली (d) गवर्नर एलफिन्सटन

59. मुस्लिम शिक्षा प्रणाली में 'विस्मिल्लाह खानी' रस्म किस आयु में होती थी?
(a) 4 वर्ष, 4 माह, 4 दिन
(b) 5 वर्ष, 5 माह, 5 दिन
(c) 6 वर्ष, 6 माह, 6 दिन
(d) 8 वर्ष, 8 माह, 8 दिन

60. मुस्लिम काल में उच्च शिक्षा कहां दी जाती थी?
(a) मकतबों (b) मदरसों
(c) खानकाहों (d) दरगाहों

61. दिल्ली में 'मदरसा-ए-मुअज्जी' की स्थापना किसने करवाई थी?
(a) कुतुबुद्दीन ऐबक (b) इल्तुतमिश ऐबक
(c) हुमायुँ (d) औरंगजेब

62. भारत में सबसे पहले कौन-से ईसाई मिशनरी आये थे?
(a) पुर्तगाली (b) डच
(c) फ्रांसीसी (d) अंग्रेज

63. 19वीं शताब्दी के आरम्भ में भारत में साक्षरता प्रतिशत कितना था?
(a) लगभग 5 % (b) लगभग 6 %
(c) लगभग 7 % (d) लगभग 14 %

64. सन् 1902 में भारत में कुल कितने विश्वविद्यालय थे?
(a) 4 (b) 5
(c) 11 (d) 19

65. गोखले ने प्राथमिक शिक्षा सम्बंधी विधेयक धारा सभा में कब पेश की?
(a) 1910 (b) 1912
(c) 1911 (d) 1913

66. ब्रिटिश सम्राट जार्ज पंचम ने भारत आने पर प्राथमिक शिक्षा हेतु कितनी अतिरिक्त धनराशि की घोषणा की?
(a) 20 लाख (b) 40 लाख
(c) 30 लाख (d) 50 लाख

67. भारत में माध्यमिक शिक्षा बोर्डों की स्थापना का सुझाव किस आयोग ने दिया था?
(a) भारतीय शिक्षा आयोग
(b) भारतीय विश्वविद्यालय आयोग
(c) कलकत्ता विश्वविद्यालय आयोग
(d) माध्यमिक आयोग

68. वर्धा शिक्षा सम्मेलन कब हुआ था?
(a) 1936 (b) 1937
(c) 1938 (d) 1939

69. खेर समिति द्वितीय ने बेसिक शिक्षा की अवधि कितने वर्ष प्रस्तावित की थी?
(a) 5 वर्ष (b) 6 वर्ष
(c) 7 वर्ष (d) 8 वर्ष

70. ग्रामीण विश्वविद्यालय की स्थापना का सुझाव किस आयोग ने दिया था?
(a) भारतीय शिक्षा आयोग
(b) कलकत्ता विश्वविद्यालय आयोग
(c) विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग
(d) भारतीय विश्वविद्यालय आयोग

71. शिक्षा को समवर्ती सूची पर किस संविधान संशोधन द्व ारा लाया गया?
(a) 40 वें (b) 42 वें
(c) 46 वें (d) 44 वें

72. शिक्षा को समवर्ती सूची में कब लाया गया।
(a) 1950 (b) 1986
(c) 1952 (d) 1976

73. 14 वर्ष तक के बच्चों की अनिवार्य एवं नि:शुल्क शिक्षा का निर्देश संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया है?
(a) 40 वें (b) 42 वें
(c) 45 वें (d) 46 वें

74. बहुउद्देश्यीय विद्यालय खोलने का सुझाव सर्वप्रथम किसने दिया था?
(a) ताराचंद समिति (b) मुदालियर कमीशन
(c) हर्टांग (d) कोठारी कमीशन

75. मुदालियर कमीशन का कार्य-क्षेत्र क्या था?
(a) प्राथमिक शिक्षा (b) उच्च शिक्षा
(c) माध्यमिक शिक्षा (d) सम्पूर्ण शिक्षा

76. राष्ट्रीय शिक्षा आयोग (कोठारी कमीशन) ने बजट का कुल कितने प्रतिशत शिक्षा पर खर्च करने का सुझाव दिया?
(a) 4 प्रतिशत (b) 6 प्रतिशत
(c) 10 प्रतिशत (d) 8 प्रतिशत

77. राष्ट्रीय शिक्षा आयोग का कार्य-क्षेत्र क्या था-
(a) प्राथमिक शिक्षा (b) माध्यमिक शिक्षा
(c) सम्पूर्ण शिक्षा (d) उच्च शिक्षा

78. 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' 1968 में किस शिक्षा संरचना को स्वीकार किया गया?
(a) 5+3+2+2+3 (b) 8+2+2+3
(c) 8+4+3 (d) 10+2+3

79. राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1968 में अनिवार्य एवं नि:शुल्क प्राथमिक शिक्षा के लक्ष्य को कब तक प्राप्त करने की घोषणा की?
(a) 1978 (b) 1988
(c) 1998 (d) 2000

80. राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1968 में किस स्तर की शिक्षा को अनिवार्य करना प्रस्तावित किया?
(a) प्राथमिक (b) उच्च प्राथमिक
(c) माध्यमिक (d) उच्च माध्यमिक

81. राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1979 में प्राथमिक शिक्षा को किस क्रम पर रखा गया?
(a) प्रथम (b) द्वितीय
(c) तृतीय (d) चतुर्थ

82. राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1979 में प्रौढ़ शिक्षा के, अन्तर्गत किस आयुसमूह के व्यक्तियों को रखा गया-
(a) 10-30 (b) 15-30
(c) 15-35 (d) 15-40

83. उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 'ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड' के अर्न्तगत कितनी धनराशि दी जाती है?
(a) 10 हजार (b) 40 हजार
(c) 50 हजार (d) 60 हजार

84. ब्लैकबोर्ड योजना को उच्च प्राथमिक स्तर पर कब लागू किया?
(a) 1990 (b) 1991
(c) 1992 (d) 1993

85. संशोधित राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उच्च प्राथमिक का कब तक सर्वसुलभ बनाने को कहा गया?
(a) 1995 (b) 2005
(c) 2008 (d) 2010

उत्तरमाला

1	(b)	**12**	(d)	**23**	(b)	**34**	(d)	**45**	(a)	**56**	(b)	**67**	(c)	**78**	(a)
2	(b)	**13**	(a)	**24**	(b)	**35**	(a)	**46**	(d)	**57**	(a)	**68**	(b)	**79**	(a)
3	(b)	**14**	(a)	**25**	(c)	**36**	(a)	**47**	(d)	**58**	(d)	**69**	(d)	**80**	(c)
4	(c)	**15**	(b)	**26**	(d)	**37**	(c)	**48**	(d)	**59**	(a)	**70**	(c)	**81**	(a)
5	(c)	**16**	(d)	**27**	(b)	**38**	(c)	**49**	(d)	**60**	(b)	**71**	(b)	**82**	(c)
6	(a)	**17**	(b)	**28**	(d)	**39**	(b)	**50**	(d)	**61**	(b)	**72**	(d)	**83**	(b)
7	(a)	**18**	(c)	**29**	(d)	**40**	(a)	**51**	(d)	**62**	(b)	**73**	(c)	**84**	(c)
8	(a)	**19**	(b)	**30**	(a)	**41**	(d)	**52**	(d)	**63**	(c)	**74**	(a)	**85**	(b)
9	(b)	**20**	(c)	**31**	(a)	**42**	(d)	**53**	(d)	**64**	(b)	**75**	(c)		
10	(b)	**21**	(a)	**32**	(d)	**43**	(b)	**54**	(c)	**65**	(c)	**76**	(b)		
11	(b)	**22**	(a)	**33**	(b)	**44**	(a)	**55**	(c)	**66**	(d)	**77**	(c)		